[CATA]LOGUE

OF

SANSKRIT MANUSCRIPTS

IN THE

GOVT. ORIENTAL LIBRARY, MYSORE

मैसूरु राजकीय प्राच्यकोशागारस्थ लिखित

संस्कृत पुस्तकप्रदर्शिनी

MYSORE:
PRINTED AT THE GOVERNMENT BRANCH PRESS
1922

CATALOGUE

OF

SANSKRIT MANUSCRIPTS

IN THE

GOVT. ORIENTAL LIBRARY, MYSORE

मैसूरु राजकीय प्राच्यकोशागारस्थ लिखित संस्कृत पुस्तकप्रदर्शिनी

MYSORE:

PRINTED AT THE GOVERNMENT BRANCH PRESS

1922

विषयसूचिका.

		पुटसंख्या.
I वेदः—		
(1) संहिता.	....	1, 611
(2) ब्राह्मणम्	....	4, 611
(3) आरण्यकम्	....	9
(4) उपनिषदः	....	10
(5) मन्त्रसंग्रहः, भाष्यं च	....	14, 611
II वेदाङ्गम्—		
(1) शिक्षा	....	20, 611
(2) श्रौतसूत्रम्	....	42, 614
(3) श्रौतप्रयोगः	....	52, 615
(4) गृह्यसूत्रम्	....	66, 617
(5) पितृमेधसूत्रम्	....	71, 619
(6) गृह्यप्रयोगः	....	73, 617
आश्वलायनीयः (1)	....	,, ,,
आपस्तम्बीयः (2)	....	75, 618
बोधायनीयः (3)	....	81, 618
द्राह्यायणीयः (4)	....	82
कात्यायनीयः (5)	....	84
माध्यन्दिनीयः (6)	....	,,
वैखानसीयः (7)	....	,,
(7) धर्मसूत्रम्	....	,, 619

				पुटसंख्या.
III	स्मृतिः—			
	(1) मूलस्मृतिः	....	....	87, 619
	(2) निबन्धग्रन्थः	....	....	93, 620
	(3) व्रतग्रन्थः	....	....	141, 625
IV	इतिहासः—	....	....	146, 626
V	(1) पुराणम्	....	....	162, 626
	(2) उपाख्यानम्	....	....	175
	(3) गीता	....	....	176, 628
	(4) माहात्म्यम्	....	....	178, 628
	(5) सहस्रनामस्तोत्रम्	....	....	195
	(6) आर्षस्तोत्रम्	....	...	198, 631
VI	काव्यम्—			
	(1) स्तोत्रम्	....	...	209, 631
	(2) पद्यकाव्यम्	....	..	241, 633
	(3) गद्यकाव्यम्	....	....	261, 635
	(4) चम्पूः	....	....	263, 635
	(5) नाटकम्	....	....	272, 636
	(6) सुभाषितम्	....	....	287, 637
	(7) नीतिग्रन्थः	....	....	291
	(8) कथाग्रन्थः	....	....	292, 638
VII	छन्दश्शास्त्रम्	....	....	293, 639
VIII	अलङ्कारशास्त्रम्	....	....	295, 639
IX	शिल्पशास्त्रम्	....	....	305, 640
X	रत्नशास्त्रम्	....	....	,,
XI	अर्थशास्त्रम्	....	....	,,

		पुटसंख्या.
XII	कामशास्त्रम्	306, 640
XIII	भरतशास्त्रम्	307, 541
XIV	व्याकरणम्	309, 641
XV	प्राकृतव्याकरणम्	326
XVI	ज्योतिश्शास्त्रम्	327, 642
XVII	वैद्यशास्त्रम्	360, 649
XVIII	न्यायशास्त्रम्	370, 652
XIX	साङ्ख्यशास्त्रम्	402
XX	योगशास्त्रम्	403, 655
YXI	पूर्वमीमांसा	407, 655
XXII	(1) अद्वैतम्	420, 656
	(2) अनुभवाद्वैतम्	457
XXIII	(1) विशिष्टाद्वैतं संस्कृतम्	462, 660
	(2) ,, द्राविडम्	495
XXIV	द्वैतम्	503, 663
XXV	शैवम्	542, 667
XXVI	वीरशैवम्	548
XXVII	वल्लभग्रन्थः	550
XXVIII	वैदिकं दर्शनान्तरम्	,,
XXIX	जैनम्	552, 667
XXX	इतरसामयिकग्रन्थः (अनिर्दिष्टम्)	561, 667
XXXI	मन्त्रशास्त्रम्	563, 668
XXXII	आगमः—	
	(1) पञ्चरात्रम्	592, 671

		पृष्ठसंख्या.
	(2) वैखानसागमः	595
	(3) शैवागमः	596
XXXIII	निघण्टुः	603, 672
	सूचीपत्रम्	672
	English Manuscripts	672

CATALOGUE OF SANSKRIT MANUSCRIPTS

IN THE

GOVT. ORIENTAL LIBRARY, MYSORE.

लिखितसंस्कृतग्रन्थनामावळिः.

I वेदः.

(1) संहिता.

ऋक्संहितापदपाठः.

(C 162) दे. 102, 94, 102, 70, 69, 71, 56, 59, पत्राणि द्वितीयाष्टकमारभ्य अष्टमाष्टके चतुर्थाध्यायान्ताः.

(C 459) दे. 62, 66, 65, पत्राणि 1, 2, 4, 6, 7 अष्टकानि.

ऋक्संहिताभाष्यम्. वेदार्थप्रकाशाख्यं सायणमाधवीयम्.

(C 341) दे. 84 प. प्रथमाष्टके द्वितीयोऽध्यायः.

(C 458) दे. आ. 9, 24 प. षष्ठाष्टके सप्तमोऽध्यायः, अष्टमाष्टके पञ्चमोऽध्यायश्च.

तैत्तिरीयसंहिता.

(1037) ग्र. 196 प. समग्रा.

(4272) ग्र. 312 प. आदितः पञ्च काण्डाः.

(1585) ग्र. 235 प. ,,

(2684) ना. 69 प.

(C 863) दे. 436 प. द्वितीयकाण्डवर्जम्.

(837) ग्र. 160 प. पदपाठः आदितः त्रयः काण्डाः.

(688) ना. 196 प. पदपाठः सप्तमकाण्डे प्रथमप्रश्नपर्यन्तः.

(2683) आ. 176 प. ,,

(C 842) दे. 641 प. ,, पञ्चमकाण्डवर्जम्.

तैत्तिरीयसंहिताभाष्यम् भट्टभास्करविरचितं ज्ञानयज्ञाख्यम्.

(473) आ. 74 प. 1 मकाण्डे 4 र्थप्रश्ने 23 मानुवाकान्तम्.

(A 2) आ. 236 प. 1 मः काण्ढः.

(1013) ग्र. 445 प. 1, 2 काण्डौ.

(A 3) आ 107 प. 2 यः काण्डः.

(A 4) क. 126 प. 3 यः काण्डः.

(1344) आ 26–106 प. रुद्रभाष्यम्.

(573) ग्र. 46 प नमकचमकभाष्यम्.

(A 5) आ. 127–214 प. 5 मः काण्डः.

(A 6) आ. 93 प षष्टः काण्डः.

(1162) आ. 97 प. षष्टः काण्डः.

(427) ग्र. 159 प. 6–7 काण्डौ.

(673) आ. 61 प. 6-7 काण्डौ.

(A 7) आ. 78 प 7 मः काण्डः.

(B 761) आ. 76 प. 1 मे 5-6 प्रश्नौ.

(2356) ग्र. 65 प. 5 मे 4 र्थ प्रश्नतः षष्ठ काण्डसमाप्तयन्तम्.

(3277) ग्र. 29 प. सप्तमे 4-5 प्रश्नौ.

तैत्तिरीयसंहिताभाष्यम्. (सायणमाधवीयम्.)

(1559) आ. 153 प. आदितः 1 म काण्डे 2 य प्रश्ने 3 यानुवाकपर्यन्तं.

(134) आ. 97–117 प. 1 म काण्डे 8 मः प्रश्नः.

(120 आ 97–187 प. 2 य काण्डे 1-5 प्रश्नाः.

(925) आ. 17 प. 2 य काण्डे 5 म प्रश्ने 10 मानुवाकादि षष्ठ प्रश्ने एकादशानुवाकान्तम्.

(96) आ. 54 प. 3 यः काण्डः 2 य प्रश्ने 9 मानुवाकान्तः.

(1152) आ. 203 प. 4 र्थः काण्डः.

(573) ग्र. 28 प. नमकचमकभाष्यम्.

(110) ना 23, 20 प. रुद्रभाष्यम्.

(1121) ना 250 प. 4 र्थकाण्डे 5 म प्रश्नादारभ्य षष्ठ काण्डं विना भाऽन्तम्.

(A 175) क. 129 प. 7 मः काण्डः.

(3465) ग्र. 371 प. प्रथमे 1-4 प्रश्नाः.

शुक्लयजुस्संहिता (काण्वपाठः).

(3325) ग्र. 178 प. समग्रा.

सामसंहिता.

(835) ग्र. 181 प. समग्रा.

(396) ना. 97 प. गानरूपा. आदितः 5 माध्याये 15 सामपर्यन्ता.

(1694) ग्र. 134 प. ऊहसमाप्तयन्ता.

(334) ना. 17 प. 4 र्थाध्याये षष्ठ खण्डप्रभृति 5 माध्यायपर्यन्तम्.

(334) ना. 59 प. पदपाठः समग्रः.

(1969) ना. 292 प. पदपाठः समग्रः.

(1646) ना. 204-289 प. पदपाठः असमग्रः.

(1964) ना. 198 प. ,, ,,

(365) ना. 204 प. ऊहे 2 य पर्वप्रभृति 7 म पर्वान्तम्.

(334) ना. 43 प. सामारण्यकं गानरूपं समग्रम्.

(2086) ग्र. 212-302 प. ,,

(334) ना. 4 प. सामरहस्यम्. प्रथमपर्वणि 13 सामानि.

(2478) ना. 71 प. ,,

(1943) ना. 54 प. ,, षट्पर्वाणि.

(2485) ना. 40 प. छन्द आर्चिकम्.

(3243) ग्र. 221 प. ,,

(3991) ना. 195 प. ,,

(2485) ना. 80–124 प. संहितागानम्·

(2489) ना. 257 प. ऊहः.

(2572) ना. 139 प. सायणाचार्यविरचितं भाष्यम् 5 अध्यायाः.

(2975) ना. 35+11–52 प. भरतस्वामिविरचितं सामवेदभाष्यम्.

(A 234) दे. 60 प. ,, महानाम्नी समग्रा.

(3234) ग्र. 323 प. (अत्र–प्रकृतिः विकृतिः ऊहः रहस्यं चास्ति).

(2) ब्राह्मणम्.

आर्षेयब्राह्मणम्.

(1970) ना. 57–74 प.

(2479) ना. 77–88 प.

(3007) ग्र. 136–144 प.

(3647) ग्र. 45–60 प.

(A 312) ग्र. 48 प. भट्टभास्करमिश्रीयं आर्षेयदीपाख्यं भाष्यम्.

ऐतरेयब्राह्मणम्.

(4309) ना. 151 प.

(C 173) दे. 34, 42, 44, 34, 43, 35, 32, 30 प. समग्रम्.

(C 460) दे. 29, 29, 21, 25, 28, 27, 27, 43. प. 2, 6–8 पञ्चिकाः.

(53) ना. 27–41 प.

(1916) ना. 58 प. 22–23 अध्यायौ.

(4230) ना. 210 प. समग्रम्.

ऐतरेयब्राह्मणभाष्यम्. वेदार्थप्रकाशाख्यं, सायणमाधवीयम्.

(B 2) आ. 114 प. 1 म पञ्चिका.

(413) आ. 168 प. 1म पञ्चिकायां 3 अ 3 खण्डमारभ्य 3 पं 3 अ 12 खण्डपर्यन्तम्.

(A 1) आ. 102 प. 2 य पञ्चिका.

(B 3) आ. 110 प. 4 र्थ पञ्चिका.

(B 4) आ. 158 प. षष्ठ ,,

(B 5) आ. 74 प. 7 म ,,

(B 6) आ. 76 प. 8 मं ,,

गोपथब्राह्मणम्.

(3333) ग्र. 48-135 प.

जैमिनीयब्राह्मणम् (तलवकारब्राह्मण र.)

(3320) ग्र. 106 प. समग्रम्

(3321) ग्र. 65 प. ,

(A 468) आ. 257 प. ,,

ताण्ड्यमहाब्राह्मणम्.

(1670) ग्र. 119 प.

(1959) ना. 125 प.

(2479) ना. 96-222 प.

(1946) ना. 63 प. 2-3 पञ्चिके.

(3007) ग्र. 199 प.

(C 831) ना. 62+128 प. नारायणाचार्यभाष्ययुतम्.

(3647) ग्र. 21+29 प. सायणमाधवीयभाष्योपेतम्.

तैत्तिरीयब्राह्मणम्.

(1413) आ. 152 प. समग्रम्.

(1520) ग्र. 16 प. 1 मः काण्डः. द्वितीये 1-2 प्रश्नौ च.

(1511) ग्र. 63 प. 2 यः ,,

(574) ग्र. 75 प. ,, ,,

(1703) ग्र. 103 प. 3 यः ,,

(1519) ग्र. 118 प. ,, ,,

(1448) आ. 61 प. तृतीये 1-9 प्रपाठकाः.

(C 864) दे. 372 प.

(2684) ना. 77 प.

(4274) ग्र. 264 प. समग्रम्.

तैत्तिरीयब्राह्मणभाष्यम् (भट्टभास्करीयं ज्ञानयज्ञाख्यम्.)

(710) आ. 3, 22-45, 10-21, 6, 108-109, 23, 38, 46, 107 प. 1 म काण्डे 1 म प्रश्ने, 1 मानुवाकः.

2 यानुवाकमारभ्य समग्रः.

2 यः प्रश्नः 1 मानुवाके 112 वाक्यैर्विना समग्रः.

4 र्थे प्रश्ने 8 मानुवाकः.

2 य काण्डे 5 म प्रश्ने 8 मानुवाके कश्चिद्भागः.

3 य काण्डे 2, 3 प्रश्नौ समग्रौ.

,, 5, 6 ,, ,,

,, 7 म प्रपाठकस्समग्रः.

(A 8) आ. 136 प. 1 मः काण्डः.

(135) आ. 116, 28 प. 1-2 काण्डौ. द्वितीयकाण्डे 4 र्थ प्रपाठके 4 र्थानुवाकपर्यन्तम्.

(178) आ. 32 प. 2 यः काण्डः असमग्रः.

(A 9) आ. 38 प. 3 अष्टके. 1—6 प्रपाठकाः.

(134) आ. 67–97 प. 3य काण्डे 1, 6, 8, 9, 11, 12 प्रपाठकाः.

(A 10) आ. 39 - 89 प. 3 काण्डे 7—9 प्रपाठकाः.

(A 11) आ. 30 प. 3 काण्डे 10—12 ,,

(2652) ग्र. 72 प. 3 ये अष्टके 5 प्रश्नाः.

(3107) ग्र. 69—75 प. तृतीयाष्टके चतुर्थप्रश्नः.

तैत्तिरीयब्राह्मणभाष्यम् (सायणमाधवीयम्.)

(1129) ना. 188 प. 2 काण्डे 1—6 प्रश्नाः.

दैवतब्राह्मणम्.

(53) ना. 42—43 प.

(1970) ना. 75—77 प.

(2497) ना. 88—93 प.

(3647) ग्र. 60-65 प.

मन्त्रब्राह्मणम्.

(1937) ना. 14—24 प.

(1945) ना. 74—88 प.

(1976) ना. 116 प. माधवीयभाष्यसहितम्.

(668) ना. 73—109 प. ,, आदितः 2य प्रपाठके षष्ठ खण्डसमाप्तयन्तम्.

(B 872) क. 109 प. ,,

(3157) ग्र. 92 प. ,,

वंशब्राह्मणम्.

(2497) ना. 93—96 प.

(3647) ग्र. 65–68 प.

शतपथब्राह्मणम्. काण्वशाखीयम्.

(C 98—99) आ.

काण्ड	पत्रसं.	काण्ड	पत्रसं.
हविर्यज्ञ	90	चिति	57.
उद्धारी	27	साचिति	91.
अध्वर	128	अग्निरहस्य	55.
ग्रह	95	अष्टाध्यायी	48.
वाजपेय	26	मध्यम	64.
राजसूय	56	अश्वमेध	57.
उखासंभरण	71	प्रवर्ग्य	29.
हस्तिघट	56	बृहदारण्य	85.

(149) ग्र. 318 प. हव्यवाह-संभार-उद्धारि-अध्वर-ग्रहकाण्डाः.

(A 13) आ. 132 प. हविर्यज्ञ-एकपात्-उद्धारिकाण्डाः.

(A 14) आ. 90+39 प. अध्वर-मध्यमकाण्डौ.

षड्विंशब्राह्मणम्

(53) ना. 15—25 प. 4र्थाध्यायमारभ्य.

(1670) ग्र. 120—136 प.

(1970) ना. 3 प.

(2497) ना. 44—64 प.

(3007) ग्र. 110—124 प.

(3647) ग्र. 1—25 प.

संहितोपनिषद्ब्राह्मणम्.

(53) ना. 44—46 प.

(1970) ना. 78—86 प.

(3007) ग्र. 145—148 प.

सामविधानब्राह्मणम्.

(53) ना. 47—64 प.

(1670) ग्र. 136—148 प. तृतीयप्रपाठकोपक्रमपर्यन्तम्.

(1970) ना. 34—56 प.

(2497) ना. 64—77 प.

(3007) ग्र. 125—135 प.

(3647) ग्र. 26—44 प.

(3) आरण्यकम्.

ऐतरेयारण्यकम्.

(C 174) दे. 70 प. समग्रम्.

(C 849) दे. 64 प.

(2358) ग्र. 28 प. 3 आरण्यकानि.

(B 7) दे. 82 प. सायणीयभाष्ययुतम्. 1मारण्यके 4 अध्यायाः.

तैत्तिरीयारण्यकम्.

(1448) आ. 27—64 प. 1—2, 6 प्रश्नैर्विना समग्रं, उपनिषच्च.

(1700) ग्र. 43 प. 3, 5, 6, 7 प्रश्नाः.

(1525) ग्र. 107 प. उपनिषच्च. समग्रम्.

(1674) ग्र 118 प. समग्रम्.

(1055) आ. 75 प. ,,

(863) क. 64—68 प. पुरुषसूक्तम्.

(C 193) दे. 55 प. तृतीयः प्रश्नः, उपनिषच्च.

(C 864) दे. 118 प.

(1835) ग्र. 99 प.

(2684) ना. 78—105 प.

(4379) ना. 35 प.

तैत्तिरीयारण्यकभाष्यम् (भट्टभास्करीयम् ज्ञानयज्ञाख्यम्).

(A 12) आ. 151 प. समग्रम्.

(A 277) ग्र. 170 प. आदितः अष्टमप्रश्नेदशमानुवाकसमाप्तयन्तम्.

तैत्तिरीयारण्यकभाष्यम् (सायणमाधवीयम्).

(1040) आ. 209 प. याज्ञिक्युपनिषत्समाप्तयन्तम्. मध्ये मध्ये विच्छिन्नम्

(1261) आ. 42 प. चतुर्थः प्रश्नः.

(1819) आ. 37 प. प्रवर्ग्यमन्त्रब्राह्मणभागः.

(1796) ना. 68—71 प. पुरुषसूक्तम्.

(4) उपनिषदः.

अमृतबिन्द्वाद्युपनिषदः.

(1643) ना. 10 प. अमृतबिन्दु-हंस-अमृतनाद-ब्रह्म-कैवल्योपनिषदः.

आचमनीयोपनिषत्.

(C 696) दे. 1 प.

ईशावास्यादयः दशोपनिषदः.

(1958) ना. 74 प.

ऊर्ध्वपुण्ड्राद्युपनिषदः.

(B 927) आ. 20—30 प. (अत्र ऊर्ध्वपुण्ड्र चक्र-वराह-गरुड-गर्भ-अमृतबिन्दु-अमृतनाद-ध्यानबिन्दु-योग-उत्तरगीतास्सन्ति.)

(B 123) दे. 3, 7, 2, 2, 4, 2 प. अत्र ऊर्ध्वपुण्ड्र-महाचक्र प्रणव-श्वेतमृत्स्ना-आश्रम-लघुचक्र-उपनिषदः.

कलिसंतारणोपनिषत्.

(2367) ग्र. 7 प.

कैवल्याद्युपनिषदः.

(C 461) दे. 99—110 प. कैवल्य-गरुड-वासुदेव-कालाग्निरुद्रोपनिषदः.

(2347) प्र. 26 प. अत्र कैवल्य-श्वेताश्वतर-नारायण अथर्वशिर-अथर्वशि-
खा-कालाग्निरुद्रोपनिषदः वर्तन्ते.

गणपत्युपनिषत्.

(B 279) प्र. 3 प.

(C 461) दे. 149—152 प.

गरुडोपनिषत्.

(B 664) क. 58—62 प.

गायत्र्युपनिषत्.

(B 664) क. 40—46 प.

छान्दोग्याद्युपनिषदः.

(1468) आ. 56,4 प. छान्दोग्य-सुबाल-गरुड-मह-सुदर्शनोपनिषदः.

छान्दोग्योपनिषत्.

(2497) ना. 44 प.

जाबालोपनिषत्.

(B 913) प्र. 55 प.

तलवकारोपनिषत्.

(3121) प्र. 65 प.

तैत्तिरीयोपनिषत्.

(4380) ना. 71 प.

त्रिपुरातापिन्युपनिषत्.

(B 271) म. 245—249 प.

(B 636) ना. 8 प.

देव्युपनिषत्.

(B 281) म. 124—132 प.

(B 664) क. 46—48 प.

द्रमिडोपनिषत्.

(545) क. 4 प.

द्वयोपनिषत्.

(B 545) क. 5-6 प.

नारायणोपनिषत्.

(863 क. 16—23, 63—64 प.

निरालम्बोपनिषत्.

(C 1507) दे. 3 प.

नृसिंहतापिनी (शंकराचार्यभाष्योपेता.)

(C 1727) ग्र. 12+65+100 प.

परमरहस्य शिवतत्त्वोपनिषत्. (अथर्ववेदीयकाश्वेषयशाखान्तर्गता.)

(114) ना. 40—41 प.

परमहंसार्यकद्युपनिषदः.

(1533) आ. 8—27 प. (6 उपनिषदः) ?

प्रणवोपनिषत्.

(B 159) क. 10 प. तत्कल्पश्च ओंकारयोगाख्यः.

ब्रह्मकैवल्याद्युपनिषदः.

(1973) ना. 163—322 प. (अत्र—ब्रह्म कैवल्य जाबाल श्वेताश्वतर परमहंस अरुण गर्भ नारायण हस अमृतबिन्दु अमृतनाद अथर्वशिखा अथर्वशिरः मैत्रायण नृसिंहपूर्वोत्तर रामपूर्वोत्तर कालाग्निरुद्र सुबालोपनिषदः 18.)

ब्रह्म-लघु-जाबालाद्युपनिषदः.

(3621) ग्र. 60—75+70 प.

मठाम्नायपञ्चीकरणोपनिषत्.

(B 230) क. 4—5 प.

मन्त्रविवरणाद्युपनिषदः.

(115) आ. 11—28 प. 21—23 पत्राणि लुप्तानि अत्र मन्त्रविवरण-यन्त्रविवरण-आनन्दनाम्नी-भावनोपनिषदः.

मुक्तिकश्वेताश्वतरोपनिषदौ.

(C 1516) आ. 8 + 12 प.

राजराजेश्वर्युपनिषत्.

(B 330) म. 1 प.

रामतापिनी.

(1541) ना. 16 प.

रामपूर्वोत्तरतापिन्युपनिषदौ.

(C 248) ना. 13-44 प.

रुद्राक्षाद्युपनिषदः.

(667) ना. 22-55 प. अत्र रुद्राक्ष-कालाग्निरुद्र-रामपूर्वतापिनी-रामोत्तर-तापिन्युपनिषदः.

वासुदेवोपनिषत्.

(B 309) आ. 2 प.

शाण्डिल्याद्युपनिषदः.

(4136) आ. 60 प.

श्रीचक्रोपनिषत्.

(B 677) ना. 6 प.

श्वेताश्वतराथर्वशिरोऽथर्वशिखोपनिषदः.

(C 1514) आ. 15 प.

सरस्वतीरहस्योपनिषत्.

(677) ना. 6 प.

सरस्वती-वराह-कालाग्निरुद्रोपनिषदः.

(C 1512) आ. 13 प.

साङ्ख्यायनीयाद्युपनिषदः.

(3581) आ. 52 प. (33 उपनिषदः).

सावित्र्युपनिषत्.

(B 664) क. 49—50 प.

सुदर्शनाद्युपनिषदः.

(1682) ग्र. 7, 38—187, 6 प. अत्र सुदर्शन द्वय दीपशिखा परमहंस ब्रह्मविद्या शारीरक ब्रह्म अध्यात्म कौषीतकी मैत्रायणी बृहदारण्य ब्रह्म कालाग्निरुद्र वासुदेव ईशावास्योपनिषदः.

सौभाग्यलक्ष्म्युपनिषत्.

(B 664) क. 50—54 प.

सौभाग्यविद्यात्रिपुरोपनिषत्.

(B 664) क. 39 प.

स्वप्रकाशाद्युपनिषदः.

(B 214) क. 22—61 प. अत्र स्वप्रकाश रहस्य काल श्रुतिरहस्य श्रीराम प्रणव शरीर प्रसादजाबाल चिदम्बर पिप्पल वेदान्तसार सिद्धान्तशिखा भक्तियोग निर्लेप उपनिषदः.

(5) मन्त्रसंग्रहः, भाष्यं च.

'अग्नेयशास्विन्' इति मन्त्रार्थः.

(666) ना. 1 प.

आश्वलायन गृह्यमन्त्रसंहिता (हरदत्तीय व्याख्यायुता).

(B 9) आ. 143 प.

ऋक्सन्ध्याभाष्यम्.

(2437) ना. 4—26 प. वेंकटकृष्णकृतम्.

(B 746) दे. 37 प. कृष्णकृतम्.

(3096) क. 71 प.

(C 634) दे. 24 प.

ऋगर्थदीपिका, वेंकटार्यतनय माधवार्यरचिता.

(B 1) क. 163 प. प्रथमाष्टकम्.

एकाग्निकाण्डः मन्त्रप्रश्नः.

(919) आ. 8 प. द्वितीयप्रश्ने 15-22 खण्डाः.

(1474) आ. 13 प. प्रथमप्रश्नः, द्वितीये 1-15 खण्डाः.

(1511) ग्र. 25 प. समग्रम्.

(1703) ग्र. 124-141 प.

(2285) ग्र. 71 प.

(650) आ. 73 प. हरदत्तव्याख्यासहितः समग्रः.

(1039) आ. 86 प. ,, ,,

(137) आ. 55 प. ,, ,,

(601) ग्र. 56 प. ,, ,,

(1452) आ. 51, 29 प. ,, ,,

(B 10) आ. 31 प. व्याख्यानमात्रम्. 2यप्रश्ने 15खण्डमारभ्य आन्तम्.

(1932) ना. 79—116 प. ,,

(2283) ग्र. 71—105 प. ,,

(2746) आ. 94 प. ,,

(2339) ग्र. 35 प. ,,

(2388) आ. 80 प. ,,

(3107) ग्र. 69 प. ,,

काळीसूक्तम्.

(2349) ग्र. 5—6 प.

कूश्माण्डहोममन्त्रव्याख्या.

(2283) ग्र. 56 - 61 प.

खादिरगृह्यमन्त्रपर्व.

(67) ना. 162 - 176 प.

गणहोममन्त्रव्याख्या.

(2283) ग्र. 61—68 प.

गायत्रीभाष्यम्. शंकराचार्यकृतम्.

(C 696) दे. 3 प.

गायत्रीविवरणम्.

(1684) ग्र. 10 प.

दुर्गासूक्तम्.

(2349) ग्र. 79-80 प.

देवीसूक्तम्.

(B 676) ना. 17 प.

(2510) ना. 17-29 प.

(2349) ग्र. 3 प.

'नवोनवो भवति' इतिमन्त्रार्थः.

(903) ना. 2 प.

पवित्रसूक्तम्.

(2510) ना. 8-17 प.

पारस्करगृह्यमन्त्रभाष्यम्. मुरारिमिश्रीयम्.

(B 831) दे. 122 प.

पुरुषसूक्तभाष्यं माधवीयम्.

(1796) ना. 68—71 प.

(B 925) आ. 58 प. रङ्गनाथसूरिकृतम्.

(C 1354) आ. 39 प. ,,

पुरुषसूक्तव्याख्या.

(3107) ग्र. 76—82 प.

(3631) आ. 15 प.

भूसूक्तम्.

(2349) ग्र. 79—80 प.

मन्युसूक्तारोहणावरोहणादिविधिः.

(292) ना. 5 प.

मन्त्ररामायणम्, नीलकण्ठभट्टकृतं मन्त्ररहस्यप्रकाशिकाख्यव्याख्यया सहितम्.

(C 535) दे. 33 प.

(C 814) दे. 66 प.

मन्त्रसंग्रहः.

(4280) ग्र. 16+42 प.

मन्त्रसंहिता वैखानसीया.

(1359) ग्र. 58 प.

(A 297) आ. 169 प.

महान्यासः.

(4377) ना. 56 प.

लक्ष्मीसूक्तम्.

(2349) ग्र. 3—5 प.

वास्तोष्पत्यादिसूक्तानि.

(905) ना. 8 प.

शान्तिसूक्तम्.

(2743) आ. 18 प.

श्रीरुद्रभाष्यं. माधवीयम्.

(1796) ना. 60—67 प.

(2283) ग्र. 17 प.

(1817) आ. 34 प. वेंकटनाथकृतम्.

श्रीसूक्तभाष्यम्.

(1452) आ. 52—54 प.

(B 660) दे. 6 प.

(2349) ग्र. 6—16 प.

(4114) ग्र. 7 प.

श्रीसूक्तविवरणम्.

(C 76) दे. 3 प.

सन्ध्यावन्दनम्.

(C 624) आ. 7 प.

(C 626) दे. 35 प.

सन्ध्यावन्दनमन्त्रभाष्यम्.

(802) ग्र. 40 प. शंकराचार्यविरचितम्.

(1362) ग्र. 26 प. ,,

(B 138) आ. 28 प. ,,

(3427) ग्र. 62 प. ,,

(384) ना. 8 प. विद्यारण्यविरचितम्.

(743) आ. 10 प. कूरनारायणविराचितम् समग्रम्. 7 मं पत्रं नास्ति.

(930) ग्र. 6 प. शठकोपमुनिविराचितम असमग्रम्.

(B 753) ग्र. 53 प. सुदर्शनाचार्यकृतम्.

(674) ना. 372—377 प. तिरुमलदीक्षितविरचितम्.

(B 922) क. 251 पु. वासुदेवानन्दसरस्वतीविरचितम्.

(511) ग्र. 8 प. नारायणमुनिविरचितम्.

(970) आ. 6—14 प. ,,

(1480) आ. 16 प. ,,

(C 253) ना. 19 प. कृष्णपण्डितविरचितम्. समग्रम्.

(C 465) आ. 46 प. ,,

(B 399) आ. 73 प. ,,

(B 683) आ. 15 प. ,, असमग्रम्.

(2509) ना. 40 प. ,, ,

(1108) ना. 32 प. वेंकटकृष्णाचार्यविरचितम्. द्वैतमतीयम्.

(4001) ना 23 प. ,,

(B 190) आ. 58 प. हारीतविष्णुभट्टविरचितम्.

(B 229) क. 16 प. ,,

(1462) आ. 53—80 प. हरितान्वयव्यासविरचितम्.

(C 366) क. 108 प. तिम्मणाचार्यविरचितम्.

(C 464) आ. 13 प.

(C 1861) दे. 54 प.

सन्ध्यामन्त्रटीका (कर्णाटभाषा).

(A 391) आ. 21—29 प.

सिंहानुवाकभाष्यम्.

(294) आ. 4 प.

(2283) ग्र. 69—70 प.

सूक्तसंग्रहः.

(1299) ना. 108 प.

सोमदीपिका.

(42) आ. 40, 79 प. (सोमयागीयेषु कर्मसु विनियुक्तानां मन्त्राणां विनियोगानुसारेण व्याख्यानं असमग्रम्.)

सोमोत्पत्तिः (वैदिकेतिहासः).

(497) ना. 10—12 प. श्राद्धेतिहासाख्या.

(1388) आ. 6 प. काण्वशाखीया.

(1404) ग्र. 9 प.

(C 33) आ. 7 प.

(738) ना. 4 प.

सौपर्णम् (वैदिकेतिहासः).

(496) ना. 13 प.

II वेदाङ्गम्.

(1) शिक्षा.

अनिङ्ग्यपरिभाषा.

(232) ग्र. 11 प.

(142) आ. 83—103 प. मध्ये अनिङ्ग्यम्.

(640) आ. 13—25 प. मध्ये अनिङ्ग्यशतकम्.

(941) आ. 23—35 प. ,, ,,

(162) आ. 15 प. अनिङ्ग्यव्याख्या.

(972) आ. 13 प. ,,

अन्तर्निर्देशी.

(162) आ. 28—29 प.

(972) आ. 34—35 प.

(232) ग्र. 7 प.

(2262) ग्र. 2 प.

(2265) ग्र. 141—144 प.

अन्तप्रदीपः.

(2262) ग्र. 188—189 प.

(2265) ग्र. 139—140 प.

अन्तप्रदीपिका. श्रीरङ्गार्यविरचिता.

(541) ग्र. 4 प.

(162) आ. 28 तमं प.

(972) आ. 33—34 प.

अन्तोदात्तम्.

(997) ना. 6—7 प.

अर्धान्तिकम्.

(2262) ग्र. 1 प.

(B 600) ना. 28—29 प.

अवर्णि.

(232) ग्र. 3 प.

(142) आ. 92—94 प.

(941) आ. 23—35 प. (मध्ये अवर्णि.)

(102) ग्र. 18—51 प. ,,

अवर्णिव्याख्या महाधिपतियज्वविरचिता.

(588) आ. 109—125 प.

(997) ना. 20—29 प.

(1540) आ. 28—39 प.

अष्टविकृतिलक्षणम्. मस्करीयम्.

(A 264) क. 131—135 प.

आरण्यकशिक्षा.

(285) ग्र. 6 प.

(2748) ना. 13—20 प.

(B 855) ग्र. 49—59 प.

(B 861) ग्र. 24 प.

आरण्यकशिक्षाव्याख्या.

(144) आ. 19 प.

आरण्यकसमानम्.

(B 855) ग्र. 38—40 प.

(B 861) ग्र. 3 प.

आरण्यकसमानसन्धिव्याख्या.

(144) आ. 26—29 प.

आरण्यकसामदीपः नागभट्टसंगृहीतः.

(2485) ना. 41—60 प.

आवर्णि.

(232) ग्र. 4—8 प. मध्ये आकारप्लुतम्.

(941) आ. 23—35 प. ,,

(640) आ. 13—25 प. ,,

(997) ना. 4 प. ,,

आवर्णिव्याख्या.

(1540) आ. 40—46 प

(1702) प्र. 18—51 प.

इङ्गयम् सरत्नम्.

(142) आ. 87—90 प.

(232) प्र. 16—17 प.

(997) ना. 8—12 प.

(B 600) ना. 30—32 प.

उच्चनीचलक्षणम्.

(1978) ना. 9 प.

उच्चस्वरानिर्णयः.

(232) प्र. 12 प.

उच्चस्वरानिर्णयव्याख्या.

(162) आ. 15—26 प.

(972) आ. 22—31 प.

उच्चोदर्की.

(997) ना. 26—30 प.

(B 855) प्र. 31—32 प.

उच्चोदर्कीभाष्यम्.

(997) ना. 39—44 प.

उत्तरदीर्घ्यादि.

(232) प्र. 7 प.

उदात्तादिस्वरप्रकरणम्.

(285) ग्र. 4 प.

उपलेखाभाष्यम्.

(A 233) दे. 8 प.

(A 264) क. 135– 145 प.

(C 475) दे. 4, 12 प. समग्रम्.

उभयपूर्वोत्तरदीर्घी.

(2262) ग्र. 195—196 प।

(2265) ग्र. 139—140 प.

ऊहदीपः नागभट्टसंगृहीतः.

(2485) ना. 125—204 प.

ऋक्तन्त्रम्.

(A 404) ग्र. 20 पु.

ऋक्पादानुक्रमणिका शौनकीया.

(B 8) दे. 52 प.

ऋक्प्रातिशाख्यं शौनकीयम्.

(B 8) दे. 52 प.

(C 846) दे. 10 प.

(2562) ना. 23 प. 19 पटलाः.

ऋक्प्रातिशाख्यपार्षदवृत्तिः.

(C 482) दे. 30 प. 7 पटलाः.

(1660) ना. 16—82 प. अन्ते 78तमे पत्रे 'इतिपार्षदवृत्तौ द्विर्वचनपटलस्समाप्तः' इति वर्तते.

(4224) ना. 173. 15 पटलाः.

(A 230) दे. 89 प. उवटाचार्यविरचिता.

(A 260) क. 112 प.

(A 264) क. 113—121 प.

ऋगनुक्रमणिका परिभाषाव्याख्यानम्.

(C 36) दे. 27 प. 12 खण्डाः.

ऋगनुक्रमणिकाविवरणं. जगन्नाथयतिविरचितं समग्रम्.

(C 37) दे. 48. प.

ऋग्विधानं शौनकीयं. समग्रम्.

(C 185) आ. दे. 60 प.

(4231) ना. 12—100 प.

(C 267) दे. 17 प. ज्येष्ठम्.

(738) ना. 11—22 प. असमग्रम्.

(1644) ना. 7 प. ,,

ऋग्विलङ्घ्य नागदेवकृतम्.

(C 696) दे. 3 प.

ऋषिदेवताच्छन्दोविवरणं. शौनकीयम्.

(2862) ना. 44 प.

ऋम्पाद्विमात्रलक्षणम्.

(C 476) दे. 5 प.

ऋम्पसूत्रम्.

(B 600) ना. 26—27 प.

काण्डानुक्रमणिका.

(264) आ. 12 प.

कालनिर्णयशिक्षा.

(B 252) ग्र. 119—124 प.

कालनिर्णयशिक्षाव्याख्या. मुक्तेश्वराचार्यकृता.

(B 253) ग्र. 47—54 प.

(B 860) ग्र. 71—74 प.

(B 861) ग्र. 20 प.

क्रममणिः सव्याख्यः.

(B 702) क. 21 प.

गायत्राविधानभाष्यम्.

(C 1309) ग्र. 10 प.

गौतमशिक्षा.

(1969) ना. 5 प.

चरणव्यूहः.

(497) ना. 12—15 प.

(1684) ग्र. 4 प.

(C 851) दे. 5 प.

छन्दोदीपः.

(1978) ना. 16—26 प. (कवर्गः).

छन्दोभक्तिज्ञानम्.

(1978) ना. 14—15 प.

छन्दोविचितिभाष्यं. पेत्तादीक्षितकृतम्.

(A 351) ग्र. 75 पु. (मूलकर्ता पतञ्जलिः).

छन्दोविजयः.

(1978) ना. 9 प.

छन्दोव्याख्यासारः कृष्णभट्टीयः.

(C 922) दे. 33 प.

जटापटलः.

(C 477) दे. 12 प.

जटापटलदीपिका.

(C 477) दे. 10, 2 प. दयाशङ्करीया जटालक्षणयु .

जटामणिः.

(285) ग्र. 2 प.

(B 252) ग्र. 125—174 प.

(B 855) ग्र. 69—76 प.

(2262) ग्र. 158—168 प. सव्याख्यः.

(2265) ग्र. 156—165 प. ,,

जटालक्षणम्.

(C 476) दे 3 प.

(521) ना. 33—43 प.

जटालक्षणपरिभाषा.

(A 264) क. 145—149 प.

जटावलिः.

(B 855) ग्र. 65—68 प.

ज्यौतिषं (वेदाङ्गम) लगधविरचितभाष्यसहितम्.

(B 54) आ. 16 प.

तपरम्.

(142) आ. 91—92 प.

(232) ग्र. 1 प.

(640) आ. 13—25 प. मध्ये तपरम्.

(941) आ. 23—35 प. ,,

(1702) ग्र. 18—51 प. ,,

(966) आ. 21—23 प. तपरव्याख्या.

(997) ना. 23—24 प. ,,

तैत्तिरीयप्रातिशाख्यम्.

(541) ग्र. 16 प.

(640) आ. 12 प.

(1702) ग्र. 17 प.

(873) आ. 7—15 प.

(2262) ग्र. 78—85 प.

तैत्तिरीयप्रातिशाख्यविवरणं. त्रिभाष्यरत्नं सोमयार्यविरचितम्.

(142) आ. 86 प.

(584) आ. 65 प.

(607) ग्र. 62 प.

(971) आ. 65 प.

(1231) आ. 25—84 प.

(1461) आ. 63 प.

(2262) ग्र. 86—156 प.

(2265) ग्र. 77 प.

(4103) आ. 99 प.

(232) ग्र. 31 प. वैदिकाभरण. गार्ग्यगोपालयज्वविरचितम्. 'अन्त' इति सूत्रव्याख्यानान्तम्.

(2326) ग्र. 26 प. ,, ,, त्रयोध्यायाः.

त्रिक्रमलक्षणम्.

(2262) प्र. 1 प.

(2265) प्र. 139 तमपत्रम्.

थधकारसूत्रम्.

(142) आ. 95—96 प.

(232) प्र. 2 प.

दकारपरतकारः.

(2262) प्र. 195—196 प.

दशश्लोकी.

(144) आ. 3 प. सवृत्तिका.

द्वितीयवर्णाः.

(162) आ. 27—28 प.

नपरम्.

(142) आ. 90—91 प.

(232) प्र. 2 प.

(873) आ. 5—6 प. तपरं च.

(541) प्र. 22—30 प. मध्ये नपरम्.

(640) आ. 13—25 प. तपरं च.

(941) आ. 22—35 प. ,,

(997) ना. 4—5 प. ,,

(1702) प्र. 18—51 प. ,,

(966) आ. 29 प. नपरव्याख्या.

(1540) आ. 10 प. ,,

नारदभैट्पारिभाषा.

(B 252) ग्र. 54 तमं पत्रम्.

नारदशिक्षा.

(491) ना. 95—105 प.

(1102) आ 10 प.

(1978) ना. 13 प.

निघण्टुः (वेदाङ्गम्).

(1646) ना. 9 प.

(C 474) दे. 13 प.

निरुक्तं यास्कविरचितम्.

(C 468) दे. 89 प. पूर्वषट्कम्.

(C 483) दे. 28 प. उत्तरषट्कम्.

(1305) ना. 62 प.

न्यायपञ्चाशत्.

(B 600) ना. 34—37 प.

पदरत्नक्रमरत्नम्. नागदेवविरचितम्.

(C 476) आ. 7 प.

परिभाषा.

(C 852) दे. 7 प.

पाणिनिशिक्षा.

(1978) ना. 5 प.

(2326) ग्र. 42 प. रामसूनुकृतं याजुषभूषणाख्यं व्याख्यानम्.

(2339) ग्र. 30 प. ,, ,, ,,

(C 78) आ. 53 प. राघवीयभाष्ययुता.

(C 477) दे. 8 प. पाणिनिशिक्षाव्याख्या.

(B 855) प्र. 24—25 प.

पिङ्गलच्छन्दस्सूत्रवृत्तिः. हलायुधकृता.

(2875) आ. 25 प. 6 अध्यायाः.

प्रणवलक्षणम्.

(B 252) प्र. 101—118 प. तैत्तिरीयाणां प्रणवस्वरादिनिर्णयः.

प्लुतनिर्णयः.

(B 857) प्र. 67—69 प.

प्लुतविंशतिः.

(162) आ. 26—27 प.

(972) आ. 32—33 प.

प्लुतसंग्रहः.

(2262) ग्र. 197—199 प.

(2265) ग्र. 138 तमं पत्रम्.

फुल्लसूत्रव्याख्या.

(A 405) ग्र. 150 पु. 7—10 प्रपाठकाः. दीक्षितरामकृष्णीया.

(A 395) ग्र. 221 प. गणपतिपण्डितकृतः फुल्लपोतः.

(A 407) ग्र. 130 पु. अजातशत्रुभट्टीया.

(3358) ग्र. 124 प. ,,

बृहद्देवता (शौनकीया).

(2862) ना. 45—93 प.

बृहत्सर्वानुक्रमणिका (ब्रह्मवेदमन्त्राणाम्).

(3333) ग्र. 47 प.

भरद्वाजशिक्षा.

(972) आ. 36 तमं पत्रम्.

(997) ना. 30—48 प.

(1869) आ. 36 प.

(B 855) ग्र. 13 24 प. सव्याख्या.

(B 644) क. 53 प. ,,

(2886) ना. 77—120 प. ,,

(B 853) ग्र. 46 प. ,,

(B 861) ग्र. 19 प. ,,

(3204) आ. 50 प. ,,

भैण्णाम लक्षणम्.

(2326) ग्र. 8 प.

(B 600) ना. 32—33 प.

(B 366) आ. 83 प. 3 प्रश्नाः.

यजुर्वेदसर्वानुक्रमणी यादवप्रकाशीया.

(B 852) ग्र. 97 प.

यणादेशदीर्घादिविधिः.

(660) ग्र. 23 प.

यणादेशी.

(2262) ग्र. 1 प.

(2665) ग्र. 137 तमं पत्रम.

याजुषभूषणम.

(B 855) ग्र. 101—156 प.

याजुषस्वरकौमुदी.

(2115) ग्र. 94 प. असमग्रा.

योहिप्राप्तिः.

(2262) ग्र. 1 प.

(B 855) ग्र. 46—48 प.

योहिप्राप्तिभाष्यं. सूरिभट्टाविरचितम्.

(144) आ. 30—36 प.

(232) ग्र. 9—15 प.

(285) ग्र. 2 प.

(926) ग्र. 1 प.

(997) ना. 13—20 प. मध्ये.

(B 861) ग्र. 13 प.

रहस्यदीपः. नागाभट्टसंगृहीतः.

(2485) ना. 61—79 प.

रावणभेट्.

(144) आ. 1 प.

(B 252) ग्र. 7 प. मध्ये.

(B 600) ना. 32—33 प.

(B 860) ग्र. 87—90 प.

(2326) ग्र. 8 प.

रेफविसर्जनीयः.

(2262) ग्र. 195—196 प.

(2265) ग्र. 138 तमं प.

लक्षणरत्नपरिभाषा. वैद्यनाथभट्टकृता.

(926) ग्र. 8 मं पत्रम्.

वररुचिशिक्षा

(B 601) क. 13 प.

वर्णक्रमदर्पणम्.

(2262) ग्र. 191—193 प.

(2265) ग्र. 165—167 प.

(B 253) ग्र. 42 प.

(B 855) ग्र. 60—64, 12 प.

(B 856) ग्र. 84 प. वैमानभैरवावधानिकृतम्.

(977) आ. 22—43 प. ,,

वर्णक्रमलक्षणम्.

(2262) ग्र. 189—191 प.

(2265) ग्र. 139—140 प.

वर्णमालिका. पट्टाभिरामकृता (असं).

(359) आ. 12 प.

वर्णसारक्रमनिरूपणम्.

(B 252) ग्र. 70—89 प.

(B 855) ग्र. 77—100 प.

वासिष्ठशिक्षा.

(B 855) ग्र. 26—27 प.

(B 860) ग्र. 67—70 प. व्याख्या.

विलङ्घचम.

(232) ग्र. 3 प.

(541) ग्र. 22—30 प. मध्ये.

(640) आ. 13—25 प.

(873) आ. 3 प.

(941) आ. 23—35 प.

(1540) आ. 47 – 60 प. व्याख्या.

(1702) ग्र 18—51 प. मध्ये व्याख्या.

(997) ना. 25—38 प. वेलुकु भाष्यम्.

वृथाव्यक्तिः.

(2262) ग्र. 1 प.

वृद्धावृद्धीयादीनि दशाङ्गानि.

(2476) ना. 60 प.

वेदाङ्गविचारः.

(2339) ग्र. 9 प.

वैद्यनाथभट्ट.

(B 253) ग्र 55—63 प.

(B 860) ग्र. 75—86 प.

व्यासशिक्षा.

(285) ग्र. 20 प.

(B 599) ना. 13 प.

(2748) ना. 12 प.

व्यासशिक्षाव्याख्यानं वेदतैजसाख्यं सूर्यनारायणविरचितम्.

(588) आ. 106 प.

(2339) ग्र. 39 प.

(3365) आ. 64 प.

(3280) आ. 92—242 प.

(4053) ग्र. 117 प.

(285) ग्र. 20 प. वेलकण्डान्वयजातेन सूरयवादिना कृतम्.

(B 21) आ. 52 प. वेलकण्डान्वयजातेन सूरयवादिना कृतम्.

व्याळशिक्षाव्याख्या.

(B 860) ग्र. 65—66 प.

शम्भुशिक्षा.

(B 855) ग्र. 4 प.

शाखासमानम्.

(B 855) ग्र. 33—37 प.

शिक्षासमुच्चयः.

(B 252) ग्र. 8—69 प.

(2339) ग्र. 20 प.

(B 859) ग्र. 18 प.

षड्विंशतिसूत्रम्.

(142) आ. 97—103 प. किंचिदूनम्.

(144) आ. 9 प. समग्रम्.

(348) आ. 8 प.

(972) आ. 64—69 प.

(977) आ. 44—48 प.

(1702) ग्र. 18—51 प. मध्ये.

(541) ग्र. 7 प.

(2262) ग्र. 200—206 प.

(2265) ग्र. 137 तमं पत्रम्.

(B 855) ग्र. 5—17 प.

सकाररेफपरविसर्जनीयः.

(2262) ग्र. 195—196 प.

(2265) ग्र. 137 तमं पत्रम्.

(2265) ग्र. 144—153 प.

(अत्र समान विलङ्घ्य नपर तपर आवर्णि आवर्णि अनिङ्ग्यानि सन्ति.)

सप्तलक्षणी सव्याख्या.

(B 856) ग्र. 175 प.

(B 858) ग्र. 68 प.

(2262) ग्र. 77 प.

(2265) ग्र. 78—121 प.

(2886) ना. 76 प.

(1809) आ. 37—84 प.

(3279) आ. 68 प.

(3515) ग्र. 108 प.

(3584) आ. 72+8+9 प.

समानम्.

(C 486) आ. 6 प.

(541) ग्र. 17—21 प.

(640) आ. 11—12 प.

(660) ग्र. 5 प.

(873) आ. 3—5 प.

(966) आ. 29 प. मध्ये.

(997) ना. 22 प. मध्ये.

(1540) आ. 11—27 प. मध्ये.

समाससंधिव्याख्या पददर्पणाख्या.. मल्लयार्यविरचिता.

(144) आ. 10—25 प.

(B 600) ना. 25 प.

सर्वसंमतशिक्षा.

(B 855) ग्र. 18—31 प.

(208) ग्र. 3 प.

(972) आ. 14—21 प.

(977) आ. 49—65 प.

(2262) ग्र. 168—188 प. मञ्जिभट्टीय व्याख्यासहिता.

(2265) ग्र. 123—133 प. ,,

(B 600) ना. 38—47 प. ,,

(B 857) ग्र. 66 प. ,,

(4258) ना. 9+12 प. ,,

(541) ग्र. 57 प. आगमप्रकरणम्. स्वरसंस्थानप्रकरणमसमग्रम्.

(208) ग्र. 42+19 प. आमूरिविन्निभट्टविरचितम्. प्रतिकृतिद्वयम्.

सर्वानुक्रमः शौनकीयः.

(C 850) दे. 41 प.

सर्वानुक्रमणी.

(C 477) दे. 37प.

सर्वानुक्रमणिकापरिभाषा.

(C 477) दे. 5 प.

सर्वानुक्रमणीवृत्तिः. वेदार्थदीपिका. षड्गुरुशिष्यविरचिता.

(C 473) आ. 27 प.

(3293) आ 104 प.

(4002) ना. 187 प.

सामकारिका.. रङ्गनाथीया.

(1970) ना. 87—96 प.

सामछलाक्षरम्.

(396) ना. 9 प.

(2487) ना. 75 प.

सामतन्त्रसूत्रम्.

(C 837) ना. 16 प.

(C 838) ना. 16 प.

(3229) ग्र. 63+5 प. सभाष्यम्.

सामदीपः.

(3242) म. 20 प.

सामप्रातिशाख्यं. पुष्पकृतम् (फुल्लसूत्रम्).

(C 834) ना. 48 प. दीक्षितरामकृष्णीय फुल्लदीपाख्य व्याख्यायुतम्.

3—5 अध्यायाः

सामरहस्यछलाक्षरी.

(2574) ना. 94 प.

सामोहच्छलाक्षरम.

(365) ना. 11 प. आदितः 7 पर्वाणि सार्धत्रिशद्व्यपर्यन्तम्.

सिद्धान्तशिक्षा.

(926) ग्र. 5—7 प. असमग्रा.

(997) ना. 30—55 प.

(B 855) ग्र. 28—34 प.

सिद्धान्तशिक्षाव्याख्या. श्रीनिवासदीक्षित विरचिता.

(144) आ. 37—62 प.

(977) आ. 20 प.

(859) ग्र. 54 प.

(3844) ग्र. 30 प.

स्तोभगतागतम्.

(1978) ना. 3 प.

स्वरपञ्चाशत्.

(144) आ. 4—5 प.

(926) ग्र. 2—4 प.

(B 252) ग्र. 89—100 प.

(B 626) ना. 4 प.

(2262) ग्र. 156—158 प.

(2265) ग्र. 121—123 प.

(B 855) ग्र. 41—45 प.

स्वरपञ्चाशद्व्याख्या.

(704) आ. 2—21 प.

(B 632) ना. 38 प.

(B 735) क. 99 प.

स्वरपञ्चाशद्व्याख्या

(B 860) प्र. 65 प.

(2339) प्र. 9—31 प.

स्वरमञ्जरी नृसिंहसूरिविरचिता.

(190) आ. 46 प.

(663) आ. 249—270 प. तिङन्तादितः समग्रा.

स्वरमञ्जरीव्याख्या. परिमळाख्या (गिरिनाथसूरिविराचिता.)

(190) आ. 53 प.

स्वरलक्षणम्.

(2319) प्र. 11 प.

(2265) प्र. 8 प.

स्वरसिद्धान्तचन्द्रिका श्रीनिवासकृता.

(73) प्र. 99 प.

(A 139) क. 138 प.

(3168) प्र. 108 प.

(3632) प्र. 134 प.

(C 1311) दे. 107 प.

स्वरावधानम्.

(B 701) ना. 22 प.

(2338) प्र. 15 प.

(B 805) ना. 11 प.

(B 806) आ. 28 प.

---

(2) श्रौतसूत्रम्.

आपस्तम्बीयं श्रौतसूत्रम्.

(125) आ. 11—29 प. आधान-अग्निहोत्रसूत्रम्. 5—6 प्रश्नौ.

(125) आ. 30—40 प. उत्तरप्रायश्चित्तसूत्रम्.

(467) ना. 43—52 प. पूर्वप्रायश्चित्तसूत्रम्.

(A 53) क. 98 पु. 16—24 प्रश्नाः.

(1155) आ. 72 प. उक्थयादिप्रश्नदशकम्.

(1316) आ. 36 प.

(1378) ग्र. 6—38 प. सोमपञ्चकम्.

(1498) ग्र. 92 प. सोमादि. असमग्रम्.

(1348) आ. 64 प. चयनसूत्रम्.

(1762) आ. 140—198 + 5 प. चयनादिरुत्तरभागः गृह्य मन्त्र धर्मप्रश्नरहितः.

(B 13, 14) आ. 207 प. ,, ,,

(2299) ग्र. 80 प. 13 प्रश्नाः.

(2261) ग्र. 118—197 प. 14—25 प्रश्नाः.

(2682) ना. 274 प. 21 ,,

(2288) आ. 34—64 प. 8—9 ,,

(2337) ग्र. 7 प. अष्टमः ,,

(2203) आ. 101—172 प. नवमः ,,

(1911) ग्र. 78—99 प. नवमः ,,

(A 429) दे. 220 पु. 15 ,,

(C 1442) दे. 273 प. 23 ,,

(3758) ग्र. 116 प. 15 ,,

(3848) ग्र. 10 + 23 प. 7—9 ,,

आपस्तम्बीयं श्रौतसूत्रम्

(711) ना. 49-55 प. परिभाषासूत्रम्. अनुद्धरणादि प्रायश्चित्तानि च.

(341) आ. 3 प. ,,

(341) प्र. 28—31 प. ,,

(136) न. 114—116 प. ,,

(1911) प्र. 101—117 प. ,,

(2203) आ. 7—8 प. ,,

(2285) प्र. 71 प. ,,

(516) आ. 8 प. शुल्बसूत्रम्.

(2696) आ. 61—73. प. ,,

आपस्तम्बीयश्रौतसूत्रभाष्यादि.

(B 11, 12) आ. 306 प.	धूर्तस्वामिभाष्यम्.	15	प्रश्नाः.
(2328) प्र. 21—148 प.	,,	9	,,
(2690) नां. 101 प.	,,	,,	,,
(2701) ना. 94 प.	,,	10—14	,,
(C 1369) दे. 139+192	,,	5—15	,,

धूर्तस्वामिभाष्यवृत्तिः. रामाग्निचित्कृता—

(160) आ. 5—88 प. आदितः चतुर्थप्रश्ने चतुर्थपटलान्ता.

(693) आ. ना. 125 प. दशमप्रश्नमारभ्य द्वादशे सप्तमपटलान्ता
106 तमं पत्रं नास्ति.

(1128) आ. 180 प. पूर्वभागः.

(1131) आ. 181—360 प. उत्तरभागः

(C 1371) दे. 108+194 प. 1—4, 10—13 प्रश्नाः

(C 1439) दे. 16+28+26 प. 6-8 प्रश्नाः.

(2280) प्र. 157 प. 8 प्रश्नाः.

धूर्तस्वामिभाष्यवृत्तिः. रामाग्निचित्कृता—

(2690) न . 54 + 51 प. 10–13 प्रश्नाः.

(2833) ग्र. 99 प. 12–13 ,,

(3640) आ. 110 प. नवमः. ,,

(A 549) आ. 223 प. 6 ,,

(A 562) आ. 191 प.7—11 ,,

(4312) ना. 148 प. 10 – 13 ,,

(4346) ग्र. 139 प. असमग्रा.

(C 1370) दे. 167 + 86 + 32 + 143 + 24 प. रुद्रदत्तीया 15 प्रश्नाः.

कपर्दिस्वामिभाष्यम्—

(B 207) आ. 151 प. 16 प्रश्नाः 17 प्रश्ने 6 पटलाश्च.

(1372) दे. 36 + 185 प. 18 – 21 प्रश्नाः.

श्रौतसूत्रदीपिका रुद्रदत्तीया—

(1693) ग्र. 157 प. आदितः 15 प्रश्ने पञ्चमपटलारम्भपर्यन्ता.

(2685) आ. 256 प. 9 प्रश्नाः.

(2687) आ. 178 प. 10—13 ,,

(2678) आ. 19—98 प. 10–13,15 प्रश्नाः

(2826) ग्र. 83 प. 6 ,,

(2829) ग्र. 77 प. 8—9 ,,

(2939) ग्र. 68 प. 10—13 ,,

(3164) ग्र. 150 प. 9 ,,

(4347) ग्र. 57 प. असमग्रा.

(2733) आ. 75 प. चयनशुल्बवाजपेयादिः.

(182) ग्र. 131–161 प. प्रायश्चित्तदीपिका.

श्रौतसूत्रवृत्तिः. प्रयोगदीपिकाख्या तालवृन्तनिवासिकृता.

(160) आ. 60 प. आदितः पशुबन्धसमाप्त्यन्ता.

(228) आ. 30—52 प. चयनप्रयोगः.

(698) आ. 198 प. अग्निष्टोमान्ता.

(699) आ. 83 प. पूर्वोत्तरप्रायश्चित्तप्रश्नौ.

(703) आ. 48 प. पशुबन्धसमाप्त्यन्ता.

(807) ना. 148—157 प. प्रायश्चित्तप्रश्नः.

(C 1445) आ. 18 प. ,,

(2731) आ. 130 प. 7 प्रश्नाः.

(2691) आ. 48 प. 10—14 ,,

(2686) प्र. 42--268 प. 16—23 प्रश्नाः.

(1373) दे. 69+48--105+136 प. असमग्रा.

(3847) प्र. 140 प. प्रायश्चित्तप्रश्नौ

(3848) प्र. 51 प.

श्रौतसूत्रवृत्तिः. उत्तराण्डपिळ्ळै--

(1317) आ. प्र. 60 प.

श्रौतसूत्रवृत्तिः. याज्ञिकसर्वस्वाख्या अहोबिलसूरिकृता.

(3483) प्र. 96—158 प. 4 प्रश्नाः.

(3559) प्र. 154 प. ,,

(4351) प्र. 80 प. ,,

(A 361) प्र. 231 प. ,,

चयनसूत्रभाष्यं कपर्दिस्वामिकृतम्—

(2712) ना. 38 प.

(2828) प्र. 62 प.

(3163) प्र. 43—73 प.

(3228) ग्र. 96 प.

वाजपेयसूत्रभाष्यं कपर्दिस्वामिकृतम्

(3163) ग्र. 91—118 प.

परिभाषासूत्रव्याख्यानं कपर्दिस्वामिकृतम्

(136) ना. 42 प.

प्रवराध्यायभाष्यं कपर्दिस्वामिकृतम्

(B 19) क. 53 प.
(B 20) आ. 20 प.
(C 70) क. 62 प.
(C 1358) दे. 34 प.

प्रवराध्यायभाष्यं हरदत्तीयम्

(C 71) क. 74 प. कानिचित्पत्राणि लुप्तानि.
(136) ना. 89—114 प.
(486) आ. 171—193 प. शिथिलम्.
(2258) ग्र. 200—215 प.
(2691) आ. 23 प.
(B 18) आ. 33 प.
(B 17) आ. 44 पु. कर्ता चास्य न ज्ञायते.

शुल्बसूत्रव्याख्या कपर्दिस्वामिकृता

(2546) आ. 23 प.
(2712) ना. 7—16 प.

शुल्बसूत्रव्याख्या करविन्दविरचिता.

(2281) ग्र. 64 प.
(2696) आ. 119—164 प.
(3163) ग्र. 43. प.

(C 1367) दे. 85 प.

(B 15) क. 37 प.

(B 178) आ. 145 प.

शुल्वसूत्रव्याख्या सुन्दरराजविरचिता—

(B 16) आ. 71 पु.

(2338) ग्र. 82—114 प.

(2696) आ. 74—118 प.

(2895) ना. 139—167 प.

(3163) ग्र. 74—90 प.

(C 1366) आ. 31 प.

आपस्तम्बीयश्रौतसूत्रमन्त्रभाष्यम्.

(2697) ना. 77—167 प. 7 प्रश्नाः.

(2261) ग्र. 90—117 प.

(2945) ग्र. 52 प.

आपस्तम्बीयाध्वरतन्त्रव्याख्या प्रयोगमालाख्या चौण्डपाचार्यकृता.

(A 132) दे. 88 प. द्वितीयप्रश्ने चतुर्थपटलमारभ्य तृतीयप्रश्नान्ता.

आर्षेयकल्पसूत्रम्.

(671) आ. 25 प. आदितः एकादशाध्याये दशमखण्डपर्यन्तम्.

(2546) ना. 58 प.

(A 298) आ. 35 प.

(B 553) आ. 247 प. वरदराजीयभाष्योपेतम्.

(A 304) ग्र. 228 पु. ,,

(2493) ग्र. 55 प. ,, 3 अध्यायाः.

(3390) ग्र. 134 प. ,,

(3391) ग्र. 135 प. ,, असमग्रम्.

(2494) ना. 80प. श्रीनिवासाचार्यकृतम्. उत्तरकल्पभाष्यम्. 2 अध्यायौ.

(669) प्र. 238 प. आदौतावदेतदनुबन्धितया ज्योतिष्टोमोद्गातृप्रयोगः. 1—34 पत्रेषु, सत्राहीनात्मकव्यूढद्वादशाहप्रयोगश्च 34—48 पत्रेषु प्रदर्शितौ.

(A 218) आ. 122 प. आदितः10 अध्यायाः, 11 शाध्याये च किंचित्.

आश्वलायनश्रौतसूत्रम्.

(78) ना. 6 प.

(125) आ. 41—60 प. आदितः पशुमैत्रावरुणान्तम्.

(1648) आ. ना. 130 प.

(2337) प्र. 48 प. 6 अध्यायाः.

(2279) प्र. 32 प. ,,

(1915) ना. 35 प. 7—9 अध्यायाः.

(3248) प्र. 92 प.

(A 318) आ. 186 प. षड्गुरुशिष्यकृता वृत्तिः 6 अध्यायाः.

(2578) ना. 171 प. तालवृन्तनिवासिकृता प्रयोगवृत्तिः 6 अध्यायाः.

(3550) प्र. 151—344 प. देवस्वामीयं भाष्यम्.

(3551) प्र. 38 प. विष्णुगूढकृता प्रयोगवृत्तिः.

उपग्रन्थसूत्रम्.

(C 833) ना. 9 प.

कात्यायनश्रौतसूत्रभाष्यं. कर्काचार्यकृतम्.

(3552) प्र. 40 प. अग्न्यध्यायः.

कौषीतकिश्रौतसूत्रम्.

(22) प्र. 76—124 प. 13 अध्याये 32 खण्डसमाप्तिपर्यन्तम्. मुद्रितशाङ्खायनश्रौतसूत्रकोशापेक्षया खण्डविभागे भेदो दृश्यते.

क्षुद्रकल्पभाष्यम्. श्रीनिवासदीक्षितीयम्.

(A 413) ग्र. 123 प. 6 अध्यायाः.

द्राह्यायणीयश्रौतसूत्रम्.

(502) ना. 11 प. पटलषट्कम्.

(1966) ग्र. 22. प. ,,

(2530) ना. 68 प.

(2546) ग्र. 48 प. 28 पटलाः.

(672) ना. 13 प. प्रतिहारसूत्रम्.

(2506) ना. 12 प. ,,

(670) ग्र. 81 प. प्रतिहारसूत्रवृत्तिः. वरदराजीया. दशार्थाभिधा.

(A 359) ग्र. 86 पु. ,, ,,

(2506) ना. 13-14 प. प्रस्तावसूत्रम्.

(833) ना. 26 प. प्रायश्चित्तभागः.

(494) ना. 68—70 प. परिभाषासूत्रम्.

(494) ना. 71—81प परिभषासूत्रोदाहरणम्.

(502) ना. 85 प. श्रौतसूत्रव्याख्या धन्विविरचिता.

(807) ना. 148 प. धन्विभाष्यम् समग्रम्.

(A 263) दे. 152 प. ,,

(2528) ग्र. 270 प. ,,

(2549) ना. 50 प. ,, 6 पटलाः.

(2813) ग्र. 68. प. ,, ,,

(2936) ग्र. 119 प. ,, ,,

(2539) ना. 192 प. ,, 7—31 पटलाः.

(3348) ग्र. 188 प. ,,

बृहतीसहस्रम्.

(3684) ना. 35 प. समग्रम्.
(4057) ग्र. 52 प. ,,

बृहद्युज्जुर्विधानं कात्यायनीयम्.

(603) ग्र. 74 प.
(B 134) आ. 55 प. 8 अध्यायाः समग्रम्.

बोधायनश्रौतसूत्रम्.

(583) ग्र. 125—137 प. 1 मप्रश्ने 32 अध्यायाः.
(355) अ. 42 प. दर्शपूर्णमासादिपशुबन्धान्तम्.
(405) ना. 84,112—192 प. अन्ते 85 प्रश्ना इत्यस्ति.
(1736) ग्र. 150 प. षष्ठे तृतीयखण्डपर्यन्तम्.
(A 278) क. 185 प. पूर्वभागः.
(A282) क. 197 प. उत्तरभागः.
(1954) ग्र. 72—77 प. दर्शपूर्णमासः.
(2692) आ. 6 प. वाजपेयाध्यायः.
(1963) ना. 15, 5, 101 प. वाजपेयातिरात्राग्निष्टोमादिभागः.
(3641) आ 358 प.
(514) ग्र. 165—174 प. प्रवरसूत्रम्.
(B 25) आ. 491—518 पु. ,,
(303) ना. 12 प. महाप्रवरसूत्रम्. शिष्टिव्याख्यानसहितम्.
(2710) आ. 6 प. शुल्बसूत्रम्.

भवस्वामीयम्—

(B 22, 23) आ. 289 प. श्रौतसूत्रभाष्यम् 10 प्रश्नाः.
(C 1360) आ. 19 प. कर्मान्तभाष्यं असमग्रम्.
(C 500) दे 51 प. ,, अन्ते तृतीयकर्मान्ते विंशोऽध्यायः इत्यस्ति.

भवस्वामीयम्—

(1622) आ. 157 प. ,, 19 अध्यायाः.

(1954) ग्र. 6 प. सौत्रामणिवाजपेयाध्वर्यभाष्यम्.

(A 156) ग्र. 728 पु. श्रौतसूत्रव्याख्या महादेवयज्वविरचिता. श्रौतचान्द्रिकाख्या.

(3467) ग्र. 115 + 102 प. श्रौतसूत्रवृत्तिः वासुदेवदीक्षितीया सुबोधिन्याख्या. 2—10 अध्यायाः.

भारद्वाजश्रौतसूत्रम्,

(B 114) आ. 278 प. 14 प्रश्नाः ज्योतिष्टोमान्तम्.

वैखानसश्रौत (कल्प) सूत्रम्.

(A 365) आ. 185 प.

(3114) ग्र. 200 प.

सत्याषाढ (हिरण्यकेशीय) श्रौतसूत्रम्.

(B 148) आ. 296 प. पूर्वोत्तरसूत्रे. आदितः 16 प्रश्नाः.

(A 21) क. 72 प. 9 मः प्रश्नः.

(A 21) क. 24 प. 10 मः प्रश्नः असमग्रः.

(A 80) क. 97—194 प. 10 म प्रश्ने 2 यपटले षष्ठखण्डमारभ्य 11 श प्रश्ने 1 मपटलसमाप्त्यन्तम्.

(A 194) क. 96 प. प्रवर्ग्यसूत्रसमाप्त्यन्तम्.

(A 347) ग्र. 225 पु. 1—15 प्रश्नाः.

(3639) ग्र. 218. प.

(3639) ग्र. 6 प प्रायश्चित्तभागः.

(B 26--33) क. 172, 173, 300, 213, 215—315, 122, 123—246, 175, 180 प. वाञ्छेश्वरसुधीविरचितभाष्यसहितम्. 8 प्रश्नाः.

(2563) प्र. 58 प. ,, सामान्यसूत्रम्.

(C 1169) आ. 32 प. ,, ,,

(3) श्रौतप्रयोगः

अग्निचयनकारिका.

(1656) आ, ना. 76—87 प.

अग्निचयनप्रयोगः

(3637) आ. 49 प.

अग्निष्टोमदर्शपूर्णमासपशूनां हौत्रम्.

(1338) आ. 85+15 प.

अग्निष्टोमप्रयोगः.

(613) प्र. 116 प.

(1275) आ. 84 प. यज्ञेश्वरशर्मविरचितः.

(2260) प्र. 52—130 प.

(2691) आ. 73 प.

(2692) ना. 36 प.

(2693) आ 88 प.

(2700) ना. 95 प.

(2708) ना. 177 प.

(2710) आ. 79 प.

(2816) प्र. 147 प.

(3133) प्र. 128 प.

(3201) आ. 150+30 प.

(3849) प्र. 48—147 प.

(4222) आ. 6—101 प.

(2530) ना. 68—153 प. द्राह्यायणीयः.

अग्निष्टोममैत्रावरुणम्,

(658) आ. 32 प.

(2741) आ. 15 प.

अग्निष्टोमहौत्रम्.

(658) आ. 74 प.

(C 520) दे. 68 प.

(2694) आ. 79 प.

(2741) आ. 52 प.

(4162) प्र. 13 प.

अग्निष्टोमाध्वर्यवम्.

(1367) आ. 112 प.

(1762) आ. 139 य.

(2261) प्र. 62 प.

अग्निष्टोमौद्गात्रम्.

(B 555) ना. 20. प.

(2692) आ. 19 प.

अग्निहोत्रप्रयोगः.

(516) आ. 6 प.

(2261) प्र. 63—69 प.

(2303) प्र. 11—18 प.

अग्निहोत्रप्रायश्चित्तम्.

(C 1889) दे. 39 प.

अग्निहोत्ररक्षामणिः रामचन्द्रदीक्षितविरचितः.

(296) आ. 17 प. 2 मयूखौ.

(2338) प्र. 26+16 प.

(2705) आ. 21 प.

(2299) प्र. 81—111 प. सव्याख्यानः.

अग्निहोत्रानुक्रमणिका.

(182) प्र. 79—84 प.

अग्न्याधेयप्रयोगः.

(1144) ना. 75 प.

(2722) ना. 30+8 प.

(2723) ना. 24+39+15 प.

अतिरात्रहौत्रम्.

(2310) प्र. 50 प.

(2337) प्र. 5 प.

अन्वारम्भणेष्टिप्रयोगः.

(675) आ. 2 प.

आग्रयणकर्म.

(2338) प्र. 40—42 प.

आग्रयणानुक्रमणिका.

(182) प्र. 84—86 प.

आग्रयणेष्टिप्रयोगः.

(675) आ. 63—65 प.

(125) आ. 2 प. आश्वलायनीयः.

(2553) प्र. 5 प. केशवीयः.

आधानपशुसोमेष्टिविधिः.

(182) प्र. 9—13 प.

आधानप्रयोगः.

(294) आ. 4, 11 प.
(2260) प्र. 139 प.
(C 1359) दे. 11 प.

आधानहौत्रम्.

(2288) आ. 25—33 प.

आधानानुक्रमाणिका.

(182) प्र. 68—78 प.

आपस्तम्बश्रौतसूत्रध्वानितार्थकारिका (सोमप्रयोगः) त्रिकाण्डीमण्डनभास्करमिश्रीया. अधिकारनिरूपणं, प्रतिनिधिनिरूपणं, पुनराधाननिरूपण, इति काण्डत्रयेण भूषिता.

(B 133) आ. 40 प. ,,
(C 429) दे. 27 प. ,,
(B 538) प्र. 28 प. ,,

आपस्तम्बश्रौतसूत्रप्रयोगानुक्रमणिका. यज्ञनारायणकृता.

(2715) ना. 43 + 7 प.

आयुष्कामीयेष्टिः.

(2731) ना. 8 प.

आरुणकेतुकचयनम्.

(2728) आ. 42 प.

आश्विनसहस्रम्.

(B 654) दे. 107 प.

इष्टिहौत्रम्.

(347) आ. 14 प. पशुहौत्रं ब्राह्मणाच्छंसि शस्त्रं च.

उक्थयप्रयोगः.

(3894) प्र. 21 प.

उद्वंशीयं साम.

(2692) ना. 7—15 प.

एकाहिकचातुर्मास्यम्.

(2681) आ. 6 प.

औद्गात्रकारिकाः अग्निष्टोमान्ताः.

(490) ना. 25 प.

औद्गात्रप्रायश्चित्तदीपिका.

(2692) आ. 19—20 प.

ऋतुप्रायश्चित्तम्;

(2508) ना. 29 प.

गर्जितादिदुर्निमित्तशान्तिः (ब्रह्मौदनपाकात्पूर्वम्.)

(C 225) दे. 2प.

गोपालकारिका.

(355) आ. 43—70 प. आध्वर्यवप्रयोगे दर्शपूर्णमासादिचयनान्तप्रयोगकारिकाः.

चयनकारिका.

(2717) आ. 12 प.

(3893) ग्र. 26 प.

(228) आ. ग्र. 6, 2, 2 प. पौण्डरीकादिविषयकारिका.

चयनप्रयोगः.

(1749) ग्र. 10—95 प. कारिकायुतः.

(2311) आ. 59 प.

(2689) क. 137 प.

(2696) ना. 54 प.

(2713) ना. 79 प.

(2951) ना. 95+42 ग. वासुदेवदीक्षितीयः.

(3637) आ. 49 प.

चयनशुल्बकारिका.

(2710) ना. 9 प.

चातुर्मास्यप्रयोगः.

(2702) ना. 54 प.

(2724) आ. 94 प.

(2830) ग्र. 45+8+18 ग.

(C 1446) आ. 9 प.

चातुर्मास्यहौत्रम्.

(658) आ. 33—53 प.

(2717) आ. 15 प.

ज्योतिष्टोमब्रह्मत्वविधिः.

(182) ग्र. 1—8 प.

दर्शपूर्णमासप्रयोगः.

(675) आ. 28 प.

(1378) ग्र. 29+5 प.

(A 70) आ. 69 प. मन्त्रभाष्यसहितः. रामाग्निचित्कृतधूर्तस्वामिभाष्यवृत्तिरपि तत्रतत्र लिखिता. प्रश्नत्रयम्.

(C 359) दे. 42 प बोधायनीयः.

(1911) ग्र. 66 प.

(2303) ग्र. 21—65 प.

(1957) ना. 50 प.

(2720) ना. 17 प.

(2730) ना. 36 प.

(2867) आ. 131 प.

(2947) ग्र. 47 प. बोधायनीयः.

(4304) आ. 23 प.

(481) ग्र. 58, 20, 67 प अग्निहोत्राधानसोमप्रयोगाश्च

(476) आ. 100 प. सोमान्तः.

दर्शपूर्णमासमन्त्रभाष्यम्.

(2261) ग्र. 90- -117 प.

(2697) ना. 77—176 प. 1—7 प्रश्नाः.

(2945) ग्र. 52 प.

दर्शपूर्णमासस्थालीपाकप्रयोगः.

(125) आ. 6 प.

दर्शपूर्णमासहौत्रम्.

(125) आ. 4 प.

(125) आ. 6 प.

(675) आ. 29 47– प.

(2303) ग्र. 10 प.

(2775) ग्र. 12 प.

द्राह्यायणीयश्रौतप्रयोगदीपिका. तालवृन्तनिवासीया.

(2692) आ. 18 प. (अग्निष्टोमः).

द्वादशाहप्रयोगः. तालवृन्तनिवासीयः.

(2843) ग्र. 33 प.

द्वादशाहीनप्रयोगः.

(2735) आ. 10—26. प.

द्विषाहस्रचयनप्रयोगः

(2733) आ. 6 प.

नक्षत्रसत्रप्रयोगः.

(2713) ना. 3 प.

(3891) ग्र 20 प.

नक्षत्रेष्टिप्रयोगः.

(2718) ना. 41 प.

(C 1890) दे. 70. प. त्र्यम्बकाचार्यविरचितः.

नाचिकेतचयनम्.

(2731) ना. 5 प.

पथिकृद्वैश्वानरेष्टिप्रयोगः.

(916) आ. 2 प.

पर्जन्यविधिः.

(1947) ना. 124 प.

(2512) ना. 31 प.

(2732) क. 7 प.

पर्यायशास्त्राणि.

(C 1145) दे. 13 प. (अस)

पवित्रेष्टिः.

(2733) आ. 2 प.

पशुकारिका.

(3893) ग्र. 8 प.

पशुचातुर्मास्यादिहौत्रम्.

(2261) ग्र. 69—89 प.

पशुबन्धप्रयोगः

(675) आ. 48—62 प.

(2722) ना. 34 प.

(2723) ना. 23 प.

पशुबन्धादिः.

(2866) आ. 93 + 53 प.

पशुमैत्रावरुणम्.

(2203) आ. 31 प.

पिण्डपितृयज्ञप्रयोगः.

(1261) आ. 43—52 प.

पृष्ठ्यस्य द्वितीयमहः

(2337) ग्र. 9 प.

पौण्डरीककारिका.

(2735) ना. 2 प.

पौण्डरीकप्रयोगः.

(1959) ना. 38 प.

(1950) ना. 22 प.

प्रयोगपारिजातः पुरुषोत्तमभट्टीयः.

(2619) ग्र. 53 प.

(2812) ग्र. 89 प.

प्रयागसारः केशवीयः.

(2553) ग्र. 28 प. (बोधायनविधानप्रयोगः.)

प्रवर्ग्य-इष्टि-पशुहौत्र-मैत्रावरुणादिप्रयोगः.

(1650) आ. ना. 20, 19, 17, 32 प.

प्रवासोपस्थानम्.

(675) आ. 66—68 प.

(711) ना. 12—13 प. प्रवासोपस्थान अराणिलक्षण अवसितहोममन्त्र पक्षहोमसङ्कल्प अनुद्धरणप्रायश्चित्त वेदिनिर्माणानि.

प्रायश्चित्तं. केशवीयं असमग्रम्.

(182) ग्र. 162—192 प.

(675) आ. 1 प दर्शपूर्णमासातिपत्तेः.

(903) ना. 4 प.

प्रायश्चित्तकारिका.

(182) ग्र. 17—27 प. त्रिकाण्डी.

(1364) दे. 23 प. समग्रा.

प्रायश्चित्तकुतूहलं. अनन्तदेवरघुनाथकृतम्.

(C 430) दे. 21—22 प. आधानप्रायश्चित्तं, दर्शपूर्णमासप्रायश्चित्तं च.

प्रायश्चित्तदीपिका.

(702) आ. 42 प. आपस्तम्बश्रौतप्रयोगानुसारिणी.

(C427) दे. 62 प. वरदाधीशयज्वकृता.

(1954) ना. 54—71 प. गोपालसूरिविरचिता.

(1957) ना. 100 प. ,,

(2703) ना. 40 प. ,,

(2716) आ. 83 प ,,

प्रायश्चित्तप्रकारः.

(903) ना. 4 प.

प्राश्चित्तप्रदीपिका.

(A 314) ग्र. 73 पु.

(4100) ना. 68—81 प.

प्रायश्चित्तशतद्वयी. वेंकटेशवाजपेयिविरचितव्याख्यासहिता.

(182) ग्र. 87-130 प.

(711) ना. 14—48 प. प्रकरणचतुष्टयमिता. किंचिल्लुप्ता.

(2288) आ 41 प.

(2849) आ. 47 प.

(1363) दे. 70 प, 144 श्लोकाः

प्रायश्चित्तसंग्रहः. केशवीयः.

(686) आ. 84—120 प. अग्निहोत्रेष्टिपशुसोमप्रायश्चित्तानि.

(2338) ग्र. 30—39 प.

(A 310) ग्र. 92 प.

(3345) ग्र. 100 प.

(3888) ग्र. 40 प.

प्रायश्चित्तसुबोधिनी. श्रीनिवासदीक्षितीया.

(478) ग्र. 30 प.

(2299) ग्र. 112—143 प.

(2338) ग्र. 43—57 प.

(2946) ग्र. 35 प.

(2702) ना. 61 प.

(C 1381) दे 64 प.

(3787) आ. 45 प.

वोधायनश्रौतसूत्रप्रयोगः वासुदेवदीक्षितीयः.

(1345) ग्र. 292 प.

(A 130) आ. 317. प.

बोधायनीयप्रयोगानुक्रमणिका. वेंकटेशाध्वरिकृता.

(2715) ना. 78 प.

ब्रह्मतत्त्वं छान्दोग्यम्.

(2530) ना. 22 प.

ब्रह्मत्वदीपिका. श्रीकण्ठसूरिकृता.

(2203) आ. 6 प.

महाव्रतं तालवृन्तानिवासयिम्.

(2735) ना. 4 प.

महाव्रतप्रयोगः.

(3638) आ. 66 प.

मृगारेष्टिप्रयोगः.

(C 428) दे. 14 प.

यज्ञतन्त्रसुधानिधिः (बोधायनीयश्रौतप्रयोगः) केशवस्वामीयः

(405) ना. 85—106 प.

यज्ञपात्रलक्षणं. रुद्रदत्तोक्तम्.

(675) आ. 1 प.

यज्ञप्रयोगचन्द्रिका नागभट्टीया.

(2501) ना. 194—214 प.

याजमानकूश्माण्डहोमसामानुक्रमणिकाः.

(182) ग्र. 38 प.

याजमानप्रयोगः

(687) ना. 80—110 प. सोमपश्वाधानं अग्निनिर्णयः, प्राणप्रतिष्ठामन्त्रश्च.

(C 1361) आ. 24 प. अग्निष्टोमे.

वाजपेयप्रयोगः.

(1348) आ. 35 प.

(2506) ना. 20 प.

(2719) आ. 42 प.

(2822) ग्र. 108 प.

(2535) ग्र. 93 + 38 प. (अत्र—वाजपेय बृहस्पतिसव पुनस्स्तोम सर्वतोमुख अग्निष्टुत् अग्निचयन अप्तोर्याम महाव्रत पौण्डरीक अश्वमेध राजसूयाः.)

वालखिल्यम्.

(2337) ग्र. 10 प.

शुल्बरत्नप्रदीपिका. राघवसुधीकृता.

(2695) आ. 109 प.

श्रीनिवासदीक्षितीयकारिका.

(2683) ना. 21 प.

श्रौतप्रयोगः अनन्तजीवनविरचितः.

(C 1823) दे. 25 प.

सप्तविधाग्निकारिका.

(2698) आ. 142 प

सर्वतोमुखप्रयोगः.

(B 556) ना. 13 प.

(2735) आ. 9 प.

सावित्रचयनम्.

(2692) ना. 20 प.

साहस्रकारिका.

(C 1365) आ. 12 प. समग्रा.

सोमप्रयोगः.

(1343) आ. 142 प.

(1347) आ. 88 प.

(2260) प्र. 52—130 प.

(3892) प्र. 6—101 प.

सोममैत्रावरुणप्रयोगः.

(1650) ना.38प.

सोमहोतृसप्तकम्.

(2310) प्र. 51—67 प.

(2337) प्र. 52 प.

सौत्रामणिकारिका.

(2288) आ. 2 प.

सौत्रामणिप्रयोगः.

(2696) प्र. 55—60 प.

(C 1362) आ. 5 प.

होतृसप्तकम्.

(2310) प्र. 51—67 प.

हौत्रप्रयोगसरणिः.

(1877) आ. 60 प.

(2279) प्र 65—232 प.

(4) गृह्यसूत्रम्.

आपस्तम्बगृह्यसूत्रम्.

(308) आ. 19 प. मूलं समग्रम्.

(534) प्र. 3—13 प. ,,

(639) आ. 21 प ,,

(682) आ. 11 प. ,,

(660) ग्र. 24—39 प. 17 खण्डाः.

(748) ना. 6—13 प. 16 ,,

(2285) ग्र. 71 प.

(4311) आ. 16 प.

(A 126) दे. 63 पु. कपर्दिभाष्यम्.

(2729) आ. 40 प. ,,

(A 583) क. 63 प. (हरदत्तीया अनाकुलाख्या वृत्तिः समग्रा)

(138) आ. 51 प. ,, (अस)

(C 79) आ. 3 प. पूर्वोक्तग्रन्थावशिष्टभागः

(35) आ. 80 प. सुदर्शनाचार्यकृततात्पर्यदर्शनाख्या व्याख्या.

(A 50) आ. 67+48 प. ,,

(A 54) दे. 78 प. ,,

(681) आ. 135 प. ,,

(682) आ. 104 प. ,,

(721) आ. 145 प. ,,

(680) ना. 83+50 प. ,, उत्तरभागे 17-19 पत्रलोपः

(2707) आ. 104 प. ,,

(3741) आ. 100 प.

(A 430) क. 86 प. ,,

(A 23) आ. 34 प. प्रयोगदीपिका. तालवृन्तानिवासिकृता.

(664) आ. 54 प. ,,

(737) आ. 22—89 प.

(1477) आ. 41 प. ,,

(2699) आ 61 प. ,,

(2339) प्र. 26 प. ,,

आश्वलायनगृह्यसूत्रम्.

(C 521) दे. 28 प.

(3248) प्र. 93—113 प.

(A 133) दे. 60 प. भाष्यं देवस्वामिकृतम्.

(C 501) दे. 47 प. वृत्तिः नारायणीया (स)

(C 1347) ना. 83 प. ,, ,,

(1650) ना. 21 प. ,, ,,

(3295) आ. 91 प. ,, ,,

(4190) ना. 88 प. ,, ,,

(A 127) दे. 108 प. ,, आनन्दरायवाजपेयिकृता. मन्त्रार्थयुता.

आश्वलायनगृह्यकारिका.

(C 1349) ना. 35 प.

आश्वलायनगृह्यतन्त्रदीपिका.

(3514) प्र. 40 प.

आश्वलायनगृह्यपरिशिष्टम्.

(C 468) दे. 93 प.

(C 1348) ना. 34 प.

कौथुमगृह्यसूत्रम्.

(B 722) क. 27 प. (21 खण्डाः)

खादिरगृह्यसूत्रम्.

(67) ना. 85—102 प. मूलं समग्रं.

(1937) ना. 13 प.

(1945) ना. 57—73 प.

(2501) ना. 183—193 प.

(2990) प्र. 25—45 प. रुद्रस्कन्दीयव्याख्याचतुर्थपटले पञ्चदश

खण्डसमाप्त्यन्तम्—

(57) ना. 37, 130—146 प.

(2502) ना. 36—84 प.

(3157) प्र. 93 प.

(B 731) प्र. 117 प.

(2673) प्र. 57 प. असमग्रा.

(B 817) क. 145 प. समग्रा.

(4344) प्र. 63 प. रङ्गराजीयव्याख्या. असमग्रा.

गोभिलगृह्यसूत्रम्.

(A 142) दे. 107 प. सभाष्यम्.

गौतमीयाचारसूत्रम्.

(2507) ना. 10 प.

(2548) ना. 8 प.

छन्दोगगृह्यपरिशिष्टम्.

(3242) प्र. 21—57 प.

जैमिनीयगृह्यसूत्रम्.

(A 22) आ. 22 + 24 प. सुबोधिनीयुतं मध्ये किंचिन्न्यूनम्.

पारस्करगृह्यसूत्रम्.

(C 1827) दे. 152 प. हरिरामकृतव्याख्योपेतम्.

बोधायनगृह्यसूत्रम्

(405) ना. 192 – 223 प.

(514) प्र. 41—104 प.

(B 24) आ. 189 प.

(1854) ना. 20—154 प.

(2060) ना. 109 प.

(2732) प्र 99 प.

(B 734) क. 62 प.

(514) प्र. 105—164 प. शान्तिकल्पसूत्रम्.

(691) आ. 109—154 प. सप्तपाकयज्ञशेषप्रश्नेषु आदितःतृतीयप्रश्ने. खण्डसप्तकपर्यन्तम्.

(3372) ना. 199 प.

(303) ना. 13—42 प. शिष्टिव्याख्या 3 प्रश्नाः

(B 353) क. 72 प. ,,

वैखानसगृह्यसूत्रम्.

(B 103) आ. 144 प. एकादशप्रश्नाः.

(तत्र गृह्यप्र 4 पैतृमेधिकप्र 1. पूर्वोत्तरसंस्कारप्रायश्चित्तप्र 2 धर्मप्रश्न 3 प्रवरप्र 1. विषयसूचीपत्रसहितं च.

(1359) प्र. 55 प. 11 प्रश्नाः.

(A 313) प्र. 253 पु. श्रीनिवासदीक्षितीय वैखानसगृह्यतात्पर्यचिन्तामण्याख्यव्याख्यायुतम्. I भागः.

(A 327) प्र. (368—490) प. ,, II भागः

(A 329) प्र. 209 प. नृसिंहवाजपेयिकृतं भाष्यम्.

(5) पितृमेधसूत्रम्.

आपस्तम्बीयमपरसूत्रम्,

(238) आ. 40—55 प.

(A 20) क. 11 प. कपर्दिभाष्यम्.

(515) ना 14 प. ,,

(1273) आ. 49 प. पितृमेधनिबन्धनाख्यव्याख्या गोपालयज्वकृता.

(A 100) दे 53 प.

(2775) प्र. 28 प. व्याख्या हरदत्तीया

गौतमीयमपरसूत्रम्.

(1954) ना. 78—82 प.

(3242) प्र. 7 प.

(B 754) ग्र. 148 प. विवरणम्.

द्राह्यायणश्राद्धविधिसूत्रम्.

(1937) ना. 30—34 प.

(2510) ना. 10 प.

(2548) ना. 11 प.

(2747) ना 12 प. व्याख्यानम्

द्राह्यायणीयमपरसूत्रम्, गौतमः

(495) ना 10 प.

(B 103) आ. 144 प. मध्ये वैखानसीयम्-

(1937) ना. 25—30 प.

(1954) ना. 78—82 प.

(3242) प्र. 7 प.

(2990) ग्र. 74—105 प.

(2673) ग्र. 8—39 प अनन्तयज्वविरचितटीकायुतम्.

(2548) ना 24—90 प. अल्लालभट्टीयटीकायुतम्.

(B 816) क 152 प. सभाष्यम्.

(B 754) प्र. 148 प. ,,

पारस्करापरसूत्रभाष्यम्. कर्कः

(3233) प्र 25 प.

बोधायनीयमपरसूत्रम्.

(405) ना. 237—243 प.

(514) प्र. 40 प.

(B 39) आ. 62 प.

भारद्वाजसूत्रम्.

(1705) प्र 33—46 प.

(B 852) प्र 17 पु.

(2288) आ. 10 प.

(2309) प्र. 11 प.

(2744) आ. 15 प.

(2040) प्र. 56 प. गोपालयज्वकृतं भाष्यम्.

(2258) प्र. 259—279 प. ,,

(2388) आ. 66 प ,,

(2577) प्र. 120 प. ,,

(3346) प्र. 28 प. ,,

वैखानसयिमपरसूत्रम्.

(B 103) आ. 144 प. (मध्ये)

(1359) प्र. 55 प.

(6) गृह्यप्रयोगः.

आश्वलायनीयः. (1)

अग्निमुखप्रयोगः ऋक्छाखीयः.

(133) ना 159 तमं पत्रम्.

आश्वलायनगृह्यसूत्रकारिका जयन्तोक्ता.

(C 188) दे. 34 प. 4 अध्यायाः.

(C 375) दे. 20 प. भट्टकुमारिलविरचिता. 5 माध्यायोपक्रमपर्यन्ता.

आश्वलायनब्रह्मयज्ञप्रयोगः.

(C 619) दे. 5 प.

आश्वलायनयल्लाजीयं यल्लाजाविरचितम्.

(C 1346) ना. 119 प.

औपासनविधानम्.

(C 605) दे. 10, 8 प.

काम्यवृषोत्सर्गविधिः (आश्वलायनीयः.)

(909) ना. 41-42 प.

नाकबलिः. (3034) ना. 18 प.

पुंसवनादिनामकरणान्तप्रयोगः.

(905) ना. 3 प.

पूर्वप्रयोगः (आश्वलायनीयः.)

(4178) ना. 124-222 प.

(4243) आ. 59 प.

(4374) ना. 136 प.

पैतृमेधिकप्रयोगः (आश्वलायनीयः.)

(2464) आ. 72 प.

(3960) आ. 50 प. नारायणभट्टविरचितः.

(4238) आ. 71 प.

(4241) ना. 101 प.

प्रयोगकौस्तुभः.

(C 522) दे. 15 प. चौलोपनयनप्रयोगौ.

प्रयोगपारिजातः नृसिंहसूरिविरचितः.

(430) ग्र. 288 प. षोडशकर्मकाण्डः स्थालीपाकान्तः.

(1134) ना. 122 प. आह्निककाण्डः.

(1140) ना. 132 प. ,,

(3371) ना. 111 प. ,,

(1354) ना. 187 प. आदितः विवाहप्रकरणपर्यन्तः.

(2041) आ. 317 प. संस्कारकाण्डः.

(2611) ना. 15-236 प. ,, उपनयनप्रकरणान्तः.

(4193) ना. 226 प. उपनयनादि समग्रः.

(3959) आ. 195 प. व्रतनिरूपणतो विवाहनिरूपणान्तः.

प्रयोगमुक्तावळिः.

(1404) ग्र. 69 प. (पूर्वप्रयोगः)

(1885) आ 232 प. चतुर्थदिनकृत्यपर्यन्ता.

प्रयोगरत्नं नारायणभट्टीयम्.

(C 151) दे. 233 प. संस्कारपद्धतौ विधुरौपासनान्तम्.

(C 196) दे. 320 प. ,, माघवर्षश्राद्धप्रयोगान्तम्.

19, 21, 101-113, 219-253 पत्राण्येतानि न सन्ति.

(C 142) दे. 45 प. इष्टिविषये नैमित्तिकश्राद्धप्रायश्चित्तनिरूपणान्तम्.

(C 238) दे. 98 प. अन्त्येष्टिपद्धति.

(C 143) दे. 42 प. ,, 25, 26, 30, 31, 33, 34, 39, 40 पत्रलोपः.

(C 848) दे. 23 प. अष्टकान्तम्.

(C 1646) दे. 221 प.

(4225) ना. 148 प.

प्रयोगसारः निजानन्दीयः.

(2558) ना. 151 प.

राजरत्नाकरप्रयोगः.

(2613) ना. 28 प.

सर्पबलिः शौनकीयः.

(2972) ग्र. 8 प.

स्मार्तदिनमणिः.

(2148) क 67 प.

स्मार्तप्रदीपिका गृह्यप्रयोगः.

(1282) ग्र. 134 प.

(B 202) क. 66 प.

(3032) ना. 96 प.

(4189) ना. 120 प.

(4240) ना. 56 प.

(4234) ना. 100 प. असमग्रा.

आपस्तम्बीयगृह्यप्रयोगः (2)

अन्त्येष्टिपद्धतिः आपस्तम्बीया.

(3034) ना. 34 प.

आपस्तम्बगृह्यकारिका.

(4) ग्र. 2 प. उपनयनलेखाहोमसीमन्तानाम.

आपस्तम्बगृह्यप्रयोगदीपिका तालवृन्तनिवासीया.

(2339) ग्र. 26 प.

(2699) आ. 61 प.

आपस्तम्बपूर्वप्रयोगकारिका.

(828) ना. 101 प.

आपस्तम्बयल्लाजीयम्.

(2075) आ. 111 प.

(2244) आ. 102 प.

(2580) आ. 209 प.

(2891) ना. 48 प.

(4185) ना. 179 प. (?) आश्व? आप?

ईशानबलिप्रयोगः.

(2308) ग्र. 3 प.

(2705) आ. 5 प.

कण्ठभूषणं गृह्यरत्नव्याख्यानं वैदिकसार्वभौमीयम्.
(1176) ग्र. 126 प.

कपर्दिकारिका.

(B 35) क. 66 प. 576 कारिकाः.

(B 852) ग्र. 27 प.

(534) ग्र. 13-17 प.

(1818) ना. 35 प.

गृह्यरत्नसुदीधितिः वैकुण्ठदीक्षितीया.

(197) ग्र. 229 प.

(587) आ. 183 प. द्वादशविधपुत्रनिरूपणपर्यन्ता, प्र.यश: पत्राणि त्रुटतानि.

(1419) आ. 245 प.

(2995) प्र. 338 प.

(A 572) क. 155 प.

चन्द्रचूडीयप्रयोगः.

(4311) आ. 120 प. समग्रः.

(692) आ. 85 प. 51-64 पर्यन्तपत्रलोपः.

(474) आ. 63 प. संस्कारनिर्णयः.

(C 150) दे. 105 प ,,

(218) आ. 116 प. पाकयज्ञनिर्णयः.

(474) आ. 62-96 प. ,,

(C 150) दे. 85 प. ,,

(15 3, आ. 3-78 प. ,,

(2150) आ. 62 प. ,, उत्तरभागः.

(C 150) दे. 68 114 प. मासिश्राद्धमारभ्य आन्तः.

(4311) आ. 23 प. मासिश्राद्धविधिः.

(,,) आ. 31 प. अष्टकाश्राद्धविधिः.

(589) आ. 126-253 प. संस्कारनिर्णयपाकयज्ञनिर्णयौ.

नारायणबलिप्रयोगः.

(1492) प्र. 2 प.

परसर्वानुक्रमणी.

(3266) आ. 77 प.

पुण्याहाग्निमुखनवग्रहप्रयोगः.

(925) आ. 6 प.

पूर्वप्रयोगः (आपस्तम्बीयः.)

(929) ग्र. 18-60 प. जातकर्मादिविवाहान्तः.

(932) ग्र. 8 प.

(1557) ना. 206 प.

(2103) ग्र. 39 प.

(2338) ग्र. 134-158 प.

(2855) ना. 15-150 प.

(3161) आ. 57 प.

(4257) ग्र. 45 प.

पैतृमेधिकविधिः (आपस्तम्बीयः.)

(68) ना. 78-91 प. अनुमासिकादिः दुर्मरणप्रायाश्चितान्तः.

(260) आ. 32-97 प. असमग्रः.

(266) आ. 73 प. समग्रः.

(478) ग्र. 19 प. श्रीनिवासदीक्षितविरचितस्समग्रः.

(694) ना. 37 प. (दर्पणानुसारी) सपिण्डीकरणान्तः प्रत्याब्दिकश्राद्ध-प्रयोगश्च.

(828) ना. 101 प. मध्ये कारिकासहितः.

(974) आ. 33 प.

(1616) ग्र. 44, 18, 8, 8 प.

(2040) ग्र. 57-70 प.

(2309) ग्र. 30 प.

(2577) ग्रं. 121-175 प. कारिकासहितः.

(2725) आ. 26 प. आहिताग्नेः.

(2891) ना. 33 प.

(3492) ग्र. 57 प.

(4174) ग्र. 61-164 प.

(4175) ग्र. 40+36 प.

प्रयोगकौस्तुभः चिदम्बरदीक्षितीयः.

(2026) ना. 70 प.

प्रयोगचन्द्रिका वीरराघवीया.

(748) ना. 28 प. 9 खण्डमारभ्य 16 खण्डान्ता.

(1142) ग्र. 28 प.

(1473) ग्र. 26 प.

(1503) ग्र. 58 प.

(2339) ग्र. 15 प.

(2398) ग्र. 51-112 प.

(4155) ग्र. 41 प. रामचन्द्रविरचिता, समग्रा.

प्रयोगदर्पणं वीरराघवार्यकृतम्.

(1142) ग्र. 46 प.

(1459) ग्र. 36 प.

(1485) ग्र. 42 प.

(1492) ग्र. 85 प.

(1503) ग्र. 53 प.

(1705) ग्र. 46-74 प.

(2174) आ. 42 प.

(2268) ग्र. 62-93 प.

(2339) ग्र. 27 प.

(3237) ग्र. 63 प.

प्रयोगपद्धतिः (शिङ्गाभट्टीया.)

(251) आ. 59-198 प. मध्ये कानिचित्पत्राणि न सन्ति.

(2681) ना. 107 प.

(3202) ना. 139 प.

प्रयोगप्राणवल्लभः (धर्मशास्त्रवचनसंग्रहरूपः.)

(4100) ना. 82-114 प.

प्रयोगमुख्यसारः.

(C 1805) दे. 7 प असमग्रः.

बोप्पणभट्टीयम्.

(684) ना. 105 प.

(1763) ना. 87 प.

(2149) ना. 9-22 प. असमग्रम्.

(2323) ग्र. 118 प.

याजुषप्रयोगपारिजातः.

(2135) आ. 174 प.

लोष्टचयनविधिः.

(2258) ग्र. 216-219 प.

श्राद्धप्रयोगः (आपस्तम्बीयः.)

(738) ना. 7-13 प. ब्रह्मचारिनारायणबलिश्च.

(2061) आ. 18 प.

(2156) आ. 13 प.

(3865) ग्र. 23-38 प.

श्रुत्यर्थकारिका.

(4100) ना. 121-129 प.

सुदर्शनकारिका.

(2088) आ. 23 प.

(2709) ना. 61 प.

(3) बोधायनीयगृह्यप्रयोगः

अग्निमुखप्रयोगः. (बोधायनीयः,)

(346) आ. 13 प.

(B 346) आ. 313 प. कनकसभापतीयम्.

(2315) ग्र. 34 प.गृह्यप्रयोगः.

दुर्मरणप्रायश्चित्तक्रमः (बोधायनोक्तः,)

(213) ना. 4 प.

(266) आ. 117-134 प.

पैतृमेधिकप्रयोगः,

(2117) ग्र. 84-113 प.

प्रयोगचूडामणिः (अपरप्रयोगः,)

(213) 7-52, 112 प. पितृमेध-आशौच-श्राद्ध-प्रायश्चित्तप्रकरणानि.

(3373) ना. 120 प.

प्रयोगमणिमाला,

(2055) आ. 39 प. 7 पाटलाः.

(3374) ना. 181 प.

प्रयोगसारपीयूषं कुमारस्वामिविष्णुविरचितं,

(293) ना. 88-117 प. (पूर्वप्र) परिभाषाकाण्डे उत्तरभागः, संस्कार-आन्हिक-नित्यनैमित्तिक-काण्डाश्च.

(213) ना. 16 प. (अपरप्र.)

(2732) ना. 15+13 प.

बोधायनीयगृह्यकारिका,

(2863) ना. 6 प.

(3874) ग्र. 34.

बोधायनीयपूर्वप्रयोगः, नृसिंहीयः,

(3742) आ. 61 प.

(4152) ग्र. 10-55 प.

लाजहोमप्रयोगः बोधायनीयः,

(346) आ. 2 प.

(4) द्राह्यायणीयगृह्यप्रयोगः.

उपाकर्मप्रयोगः,

(2525) ना. 29 प.

खादिरगृह्यप्रयोगवृत्तिः रङ्गराजीया,

(57) ना. 38-69 प.

गृह्यपरिशिष्टम्,

(1939) ना. 27 प.

गृह्यप्रयोगः,

(3649) ग्र. 14 प.

(3668) ग्र. 43 प.

गृह्यप्रयोगपारिजातः, पुरुषोत्तमभट्टीयः,

(2034) ग्र. 146 प.

पूर्वप्रयोगः,

(62) ना. 75, 14, 27, 17 प. तदनुसारिधर्मशास्त्रवचनसंग्रहश्च.

(417) ना. 8-66 प. मण्टपविसर्जनान्तः.

(1942) ना. 111 प.

(2472) ना. 115 प.

(2503) ग्र. 46 प.

पूर्वापरप्रयोगपद्धतिः, नरहरिभट्टकृता,

(375) ना. 167 + 4 प. प्रयोगाभिरामान्तर्गतः नारायणबलिप्रयोगश्च.

(417) ना. 56 प. वामनकारिकानुसारिणी.

पैतृमेधिकप्रयोगः,

(2504) ना. 106-162 प.

(2505) ना. 30-60 प.

(1954) ना. 82-87 प गौतमीयः.

लिङ्गणभट्टीयम्,

(1937) ना. 74-171 प.

(1975) ना. 172 प.

वामनकारिका,

(67) ना. 68 प.

(1937) ना. 35-73 प.

(2972) ग्र. 156-206 प.

(2502) ना. 35 प.

(1950) ना. 32 प.

(1965) ना. 22 प.

(2560) ना, 63 प.

(3156) ग्र. 79 प.

(3241) ग्र. 38 प.

व्रतोपाकर्मादिविधिः,

(2990) ग्र. 46-73 प.

श्राद्धप्रयोगः

(417) ना. 14 प.

(417) ना. 82-100 प. मङ्गळाष्टकानि, वैश्वदेवप्रयोगः, देवर्षिपितृमनुष्यतर्पणविधिश्च.

(1684) ग्र. 15 प.

(1949) ग्र. 44 प.

(2503) ग्र. 56 प.

सहगमनविधिः, महाभिषेकविधिश्च, (खादिरसूत्रस्थः)

(68) ना. 9 प.

स्मार्तपदार्थानुक्रमणिका, (शय्यान्प्रयोगः)

(B 732) ग्र. 127 प.

(2972) ग्र. 51 प.

(5) कात्यायनीयगृह्यप्रयोगः

कत्यायनीयगृह्यप्रयोगः, (योगानन्दभट्टीयः)

(B 782) क. 152 प. 23 परिच्छेदाः.

(6) माध्यंदिनीयगृह्यप्रयोगः

स्मार्तपद्धतिः,

(C 1822) दे. 53 प.

(7) वैखानसगृह्यप्रयोगः

गृह्यप्रयोगवृत्तिः, सुन्दरराजीया.

(3969) ग्र. 74. प.

(8) धर्मसूत्रम्

आपस्तम्बधर्मसूत्रम्

(17) आ. 25 प. मूलं समग्रम्.

(238) आ. 39 प. मूलं समग्रम्.

(2285) ग्र. 71 प. ,,

(349) आ. 21-38 प. हरदत्तीयमुज्वलाख्यं व्याख्यानम्. सार्धसप्तखण्डाः

(237) आ. 46-121 प. ,, 1 प्रश्नः

(475) आ. 75 प. ,, समग्रम्

(A 19) आ. 163 प. ,,

(17) आ. 42 प. ,, 1 मप्रश्ने 7 पटलाः.

(690) ना. 194 प. ,,

(691) आ. 108 प. ,, 1 मप्रश्ने 22 तमखण्डमारभ्य समग्रम्.

(714) ग्र. 154 प. ,,

(730) ग्र. 198 प. ,,

(1500) ग्र. 29,129 प. ,,

(1561) आ. 81 प. ,,

(1747) ग्र. 216 प. ,,

(2281) ग्र. 80 प. ,,

(2704) ना. 116 प. ,,

(C 403) ना. 56-65 प. ,,

(4110) ग्र. 11 प. ,, गार्ग्यगोपालयज्वविरचितव्याख्या 2 यःप्रश्नः

गौतमधर्मसूत्रम्,

(64) आ. 11 प. समग्रम्,

(238) आ. 56-75 प.

(349) आ. 20 प.

(424) आ. 20 प. 23 अध्यायाः.

(1551) ना. 15 प. ,,

(1747) ग्र. 25 प.

(1961) ना. 10 प.

(3197) ग्र. 16–30 प.

(3242) ग्र. 16 प.

(374) ना. 163 प. मस्करिभाष्योपेतम् 26 अध्यायाः.

(1386) ना. 181 प. ,, समग्रम्.

(2143) ग्र. 130 प. ,, शिथिलम्.

(2600) ग्र. 150 प. ,, ,,

(3319) ग्र. 74 प. ,, 23 अध्यायाः.

(A 334) क. 470 प. ,,

(4345) ग्र. 64–203 प. ,, असमग्रम्.

(A 129) आ. 214 प. हरदत्तीयमिताक्षरासहितम्.

(2344) ग्र. 245 प. ,,

(2475) ना. 198 प. ,,

(2165) ना. 91 प. ,,

(C 1328) दे. 157 प. ,,

(A 499) क. 128 प. ,, असमग्रम्.

(B 34) आ. 17 प. क्रियाकाण्डः.

(C 574) आ. 10 प. आचारसूत्रम्.

बोधायनधर्मसूत्रम्.

(B 25) आ. 519–653 प. मूलं समग्रम्.

(405) ना. 243–261 प. ,,

(424) आ. 28–65. आदितः चतुर्थप्रश्ने 11 श खण्डपर्यन्तम्.

(514) ग्र. 175–224 प. ,,

(691) आ. 109–154 प. 2 प्रश्नौ.

(2732) ग्र. 99-135 प.

(936) ग्र 138 प. गोविन्दस्वामीयं भाष्यम. 139-183 प. सूत्र-
पाठः. 1 मपत्रं नास्ति.

(A 138) आ. 127 प ,,

(A 144) आ. 100 प ,,

वैखानसधर्मसूत्रम्,

(B 103) आ. 114 प. (मध्ये)

(1359) ग्र. 55 प. ,,

(B 752) ग्र. 59 प.

III स्मृतिः

(1) मूलस्मृतिः

आङ्गिरसस्मृतिः,

(A 137) आ. 158 पु. 12 अध्यायाः.

आत्रेयस्मृतिः,

(A 136) आ. 42-48 प.

(1656) आ. 51-53 प.

आपस्तम्बस्मृतिः,

(A 137) आ. 244–340 पु. 5 पटलाः. षष्ठे 173 श्लोकाश्च.

आश्वलायनस्मृतिः,

(C 1) दे. 159 प. समग्रा.

(2302) ना. 173 प. 12 अध्यायाः.

(3545) ना. 62 प. 12–15 अध्यायाः.

औशनसस्मृतिः,

(A 136) आ. 27 प.

कण्वस्मृतिः,

(A 136) आ. 67–117 प.

कपिलस्मृतिः,

(A 136) आ. 241–294 प.

काश्यपस्मृतिः,

(4064) ग्र. 28 प.

गौतमस्मृतिः,

(A 137) आ. 159–243 पु. 14 अध्यायाः.

दक्षस्मृतिः,

(A 136) आ. 108-117 प.

देवलस्मृतिः,

(A 136) आ. 35-39 प.

नारदस्मृतिः,

(3624) ग्र. 17 प.

पराशरस्मृतिः,

(C 213) दे. 33 प.

(424) आ. 26 प.

(2275) ग्र. 248-279 प.

(2680) आ. 131-140 प.

(2937) ग्र. 21 प.

(3534) ग्र. 224-255 प.

(68) ना. 24 प.	माधवीयसहितः.	अर्घनिर्णयः.
(700) ना. 129-206 प.	,,	व्यवहारकाण्डः.
(C 120) दे. 141 प.	,,	,,

(C 147) दे. 22 प. माधवीयव्यवहारकाण्डः
(1154) आ. 186 प. ,,
(1621) ना. 155 प. ,,
(C 658) दे. 273 प. ,,
(1760) ना. 40 प. ,, पारिव्राजकप्रकरणपर्यन्तः.
(1793) ना. 237 प. ,, व्यवहारप्रायश्चित्तकाण्डौ
(2383) आ. 197 प. ,, आचारकाण्डः.
(2711) आ. 81 प. ,, प्रायश्चित्तकाण्डः.
(2275) ग्र. 211-247 प. ,, संग्रहरूपः
(2490) ग्र. 94 प. ,, ,,
(3001) ग्र. 127-181 प. ,, द्वादशोऽध्यायः.
(2765) आ. 98 प. कामेश्वरवसन्तसोमयाजियि लघुहितधर्माख्याव्याख्या.
(3512) ग्र. 99 प. ,,

पुलस्त्यस्मृतिः.

(A 136) आ. 39—40 प.

बुधस्मृतिः.

(A 136) आ. 40—42 प.

बृहस्पतिस्मृतिः.

(1656) आ. 63—65 प. (स)
(3534) ग्र. 264—268 प.

भरद्वाजस्मृतिः.

(A 137) आ. 341—517 पु. (स)

मनुस्मृतिः.

(1050) आ. 116 प.

(3149) ग्र. 54-123 प. 7-12 अध्यायाः.

(3899) ग्र. 148 प.

(33) आ. 84 प. नन्दपण्डितीयव्याख्यासहिता.

यमस्मृतिः.

(A 137) आ. 518—525 प.

याज्ञवल्क्यस्मृतिः.

(C 165) दे. 12 प. मूलं असमग्रम्.

(3583) ग्र. 167—209 प.

(1138) आ. 140 प. विज्ञानेश्वरीयमिताक्षराव्याख्या. व्यवहारकाण्डः.

(1266) आ. 124 प. ,,

(1576) ग्र. 83 प. ,,

(1577) ग्र. 102 प. ,,

(1681) ग्र. 189 प. ,,

(A 102) आ. 36 प. ,, कश्चिद्भागः.

(C 106) दे. 116 प. ,, प्रकीर्णकपदनिरूपणान्तः.

(C 107) दे. 66 प. ,, दायव्यवहारपदपर्यन्तः.

(3455) ग्र. 206 प. ,,

(3654) ग्र. 144 प. ,,

(C 311) दे. 202 प. ,,

(C 432) आ. 227 प. ,,

(2199) आ. 90 प. ,,

(2680) आ. 119 प. ,, आचारव्यवहारकाण्डौ.

(2997) ग्र. 199 प. ,, प्रायश्चित्तकाण्डः.

(3344) प्र. 338 प. ,,

(4194) ना. 192 प. ,,

(C 1542) आ. 265 प. ,, 2 काण्डौ.

(B 779) आ. 104 प. विश्वरूपविरचिता विवरणबालक्रीडाख्या व्याख्या व्यवहारकाण्डः.

(C 241) दे. 52 प. विश्वेश्वरयिसुबोधिन्यां दायप्रकरणम्.

(A 15) आ. 2--90 प. ,, 2 अध्यायौ.

लघुहारीतस्मृतिः.

(A 136) आ. 175--185 प.

लिखितस्मृतिः.

(A 136) आ. 49—66 प.

(3798) प्र. 23 प. दक्षस्मृतिश्च.

लोहितस्मृतिः.

(A 136) आ. 120—156 प.

वसिष्ठस्मृतिः (वैष्णवधर्मः).

(1364) प्र. 27—69 प.

(A 136) आ. 157—174 प.

(1782) ना. 90 प. 9 अध्यायाः.

विश्वामित्रसंहिता.

(1364) प्र. 26 प. आदितः 12 अध्यायाः. स्नानसंध्यावन्दनादिनित्य-कर्मप्रकरणम्.

(A 136) आ. 214—240 प.

(2235) आ. 45 प. 10 अध्यायाः,

विष्णुस्मृतिः.

(A 136) आ. 201—213 प.

(B 193) आ. 20 प. 2 अध्यायौ.

व्यासस्मृतिः.

(1656) आ. 58—62 प. (स).

(1684) ग्र. 31—38 प. उत्तरखण्डः.

(3534) ग्र. 217—223 प.

शङ्खस्मृतिः.

(A 136) आ. 33—35 प.

शाण्डिल्यस्मृतिः.

(4064) ग्र. 20—51 प.

शातातपस्मृतिः.

(A 136) आ. 28—33 प.

(1656) आ. 53—58 प. समग्रा.

(3534) ग्र. 255—264 प.

(3798) ग्र. 23 प.

शिवधर्मशास्त्रम्. (नन्दिकेश्वरोपपुराणम्).

(1816) ग्र. 74 प. (12 अध्यायाः).

(3155) ग्र. 63 प.

(3566) ग्र. 50 प.

शौनकधर्मशास्त्रम्.

(A 550) आ. 61 प. समग्रम्.

संवर्तस्मृतिः.

(A 136) आ. 186—200 प.

(1656) आ. 65—75 प. (स).

(3534) प्र. 182—196 प.

स्मृतिसंग्रहः.

(3154) प्र. 192 प. अत्र 19 स्मृतयस्सन्ति. ताश्च—विष्णु, बृहस्पति, दक्ष, यम, लिखित, आङ्गिरस, नारद, गौतम, वाधूल, औशनस, संवर्त, हारीत, आत्रेय, शातातप, देवल, पुलस्त्य, बुध, भरद्वाज, वसिष्ठाः ॥

हारीतस्मृतिः.

(626) ग्र. 20 प. 2—3 अध्यायौ.

(685) ग्र. 152 प. 8 अध्यायाः.

(887) आ. 83 प.

(3534) ग्र. 196—216 प.

(2582) ग्र. 102—148 + 183—212 प. हारीतादिः.

(२) निबन्धग्रन्थाः.

अक्षमालाप्रतिष्ठाविधिः.

(C 461) दे. 137—138 प.

(C 696) दे. 2 प.

अखण्डादर्शः.

(695) ना. 76 प. व्यवहारकाण्डः. 39—50 पत्रपर्यन्तं लुप्तः.

(3227) ग्र. 81 प. व्यवहारकाण्डः.

अखण्डानन्दीयः.

(2562) ना. 60 प. व्यवहारः.

अग्निसंधानप्रयोगविधिः.

(924) आ. 3 प.

(,,) ,, 106—112 प.

(639) ,, 6 प.

अघदशकम्.

(2286) ग्र. 39—40 प.

(3224) ग्र. 184—229 प. व्याख्या दुर्जयकृता.

अघनिर्णयः.

(1684) ग्र. 21—25 प. कौशिकविष्णुशर्मविरचितः.

(1863) ग्र. 107—188 प.

(B 862) ग्र. 30 प. पञ्चनदेशविरचितः.

अघपञ्चषष्टिः.

(2286) ग्र. 38—39 प.

अघविवेकः.

(2482) ग्र. 18 प. वासुदेवयज्वकृतः.

(4133) ग्र. 53—65 प. नीलकण्ठदीक्षितविरचितः.

अघाविवेचनम्.

(107) आ. 126—130 प. रामचन्द्राध्वारिविराचितम्.

(922) आ. 3 प.

(1198) ग्र. 9 प.

(1492) ग्र. 5 प.

(1684) ग्र. 16—20 प.

(1705) ग्र. 4 प.

(2286) ग्र. 6 प.

अघषष्टिः रामचन्द्रकृता.

(2286) ग्र. 11 प.

(3630) ग्र. 19 प.

(3628) ग्र. 41 प. अवधानिकृता व्याख्या.

अघसंग्रहदीपिका.

(2286) ग्र. 11—37 प.

अघसंग्रहव्याख्या.

(1198) ग्र. 15 प.

अधिकमासविचारः.

(2742) आ. 12 प. राजेश्वरशास्त्रिकृतः.

अनपत्यत्वहरादिशान्तयः.

(909) ना. 5—10 प.

अनुमासिकादिविधिः.

(68) ना. 78—91 प.

अपरक्रियाऽनिर्वृत्तौ शुभकार्यनिषेधः.

(68) ना. 4 प.

अभिनवषडशीतिः.

(3294) आ. 79 प.

अर्घ्यादिमन्त्रपूजाविधानम्.

(863) क. 32 प.

अविभक्तभ्रातृपुत्राविभागाविचारः.

(C 1430) दे. 4 प.

अश्वत्थप्रदक्षिणपूजाविधिः.

(B 545) क. 9—10 प.

अश्वत्थोपनयनविवाहविधिः.

(1346) आ. 15 प.

(4218) आ. 16 प.

(4247) आ. 28 प.

(C 251) ना. 5 प.

अष्टबन्धनविधिः. वातुलागमीयः.

(C 696) दे. 2 प.

आचारनवनीतम्. मायवरं अप्पाध्वरिविरचितम्.

(A 186) आ. 259 प.

(2230) ग्र. 133 प. श्राद्धकाण्डः.

आचारप्रदीपः कमलाकरभट्टविरचितः.

(C 211) दे. 105 प. सप्रयोगमाह्निकप्रकरणम्.

आचारसंग्रहः.

(1253) आ. 18 प.

आतुरसंन्यासविधिः.

(14) ना. 5 प.

(107) क. 131—135 प.

(C 201) दे. 8—17 प.

(C 199) दे. 35—54 प. क्रमसंन्यासविधिश्च. शौनकीयः.

आपत्संन्यासः.

(266) आ. 74—114 प. संन्यासिनामन्त्येष्टिः, नारायणबलिश्च.

आयुष्यहोमविधिः.

(4259) ना. 3+55—70 प. अघविवेचनं च.

(C 534) आ. 5 प. बोधायनीयः,

आशौचचन्द्रिका. उत्तुङ्गशिवाचार्यकृता.

(B 936) ग्र. 20 प.

आशौचत्रिंशच्छलोकी.

(68) ना. 8 प.

(1122) ना. 171—230 प. (मध्ये.)

(C 133) आ. 10 प. सव्याख्या.

(694) ना. 18-21 प. रघुनाथभट्टव्याख्या.

(C 144) दे. 86 प. ,,

(78) ना. 69 प. रामेन्द्रभारतीन्द्रयतिव्याख्या.

(C 10) दे. 14 प. भट्टाचार्यव्याख्या.

(C 668) दे. 17 प. रामेश्वरभारतीकृता विवृतिः.

(C 1119) दे. 20 प. कौशिकादित्यकृता व्याख्या.

आशौचदर्पणम्.

(1684) ग्र. 12 प. नारायणोपाध्यायविरचितम्.

आशौचदशश्लोकी.

(C 177) दे. 23 प. सव्याख्या.

(133) ना. 143—144 प.

(694) ना. 17 श्लो. पत्रम्.

(1122) ना. 226—230 प.

(4183) ना. 16 प. शतश्लोकी च.

आशौचदीपिका. शैवागमीया.

(4082) ग्र. 158—184 प. वेदज्ञानदेवविरचिता.

आशौचनिर्णयः.

(694) ना. 8 प.

(1648) ग्र. 13-16. प. कौशिकगोविन्दार्यरचितः.

(C 155) दे. 8 प. कृष्णसूनुहरिकृतः.

(C 268) दे. 4 प. शेषाचार्यविरचितः.

(C 179) दे. 6 प. नरसिंहयज्वकृतः. दत्तविषयकः.

(C 1029) ना. 19 प. रङ्गनाथशास्त्रीयः.

(C 1081) दे. 5 प. त्र्यम्बकीयः.

(C 1545) दे. 8 प. छलारीयः.

(C 1645) दे. 7 प. भट्टोजीदीक्षिताविराचितः.

(4163) ग्र. 37 प.

आशौचप्रकरणम्. भट्टोजिदीक्षितविरचितम्.

(C 213) ना. 106—112 प. प्रायश्चित्तकाण्डान्तर्गतम्.

(C 180) दे. 13 प.

(C 190) दे. 7 प.

(694) ना. 8 प. स्मृतिसारसमुच्चयान्तर्गतम्.

आशौचशतकम्.

(1408) आ. 4 प. वैदिकसार्वभौमीयम.

(1122) ना. 226–230 प. ,, सव्याख्यानम.

(2286) ग्र. 41-93 प. ,, ,,

(3583) ग्र. 64 प. ,, ,,

(4159) ग्र. 150 प. ,, ,, समग्रम.

(898) आ. 15-20 प. हारीतवेंकटार्यविरचितम.

(C 181) दे. 5 प. ,,

(1684) ग्र. 26-30 प. ,,

(1467) आ. 40, 70-73 प. ,, सव्याख्यं (अस.)

(1709) ग्र. 11, 40 प. ,,

आशौचषडशीतिः कौशिकादित्यविरचिता.

(304) आ. 37-53 प.

(1460) आ. 10 प.

(C 666) दे. 9 प.

(A 56) क. 14 प. सव्याख्या.

(C 200) दे. 20 प. ,,

(694) ना. 8-16 प. ,,

(2237) आ. 8 प. ,,

(1809) ना. 78 प. ,,

आशौचसंग्रहः

(1821) ना. 4 प.

आह्निकम्. रङ्गनाथयतीन्द्रविरचितम्.

(1689) ग्र. 66 प.

आह्निकचन्द्रिका.

(2668) आ. 25 प.

आह्निकतरङ्गः.

(C 1902) दे. 47-139 प. श्रीनिवासतीर्थीयः.

आह्निकपद्धतिः.

(C 148) दे. 19 प. रघुनाथभट्टकृता.

आह्निकप्रयोगः.

(2686) आ. 28 प. नृसिंहविरचितः. असमग्रः.

आह्निकविधिः.

(955) ग्र. 79-80 प.
(4228) आ. 77 प. समग्रः.

आह्निकविधिसारसंग्रहः.

(459) ग्र. 108 प.
(464) ग्र. 117 प. असमग्रः.

आह्निकसंग्रहः.

(905) ना. 40--53 प.

उग्ररथशान्तिः.

(60) ना. 85+15 प.
(2496) ना. 39-71 प.
(3803) ना. 76 प.
(C 225) दे. 2 प.
(905) ना. 65-70 प.
(C 496) क. 28 प.

उभयतोमुखगोदानप्रयोगः.

(C 541) आ. 4 प.

ऊर्ध्वपुण्ड्रविचारः.

(162) आ. 30-31 प.
(C 1405) दे. 9 प.

एकनक्षत्रजननशान्तिः.

(C 696) आ. 1 प.

एकादशीनिर्णयः,

(C 145) दे. 14 प.
(903) ना. 44-49 प.

एकादशीविचारः.

(4001) ना. 29 प.

(4201) ना. 26 प.

कर्मविपाकः. (महार्णवः) विश्वेश्वरभट्टविरचितः.

(411) ना. 78 प. गद्गदहरसरस्वतीदानविधिपर्यन्तः,

(1536) ग्र. 110 प.

(2637) ग्र. 240 प. 12 तरङ्गाः.

(2077) आ. 217 प. ,,

(2181) आ. 152 प. 10 ,,

(2282) आ. 41-63 प. 5 ,,

(3487) ग्र. 117 प.

(64) ना. 10 प. मान्धातृविरचितः. सूर्यदानादियात्रादानान्तः.

(2282) आ. 32-59 प. हेमाद्रिदानखण्डीयः.

(981) ग्र. 259 प. (शिथिलः तत्रतत्र ग्रन्थलोपः.)

कर्मविपाकप्रायश्चित्तसुधानिधिः. सायणीयः.

(A 180) ग्र. 28 प.

(2282) आ. 31 प.

कर्मविपाकरत्नं कमलाकरभट्टकृतम्.

(C 892) दे. 95+46 प.

काम्यवृषोत्सर्गः.

(C 696) आ. 3 प.

(906) ना. 28-31 प.

कार्तिकपूर्णिमागजपूजाविधिः.

(B 545) क. 10-11 प.

कार्तिकशुक्लप्रतिपदि द्यूतक्रीडाविधिः

(C 696) क. 5 प.

कालनिर्णयः.

(68) ना. 80 प. माधवाचार्यविरचितः.
(71) आ. 122 प. ,,
(1133) आ. 166 प. ,, पूर्वभागः.
(1141) आ. 167-277 प. ,, उत्तरभागः.
(1272) आ. 77 प. ,,
(2184) आ. 288 प. ,,
(2251) आ. 45 प. ,, असमग्रः.
(2680) आ. 141-199 प. ,,
(3369) ना. 165 प. ,,
(3955) आ. 182 प. ,,
(3958) आ. 149 प. ,,
(C 660) दे. 164 प. ,,
(C 847) दे. 16 प. कारिकाव्याख्या.
(113) ना. 121-135 प. लघुः भारतीतीर्थविरचितः.
(1101) ना. 67-87 प. ,,

कालनिर्णयचन्द्रिका दिवाकरभट्टविरचिता.

(C 228) दे. 80 प. पौषमासनिर्णयान्ता.
(4012) आ. 119 प.

कालनिर्णयदीपिका.

(C 152) दे. 60 प. मूलं. रामचन्द्रार्यकृता.
(C 178) दे. 123 प. मूलकर्तृसूनुना नृसिंहार्येण विरचिता विवृतिः.

(C 966) दे. 117 प. ,,

(C 1026) ना. 41 प. ,, असमग्रा.

(2874) आ. 209-262 प. ,, ,,

कालनिर्णयप्रकाशः भट्टरामचन्द्रकृतः.

(C 146) दे. 123 प. कालनिर्णयश्च.

कालप्रकाशिका नृसिंहकृता.

(2044) ग्र. 259 प. 72 अध्यायाः.

(2110) ग्र. 62 प. 40 ,,

कालादर्शः आदित्यसूरिकृतः.

(2531) आ. 114 प.

(3001) ग्र. 52-136 प. एकादशीविचारतस्समग्रः.

(2251) आ. 16-69 प. 447 श्लोकाः.

कूश्माण्डहोमविधिः.

(182) ग्र. 38 प.

(125) आ. 9-10 प.

(294) आ. 9 प.

(516) आ. 14 प.

(920) आ. 140-142 प.

कृत्तिकादीपनिर्णयः शम्भुनाथसंगृहीतः.

(899) ना. 8 प.

कृष्णाचार्यस्मृतिः (स्मृतिसंग्रहाख्या)

(A 17) दे. 327 प. दुर्मरणविषयपर्यन्ता.

(C 80) दे. 300 प. सायमग्निहोत्रकालनिर्णयान्ता.

केशदाहशान्तिः शौनकीया.

(C 696) 1 प.

क्रियादीपः. पराशरभट्टारककृतः.

(2064) आ. 6 प.

(2422) आ. 4-7 प.

गजाश्वपट्टाभिषेकविधिः.

(C 696) आ. 4 प. हेमाद्रीयः.

गणहोमविधिः.

(516) आ. 6 प.

(294) आ. 9 प. कूश्माण्डहोमश्च.

गयापद्धतिः शिवरहस्योक्ता.

(C 793) आ. 17 प.

(743) आ. 2 प.

गर्गभरद्वाजकुलाविवाहविचारः.

(608) ग्र. 15 प. पट्टाभिरामीयः.

गर्भाधानादिकालनिर्णयः.

(1940) ना. 21-33 प.

गायत्रीजपनिर्णयः.

(496) ना. 13 श्लं. पत्रम्.

गुरुपूजाविधिः.

(B 375) क. 123-131 प.

गृहदेवताप्रतिष्ठाविधिः.

(262) ना. 30-37 प.

गोत्रप्रवरानिर्णयः.

(78) ना. 42 प. अभिनवमाधवाचार्यविरचितः.

(373) ना. 105-110 प. ,,

(A 83) क. 51 प. ,, सव्याख्यः

(904) ना. 205-208 प. ,,

(905) ना. 36-37 प. ,,

(C 996) ना. 5 प. ,,

(2870) ना. 34 प. ,,

(B 95) आ. 33 प. केशवदेवकृतटीकासहितः.

(C 893) दे. 5 प. नागेशभट्टकृतः.

(4177) ना. 99-123 प. बोधायनीयः.

(927) ग्र. 7 प. गोत्रनिर्णयः.

(B 96) आ. 34-46 प. गोत्रदर्पणनिर्णयप्रवरखण्डौ.

गोपूजाविधिः.

(903) ना. 3 प.

गोपालदेशिकाह्निकम्.

(2079) ग्र. 57 प.

(2412) आ. 37 प.

गोसहस्रदानविधिः.

(C 696) आ. 2 प.

गौरीतृतीयानिर्णयः.

(C 923) आ. 4 प. कस्तूरिरङ्गाचार्यकृतः.

ग्रहणादिनप्राप्तप्रत्याब्दिकश्राद्धविचारः. रङ्गनाथशास्त्रिकृतः.

(C 1012) ना. 13 प.

(C 1041) दे. 12 प.

ग्रामादिशान्तिः.

(909) ना. 43-44 प.

(B 622) आ. 8-24 प.

चण्डीपूजाविधिः.

(1779) ना. 133-140 प.

चतुर्वर्गचिन्तामणिः. हेमाद्रिविरचितः.

(58) ना. 16-19,25,60 प. दानखण्डः

(3006) ग्र. 142 प. दानखण्डे षोडशमहादानपर्यन्तः

(C 119) दे. 529 प. (454-455 पत्रलोपः)

(C 373) दे. 10-248 प.

(806) ग्र. 162 प. प्रायश्चित्तकाण्डः

(1412) आ. 261 प. ,, कदलीविवाहविधिपर्यन्तः

(1601) ना. 223 प. ,, (शिथिलः)

(C 122) दे. 254 प. ,,

(4191) ना. 171 प. ,,

चतुर्विंशतिमतव्याख्या. भट्टोजिदीक्षितविरचिता.

(B 37) दे. 237 प. आचारकाण्डः.

(B 38) दे. 237 प. संस्कारकाण्डः.

(C 113) दे. 65 प. आचारकाण्डः.

(C 128) दे. 40. प. प्रायश्चित्तकाण्डः.

(C 183) दे. 30 प. श्राद्धकाण्डः.

(C 206) दे. 39 प. आशौचकाण्डः.

चव्वसिटाणा.

(A 81) क. 78 प.

चातुर्मास्यमीमांसा. नरहरिविरचिता.

(C 269) दे. 41 प.

चिरंजीवप्रतिमादानविधिः.

(C 800) आ. 8 प.

जयन्तीनिर्णयः.

(B 373) आ. 107 प. राजगोपालीयः.

(B 373) ,, 108-127 प. श्रीनिवासपरकालीयः.

(1893) आ. 4 प. व्रतक्रमः.

(3013) ग्र. 93 प. गोपालदेशिकविरचितः.

ज्ञानभास्करः (कर्मविपाकः) सूर्यारुणसंवादः.

(C 1060) दे. 70,56 प.

तटाकादिप्रतिष्ठाविधिः.

(640) आ. 9 प.

तप्तचक्राङ्कितस्मृतिसारसंग्रहः.

(B 975) आ. 36 प.

तर्पणदर्पणम्.

(291) ना. 8 प.

तर्पणनिर्णयः.

(C 519) दे. 7 प.

तिथिदर्पणम्. मल्लिभट्टकृतम्.

(2680) आ. 218-222 प.

तिथिनिर्णयः.

(B 44) आ. 58 प. भट्टोजिदीक्षितीयः.

(C 1031) ना. 41 प. ,,

(C 1627) आ. 4 प. त्र्यम्बकीयः

(C 219) दे. 24 प. "कालनिर्णयः हेमाद्रिसारः" इति वर्तते
(C 229) दे. 23 प. ,,

तिथिसोराद्धारः सुब्रह्मण्यभट्टविरचितः.
(C 1030) दे. 16 प.

तिलगर्भदानविधिः.
(C 496) क. 1 प.

तुलसीपूजाविधिः.
(C 696) दे. 4 प.

तुलापुरुषदानपद्धतिः.
(C 532) आ. 41 प.
(C 532) आ 8 प. दानमयूखीया
(C 542) आ. 12 प.

तृचकल्पविधिः पाद्मोक्तः.
(498) ना. 10-22 प.
(1659) आ. 37 प.

त्रिकालकर्मविपाकसंग्रहः.
(B 266) क. 8 प.

त्रिस्थलीसेतुः नारायणभट्टविरचितः.
(C 154) दे. 87 प. सामान्यप्रघट्टकान्तः
(A 493) आ. 100 प. पूर्वभागः.

दंपतिपूजाविधिः
(903) ना. 3 प.

दत्तकाविधिः (संस्कारकौस्तुभीयः)
(C 1423) दे. 14 प.

दत्तकोलाहलः रङ्गनाथशास्त्रीयः.

(C 917) दे. 4 प.

दत्तकौमुदी.

(C 910) ना. 34 प.

(B 931) आ. 49 प. विठलार्यविरचित;

दत्तचन्द्रिका कुबेराविरचिता.

(C 472) आ. 14 प.

(C 632) दे. 22 प.

दत्ताचिन्तामणिः वाञ्छेश्वराविराचितः

(A 491) आ. 65 प.

दत्तानिर्णयः पन्तोजिभट्टविरचितः

(C 212) दे. 6 प.

दत्तमहोदधिः रङ्गशास्त्रिकृतः

(C 902) दे 65 प.

(C 913) क. 159 प.

(B 864) क. 60 प.

दत्तमीमांसा नन्दपण्डितविरचिता

(48) ना. 18 प.

(48) ना. 61 प.

(599) आ. 26 प. द्वादशविधपुत्रमीमांसा

(866) प्र. 19 प.

(1541) प्र. 49-62 प.

(C 905) ना. 23 प.

(3026) आ. 16 प.

(3750) आ. 67 प.

दत्तमीमांसादिसंग्रहः.

(4181) ना. 150 प.

दत्तरत्नप्रदीपिका.

(C 786) क. 24 प. श्रीशैलश्रीनिवासीया.

(3026) आ. 17 प. वेंकटाचार्यविरचिता.

दत्तरत्नाकरः. धर्मराजाध्वरिविरचितः

(C 909) ना. 50 प.

(B 787) क. 66 प.

दत्तरत्नापणः.

(A 72) आ. 49 प. सीतारामशास्त्रिविरचितः

(C 914) दे. 8 प. रङ्गनाथशास्त्रिविरचितः

(C 915) ना. 16 प. ,,

(C 916) ना. 15 प. ,,

(B 906) क. 12 प. ,,

दत्ताविचारः.

(2316) ग्र. 15 प.

दत्तसंग्रहः.

(C 914) दे. 10 प.

(C 917) दे. 4-16 प. भीमसेनाचार्यकृतः

(B 905) क. 17 प.

दत्तसंजीविनी.

(3750) आ. 67 प.

दत्तासिद्धान्तमन्दारमञ्जरी.

(2398) ग्र. 17 प.

(C 918) दे. 17-25 प.

दत्तस्वीकारविधिः.

(C 919) आ. 6 प. व्यवहारमयूखीयः

(2398) ग्र. 18-28 प.

(B 907) क. 8 प.

दशजयन्तीनिर्णयः रङ्गनाथशास्त्रिविरचितः.

(C 1032) ना. 19 प.

दशानिर्णयी. वैदिकसार्वभौमविरचिता.

(1065) आ. 103 प.

(1372) ग्र. 110 प.

(1924) ग्र. 91 प.

(2389) ग्र. 129 प.

(2491) ग्र. 147 प.

(1910) ग्र. 56-88 प. असमग्रा.

दानचन्द्रिका.

(3509) ग्र. 21 प.

दानपद्धतिः. यामळोक्ता

(2146) ना. 93 प.

(2876) ना. 131 प.

(2885) ग्र. 224 प.

(2930) ग्र. 174 प.

दायभागविचारः.

(C 1424) दे. 19 प. अत्र श्वश्रूस्नुषाधनविभागः

(C 1425) दे. 8,8 प. स्त्रीधनविचारः

(C 1427) दे. 4 प. सपत्नीपुत्रधनाधिकारविचारः

(C 1428) दे. 2 प. देवरपुत्रधनविचारः

(C 1429) दे. 8 प. स्त्रीधनाधिकारिसंग्रहः

(C 1430) दे. 4 प. अविभक्तभ्रातृपुत्रविभागविचारः

(C 1431) दे. 7 प. भ्रात्रादिपत्नीधनविचारः

(C 182) दे. 15 प. योगमूर्तिविरचितः

दायभागबिम्बम्.

(B 274) म. 14 प.

दायसंग्रहदशकम्. सिंहस्वामिदुर्गाचार्यविरचितम्

(C 109) दे. 43 प. सव्याख्यम्.

दायाददशकम्.

(2783) ग्र. 106-107 प.

(2491) ग्र. 148-163 प. सव्याख्यानम्.

(3026) आ. 18 प.

दुर्वृत्तादिप्रायश्चित्तानि.

(738) आ. 10 प.

दृष्टिदोषशान्तिः. शैवागमीया

(C 696) आ. 1 प.

देवताप्रतिष्ठाविधिः.

(C 1054) ना. 113 प. (वैदिकागमः)

(C 1735) दे. 5 प. (शौनकीयः)

देवरपुत्रधनविचारः

(C 1428) दे. 2 प.

द्रामिडाचारप्रमाणसंग्रहः.

(2380) ग्र. 57 प.

द्विजराजोदयः. मिथ्थीरेश्वरविरचितः.

(A 171) दे. 289 प.

धर्माचिन्तारत्नं मल्लभट्टविरचितम्.

(A 471) ग. 200 पु.

धर्मतत्वम्.

(4001) ना. 21. प.

धर्मद्वैतनिर्णयः भट्टशंकरविरचितः.

(C 112) दे. 203 प.

(C 175) दे. 60-71 प. आशौचनिर्णयविभागः.

(A 539) आ. 196 प.

धर्मप्रवृत्तिः नारायणपण्डितविरचिता.

(113) ना. 53-58 प. आश्वयुजादिफाल्गुननिर्णयान्ता.

(191) ना. 82 प. श्राद्धप्रकरणे ब्राह्मणसंख्याविधिविचारान्ता.

(229) आ. 123 प.

(439) आ. 142+2—54 प.

(C 277) दे. 167 प.

(C 2238) आ. 169 प.

(2576) ना. 182 प.

(3263) आ. 96 प.

(3789) आ. 256 प.

(3983) आ. 135 प.

धर्मविचारसंग्रहः.

(942) प्र. 25 प.

धर्मशास्त्रसंग्रहः.

(133) ना. 143—145+159—174 प.

(4212) ना. 75 प. अनन्ताचार्यविरचितः समग्रः.

(4360) ना. 64+135—273 प.

धर्मसिन्धुः (स्मृतिसिन्ध्वाख्या) श्रीनिवासविपाश्चित्कृता.

(A 185) दे. 138 प.

धर्मार्णवः पीताम्बरभट्टविरचितः.

(C 903) दे. 343 प.

नवग्रहशान्त्यादिः पूजाविधिश्च.

(1543) आ. 20 प.

(931) प्र. 6 + 13 प.

(58) ना. 128—139 प.

(2338) प्र. 9 प.

(C 696) आ. 6 प.

(1967) ना. 6 प.

(2526) ना. 22-59 प.

(3924) प्र. 103 प.

(C 58) आ. 32—50 प.

(3504) प्र. 39 प.

नवरात्रकल्पः.

(70) ना. 6 प.

(C 215) दे. 11 + 5 + 5 प.

(13) ना. 16. प.

(C 665) दे. 20 प.

नष्टदोरप्रायश्चित्तम्.

(C 696) क. 2 प.

नागप्रतिष्ठाविधिः

(18) ना. 1 + 6 प.

नानानिबन्धसंग्रहः रङ्गनाथशास्त्रिकृतः.

(C 1130) ना. 9 प.

नान्दीनिर्वचनं रङ्गनाथशास्त्रिकृतम्.

(B 1129) ना. 7 प.

नामवैभवः

(3277) ग्र. 14 प.

नारसिंहभेदः

(C 696) दे. 3 प.

नाळवेष्टनशान्तिः

(909) ना. 4 र्थे पत्रम्.

नित्यकृत्यम् (हिन्दीभाषा).

(C 1454) दे 74 प.

नित्यगौरीपूजाविधिः

(C 696) आ. 3 प.

नित्यग्रन्थः रामानुजाचार्यकृतः.

(2380) ग्र. 58—75 प.

(2422) आ. 8 प.

(2380) ग्र. 76-90 प. एम्बार् विरचित.

नित्यदेवतार्चनाविधिः.

(18) ना. 8 प.

(C 216) दे. 3+15 प.

(C 623) दे. 10 प.

(C 696) आ. 3 प. शौनकीयः.

नित्यानुष्ठानप्रकाशिका. सीतारामशास्त्रिकृता.

(4063) प्र. 90 प. 4–5 अंशौ.

निर्णयबिन्दुः. अनन्तदेवकृतः

(2705) भा. 12 प.

निर्णयमाला.

(C 1028) दे. 44 प.

निर्णयरत्नं छलारिशेषाचार्यविरचितम्.

(B 219) दे. 290 प. प्रथमद्वितीयपरिच्छेदौ.

(B 222) दे. 290 प. तृतीयचतुर्थपञ्चमपरिच्छेदाः.

निर्णयसंग्रहः.

(1364) प्र. 70-123 प. धर्मप्रवृत्तिहेमाद्रिस्मृत्यर्थसारादिभ्य उद्धृतः.

निर्णयसिन्धुः कमलाकरभट्टविरचितः.

(C 4) आ 33 प. तृतीयःपरिच्छेदः.

(C 100) दे. 286 प.

(C 102) दे. 192+144 प. तृतीयपरिच्छेदे श्राद्धनिर्णयसमाप्यन्तः.

(C 661) दे. 361 प. (मध्येमध्ये पत्राणि लुप्तानि)

(1784) ना 220 प.

(1803) ना. 267 प. (असमग्रः)

(4385) आ. 328 प.

(C 101) दे. 129+136 प. कृष्णभट्टीया व्याख्या. 1–2 परिच्छेदौ.

(A 323) दे. 106 प. ,, प्रथमः परिच्छेदः.

(A 324) दे. 110 प. ,, द्वितीयः ,,

(A 325) दे. 144 प. ,, तृतीयः ,,

(A 326) दे. 112 प. तृतीये उत्तरभागः

नीतिमयूखः. भास्करविरचितः.

(4217) ना. 72 प.

नूतनगृहप्रवेशविधिः

(905) ना. अष्टमं पत्रम्.

पञ्चकालक्रियादीपः. श्रीनिवासाचार्यविरचितः.

(A 182) ग्र. 165 + 61 पु.

(1294) ग्र. 117 प.

पञ्चगव्यविधिः

(2422) आ. 3 प.

पञ्चसंस्कारविधिः

(1722) ग्र. 56-77 प.

(3132) क. 23 + 7 प.

(2998) ग्र. 37–50 प.

(B 848) आ. 19 प.

पञ्चसंस्कारसन्माला. रङ्गयतिकृता.

(2550) ना. 12–102 प. समग्रा.

पञ्चामृतस्नानविधिः

(C 435) दे. 2 प.

पट्टाभिषेकादिषष्टितमवर्षवृद्धयभिषेकविधिः

(C 536) क. 23 प.

(C 568) आ. 12 प.

पद्माक्षतुलसीमालाप्रतिष्ठाविधिः

(1722) ग्र. 56-77 प.

पराशरमाधवीयम्.

(3393) ग्र. 115 प. 1-2 अध्यायौ.

(3368) ना. 104 प. तृतीयोऽध्यायः.

(3378) ग्र. 28-214 प. 6-12 अध्यायाः.

पर्जन्याविधिः. वासिष्ठः बोधायनश्च.

(667) दे. 4 प.

पल्लीपतनशान्तिः .

(C 696) दे. 4+3 प.

(C 796) दे. 7 प.

पाञ्चकालिकपद्धतिः. मञ्चालेगुडु वेदान्ताचार्यकृता.

(A 150) आ. 94 प.

(2098) ग्र. 125 प. प्रथमपरिच्छेदः.

पार्थिवलिङ्गपूजाविधिः.

(C 217) दे. 10+7 प.

(262) ना. 23-24 प.

पितृमेधसारः वैदिकसार्वभौमकृतः.

(1064) आ. 52 प.

(2394) ग्र. 92 प.

पुण्ड्रनिर्णयचन्द्रिका.

(B 920) आ. 106 प.

पुत्रकामाभिषेकादिः.

(C 246) आ. 14 प.

पुत्रसंग्रहविधिः.

(C 919) आ. 6 प.

(C 799) दे. 12 प.

(2273) ग्र. 255-262 प.

(2398) ग्र. 18-28 प.

पुत्रस्वीकारानिर्णयः. रामचन्द्रकृतः.

(C 1421) दे. 13 प.

पुरुषार्थचिन्तामणिः आटवेले कृष्णभट्टकृतः.

(A 198) दे. 234 प. कालनिर्णयः

पूजापद्धतिः.

(2071) आ. 12 प. सुब्रह्मण्यकृता.

(4296) ग्र. 22 प.

पूर्वफल्गुनीशान्तिः.

(905) ना. 3 प.

प्रतिष्ठाविधिः.

(1259) ग्रं 13 प.

प्रपन्नसंध्या.

(1708) ग्र. 48 प. रम्यजामातृकृता.

(3592) ग्र. 34 प.

(3794) ग्र. 46 प.

(3922) ग्र. 61 प.

प्रपन्नाह्निकम्.

(C 435) दे. 4 प.

प्रमाणसंग्रहः

(2029) ग्र. 180 प.
(2069) ग्र. 153 प.
(2154) आ. 47 प.
(2584) ना. 105 प.
} गृह्यधर्माद्युपयोगी

प्रयोगपारिजातः नृसिंहसूरिविरचितः.

(430) ग्र. 288 प. षोडशकर्मकाण्डः.

(C 111) दे. 148 प.

(,,) ,, 244 प.

(,,) ,, 158 प. पाकयज्ञकाण्डः.

(,,) ,, 10 प. श्राद्धकाण्डः.

(C 149) दे. 107 प. ,,

(3370) आ. 85 प.

प्रयोगपारिजातप्रकरणं. नृसिंहसूरिविरचितम्.

(3206) ना. 217 प.

(4173) आ. 163-222 प. असमग्रम्.

प्रवरमञ्जरी. पुरुषोत्तमकृता.

(A 82) आ. 120 प.

(B 97) आ. 47-61 प. प्रवरप्रस्तारप्रवरनिर्णयौ.

प्रवरोद्भेदनिर्णयः. रङ्गनाथशास्त्रिकृतः.

(C 997) ना. 7 प.

प्राणाग्निहोत्रविधिः.

(497) ना. 15-19 प.

(C 696) आ. 2 प.

प्रायश्चित्तसंग्रहः (बहुविधवादीनाम्.)

(107) क. 135-144 प.

प्रायश्चित्तसुधीमणिः,

(C 907) ना. 28 प.

प्रायश्चित्तसुबोधिनी.

(C 908) ना. 252 प.

बृहच्छौनकीयम्.
(2567) ना. 146 प.

बोधायनीयशान्तिकल्पः.
(2732) ना. 30 प.

ब्रह्मकूर्चपञ्चगव्यविधिः.
(741) ग्र. 2 प.

ब्रह्मयज्ञविधिः.
(C 696) दे. 3 प.

भगवदर्चाविधिः.
(1353) ग्र. 80 प.
(3658) ग्र. 13 प.
(3799) ग्र. 24-28 प.

भार्याग्निद्वयसंसर्गविधिः.
(660) ग्र. 16-22 प.

भीमरथशान्तिप्रयोगः.
(C 540) आ. 2 प.

भुवनेश्वरशान्तिः
(C 1537) दे. 3-31 प.

भूशुद्धिः
(921) आ. 3 प.

भ्रात्रादिपत्नीधनविचारः.
(C 1431) दे. 7 प.

मदनरत्नप्रदीपः मदनभूपालसंगृहीतः.
(A 344) दे. 21 पु. समयोद्योतः.

मदनरत्नप्रदीपिका.

(A 420) क. 330 प. नृसिंहदेवविरचिता. दानविवेकोद्द्योतः.

(3574) ग्र. 265 प. धेनुदानतः महिषीदानविध्यन्तः.

मधुमक्षिकाशान्तिः बोधायनीया.

(C 696) आ. 1 प.

मन्त्रनामपारायणविधिः.

(C 218) दे. 3+7 प.

महाप्रवराध्यायः बोधायनीयः

(2732) ग्र. 10 प.

महाभिषेकविधिः.

(68) ना. 9 प.

महाभिषेकारुणम्.

(738) ना. 7-13 प.

महालिङ्गार्चनविधिः.

(C 597) आ. 6 प.

महाषोढान्यासः.

(2366) ग्र. 11 प.

महासंकल्पः.

(C 495) आ. 11 प.

(108) ग्र. 10-18 प. उपाकर्मप्रयोगश्च.

मातृकापूजाविधिः.

(1779) आ. 141-148 प.

मानसिकपूजा.

(50) ना. 56-59 प.

(,,) ,, 47-49 प.

मानसिकस्नानलक्षणम्.

(B 278) म. 53-54 प.

मृत्युञ्जयविधिः.

(2527) ना. 13 प.

यज्ञोपवीतविधिः.

(C 461) दे. 113-114 प.

यतिधर्मसंग्रहः

(1445) आ. 18-39 प.

(C 127) दे. 168-187 प.

(1522) आ. 123 प.

यतिधर्मसमुच्चयः यादवप्रकाशकृतः.

(1023) आ. ना. 78 प.

(2031) ग्र. 97 प.

(2080) ग्र. 89 प.

(2776) ग्र. 61 प.

(3002) ग्र. 85 प.

यतिनिष्ठाविधिः वैदिकसार्वभौमविरचितः.

(1445) आ. 17 प.

(630) आ. 11 प.

यतिसंस्कारविधिः.

(C 169) दे. 11 प.

(14) ना. 6-11 प.

(2273) ग्र. 263-269 प.

यत्यनुष्ठानपद्धतिः शङ्करानन्दसरस्वतीविरचिता.

(C 96) ना. 65-88 प.

(B 515) क. 235-308 प.

युगादिनिर्णयादिः.

(373) ना. 99-113 प.

रजस्वलापञ्चदशी.

(4348) ना. 6 प. सव्याख्या.

राजधर्मकौस्तुभः अनन्तदेवकृतः.

(A 184) दे. 33 प.

राजधर्मसारसंग्रहः.

(A 160) दे. 53 प.

राजाभिषेकविधिः.

(C 696) दे 1 प. नीतिमयूखान्तर्गतः.

(C 496) क. 14 प.

(C 532) ना. 8 प.

रामपूजाविधिः.

(55) ना. 2-10 प.

रुद्रचिन्तामणिः (रुद्रजपविधिः).

(C 836) ना. 22 प.

रुद्रशान्तिः.

(55) ना. 1-2 प.

रुद्रहोमविधानम्. बोधायनीयम्.

(B 321) क. 57 प.

(C 496) क, दे. 11, 6, 25, 12 प. मन्त्रभाष्ययुतम्.

रुद्रामृततरङ्गिणी. सुब्रह्मण्यविरचिता.
(2669) आ. 39 प.

लक्षलिङ्गपूजा.
(909) ना. 4 प.

लक्ष्मणतीर्थकर्तव्यविधिः.
(C 202) दे. 1 प.

लिङ्गोत्पत्तिः.
(904) ना. 193–204 प.

लोकाक्षिधर्मशास्त्रम्. लोकाक्षिविरचितम्.
(A 565) आ. 173 प. समग्रम्.
(4109) आ. 109 प. ,,

वङ्किवंशेश्वरकारिका (भगवत्पूजासंग्रहः) अह्निकम्.
(1489) ग्र. 21 प.

वरदराजीयव्यवहारः.
(C 904) ना. 76 प.
(2820) ग्र. 72-183 प.
(3144) आ. 168 प.
(2770) ग्र. 73–109 प. ऋणादानप्रकरणम्.
(3000) ग्र. 105 प. प्रकीर्णप्रकरणप्रारम्भान्तः.

वर्षकृत्यम् नरसिंहविरचितम्.
(2551) आ. 20 प.

वार्ताकर्ममीमांसा नृसिंहार्यकृता.
(B 826) आ. 8 प.

वास्तुपुरुषविधिः.
(14) ना. 12, 14; 15 प.

वास्तुहोमादिप्रयोगः.
(86) ग्र. 69 प.
(2496) ना. 28 प.

वास्तोष्पतिहोमः.
(2338) ग्र. 27-29 प.

विच्छिन्नाग्निसंधानविचारः.
(B 765) आ. 36 प.

विजयदशमीनिर्णयः. मेरुशास्त्रिकृतः.
(C 742) दे. 23 प.

विनायकशान्तिः.
(58) ना. 128-139 प.

विभूतिकरणधारणविधिः.
(904) ना. 192-193 प.
(369) आ. 109-113 प.

विवादभङ्गार्णवः जगन्नाथतर्कपञ्चाननसंगृहीतः.

(982) आ. 122 प.	दायद्वीपः.	समग्रः.
(A 284) आ. 43 प.	,,	5-7 प्रकरणानि.
(B 269) म. 299 प.	,,	
(C 402) आ. 129 प.	,,	असमग्रः.
(C 896) ना. 72 प.	,,	1—3 प्रकरणानि.
(C 899) ना. 18 प.	,,	चतुर्थं प्रकरणम्.
(C 900) ना 14 प.	,,	पञ्चमं ,,
(C 906) ना. 60 प.	,,	षष्ठं ,,
(901) ना. 62 प.	,,	सप्तमं ,,

विवाहसापिण्ड्यविचारः.

(C 1426) दे. 2 प.

(2704) ना. 6 प.

विश्वेश्वरस्मृतिः (परिव्राजकधर्मसंग्रहः) विश्वेश्वरसरस्वतीकृता.

(C 127) दे. 167 प.

(2937) ग्र. 21+54+7 प.

विष्णुतीर्थीयाह्निकम्.

(C 719) दे. 30 प.

विष्णुपूजाविधिः.

(2890) ना. 37 प.

वेदपारायणविधिः

(C 696) आ. 4 प.

वेदोक्ताशीर्वादसंग्रहः.

(C 435) दे.

(3585) आ. 15 प.

वैकुण्ठदीक्षितीयम्.

(A 357) आ. 186 प.

(3253) ग्र. 304 प.

वैखानसमहिममञ्जरी श्रीनिवासदीक्षितीया

(A 333) ग्र. 58 प. सुन्दरराजटीकायुता.

वैखानससंग्रहस्मृतिमीमांसा श्रीनिवासदीक्षितीया.

(A 331) ग्र. 35 प.

वैदिकाचारपद्धतिः.

(3222) ग्र. 14 प.

(B 909) ग्र. 80 प. रामनाथयोगिविरचिता.

वैश्वदेवकूश्माण्डगणहोमप्रयोगाः.

(310) आ, ना. 10 प.

वैश्वदेवविधिः.

(310) ना. 11 प.

(516) आ. 2 प.

(2422) आ. 3 प.

वैष्णवधर्मशास्त्रम् आश्वमेधिकम्.

(C 353) दे. 40 प.

(2335) ग्र. 36-74 प. 94-111 अध्यायाः.

वैष्णवधर्मसंग्रहः.

(743) आ. 22+12-14 प.

व्यवहारमाला.

(2820) ग्र. 71 प.

(2841) ग्र. 85 प.

(3235) ग्र. 71 प.

शङ्करधर्मशास्त्रम् (लघुधर्मप्रकाशिका)

(B 792) म. 89 प. 12 अध्यायाः.

शतरुद्रीयहोमविधिः.

(C 255) ना. 7 प.

शाकलसंहिताहोमविधानम् बालकृष्णश्रोत्रियकृतम्.

(C 484) दे. 20 प. ऋग्वेदपारायणाङ्गस्य होमस्य विधिः.

शान्तिकल्पः हेमाद्रिः.

(4223) ना. 235 प. समग्रः.

शान्तिमयूखः भास्करः.

(4217) 73-176 प. समग्रः.

शान्तिसंग्रहः. शौनकार्षिप्रोक्तः.

(60) ना 85+14 प.

(64) आ. 11 प.

(604) प्र. 131 प.

(734) ना. 90 प.

(1723) ना. 69 + 15 प.

(2239) आ. 145 प.

(2579) ना. 209 प.

(2581) ना. 60 प.

(2914) आ. 180 प.

(3023) आ. 120 प.

(3085) प्र. 96 प.

(3127) ना. 99+17 प.

(3128) ना. 73+122 प.

(3646) प्र. 75 प.

(3804) ना. 142 प.

(4180) ना. 214 प.

शास्त्रसारोद्धारः होसिंगकृष्णभट्टकृतः काशीराजकारितः.

(A 211) आ. 140 प.

शिशुमारप्रतिमादानपद्धतिः.

(909) ना. तृतीयं पत्रम्.

शिवपूजाविधिः.

(101) आ. 47 प.

(2705) आ. 15 प.

(C 224) दे. 18 प.

(C 245) ना. 30 प. बृहद्विधिः.

(B 918) प्र. 97. प.

शिवप्रतिष्ठाविधिः वैदिकः.

(711) प्र. 11 प.

(2329) आ. 37 प.

शिवप्रतिष्ठासूत्रम्.

(2329) आ 37–40 प.

शिवसंकल्पाविधिः.

(514) प्र. 225–226 प.

शुद्धिचन्द्रिका काळिदासकृता.

(2727) आ. 24 प.

शुद्धिपञ्चदशी नवनीतनर्तनकविकृता.

(2765) प्र. 3 प.

शुद्धिमयूखः.

(1823) ना 51 प.

शूद्रधर्मः (धर्मतत्त्वं, शूद्रपद्धतिः) कमलाकरभट्टकृतः.

(C 124) दे. 99 प.

श्राद्धकाण्डः (आह्निकविधिसारः.)

(464) प्र. 117 प.

श्राद्धचन्द्रिकासारसंग्रहः भास्कररायकृतः.

(C 134) दे. 8 प.

श्राद्धचिन्तामणिः वाचस्पतिविरचितः.

(2775) प्र. 52 प. असमग्रः.

(A 488) आ. 225 प समग्रः.

श्राद्धनिर्णयशतकम्.

(1684) प्र. 8 प.

श्राद्धपद्धतिः.

(C 194) दे. 3 प. अनन्तदेवकृता.

(1848) प्र. 21 प. नारायणोपाध्यायकृता.

श्रावणप्रयोगविधिः.

(B 329) म. 5 प.

श्रीचूर्णधारणविधिः.

(B 545) क. 12–13 प.

श्रीजयन्तीनिर्णयः श्रीनिवासविरचितः.

(C 77) आ. 5 प.

श्रीरामकल्पद्रुमः (प्रयोगचिन्तामणिः) अनन्तभट्टकृतः.

(C 129) दे. 106 प. असमग्रः.

श्रीरामपट्टाभिषेकविधिः.

(738) ना. 7 प.

(262) ना. 22 प.

(1094) आ. 6 प.

(B 699) आ. 15 प. हिरण्यगर्भसंहितान्तर्गतः.

श्वश्रूस्नुषाधनविवादः.

(C 920) ना. 7 प.

(C 921) ना. 12 प.

(C 1424) दे. 19 प.

श्वश्रूस्नुषाधनविवादतमःप्रकाशः.

(C 166) दे. 10 प.

संक्रान्तिनिर्णयः.

(946) आ. 3 प.

(898) आ. 8+9–15 प. ग्रहणनिर्णयश्च.

(970) आ. 5 प. परकालस्वामिकृतः.

(1351) आ. 11+12 प. ,, महासंकल्पश्च.

(4042) आ. 13 प. ,,

संग्रहस्मृतिः.

(2071) आ. 33 प.

संन्यासपद्धतिः.

(3121) ना. 4-47 प. गङ्गपतिभिक्षुकृता.

(C 1546) दे. 15 प.

(C 1863) दे 40 प. विष्णुतीर्थीया.

संप्रदायदीपिका (आह्निकम्)

(1684) प्र. 32 प.

संवत्सरप्रायश्चित्तपटलः.

(902) ना. 2 प.

संवत्सरोत्सवकल्पलता रङ्गनाथशास्त्रिविरचिता.

(C 1007) ना. 11 प.

संवत्सरोत्सवकालनिर्णयः पुरुषोत्तमविरचितः.

(C 1051) दे. 32 प.

संस्कर्तृक्रमः.

(C 1422) दे 17 प.

(C 1432) दे. 6 प.

सच्चारित्रपरित्राणं वाधूलवीरराघवाचार्यकृतम्.

(1405) आ. 40 प.

सच्चरित्रसुधानिधिः वीरराघवाचार्यकृतः.

(725) प्र. 84 प.

(879) आ. 62 प.

(1169) प्र. 85 प.

(1262) प्र. 45 प.

(B 67) प्र. 99 प.

सच्छूद्राचारनिर्णयः.

(A 205) आ. 55 प.

(A 431) क. 123 प. चिक्कदेवराजप्रणीतः.

सज्जनसंभवः वेदान्ताचार्यकृतः.

(A 331) प्र. 35-38 प

सतीभूषणं बसवभूपसंगृहीतम्.

(2052) क. 178 प. 32 अध्यायाः.

(A 529) आ. 330 प. समग्रम्.

सत्क्रियाकल्पमञ्जरी मनूसालकट्टे वेदान्ताचार्यविरचिता.

(3129) प्र. 17+14+10 प. केचिद्भागाः.

सत्तरणतरणिः कस्तूरीरङ्गाचार्यकृता.

(A 18) क. 31 प.

(B 932) क. 39 प.

सदाचारसंग्रहः.

(827) प्र. 87 प.

सदाचारस्मृतिटीका कृष्णाचार्यकृता.

(93) ना. 86–153 प.

सपत्नीपुत्रधनाधिकारविचारः.

(C 1427) दे. 4 प.

समुद्रयानविचारः कौण्डिन्यदेशिकविरचितः.

(B 904) क. 25 प.

समुद्रस्नानविधिः.

(C 207) दे. 1 प.

सरस्वतीविलासः प्रतापरुद्रमहाराजः.

(2144) ना. 302 प.

(2204) आ. 275 प.

(3131) आ. 69 प. साक्ष्यनुयोगप्रकरणान्तः.

(B 1544) आ. 50 प. असमग्रः.

सर्पबलिः.

(925) आ. 2 प.

सर्वप्रायश्चित्तविधिः.

(C 496) क. 7 प.

सव्यञ्जनपरिषेचनविचारः.

(B 780) क. 18 प.

सीताकल्याणविधिः.

(C 696) आ. 4 प.

(B 670) दे. 14 प.

सुधीविलोचनं वैदिकसार्वभौमकृतम.

(940) आ. 142 प.

(1041) आ. 205 प.

(1229) ग्र. 170 प.

(1122) ना. 170 प.

(2250) आ. 100 प.

(2473) ग्र. 75 प.

सूतकविचारः.

(68) ना. 2 प.

सूर्यनमस्कारविधिः.

(499) ना. 25–39 प.

(1568) आ. 22 प.

(500) ना. 68–70 प.

(B 403) आ. 9 + 5 प.

स्त्रीधनप्रकरणम्

(B 274) म. 29–58 प.

(C 1425) दे. 4 प.

(C 1429) दे. 4 प.

स्त्रीधर्मसंग्रहः त्र्यम्बकयज्वकृतः.

(A 163) दे. 38 प.

स्थालीपाकौपासनप्रयोगः.

(931) प्र. 6 प.

स्नानविधिः.

(C 696) दे. 4 प.

स्नानसंकल्पः.

(C 481) दे. 8 प.

स्मार्तप्रायश्चित्तसंग्रहः.

(A 310) प्र. 118 प.

स्मार्तकौमुदी.

(2793) आ. 191 प.

(3285) आ. 309 प. असमप्रा.

(A 542) आ. 441 प. समप्रा.

स्मृतिकौस्तुभः.

(C 130) दे. 352 प. अनन्तदेवकृतः. संवत्सरकृत्यदीधितिः.

(C 104) दे. 264 प. ,, ,,

(C 103) दे. 159 प. ,, संस्कारदीधितिः.

(692) आ. 16–30 प ,, दत्तनिर्णयः.

(428) प्र. 338 प. रायसवेंकटाद्रिकृतः.

(B 36) दे. 95 प. ,, असमग्रः.

(2538) प्र. 210 प. ,, प्रथमे आचारकाण्डे पञ्चमे संस्कारप्रकरणे तप्तचक्राधिकरणविचारान्तः.

(C 894) दे. 15–251+50 प.

स्मृतिचन्द्रिका देवणभट्टकृता.

(C 21) दे. 221 प. संस्कारकाण्डः.

(B 196) आ. 127 प. ,,

(1909) ना. 41-156 प. ,,

(4315) नॉ. 167 प. आह्निककाण्डः.

(A 389) क. 287 प. संस्काराह्निककाण्डौ.

(3953) आ. 241 प. ,,

(2237) आ. 9–58 प. श्राद्धकाण्डः.

(2848) आ. 290–499 प. ,,

(2581) ना. 126 प. ,, उत्तरभागः.

(4108) आ. 191–221 प. ,,

(4316) ना. 168–233 प. ,,

(4339) प्र. 146 प. ,,

(A 568) क. 229 प. ,,

(A 427) क. 375. प. व्यवहारकाण्डः. प्रतिद्वयम्.

(466) प्र. 93 प. व्यवहारकाण्डे पूर्वभागः.

(B 319) आ. 163 प. ,, ,,

(452) प्र. 235 प. ,, उत्तरभागः

(2770) प्र. 44-74 प. ,, ऋणादानप्रकरणम्.

(3884) प्र. 267 प. ,, अष्टादशपदनिरूपणमारभ्य समग्रः.

(3694) प्र. 55-115 प. ,, असमग्रशिथिलः.

(4338) आ. 212-289 प. आशौचकाण्डः समग्रः

(A 584) क. 106 प. ,, ,,

(695) ना. 154 प. (वरदराजकृता) व्यवहारकाण्डः.

(C 116) दे 180 प. ,, ,,

स्मृतिचिन्तामणिः (कालनिर्णयः.)

(2612) ना. 170 प.

स्मृतिदर्पणम्.

(694) ना. 60-106 प.

(2134) आ 188 प. (बृहत्)

(A 573) आ 150 प. असमग्रम्.

(2680) आ. 200-218 प. रविसोमयाजिकृतम्)

(2944) आ. 66-119 प. ,,

(3035) ना. 67 प. ,,

(C 664) दे. 22 प. ,,

स्मृतिप्रकाशः (विद्यारण्यस्मृतिः.)

(3026) आ. 16-31 प.

स्मृतिप्रकाशिका.

(B 900) आ. 300 प.

स्मृतिभास्करः (भगवन्तभास्करः) नीलकण्ठभट्टकृतः

(C105) दे. 20 प. प्रतिष्ठामयूखः.

(A55) क. 59 प. व्यवहारमयूखः (असम)

(C105) दे. 94 प. शान्तिमयूखः. ,,

,, दे. 26. प. शुद्धिमयूखः. ,,

(1624) आ. 158-245 प. श्राद्धमयूखः. ,,

(373) ना. 114 प. समयमयूखः. ,,

(2025) ना. 257 प. समय, आचार, श्राद्ध, नीति, व्यवहारमयूखाः.

(2792) आ. 294 प. नीति, व्यवहार, दानमयूखाः.

(3328) आ. 186 प. समय, आचार, श्राद्धमयूखाः.

स्मृतिभूषणं कोनेर्यार्यविरचितम्.

(B923) क. 249 प.

स्मृतिमीमांसा रङ्गनाथशास्त्रिविरचिता.

(C1023) ना. 26 प.

स्मृतिमुक्ताफलं वैद्यनाथीयम्.

(489) आ. 97 प. आचारकाण्डः.

(2170) आ. 185 प. ,,

(2275) प्र. 116 प. ,,

(2473) प्र. 74-144 प. ,,

(2248) आ. 247 प. आह्निककाण्डः.

(2275) प्र. 118-210 प. ,,

(2171) आ. 124 प. ,, (संग्रहरूपः).

(2046) प्र. 86-400 प. श्राद्धकाण्डः.

(2273) प्र. 52-203 प. ,,

(2487) प्र. 263 प. ,,

(3151) ग्र. 91 प. श्राद्धकाण्डः (संग्रहरूपः).

(1069) ना. 79 प. प्रायश्चित्तकाण्डः.

(1039) आ. 105 प. ,,

(2273) ग्र. 51 प. ,,

,, ग्र. 203-254 प. आशौचकाण्डः.

(2892) ग्र. 62+17 प. ,,

(2273) ग्र. 270-294. तिथिनिर्णयकाण्डः.

(158) ना. 123 प. श्राद्धकालप्रायश्चित्तकाण्डः.

स्मृतिमुक्तावळी (कृष्णाचार्यस्मृतिः).

(2191) ना. 9-279 प. (शिथिला).

स्मृतिरत्नं श्रीनिवासाचार्यविरचितम्.

(4036) ना. 69 प.

स्मृतिरत्नाकरः.

(1047) आ. 233 प. वैदिकसार्वभौमकृतः.

(1048) आ. 220 प. ,,

(1428) आ. 244 प. ,,

(2488) ग्र. 193 प. ,,

(C1006) दे. 136 प. विष्णुभट्टविरचितः.

(3921) ना. 203 प.

स्मृतिशेखरः. उपेन्द्राध्वरिविरचितः.

(419) आ. 222 प.

(A 561) आ. 266 प. समग्रः.

स्मृतिसंग्रहः.

(938) आ. 198 प. विद्यारण्यविरचितः.

(1031) आ. 63 प. ,,

स्मृतिसंग्रहः विद्यारण्यविरचितः.

(1400) आ. 274 प.

(2787) आ. 204 प.

(2999) ग्र. 393 प.

(2049) ग्र. 176 प. असमग्रः.

(4248) ग्र. 210 प. समग्रः.

(A530) आ. 200 प. पूर्वभागः.

(A531)आ. 201-392 प. उत्तरभागः.

(C1522) आ. 123 प.

(3323) आ. 120 प. विवाहान्तः.

(3777) ग्र. 69 प.

(373) ना. 99 प. गङ्गाधरविपश्चित्कृतः.

(B770) ना. 55 प. रङ्गनाथशास्त्रिविरचितः.

(4006) ना. 86 प. ताम्रपर्णीयः.

(4183) ना. 117 प.

(C1628) आ. 89 प.

(A613) क. 485 प. समग्रप्रायः.

स्मृतिसारसंग्रहः ताम्रपर्णीश्रीनिवासविरचितः.

(A366) दे. 142 प.

(C1010) ना. 54 प.

(C1019) ना. 175 प.

स्मृतिसारसमुच्चयः नागयार्यकृतः.

(250) ना. 50 प.

(C121) दे. 177 प.

स्मृत्यर्थसागरः.

(C1643) दे. 8+56 प. छलारिनृसिंहाचार्यः आशौचकालतरङ्गः.

(3362) ना. 69 प. ,, ,,

(C1891) दे. 58 प. छलारि शेषाचार्यः. २ तरङ्गौ.

स्मृत्यर्थसारः श्रीधराचार्यकृतः.

(A16) आ. 149 प.

(C108) दे. 12 प.

(3966) ग्र. 126 प.

हनुमत्पूजाविधिः रुद्रयामळम्.

(C1134) दे. 11 प.

हरिदिनतिलकव्याख्या.

(B550) आ. 11 प.

(3065) ग्र. 12 प.

हिरण्यगर्भदानविधिः.

(C542) आ. 12 प.

(3) व्रतग्रन्थाः.

अक्षतारोपणोद्यापनादयः.

(504) ना. 5 प.

अङ्गारकपूजाविधिः.

(C 208) दे. 14+2 प.

अनन्तपद्मनाभव्रतम्.

(C 209) दे. 6+7+10+10 प.

(1657) आ. 16 प.

(2564) आ. 15 प.

अन्नपूर्णव्रतम्.

(C 224) दे. 4 प.

अमासोमवारव्रतम्.

(55) ना. 2 प.

आञ्जनेयव्रतम्.

(901) ना. 6 प.

उमामहेश्वरव्रतम्.

(778) आ. 2 प.

ऋषिपञ्चमीव्रतम्.

(2564) आ. 25 प.

कालाष्टमीव्रतम्.

(C 224) दे. 9+8 प.

कृष्णाष्टमीव्रतं कथाच.

(C 158) दे. 3+2+2+7+8 प

(905) ना. 5 प.

(1346) ग्र. 33-42 प.

केदारव्रतम्.

(2564) आ. 11 प.

गुरुवारैकादशीव्रतम्.

(B 700) आ. 11 प.

दशाफलव्रतम्.

(C 224) दे. 3+3+10 प.

दिग्गजव्रतम्.

(504) ना. 5 प.

धारणपारणव्रतम्.

(920) आ. 205—207 प.

नमस्कारव्रतम्.

(224) दे. 5+8 प.

निरशनभानुवारव्रतम्.

(3932) आ. 17 प.

नृसिंहजयन्तीव्रतम्.

(C 481) दे. 8 प.

पक्षप्रदोषव्रतम्.

(C 157) दे. 5 प.

भक्तेश्वरव्रतम्

(3896) ग्र. 11 प.

भीमेश्वरकल्पः स्कान्दान्तर्गतः.

(C 794) आ. 20 प.

मत्स्यकूर्मादिजयन्तीव्रतम्.

(277) आ. 138—150+175—189 प.

मलमासव्रतम्.

(C 224) दे. 3+7 प.

महादीपव्रतम्.

(909) ना. 2 प.

मासशिवरात्रिव्रतम्.

(C 224) दे. 3+4 प.

रथसप्तमीव्रतम्.

(C 224) दे. 2+4 प.

रामजयन्तीव्रतं कथाच.

(50) ना. 108—110 प.

(1346) प्र. 1-12 प.

(1893) आ. 12 प.

(2251) आ. 46—47 प.

रामनवमीकल्पः.

(2701) ना. 4 प.

लक्षगन्धोद्यापनम्.

(504) ना. 5 प.

लक्षदीपव्रतम्.

(904) ना. 187-190 प.

लक्षपुष्पव्रतम्.

(C 221) दे. 4+4+2+3+3+5+2+1 प.

ललिताव्रतादिः.

(C 223) दे. 33+23 प.

वरलक्ष्मीव्रतम्.

(2551) आ. 21-56 प.

(2564) आ. 5 प.

वरलक्ष्म्यादिलक्ष्मीव्रतम्.

(C 222) दे. 5+13+6+4+4+8 प.

विनायकव्रतम्.

(B 276) म. 115-121 प.

(B 685) दे. 14 प.

(2564) आ. 9 प.

वैकुण्ठचतुर्दशीव्रतम्.

(C 224) दे. 2 प.

व्रतकल्पवल्ली. बिरूपाक्षभूपकृता.

(2551) आ. 155 प. उत्सवविधिपर्यन्ता.

व्रतकौमुदी शंकरशास्त्रिकृता.

(C 764) दे. 128 प.

व्रतसंग्रहः (कल्पः)

(1720) ना. 79+81+117-125 प.

(1617) ग्र. 44 प.

(C 2) ना. 17 प.

(689) ना. 160 प.

(2209) आ. 119 प.

(2027) ना. 89 प.

(2370) ना. 154 प.

(2268) ग्र. 61 प.

(2868) ना. 105 प.

(3121) ना. 45 प.

(3329) ना. 162 प.

(4179) ना. 183 प. नृसिंहजयन्त्यादिः.

(4218) ना. 340 प.

(4335) ना. 404 प.

(4378) ना. 53 प.

(4383) ना 103 प.

व्रतार्कसारः रङ्गनाथशास्त्रिकृतः.

(2879) ना. 27 प.

शिवमुष्टिव्रतम्.

(C 224) दे. 4 + 1 प.

शिवरात्रिव्रतम्.

(18) ना. 4 प.

(C 496) क. 11 प.

(B 273) म. 98-102 प.

श्रवणद्वादशीव्रतम्.

(C 224) दे 1+4 प.

सरस्वत्यादिपूजाविधिः.

(B 276) म. 110–121 प.

(4235) आ. 30 प.

सूर्यचन्द्रव्रतम्.

(920) आ. 8 प.

सोमवारव्रतम्.

(C 224) दे. 5+14 प.

स्वर्णगौर्यादिगौरीव्रतम्.

(923) आ. 7 प.

(C 214) दे. 4+4+2+4+11+6+4+12 प.

(4) इतिहासः

अखण्डानन्दः (रामायणविचारः).

(B 929) आ. 59 प.

अध्यात्मरामायणम्.

(1549) ना. 214 प. वाल्मीकिविरचितम्.

(3980) आ. 115 प. वाल्मीकिविरचितम्.

(4219) ना. 214 प. ,,

(4325) क. 98 प. ,,

(1929) ना. 151+47 प. ब्रह्माण्डपुराणस्थम्. 4-7 काण्डाः

(C 509) दे. 170 प. व्याख्या रामवर्मविरचिता.

इतिहाससमुच्चयः.

(A 188) दे 66 प.

(1240) ग्र. 21 प. असमग्रः.

(1270) ग्र. 83 प. खण्डितः.

(2385) ग्र. 118 प.

(C 889) दे. 88 प.

(4138) ग्र. 112 प. समग्रः

इतिहासोत्तमः.

(C 1300) दे. 25 प. 17 अध्यायाः.

(1757) आ. 116 प. 34 अध्यायाः.

(1127) ग्र. 83—170 प

जैमिनिभारतम्.

(C 1789) दे 165 प. अश्वमेधपर्व.

तत्वसंग्रहरामायणं. रामचन्द्रसरस्वतीसङ्कलितम्.

(50) ना. 91—108 प.

(2024) ना. 207 प

ब्रह्मरामायणम्.

(B 707) आ. 18 प.

महाभारतं व्यासविरचितम्.

(3259) आ. 500 प. समग्रम्.

(3689) आ. 485 प. ,,

(3462) प्र. 224 प. आदिपर्व पूर्वभागः

(3463) प्र. 225-448 ,, उत्तरभागः.

(1651) आ. 61 प. आदिपर्व. 48 अध्यायाः.

(2168) आ. 286 प. ,,

(2438) ना. 252 प. ,,

(2962) प्र. 167 प. ,,

(3255) ना. 314 प. ,,

(2899) प्र. 260 प. ,,

(2752) प्र. 123 प. ,, 111 अध्यायाः.

(2750) प्र. 297 प. ,, 100 ,,

(2749) प्र. 231 प. ,, 81 ,,

(2751) प्र. 115 प. ,, 86-162 ,,

(2149) आ. 43 प. ,, 14 ,,

(3442) ना. 219 प. ,,

(3482) आ. 208 प. ,,

(3760) प्र. 341 प. ,,

(3838) प्र. 74 प. ,,

(C1388) दे. 133 प. ,,

(C360) दे. 101 प. ,, वादिराजस्वामीयव्याख्यायुतम्.

(1430) आ. 187 प. सभापर्व.

(1507) प्र. 169 प. ,,

(2168) आ. 120 प. ,,

(2439) आ. 112 प. ,,
(2597) प्र. 116 प. ,,
(2753) प्र. 260 प. ,,
(3208) प्र. 103 प. ,,
(3256) ना. 169 प. ,,
(3539) प्र. 79 प. ,, 120 अध्यायाः.
(3743) आ. 68 प. ,,
(3776) आ. 207 प, ,,
(3841) प्र. 105 प. ,,
(C1390) दे. 134 प. ,, नीलकण्ठीयव्याख्यायुतम्.
(1609) आ. 196 प. अरण्यपर्व.
(1248) प्र. 246 प. ,,
(2440) आ. 256 प. ,, प्रथमभागः.
(2441) आ. 156 प. ,, द्वितियिभागः.
(2963) प्र. 159 प. ,, ,,
(2964) प्र. 160-370 प. ,, उत्तरभागः
(2255) आ. 91 प. ,, 162 अध्यायाः.
(2450) प्र. 101-343 प. ,, 80 तमाध्यायतस्समग्रम्.
(3115) ना. 225 प. ,, 159 अध्यायाः.
(3290) आ. 258 प. ,,
(3379) प्र. 266 प. ,, 126 अध्यायाः.
(3783) आ. 305 प. ,,
(3864) प्र. 195 प. ,,
(C1391) दे. 257 प. ,,
(1808) आ. 145 प. विराटपर्व.
(1918) आ. 105 प. ,,

(2133) आ. 131 प. विराटपर्व.
(2169) आ. 101 प. ,,
(2442) आ. 131 प. ,,
(2754) प्र. 134 प. ,,
(2800) आ. 165 प. ,,
(3178) प्र. 157 प. ,,
(3839) प्र. 110 प. ,,
(3840) प्र. 121 प. ,,
(4324) प्र. 90 प. ,,
(C1113) दे. 28 प. ,,
(C1392) दे. 88 प. ,,
(C492) आ. 56 प. ,, व्यख्यायुतम्.
(1917) प्र. 7-184 प. उद्योगपर्व.
(2390) क. 159 प. ,,
(2443) आ. 144 प. ,,
(2471) ना. 227 प. ,,
(2755) प्र. 272 प. ,,
(2756) प्र. 246 प. ,,
(2809) प्र. 98+49 प. ,, 118 अध्यायाः.
(3360) ना. 149 प. ,,
(3538) प्र. 134 प. ,, 133 अध्यायाः.
(3761) प्र. 417 प. ,,
(C1393) दे. 187 प. ,,
(C1452) दे. 173 प. ,,
(C1394) दे. 340 प. ,, नीलकण्ठीयव्याख्यायुतम्.

(C1667) दे. 91 प. ,, लक्षालङ्कारटीकायुतम्.

(1666) प्र. 240 प. आदिपञ्चकम्. उद्योगे 50 अध्यायाः

(1279) ना. 246 प. सभारण्योद्योगपर्वाणि.

(C290) दे. 85+85. अरण्यद्रोणपर्वणी.

(1414) प्र. 180 प. विराटोद्योगपर्वणी.

(2133) आ. 207 प. भीष्मपर्व.

(2444) आ. 271 प. ,,

(2614) प्र. 126 प. ,, 110 अध्यायाः.

(2757) प्र. 200 प. ,, 106 ,,

(2801) आ. 83 प. ,,

(3578) प्र. 298 प. ,,

(2073) प्र. 257 प. द्रोणपर्व.

(2131) ना. 270 प. ,,

(2255) आ. 114 प. ,,

(2445) आ. 233 प. ,,

(2610) प्र. 273 प. ,,

(3772) प्र. 307 प. ,,

(C1551) दे. 73 प. ,,

(2047) आ. 194 प. कर्णपर्व.

(2132) ना. 234 प. ,,

(2446) आ. 173 प. ,,

(2447) प्र. 196 प. ,,

(2529) आ. 197 प. ,,

(2537) आ. 219 प. ,,

(2645) आ. 313 प. ,,

(3380) प्र. 150 प. ,,

(C 1453) दे 173 प. ,,

(2758) प्र. 231-411 प. शल्यपर्व

(C1395-1399)दे. 156+303+134+55+24प. भीष्मद्रोण-
कर्णशल्यसौप्तिकैषीकपर्वाणि.

(C 1000) दे. 64 प. गदापर्व.

(C 1418) दे 11 प. ,,

(1874) प्र. 66 प. ,,

(2800) आ. 47 प. स्त्रीपर्व.

(1647) क. 113 प. शल्यसौप्तिकस्त्रीपर्वाणि,

(2448) आ. 137 प. शल्यगदापर्वणी.

(2529) आ. 413—435 प. शल्यसौप्तिकपर्वणी.

(2167) आ. 211 प.-शल्य-गदा-सौप्तिक-ऐषीक-स्त्रीपर्वाणि.

(2452) प्र. 127+51 प. ,,

(2540) आ. 110 प. ,,

(2645) प्र. 51 प. ,,

(3116) ना. 116 प. ,,

(2449) आ. 42 प. सौप्तिकैषीकस्त्रीपर्वाणि.

(2759) प्र. 302 प. ,,

(2966) प्र. 99 प. ,,

(1427) आ 268 प. शान्तिपर्व.

(2898) प्र. 310 प. ,,

(3207) प्र. 195 प. ,,

(A 125) आ. 134 प. व्याख्या अर्जुनमिश्रीया.

(1582) प्र. 207 प. शान्तिपर्व राजधर्मः.

(1552) दे. 92 प. शान्तिपर्व राजधर्मः
(407) ग्र. 268 प. ,, मोक्षधर्मः.
(1583) ग्र. 288 प. ,, ,,
(2345) ग्र. 104, 113 प. ,, ,, 178 अध्यायाः.
(2628) ग्र. 228 प. ,, ,, 102 ,,
(C 1350) दे. 433 प. ,, ,, व्याख्या अर्जुनमिश्रीया.
(4029) ना. 121 प. ,, ,, लक्षालंकारः वादिराजकृतः.
(4200) ना. 102 प. ,, ,, व्याख्या वेदगर्भनारायणकृता.
(7) आ. 80 प. ,, ,, ,, विद्यासागरीया.
(C 1400) दे. 68, 238 प. ,, आपद्धर्मराजधर्मौ नीलकण्ठीयसहितौ.
(2454) आ. 350 प. ,, राजधर्ममोक्षधर्मौ.
(2965) ग्र. 280–427 प. ,, ,,
(2255) आ. 137 प. आनुशासनिकपर्व.
(2455) आ. 305 प. ,,
(3117) ना. 181 प. ,,
(2459) ग्र. 154 प. ,, 140 अध्याया;
(2761) ग्र. 162–347 प. ,, 104 ,,
(2799) आ. 145 प. ,, 140 ,,
(2760) ग्र. 102 प. ,, 137-240 ,,
(3532) ग्र. 155 प. 122 ,,
(3773) ग्र. 62—250 प. ,,
(3774) आ. 162 प. 101—240 अध्याया;
(4323) ग्र. 260 प. अनुशासनिकपर्व
(3429) ग्र. 25—150 प. आश्वमेधिकपर्व.
(C 732) दे. 147 प. ,, सव्याख्यम्.

(2453) आ. 170 प. आश्वमेधिकपर्व सव्याख्यम्
(2759) ग्र. 100 प. ,, ,,
(2801) आ. 82 प. ,, ,,
(3117) ना. 181 प ,, ,,
(3118) ना. 133 प. ,, ,,
(C1401-1403) दे. 315, 112,49 प. आनुशासनिकाश्वमेधिकाश्रमवासिकस्वर्गारोहणपर्वाणि.
(2451) ग्र. 200 प. आश्वमेधिकाश्रमपर्वणी.
(2121) ना. 136 प. मौसलमहाप्रस्थानपर्वणी.
(2220) आ. 180 प. ,,
(2616) ग्र. 81 प. आश्रमवासिकपर्व.
(3187) ग्र. 44 प. ,,
(2470) आ.44 प. आश्रममौसलमहाप्रस्थानपर्वाणि.
(2966) ग्र. 99 प. ,,
(1874) ग्र. 66 प. मौसलस्वर्गारोहणपर्वणी.
(3491) ग्र. 91 प. आश्रमस्वर्गारोहणपर्वणी
(C1064-1072) दे. नीलकण्ठीयव्याख्यायुतं समग्रम्.
(A504-518) आ. ,, ,,
(147) आ. 237 प. ,,
(2786) आ. 302 प. ,, आद्युद्योगशान्त्यानुशासनिकपर्वभिर्विना समग्रम्.
(775) ग्र. 89 प. विशिष्टाद्वैतसिद्धान्तानुसारिणी व्याख्या आदिसभारण्यपर्वणाम्.
(2554) ना. 134 प. वादिराजीया लक्षालंकाराख्या टीका.
(A374) क. 150 प. ,,

(C1577) दे. 445 प. ,,

(A554-558) दे. 39,10,34,10,13 प. आदिविराटोद्योगभीष्म-द्रोणपर्वाणि.

(A385) आ. 63 प. विमलबोधार्यरचिता महाभारतदुष्करश्लोक-टिप्पणी.

महाभारततात्पर्यनिर्णयव्याख्या (प्रमेयमणिमाला)

(4363) ना. 2–111 प.

महाभारतसंग्रहः

(3851) ग्र. 195 प. आदितः उद्योगपर्वसमाप्त्यन्तः

महाभारतसारः वेंकटनाथार्यसंगृहीतः

(211) ग्र. 126,20 प.

(A585) क.241 प. समग्रः

मैरावणचरितम्. (हनुमद्विजयः)

(B320) क. 90 प. रामायणे युद्धकाण्डगतम्.

(4165) ग्र. 81 प. समग्रम्.

मोक्षधर्मप्रदीपिका

(445) आ. 78 प.

योगवासिष्ठम्.

(A281) आ. 162 प उत्पत्तिप्रकरणं आनन्दबोधीयटीकायुतम्.

योगवासिष्ठसारविवरणं. लहिधरकृतम्.

(B517) क. 45 प.

योगवासिष्ठसारसंग्रहः

(3312) आ. 51 प.

(3540) आ. 56 प. 12 सर्गाः

योगवासिष्ठसारसमुच्चयः

(3444) ग्र. 264 प सव्याख्यः

लघुयोगवासिष्ठं. काश्मीरपण्डितसंगृहीतम्,

(389) आ. 144 प.

(254) आ. 39 प. स्थित्युपशमप्रकरणे.

(442) ग्र. 160 प. मुम्मडिदेवकृतसंसारतरण्याख्यव्याख्यायुतम्.

(1038) क. 128,105 प. ,,

(3119) आ. 195 प. ,,

(3478) आ. 256 प. ,,

(3573) ग्र. 287 प. ,,

वासिष्ठोत्तरम्.

(2844) ग्र. 21—27 प.

विष्णुरहस्यं वासिष्ठम्.

(C720) दे. 30 प. 43 अध्यायाः

शेषधर्मः

(1090) आ. 30 प.

(1254) आ. 25 प.

(1361) ग्र. 90 प.

(1589) ग्र 97 प.

(2353) ग्र. 107 प.

(2458) आ. 153 प.

(3176) ग्र. 208 प.

(C1665) दे. 64 प.

श्राद्धेतिहासः.

(C33) आ. 10 प.

श्रीमद्रामायणं वाल्मीकिविरचितम्.

(3200) आ. 309 प. समग्रम्.
(4273) ग्र. 223-365 प. ,,
(4353) ग्र. 238 प. ,,
(1516) ग्र. 277 प. ,,
(4354) ग्र. 293 प. उत्तरभागः.
(1049)ग्र. 218 प. 6 काण्डाः.
(1558) ना. 300 प. ,,
(1245)ग्र. 326,140 प. ,,
(2160) आ. 347 प. ,,
(2807) ग्र. 184 प. 5 काण्डाः
(2836) ग्र. 57 प. षष्ठः काण्डः.
(1360) आ. 251 प. 4 काण्डाः
(C 1799-1800) दे. 6 काण्डाः
(1396) ग्र. 156 प. 2 काण्डौ.
(1355) ग्र. 212 प. ,,
(1246) ग्र. 253 प ,,
(834) आ. 289 प. ,,
(1168) आ. 117 प. ,,
(1415) आ. 71+81 प. 3-4, काण्डौ
(560) ग्र. 200 प. ,,
(947) आ. 5 प. आरण्यकाण्डे 18 सर्गाः.
(1398) आ. 114 प सुन्दरकाण्डः.
(C 494) आ. 133 प. ,,
(1059) आ. 110 प. ,,

(1363) आ. 132 प. सुन्दरकाण्डः

(1982) आ. 123 प. ,,

(C469) दे. 141,135 प. ,, युद्धकाण्डश्च.

(1247) आ. 82+80—258 प. सुन्दरकाण्डः उत्तरकाण्डश्च.

(562) आ. 108 प. युद्धकाण्डः.

(1429) ग्र. 140-310 प. ,,

(1528) ग्रं. 204 प. उत्तरकाण्डः

(1494) ग्र. 110 प. ,,

(1783) ना. 54 प. ,,

(1956) ना. 108 प. ,,

(402) आ. 123 प. आत्रेयवरदराजकृता विवेकतिलकाख्यव्याख्या.
6 काण्डाः

(2305) आ. 151 प. चोलपण्डितब्रह्मराजविरचिता व्याख्या

(63) ना. 156 प. कन्दाडेरामानुजीया व्याख्या 1–2 काण्डौ.

(1569) आ. 71–174 प. ,, 3–6 काण्डाः.

(1126) ना. 275 प. ,,

(1767) ग्र. 41 प ,, बालकाण्डः.

(2664) आ. 11–240 प. ,,

(2322) ग्र. 153 प. ,, 1–3 काण्डाः

(2256) ग्र. 107+67 प. ,, 4–6 ,,

(2074) ग्र. 17–231 प. ,, 4 ,,

(1906) ग्र. 55–294 प. ,, 2–4 ,,

(3869) ग्र. 104 प. ,, अयोध्याकाण्डः.

(3843) ग्र. 127 प. ,, अयोध्यारण्यकिष्किन्धाकाण्डाः

(3842) ग्र. 134 प. ,, युद्धसुन्दरकाण्डौ.

(772) ग्र. 155 प. रामकृतं तिलकव्याख्यानम्. 5 काण्डाः.
(A 521-527) आ. ,, समग्रम्.
(C 673) दे. 341 प. ,, षष्ठः काण्डः.
(C1380) दे. 156 प. ,, सुन्दरकाण्डः.
(1254) ग्र. 86—124 प. गोविन्दराजीयव्याख्या बालकाण्डः.
(2635) ग्र. 79 प. ,, पञ्चमः काण्डः
(76) आ. 119 प. महेशतीर्थीया तत्वार्थदीपिकाख्या टीका किष्किन्धा-
युद्धकाण्डौ.
(164) आ. 167-219 प. ,, ,, अरण्यकाण्डः.
(1952) आ. 282 प. ,, 2—6 काण्डाः.
(1565) ना. 54 प. ,, संक्षिप्ता. बालकाण्डे 8 सर्गाः
(2287) ग्र. 118 प. ,, 4 सर्गाः
(2953) आ. 35-76 प ,, 1,3,4 ,,
(2547) आ. 84 प. ,, षष्ठकाण्डः.
(3449) ग्र. 107 प. वैद्यनाथीया व्याख्या अयोध्याकाण्डः.
(4046) ग्र. 109 प. ,, ,,
(C 1736) दे. 22 प. ,, 1 सर्गः.
(2604) ग्र. 291 प. माधवयोगिविरचितं कतकव्याख्यानम्
(3770) ग्र. 154 प. ,, बालसुन्दरयुद्धोत्तरकाण्डाः.
(1322) ग्र. 103 प. हरिपण्डितीयव्याख्यासंग्रहः.
(164) आ. 166 प. ,, 1—2 काण्डौ
(2127) ना. 144 प. मधुरान्तकवाल्मीकीया व्याख्या.
(401) ग्र. 37-56 प. सुन्दरकाण्डस्य गच्छद्व्याख्या.
(C491) आ. 35+12 प. नागेशभट्टविरचिता व्याख्या सुन्दरकाण्डः
किष्किन्धाकाण्डे 18 सर्गाश्च.

(C1379) दे· 64 प. ईश्वरदीक्षितीया तत्वदीपिकाव्याख्या बालकाण्ड:

(3417) ग्र. 139 प. काळिदासविरचिता. व्याख्या. अयोध्यारण्यकाण्डे

(A 397) आ. 22 प. तात्पर्यदीपिकाव्याख्या.

(4295) ग्र. 73 प. व्याख्या.

(3305) ग्र. 105 प. ,, उत्तरकाण्ड:.

(344) ग्र. 26 प. अनन्तसूरिविरचित: व्याख्यासंग्रह:.

(8) आ. 12 प. 'रामं दशरथं विद्धि' इति श्लोकव्याख्या.

(2362) ग्र. 4 प. ,, ,,

(3597) ग्र. 134 प. किष्किन्धाकाण्डोपन्यास:

(3656) ग्र. 139 प. तनिश्लोकी कृष्णपादविरचिता.

श्रीमद्रामायणमहिमादर्श:

(C 513) आ. 19 प.

श्रीमद्रामायणविरोधपरिहार:

(1497) ग्र. 23 प.

श्रीमद्रामायणविरोधभञ्जनी. ब्रह्मविद्याध्वरिकृता.

(C 506) आ. 52 प.

(1240) ग्र. 41 प.

(2894) ग्र. 27 प.

(3547) आ. 29 प.

श्रीमद्रामायणसारचन्द्रिका. श्रीनिवासविरचिता

(2917) ग्र. 48 प.

(2922) ग्रं 50 प.

(3792) ग्र. 101—151,251–309,360—449 प. द्राविडभाषा

श्रीमद्रामायणसारसंग्रह:.

(1991)ग्र. 30-39 प. अप्पय्यदीक्षितकृत:

(1910) प्र. 45 प. हयग्रीवशास्त्रिकृतः.

(3196) प्र. 40+76 प. ईश्वरदीक्षितविरचितः.

(425) आ. 17 प. वेंकटाचार्यविरचितः.

(B525) आ. 34 प. ,,

(2338) प्र. 115—133 प.

(76) आ. 1 प.

सोमोत्पत्तीतिहासः

(B769) क. 4 प.

हरिवंशः व्यासप्रणीतः

(3438) ना. 412 प. समग्रः.

(3759) प्र. 372 प. ,,

(3889) प्र. 334 प. ,,

(4322) प्र. 289 प. ,,

(1249) प्र. 200 प.	165	अध्यायाः.
(839) क. 333 प	233	,,
(2089) प्र. 429 प.	356	,,
(2655–57) आ. 247—389 प	332	,,
(1858) प्र. 520 प.	252	,,
(2456-57) आ. 312+314 प.	347	,,
(2272) प्र. 214 प.	140—337	,,
(2327) प्र. 99 प.	113—156	,,
(2352) प्र. 101-289 प.	157—277	,,
(2901) आ. 242-400 प.	70—110	,,
(3177) प्र. 52 प.	58	,,

(4192) आ. 146 प.

हरिवंशः व्यासप्रणीतः

(A 170) क. 303, 502-571 प. नीलकण्ठीयव्याख्यायुतः 243 अध्यायाः

(C 172) दे. 708 प. ,,

(C 1351) दे. 270—686 प. ,,

(C 1352) दे 308 प. अर्जुनमिश्रीयटीकायुतः 119 अध्यायाः.

(A 519-520) आ. 366 प. सव्याख्यः.

V (1) पुराणम्.

आदित्यपुराणं (सौरपुराणम्) मानवीयसंहिता.

(A 306) क. 207 प.

(3070) आ. 94 प.

(3572) प्र. 196 प.

उमासंहिता स्कान्दम्.

(367) ना. 102 प.

(305) ना. 10 प.

कालिकाखण्डः स्कान्दः.

(B 708) आ. 56 प.

(A 453) प्र. 81 प.

काशीखण्डः स्कान्दः.

(1979) क. 19 प. कर्णाटटीकायुतः.

(B 940) आ. 315 प. 35 अध्यायाः.

(4195) ना. 201 प.

कूर्मपुराणम्. ब्रह्मसंहिता.

(C 371) दे. 125 प.

(2072) प्र. 132 प.

(3403) ग्र. 135 प. उत्तरभागः.

केदारखण्डः स्कान्दः.

(C 110) दे. 114 प.

कैशिकपुराणम्. (वाराहपुराणम्) सकर्णाटटीकम्.

(B 939) आ. 17 प.

गणेशखण्डः स्कान्दः.

(B 711) आ. 22 प.

गणेशपुराणम्. (उपपुराणम्)

(4052) ग्र. 108 प. (उत्तरखण्डः) 47 अध्यायाः समग्रम्.

(4070) ग्र. 178 प. समग्रम्.

गरुडपुराणम्.

(892) आ. 36 प.

(C 378) दे. 64 प. उत्तरभागः.

(357) ना. 12 प. 5 अध्यायाः.

चतुश्श्लोकीभागवतव्याख्या शंकरानन्दसरस्वतीविरचिता.

(B 938) आ. 170 प. समग्रा.

तुलाधारोपाख्यानं. इतिहाससमुच्चयीयम्.

(1894) आ. 65—66 प.

देवीभागवतम्.

(A 236) म. 1056 पु. केरळभाषाटीकायुतम्. पञ्चमस्कन्धे 15 अध्यायमारभ्य सप्तमस्कन्धे 3 अध्यायान्तम्.

(C 691) ना. 47 प. प्रथमस्कन्धः.

(2815) आ. 190+38 प. 1–5, 10–11 स्कन्धाः.

धर्मसंहिता शिवपुराणम्.

(2632) प्र. 65 प.

नागरखण्डः स्कान्दः.

(3634-3635) प्र. 192+152 प.

नारदीयपुराणम्.

(3854) प्र. 61 प.

नृसिंहपुराणम्.

(C 369) दे. 23 प. 13 अध्यायाः

(2166) आ. 119–187 प.

(3169) प्र. 119 प. 59 अध्यायाः.

पद्मपुराणम्.

(626) प्र. 21–67 प.

(969) आ. 110 प. उत्तरखण्डः 60 अध्यायाः.

(1591) प्र. 132 प. ,, ,,

(1456) आ. 99 प. ,, ,,

(2395) आ. 130 प. ,,

(3175) प्र. 103 प. ,,

(3850) प्र. 149 प. ,,

पराशरोपपुराणम्.

(B 552) प्र. 144 पु.

(2630) प्र. 7–45 पं.

(B 914) प्र. 66 प.

(3452) प्र. 62 प.

(1277) प्र. 13 प. टीका अप्पय्याशिवाचार्यकृता. अष्टादशोऽध्यायः

पुराणसारः. माधवीयः

(198) प्र. 200 प. 84 अध्यायाः.

(3546) ना. 207 प.

(A 472) क. 315 प

पुरुषार्थसुधानिधिः सायणसंगृहीतः

(317) ना. 82 प. 15 अध्यायाः.

(A 172) क. 181 प.

प्रह्लादविजयः वेंकटनाथविरचितः.

(3872) प्र. 80 प. संग्रहरूपः.

बृहन्नारदीयम्.

(2166) आ. 188–194 प.

(C 733) दे. 191 प. 26 अध्यायाः.

ब्रह्मपुराणम्.

(C 15) दे. 258 प.

ब्रह्मवृद्धपुराणं. स्कान्दम्.

(4140) प्र. 86 प.

ब्रह्मवैवर्तपुराणरहस्यम्.

(2129) ना. 137 प. 34 अध्यायाः

ब्रह्माण्डपुराणम्.

(3625) प्र. 162 प. 97 अध्यायाः.

(3923) प्र. 81 प. क्षेत्रखण्डः.

ब्रह्मोत्तरखण्डः स्कान्दम्.

(367) ना. 137 प.

ब्रह्मोत्तरखण्डः स्कान्दम्.

(2817) ग्र. 89 प.

(4101) ग्र. 99 प.

भार्गवपुराणम्. (महायोगिमाहात्म्याभिधम्)

(645) आ. 74 प.

(782) ग्र. 81 प.

(223) ग्र. 80 प.

(1581) ग्र. 127 प.

(1696) ग्र. 56–144 प.

(2402) आ. 74 प.

भूगोळतत्त्वसारः दासराजप्रणीतः

(C 1875) दे. 134 प. समग्रः.

मत्स्यपुराणम्.

(369) आ. 64–128 प.

(C372) दे. 337 प.

(2166) आ. 118 प.

(1791) आ. 68 प.

मनुवंशपुराणं. स्कान्दम्.

(944) ग्र. 19 प.

मल्लपुराणम्. (आन्ध्रभाषा)

(4044) आ. 102 प. नरसकविविरचितम्.

मार्कण्डेयपुराणम्.

(2042) आ. 220 प.

(2126) आ. 246 प.

मूलस्तम्भपुराणं. स्कान्दम्. (विश्वकर्मपुराणम्.)

(1153) आ. 59 प.

(4093) क. 74 प.

(A 599) क. 260 प. सान्ध्रटीकं असमग्रम्. विश्वकर्मकुलपूर्वप्रयोग-श्चात्र संकीर्णः.

मौसलपुराणम्.

(49) ना. 50+4 प.

लक्ष्मीनारायणसंवादः

(47) ना. 61 प

(2618) ना. 62 प. 5–13 अध्यायाः.

(2882) ग्र. 10-138 प. 30 अध्यायाः. वेंकटराघवविरचितः पुराण-संग्रहः.

(1792) ना. 17 प. 4 अध्यायाः.

लिङ्गपुराणम्.

(3158) ग्र. 116 प. 60 अध्यायाः.

(3352) ग्र. 90–155 प.

वराहपुराणम्.

(1518) ग्र. 111 प. 88 अध्यायाः.

वामनपुराणम्.

(C 433) दे. 163 प.

(4037) आ. 168 प.

वासिष्ठलैङ्गपुराणम्.

(B 557) ग्र. 128 प.

विष्णुधर्मोत्तरम्.

(1127) ग्र. 3–79 प. 42–60 पत्रलोपः. (अस)

विष्णुधर्मोत्तरम्

(1836) ग्र. 138 प. गारुडम्.

(1960) ना. 60 प. ,, 22 अध्यायाः.

(C 1779) आ. 95 प. (भविष्योत्तरपुराणम्) समग्रम्.

(3596) ग्र. 161 प. ,,

विष्णुपुराणं. पराशरकृतम्.

(943) ग्र. 105 प. 1–3 अंशाः.

(727) ग्र. 106–206 प. 4-6 ,,

(836) ग्र. 215 प.

(1174) आ. 94 प.

(1226) ग्र. 275 प.

(1255) ग्र. 73 प.

(1496) ग्र. 152 प.

(1663) आ. 245 प.

(1734) ग्र. 219 प.

(2043) आ. 133 प.

(2159) ना. 177 प.

(2298) ग्र. 186 प.

(3692) आ. 199 प.

(2257) आ. 150 प. 3 अंशाः.

(4018) आ. 253 प.

(1746) आ. 18–104 प. विष्णुचित्तीयव्याख्यायुतम्. मुद्रितादन्यत् प्रथमेंऽशे षष्ठाध्यायमारभ्य षष्ठांशसमाप्तिपर्यन्तम्.

(3008) ग्र. 170 प. श्रीधरीया व्याख्या 2 अंशौ.

(3456) ग्र. 99,104 प. ,, 3 अंशाः.

(3457) ग्र. 180 प. ,, 6 अंशाः.

(3775) आ. 23 प. ,, प्रथमे 10 अध्यायाः.

(2090) ग्र. 237 प. विष्णुचित्तीया व्याख्या

(3183) ग्र. 108 प. ,, 5 अंशाः.

(838) ग्र. 140 प. ,,

(1436) आ. 133 प. ,,

विष्णुरहस्यं. भविष्योत्तरपुराणम्.

(A 199) दे. 70 प.

(C 1335) दे. 109 प.

(3589) ना. 170 प.

(C 1460) दे. 104–130 प. 45–55 अध्यायाः.

शंकरविलासः शिवकथामृतसारः विद्यारण्ययतिसंगृहीतः.

(3697) ग्र. 205 प.

शंकरसंहिता. स्कान्दम्.

(2679) ना. 215 प.

(3686) ग्र. 231 प.

(3468) ग्र. 216 प.

(4305) ना. 162 प.

(C 247) ना. 95 प. उपदेशकाण्डः.

(1274) आ. 94 प. ,,

(2276) ग्र. 176 प. ,,

(A 456) ग्र. 122 प. ,,

(609) तु. 255 प. 7 काण्डाः.

(C 504) आ. 40+8+10+33+69 प. 5 काण्डाः.

(2292) ग्र. 157 प. देवतादक्षयुद्धकाण्डाः.

शंकरसंहिता स्कान्दम्.

(2221) आ. 221 प. 102-199 पत्रलोपः.

(A 457) ग्र. 13 प. देवताकाण्डः.

(A 458) ग्र 12 प. वीरमहेन्द्रकाण्डः

(A 459) ग्र. 54 प. युद्धकाण्डः

(A 460) ग्र. 58 प. संभवकाण्डः.

(A 461) ग्र. 23 प. आसुरकाण्डः.

(3616) ग्र. 18-182 प. युद्धदेवताकाण्डौ.

शतकोटिसारः. स्कान्दम्.

(1634) ना. 45 प. शतकोटिरामायणविचाररूपः.

शिवतत्त्वसुधानिधिः. स्कान्दे सनत्कुमारसंहितायाम्.

(B 311) क. 105 प.

(2462) आ. 99 प.

(2859) ना. 41 प.

(3626) ग्र. 36 प.

शिवपुराणम्.

(3318) आ. 114 प. वायवीयसंहिता.

(3718) ग्र. 171 प. ,,

(3439) ग्र. 56 प. ,,

(3627) ग्र. 44 प. धर्मसंहिता.

(3452) ग्र. 45 प. विद्यासागरसंहिता.

शिवरहस्यं. स्कान्दम्.

(A 153) आ, दे. 325 प.

(3174) ग्र. 51+53 प. 4-5 अंशौ.

(A 360) ग्र. 223 पु. 7-8 ,,

(A 386) ग्र. 190 पु. नवमोंऽशः

(A 373) ग्र. 304 पु. दशमोंऽशः.

(A 379) ग्र. 173 पु. द्वादशोंऽशः.

(C 1480–1494) दे. 1-12 अंशाः. समग्रम.

(4084) ग्र. 288 प. सप्तमोंऽशः.

(4085) ग्र. 75 प. पञ्चमोंऽशः.

श्रीभागवतं शुकमुनिप्रणीतम्.

(1487) ग्र. 227 प.

(910) ना. 435-448 प. 1–2 स्कंधौ.

(1432) ग्र. 374 प. 1–10 स्कंधाः.

(567) ग्र. 157 + 156 प. 1–3, 10 स्कंधाः.

(1596) ग्र. 111-234 प. 4–3, 12 स्कंधाः.

(576) ग्र. 206 प. 5 स्कंधाः.

(1227) ग्र. 43 + 153 प. 9–10 स्कंधौ.

(C 185) दे. 26 प. द्वादशः स्कन्धः.

(1426) आ. 246 प. दशमः स्कन्धः.

(1573) ग्र. 97 प. ,,

(1785) ना. 201-388 प. नवमस्कन्धे पञ्चविंशाध्यायमारभ्य समग्रम.

(2151) ग्र. 345 प.

(4215) आ. 195 प. समग्रम्.

श्रीभागवतव्याख्या.

(2654) आ. 244 प. श्रीधरीयव्याख्या 1, 3, 5 स्कन्धाः.

(2658) आ. 198 प. ,, 6, 8, 9 ,,

(2653) आ. 267 प. ,, 10, 12, 2 ,,

(2659) आ. 170 प. ,, 11, 4 स्कन्धौ.

श्रीभागवतव्याख्या.

(2351) ग्र. 182 प. श्रीधरीयव्याख्या दशमस्कन्धः.
(2045) ग्र. 201 प. ,, एकादशे 30 अध्यायाः.
(3434) आ. 304 प. ,, 6 स्कन्धाः.
(773) ग्र. 120 प. ,, दशमस्कन्धः.
(C 462) दे, आ. ,, 180+171+147+67
85+83+108+90+66 प. 6, 9,11, 12 स्कन्धाः न सन्ति.
(2615) ग्र. 77 प. शुकभावप्रकाशिका (सुन्दरराजसूरीया) पञ्चमस्कन्धः.
(2602) ग्र. 88 प. ,, दशमे 40 अध्यायाः.
(2994) ग्र. 233 प. ,, दशमस्कन्धः.
(3185) ग्र. 29 प. शुकतात्पर्यरत्नावळिः (वीरराघवीया) दशमे 4 अध्यायाः.
(C 289) आ. 89–507 प. ,, 3–5, 9, 12 स्कन्धाः.
(780) आ. 229 प. शुकपक्षीयव्याख्या सुदर्शनाचार्यकृता.
(228) आ. 53 प. भावार्थदीपिका (राघवानन्दीया) प्रथमः स्कन्धः.
(441) क. 243 प. ,, एकादशस्स्कन्धः.
(1237) आ. 80 प. ,, द्वादशस्स्कन्धः.
(C 374) दे. 74 प. ,, दशमे 16 अध्यायाः.
(4294) ,, दशमः स्कन्धः.
(749) ना. 153 प. महेशतीर्थीया पञ्चमस्कन्धः.
(2603) ग्र. 21 प. ब्रह्मानन्दभारतीया एकादशसारः.
(4111) आ. 16 प. ,, ,,
(3447) ग्र. 319 प. राघवानन्दविरचिता कृष्णपद्याख्या व्याख्या.10-12 स्कन्धाः.

(3448) ग्र. 241–354 प. राघवानन्दविरचिता कृष्णपद्याख्य व्याख्या: 10 12 स्कान्धाः.

(3713) ग्र. 262 प. ,, एकादशस्कन्धः.

(2853) आ. 79 प. अप्पाजिविरचिता व्यख्या दशमे 40 अध्यायाः.

(C1104-1105) दे. 75 + 178 प. यदुपत्याचार्यकृततात्पर्यटिप्पणी. 2, 4 स्कन्धौ.

(4362) ना. 66-116 प. तात्पर्यदीपिका. द्वितीयस्कन्धे दशमाध्यायमारभ्य चतुर्थस्कन्धान्ता.

(4176) ग्र. 395 प. तात्पर्यचन्द्रिका व्याख्या वेंकटकृष्णविरचिता. 10 म: स्कन्धः

(3855) ग्र. 200 प. मुनिभावप्रकाशिकाव्याख्या. दशमे. 26-61 अध्यायाः.

(C1279) दे. 806 प. विजयध्वजीया व्याख्य. 1, 3, 7, 9, 10, 12 स्कन्धाः

(C1553) दे. 176 प. ,, 7-9 स्कन्धाः.

(C1382-83) दे. 108 + 60 प. ,, 1, 6 स्कन्धौ

(C1385-88) दे. 76+49+152+100 प. विजयध्वजीया व्याख्या 7, 9, 10 स्कन्धाः.

(C1674) दे. 159 प विजयध्वजीया व्याख्या. एकादशस्कन्धः.

(1792) दे. 147 प. ,, ,,

(C5) दे. 595 प. वल्लभदीक्षितविरचिता टीका वल्लभमतानुसरिणी. दशमस्कन्धे उत्तरभागः.

(1912) ग्र. 194 प. कर्णाटकटीका एकादशस्कन्धः.

सात्त्विकादिपुराणनिर्णयः.

(904) ना. 191 तमं पत्रम्.

सीताविजयः जैमिनीयाश्वमेधः

(3405) ग्र. 93 प.

सूतसंहिता स्कान्दम्.

(1719) ना. 156 प.

(1560) आ. 17 प. (असं)

(2851) ग्र. 126 प.

(270) आ· 214 प. माधवयिव्याख्यायुता.

(153) आ. 118 प. ,,

(386) आ. 133 प. ,,

(423) आ. 103 प. ,,

(2599) ग्र. 224 प. ,, पूर्वभागः.

(3693) आ. 64 प. ,, उत्तरभाग॰.

(A473) आ. 139 प. ,,

सूतसंहितासारसंग्रहः.

(338) ग्र. 23–43 प.

सौरसंहिता स्कान्दम्.

(A 348) दे. 19 प.

(A 452) ग्र. 22 प.

हरिभक्तिसुधोदयः नारदीयपुराणम्.

(412) आ. 64 प.

(1439) आ. 33 प.

(2904) आ. 67 प.

हिमाचलखण्डः. स्कान्दान्तर्गतः.

(A386) ग्र. 22 प.

(2) उपाख्यानम्.

कुण्डाविकुण्डलोपाख्यानम्. पाद्मम्.

(1894) आ. 67–78 प.

कुशलवोपाख्यानं. महाभारते आश्वमेधिके.

(1136) ना. 42 प.

(2320) ग्र. 63 प.

(2844) ग्र. 20 प.

दभ्रचरितं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(3600) ग्र. 36 प.

धर्मपालचरितं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(1894) आ. 25–30 प.

नलोपाख्यानं. महाभारते अरण्यपर्वणि.

(1605) ग्र. 55 प.

नीलोपाख्यानं हरिवंशीयम्.

(B 755) आ. 8 प.

मेघवाहनोपाख्यानं. आनुशासनिकम्.

(3469) ग्र. 52 प. सव्याख्यम्. 14–18 अध्यायाः.

(3471) ग्र. 26+61 प. ,, ,,

रामोपाख्यानं पाद्मम्.

(C 1100) दे. 21 प.

रुक्माङ्गदचरितं नारदीयम्.

(741) ग्र. 43 प.

(2902) ग्र. 53 प.

(3179) ग्र. 100 प.

(3207) ग्र. 70–98 प.

ललितोपाख्यानं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(A 117) दे. 425 + 201 पु.

(2650) ग्र. 163 प.

(4145) ग्र. 157 प.

शतरुद्रोपाख्यानं. भारतम्.

(C 1127) ना. 13 प.

हरिश्चन्द्रोपाख्यानम्.

(C 493) आ. 13 प. महाभारते अरण्यपर्वणि.

(2818) ग्र. 29 प. हरिवंशीयम्.

(3282) ना. 181 प. स्कान्दान्तर्गतम्.

(3) गीता.

अवधूतगीता.

(B 712) आ. 26 प.

(1391) म. 162 प. परमानन्दतीर्थटीकायुता.

अष्टावक्रगीता.

(B 692) आ. 11 प.

(C 1049) ना. 51 प.

ईश्वरगीता कूर्मपुराणं.

(2314) आ. 81-101 प.

उत्तरगीता भारते.

(C 480) दे. 13 प.

(,,) दे. 20 प.

(C 603) दे. 30 प.

(59) ना. 24 प.

(2572) ना. 61-69 प.

B (713) आ. 36 प. कर्णाटटीका

ऋभुगीता.

(2062) आ. 61 प.

कपिलगीता पद्मपुराणम्.

(C 788) दे. 29 प.

गर्भगीता भारतान्तर्गता.

(1922) आ. 42 प. आन्ध्रतात्पर्ययुता

(C 480) दे. 14-18 प.

(,,) दे. 21-24 प.

गुरुगीता स्कान्दम्.

(C 227) दे. 32 प.

(C 602) दे. 21 प.

(1716) ना. 38-45 प.

(A 475) क. 9 प.

देवीगीता देवीभागवतम्.

(2360) ग्र. 31 प.

पाण्डवगीता.

(C 530) आ. 4 प.

(1045) ग्र. 148-153 प.

(1385) क. 32-44 प.

प्रणवगीता.

(2360) ग्र. 7. प.

ब्रह्मगीता. (सूतसंहिता)

(1825) ना. 47 प.

भगवद्गीता.

(C 594) दे. 117 प.
(863) क. 16-73 प.
(1036) आ. 22 प.
(1504) ग्र. 31+11 प. ब्रह्मसूत्राणि च.
(2660) क. 154 प. कर्णाटटीकायुता.
(C 259) क. 265 प. ,,
(4376) आ. 45 प.

रामगीता.

(B 714) आ. 18 प.

शिवगीता पद्मपुराणम्.

(975) आ. 16. प.
(C 461) दे. 126 प.
(4326) ग्र. 58 प. सभाष्या. असमग्रा.
(2261) क. 154 प. सकर्णाटटीका.

शिवरामगीता (सुखोदये अद्वैतसुधारसे).

(C 461) दे. 47 प.
(1716) ना. 15-26 प.
(2314) आ. 102-121 प.

श्रुतिगीता (ब्रह्मस्तुतिव्याख्या).

(2914) ग्र. 42. प. वेंकटकृष्णार्यटीकायुता.
(3862) ग्र. 47. प. ,,

(4) माहात्म्यम्.

अनन्तशयनमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(79) ग्र. 29 प.
(4160) ग्र. 30 प.

अयोध्यामाहात्म्यं कोसलखण्डः.

(C 342) दे. 59 प.

अरुणाचलमाहात्म्यं स्कान्दम्.

(4117) ग्र. 58 प.

अर्कपुष्करिणीमाहात्म्यं. पाद्मम्.

(B 335) क. 122 प.

अविमुक्ततत्त्वं भवानीसंगृहीतम्.

(C 1054) दे 71 प.

अहोबलगिरिमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(B 355) क 90 प.

आदिपुरमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(3519) ग्र. 45 प.

आनन्दकाननमहात्म्यं वायुपुराणे लक्ष्मीसंहिता.

(A 212) दे. 126 प.

(C 66) दे. 66 प.

(519) ना. 105 प.

(C 865) दे. 88. प.

इन्द्रक्षेत्रमाहात्म्यं स्कान्दम्.

(1565) ना. 56-68 प.

उद्धवप्रश्नः.

(39) ना. 69-78. प.

कदम्बवनमाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(2318) ग्र. 48 प.

कमलाचलमाहात्म्यम्.

(744) आ. 19 प. भविष्योत्तरम्.

कमलाचलमाहात्म्यम्.

(3719) ग्र. 113 प. स्कान्दम्

काञ्चीमाहात्म्यम्.

(3633) ग्र. 158 प. स्कान्दम्.

(4086) ग्र. 155 प. पुराणसंग्रहे 97 अध्यायाः.

कामाक्षीमाहात्म्यं. मार्कण्डेयपुराणम्.

(2519) ग्र. 77 प.

कार्तिकमासमाहात्म्यम्.

(364) ना. 36 प. पाञ्चरात्रम्.

(C 1550) आ. 56 प. ,,

(C 114) दे. 32 प. पाद्मम्.

(C 1895) दे. 22 प. ,,

(2249) आ. 36 प. ,,

(2071) आ. 19. प. भरद्वाजसंहितीयम्.

(C 186) दे. 127 प. स्कान्दम्.

(357) ना. 39 प. ,,

(297) ना. 98-154 प. ,,

(C 399) दे. 45 प. ,,

(363) ना. 54-116 प. ,,

(,,) ना. 44 प. ,,

(2173) आ. 6 प. ,,

(2860) ग्र. 29-154 प. ,,

कावेरीमाहात्म्यम्.

(1239) ना. 117-268 प.

(3981) ना. 124 प. स्कान्दम्.

(4208). ना 158 प. अग्निपुराणम्.

कावेरीकपिलासङ्गममाहात्म्यं स्कान्दम्.

(262) ना. 30 प.

काशीमाहात्म्यम्.

(A 309) ना. 18 प. आग्नेयम्.

(B 708) आ. 35 प. पाद्मम्.

काशीरहस्यं ब्रह्मवैवर्तम्.

(A 308) आ. 186 प. विद्यानन्दटीकायुतम्.

कुम्भघोणमाहात्म्यम्.

(79) ग्र. 18 प. भविष्यपुराणम्

(79) ग्र. 38 प. शेषधर्मः.

(C 1904) दे. 44 प.

कुरुकानगरीमहिमा ब्रह्माण्डपुराणम्.

(2971) ग्र. 95-165 प.

(3660) ग्र. 27 प.

कुरुक्षेत्रमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(2977) ग्र. 40 प.

कृत्तिकामाहात्म्यम्.

(2632) ग्र. 60-90 प.

(4158) ग्र. 58 प. पाद्मम्.

कृष्णमङ्गलमाहात्म्यम् (तिरुक्कण्णमंगै).

(289) ग्र. 48 प. पाद्मम्.

(3857) ग्र. 18 प. स्कान्दम्.

कृष्णस्थलमाहात्म्यम् (तिरुक्कण्णपुरम्).

(40) ग्र. 52 प. पाद्मम्.

कृष्णानदीमाहात्म्यम्.

(C 1911) दे. 155 प.

कैशिकद्वादशीमाहात्म्यं वराहपुराणम्.

(1042) ग्र. 21 प. द्राविडटीकायुतम्.

(637) आ 10 प.

कैशिकमाहात्म्यं वराहपुराणम्.

(2133) क. 17 प. कर्णाटटीकायुतम्.

(3021) क. 88-127 प.

खादिरमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(1757) आ. 21 प.

गजारण्यमाहात्म्यं स्कान्दम्.

(262) ना. 30-36. प.

गणेशमाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(1716) ना. 57. प.

गयामाहात्म्यं वायवीयम्.

(C 117) दे. 20 प.

(743) आ. 80-90 प.

(C 1022) ना. 15 प.

(3971) आ. 137-156 प.

गरळपुरीमहात्म्यं स्कान्दम्.

(376) ना. 75-103 प.

(1941) ना. 51. प.

(B 612) क. 26 प.

(3934) ग्र. 20. प.

गीतापीठिका (महाभारतम्).
(59) ना. 98 प.

गीतामाहात्म्यं वायवीयम्.
(749) आ. 97-108 प.
(59) ना. 16. प.
(892) आ. 5 प.

चम्पकारण्यमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.
(3854) प्र. 62-87 प.

चातुर्मास्यमाहात्म्यं वाराहम्.
(C 379) दे. 92 प.
(3126) ना. 41-152 प.
(4361) ना. 86 प.

चित्रकूटमाहात्म्यं. भविष्योत्तरम्.
(360) प्र. 24 प.

चुअसेतुमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डपुराणम्.
(B335) क. 123-130 प.

चैत्रशुक्लैकादशीमाहात्म्यं. वराहपुराणम्.
(C126) दे. 5 प.

जनार्दनमाहात्म्यं. स्कान्दम्.
(4239) ना. 17 प.

जयन्तीपुरमाहात्म्यं. स्कान्दम्.
(2648) प्र. 37 प.
(2976) प्र. 54 प.
(3703) आ. 86 प.

ज्ञानमण्टपमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डपुराणम्.
(2136) प्र. 120 प.

ज्ञानमण्टपमाहात्म्यम्. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(3016) आ. 55 प.

(4352) क. 13 + 48 प.

ज्येष्ठैकादशीमाहात्मयं. ब्रह्मवैवर्तम्.

(C126) दे. 9-14 प.

ताम्रपर्णीमाहात्मचं. शैवपुराणम्.

(2460) ग्र. 75 प. 25 अध्यायाः.

(2340) ग्र. 206 प. 40 ,,

(2341) ग्र. 163 प. 41-64 ,,

तुङ्गभद्रामाहात्मयम्.

(1124) ना. 79-215 प. स्कान्दम्.

(B561) क. 2 प. ब्रह्माण्डपुराणम्.

तुलसीमाहात्मयम्.

(503) ना. 24 प. स्कान्दम्.

(659) ग्र. 20 प. नानापुराणान्तर्गतम्.

(2367) ग्र. 4 प. माण्डव्याश्रमवर्णनम्.

तुलाकावेरीमाहात्मयम्.

(C370) दे. 111 प. आग्नेयपुराणम्.

(52) ना. 100 प. ,,

(540) ग्र. 59 प. ,,

(1639) क. 35-134 प. ,,

(1672) ग्र. 113 प. ,,

(253) ना. 101 प. स्कान्दम्.

(1639) आ. 34 प. ब्रह्मवैवर्तम्.

(246) ना. 79 प.

तोताद्रिमाहात्म्यम्.

(311) ग्र. 68 प. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(,,) ग्र. 69—83 प. स्कान्दम्.

त्रिकूटाचलमहिमा स्कान्दम्.

(262) ना. 30 प.

(2636) ग्र. 67 प.

(3601) ग्र. 53 प.

दक्षिणद्वारकामाहात्म्यं हरिवंशः.

(3854) ग्र. 88-94 प.

देवपुरीमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(A 614) क. 172 प.

देवीमाहात्म्यं. (सप्तशती) मार्कण्डेयपुराणम्.

(C 481) दे. 56 प.

(2189) आ. 43 प.

(2349) ग्र. 32-78 प.

(2477) आ. 29 प.

(4388) ना. 20 प.

(B657) दे. 129 प. सव्याख्यम्.

(2467) ग्र. 64 प. ,, 4 अध्यायाः.

द्राविडश्रुतिमाहात्म्यं. पाञ्चरात्रम्.

(2149) आ. 3, 4 प.

द्वारकामाहात्म्यम्. स्कान्दम्.

(743) आ. 114-128 प.

धनुर्मासमाहात्म्यम्.

(C 115) दे. 60 प. आग्नेयपुराणम्.

धनुर्मासमाहात्म्यम्.

(C 1013) दे. 32 प. सनत्कुमारसंहिता.

धन्विनगरमहात्म्यं. वाराहखण्डम्.

(B 757) आ. 49 प.

नदीतारतम्यमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डम्.

(357) ना. 1 प.

नवक्षेत्रमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(2971) ग्र. 95 प.

नवरत्नमाहात्म्यलक्षणादयः.

(B 118) दे. 29 प.

पञ्चक्रोशिमाहात्म्यम्.

(C 1541) क. 2-20 प.

पलाशवनमाहात्म्यम्. पाद्मम्.

(79) ग्र. 11-48 प.

पाण्डुरङ्गमाहात्म्यम्.

(C 1042) दे. 52 प.

(C 1341) दे. 71 प.

पिनाकिनीमहात्म्यं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(C 1283) दे. 54 प.

प्रयागमाहात्म्यम्.

(C 327) आ. 90 प. पद्मपुराणम्.

(C 123) दे. 107+8 प. ,,

(743) आ. 70 प. ,,

(C 172) दे. 19 प. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(743) आ. 71-75 प. ,,

फाल्गुनैकादशीमाहात्म्यं. ब्रह्मवैवर्तपुराणम्.

(C 126) दे. 11-12 प.

फुल्लारण्यमाहात्म्यम्.

(3923) ग्र. 21 प.

बदरिकाश्रममाहात्म्यम्.

(743) आ. 103-113 प. पाञ्चरात्रम्.

(79) ग्र. 24 प. सनत्कुमारसंहिता.

बिल्वारण्यमाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(3484) ग्र. 47 प.

भस्ममाहात्म्यम्.

(3386) ग्र. 34 प.

भागवतमहात्म्यं. स्कान्दम्.

(C 1021) ना. 30 प.

भार्गवपुरीमाहात्म्यम्.

(A 609) क. 81 प.

भावनाऋषिमाहात्म्यम्.

(3191) आ. 21 प.

मधुरामाहात्म्यं. वाराहम्.

(C 125) दे. 39 प.

मन्दाकिनीधराचलमाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(376) ना. 53 प.

मल्लारिमाहात्म्यम्.

(C 220) दे. 140 प. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(C 1018) दे. 49 प. स्कान्दम्.

महापद्माकरमाहात्म्यम्.

(363) ना. 14 प.

माघमाहात्म्यम्.

(235) ना. 5–85 प. वायुपुराणम्.

(2071) आ. 35—88 प. ,,

(C 376) दे. 70 प. ,,

(4105) ना. 93 प. ,,

(1812) आ. 133 प. पद्मपुराणम्.

(2387) आ. 84 प. ,,

(2343) ग्र. 8—222 प. ,,

(2856) ग्र. 113 प. ,,

(4157) ग्र. 116 प. ,,

(363) ना 117–184 प. स्कान्दम्.

(4008) ना. 119–190 प. ,,

(3052) ना. 40 प. 15–19 अध्यायाः टीका.

माघैकादशीमाहात्म्यं. ब्रह्मवैवर्तम्.

(C 126) दे. 8–11 प.

मार्गशीर्षमाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(3126) ना. 40 प.

मार्गशीर्षपुष्यैकादशीमाहात्म्यं. ब्रह्मवैवर्तम्.

(C 126) दे. 8 प.

यादवगिरिमाहात्म्यं. नारदीयम्.

(740) ग्र. 82 प.

(2018) ग्र. 90 प.

(2147) आ. 65 प.

(3657) ग्र. 57 प.

(3663) ग्र. 28 प.

(1744) ग्र. 77–112 प. ब्रह्माण्डपुराणम्.

रामनाममाहात्म्यम्.

(50) ना. 38–41 प.

रामायणमाहात्म्यं. उमासंहिता स्कान्दम्.

(305) ना. 10 प.

(367) ना. 102 प.

(C 1009) आ. 64 प.

रुद्रकोटिमाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(3193) ग्र. 199–290 प.

(3719) ग्र. 113 प.

रुद्राक्षमाहात्म्यं स्कान्दम्.

(C 1132) दे. 8 प.

वल्कलक्षेत्रमाहात्म्यम्. (जनार्दनमहिमा) ब्रह्माण्डपुराणम्.

(4160) ग्र. 31–67 प.

विभूतिरुद्राक्षमाहात्म्यं. शिवेन्द्रसरस्वतीसंगृहीतम्.

(1216) आ. 26–104 प.

वीक्षारण्यमाहात्म्यं. मार्कण्डेयपुराणम्.

(79) ग्र. 27 प.

(1424) आ. 27 प.

(2056) ग्र. 98 प.

वीरभद्रमाहात्म्यम्.

(C 1619) आ. 21 प.

वृद्धगिरिमाहात्म्यं. ब्रह्मवैवर्तम्.

(3406) ग्र. 57 प.

(3601) ग्र. 54,36 प.

वेङ्कटगिरिमाहात्म्यम्.

(1744) ग्र. 20–35 प. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(2387) ना. 68 प. भविष्योत्तरम्.

(C 1079) दे 89 प. ,,

(2071) आ. 12–18 प. ब्रह्माण्डम.

(2861) ना. 33 प. ,,

(C 1284) दे. 47 प. आदित्यपुराणान्तर्गतं. सव्याख्यम.

वेङ्कटेशमाहात्म्यम.

(C 397) दे. 15 प. मार्कण्डेयपुराणम्.

(C 398) दे. 21 प. गरुडपुराणम.

(C 400) दे 14 प. ब्रह्माण्डपुराणम.

(364) ना. 9 प. वायुपुराणम्.

वेदान्तदेशिकमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डम्.

(2149) आ. 3 प.

वेदारण्यमाहात्म्यं. पाद्मम्.

(849) ग्र. 31 प.

वैकुण्ठमाहात्म्यं. पाद्मम्.

(C 696) आ. 2 प.

वैशाखमाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(C 395) दे 118 प.

(38) ना. 111 प.

(363) ना. 53 प.

(744) आ. 8 प.

(2071) आ. 34 प.

(4150) ग्र. 68 प.

वैशाखैकादशीमाहात्म्यं. भविष्योत्तरम्.

(C 126) दे. 9 प.

शमीगिरिमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(A 614) क. 67 प.

शिवगङ्गामाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(376) ना. 56–69 प.

शिवभक्तमाहात्म्यम्.

(2229) आ. 96 प. 23–43 अध्यायाः. ब्रह्मोत्तरम्.

(2532) आ. 149 प. ,,

(2641) ग्र. 88 प. 35 अध्यायाः ,,

(3155) ग्र. 92 प. ,,

(3569) ग्र. 137 प. भविष्योत्तरम्. 66–90 अध्यायाः.

(4348) ग्र. 174 प.

शिवमाहात्म्यदर्पणम्. (नानाविधपुराणसंग्रहः)

(186) ना. 76–147 प.

(376) ना. 70–74 प. वासिष्ठं.

शिवरात्रिमाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(1960) ना. 19 प.

शिवाचलमाहिमा. स्कान्दम्.

(3490) ग्र. 52 प.

(3542) ग्र. 101 प.

शुकपुरीमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(A 614) क. 68 प.

श्रावणमासमाहात्म्यं. स्कान्दम्.

(C 118) दे. 40.

श्रावणैकादशीमाहात्म्यं भविष्योत्तरम्.

(C 126) दे. 1 प.

श्रीनिवाससरोवरमाहात्म्यं. भविष्योत्तरम्.

(1998) आ. 26 प.

श्रीपर्वतमाहात्यं भाविष्यत्पुराणम्.

(376) ना. 53-56 प.

श्रीपादतीर्थमाहात्म्यम्.

(B 545) क. 8-9 प.

श्रीरङ्गमाहात्म्यम्.

(856) प्र. 113 प. गारुडपुराणम्.

(278) आ. 55-80 प. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(1460) आ. 18 प. ,,

(1565) ना. 35 प. ,,

(1744) प्र. 19 प. ,,

(2071) आ. 11 प. ,,

(2064) आ. 45 प. ,,

(C 1084) दे. 23 प. ,,

श्वेताचलमाहात्म्यं. ब्रह्माण्डम्.

(C 1020) दे. 43 प.

सप्तशती (देवीमहात्म्यम्) मार्कण्डेयपुराणम्.

(C 481) दे. 56 प.

सालग्राममाहात्म्यं, लक्षणं च (गण्डकीमाहात्म्यम्.)

(50) ना. 83–85 प.

(743) आ. 91–103 प.

(859) आ. 7 प.

(894) आ. 41 प.

(C 286) दे. 103 प. सकर्णाटटीकम्.

(817) क. 36 प. ,,

(1565) ना. 50 प. ,,

(2362) ग्र. 62 प.

(2909) ग्र. 15 प.

(B 545) क. 8–9 प.

(3592) ग्र. 36 प.

(3604) आ. 13+12 प.

(3769) आ. 12 प.

(1923) दे. 29 प.

सीमन्तिनीप्रभावः.

(B 832) दे. 9 प.

सुदर्शनमाहात्म्यम्.

(741) ग्र. 44–64 प.

सेतुमाहात्म्यं स्कान्दम्.

(364) ना. 164 प.

(1545) ना. 19–49 प.

(3626) ग्र. 118 प.

स्तम्भोदधिमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(A 614) क. 57 प.

हनुमत्तीर्थमाहात्म्यं ब्रह्माण्डं स्कान्दं च.
(2818) ग्र. 30 प.

हरतीर्थमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.
(4079) ग्र. 87 प.

हरदत्तमाहात्म्यं भविष्योत्तरम्.
(B 102) आ. 59 प.
(B 131) आ. 64 प.
(A 280) ग्र. 34 प.

हरिनामस्मरणमहिमा (नानापुराणसंग्रहः.)
(228) ग्र. 31 प.

हरिभक्तिकथार्णवः.
(942) ग्र. 8 प.

हरिमाहात्म्यदर्पणं बसवभूपालसंगृहीतम्.
(525) ग्र. 330 प.

हरिहरमाहात्म्यं स्कान्दम्.
(B 315) दे. 25 प.

हस्तिगिरिमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणम्.
(1453) आ. 63 प.
(C 281) दे. 77 प.
(1744) ग्र. 36–76 प.
(1846) ग्र. 14–37 प.
(C 1701) दे. 82 प.

हालास्यमाहात्म्यं स्कान्दम्.
(415) न्ा. 181 प.
(3251) ग्र. 108 प.
(3979) आ. 284 प.

(5) सहस्रनामस्तोत्रम्.

अकारादिसहस्रनामावळिः.

(2624) प्र. 15 प.

अर्धनारीश्वरसहस्रनामावळिः.

(3498) आ. 40–63 प.

कार्तवीर्यार्जुनसहस्रनामस्तोत्रं. ॰उड्डामरेश्वरतन्त्रम्.

(C 549) आ. 16–21 प.

गङ्गासहस्रनाम.

(B 945) क. 13 प.

गङ्गासहस्रनामस्तवव्याख्या रामानन्दविरचिता.

(C 1503) आ. 24 प.

गणेशसहस्रनामस्तोत्रम्.

(C 608) दे. 26 प. पद्मपुराणम्.

(C 530) आ. 6 प. वैनायकपुराणम्.

(C 226) दे. 14 प.

(C 160) दे. 10 प.

गायत्रीसहस्रनामस्तोत्रम्.

(B 916) प्र. 10 प.

गोपालसहस्रनाम.

(3645) प्र. 6 प.

चिदम्बरसहस्रनामावळिः.

(3498) आ. 20–37 प.

(3500) प्र. 18 प.

जानकीसहस्रनामस्तोत्रम्.

(C 226) दे. 10 प.

दक्षिणामूर्तिसहस्रनामावळिः.

(3497) आ. 23 प.

देवीसहस्रनामावळिः.

(2361) ग्र. 29 प.

नृसिंहसहस्रनामस्तोत्रं नृसिंहपुराणम्.

(1222) ग्र. 25-28 प

(2158) ग्र. 30 प.

(2488) ग्र. 196-205 प.

नृसिंहसहस्रनामावळिः.

(3501) ग्र. 16 प.

बालासहस्रनामावळिः रुद्रयामळम्.

(1976) ना. 11 प.

भवानीसहस्रनामावळिः.

(C 226) दे 11+14 प.

रकाररामसहस्रनामावळिः स्तोत्रं च.

(742) ना. 10 प.

(C 610) आ. 19 प.

(B 865) दे. 12 प.

ललितासहस्रनामस्तोत्रम्.

(B 271) म. 257-319 प.

(C 223) दे. 32 प.

(C 226) दे. 30 प.

(C 481) दे. 14 प.

(335) ना. 22–47 प.

(1546) ना. 15 प.

(2349) ग्र. 81 प.

(2663) क. 93 प. नृसिंहतीर्थीयव्याख्यायुतम्.

वटुकभैरवसहस्रनामस्तोत्रं भैरवतन्त्रम्.

(C 184) दे. 14 प.

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्.

(863) क. 16 प.

(1444) आ. 28–43 प.

वेङ्कटेशसहस्रनामस्तोत्रम्.

(C 226) दे. 17 प.

(364) ना. 7 प.

(861) ग्र. 34 प.

(1045) ग्र. 157–163 प.

वेदसारसहस्रनामावळिः.

(3501) ग्र. 16 प.

शिवसहस्रनामस्तोत्रम्.

(C 561) क. 26 प. शिवरहस्यम्.

(C 1519) दे. 12 प. ,,

(C 1524) दे. 6 प. महाभारतम्.

(C 1523) दे. 7 प.

(1968) ना. 14 प. पाद्मम्.

(2361) ग्र. 28 प. ,,

(3496) आ. 16 प. (नामावळिः)

सीतासहस्रनामस्तोत्रम्.

(B 224) क. 28 प. स्कान्दम्.

(B 866) दे. 16 प. (सकारादि)

सुब्रह्मण्यसहस्रनामावळिः.

(3499) आ. 12 प.

हयग्रीवसहस्रनामस्तोत्रं महादेवरहस्यम्.

(C 728) दे. 8 प.

(6) आर्षस्तोत्रम्.

अजपास्तोत्रम्.

(C 461) दे. 146–148 प.

अपामार्जनं विष्णुधर्मोत्तरम्.

(C 710) आ. 21–32 प.

(2164) ग्र. 10 प.

अर्गळस्तोत्रम्.

(2349) ग्र. 19–21 प.

अश्वत्थनारायणस्तोत्रं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(C 558) क. 13–17 प.

(C 210) दे. 8+8+12 प. प्रतिष्ठादिविधिश्च.

(B 618) क. 5–9 प.

(B 695) क. 5 प.

आञ्जनेयस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 96–98 प.

आदित्यहृदयं रामायणम्.

(498) ना. 8–10 प.

(907) ना. 54–56 प.

(C 556) क. 10–12 प. भविष्योत्तरम्.

(C 401) दे. 22 प. ,,

आपदुद्धारकश्रीरामस्तोत्रम् सप्तर्षिकृतम्.

(915) आ. 20–23 प.

आपन्निवारकश्रीरामस्तोत्रं हनुमत्कृतम्.

(550) आ. 2 प.

इन्द्राक्षीस्तोत्रम्.

(C 227) दे. 6+2 प.

(C 583) आ. 16 प.

(908) ना. 3 प.

उपचारपूजास्तोत्रं त्रिपुरासिद्धान्तः.

(2477) आ. 81 तमं पत्रम्.

उमामहेश्वराष्टोत्तरम्.

(B 911) ग्र. 9 प.

कार्तवीर्यार्जुनकवचम्.

(792) ग्र. 3 प. सुदर्शनसंहिता.

(902) ना. 12 प. डामरेश्वरतन्त्रम्.

कीलकस्तोत्रम्.

(2349) ग्र. 21–22 प.

कृष्णाष्टोत्तरम्.

(C 159) दे. 2+5 प.

(863) क 50–54 प.

गङ्गाष्टकम्.

(C 159) दे. 2+6 प. वाल्मीकिः.

(B 329) म. 2 प.

गजेन्द्रमोक्षः भागवतम्.

(C 461) दे. 16 प.

गणपतिकवचम्.

(C 401) दे 12 प.

(C 586) दे. 4 प.

(B 279) म. 24–27 प.

गणपतिस्तोत्रं सनत्कुमारः.

(C 587) दे. 4 प.

(C 461) दे. 35–38 प.

गायत्रीभुजङ्गस्तोत्रम्.

(56) आ. 8–9 प

गायत्रीरामायणस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 49–52 प.

गायत्रीहृदयकवचादिस्तोत्राणि.

(499) ना. 20 प.

(500) ना. 21 प.

(C 631) दे. 7 प.

(738) ना. 5+68–76 प.

(55) ना. 3 प.

गीतासारस्तोत्रम्.

(C 227) दे. 8 प.

(B 715) आ. 10 प.

गुरुगीतास्तोत्रम्.

(2670) क. 24 प.

गुरुस्तोत्रम्. (रुद्रयामळम्)

(C 461) दे. 161–164 प.

गोसावित्रीस्तोत्रं महाभारतम्.

(C 461) दे. 22–24 प.

चण्डिकाहृदयम्.

(2349) ग्र. 23–32 प.

जितन्तास्तोत्रं विष्वक्सेनसंहिता

(1708) ग्र. 7 प.

(1440) आ. 5–11 प.

तुलसीस्तोत्रम्

(C 227) दे. 8 प.

तुलस्यष्टोत्तरम्.

(1045) ग्र. 153 तमं पत्रम्.

त्रिवेणीस्तोत्रं पद्मपुराणम्.

(C 461) दे. 21 प.

त्रैलोक्यमोहनकवचं रुद्रयामळम्.

(C 611) दे 5 प.

(2366) ग्र. 5 प.

(B 627) क. 5 प.

दक्षिणामूर्तिपञ्जरम्

(B 767) क. 101–107 प.

दत्तात्रेयस्तोत्रं नारदः

(C 461) दे. 19–20 प.

दशावतारलीलास्तोत्रं भविष्योत्तरम्.

(C 595) आ. 8 प.

दुर्गाविजयः

(B 576) क. 153–159 प.

दुर्गास्तोत्रं महाभारतम्.

(C 461) दे. 121–125 प.

देवीपञ्चशतीनामावळिः

(3510) म्र. 14 प.

नवग्रहकवचं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(C 461) दे. 20 प.

(1544) आ. 13 प.

नवग्रहस्तोत्रं व्यासः

(C 461) दे. 20–22 प.

नामसारस्तवः सौभाग्यलक्ष्मीकल्पोक्तः.

(1658) आ. 22 प.

नरायणकवचम्

(863) क. 12 प.

नारायणहृदयं अथर्वरहस्यम्.

(70) ना. 3 प.

(C 435) दे. 125–127 प.

नृसिंहकरुणाक्रन्दनस्तोत्रं नृसिंहपुराणम्.

(C 461) दे. 3 प.

नृसिंहध्यानस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 68 तमं पत्रम्.

पञ्चमीस्तवराजः वामकेश्वरतन्त्रम्.

(C 565) आ. 6. प.

पितृस्तोत्रम् (श्राद्धसाद्गुण्यस्तवः) मार्कण्डेयपुराणम्.

(C 156) दे. 3 प.

प्रदोषस्तोत्रं स्कान्दे ब्रह्मोत्तरखण्डः.

(C 461) दे. 119–120 प.

बालाकवचम्

(1223) ना. 2 प.

(2366) ग्र. 1 प.

बालाहृदयम्

(2366) ग्र. 2 प.

बुधस्तोत्रम्

(C 227) दे. 3 प.

बृहस्पतिस्तोत्रं विष्णुधर्मोत्तरम्.

(C 557) क. 12 तमं पत्रम्.

भारतसावित्री महाभारतम्.

(C 455) आ. 5 प.

(947) आ. 3 प.

भैरवस्तोत्रम्.

(C 401) दे. 11 प.

मङ्गळाष्टकं. वाल्मीकिकृतम्.

(C 495) आ. 2 प.

मनोन्मनीस्तोत्रं. स्कान्दम्.

(1768) क. 2 प.

मन्त्रराजस्तवः ईश्वरप्रोक्तः.

(1471) आ. 26–27 प.

महागणपतिस्तोत्रं पद्मपुराणम्.
(C 461) दे. 10–11 प.

महालक्ष्मीकवचं ब्रह्माण्डपुराणम्.
(C 461) दे. 73–74 प.

महासौरं पाद्मम्.
(498) ना. 8 प

महिमस्तुतिः दुर्वासाः.
(3556) ग्र. 22 प.

मातङ्गीकवचं रुद्रयामळम्.
(C 596) क. 10 प.

माधवस्तवराजः वायुपुराणम्.
(C 461) आ. 12 प

मानसिकस्नानस्तोत्रं वामनपुराणम्.
(C 461) दे. 15–17 प.

मारिकास्तोत्रं स्कान्दम्.
(B 379) दे. 3 प.

माहेश्वरयज्ञादिस्तुतिः.
(B 917) ग्र. 6 प.

मृत्युञ्जयाष्टकं नृसिंहपुराणम्.
(C 461) दे. 63–64 प.

राजराजेश्वरीस्तोत्रम्.
(C 461) दे. 5 प.

रामकवचं हिरण्यगर्भसंहिता.
(1716) ना. 14–15 प.

राममङ्गळस्तोत्रं वाल्मीकिः.
(1716) ना. 10–11 प.

राममानसिकपूजास्तोत्रम्.

(1716) ना. 47–50 प.

रामरक्षास्तोत्रं कौशिकऋषिः.

(1716) ना. 29–30 प.

रामस्तोत्रं सप्तर्षयः.

(C 555) क. 9 तमं पत्रम्.

(915) आ. 2 प.

रामहृदयम्.

(50) ना. 28–36 प.

रामाष्टाक्षरस्तोत्रम्.

(C 552) क. 3–7 प.

रुद्रकवचम्.

(907) ना. 52–54.

लक्ष्मीद्वादशनामस्तोत्रं आग्नेयपुराणम्.

(C 461) दे. 17–18 प.

लक्ष्मीनारायणहृदयम्.

(B 281) म. 86–123 प.

(2477) आ. 30–35 प.

लक्ष्मीस्तोत्रं विष्णुपुराणम्.

(C 461) दे. 126–129 प.

(1716) ना. 51–52 प.

(C 461) दे. 130–132 प. काशीखण्डस्थम्.

लक्ष्मीहृदयस्तोत्रं अथर्वणरहस्यम.

(C 466) दे. 15 प.

(70) ना. 10 प.

ललितात्रिशतीस्तोत्रं ब्रह्माण्डपुराणम्.

(1716) ना. 53–60 प.

(C 223) दे. 35 प.

(C 481) दे. 9 प.

(2349) ग्र. 92–96 प.

(2477) आ. 58–64 प.

ललितास्तवरत्नं दुर्वासाः

(2100) आ. 75–81 प.

ललितास्तवराजः.

(B 663) ना. 5 प.

वाराह्यष्टकम्.

(1759) म. 2 प.

विष्णुषोडशनामस्तोत्रं गरुडपुराणम्.

(C 461) दे. 12 तमं पत्रम्.

विष्णवष्टोत्तरशतादिव्यदेशस्तोत्रं ब्रह्माण्डपुराणम्

(C 461) दे. 91–95 प.

(C 435) दे. 112–114 प.

(2726) आ. 12 प.

विष्वक्सेनाष्टकम्.

(C 454) आ. 1 प.

वेङ्कटेशकवचस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 82 90 प. वराहपुराणम्.

(,,) दे. 79–81 प. आग्नेयपुराणम्.

(,,) दे. 65–67 प. वेङ्कटेशमाहात्म्यम्.

(C 584) आ. 5 प. ,,

वेङ्कटेशाष्टोत्तरस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 45-48 प.

वेदपादस्तवः.

(1658) ना. 34 प. अगस्त्यकृतः.

(2849) आ. 8 प. पुण्डरीकमाहात्म्यम्.

शक्तिमहिमस्तुतिः दुर्वासाः.

(C 539) क. 19 प.

शनैश्चरस्तोत्रं दशरथः.

(500) ना. 56-64 प.

(1369) आ. 2 प.

शिवकवचं ब्रह्मोत्तरखण्डः.

(1222) ग्र. 29-30 प.

(1716) ना. 26-29 प.

(C 481) दे. 8 प.

शिवक्षेत्रस्तोत्रम्.

(C 873) आ. 3 प.

शिवद्वादशनामस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 9 तमं पत्रम्.

शिवनामावळिः.

(2630) ग्र. 6 प.

शिवस्तोत्रं हरिवंशः.

(C 771) आ. 6 प.

शिवस्थलाष्टोत्तरशतीनिर्णयः ललितागमः.

(335) ना. 61-65 प.

शिवाष्टकं वसिष्ठः.

(C 461) दे. 5–7 प.

शिवाष्टोत्तरशतनामव्याख्या.

(B 839) आ. 10 प. वेङ्कटाचलपतिः.

(1657) आ. 18 प. भास्करभारतीया.

शिवोत्कर्षस्तोत्रं काशीखण्डः.

(C 461) दे. 61–62 प.

शीतलास्तोत्रम्.

(C 227) दे. 2+4 प.

शामलाकवचं रेणुकातन्त्रम्.

(2477) आ. 83–85 प.

श्रीरामदिनचर्या.

(2367) ग्र. 4 प.

सारस्वताष्टकम्.

(1759) म. 2 प.

सालग्रामस्तोत्रम्.

(C 45) दे. 21 प.

सीतारामस्तोत्रं हनूमान्.

(1716) ना. 10–11 प

सुदर्शनकवचं विहगेन्द्रसंहिता.

(C 461) दे. 135–136 प.

सुब्रह्मण्यषट्कम्.

(1759) म. 2 प.

सूर्यद्वादशनामस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 13–14 प.

सूर्याष्टोत्तरम्.

(3508) ग्र. 15 प.

सौभाग्यकवचम्.

(B 281) म. 15 प.

हनुमत्कवचम्.

(C 227) दे. 10 प.

हयग्रीवपञ्जरम्.

(C 1074) दे. 16 प.

(C 1681) दे. 14 प.

हरिहरकदम्बस्तोत्रं स्कान्दम्.

(1716) आ. 46 तमपत्रम्.

हरिहरस्तोत्रं काशीखण्डः.

(C 461) दे. 24-26 प.

VI. काव्यम्.

(1) स्तोत्रम्.

अच्युतशतकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1259) ग्र. 7 प.

(1571) ग्र. 69-102 प.

(C 1077) दे. 15 प.

अतिमानुषस्तवः कूरनारायणकृतः.

(1350) आ. 7 प.

(635) आ. 13 प. रामानुजाचार्यटीकायुतः.

अद्वैतपञ्चरत्नव्याख्या बालकृष्णानन्दकृता.

(4171) आ. 13 प.

अद्वैतरसमञ्जरीस्तुतिः नल्लाकविकृता.

(3439) ग्र. 4 प.

अध्यात्मामृतरसरञ्जिनीस्तुतिः.

(C 1680) दे. 4 प.

अपराधस्तोत्रं शङ्कराचार्यः.

(1304) ना. 2 प.

(B 329) म. 6 प.

अभयहस्तशतकम्.

(2397) क. 155 प. सकर्णाटटीकम्.

अभीतिस्तवः वेदान्ताचार्यकृतः.

(1045) ग्र. 78-80 प.

(1444) ग्र. 12-16 प.

(631) आ. 21 प. गार्ग्यवेंकटार्यटीकायुतः.

(3747) आ 18 प. ,,

(4319) ग्र. 19 प. ,,

अम्बानवरत्नमालिका शङ्कराचार्यकृता.

(C 495) आ. 2 प.

अम्बापञ्चरत्नं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1716) ना. 31-32 प.

अम्बास्तवः काळिदासकृतः.

(2347) ग्र. 4 प.

अष्टभुजाष्टकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1045) ग्र. 96 तमं पत्रम्.

(1390) ग्र. 58 ,,

(1443) ग्र. 19-20 प.

अष्टश्लोकी श्रीवत्साङ्कमिश्रीया.

(1045) ग्र. 64 तमपत्रम्.

(C 435) दे. 109-110 प.

(2021) ग्र. 1 प.

(C 63) दे. 8 प. सव्याख्या.

(632) आ. 9 प. ,,

(1182) आ. 16 प. ,,

(1068) आ. 5-25 प. ,,

(4321) 18 प. ,,

आचार्यदण्डकम्.

(1390) ग्र. 3 प.

आत्मभुजङ्गं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 416) ना. 4 प.

आत्मार्पणस्तवः अप्पयदीक्षितकृतः.

(738) ना. 55-60 प.

(B 329) म. 9 प.

(C 582) आ. 7 प.

आदित्यस्तोत्रं अप्पयदीक्षितः.

(2984) ग्र. 55 प.

(2834) ग्र. 34 प. सव्याख्यम्.

(3307) आ. 23 प. ,,

(B 844) आ 26 प. ,,

आनन्दसागरस्तवः नीलकण्ठदीक्षितकृतः.

(B 329) म. 40 प. 108 श्लोकाः.

इन्द्रस्तुतिः.

(B 281) म. 77-85 प.

उमामहेश्वरस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 614) क. 2 प.

ऋष्यादिमङ्गळाष्टकानि.

(920) आ. 199-200 प.

एकदन्तस्तोत्रम्.

(B 279) म. 31-34 प.

कनकधारास्तवः शङ्कराचार्यकृतः.

(1759) म. 9 प.

कमलागुणस्तवः वेंकटनृसिंहार्यकृतः.

(1875) आ. 13 प.

(1861) आ. 47 प. भैषज्यकृष्णार्यटीकायुतः.

कल्पवल्लीदण्डकं शिवरामलिङ्गकविकृतम्.

(3379) ग्र. 5 प.

'कल्याणानां' इति श्लोकव्याख्या.

(814) ग्र. 11 प.

कामासिकाष्टकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1045) ग्र. 97 तमपत्रम्.

(1444) आ. 10-11 प.

कालभैरवाष्टकं शंकराचार्यकृतम्.

(C 495) आ. 2 प.

कालिकागद्यम्.

(2189) आ. 7 प.

कृष्णकर्णामृतं लीलाशुककविकृतम्.

(C 546) क. 17-45 प.

(747) ना. 39 प.

(2321) ग्र. 63 प.

(C 478) आ. 91 प. पापयल्लयार्यकृत सुवर्णचषकाख्यटीकायुतम्.

(970) आ. 61-113 प. ,,

(2601) ग्र. 115 प. ,,

(2667) आ. 47 प. ,,

कृष्णाष्टकम्.

(C 285) दे. 2 प. वादिराजस्वामिकृतम्.

(C 551) क. 3 तमपत्रम्.

क्षमाषोडशी पराशरभट्टारककृता.

(1350) आ. 45-47 प.

(B 234) आ. 19 प. सव्याख्या.

(825) ग्र. 4-14 प. ,,

(1390) ग्र. 32-47 प. ,,

(1519) ग्र. 6 प. ,,

गङ्गालहरी जगन्नाथपण्डितविरचिता.

(C 503) आ. 5 प.

(2734) आ. 107-111 प.

(C 1650) दे. 12 प. व्याख्या वादिराजकृता.

गणपतिनवरत्नमालिका शङ्कराचार्यकृता.

(C 461) दे. 7-8 प.

(C 589) दे. 2 प.

गणपतिस्तवराजः.

(B 579) म. 12-23+10+12 प.

(1716) ना. 31-32 प.

गणेशरत्नमाला कृष्णराजकृता.

(C 476) आ. 4 प. त्रिविक्रमशास्त्रियटीकायुता.

गणेशवेदपादस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1716) ना. 58 तमपत्रम्.

गरुडदण्डकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1045) ग्र. 56 तमप.

(1708) ग्र. 2 प.

गरुडपञ्चाशत् वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 80-85 प.

(1571) ग्र. 116—132 प.

(1443) ग्र. 12 प.

(1471) आ. 16-23 प.

(2021) ग्र. 9 प.

(B 704) आ. 45 प. रामानुजाचार्यटीकायुता.

गुरुस्तोत्रं वेंकटनरसिंहकृतम्

(99) ना. 4 प.

(405) ना. 262-265 प.

गोकुलाष्टकं सव्याख्यानम्.

(C 418) दे. 31 प.

गोदागुणरत्नकोशः.

(B 554) क. 27 प.

गोदास्तुतिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 69–71 प.

गोपालविंशतिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 76–77 प.

गोविन्दाष्टकं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 495) आ. 2 प.

(C 419) ना. 10 प. सव्याख्यानम्.

(C 604) आ. 13 प. ,,

गौरीदशकं शङ्कराचार्यकृतम्.

(B 618) क. 2 प.

चतुश्श्लोकी यामुनाचार्यकृता.

(C 435) दे. 106–108 प.

(1045) ग्र. 59 तमपत्रम्.

(1457) आ. 12-43 प. वेदान्ताचार्यकृतव्याख्या.

जगद्गुर्वष्टोत्तरशतरत्नमाला कृष्णशास्त्रीया.

(B 551) आ. 111 प.

जगन्नाथपञ्चकम्.

(C 434) दे. 111 तमपत्रम्.

जप्येशस्तोत्रं वेंकटसुब्बकविकृतम्.

(2768) ग्र. 12 प.

तिरुनारायणस्तुतिः शुद्धसत्वाचार्यकृता.

(1994) ग्र. 30-34 प.

तोटकवृत्तव्याख्या चिदानन्दविरचिता.

(3622) ग्र. 71 प.

त्रिशच्छ्लोकीयव्याख्या पट्टाभिरामशास्त्रीया.

(C 1160) आ. 22 प. (देवीविषयिणीयं स्तुतिः)

त्रिपुरसुन्दरीवर्णमाला रामचन्द्रसूरिकृता.

(2477) आ. 82–83 प.

त्रिपुरसुन्दरीस्तवः शङ्कराचार्यकृतः

(B 693) आ. 6 प.

त्रिपुरामहिमस्तवः दुर्वासःकृतः.

(2705) आ. 14 प.

दक्षिणामूर्तिचतुर्विंशद्वर्णमालास्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 410) क. 6 प.

दक्षिणामूर्तिस्तवराजः शङ्कराचार्यकृतः.

(C 410) क. 6 प.

दक्षिणामूर्तिस्तोत्रं. शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 461) दे. 115-118 प.

(1716) ना. 45 तमपत्रम्.

(C 417) ना. 9 प. स्वयंप्रकाशविरचितटीकायुतम्.

(900) दे. 42-53 प. ,,

(C 272) आ. 14 प. ,,

(C 271) दे. 32 प. ,,

(2347) ग्र. 30 प. ,,

(1781) आ. 18 प. ,,

(3965) आ. 11 प. ,,

दत्तात्रेयस्तोत्रम्.

(3536) ग्र. 30 प.

दयाशतकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1471) आ. 28-38 प.

(606) आ. 29 प. आत्रेयवेंकटार्यटीकायुतम्.

(638) आ. 33 प. ,, (अस.)

(1470) ग्र. 20 प. ,,

(1476) आ. 41 प. वाधूलश्रीनिवासार्यटीकायुतम्.

(2410) आ. 63 प. ,,

(3445) ग्र. 38–74 प. ,,

दशश्लोकी शङ्कराचार्यकृता.

(B 273) म. 69–73 प.

(924) आ. 3 प.

(1304) ना. 1 प.

दशावतारस्तोत्रम्.

(1045) ग्र. 74–75 प. वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1444) आ. 47–49 प. ,,

(B 747) क. 4 प. वादिराजविरचितम्.

देवताध्यानमालिका कृष्णराजकृता.

(C 547) क. 19 प.

देवताध्यानमुक्तावळी.

(A 528) ग्र. 11 प.

देवनायकपञ्चाशत् वेदान्ताचार्यः.

(1390) ग्र. 53–57 प.

(1045) ग्र. 92–94 प.

देवीपञ्चरत्नम्.

(907) ना. 56–57 प.

देवीमानसपूजास्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1304) ना. 8 प.

(B 717) आ 8 प.

(2477) आ. 89-90 प.

देवीस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1304) ना. 2 प.

देहळीशस्तवः वेदान्ताचार्यकृतः.

(1045) ग्र. 94-95. प.

द्वादशमञ्जरिकाटीका विश्वनाथीया.

(B 846) आ. 19 प.

द्वादशस्तोत्रं आनन्दतीर्थकृतम्.

(C 227) दे. 3 प.

(C 240) दे. 53 प. तिरुमलार्यटीकायुतम्.

(C 413) ना. 26 प. ,,

(3362) ना. 27 प. वेंकटदासविरचितटीकायुतम्.

(4390) आ. 46 प. नरसिंहविरचितटीकायुतम्.

(C 1846) दे. 24 प.

धाटीपञ्चकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1471) आ. 39 तमपत्रम्.

(1571) ग्र. 133-134 प.

(C 435) दे. 119 तमपत्रम्.

ध्यानरत्नावळिः

(3317) ग्रं. 145 प.

नक्षत्रमालिकास्तुतिव्याख्या.

(2092) ग्र. 21 प.

नरसिंहस्तुतिव्याख्या नारायणार्यविरचिता.

(C 1907) दे. 7 प.

नवग्रहस्तोत्रं वादिराजस्वामिकृतम्.

(C 285) दे. चतुर्थ पत्रम्.

नवरत्नप्रकाशः

(C 1548) दे. 10 प.

नवरत्नमालास्तोत्रं भास्कररायकृतम्.

(C 336) दे. 26–27 प.

नाममौक्तिकमालास्तोत्रम्.

(1440) आ. 11–12 प.

नारायणसारसंग्रहस्तोत्रम्.

(C 435) दे. 39–64 प.

नारायणाष्टकम्.

(C 435) दे. 134–135

निरञ्जनाष्टकम्.

(C 612) दे. 10 प. भाषाटीकायुतम्.

निर्वाणदशकं शङ्कराचार्यकृतम्.

(999) आ. 1 प.

निर्वाणषट्कं शङ्कराचार्यकृतम्.

(999) आ. 1 प.

(1304) ना. 3–4 प.

नृसिंहकवचं शङ्कराचार्यकृतम्.

(B 618) क. 2–4 प.

नृसिंहनखस्तुतिव्याख्या.

(2437) ना. 2 प.

(C 396) दे. 51 प. छलारिशेषाचार्यकृता.

नृसिंहभुजङ्गस्तोत्रम्.

(863) क. 42–43 प.

नृसिंहस्तुतिः

(3125) ना. 42–53 प. सुमतीन्द्रटीकायुता.

नृसिंहापराधस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 133–134 प.

न्यासतिलकं वेदान्ताचार्यकृतम्

(1045) ग्र. 54–57 प.

(1471) आ. 23-26 प.

(1571) ग्र. 53–61 प.

(632) आ. 15–25 प. कुमारवरदार्यटीकायुतम्.

(1170) ग्र. 16 प. ,,

(626) ग्र. 22. प. श्रीनिवासार्यटीकायुतम्.

(1390) ग्र. 3–31 प. ,,

(C 931) दे. 19 प. ,,

(3062) ग्र. 34 प. ,,

(3430) ग्र. 25–39 प. ,,

(B 928) आ. 7–38 प. ,,

न्यासदशकं वेदान्ताचार्यकृतम.

(1045) ग्र. 71 तमपत्रम्.

(1440) आ. त्रयोदशं पत्रम्.

(626) ग्र. 5 प. श्रीनिवासाचार्यटीकायुतम्.

(632) आ. 3 प. ,,

(1457) आ. 11 प. ,,

(1170) ग्र. 65–70 प. ,,

(2406) आ. 4 प. ,,

(3062) ग्र. 34 प. ,,

(3430) ग्र. 4 प. ,,

(B 928) आ. 6 प. ,,

न्यासविंशतिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 71–73 प.

(1571) ग्र. 61–69 प.

(626) ग्र. 88–111 प. श्रीनिवासाचार्यटीकायुता.

(632) आ. 4–14 प. ,,

(3430) ग्र. 5–24 प. ,,

(B 928) आ. 39-60 प. ,,

(1170) ग्र. 16–41 प. नारायणमुनिकृता.

(2406) आ. 4–27 प. ,,

(3062) ग्र. 34 प. ,,

पञ्चमीस्तवराजः.

(B 281) म. 39–76 प.

पञ्चरत्नम्.

(707) क. 24–28 प.

(C 285) दे. 1 प. वादिराजस्वामिकृतम्.

पञ्चरत्नप्रकाशः सुब्रह्मण्यविरचितः.

(3350) ग्र. 8 प.

पञ्चश्लोकी सव्याख्या.

(955) ग्र. 63–66 प.

पञ्चस्तवव्याख्या वेंकटनिवासीया.

(2070) ग्र. 172 प. (अतिमानुष-वरद-सुन्दरबाहु-वैकुण्ठनाथ-श्रीस्तवानाम्.)

(2092) ग्र. 129–132 + 96 प. (अतिमानुषस्तवं बिना.)

पञ्चस्तवी–कालिदासकृता.

(1716) ना. 15 प. अम्बास्तवः, घटस्तवः, चर्चास्तवः, लघुस्तवः, सकलजननीस्तवश्च.

(2477) ग्र. 43-57 प. लघु–चर्चा–अम्बा–सकलजननी–मातृकापुष्पमालास्तवाः.

पञ्चायुधस्तोत्रम्.

(661) आ. 1 प.

(C 435) दे. 115-116 प.

परमार्थसारव्याख्या राघवानन्दीया.

(4081) ग्र. 20 प. 60 श्लोकाः.

परमार्थस्तुतिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 96 तमपत्रम्.

पराङ्कुशपञ्चविंशतिः.

(2021) ग्र. 20–22 प.

पादराजाष्टकम्.

(C 285) दे. 2 प.

पुष्पबस्तोत्रं कृष्णराजकृतम्.

(1696) ग्र. 2 प.

प्रपत्तिसोपानम्.

(1869) आ. 85–86 प.

प्रपन्नदशकम्.

(1869) आ. 2 प.

प्रातस्स्मरणस्तोत्रम्.

(848) ग्र. 4 प.

बोधार्या विद्यारण्यविरचिता.

(B 837) आ. 2. प.

ब्रह्मतर्कस्तवः सव्याख्यः अप्पयदीक्षितः.

(369) आ. 87–108 प.

(3343) ग्र. 152–203 प.

ब्रह्मपादस्तवव्याख्या रामचन्द्रशिष्यकृता.

(3126) ना. 153–157 प.

भक्तिरत्नावलीस्तोत्रं विष्णुपुरीसूरिकृतम्.

(C 435) दे. 165–217 प.

(3189) ग्र. 57 प.

भगवत्कृत्यस्तोत्रम्.

(212) ना. 136–137 प.

भगवद्ध्यानसोपानं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1045) ग्र. 75–76 प.

भजगोविन्दस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1222) ग्र. 19–23 प. सव्याख्यानम्. (असं.)

भवान्यष्टकं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 461) दे. 53–54 प.

भस्मधारणस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 111–112 प.

(45) ग्र. 1 प.

भावशतकं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(A 393) आ. 21 प.

भाष्यकारगुरुपरम्परास्तोत्रम्.

(C 435) दे. 92–97 प.

भूस्तुतिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 68–69 प.

भेण्णागोपालस्तुतिः वेङ्कटनाथार्यकृता.

(1211) ग्र. 3 प.

मनीषापञ्चकं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1321) म. 15 प. सव्याख्यानम्.

(B 838) आ. 12 प ,,

(C 1506) दे. 10 प. गोपालयतिकृतव्याख्यानयुतम्.

मल्लारिस्तोत्रम्.

(C 227) दे. 4 प.

महागणपतिस्तोत्रम्.

(C 588) दे. 3 प.

महादेवस्तवः

(25) आ. 1 प.

महिमस्तुतिः दुर्वासःप्रोक्तम्.

(3556) ग्र. 22 प.

(B 915) ग्र. 48 प. अहोबलसूरियव्याख्या.

महिम्नस्स्तोत्रं पुष्पदन्तकृतम्.

(C 609) क. 5 प.

(1149) ना. 8 प. जैमिनिभट्टाचार्यटीकायुतम्.

(287) ग्र 142–172 प. पेद्दसूरीयटीकायुतम्.

(C 76) आ. 53 प. मधुसूदनीया व्याख्या.

(2189) आ. 21 प. चन्नुभट्टीया व्याख्या.

(504) ना. 40-59+5 प. कर्णाटटीकायुतम्.

(C 601) दे. 16 प. विष्णुवीरविरचितम्.

(2644) ग्र. 32 प. व्याख्या.

मातृकापुष्पमालास्तोत्रं काळिदासकृतम्.

(989) ग्र. 5 प.

(2644) ग्र. 41-49 प.

मीनाक्षीस्तोत्रम्.

(C 227) दे. 6 प.

मुकुन्दमालास्तोत्रं कुलशेखरकृतम्.

(C 435) दे. 82-87 प.

(1708) ग्र. 7 प.

(848) ग्र. 9-14 प.

मुकुन्दाष्टकम्.

(C 553) क. सप्तमं पत्रम्

मुद्गलार्यस्तवः मुद्गलः.

(C 1725) दे. 21 प.

मूकपञ्चशती मूककविः.

(C 349) दे. 46 प.

(B 656) क: 43 प.

(3778) ग्र. 19. प.

(C 530) आ. 21 प. 4 शतानि.

(C 1734) दे. 11 प. पादारविन्दशतकम्.

(1649) आ. 9 प.

मृत्युंजयमानसपूजास्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1304) ना. 3 प.

(C 613) दे. 6 प.

(2705) आ. 12–18 प.

यतिराजगद्यं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(A 393) आ. 21 प.

यतिराजमङ्गळम्.

(1440) आ. 3–5 प.

यतिराजविंशतिः वरवरमुनिकृता.

(848) ग्र. 24–26 प.

(C 435) दे. 88–91 प.

यतिराजशतकं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(A 393) आ. 21. प.

यतिराजसप्ततिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 50–54 प.

(1444) आ. 16–27 प.

(1571) ग्र. 25 प.

(631) आ. 59 प. कौण्डिन्यश्रीनिवासार्यटीकायुता.

(485) ग्र. 21 प. ,,

(1465) आ. 10–33 प. ,,

यतिराजसार्वभौमशतकं वेदान्तरङ्गाचार्यकृतम्

(1995) आ. 15 प. (आन्ध्रभाषा)

यथोक्तकारिस्तोत्रं वेदान्ताचार्यकृतम्

(1045) ग्र. 97 तमपत्रम्.

यदुगिरिनारायणस्तवसंग्रहः तिरुमलाचार्यकृतः.

(A 612) क. 187 प.

यदुगिरीशदण्डकं श्रीनिवासकृतम्

(273) ग्र. 3 प.

यदुगिरीशप्रपत्तिः मङ्गळं च

(848) ग्र. 50-52 प.

यदुगिरीशसुप्रभातम्

(848) ग्र. 7-8 प.

रघुनाथपञ्चकम्

(C 435) दे. 118 तमःत्रम्.

रघुवीरगद्यं वेदान्ताचार्यकृतम्

(930) ग्र. 5 प.

(1045) ग्र. 90-92 प.

रङ्गनाथमङ्गळम्

(1440) आ. 1 प.

रङ्गनाथस्तुतिः

(3672) ग्र. 5 प.

राघवेन्द्रस्तोत्रम्.

(C 420) ना. 14 प.

(C1862) दे. 10 प. सव्याख्यानम्.

रामकर्णामृतम्.

(C 527) आ. 27 प.

(C 545) क. 17 प.

(923) आ. 4 प.

रामकर्णामृतम्.

(1233) ग्र. 106 प.

(1716) ना. 9 प.

(2056) ग्र. 51 प.

रामकृष्णस्तोत्रं कृष्णराजकृतम्.

(1696) ग्र. 2. प.

(C 467) आ. 9 प. त्र्यम्बकशास्त्रिटीकायु ।

रामतारावळी.

(1716) ना. 31 तमपत्रम्.

रामदण्डकम्.

(1856) आ. 3 प.

रामदुर्गास्तोत्रम्.

(C 227) दे. 4 प.

रामभुजङ्गस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1149) ना 3 प.

(1541) ना. 4 प.

(863) क. 37–40 प.

रामलक्ष्मणाष्टकम्.

(906) ना. 5–7 प.

रामस्तवराजः.

(1716) ना. 33–37 प.

रामस्तोत्रं अहल्याकृतम्.

(661) आ. 2–9 प.

रामानुजपरतत्त्वपञ्चश्लोकी.

(C 435) दे. 141–142 प.

रामानुजपूर्वोत्तरदिनचरी.

(C 435) दे. 101–105 प.

रामानुजसुप्रभातम्.

(848) ग्र. 53–55 प.

(C 435) दे. 136–137 प.

रामानुजाष्टोत्तरशतम्.

(C 435) दे. 98–100 प.

रामायणवेदपादस्तवः वरदाचार्यविरचितः.

(1991) ग्र. 40–43 प. 76 श्लोकाः.

रामार्यास्तवव्याख्या मुद्गलः.

(C 1502) दे. 22 प.

रामाष्टप्रासस्तुतिः रामभद्रदीक्षितविरचिता.

(3506) ग्र. 20 प.

लक्ष्मीनृसिंहपञ्चरत्नं शङ्कराचार्यकृतम्.

(500) ना. 65 तमपत्रम्.

(1716) ना. 31–32 प.

लक्ष्मीनृसिंहस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 461) दे. 75–78 प.

लघुस्तुतिः धर्माचार्यकृता.

(A 119) क. 68 पु. नित्यानन्दकृतटीकायुता.

(A 140) आ. 32 प. सिंहराजीयटीकायुता.

(B 271) म. 195–249 प. ,,

ललितात्रिशतीस्तोत्रं महादेवानन्दनाथविरचितम्.

(B 546) म. 15 प.

ललितास्तवरत्नं (आर्याद्विशती.)

(C 236) आ. 12 प.

लिङ्गामात्यवेदपादस्तवः.

(C 335) आ. 143 तमपत्रम्.

वज्रपञ्जरस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 69-72 प.

वरदराजपञ्चाशत् वेदान्ताचार्यकृता.

(B 249) आ. 118 प. करूरु-श्रीनिवासार्यटीकायुता.

वरदराजमङ्गळम्.

(1440) आ. 2-3 प.

वरदराजप्रपत्तिः, मङ्गळं च.

(848) ग्र. 48-49 प.

वरदराजस्तवः कूरनारायणकृतः.

(1350) ना. 8-21 प.

(635) आ. 26 प. रामानुजाचार्यटीकायुतः.

(C 707) आ. 10 प. व्याख्या. 18 श्लोकाः.

(B 834) आ. 7 प. अप्पयदीक्षितकृतः.

(3300) आ. 62 प. ,, सव्याख्यः.

वरदाचार्यमङ्गळम्.

(1571) ग्र. 115-116 प.

वरवरमुनिगद्यम्.

(A 393) आ. 2 प.

वरवरमुनिप्रपत्तिः मङ्गळं च.

(848) ग्र. 44-45.

वरवरमुनिस्तोत्रम्.

(848) ग्र. 22–24+27–40 प.

वर्णमालास्तोत्रम्.

(1304) ना. 2 प.

वायुस्तुतिव्याख्या.

(C 396) दे. 51 प. छलारिशेषाचार्यकृता.

(3125) ना. 42 प. ,,

(C 1336) दे. 37 प. ,,

(C 1666) दे. 33 प. ,,

(C 1868) दे. 41 प. ,,

(2437) आ. 3–21 प. विश्वेश्वरीया.

विनायकपञ्चरत्नमालिकास्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(500) ना. 66–67 प.

विश्वनाथाष्टकम्.

(907) ना. 59–60 प.

विष्णुभुजङ्गं शङ्कराचार्यकृतम्.

(863) क. 40–42 प.

(1223) ना. 3 प.

विष्णुस्तुतिव्याख्या.

(C 731) दे. 33 प. वादिराजविरचिता.

(2437) ना. 21–40 प. विश्वेश्वरविरचिता.

(3121) ना. 16 प. व्याख्या.

वीरराघवदिनचर्या.

(1045) ग्र. 163–166 प.

वीरराघवविग्रहध्यानम्.

(1045) ग्र. 166-167 प.

वेङ्कटाचलादिगद्यम्.

(2157) क. 23 प. (वेङ्कटाचल-आपादमस्तक-लक्ष्मीरामानुज-श्रीराम-गद्यानि.

वेंकटाद्रिस्तोत्रम्.

(937) ग्र. 52 तमपत्रम्.

वेङ्कटेशदशकम्.

(848) ग्र. 55-56 प.

वेङ्कटेशसुप्रभातम्.

(C 435) दे. 137-141 प.

(848) ग्रं. 5-7 प.

वेङ्कटेशस्तबकम्.

(C 559) क. 18-20 प.

वेङ्कटेशस्तोत्रम्.

(C 461) दे. चतुर्थ पत्रम्.

वेदान्तदेशिकसप्ततिरत्नमाला महाचार्यकृता.

(1571) ग्र. 25-37 प.

(946) ग्र. 8 प.

(1045) ग्र. 102-105 प.

वेदान्ताचार्यदिनचर्यास्तोत्रम्.

(1045) ग्र. 106 तमपत्रम्.

(1571) ग्र. 104-108 प.

वेदान्ताचार्यदण्डकम्.

(1571) ग्र. 108-112 प.

वेदान्ताचार्यनक्षत्रमालिका.

(1175) ग्र. 5 प.

वेदान्ताचार्यपञ्चाशत् वेङ्कटाध्वरिकृता.

(1390) ग्र. 61-67 प.

(637) आ. 7 प.

वेदान्ताचार्यप्रपत्तिः.

(1571) ग्र. 112-114 प.

(1390) ग्र. 60 तमं पत्रम्.

वेदान्ताचार्यमङ्गळं कुमारवरदाचार्यकृतम्.

(1045) ग्र. 105 तमपत्रम्.

(1471) आ. 38-39 प.

वेदान्ताचार्यविग्रहध्यानम्.

(1045) ग्र. 107-108 प.

(1571) ग्र. 102-104 प.

वेदान्ताचार्यस्तोत्रं अण्णयार्यकृतम्.

(937) ग्र. 48-51 प.

वैकुण्ठनाथस्तवः श्रीवत्साङ्कमिश्रकृतः.

(1350) आ. 13 प.

(635) आ. 24 प. रामानुजीयटीकायुतः.

व्यासाष्टकम्.

(907) ना. 57-58 प.

शङ्करध्यानपद्धतिः अप्पयदीक्षितकृता.

(1149) ना 5 प.

शङ्करनारायणाष्टोत्तरं कृष्णराजविरचितम्.

(1696) ग्र. 2 प.

शठकोपमुनिस्तवः.

(2488) ग्र. 194-196 प.

शठारिप्रपत्तिः मङ्गळं च.

(848) ग्र. 43-44 प.

शनैश्चरस्तवः दशरथकृतः

(B618) क. 9-13 प.

शरणागतिदीपिका वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 86-90 प.

(647) आ. 47 प. सव्याख्या.

(3062) ग्र. 18 प. वरदाचार्यकृता व्याख्या.

शिवगङ्गादण्डकम्

(570) आ. 1 प.

शिवतत्त्वरत्नमालिका कृष्णानन्दविरचिता.

(3350) ग्र. 9-23 प.

शिवनक्षत्रमालिका कृष्णराजकृता.

(C 467) आ. 9 प. त्र्यम्बकशास्त्रीयटीकायुता.

शिवभुजङ्गस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्

(1541) ना. 7-10.

(861) क. 44-48 प.

शिवविष्णुयुग्मनामपञ्चशती कृष्णराजकृता.

(C 529) क. 66 प. त्र्यम्बकशास्त्रीयटीकायुता.

शिववेदपादस्तवः जैमिनिकृतः.

(501) ना. 8 प.

(738) ना. 106-114 प,

(B 273) म. 45-64 प.

(C 461) दे. 22 प.

शिवस्तुतिः शङ्कराचार्यकृता.

(C 414) दे, 6 प. नारायणीयव्याख्यायुता.

(C 625) आ. 5 प. बिह्लणकृता.

(C 749) दे. 12 प. नारायणपण्डितकृता. सकर्णाटटीका.

(3350) ग्र. 24-33 प. कृष्णानन्दविरचिता.

(3362) ना. 28-33 प. तिरुमलार्यरचिता व्याख्या.

शिवाख्याशतकं वेङ्कटार्यरचितम्.

(3445) ग्र. 37 प,

शिवानन्दलहरी शङ्कराचार्यकृता.

(C 461) दे. 25 प.

(C 615) दे. 5 प.

(4172) आ. 63 प. व्याख्या व्यंगन्नविरचिता.

शिवापराधस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 461) दे, 153-156 प,

शिवाष्टकम्.

(923) आ. 2 प.

शेषार्याव्याख्या राघवानन्दविरचिता.

(3965) आ. 30-62 प.

श्यामलास्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(863) क. 69-75 प.

(1304) ना 3 प.

श्रीकण्ठनवरत्नमालिका शङ्कराचार्यकृता.

(1541) ना, 5-6.

श्रीगुणरत्नकोशः पराशरभट्टारककृतः.

(1350) आ. 34–41 प.

(1443) ग्र. 14 प.

(1045) ग्र. 59–63 प.

(1571) ग्र. 38–53 प.

(C 435) दे. 65–74 प.

(796) ग्र. 112 प. कौशिकश्रीनिवासार्यटीकायुतः.

(825) ग्र. 70 प. ,,

(619) आ. 19 प. जगन्नाथविरचितटीकायुतः.

(970) आ. 34–47 प. ,,

(,,) आ. 49–60 प. रामानुजाचार्यटीकायुतः.

(2894) ग्र. 39 प. ,,

(2092) ग्र. 94 प. वेङ्कटनिवासीया व्याख्या.

(3739) आ. 106 प. रामकृता व्याख्या.

(3747) आ 29 प. ,,

(A 611) क. 90 प. द्राविडभाषार्थयुतः (अस)

श्रीनिवासमङ्गळम्.

(1440) आ. 2 प.

श्रीनिवासस्तुतिः रामकविविरचिता.

(3308) आ. 15 प.

श्रीरङ्गनाथप्रपत्तिः मङ्गळं च.

(843) ग्र. 46–47 प.

श्रीरङ्गनाथमङ्गळम्.

(1440) आ. 1 प.

श्रीरङ्गनाथसुप्रभातम्.

(848) ग्र. 5 तमपत्रम्.

श्रीरङ्गराजस्तवः पराशरभट्टारककृतः.

(1350) आ. 33 प.

(635) आ. 70 प. रामानुजीया व्याख्या

(2094) ग्र. 39 प. वेङ्कटनिवासीया व्याख्या.

श्रीस्तवः श्रीवत्साङ्कमिश्रकृतः.

(1350) आ. 48–49 प.

(1045) ग्र. 65 तमपत्रम्+115–116 प.

(825) ग्र. 3 प. रामानुजाचार्यटीकायुतः.

श्रीस्तुतिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1045) ग्र. 57–58 प.

(3925) ग्र. 6–30 प. श्रीनिवासाचार्यकृता व्याख्या.

(4320) ग्र. 33 प. वरदाचार्यकृता व्याख्या.

षट्पदीस्तोत्रं शङ्कराचार्यकृतम्.

(50) ना. 87–91 प.

(B 233) क. 8 प. रामभद्रकृतटीकायुतम्.

षोडशायुधस्तोत्रं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1045) ग्र. 95 तमपत्रम्.

(1443) ग्र. 17–18 प.

(1390) ग्र. 59 तमपत्रम्.

सन्तानगोपालस्तोत्रम्.

(990) आ. 2 प.

सपर्यापर्यायस्तुतिः.

(B 278) म. 79-83 प.

सप्तशतीध्यानस्तोत्रम्.

(C 461) दे. 59-60 प.

सप्तश्लोकी.

(1304) ना. 1 प.

साधनपञ्चकं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1716) ना. 31-32 प.

सिद्धिसारस्वतस्तवः पृथ्वीधराचार्यकृतः.

(1656) आ. 8 प.

(2477) आ. 86-89 प.

सुदर्शनशतकं कूरनारायणकृतम्.

(1471) आ. 16 प.

(1887) ग्र. 58 प. माधवाचार्यकृता व्याख्या.

(1992) ग्र. 91-182 प. ,,

(2164) ग्र. 79 प. ,,

(2772) ग्र. 48 प. ,,

(845) ग्र. 3-93 प. सव्याख्यानम्.

(1078) ग्र. 31 प. ,,

(1371) आ. 25 प. ,, असमग्रम्.

सुदर्शनषट्कम्.

(1471) आ. 27-28 प.

सुदर्शनाष्टकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1045) ग्र. 77 तमपत्रम्.

सुन्दरबाहुस्तवः श्रीवत्साङ्कमिश्रविरचितः.

(1350) आ. 14–30 प.

(635) आ. 16 प. रामानुजाचार्यटीकायुतः

सुभगोदयस्तोत्रं गौडपादाचार्यकृतम्.

(B 537) आ. 13 प.

सूर्यचन्द्रस्तोत्रं कृष्णराजकृतम्.

(C 467) आ. 6 प. त्रिविक्रमशास्त्रीयटीकायुतम्.

सूर्यशतकं. मयूरकविविरचितम्.

(1967) ना. 30 प. सव्याख्य .

(1515) दे. 22 प,

(1545) दे. 15 प.

सोपानपञ्चरत्नम्.

(B 278) म. 76–78 प.

(3541) आ. 6 प. सव्याख्यानम.

सौन्दर्यलहरी शङ्कराचार्यविरचिता.

(C 227) दे. 26 प.

(2347) ग्र. 16 प.

(2477) आ. 36–42 प.

(A 120) दे. 65 प. लक्ष्मीधरटीकायुता

(A 307) आ. 60 प. ,,

(C 563) क. 47 प. ,, (असं)

(1015) ना. 163 प. ,,

(1104) ग्र. 97 प. ,,

(2204) आ. 276–346 प. ,, 40 श्लोकाः

(2734) ग्र. 29 प. ,,

(B 182) आ 114 प. सुधाविद्योतिनी टीका प्रवरसेनतनयकृता (अस)
(3568) ग्र. 55 प. ,, ,, ,,
(B 184) आ. 62 प. कामदेवसूरीयटीका उत्तरभागः.
(A 94) आ. 106 प. डिण्डिमाख्यटीका.
(A 95) आ. 26 प. सौभाग्यवर्धिनी कैवल्याश्रमीयटीका.
(B 760) दे. 76 प. ,, ,,
(2734) ग्र. 90–92 प. सहजानन्दीया व्याख्या.
(3453) ग्र. 59 प. व्याख्या 50 श्लोकाः

स्तोत्ररत्नम् (आळवन्दार्स्तोत्रम्) यामुनाचार्यकृतम्.

(848) ग्र. 15–21 प.
(C 435) दे. 75–81 प.
(C 408) आ. 24 प.
(157) ग्र. 6 प.
(1475) आ. 25 प. अत्रियवरदार्यटीकायुतम्.
(3132) क. 17 प. सव्याख्यानम्.

स्तोत्रसमुच्चयः.

(C 694) अत्र 166 स्तोत्राणि.
(3021) क. 127 प. श्रीशैलसूरीयः

स्तोत्रसंग्रहः.

(3995) क. 39 प.
(4245) ना. 108 प.

हनुमच्छतकं वेंकामात्यप्रणीतम्.

(3080) आ. 47 प.

हयग्रीवस्तोत्रं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1444) आ. 44–47 प।

(C 74) आ. 13 प भारद्वाजश्रीनिवासार्यटीकायुतम्
(3749) आ. 14 प. ,,

हरिदिनतिलकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(937) ग्र. 53–56 प.

हरिनामस्मरणस्तोत्रम्.

(661) आ. 2 प.

हरिस्तुतिः (हरिमीडेस्तोत्रम्) शङ्कराचार्यकृता.

(B 233) क. 24 प. आनन्दज्ञानीयटीकायुता.
(C 593) दे. 21 प. ,,
(715) ग्र. 81 प. स्वयंप्रकाशटीकायुता.
(1225) आ. 122 प. ,,
(1632) ना. 143–197 प. ,,
(B 709) आ. 58 प. ,,
(3537) ग्र. 58 प. ,,

हर्यष्टकम्.

(C 554) क. अष्टमपत्रम्.

हस्तामलकव्याख्या.

(3965) आ. 11–29 प.

हृदयामृतं जगन्नाथपण्डितकृतम्.

(C 336) दे. 26 प.

(2) पद्यकाव्यम्.

अच्युतरायाभ्युदयः राजनाथविरचितः.

(957) ग्र. 62 प. 11 सर्गाः (अस)

अणुमध्वविजयव्याख्या.

(C 1339) दे. 23 प.
(C 1465) दे. 22 प.

अप्पयदीक्षितचरितं शिवानन्दकृतम्.

(A 283) ग्र. 20 प.

(B 921) ग्र. 78 प.

अमरुकशतकं अमरुककविकृतम्.

(1515) ग्र. 52—62 प.

(C 1080) दे. 13 प.

(C 270) आ. 51 प. वेमभूपालकृतशृङ्गारदीपिकाव्याख्यायुतम्.

(1433) आ. 45 प. ,,

(267) ना. 78–96 प. ,,

(C 567) आ. 8+7 प. ,,

(1794) ना. 12 प. ,,

(1838) आ. 48 प. ,,

(1977) ना 76 प. ,,

(2312) आ. 29 प. ,,

(2333) ग्र. 54 प. ,,

(3675) ग्र. 42 प. ,,

(37) आ. 47 प. मुञ्जराजकृतशृङ्गारदीपिकाख्यव्याख्यायुतम्.

उदारराघवकाव्यं चौंडिसूर्यकविकृतम्.

(1481) आ. 35 प. द्वितीयस्सर्गः.

(3036) ना. 215 प. 6 सर्गाः सव्याख्यानम्

उपाहरणकाव्यं त्रिविक्रमपण्डितकृतम्.

(C 377) दे. 2–52 प सुमतीन्द्रकृतव्याख्यायुतम्.

कलिविडम्बनं नीलकण्ठकविकृतम्.

(C 276) दे. 6 प.

(C 784) आ· 10 प.

कल्याणरामायणकाव्यं शेषकविकृतम्.

(3740) आ. 121 प.

कविकण्ठपाशः कालिदासकृतः

(195) ग्र. 24 प.

(B 743) क. 35 प. सव्याख्यः.

(2772) ग्र. 24 प. ,,

(C 696) आ. 3 प. ,, असमग्रः.

कविकण्ठभूषणम्.

(4387) आ. 4 प.

कविकर्णरसायनं षडक्षरिदेवकृतम्.

(1733) दे 11 प. मूलम्.

(A 61) क. 138 प. वेंगनसुधीकृतव्याख्यायुतम्. (2 सर्ग)

(A 414) क 190 प. सव्याख्यम्.

कविराक्षसीयम्.

(629) आ. 5. प.

(6) ग्र. 42+7 प नागनार्यटीकायुतम्.

(1838) आ. 28 प. ,,

(2312) आ. 30-46 प. ,,

(3938) ग्र 35 प. ,,

कविसमयविलासः रेवणाराध्यविरचितः.

(4167) क. 161-172 प.

कार्तिकेयविजयकाव्यं गीर्वाणेन्द्रयज्वविरचितं।

(3355) ग्र. 48 प.

काव्यरत्नं चिदम्बरकविकृतम्.

(2802) ग्र. 88 प. सव्याख्यम्.

(4091) आ. 56 प. ,,

किरातार्जुनीयं भारविकृतम्.

(958) ना. 250 प विद्यामाधवीयटीकायुतम्.

(A 250) क. 258 प, ,,

कीर्तिपञ्चाशत् वृत्तमणिश्रीनिवासाचार्यकृता.

(932) ग्र. 7 प.

कुचपञ्चाशिका वृत्तमणिश्रीनिवासाचार्यकृता.

(932) ग्र. 13–17 प.

कुमारसम्भवव्याख्या.

(3722) ग्र. 152 प. नारायणकृता. 1–8 सर्गाः.

(3636) म. 86 प. ,, 1–3 सर्गाः.

(3974) आ. 126 प. मल्लिनाथकृता 6 सर्गाः.

कृष्णकर्णामृतम्

(2321) ग्र. 63 प.

(2601) ग्र. 115 प. पापयल्लयार्यटीकायुतम्.

(2667) आ. 47 प. ,,

(4289) ग्र. 33 प. ,,

कृष्णराजकाव्यम्.

(C 630) आ. 10 प.

कृष्णाभ्युदयकाव्यम्.

(2920) ग्र. 37 प.

खण्डप्रशस्तिः हनुमत्कविः.

(C 1803) दे. 74 प. गुणविनयव्याख्यायुता.

गङ्गावतरणकाव्यं नीलकण्ठदीक्षितविरचितम्

(2764) ग्र. 96-120 प.

गाथासप्तशती (प्राकृतकाव्यम्)

(3292) आ. 46 प. द्वे शतके.

गीतगङ्गाधरं (शिवाष्टपदी) राजशेखरकविकृतम्.

(B 291) क. 32 प.

गीतगोविन्दं (कृष्णाष्टपदी) जयदेवकविकृतम्.

(133) ना. 99-112 प.

(C 335) आ. 143 प. लक्ष्मणसूरिकृतश्रुतिरञ्जनीटीकायुतम्.

(2955) आ. 104 प. ,,

(3262) आ. 130 प. ,, 12. सर्गाः

(3871) म. 53 प. ,, (अस)

(4341) आ. 126 प. ,,

(234) म. 121 प. तिरुमलार्यटीकायुतम्.

(1433) आ. 108 प. ,,

(1767) ना. 133 प ,,

(377) आ. 118 प. लक्ष्मीधरपण्डितकृतटीकायुतम्.

(2307) म. 261 प. ,,

(2949) म. 157 प. ,,

(C 740) आ. 61 प. चैतन्यदासविरचितटीकायुतम्.

(C 767) दे. 150 प. कमलाकरकृता टीका. 13–36पत्रलोपः

(3985) क. 265 प. व्याख्या.

(4293) म. 36—100 ,,

(1944) ना. 127 प. अप्रमेयशास्त्रिविरचिता कर्णाटभाषाटीका.

(1570) क. 157 प. ,,

(A 599) आ. 261–286 आन्ध्रभाषाटीका-असमग्रा.

गीतराघवं (रामाष्टपदी) रामकविकृतम्.

(B 290) क. 38 प.

गीतवीतरागः अभिनवचारुकीर्तिकृतः

(1025) क. 19 प.

(2721) क. 102 प. सकर्णाटटीकः.

गुरुवंशकाव्यं लक्ष्मणशास्त्रिकृतम्.

(2474) ना. 46 प.

गोदागाथाः (तिरुप्पावै परिवृत्तिः).

(1846) ग्र. 5 प.

गोवर्धनकृतार्याः.

(552) क. 10 प.

घटकर्परभेदिनी सुदर्शनाचार्यकृता.

(B 825) आ. 35—39 प.

चन्द्रप्रभचरितं वीरनन्दिकृतम्.

(1026) क. 164 प. सव्याख्यम्.

चन्द्रसन्देशः वेङ्कटकविकृतः.

(1257) ग्र. 11 प.

जम्बूस्वामिचरितकाव्यं ब्रह्मचारिजिनदासकृतम्

(B 108) क. 116 प.

जयतीर्थविजयः शेषाचार्यकृतः.

(C 393) दे. 7 प.

(C 394) दे. 7 प.

(C 1471) दे. 73 प. सव्याख्यः.

जयीन्द्रोदयः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(B 209) दे. 42 प. 6 सर्गाः.

(2588) ना. 89—103 प.

तटातकापरिणयं शङ्करसुब्रह्मण्यकृतव्याख्यायुतम्.

(3472) ग्र. 45 प. पञ्चमस्सर्गः.

तीर्थप्रबन्धः वादिराजविरचितः.

(C1670) दे. 70 प. नारायणविरचितव्याख्यायुतः.

दिव्यसूरिचरितं गरुडवाहनपण्डितकृतम्.

(1111) ग्र. 124 प.

(1983) ग्र. 180 प.

दुर्गतिपञ्चाशिका वृत्तमणिश्रीनिवासाचार्यकृता.

(932) ग्र. 18–23 प.

दृष्टान्तशतकम्.

(B842) आ. 7 प.

द्रौपदीकल्याणम्.

(1436) आ. 134–154 प. (आन्ध्रभाषा)

धन्यकुमारचरितं सकलकीर्तिकृतम्.

(1119) क. 24 प.

नलहरिश्चन्द्रीयविलोमकाव्यं सव्याख्यम्.

(1820) आ. 24 प. (50 श्लोकाः)

नलोदयकाव्यं काळिदासविरचितम्.

(3939) ग्र. 35–66 प.सव्याख्यम्.

नागकुमारकाव्यम्. (पञ्चमीकथा) मल्लिषेणकृतम्.

(B113) क. 46 प.

(1017) क. 24–60 प.

निसर्गमधुरकाव्यं. सीतारामशास्त्रिकृतम्.

(1794) ना. 4-9 प. द्वितीयसर्गे 62 श्लोकपर्यन्तम्

नीतिवाक्यामृतम्.

(3995) क. 4 प.

नीतिशतकम्. वेङ्कटाचार्यरचितम्.

(1880) ग्र. 11-13 प.

नीतिसारः.

(1780) ना. 15-29 प.

नैषधं श्रीहर्षकृतम्.

(145) ना, आ. 187 प. आदौ 49 पत्रपर्यन्तं सर्गत्रयं श्रीधरीयव्याख्या
युतम्,ततः 4-22 सर्गाः विश्वेश्वरसूरिकृतव्याख्यायुताः.

(149) दे 200 प. शेषरामचन्द्रकृतटीकायुतम्.

(765) ग्र. 106-317 प. मल्लिनाथटीकायुतम् 7-21 सर्गाः,
129-196 पत्रलोपः

(1629) आ. 144 प. ,, 3 सर्गाः.

(544) आ. 31 प. ,, चतुर्थस्सर्गः.

(1478) क. 22 प. ,, एकादशस्सर्गः.

(2140) ग्र. 175 प. ,, 5 सर्गाः.

(3973) आ. 142 प. ,, 8-12 सर्गाः.

(C1063) दे 451 प. नरहरिपण्डितकृतव्याख्या समग्रा.

(3384) ग्र. 73 प. श्रीधरीयव्याख्या. 2 सर्गौ.

(1776) ना. 108 प. सर्वज्ञमाधवविरचिता व्याख्या 11 सर्गाः.

पञ्चतन्त्रसंग्रहः.

(3698) ग्र. 32 प.

पद्मनाभोदयटीका. कृष्णः.

(3699) ग्र. 50प.

पद्यचूडामणिः बुद्धघोषाचार्यविरचितः.

(2837) ग्र. 32 प.

पादरेणुकासहस्रं अहोबिलाचार्यकृतम्.

(A 106) आ. 90 प.

(A 208) आ. 149 प. तट्टीकाद्वितयोल्लासः, तृतीयश्चापूर्णः.

पादुकासहस्रं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1045) ग्र. 58 प.

(1433) आं. 40–104 प.

(1491) ग्र. 78 प.

(2798) ग्र. 91 प.

(726) ग्र. 95 प. श्रीनिवासाचार्यकृता परीक्षाख्या व्याख्या. 11 पद्धतयः.

(636) आ. 121 प. ,, 29 पद्धतयः.

(767) ग्र. 215 प. ,,

(1730) ग्र. 288 प. ,,

(2205) ग्र. 204 प. ,,

(1042) ग्र' 99 प. 11 पद्धतयः. मुद्रितादन्यद्व्याख्यानम्.

पारिजातहरणकाव्यं. नारायणपण्डिताचार्यकृतम्

(3221) ना. 29 प. सव्याख्यम्.

पार्श्वनाथाभ्युदयकाव्यं जिनसेनकृतम्.

(B 213) क. 228 प. पण्डिताचार्यकृतटीकायुतम्.

प्रपन्नामृतम्.

(585) आ. 170 प. रामानुजाचार्यकृतम्. 88 अध्यायाः.

(2381) ग्र. 259 प. अनन्तसूरिविरचितम्.

प्रपन्नामृतम्.

(2991) आ. 191 प. अनन्तसूरिरचितम्.

(2083) आ. 73-115 प. ,, 30-53 अध्यायाः.

बालभारतं अगस्त्यकविकृतम्.

(230) ग्र. 95 प 20 सर्गाः.

(1056) आ. 98 प. 10-20 सर्गाः.

(1542) आ. 20 प. 3 सर्गाः

(2061) आ. 33 प. 7 सर्गाः.

(2295) ग्र. 146 प. साळ्वतिम्मणभूपकृतव्याख्यानम्. 14 सर्गा

बालहरिवंशकाव्यं. शंकरनारायणः.

(3082) ग्र. 130 प.

बिल्हणचरितम्.

(104) ग्र. 14 प.

(1280) आ. 7 प.

(1638) आ. 8 प.

(2021) ग्र. 12 प.

(2106) आ. 7 प.

(2338) ग्र. 7. प.

(4014) आ. 10 प.

(4235) ना. 12 प.

(4300) ग्र. 13 प.

भट्टिकाव्यं. जयमङ्गळाव्याख्यायुतम्,

(3873) ग्र. 111 प.

भद्राद्रिरामायणं वीरराघवकविकृतम्.

(2524) ग्र. 93 प. सव्याख्यं असमग्रम्.

भारतचन्द्रिका कौण्डिन्यश्रीनिवासकृता.

(1425) आ. 43 प. (प्राकृतभाषा)

भावशतकं वेङ्कटाचार्यकृतम्.

(629) आ. 31–35 प.

भिक्षाटनकाव्यं उत्प्रेक्षावल्लभकृतम्.

(2845) ग्र. 17 प.

भैष्मीपरिणयं. रत्नखेटदीक्षितकृतम्.

(1795) ना. 15 प.

मणिप्रवाळवल्ली विश्वनाथविरचिता.

(2465) ग्र. 67 प. विराटपर्वणि 5 मञ्जर्यः

मणिमञ्जरीव्याख्या छलार्याचार्यकृता.

(1160) ना. 43 प.

मणिमञ्जरीभेदिनी श्रीरामयोगीन्द्रकृता.

(B726) क. 106 प.

मद्रकन्यापरिणयम्.

(3786) आ. 11 प.

मधुरोष्ठसंदेशः.

(3786) आ. 17 प.

मध्वविजयः नारायणपण्डितविरचितः.

(A 287) दे. 53 प. सव्याख्यः.

(C 1287) दे. 72 प. मुद्गलानन्दतीर्थीया व्याख्या. 1, 2, 10 सर्गाः.

(C 1922) दे. 37 प. ,,

(3215) ना. 17–106 प. ,, 3–7 ,,

(1413) दे. 62 प. ,, 1–2 ,,

मध्वविजयः नारायणपण्डितविरचितः.

(3097) ना. 120 प. वेदाङ्गतीर्थीया व्याख्या. 1, 2, 5, 6, 8 सर्गाः.

(C 1461) दे. 23–73 ,, 9–10 ,,

(C 1462) दे. 132–155 प, ,, चतुर्दशः ,

(C 1463) दे. 54 प. ,, 15–16 ,,

(C 1706) दे. 192 प. छलारिनृसिंहार्यकृता व्याख्या. 8 सर्गाः.

(C 1707) दे. 47 प. ,, 9–10 ,

(524) ना. 87 प. टीकाविवृतिः विश्वपतितीर्थकृता.

महिषशतकं वाञ्छानाथकविविरचितम्.

(C 1131) आ. 16 प.

मातङ्गलीला.

(3967) आ. 21 प.

मार्कण्डेयोदयकाव्यं वेङ्कटसूरिकृतम्.

(4020) आ. 33 प. 3 सर्गाः.

मुनिसुव्रतकाव्यं अर्हद्दासकृतम्.

(B 45) क. 116 प. सव्याख्यम् 5 सर्गाः.

(B 46) क. 116–232 प. 6–10 सर्गाः.

(A 432) क. 53+266 प. सव्याख्यम्.

मेघसन्देशः कालिदासकृतः.

(1257) ग्र. 10 प.

(267) ना. 43–77 प. सव्याख्यः.

यमकभारतं आनन्दतीर्थकृतम्.

(C 141) दे. 46 प. श्रीनिवासतीर्थीयटीकायुतम्.

(2985) ना. 8+11 प. नरहरितीर्थीयटीकायुतम्.

(C 1478) दे. 55 प. नारायणविरचितव्याख्यायुतम्.

यमकरत्नाकरः पराशरभट्टारककृतः.

(1898) आ. 28 प. 6 आश्वासाः.

(2005) आ. 115 प. 10 आश्वासाः.

(3093) ग्र. 11–113 प. 1–5 ,,

(3094) ग्र. 40 प. 4–7 ,,

(B 762) आ. 76 प. 3 ,,

(629) आ. 7 प. असमग्रः.

(643) आ. 59 प. स्वयंकृतव्याख्यानसहितः.

यशोधरकाव्यं वादिराजकृतम्

(1017) क. 85–114 प.

यादवराघवीयकाव्यं नरहरिविरचितम्.

(4298) ग्र. 56 प.

यादवाभ्युदयं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1115) ग्र. 196 प.	अप्पयदीक्षितीयव्याख्यायुतम्	12	सर्गाः.
(A 174) आ. 288 प.	,,	13–14	,,
(1192) ग्र. 192 प.	,,	7	,,
(1193) ग्र. 143 प.	,,	8–14	,,
(1194) ग्र. 211 प.	,,	13–18	,,
(1195) ग्र. 212–311+38 प.	,,	19–24	,,
(3099) ग्र. 63 प.	,,	15–18	,,
(3856) ग्र. 108–164 प.	,,	10–15	,,

युधिष्ठिरविजयव्याख्या.

(509) आ. 279 प. चोक्कनाथकविकृता.

(3711) ग्र. 136–208 प. नित्यामृतविरचिता 6 आश्वासाः.

युद्धपञ्चाशिका वृत्तमणिश्रीनिवासाचार्यकृता.

(932) ग्र. 8–12 प.

रघुवंशकाव्यं काळिदासविरचितम्.

(564) ग्र. 137–266 प. मल्लिनाथकृतव्याख्यायुतम्. 5–18 सर्गाः

(1953) ना. 34–165 प. ,, द्वितीयसर्गतस्स-
मग्रा 81–90 पत्रलोपः.

(3913) आ. 95–148 + 160–213 प. ,, 8,11,14,19 सर्गाः

(3984) ना. 149 प. ,,

(3376) ग्र. 34 प. अरुणगिरिनाथकृतव्याख्यायुतम् 2 सर्गौ.

रघुवीरोदाहरणा वृत्तमणिश्रीनिवासाचार्यकृता.

(932) ग्र. 24–26 प.

रत्नसंग्रहः रघुनाथाचार्यः.

(C 1844) दे. 38 प. सव्याख्यः.

रम्भाशुकसंवादः.

(C 524) दे. 6–7 प.

(C 566) क. 4 प.

रसास्वादिनीपादुका कस्तूरिरङ्गाचार्यकृता.

(B 924) आ. 80 प.

राक्षसश्लोकव्याख्या वैद्यनाथीया.

(B 688) क. 15. प.

राघवपाण्डवीयकाव्यं द्विसंधानकविधनञ्जयकृतम्.

(A 532) क. 532 पु. नेमिचन्द्रटीकायुतं

राघवयादवीयम् वेङ्कटाध्वरिकृतम्.

(1991) ग्र. 29. प.

(195) ग्र. 2–22 प. सव्याख्यानम्.

(295) ग्र. 43 प. ,,

(1381) आ. 14 प. ,, प्रथमस्सर्गः.

राजशेखरचरितं. नवीनकाळिदासकृतम्.

(B 259) क. 74 प. प्रथमोल्लासः.

(2878) आ. 36 प. ,,

(1824) आ. 56 प.

राधाविनोदकाव्यं रामचन्द्रकृतम्.

(C 1089) दे. 6 प.

रामकथासुधोदयः श्रीशैलश्रीनिवासाचार्यकृतः.

(595) आ. 40प.

रामकृष्णविलोमकाव्यम्.

(1381) आ. 14 प. सूर्यकविकृतं असमग्रम्.

(C 1702) दे. 20 प. दैवज्ञपण्डितविरचितं समग्रम्.

रामगीतं वृत्तमणिश्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(932) ग्र. 35–37 प.

रामचन्द्रोदयकाव्यम्.

(2102) आ. 19 प. गोपालाचार्यकृतम् 1-7 सर्गाः.

(2200) आ. 58 प. गोपालरायकृतं सव्याख्यानम् 3 उच्छ्वासाः.

(2107) आ. 11-74 प. ,, ,, 2 ,,

(3962) आ. 6-152 प. ,, ,,

(1376) आ. 93 प. ,, 4 उच्छ्वासाः, पञ्चमोऽपूर्णः.

रामचरित्रकाव्यं रघुनाथाचार्यकृतम्.

(C 1703) दे. 20 प. 5 सर्गाः.

रामविलासकाव्यम्.

(3454) ग्र. 9 + 25 प. सव्याख्यम्. प्रथमसर्गः.

रामामृतं वेङ्कटरङ्गाचार्यकृतम्.

(2647) ग्र. 45 प.

रामायणसंग्रहः नारायणपण्डिताचार्यकृतः.

(C 830) दे. 222 प.

(C 1695–1698) दे. मूलमात्रम्.

(397) ना. 131 प.

(3460) ना. 123 प.

(1645) ना. 50 प. टीकायुतः असमग्रः.

(3479) ना. 48 प. नारायणपण्डितीया टिप्पणी.

(C 1708) दे. 305 प. श्रीनिवासाचार्यव्याख्या.5 काण्डाः

रुक्मिणीकल्याणकाव्यं रत्नखेटदीक्षितकृतम्.

(3311) ग्र. 27 प.

रुक्मिणीशविजयः वादिराजकृतः.

(1778) तु 69 प. 9 सर्गाः.

(1671) दे. 21 प. नारायणकृतव्याख्यायुतम्. 5—6 सर्गौ.

(1672) दे. 404 प, ,,

(1686) दे. 22 प. ,, सप्तमस्सर्गः,

(1787) दे. ,, 3, 5, 6, 8 सर्गाः.

(1918) दे. 221 प.

लक्ष्मीकाव्यं तिरुमलाचार्यकृतम्.

(3055) ग्र. 4–24 प. 4 सर्गाः.

लक्ष्मीसहस्रं. वेङ्कटाध्वरिकृतम्.

(1578) ग्र. 34—86 प.

(124) आ, 54—118 प. 23 स्तबकाः.

(1458) आ. 50 प. ,,

वर्धमानस्वामिकाव्यं. असगकृतम्.

(A 59) क. 42 प.

विक्रमार्कचरितम् (पद्यात्मकम्) हंसकविकृतम्.

(548) ग्र. 37—185 प.

(559) ग्र. 105 प. 24 कथाः.

(1230) ग्र. 150 प. द्राविडभाषा.

विज्ञानतरङ्गिणी रुद्रसिंहकृता.

(A 158) दे. 71 प.

विद्याधीशविजयः वादिराजकृतः.

(C 1678) दे. 84-129 प. सव्याख्यः.

विद्वन्मोदतरङ्गिणी चिरञ्जीविभट्टाचार्यकृता.

(C 787) दे. 42 प.

विश्वदेशिकविजयः लक्ष्मीनृसिंहशास्त्रिकृतः.

(C 743) आ. 8 प.

वीरोल्लासः भ्रुशुण्डिकविकृतः.

(908) ना. 3 प.

वेदान्ताचार्यचारित्रकाव्यं श्रीनिवासकविकृतम्.

(633) आ. 21 प.

वेदान्तचार्यचरित्ररत्नावळिः श्रीशैलार्यकृता.

(511) ग्र. 43 प.

(B 308) आ. 102 प.

वेदान्ताचार्यवैभवप्रकाशिका श्रीनिवासाचार्यकृता.

(637) आ. 8 प.

शङ्करविजयः आनन्दगिरिकृतः.

(C 510) आ. 57 प.

(2306) आ. 54 प.

शंकरविजयः. आनन्दगिरिकृतः.

(3387) ग्र. 32 प.

(3867) ग्र. 131 प.

शङ्करविजयविलासः चिद्विलासमुनीन्द्रकृतः.

(B 117) क. 194 प.

(C 510) आ. 29 प.

शङ्करविजयसङ्ग्रहः पुरुषोत्तमभारतीकृतः.

(C 510) आ. 3 प.

(B 230) क. 4 प.

(1644) ना. 2–13 प.

(3766) आ. 18 प. गुरुपरम्परा च.

शङ्कराभ्युदयः तिरुमलदीक्षितकृतः.

(301) आ. 51 प. 6 सर्गाः (अस

शष्पशतकं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(1871) आ. 7 प.

शान्ताविलासः.

(979) आ. 67 प. सुब्रह्मण्यसुधीकृतः सव्याख्यः 5 सर्गाः (अस.)

(3291) आ. 3 प. हरिदासकृतः.

शिवगीतिमालिका-चन्द्रशिखामणियतिः.

(3948) आ. 232–248 प.

शिवदयासहस्रं नृसिंहकविकृतम्.

(B 742) क. 176 प.

शिवपदकमलरेणुसहस्रं सुन्दरेश्वरगुरुशिष्यकृतम्.

(B 349) आ. 152 प.

(2805) आ. 55 प.

शिवलीलार्णवकाव्यं नीलकण्ठदीक्षितकृतम्.

(2814) ग्र. 90 प.

(3706) ग्र. 108 प.

शिशुपालवधः माघकविकृतः.

(535) ना. 38-100 प. 5 सर्गाः.

(558) क. 50 प. मल्लिनाथीयव्याख्या. 2-4 सर्गाः.

(1333) ग्र. 102 प. ,, 5 सर्गाः.

(1654) ना. 140-200 प. ,, 11-14 सर्गाः.

(1204) ग्र. 20+48 प. ,, 13-16 ,,

(1797) ना. 132 प. ,, 5-13 ,,

(2291) ग्र. 187 प. ,, 11 ,,

(C 1299) ना. 252 प. ,, 9 ,,

(3359) ग्र. 196 प. ,, ,, ,,

(3700) आ. 34+25 प. श्रीरङ्गदेवविरचिता व्याख्या 1-6,

(3701) आ. 29 प. ,, प्रथमस्सर्गः.

शुकसप्ततिकथा पद्यात्मिका.

(B 199) आ. 399 प.

(368) ना. 205 प.

(801) ग्र. 139 प.

(1794) ना. 41 प. 15 अध्यायाः.

शृङ्गारलहरी (लक्ष्मीशतकम्) वेङ्कटाचार्यकृता.

(629) आ. 24-30 प.

(1175) ग्र. 54-64 प.

(1215) आ. 5 प.

(1880) ग्र. 6 प.

शृङ्गारशतकं वृत्तमणिश्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(932) ग्र. 27-34 प.

(1880) ग्र. 7-10 प.

शृङ्गारसप्तशती.

(104) ग्र. 9 प. प्रथमशतकम्.

श्रवणानन्दं वेङ्कटाध्वरिकृतम्.

(629) आ. 6 प.

(406) आ. 12 प.

(1465) आ. 9 प.

श्रीपालचरितं भट्टारकश्रीसकलकीर्तिकृतम्.

(B 141) क. 117 प.

श्रीभाष्यकारचरितकाव्यं कौशिकवेङ्कटेश्वरकृतम्.

(1368) आ. 146 प.

श्रीशैलकुलवैभवः नृसिंहसूरिविरचितः.

(B 721) आ 91 प. 20 उल्लासाः.

(3917) ना. 63 प. ,,

श्लेषचूडामणिः श्रीनिवासकृतः.

(C 1128) आ. 9 प.

सरसभारती वादिराजविरचिता.

(C 1856) दे. 30 प.

सुदर्शनविजयकाव्यं (चक्रराजविजयं) सुन्दरबाहुकृतम्.

(1598) ग्र. 77 प.

सुप्रभातशतकं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(1880) ग्र. 18-21 प.

सतुबन्धकाव्यं (प्राकृतं) रामदासविरचितम्.

(C 1813) दे. 328 प. सव्याख्यम्.

स्वर्णमुक्तासंवादः.

(C 524) दे 15 प.

हंससन्देशः वेदान्ताचार्यकृतः.

(72) ग्र. 52 प. श्रीनिवासार्यटीकायुतः.

हरिविलासकाव्यम्,

(1820) दे. 37 प. 5 सर्गाः.

हरिश्चन्द्रोदयकाव्यं अनन्तसूरिकृतम्.

(B 323) आ 113 प. 20 सर्गाः समग्रम्.

(3) गद्यकाव्यम्.

कादम्बरी बाणभट्टकृता.

(570) आ. 126 प.

(1072) आ. 17-100 प. असमग्रा.

(B 297) क. 100 प. उत्तरकादम्बरीटीका असमग्रा.

(2008) ग्र. 111 प. प्रथमभागः.

(2161) ग्र. 130 प. ,,

(2162) आ. 125+31 प. ,,

(3209) ग्र. 158 प. ,,

(3288) आ. 96 प. ,,

(3788) म. 162 प.

(4088) ग्र. 110 प. उत्तरभा : टीका अर्जुनपण्डितविरचिता.

गद्यकर्णामृतं सकलविद्याचक्रवर्तिकृतम्.

(2857) आ. 68 प.

गद्यचिन्तामणिः वादीभसिंहकृतः.

(A 92) ना. 130 प.

(B 156) क. 171 प. 6 लम्बाः.

(A 483) क. 130 प.

भाषाकुसुममञ्जरी विश्वनाथकृता.

(896) क. 14 प.

(947) आ. 5 प.

भाषामञ्जरी त्रिकालज्ञकवीन्द्रकृता.

(B 50) क. 24 प.

(2499) ना. 20 प.

मुद्राराक्षसकथासारः.

(4156) ग्र. 2-19 प.

वासवदत्ता सुबन्धुकृता.

(549) ग्र. 16 प.

(1606) ग्र. 21 प.

(C 1093) दे. 36 प.

(570) आ. 28 प. सव्याख्या.

(1238) ग्र. 55 प. ,,

(1393) ग्र. 92 प. ,,

(1697) ग्र. 43 प. ,,

(C 1624) आ. 44 प. ,,

वेङ्कटेशचूर्णिका तिरुमलरायकृता.

(C 1285) दे. 27 प. वेङ्कटाध्वरिविरचितव्याख्यया युता.

शासनपूर्वापरलेखनक्रमः.

(666) ना. 55 प.

सुधाझरी वेंकामात्यकृता.

(A 415) आ. 110 प. पूर्वतरङ्गः.

(A 482) क. 197 प.

(4) चम्पूः.

अनिरुद्धचम्पूः साम्बशिवकृता.

(322) आ. 41 प.

अभिनवकादम्बरीचम्पूः अहोबिलनृसिंहकविकृता.

(A 60) क. 221 प.

अभिनवभारतचम्पूः.

(1884) आ. 143 प. श्रीकण्ठकविकृता. आदितः 12 स्तबके 43 श्लोकाः.

(3102) आ. 22+53–118 प. चन्द्रशेखरशास्त्रिविरचिता. 6 स्तबकाः.

आचार्यचम्पूः (वेदान्ताचार्यविजयः) परवस्तुवेदान्ताचार्यविरचिता.

(195) ग्र. 90 प.

(602) ग्र. 35 प.

(1280) आ. 44 प.

(1375) आ. 79 प.

(1406) आ. 60 प.

(1466) आ. 65 प.

(3643) ग्र. 66 प.

(4291) ग्र. 82 प.

(4292) ग्र. 69 प.

आञ्जनेयविजयचम्पूः नृसिंहकविकृता.

(2791) आ. 27 प.

आनन्दकन्दचम्पूः मित्रमिश्रविरचिता.

(C 1811) दे. 141 प.

इन्दिराभ्युदय चम्पूः रघुनाथसूरिकृता.

(72) ग्र. 33 प.

उत्तरचम्पूः.

(195) ग्र. 41 प. वेङ्कटाध्वरिकृता.

(551) ग्र. 63 प. ,,

(557) ग्र. 60 प. ,,

(1606) ग्र. 22 प. ,,

(1607) ग्र. 35 प. ,,

(2152) ग्र. 20 प. वेंकटकृष्णकृता.

(2607) ग्र. 30 प. ,,

(2823) ग्र. 33 प. ,,

(3940) ग्र. 20 प. ,,

(195) ग्र. 26 प. वीरराघवाचार्यकृता.

(292) ना. 30–70 प. ,,

(1263) ग्र. 20 प. ,,

(1509) ग्र. 35 प. ,,

(1772) ना. 77–108 प. ,,

(2423) आ. 24 प. ,,

(3059) ग्र. 29 प. ,,

कुशलवचम्पूः वेंकयसुधीकृता.

(B 562) आ. 64 प.

गङ्गावतरणचम्पूः नारायणसुधीकृता.

(648) आ. 34 प. 4 तरङ्गाः.

(1280) आ. 91–112 प. ,,

गोदापरिणयचम्पूः केशवनाथविरचिता.

(3150) ग्र. 16 प. 4. स्तबकाः

(3439) ग्र. 34 प.

गौरीपरिणयचम्पूः पिन्नवेङ्कटसूरिकृता

(C 768) आ. 3–23 प.

चिन्तामणिविजयचम्पूः शेषकविकृता.

(2839) ग्र. 45 प.

जप्येशोत्सवचम्पूः वेङ्कटसुब्बकविकृता

(2768) ग्र. 42 प.

जीवन्धरचम्पूः हरिश्चन्द्रकृता.

(65) क. 79 प.

(3998) क. 102 प.

ज्ञानाङ्कुरचम्पूः लक्ष्मीनृसिंहकविकृता.

(C 748) आ. 17 प.

तत्त्वगुणादर्शः अण्णयार्यकृतः.

(B 119) आ. 37 प.

(B 120) आ. 120 प. व्याख्यानम् (अत)

तत्त्वार्थदर्पणं अण्णयदीक्षितीयम्.

(1879) ग्र. 15 प.

त्रिविक्रमचम्पूः. सज्जयं गोपालाचार्यकृता.

(240) आ. 66–79 प.

(3651) ग्र. 15 प.

(4013) आ. 20 प.

दत्तात्रेयचम्पूः दत्तात्रेयप्रणीता.

(3475) आ. 36 प.

दमयन्तीकथाविवरणं चण्डपालकृतम्.

(C 1625) आ. 22 प.

(C 738) आ. 43 प. सव्याख्यम्. 4–7 उच्छ्वासाः.

दमयन्तीपरिणयचम्पूः चक्रकविकृता.

(B 908) आ. 75 प.

नलचम्पूः त्रिविक्रमभट्टविरचिता.

(C 751) आ. 20 प. प्रथमोच्छ्वासः.

नीलकण्ठविजयचम्पूः नीलकण्ठदीक्षितकृता.

(C 198) दे. 91 प.

(846) क. 90 प.

(1566) ना. 69 प.

(1627) ना. 65 प.

(1685) म. 138 प.

(1913) म. 54 प.

(2014) म. 59 प.

(4337) आ. 58 प.

पुरुदेवचम्पूः अर्हद्दासकृता.

(B 111) क. 186 प.

(B 539) क. 36 प.

(A 435) क. 214 पु.

(3986) क. 138 प.

बाणासुरविजयचम्पूः वेङ्कटाचार्यकृता.

(1865) आ. 50 प.

(A 434) क. 110 प.

ब्रंह्मोत्सवदीपिकाचम्पूः श्रीनिवासाचार्यकृता.

(1053) म. 179–202 प.

(1280) आ. 12 प.

(1866) म. 53 प.

भागवतचम्पूः अभिनवकाळिदासविरचिता.

(563) अ. 70 प.

(933) म. 17 प. असमग्रा.

(1377) म. 63 प.

(1399) आ. 70 प.

1790) ना. 43 प 5 उल्लासाः.

(1392) आ. 111 प अक्षयसूरिकृता व्याख्या.

(1512) आ. 30 प. ,, असमग्रा.

(1845) म. 88 प. ,,

(3367) ना. 105 प. ,,

(4255) आ. 66 प. ,,

(3012) म. 91 प. वीरराघवसूरिविरचिता. (मूलम्).

भारतचम्पूः अनन्तभट्टकृता.

(933) म. 12 प. असमग्रा.

(1280) आ. 58 प.

(1463) आ. 79 प.

(1502) म. 130 प.

(1512) आ. 42 प. असमग्रा.

(1612) म. 74 प.

(1631) आ. 166 प.

(1765) ना. 76 प.

भारतचम्पू: अनन्तभट्टकृता.

(1771) ना. 88 प.

(2009) ग्र. 124 प.

(3101) ग्र. 92 प.

(4287) ग्र. 100 प.

(C 1115) आ. 71 प.

(1130) आ. 227 प. नृसिंहकृता व्याख्या.

(1780) ना. 210 प. ,, 8 स्तबकाः.

(2290) ग्र. 217 प. ,,

(2929) ग्र. 270 प. ,,

(2011) ग्र. 231 प. ,, (अस)

(2012) ग्र. 101 प. ,, 7–12 स्तबकौ.

(3382) ग्र. 170 प. ,,

(C 1864) दे. 55 प. ,, 2 स्तबकाः.

भैष्मीपरिणयचम्पू: रत्नखेटदीक्षितकृता.

(1871) आ. 18 प.

(C 1269) दे. 20 प.

(3941) ग्र. 21–37 प.

(B 218) दे. 70 प. धरणीधरव्याख्यायुता. मूलकर्ता भट्टवेङ्कटेशः

मद्रकन्यापरिणयचम्पू: गङ्गाधरकविकृता.

(2907) ग्र. 87 प.

मीनाक्षीपरिणयचम्पू: आदिनारायणरचिता.

(2623) ग्र. 23 प. 3 उल्लासाः.

मुकुन्दचरितचम्पू: श्रीनिवासकविकृता.

(274) ग्र. 52 प. 7 स्तबकाः.

यतिराजचरित्रचम्पूः श्रीशैलाहोबिलसूरिकृता.

(143) आ. 110 प. 18 उल्लासाः 16–30 पत्रलोपः

(554) आ. 12–72 प. 16 उल्लासाः.

(605) ग्र. 16 प. प्रथमोल्लासः.

यतीन्द्रप्रवणप्रभावभद्रदीपः वकुळाभरणविराचितः.

(3650) ग्र. 30 प. 4 स्तबकाः.

यादवशेखरचम्पूः भाष्यकारसुधीः.

(A 370) क. 85 प. द्वितीयाश्वासतस्समग्रा.

रामकथासुधोदयः श्रीनिवासकृतः.

(3299) आ. 37 प.

रामाभिषेकचम्पूः देवराजदेशिककृता.

(329) ग्र. 68–115 प. युद्धकाण्डमात्रम्.

(3194) ग्र. 140 प.

रामायणचम्पूः भोजराजः.

(581) क. 11 प. बालकाण्डः.

(1070) आ. 56 प.

(1263) ग्र. 64 प.

(1370) आ. 58 प.

(1451) ग्र. 91 प.

(1499) ग्र. 71 प.

(1604) ग्र. 58 प.

(1638) आ. 68 प.

(1687) ग्र. 100 प.

(2013) ग्र. 83 प.

(4288) ग्र. 86 प.

रामायणचम्पूः भोजराजः.

(565) आ. 103–212 प. रामचन्द्रबुधकृता व्याख्या 3–4 काण्डौ.

(1630) आ. 61 + 56 प. ,, 1–2 ,, सुन्दरकाण्डश्च

रुक्मिणीपरिणयचम्पूः. अम्माळ्मनीषी.

(3863) ग्र. 48 प.

रुक्मिणीवल्लभपरिणयः. नृसिंहताताविरचितः.

(2413) आ. 49 प. 5 स्तबकाः.

रुक्मिणीशाविलासः शेषकविकृतः.

(C 1268) दे. 54 प.

वज्रमकुटीविलासः.

(2919) ग्र. 56 प. अलसिङ्गभट्टविरचितः.

(3663) ग्र. 47 प. योगानन्दकृतः.

वरदाभ्युदयचम्पूः वेङ्कटाध्वरिकृता.

(240) आ. 26 प.

विजयविजयचम्पूः वज्रकण्ठलक्ष्मीनृसिंहकविकृता.

(872) आ. 78 प.

विश्वगुणदर्शः वेङ्कटाध्वरिकृतः.

(547) ग्र. 41 प.

(561) ग्र. 35 प.

(1380) आ. 101 प.

(1628) क. 94 प.

(1629) आ. 24 प. असमग्रः.

(1704) ग्र. 87 प.

(1795) ना. 25 प.

(1986) ग्र. 76 प.

(4290) ग्र. 71 प.
(4336) ग्र. 47 प.

विश्वगुणादर्शदूषणसमर्थनम् (शिष्टभूषणम्)

(A 396) क्षा. 50 प. रामानुजाचार्यकृतम्.
(1987) ग्र. 23 प.

वीरभद्रविजयचम्पूः.

(2671) आ. 10 प. एकाम्रयज्वविरचिता 5 उल्लासाः.
(A 610) क. 93 प. ,, समग्रा.
(3385) ग्र. 39 प. मल्लिकार्जुनकविकृता.

शङ्करचम्पूः लक्ष्मीपतिविरचिता.

(3100) आ. 67 प. 4 काण्डाः.

शङ्करानन्दचम्पूः स्वयंभुनाथरामकृता.

(3527) ग्र. 85–148 प.

शिवचरितचम्पूः.

(3715) ग्र. 17 प. प्रथमाश्वासः.

श्रीकृष्णचम्पूः.

(3767) ग्र. 201–225 प. 8 आश्वासाः.

श्रीनिवासविलासचम्पूः वेङ्कटेशविरचिता.

(C 642) क. 138 प.
(C 643) आ. 14 प. उत्तरभागः.
(C 644) दे. 26 प. धरणिधरभूपतिकृता व्याख्या.
(C 645) क. 50 प. ,, पूर्वभागः.
(C 1296) क. 200 प.

सत्यसन्धचरितं (हरिश्चन्द्रचम्पूः) कल्गवल्लीकविकृता.

(1054) आ. 38 प.
(1062) आ. 38 प

समरपुङ्गवचम्पूः (यात्राप्रबन्धः) समरपुङ्गवकविकृता.

(3286) अ. 66 प.

(3396) ग्र. 190 प.

सीताविजयचम्पूः घण्टावतारकविकृता.

(2924) ग्र. 46 प.

हयवदनविजयचम्पूः वेङ्कटराघवकविकृता.

(770) आ. 46 प.

---

(४) नाटकम्.

अञ्जनापवनञ्जयनाटकं हस्तिमल्लकविकृतम्.

(B 250) क. 129 प.

अनङ्गजीवनभाणः आत्रेयवरदार्यकृतः.

(812) ग्र. 21 प.

(1608) ग्र. 31 प.

अनङ्गमङ्गळभाणः श्रीनिवासकृतः.

(3766) ग्र. 28 प.

अनर्घराघवं मुरारिमिश्रकृतम्.

(676) ग्र. 62 प.

(1066) आ. 61 प.

(1479) आ. 67 प.

(1510) ग्र. 81 प.

(1633) ना. 63 प. असमग्रम्.

(1690) ग्र. 60 प.

(2312) आ. 40 प.

(2824) आ. 62 प

(3544) आ. 61 प.

(4269) ग्र. 93 प.

(4329) ग्र. 124 प. समग्रम्.

(506) आ. 186 प. व्याख्या हरिहरदीक्षितकृता.

(306) आ. 106 प. ,,

(886) ग्र. 121 प. ,, 3 अङ्काः.

(C 288) आ. 106 प. ,, 6 ,,

(1789) ना. 42 प. ,,

(2128) आ. 159 प. ,,

(2542) आ. 95 प. ,,

(2552) ना. 113 प. ,,

(3751) ग्र. 153 प. ,,

(3975 आ. 25 प. ,,

(1903) ना. 158 प. विष्णुभट्टरचिता पञ्चिका मध्ये क्वचित्पत्रलोपः.

(2797) ग्र. 35 प. रामानन्दाश्रमीया इष्टार्थकल्पवल्ली (प्रस्तावना).

अमृतमथननाटकं वेंकटनाथार्यकृतम्.

(1178) आ. 24 प.

(1202) आ. 36 प.

(3045) ग्र. 27 प.

आञ्जनेयविजयनाटकं भाष्यकारकृतम

(2139) आ. 6 प.

उत्तररामचरितम् भवभूतिकृतम्.

(79) ग्र. 35 प.

(978) आ. 41 प.

(1043) आ. 34 प.

(1281) आ. 34 प.

(2106) आ. 35—68 प.

(2038) प्र. 62 प.

(3993) क. 21 प.

(4262) ना. 50 प.

(1235) ग्र. 71 प. अण्णावप्पय्यंगार्य टीकायुतम्.

(3078) ग्र. 89 प.

(2104) आ. 14 वेमभूपरचिता व्याख्या.

(1746) ग्र. 11 प. व्याख्या (लध्वी).

उद्धतवृकोदरप्रेक्षणिकं भागवत कृष्णप्पकृतम् .

(B 263) क. 43 प.

उन्मत्तराघवप्रेक्षणिकं भास्करकाविकृतम् .

(520) ना. 7 प.

(556) ग्र. 16 प.

(1497) ग्र. 6 प.

(B 621) आ. 9 प.

उषापरिणयः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(1900) आ. 14 प.

ऊर्वशीसार्वभौमेहामृगः वेंकयसुधीकृतः.

(2586) आ. 70–99 प.

(2773) ग्र. 119–149 प.

कमलिनीकलहंसं चूडामणिदीक्षितकृतम्.

1855) ग्र. 13 प. असमग्रम्.

कर्पूरमञ्जरी (सट्टयम) राजशेखरविरचिता

(860) ग्र. 21 प.

(885) ग्र. 56 प.

(1871) आ 20 प.

(3696) आ. 20 प.

(3905) आ. 46–68 प.

(B 181) दे. 47 प. टीका कृष्णसूनुकृता.

कल्पनाकल्पकनाटकं शेषगिरिकविकृतम्.

(811) ग्र. 57 प.

कल्याणपुरंजननाटकं वेंकटाचार्यकृतम्.

(1864) आ. 25 प. 2 अङ्कौ.

कामकलाविलासभाणः प्रधानिवेंकभूपतिकृतः.

(B 192) दे. 29 प.

(B 341) क. 45 प.

(2586) आ. 114–125 प.

कुक्षिंभरिभैक्षवप्रहसनं प्रधानवेंकभूपातिकृतम्.

(B 260) क. 44 प.

कुक्षिंभरप्रहसनम् वेंकटाचार्यकृतम्.

(B 192) दे. 29–56 प.

(B 342) क. 47 प.

(2773) ग्र. 33 प)

कुन्दमालानाटकं दिङ्नागाचार्यकृतम्.

(B 758) क. 67 प.

(2763) ग्र. 47 प.

कुहनाभैक्षवप्रहसनं तिरुमलनाथकृतम्.

(978) आ. 10 प.

(1881) आ. 26–38 प.

कृष्णभक्तिचन्द्रिका अनन्तभट्टः

(C 1125) दे. 23 प.

जनकजानन्दनाटकं नृसिंहकविकृतम्.

(2780) आ. 78 प.

जानकीपरिणयनाटकं रामभद्रदीक्षितकृतम्.

(1177) आ. 68 प.

(1482) आ. 43 प.

(1533) ना. 80 प.

(2823) ग्र. 34-126 प.

(C 1087) आ. 66 प.

(3696) आ. 70 प.

(4261) ना. 106 प.

(C 1796) दे. 83 प.

जीवन्मुक्तकल्याणनाटकं नल्लाध्वरिकृतम्.

(A 147) क. 35 प.

तरुणभूषणभाणः शठकोपकविकृतः

(1615) ग्र. 36 प.

धनञ्जयविजयव्यायोगः काञ्चनकविकृतः.

(240) आ. 96-105 प.

(322) आ. 8 प. असमग्रः.

(1393) ग्र. 94-107 प.

नरकासुरविजयव्यायोगः धर्ममनीषिकृतः.

(791) आ. 19 प.

(2740) आ. 13 प.

नलचरित्रनाटक नीलकण्ठदीक्षितकृतम्.

(C 750) आ. 33 प. 6 अङ्काः.

नलविलासनाटकम् अहोबिल्नृसिंह्मकविकृतम.

(A 62) क. 95 प.

पञ्चबाणविजयः वाधूलरङ्गाच र्यरचितः.

(1511) ग्र. 34 प.

(2740) ग्र. 13 प.

पञ्चायुधप्रपञ्चभाणः त्रिविक्रमशास्त्रिकृतः.

(B 137) आ. 49 प.

(C 1082) दे. 49 प.

पारिजातापहरणनाटकम्.

(4372) ना. 105 प. सव्याख्यानम्.

प्रद्युम्नानन्दनाटकं वेङ्कटाध्वरिकृतम् .

(C 262) ना. 52 प.

(C 263) नं. 13 प. असम.

प्रबोधचन्द्रोदयनाटकं कृष्णमिश्रकृतम.

(1093) आ. 27 प.

(C 361) दे. 32 प.

(1795) ना. 20 प.

(11) आ. 38 प. सुब्रह्मण्यसुधीकृता टीका.

(2605) ग्र. 80 प. गोविन्दामृतकृतटीका आभरणाख्या.

(2122) आ. 113 प. व्याख्या.

(2277) आ. 100 प. ,,

प्रसन्नराघवं जयदेवकृतम्.

(550) ग्र. 26 प.

(1067) आ. 42 प.

(1510) ग्र. 22 प.

(1602) ग्र. 37 प.

(1620) ग्र. 49 प.

(2020) ग्र. 59 प.

(4260) ना. 69 प.

प्राभावतनाटकं रघुनाथसूरिकृतम्.

(B 810) आ. 139 प.

प्रियदर्शिकानाटिका श्रीहर्षकृता.

(2486) ग्र. 29 प.

प्रौढाभिरामनाटकं वेङ्कटनाथार्यकृतम्.

(1178) ग्र. 44 प.

(1212) ग्र. 26 प.

मदनगोपालभाणः स्वयंभुनाथरामः.

(3527) ग्र. 149–165 प.

मदनमञ्जरीपरिणयभाणः वैद्यनाथविरचितः.

(3493) ग्र. 13 प.

मदनसाम्राज्यभाणः तञ्जापुरी भुजङ्गकविकृतः.

(155) क. 23 प. असमः

मल्लिकामारुतं उद्दण्डकविकृतम्.

(C 737) आ. 57 प.

महानाटकम्.

(A 122) क. 24 प. इम्मडि देवराजसंगृहीतम्.

(1076) ग्र. 92–113 प.

(1642) आ. 59 प.

(3507) ग्र. 47 पः हनूमद्विरचितम्.

महावीरचरितं भवभूतिकृतम्.

(2763) ग्र. 69 प.

महेन्द्रविजयडिमः प्रधानि वेङ्कभूपतिकृतः

(B 192) दे. 56–82 प.

(2773) ग्र. 34–63 प.

(B 351) क. 51 प.

मालतीमाधवं भवभूतिकृतम्.

(1053) ग्र. 132–178 प. 9 अङ्काः.

(C 261) ना. 22 प. 4 ,,

(2163) ना. 40 प.

(C 1088) आ. 38 प.

(59) ग्र. 88 प. कुमारगिरिराजीया टीका.

(3137) ग्र. 91 प. ,, 7 अङ्काः.

(1417) ग्र. 99 प. त्रिपुरारिकृता टीका.

माळविकाग्निमित्रं काळिदासकृतम्.

(1043) आ. 25 प.

(2015) ग्र. 34 प.

(3994) क. 19 प.

(4297) ग्र. 47 प.

(1488) ग्र. 23 प. श्रीकण्ठकृता टीका.

(2091) ग्र. 41 प. वेमभूपविरचितव्याख्या.

(4263) ग्र. 36 प. व्याख्या.

मीनाक्षीपारिणयनाटकं अण्णाशास्त्रिकृतम्.

(2617) ग्र. 61 प.

मुकुन्दानन्दभाणः काशीपतिकृतः.

(1530) आ. 46 प.

(927) ग्र. 15 प. असम.

(1472) आ. 29 प. ,,

(1787) ना. 28 प.

(2105) आ. 43 प.

(B 621) ना. 40 प.

(3906) आ 65 प.

(4300) म. 41 प.

(C 1798) दे 43 प.

मुद्राराक्षसनाटकं विशाखदत्तकृतम्.

(939) आ. 50 प.

(1067) आ. 54 प.

(1177) आ. 50 प.

(1454) आ. 48 प.

(2016) म. 62 प.

(2155) म. 31 प.

(2163) आ. 49 प.

(C 858) दे. 48 प.

(C 1106) आ. 68 प.

(4270) म. 59 प.

(4328) म. 37 प.

(C 1797) दे. 45 प.

(1454) आ. 26 प. धुण्डिराजकृता टीका.

(875) म. 30 प. ,,

(4271) म. 62 प. ,,

मैथिलीकल्याणनाटकं हस्तिमल्लकविकृतम्.

(A 123) क. 44 प.

यतिराजविजयनाटकम् वरदराजकविकृतम्.

(510) ग्र. 47 प.

(599) आ. 38 प.

ययातिचरितनाटकम् मैयात् रामाचार्यकृतम्.

(A 436) क. 219 प. 6 अङ्काः. असमग्रम्.

यादवराघवीयनाटकम्.

(4299) ग्र. 34 प.

रतिमन्मथनाटकं जगन्नाथकृतम्.

(2609) आ. 37 प.

(3655) ग्र. 54 प.

रत्नावळीनाटिका श्रीहर्षकृता.

(885) ग्र. 25 प.

(978) आ. 34 प.

(1524) आ. 22 प.

(1881) आ. 25 प.

(2486) ग्र. 40 प.

रसिकजीवनमानसोल्लासभाणः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(B 198) आ. 42 प.

रसोदारभाणः सुरपुरं अण्णयार्यकृतः.

(1281) आ. 35-54 प.

(1578) ग्र. 32 प.

रुक्मिणीस्वयंवराङ्कः प्रधानिवेङ्कभूपतिकृतः.

(B 192) दे. 125-136 प.

(B 360) क. 90-109 प.

(2586) आ. 152-156 प.

(2773) प्र. 107–118 प.

लक्ष्मीस्वयंवरसमवाकारः प्रधानिवेङ्कभूपतिकृतः.

(B 192) दे. 95–115 प.

(B 360) क. 30–70 प.

(2773) प्र. 69–95 प.

लम्बोदरप्रहसनम्.

(72) आ. 21 प. वेङ्कटेशकविकृतम्.

(2740) आ. 16 प. काळिदासकृतम्.

लवलीपरिणयनाटकं लक्ष्मीपतिकविकृतम्.

(B 282) क. 97 प.

लोकरञ्जनप्रहसनं श्रीनिवासाचार्यकविकृतम्.

(946) प्र. 7 प. असं.

(1196) आ 5 प ,,

वसन्ततिलकभाणः.

(520) ना. 18 प. भास्करकविकृतः.

(1259) प्र. 4–22 प. वात्स्यवरदाचार्यकृतः.

(1611) प्र. 33 प. ,,

(1661) ना. 16 प. ,,

(1805) आ. 21 प ,,

(3470) प्र. 29–51 प. ,,

(3647) प्र. 29 प. ,,

(4235) ना. 23 प. ,,

वासन्तिकापरिणयनाटकं शठकोपमुनिकृतम्.

(1454) आ. 28 प.

(3655) प्र. 51 प.

विक्रमोर्वशीयं काळिदासकृतम्.

(543) प्र. 47–59 प.

(1633) ना. 25 प.

(2010) म. 33 प.

(4265) प्र. 33 प.

(C 1097) आ. 30 प.

(2091) म. 38 प. वेमभूपकृता व्याख्या.

विक्रान्तकौरवनाटकं हस्तिमल्लकविकृतम्.

(B 295 क. 138 प.

विक्रान्तराघवीयव्यायोगः श्रीकृष्णकविकृतः.

(797) आ 17 प.

विद्यापरिणयनाटकम् आनन्दरायमखिकृतम्.

(3296) आ. 49 प.

(3880) म. 55 प. असमग्रम्.

विबुधदानवसमवाकारः प्रधानिवेंकभूपतिकृतः.

(2586) आ. 191–199 प.

वीरराघवीयव्यायोगः प्रधानिवेंकभूपतिकृतः.

(B 192) दे. 83-95 प.

(B 360) क. 29. प.

(2586) आ. 140–146 प.

वेणीसंहारनाटकं भट्टनारायणकृतम्.

(A63) क. 32 प.

(1181) आ. 49 प.

(1241) म. 64 प.

शाकुन्तलनाटकं काळिदासकृतम्.

(1043) आ. 44 प.

(1066) आ. 21 प. 5 अङ्काः

(1579) प्र. 64 प.

(2016) प्र. 53 प.

(2038 प्र. 63–130 प.

(2106) आ. 34 प.

(2824) आ. 46 प.

(4104) आ. 51–92 प.

(4264) प्र. 50 प.

(4266) प्र. 47 प.

(317) प्र. 52 प, वेमभूपालकृता टीका (कुमारगिरिराजीया)

(735) ना. 130 प. ,,

(787) आ. 51 प. ,,

(2104) आ. 72 प. ,,

(3866) प्र. 94 प. ,,

(1450) प्र. 121 प. वैखानसश्रीनिवासाचार्यकृता व्याख्या.

(3219) प्र. 84 प. ,,

(3767) प्र. 159–201 प. ,,

(3920) ना. 140 प. ,,

शारदातिलकभाणः.

(615) आ. 42 प. शङ्करकविकृतः.

(770) आ. 56 प. शेषगिरिकविकृतः.

शुकाभिपतननाटकं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(1196) प्र. 13 प. असमग्रम्.

शृङ्गारकोशः अभिनवकाळिदासकृतः

(3470) प्र. 11–28 प.

शृङ्गारतरङ्गिणी श्रीशैलवेंकटार्यकृता.

(124) आ. 14–53 प.

(590) आ. 30 प.

(939) आ. 50 प.

(1897) आ. 70 प.

(3045) प्र. 34 प.

(3905) आ. 45 प.

शृङ्गारतिलकभाणः रामभद्रकविः.

(2817) प्र. 31 प.

शृङ्गारभूषणभाणः वामनविरचितः.

(3470) प्र. 11 प.

शृङ्गारविलसितभाणः नारायणकविकृतः.

(B 261) क. 64 प.

शृङ्गारविलासभाणः साम्बाशिवकृतः.

(2232) आ. 48 प.

श्रीनिवासदयाविलासनाटकम्.

(1250) प्र. 60 प. असमग्रम्.

श्रीरङ्गनाथभाणः श्रीनिवासकविकृतः.

(597) ना. 20 प.

(3652) प्र. 25 प.

संकल्पसूर्योदयनाटकं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(723) प्र. 119 प.

(841) प्र. 73 प.

(1052) आ. 141 प.

(1191) प्र. 133 प.

(1410) प्र. 119 प.

(1688) प्र. 88 प.

(C 711) आ. 51 प.

(378) आ. 125 प. अहोबिलार्यकृता टीका 9 अङ्काः.

(2112) आ. 36–113 प. ,, 2-10 ,,

(1034) आ., प्र. 99 प. श्रीभाष्यनारायणसूरिकृता व्याख्या 7 अङ्काः

(2006) प्र. 143 प. श्रीनिवासार्यकृता व्याख्या.

(3428) प्र. 92 + 43 प. ,,

(C 1618) आ. 114 प. ,,

(2912) प्र. 134 प विवरणम्.

(3433) आ. 176 प. रङ्गसूरिरचिता व्याख्या. 2 अङ्कौ.

(A124) क. 126 प. व्याख्या.

(935) आ. 51 प. ,, 3 अङ्काः.

सट्टकं कृष्णाविरचितम्.

(4268) प्र. 33 प. सटीकम्. प्रथमभागः.

(4267) प्र. 36 प. ,, द्वितीयभागः.

सरसकविकुलानन्दभाणः रामचन्द्रकविकृतः

(545) आ. 29 प.

(1900) आ. 18 प.

(2858) आ. 29 प.

सारस्वतोल्लासभाणः वेंकटरामकविकृतः.

(B 262) क. 80 प.

साहितीसमुल्लासनाटकं मुद्दुवेंकार्यकृतम्.

(B 793) आ. 86 प.

सिद्धान्तभेरीनाटकं सुदर्शनार्यकृतत्.

(B 402) आ. 28 प; 2 अङ्कौ.

सीताकल्याणवीधी प्रधानिवेंकभूपातिकृता.

(B 192) दे. 115–125 प.

(2773) म. 95–106 प.

(2586) आ. 33–40 + 147–151 प. 2 प्रती.

(B 360) क. 70–90 प.

सुभद्रानाटकं हस्तिमल्लकृतम्.

(3999) क. 48 प.

सुभद्रापरिणयनाटकं सुधीन्द्रकृतम्.

(2137) आ. 100 प.

(2585) ना. 85+49—76 प.

सेवान्तिकापरिणयनाटकं चोक्कनाथकविकृतम्.

(381) ना. 72 प.
(1636) आ. 70 प.
(1661) ना. 38 प.

सोमवल्लीयोगानन्दप्रहसनं अरुणगिरिनाथकृतम्.

(2155) म. 9 प.

हनुमन्नाटकम्.

(C 1326) आ. 27 प. 5 अङ्काः.

हरिश्चन्द्रनाटकं प्राभाकरश्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(1213) म. 33 प.

---

(5) सुभाषितम्.

अन्यापदेशशतकम्.

(C 467) क. 9 प. जगन्नाथविरचितम् 60 श्लोकाः.

(927) म. 4 प. ,,

(C 786) आ. 25–37 प. जगन्नाथकृतम्.

(1880) प्र. 13–18 प. श्रीनिवासविरचितम्

अन्योक्तिमालिका.

(C 523) दे. 15 प.

(B 394) आ. 20 प.

अन्योक्तिसंग्रहः.

(4237 आ. 185–223 प.

कविकर्णभूषणम्.

(2956) आ. 5 प.

कविकौमुदी लक्ष्मीनृसिंहकविकृता.

(C 785) आ. 24 प.

(2780 आ. 9 प. असमग्रा.

चाटुश्लोकसंग्रहः.

(18) ना. 3 + 2 प.

(666) ना. 4 प.

(976) आ. 19 प.

(1388) आ. 11 प.

प्रश्नोत्तरसुभाषितम् श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(2869) आ. 3 प.

प्रसंगरत्नावळिः.

(2745) आ. 58 प.

प्रस्तावसुधाम्बुधिः श्रीनिवासविरचितः.

(2869) आ. 8 प.

भर्तृहरिसुभाषितम् भर्तृहरिकृतम्.

(547) प्र. 2-36 प.

(582) ग्र. 45-78 प.

(946) आ. 12 प.

(1642) आ. 60-93 प.

(1635) ना. 66 प. सव्याख्यानम्. असमग्रम्

(1768) क. 93-154+45 प. (शृङ्गारवैराग्यशतके) कर्णाटकटीका.

(3870) ग्र. 83 प. सव्याख्यानम्.

श्रवणनन्दम् वेङ्कटाध्वरिविरचितम्.

(3129) ग्र. 9 प.

सज्जनचित्तवल्लभः.

(896) क. 23-29 प.

सुभाषितकौस्तुभः वेङ्कटाध्वरिकृतः.

(593) आ. 8 प.

(629) आ. 6 प.

(3129) ग्र. 8 प.

सुभाषितनीवी वेदान्ताचार्यकृता.

(553) ग्र. 25-35 प. असमग्रम्.

(1175) ग्र. 13 प.

(629) आ. 6 प. ,,

(3147) ग्र. 16 प.

(1201) ग्र. 69 प. सव्याख्या 12 पद्धतयः.

(B 763) आ. 66 प. ,,

सुभाषितरत्नसंदोहः अमितगतिकृतः.

(B 47) आ. 87 प.

सुभाषितसंग्रहः.

(267) ना. 35—42 प.

(831) ग्र. 108 प.

(896) क. 28+13+15 प.

(897) आ. 11 प.

(905) ना. 34 तमंपत्रम्.

(946) ग्र. 24 प.

(1196) क. 5 प.

(2638) ग्र 104 प.

(3188) ग्र. 26+84+29 प.

(3192) ग्र. 46 प.

(3784) आ. 64 प.

(3990) आ. 20+34 प.

(4365) ना. 54 प. सव्याख्यः.

(B 800) दे. 15 प.

(C 1112) दे. 42 प.

सुभाषितसुधानिधिः सायणाचार्यसंगृहीतः.

(454) ग्र. 141–245 प. 152–192 पत्रलोपः.

(2542) क. 46 प.

(B 48) आ. 77 प. (दशावतारपद्धतिः.)

(1827) आ. 53 प. (संग्रहः)

सुभाषितसुरद्रुमः बसवभूपसंगृहीतः.

(2583) आः 166 प. प्रथमस्कन्धः असमग्रः.

(2785) आ. 169 प. द्वितयस्कन्धः.

(A 581) क. 170 प. ,,

(2672) ना. 185—294+170 प. तृतीयस्कन्धः.

(A 582) क. ,,

(2554) क. 25—54 प. स्त्रीवर्णनकुसुमम् .

सूक्तिमुक्तावळिः अरोहकभगदत्तजल्हणदेवसंगृहीता.

(B 325 क. 13 प. अस.

(196) ग्र. 185 प.

(1740) ग्र. 128 प.

(1828) ग्र. 146 प.

(2542) आ. 97 प.

(B 540) क. 13 प. (संग्रहः)

(C 782) आ. 16 प. ,,

(1827) आ. 54—74 प. ,,

(896) क. 23 प. सोमप्रभाचार्यकृता. 95 श्लोकाः.

सूक्तिसुधाकरः भैरवसेनसंगृहीतः.

(A 433) क. 60 पु.

---

(६) नीतिग्रन्थः.

चाणक्यनीतिसूत्रम्.

(B 299) क. 12 प.

विदुरनीतिः सव्याख्या.

(C 1847) दे. 43 प.

वृद्धचाणक्यम्.

(1794) दे. 26 प समग्रम्.

नीतिप्रकाशिका (धनुर्वेदः.)

(C 334) आ. 72 प. सीतारामशास्त्रीयव्याख्यायुता.

नीतिशतकम्.

(629) आ. 10 प. श्रीशैलश्रीनिवासाचार्यविरचितम्.

(1880) ग्र. 11—13 प. वेङ्कटाचार्यविरचितम्.

नीतिसप्ततिः.

(629) आ. 5 प. 60 श्लोकाः.

---

(7) कथाग्रन्थः.

कथासरित्सागरः

(C 1896) दे. 57 प. (रत्नप्रभालम्बकः.

पञ्चतन्त्रम् विष्णुशर्मविरचितम्.

(1265) ग्र. 38 प. संग्रहः.

(1712) ग्र. 63 प. ,,

(3451) म. 107 प. ,,

(3698) ग्र. 32 प.

(3785) आ. 60 प. ,,

(3967) आ. 45 प. ,,

(C 1839) दे 49 प. ,,

पुरुषार्थपरीक्षा विद्यापतिविरचिता.

(C 1933) दे. 64 प.

भोजचरित्रम्.

(946) ग्र. 48 प.

(1232) ग्र. 66. प.

(1545) ना. 55 प.

विक्रमार्कचरितम् (सिंहासनद्वात्रिंशिका) नन्दीशयाज्ञिककृता.

(946) आ. 22. प.

(C 1292) दे. 111 प. (बत्तीसपुत्थळीकथा) 20 कथाः.

शुकसप्ततिकथा (कथाकोशः.)

(3003) ना. 248 प.

3752) ग्र. 105 प.

(3903) ग्र. 98 प. 24 कथा:

(4306) ना. 130 प.

हितोपदेशः.

(C 498) क. 24 प.

VII. छन्दश्शास्त्रम्.

अष्टाध्यायी (शतश्लोकी) आग्नेयपुराणम्.

(C 136) दे. 7 प.

गणाष्टकव्याख्या.

(A 487) क. 27 प.

छन्दःकौस्तुभः राधादामोदररचितः.

(C 1809) दे. 28 प. विद्याभूषणव्याख्यायुतः.

छन्दस्सुधा.

(B 843) आ. 44 पु.

छन्दोव्याख्यासारः कृष्णभट्टकृतः

(C 922) दे. 33 प.

पिङ्गलछन्दस्सूत्रं पिङ्गलनागकृतम्.

(C 135) दे 8 प.

(C 481) दे 6 प.

(10) आ. 26 प. वृत्तिः हलायुधप्रणीता (4 अध्या)

(C 481) दे. 66 प. ,,

(2875) आ. 25 प. ,, (6 अध्या)

(B 107) आ. 160 प. यादवप्रकाशकृतं छन्दोविचितिभाष्यम्.

(1253) आ. 34 प. ,, असमग्रम्.

रत्नमञ्जूषा (छन्दोविचितिभाष्यम्)

(871) क. 31 प. जैनानां छन्दोग्रन्थः.

(1025) क. 23 प. ,,

वृत्तकारिका नारायणपुरोहितकृता.

(336) ग्र. 26–43 प.

वृत्तचिन्तारत्नं शान्तराजपण्डितकृतम्.

(A 437) क. 221 प. देवचन्द्रपाण्डितटीकायुतम्.

वृत्तदर्पणं भीष्मचन्द्रविरचितम्.

(C 1808) दे. 18 प.

वृत्तमणिकोशः.

(C 1436) दे. 9 प.

वृत्तमणिमाला श्रीनिवासार्यकृता.

(C 709) आ. 6 प.

वृत्तरत्नाकरः केदारान्तर्वाणिकृतः.

(867) क. 42—52 प.

(1342) आ. 6 प.

(1515) ग्र. 19 प.

(336) ग्र. 25 प. मणिमञ्जरी नारायणपुरोहितकृता टीका.

(1805) आ: 45 प. धीशोधिनीव्याख्या श्रीनाथकृता.

(2082) आ. 60 प. ,,

(4327) ग्र. 36 प. ,,

(C 789) आ: 70 प: ,,

वृत्तरत्नावळी कृष्णराजकृता.

(A 248) दे. 56

(B 519) क. 203. प.

श्रुतबोधः कालिदासकृतः.

(B 49) क. 6 प.

(146) क. 20—28 प.

(867) क. 39—42 प. अजितसेनाचार्यकृतः.

षडध्यायी गरुडपुराणम्.

(C 176) दे. 6 प.

(VIII) अलङ्कारशास्त्रम्.

अलंकारकौमुदी.

(3326) ना. 45—100 प. अस.

अलंकारकौस्तुभः श्रीशैलवेङ्कटाचार्यकृतः.

(272) ग्र. 6 प. अस.

(356) आ. 21 प.

(1422) आ. 46 प.

(1811) आ. 30 प.

(2421) आ. 37 प.

(C 456) आ. 25 प.

अलंकारचिन्तामणिः अजितसेनाचार्यकृतः.

(3808) क. 115 प.

(A 64) क. 206 प. सव्याख्यानः.

अलंकारचूडामणिः (काव्यानुशासनम्) आचार्यहेमचन्द्रकृतः.

(992) ना. 184—188 प.

अलंकारतिलकम्.

(A 196) ग्र. 24 प. भानुदत्तकृतम्.

(2223) आ. 11 प. रुद्रटकृतम्.

अलंकारदर्पणम्.

(4039) आ. 12 प.

अलंकारनिकषः अर्थालंकारसंग्रहः.

(507) ग्र. 151 प. अस.

अलंकारमणिदर्पणं प्रधानित्रैंकभूपातिकृतम्.

(2570) आ. 228 प.

(625) आ. 49 + 39 प. काव्यध्वनिरस प्रकरणानि.

(2059) आ. 46 प. प्रथमं काव्यस्वरूपानिरूपणप्रकरणम्.

(B 558) आ. 355 प. शब्दार्थालंकारप्रकरणे.

C (1256) आ. 25 + 122 प.

अलंकारमुक्तावळिः विश्वेश्वरविरचिता.

(C 1159) दे. 27 प.

अलंकारलक्षणम्.

(625) आ. 23 प.

(C 1188) ग्र. 8 प.

अलंकारराघवं यज्ञेश्वरदीक्षितकृतम्.

(736) आ. 62 प. आक्षेपालंकारपर्यन्तम्.

अलंकारशिरोभूषणम् कन्दाळयार्यकृतम्.

(644) आ. 41 प.

(781) आ. 16 + 22 प.

(1780) आ. 23 पा. 9—10 उल्लासौ.

अलंकारसंग्रहः अमृतानन्दयोगिविरचितः.

(A 479) क, 68 पु.

(B 162) आ. 13 प. 2 परिच्छेदौ.

(2767) आ.137 प, 9 परिच्छेदाः.

(1197) आ. 24 प. अस.

अलंकारसर्वस्वम्.

(3311) आ. 19 प. असमग्रम्.

(2223) आ. 25 प. विद्याचक्रवर्तिकृता टीका.

(B 720) क. 25 प. ,,

अलंकारसारः नृसिंहविरचितः.

(C 704) आ. 17 प.

अलंकारसुधानिधिः सायणाचार्यविरचितः.

(826) ग्र. 102 प.

(2223) आ. 34 प.

(B 718) क. 137 प.

(A 615) आ. 459 प. 2 उन्मेषौ.

उत्प्रेक्षामञ्जरी वरदाचार्यविरचिता.

(2023) ग्र. 15-24 प.

एकावळिः उमामहेश्वरविद्याधरविरचिता.

(A 96) आ. 28 प.

(A 480) क. 91 पु. 5 उन्मेषाः.

(B 354) आ. 176 पु. 6 ,,

कङ्कणबन्धः सुदर्शनाचार्यकृतः.

(B 401) आ. 30 प.

कविकल्पलता वाग्भटनन्दनदेवेश्वरः.

(2956) आ. 20 प. अस.

(3875) ग्र. 84+13 प.

काकताळवादार्थः शम्भुदासकृतः.

(B 740) आ. 18 प.

काव्यदर्पणं चूडामणिदीक्षितकृतम्.

(1526) ग्र. 326 प.

(1859) ग्र. 286 प.

(2934) ग्र. 154 प. 7–9 उल्लासाः.

काव्यप्रकाशः मम्मटभट्टकृतः.

(369) आ. 144–168 प.

काव्यप्रकाशटीका.

(A 149) क. 202 प. विस्तारिका. परमानन्दचक्रवर्तिकृता.

(369) आ. 169–201 प. भास्करमिश्रकृता 9 उल्लासाः.

(3302) आ. 77 प. ,, 4-10 ,,

(C 518) ना. 44 प. जयरामकृता 3 ,,

(B 407) आ. 471 प. मधुमती रविपाणिकृता.

(C 891) दे. 33 प. सरस्वतीतीर्थीया 5 उल्लासाः.

(C 1166) आ. 12 प. रघुदेवन्यायालङ्कारकृता कारिकाव्याख्या.

(C 1931) दे. 121 प. उदाहरणचन्द्रिका. वैद्यनाथीया.

काव्यप्रकाशिका भास्करमिश्रकृता.

(340) आ. 64 प. व्याजोक्त्यलङ्कारपर्यन्ता.

काव्यप्रदीपोद्योतः.

(A 217) क, दे. 169 प.

काव्यसारसंग्रहः.

(3459) ग्र. 89 प.

काव्यसारसंग्रहत्रयम् श्रीनिवासकृतम्.

(2842) ग्र. 98 प.

(3339) ग्र. 141 प.

काव्यादर्शव्याख्या.

(3518) आ. 35–80 प.

(51) ना. 38 प. शब्दालङ्कारे यमकप्रकरणान्ता.

काव्यालंकारः भामहकृतः.

(A 481) क. 43 पु.

काव्यालंकारकामधेनुः गोपेन्द्रतिप्पभूपकृता.

(477) ग्र. 86 प. वामनलंकारवृत्तिव्याख्या.

(3629) ग्र. 61 प.

कुवलयानन्दः अप्पयदीक्षितकृतः.

(1637) ना. 19+45 प,

(1741) ग्र. 96 प.

(1919) आ. 74 प.

(4301) ग्र, 43 प.

(C 663) ना. 89 प.

(C 1101) दे. 75 प.

(B 361) आ. प. टीका रसिकरञ्जिनी.

कुवलयानन्दचन्द्रिका वैद्यनाथदीक्षितकृता.

(1288) आ. 134 प.

(1373) ग्र. 81 प.

(1811) आ. 57 प.

(C 993) आ. 79 प.

(C 932) आ. 114 प.

कृष्णराजकलोदयः अनन्ताचार्यकृतः.

(869) ग्र. 50 प. अस.

चन्द्रालोकटिप्पणी. जयदेवकृतचन्द्रालोकस्य व्याख्या.

(1665) ना. 99–133 प. 5 मयूखाः.

(3554) ग्र. 114 प. वेंकटसूरिविरचिता.

चित्रकवित्वादिलक्षणम्.

(905) ना. 66-67+107-111 प.

चित्रमञ्जरी रङ्गनाथरचिता.

(3768) ग्र. 21 + 10 प.

चित्रमीमांसा अप्पयदीक्षितकृता.

(391) आ. 59 प.

(781) आ. 44 प.

(1080) ग्र. 57 प.

(1641) आ. 26 प.

(3212) ग्र, 66-130 प.

(4349) ना. 64 प.

(C 994) आ. 23 प.

चित्रमीमांसाखण्डनं जगन्नाथपण्डितकृतम्.

(781) आ. 15 प.

चित्ररत्नाकरः चक्रकविकृतः.

(C 621) दे. 13 प. 4 परिच्छेदाः.

(B 771) ना. 21 प.

दशरूपकालोकः (दशरूपकव्याख्या) धनिककृतः.

(1164) ग्र. 135 प.

(3301) आ. 59 प. 4 परिच्छेदाः.

(4302) ग्र. 132-220 प.

नञ्जराजयशोभूषणं नृसिंहकविकृतम्.

(362) ग्र. 99 प. अस.

(467) आ. 75 प. ,,

(512) ग्र. 132 प.

(1242) ग्र. 90 प.

(3364) ग्र. 134 प.

(3764) ग्र. 132 प.

(3904) आ. 110 प.

(4019) आ 78 प.

(4381) आ. 71 प.

प्रतापरुद्रयशोभूषणं विद्यानाथविरचितम्.

(C 260) ना. 29 प.

(542) ग्र. 31 प.

(1190) आ 22 प.

(1523) ग्र. 98 प,

(2007) ग्र. 127 प.

(C 1096) आ. 132 प.

(1775) ना. 145 प.

(3931) आ. 110 प.

(4303)ग्र. 32-163 प.

(34) आ. 115 प. व्याख्या रत्नापणाख्या कुमारस्वामिसोमपीथिकृता.

(992) आ. 183 प.

(1761) ना. 199 प.

(3103) ग्र. 57 प. 3 प्रक.

(3283) ग्र. 161 प.

प्रश्नाभिन्नोत्तरम् श्रीनिवासविरचितम्

(3649) ग्र. 7 प.

भावप्रकाशः शारदातनयविरचितः

(3846) ग्र. 138 प.

रघुनाथभूपालीयम् कृष्णयज्वकृतम्.

(1665) ना. 84 प.

(2779) ग्र. 45 प.

(2779) ग्र. 29 प. सुधीन्द्रविरचितव्याख्या.

रसगङ्गाधरः जगन्नाथपण्डितविरचितः.

(1435) आ. 196 प. सामान्यालङ्कारसमाप्तिपर्यन्तः.

(C 1293) दे. 257 प.

(4011) आ. 140 प. अस. 8—33 पत्राणि लुप्तानि.

रसतरङ्गिणी.

(456) ग्र. 25 प. भानुदत्तविरचिता.

(1090) दे. 42 प. ,,

(456) ग्र. 126 प. व्याख्या नौका. गङ्गारामजटिकृता.

(C1158) दे. 162 प. ,, ,,

(304) आ. 36 प. रामानन्दकृता (मूलम्.)

रसप्रकरणलक्षणसंग्रहः

(992) आ. 189—194 प.

रसमञ्जरी भानुदत्तकृता.

(1268) ग्र. 32 प.

(1342) ग्र .26 प.

(1393) ग्र. 108—128 प.

(C741)दे. 61 प.व्याख्या नागेशभट्टकृता.

(2348) ग्र. 132 प. अनन्तपण्डितकृता व्यङ्ग्यार्थकौमुदी.

(2835) ग्र.70 प. गोपालसूरिकृता रसिकरञ्जिनी.

(2925) ग्र. 44 प. ,,

(C1892) दे. 51—112 प. ,,

(4051) ग्र. 62 प. व्याख्या गोपालसूरिकृता रसिकरञ्जनी.

(3297) आ. 52 प. ,, आमोदः गुरुशायिपण्डितकृता. प्रथमं प्रकरणम्.

(C 1897) दे. 29 प ,,

(3437) आ. 135 प. ,, आमोदः रङ्गसूरिकृतः अस.

रसार्णवसुधाकरः (सिङ्गभूपालीयम्) सिङ्गभूपालकृतः.

(B 325) क. 145 प.

(2827) ग्र. 77 प. नृसिंहभूपविरचितः.

रसिकरसायनं भामहरचितम्.

(4080) ग्र. 61 प. समग्रम्.

लक्ष्यलक्षणमालिका नृसिंहकृता.

(B 400) आ. 14 प.

विदग्धमुखमण्डनं धर्मदासकृतम्.

(1402) आ. 9 प. अस.

(1856) ग्र. 31 प. ,,

(769) आ. 106 प. कविसुतकृतटीकायुतम्.

(B 201) दे. 128 प. ताराभिधकविकृता टीका.

व्यक्तिविवेकः राजानकमहिमभट्टकृतः.

(A 203) ग्र. 64 प.

व्युत्पत्तिदीपिका वेङ्कटेशविरचिता.

(3680) क. 89 प.

शठवैरिवैभवप्रभाकरः मरिगण्टि नृसिंहाचार्यरचितः.

(B 781) आ. 134 प.

(C 1778) आ. 45 प.

शृङ्गारतिलकं रुद्रटविरचितम्.

(B 719) क. 48 प.

(C 1833) दे. 85 प. सव्याख्यानम्.

श्रृङ्गारमञ्जरी रायाख्यजैनभूपकृता.

(B 49) क 6 प.

(146) क. 20 प. सकर्णाटटीका.

श्रीशाहभूपालङ्कारः लक्ष्मणकविकृतः.

(A 143) दे. 46 प.

सदलंकारसंग्रहः श्रीनिवासार्यकृतः,

(625) आ. 42 प.

समस्यादिसंग्रहः.

(2864) आ. 37 प.

सरस्वतीकण्ठाभरणं भोजदेवकृतम्.

(1867) ग्र. 100 प. 4 परिच्छेदाः.

साहित्यचिन्तामणिः वीरनारायणविरचित.

(3221) ग्र. 200 प. 13 परिच्छेदाः.

साहित्यरत्नाकरः धर्मसूरिकृतः.

(1853) दे. 90 प.

(2130) आ. 93 प.

(3044) आ. 81 प.

साहित्यसरणिः.

(2869) आ. 17 प. सव्याख्या.

साहित्यसारः अच्युतशर्मकृतः.

(C 446) आ. 54 प. (3 रत्नानि.) अस.

IX शिल्पशास्त्रम्.

मयमतं मयकृतम्.

(763) क. 136 प. 25 अध्यायाः. सान्ध्रटीकम्.

(763) क. 16 प. अस.

(2986) आ. 178 प.

(A 27) क. 162 प.

वास्तुसारसंग्रहः गणपय्यकृतः.

(1892) आ. 64 प. (आन्ध्रभाषा)

सर्वाधिकारः अगस्त्यप्रोक्तः.

(763) क. 144–165 प. 3 अध्यायाः.

(2986) आ. 179–244 प. सान्ध्रटीकः.

X रत्नशास्त्रम्.

मणिलक्षणं अगस्त्यसंहिता.

(C 537) आ. 11 प.

(18) ना. 6 प.

XI अर्थशास्त्रम्.

अर्थशास्त्रं (कौटिलीयम्) चाणक्यकृतम्.

(A 154) आ. 287 प. 100 अध्यायाः.

(3230) ग्र. 168 प.

(A 207) आ· 121 प. टीका भट्टस्वामिकृता प्रतिपदपञ्चिका 2 अध्यायौ

(3231) ग्र. 120 प. ,, ,, ,,

सोमदेवनीतिः सोमदेवः.

(A 616) क. 272 प. असमग्रा.

XII कामशास्त्रम्.

अनङ्गरङ्गः कल्याणमल्लकृतः.

C 888) दे. 23 प.

(B 748) क. 12 प. 8 तरङ्गाः.

(3019) ग्र. 16 प.

कामसूत्रं वात्स्यायनकृतम्.

(1798) क. 6 प. अस.

(1662) ग्र.210 + 74 प. यशोधरकृतजयमङ्गलाव्याख्यायुतम्.

(3018) क. 189 प. ,,

(4092) ग्र. 204 प. ,,

(A 274) आ. 112 प. नृसिंहशास्त्रिकृता व्याख्या प्रथमभागः

A 316) क. 113–234 प. ,, द्वितियभागः

तृतीयपुरुषार्थसाधकसरणिः.

(2364) ग्र. 23 प.

रतिरत्नप्रदीपिका.

(236) ग्र. 19 प. इम्मडिदेवरायकृता.

(C 531) क. 51. प. ,,

(1878) आ 12 प. नन्दिकेश्वरकृता. सप्ताध्यायाः.

रतिरहस्यं कोक्कोककविकृतम्.

(1030) ग्र. 28 प.

(822) ना. 16 प. 3 परिच्छेदाः.

(1610) ग्र. 14 प. 4 ,,

(1878) आ. 13–34 प.

(3800) ग्र. 56 प.

(973) आ. 27 प. काशीनाथकृतटीकायुतम्.

(1374) आ. 63 प. ,, 6 परिच्छेदाः.

(1030) ग्र. 28–80 प. ,, 9 ,,

(941) ग्र. 76 प. ,,

(4161) ग्र. 127 प. ,, समग्रम्.

(B854) ग्र. 140 पु. ,, पूर्वार्धम्.

रतिसारः माधवदेवविरचितः.

(3223) ग्र. 26 प. असमग्रः.

शृङ्गारबन्धदीपिका हरिहरकृता.

(1280) आ. 5 प.

(2880) ना. 17 प.

(4014) आ. 21 प.

सम्भोगाध्यायः सटीकः.

(903) ना. 2 प.

XIII भरतशास्त्रम्.

अभिनयदर्पणं (नाट्यप्रशंसा).

(C 287) दे. 34 प.

अभिनयप्रकरणं (शिवतत्त्वरत्नाकरान्तर्गतम्.

(24) ना. 11 प.

अभिनयमुकुरः

(B 116) क. 14 प.

अभिनयलक्षणम्.

(3494) आ. 99 प.

(3809) आ. 253 प.

(4121) प्र. 14 प.

अभिनवभरतसारसंग्रहः मुम्माडिचिक्कभूपकृतः.

(A 65) क. 211 प.

आदिभरतम् भरताचार्यकृतम्.

(472) आ. 85 प. असम.

(481) प्र. 83 प. ,,

(343) ना. 4 प. तालादिलक्षणम्.

(1298) क. 155 प. सान्ध्रटीकम्. असमग्रम्.

नाट्यशास्त्रम् भरतमुनिविरचितम्.

(2555) क. 120 प.

भरतसारसंग्रहः चन्द्रशेखरकृतः.

(A 66) क. 77 प.

(A 69) क. 45 प.

भरतार्णवः नन्दिकेश्वरप्रोक्तः.

(3809) आ. 253 प.

सङ्गीतचूडामणिः हरिपालमहीपतिकृतः

(105) आ. 56 प. कर्णाटान्ध्रभाषाटीकायुतः.

सङ्गीतदर्पणम् (दामोदरः) दामोदररचितः

(2847) क. 79 प. 1–5 अध्यायाः.

संगीतपद्यावळिः (34 अध्यायाः)

(1936) आ. 186 प. आन्ध्रभाषा.

(4236) आ. 100 प. आन्ध्रभाषा

संगीतमकरन्दः वेदनामककविकृतः.

(A 141) दे. 27 प. नृत्ताध्यायसमाप्तिः.

संगीतरत्नाकरव्याख्या.

(1379) आ. 60 प. नृत्ताध्यायप्रभृति लघुप्रस्तारपर्यन्ता.

संगीतलक्षणम्.

(1102) आ. 26–31 प.

संगीतलक्षणदीपिका गौरणार्यकृता.

(832) ना. 11 प.

संगीतसारसंग्रहः पार्श्वदेवकृतः.

(A 67) क. 96 प.

सदाशिवभरतम्.

(B 941) क. 58 प. असमग्रम्.

स्वरप्रस्तारः.

(B 115) क. 12 प.

स्वरमेळकलानिधिः रामामात्यरचितः.

(A 68) क. 7 प. उपोद्घातप्रकरणम्.

(3278) आ. 47 प.

XIV व्याकरणम्.

अमोघवृत्तिन्यासः प्रभाचन्द्रविरचितः.

(A 605) क. 373 प. 1 मे 1 मः पादः.

(A 606) क. 374–812 प. 1 मे 2–4 पादाः.

(A 607) क. 813–1191 प. 2 ये 1–2 पादौ.

(A 608) क. 1192–1479 प. 2 ये 3–4 पादौ.

अर्थवत्सूत्रवाक्यार्थः मनुरामीयः.

(C 1190) दे. 20 प.

अष्टाध्यायी पाणिनिकृता.

(537) आ. 32 प.

(1955) आ. 30 प.

(572) म. 51 प. सवार्तिका.

(1484) आ. 56 प. वार्तिकोणादिसूत्रयुता.

आख्यातचन्द्रिका भट्टमल्लकृता.

(B 101) क. 30 प.

उणादिसूत्राणि.

(922) आ; 3 प.

(1341) आ. 45 प. गणपाठफिट्सूत्रयुतानि.

(A 51) आ. 74 प. वृत्तियुतानि.

कला (मञ्जूषाव्याख्या) पायगुण्डवैद्यनाथकृता.

(A 257) दे. 138 प.

(2739) आ. 116 प.

कविकल्पद्रुमकामधेनुः बोपदेवविरचिता.

(A 345) आ. 82 प.

(C 890) दे. 12 प. अस.

कातन्त्ररूपमाला भावसेनत्रैविद्याचार्यकृता.

(A 57 क. 111 प.

(B 71) क. 34 प. अजन्तशब्दप्रक्रियान्ता.

(805) क. 82 प.

(3679) क. 125 प. शर्मवर्मकृता.

कारकं शङ्करभट्टीयम्.

(C 967) दे. 44 प.

कारकनिरूपणं अमरसिंहकृतम्.

(3732) ग्र. 4 प.

(B 942) दे. 17 प.

कारकरौद्री.

(C 1710) दे. 15 प. समग्रा.

कारकविवरणं रत्नापणिकृतम्.

(C 1091) दे. 4 प.

कारकशाब्दबोधः.

(C 1024) आ. 12 प.

कारकसंग्रहः वररुचिविरचितः.

(3548) ना. 12 प.

कारकसंबन्धोद्द्योतः विनश्वरनन्दिकृतः.

(1114) क. 47 प.

काशिकाविवरणपञ्चिका जिनेन्द्रबुद्धिः.

(A 602) क. 344 प. 8 मे 2–3–4 पादा.

(A 103) आ. 98 प.

काशिकावृत्तिः वामनजयादित्यकृता.

(94) आ. 78 प. अङ्गाधिकारमारभ्य समग्रा.

(453) ग्र. 290 प. षष्ठाध्यायद्वितीयपादपर्यन्ता.

(568) ग्र. 88 प. तृतीयाध्यायद्वितीयपादान्ता.

(1556) तु. 128 प. चतुर्थाध्यायद्वितीयपादान्ता.

(462) तु. 201 प. एतदुत्तरभागस्समग्रः.

(C 649) दे. 54+41+70+25+60 प. 1-5 अध्यायाः.

(1832) ग्र. 64 प. प्रथमोऽध्यायः.

(2354) ग्र. 105 प. 5-4-150-6-4-8 सूत्रान्तरा.

क्षीरतरङ्गिणी क्षीरस्वामिरचिता धातुवृत्तिः.

(A 409) दे. 58 पु.

गजसूत्रवादार्थः (भट्टोजिमतनिरासनम्) वेङ्कटाचार्यकृतः.

(1421) ग्र. 16 प.

(3445) ग्र. 23 प.

(C 968) दे. 18 प.

(C 1196) दे. 6 प. मन्नुरामाविरचितः.

तत्त्वबोधिनी ज्ञानेन्द्रभिक्षुकृता.

(1787) ना. 130 प. सिद्धान्तकौमुदीव्याख्या

तर्कचन्द्रिका कृष्णभट्टकृता.

(32) आ. 60 प. अजन्तपुल्लिङ्गान्ता.

(2783) आ. 24 प. असमग्रा.

(3195) ग्र. 63 प. ,,

तिङन्तरूपावळिः श्रीनिवासदेशिककृता.

(A 193) आ. 117 प.

(1339) आ. 133 + 13 प.

तिङन्ताशिरोमणिः.

(654) ना. 133 प. णिजन्तपरिच्छेदान्तः.

धातुपाठः.

(535) ना. 37 प.

(1293) ग्र- 30 प.

(4000) क. 47 प.

धातुप्रदीपः मैत्रेयरक्षितः

(B 901) आ. 91 प. समग्रः.

धातुरूपावळिः चोक्कनाथकृता.

(1296) आ. 29 प.

(A 245) दे. 11 प.

धातुवृत्तिः माधवाचार्यकृता.

(C 231) आ. 104 प. भ्वादिः

(418) आ. 217 प. आदितः तुदादौ उब्जधातुपर्यन्ता.

(179) ना 118 प. भ्वादौ अर्हधात्वन्ता.

(166) आ. 215 प. अदादिमारभ्य समग्रा.

(1623) ना. 185–432 प. अदादौ ग्लैधातुतः चुरादिसमाप्तयन्ता.

(655) आ. 140 + 8 प. जुहोत्यादितः चुरादौ क्रन्दधात्वन्ता.

(C 669) दे. 432 प.

नन्दिकेश्वरकारिकाव्याख्या.

(C 1528) ग्र. 4 प.

पदमञ्जरी (काशिकाव्याख्या) हरदत्तकृता.

(1715) आ 175 प. अष्टमाध्याये 1–2पादौ 40 प. द्वितीयाध्याय-
द्वितीयपादमारभ्य चतुर्थाध्यायद्वितीयपादपर्यन्ता 41–175 प.

(206) आ, ना. 289 प. षष्ठाध्यायद्वितीयपपादमारभ्य समग्रा .

(4129) ग्र. 312 प. 6–8अध्यायाः

पदवाक्यरत्नाकरः.

(A 216) आ. 117 प.

(C 674) दे. 80 प.

परमलघुमञ्जूषा नागेशकृता.

(C 990) दे. 38 प.

परिभाषामञ्जरी.

(C 1943) आ. 42 प.

परिभाषासूत्राणि (व्याळमुनिविरचितानीति केचित्, ज्ञापकसिद्धानीत्यपरे.)

(C 254) ना. 4 प.

(656) ना. 15–18 प.

परिभाषार्थसंग्रहः (परिभाषासूत्रवृत्तिः) पायगुण्डवैद्यनाथशास्त्रिकृतः.

(803) आ. 78 प.

(3366) ग्र. 43 प.

परिभाषार्थसंग्रहव्याख्या स्वयंप्रकाशानन्दकृता.

(C 1314) दे. 113 प.

(3877) ग्र. 213 प.

परिभाषावृत्तिः.

(662) आ. 22 प. भास्करकृता.

(1098) ना. 27 + 17 प. प्रतिद्वयम् असमग्रम्.

(1292) ना. 8 प.

(C 1273) दे. 78 प.

(3516) ग्र. 88 प. सीरदेवकृता

(3890) ग्र. 55 प. ,,

परिभाषावृत्तिव्याख्या रामभद्रदीक्षितः.

(3890) ग्र. 146 प. सीरदेवकृतवृत्तिव्याख्या.

परिभाषेन्दुशेखरः नागेशभट्टकृतः.

(1575) ग्र. 98 प.

(1580) ग्र. 42 प.

(C 989) दे. 19 प.

(A 428) आ. 79 पु.

(1145) क. 72 प. व्याख्या परिभाषार्थमञ्जरी भीमाचार्यकृता.

(1618) ग्र. 59 प. ,, ,,

(2784) आ. 68 प. ,, ,,

(2738) आ. 96 प. ,, त्रिशिखा नृसिंहशास्त्रिकृता.

(B 318) क. 241 प. ,, सर्वमङ्गळा शेषशास्त्रिकृता अन्तरङ्गपरिभाषापर्यन्ता.

(C 950) दे. 170 प. ,, ,, 1-58,120-122 परिभाषाः

(C 1312) दे. 192 प. ,, ,, 40 ,,

(C 951) दे. 7-73 प. ,, ,,

(3027) आ. 169 प. ,, ,,

(3198) ग्र. 26 प. ,, ,,

(2819) ग्र. 102+151-227 प. ,, 1-30,50-108 परिभाषाः.

(C 949) दे. 90 प. ,, 33-62 पत्रलोपः 38 परिभाषाः.

(3859) ग्र. 158 प. ,, असमग्रा.

(1266) दे. 25 प. ,, सारासारविवेकाख्या बालशास्त्रियाः.

(4049) ग्र. 107 प. ,, वैद्यनाथविरचिता समग्रा.

(C 1249) दे. 135 प. क्रोडपत्रम्.

पाणिनिसूत्रवृत्तिः (श्लोकरूपा)

(4050) ग्र. 75 प. असमग्रा.

(C1837) ग्र. 19-47 प. संग्रहरूपा. असमग्रा.

(C1804) दे 212 प. टिप्पणी देवसहायकृता. समग्रा.

पाणिनीयनक्षत्रमाला उमामहेश्वरदीक्षितकृता.

(C964) दे. 101 प.

प्रक्रियाकौमुदी रामचन्द्राचार्यकृता.

(416) आ. 110 प.

(416) ग्र. 19–29 प. कारकभागः.

(760) आ. 96 प.

(1365) आ. 122 प.

(1788) ग्र. 105 प. पदव्यवस्थासमाप्तयन्ता.

(3754) ग्र. 89 + 29 प.

(4007) ना. 67 प.

(4286) ग्र. 136 प.

(4220) ना. 21–108 + 40 प.

(4095) ग्र. 33 प. अव्ययान्ता.

(4209) ना. 176 प. व्याख्या रामचन्द्रसूनुरचिता. समग्रा.

(539) ग्र. 186 प. ,, प्रसादाख्या विठ्ठलविरचिता मिश्रप्रक्रियान्ता.

(1005) आ. 192 प. ,, उत्तरार्धम्.

(409) आ. 120 प. ,,

(369) आ. 139–143 प. ,, अस.

(4010) आ. 132–200 प. ,, आदितःकारके पञ्चम्यन्ता.

(4307) आ. 290 प. ,, असमग्रा.

(2145) ना. 90 प. ,, विश्वकर्मकृता. पूर्वार्धम्.

(3009) ग्र. 114 प. ,, स्त्रीप्रत्ययान्ता.

प्रयोगविवेकः. वररुचिकृतः

(659) ग्र. 43 प. सव्याख्यः.

(267) ना. 16–34 प. ,,

(818) ग्र. 51 प. ,,

(1114) क. 7 प. (मूलम्)

(1920) आ. 20 प. मूलम्.

(3680) क. 30 प. ,,

प्रयोगशिक्षा अनन्तसूरिकृता.

(B 404) आ. 2 प.

बालबोधिनीव्याकरणम्. बालसूरिकृतम्.

(C 171) दे 91–97 प. संधिप्रकरणम्.

बृहच्छब्देन्दुशेखरम् नागेशभट्टकृतम्.

(C 1271) दे. 207 प. स्त्रीप्रत्ययान्तम्.

(A 179) दे. 335 प. पूर्वार्धम्.

भट्टोजिमतकुण्ठनम्.

(C 516) आ. 21 प. असं.

मञ्जरीमकरन्दम् (पदमञ्जरीव्याख्यानम्) रङ्गनाथकृतम्.

(A 256) आ. 216 पु

मञ्जूषा नागेशकृता.

(C 987) आ. 172 प.

(A 257) दे. 138 प. व्याख्या कलाख्या पायगुण्डवैद्यनाथकृता.

(2739) आ. 116 प.

मध्यसिद्धान्तकौमुदी वरदराजविरचिता.

(C 1118) दे. 53+38 प.

(C 1124) दे. 170 प.

(1777) ना. 74 प.

मनोरमा सिद्धान्तकौमुदीव्याख्या भट्टोजिदीक्षितकृता.

(C 367) दे 158+62+23 प.

(C 412) दे 34+53 प. अव्ययान्ता.

(1597) प्र. 145 प. उत्तरार्धम्.

(C646) दे. 54–155 प. सुबन्तभागः.

(3978) आ. 104–294 प. समासादितः तिङन्तान्ता.

मनोरमाकुचमर्दिनी जगन्नाथविरचिता.

(C1723) दे. 41 प. असमग्रा.

महाभाष्यम् पतञ्जलिकृतम्.

(457) ग्र. 17 प. 2 आह्निक.

(,,) ग्र. 63 प. 1मे1मः पादः.

(455) ग्र. 263 प. 1माध्यायः

(986) ना 151 प. 2याध्याये 1मपादसमाप्तयन्ता.

(450) ग्र. 206 प. 2–4 अध्यायाः.

(536) ग्र. 94 प. 3योऽध्यायः

(987) ना. 99 प. 6ष्ठाध्याय4र्थपादमारभ्य समग्रम्.

(C986) आ. 442 प.

(C886) दे. 560 प. 2-8 अध्यायाः.

(C1945) आ. 368 प. 1–3 अध्यायाः.

महाभाष्यप्रदीपः (महाभाष्यव्याख्या) कैयटकृतः.

(571) ग्र. 64 प. नवाह्निकानि.

(457) ग्रं. 142 प. 1मोऽध्यायः.

(1586) ग्र. 257 प. 3याध्याय1मपादसमाप्तयन्तः

(457) ग्र. 16 प. 2याध्याये 1मःपादः.

(983) ना. 239 प. 2याध्याय1मपाद1माह्निकसमाप्तयन्तः.

(1123) ग्र. 248 प. 1माध्याय 4र्थपादमारभ्य 3याध्यायसमाप्तयन्तः.

(460) आ. 120 प. 2याध्यायमारभ्य 6ष्ठाध्याय प्रथमपाद5माह्निकपर्यन्तः

(C648) दे. 73+57 प. 1-2 अध्यायौ.

(C881) दे. 195 प. 4-6 अध्यायाः.

(C895) दे. 57 प. अष्टमोऽध्यायः.

(3416) ग्र. 117 प. पञ्चमोऽध्यायः.

महाभाष्यप्रदीपप्रकाशः प्रवर्तकोपाध्यायकृतः

(454) ग्र. 139 प. 1माध्याय 3पादमारभ्य 3याध्यायसमाप्तयन्तः.

(3560) ग्र. 273 प. 1मे 1मःपादः.

महाभाष्यप्रदीपविवरणम् रामचन्द्रसरस्वतीकृतम्.

(444) ग्र. 155 प. 5माध्याय1मपादसमाप्तयन्तम्.

महाभाष्यप्रदीपोद्द्योतः नागेशभट्टकृतः.

(C 1841) दे. 1341 प. समग्रः.

(993) ना, 191 प. नवाह्निकान,

(569) ग्र. 74–100 प. नवमाह्निकम्.

(C 163) दे. 127+154 प. 1 मोऽध्यायः.

(996) ना. 263 प. 1माध्याय 2यपाद 3यह्निकान्तः.

(B 395) क. 255 प. तृतीयोऽध्यायः.

(B 529) क. 256 प. 4-5 अध्यायौः.

(B 629) क. 254 प. षष्ठोध्यायः.

(3418) ग्र. 164 प. 2–4 अध्यायाः.

(1782) दे. 970–1952 प. 3–8 अध्या.

(A 270) आ. 160 प. अनन्तभट्टकृतः. 1–4 आह्निकानि.

(A 276) दे. 195 प. ,, पञ्चमाह्निकतः. 2 ये 2 यपाद-समाप्तयन्तः.

(2037) आ. 113 प. ,, 3–9 अह्निकानि.

महाभाष्यस्पूर्तिः (महाभाष्यव्याख्या) सर्वेश्वरदीक्षितकृता.

(434) ना. 113+242 प. 7–8 अध्यायौ. (मध्ये क्वचित्क्वचिल्लोपः.)

मुक्ताशुक्तिः क्रोडपत्रम्.

(C 1276) दे. 33 प.

(3245) ना. 34+46 प.

रप्रत्याहारखण्डनम्.

(3963) प्र. 12 प.

रूपसिद्धिव्याकरणम् (जैनानाम्)

(732) क. 155 प.

रूपावतारः धर्मकीर्तिकृतः.

(2587) ना. 21 प.

(1832) प्र. 154-205 प. स्त्रीप्रत्ययसमासान्तः

(2587) ना. 230-291 प. व्याख्या नृसिंहविरचिता. (प्रक्रियाकल्पवल्ली.)

रूपावळिः.

(2499) ना, 95 प.

लकारार्थप्रक्रियासुधाकरः कृष्णशास्त्रिकृतः.

(C 1316) दे, 11 प.

लघुकौमुदी वरदराजकृता.

(758) म. 36 प.

(1286) ना. 53 प.

(401) प्र. 31–36 प. संधिप्रकरणम्

लिङ्गनिर्णयः रामसूरिकृतः.

(1997) प्र. 19 प.

लिङ्गनिर्णय च ा-अनन्तसूरिकृता.

(B 404) आ. 5 प.

(3680) क. 11 प.

लिङ्गनिर्णयभूषणम्-रामसूरिकृतम्.

(493) ना. 12 प.

(C 679) आ. 6 प. विष्णुभट्टकृतत्.

लिङ्गानुशासनम्-पाणिनिकृतम्.

(914) आ. 15 प.

(366) ना. 8 प. विवृतिः भट्टोजिदीक्षितकृतः.

वाक्यपदीयम् हरिविरिचितम्.

(C1325) दे 90 प. काण्डत्रयम्.

विभक्त्यर्थनिर्णयः.

(A89) आं. 221 प.

वृत्तिदीपिका कृष्णभट्टकृता.

(B935)आ. 29 प.

वैयाकरणभूषणम्-कौण्डभट्टकृतम्.

(1626) ना. 38+8 प. कारकार्थनिर्णयपर्यन्तम्.

(4077) आ. 240 प. स्फोटवादान्तम्.

वैयाकरणभूषणसारः-कौण्डभट्टकृतः

(1004) आ. 21–127 प. अस.

(4056) प्र. 50 प. स्फोटवादः.

वैयाकरणसिद्धान्तसंग्रहः दत्तरामभट्टकृतः.

(3413–3415) प्र. 214+237+51+6+49+11+31 प.

(अत्राष्टाध्यायधातुपाठलिङ्गानुशासनोणादिफिट्सूत्रपरिभाषाणां वृत्तयस्सन्ति.)

व्याकरणम् क्रोडपत्रम्.

(C953) दे. 52 प.

(3105) प्र. 20 प.

(3977) आ. 50 प.

(C1578) दे. 20 प.

व्याकरणदीपप्रभा गङ्गाधरविपश्चित्कृता.

(A232) दे. 105 प. चिद्रूपकृतव्याकरणदीपस्येयं व्याख्या. (कृदन्तान्ता.)

शब्दकौमुदीव्याख्या.

(3528) ग्र. 111 प.

शब्दकौस्तुभः भट्टोजिदीक्षितकृतः.

(C442) आ. 153 प. नवाह्निकानि (अत्र द्वितीयं नास्ति.)

(184) आ. 87 प. 6-9 आह्निकानि.

(1416) आ. 243 प. 1.मे 1–2 पादौ.

(1437) आ. 184 प. 1मे तृतीयपादसमाप्तयन्तम्.

(647) दे. 121+95 प. 1-2अध्यायौ.

(2313) ग्र. 63 प. 1मे 1मपादे 3-5 आह्निकानि.

(3582) ग्र. 187 प. नवाह्निकानि.

(3712) ग्र. 107 प.

(4125) ग्र. 33-170 प. 1मे 1-3-4पादाः.

(C813) दे. 332 प. पायगुण्डवैद्यनाथकृता प्रभाख्या व्याख्या. 1मे 1मः पादः.

(A339) आ. 337 प. गोपालकृष्णशास्त्रिकृतव्याख्या शाब्दिकचिन्तामणिः 1मेऽध्याये 3पादाः.

(A376) आ. 203 प. ,,

(C 952) दे. 30–60 प. आचार्यकृष्णमिश्रकृतः भावप्रदीपाख्या व्याख्या कारकान्ता.

शब्दचन्द्रिका.

(731) ग्र. 159 प. स्वरभागपर्यन्ता. मध्ये क्वचित्क्वचित् पत्रलोपः.

शब्दबृहती (महाभाष्यव्याख्या) आचार्यराजनृसिंहकृता.

(4072) ग्र. 46–233 पं. 1मे1मःपादः.

(4073) ग्र. 201 प. 1मे2यतः 2ये1मः

(4074) ग्र. 129 प. 2ये2यतः 3ये1मः.

(A574) क. 220 प. 1मे 1–2पादौ

(A575) क. 93 प. 1मे 3यतः 2ये 1मपादान्ता.

(A576 क. 180 प. 2ये2यतः 1मपादान्ता.

शब्दभूषणम् नारायणविरचितम्.

(3883) ग्र. 144 प. षष्ठस्य द्वितीयपादान्तम्.

शब्दरत्नम्. (मनोरमाव्याख्यानम्) हरिदीक्षितकृतम्.

(C988) दे. 98+84 प.

(1600) ग्र. 36 प. हलन्तपुल्लिङ्गपर्यन्तम्.

(C411) दे 117 प. कारकान्तम्.

(C1731) ग्र. 150 प. उत्तरार्धम्.

(C517) दे. 58 प. व्याख्या पायगुण्डवैद्यनाथकृता भावप्रकाशिका. पञ्चसन्धयः.

(C992) दे. 379 प. ,, (कारकान्ता.)

(C1317) दे. 333 प. ,, भैरवमिश्रीया (कारकान्ता)

शब्दसमासादिसंग्रहः.

(3987) क. 83–124 प.

शब्दानुशासनम् हेमचन्द्रविरंचितम्.

(C883) दे 18 प. वृत्तियुतम्. षष्ठे 3पादाः.

(C884) दे. 17 प. ,, कारकान्तम्.

शब्दार्थतादात्म्यवादः.

(C1163) दे. 5 प.

शब्देन्दुशेखरः नागेशभट्टकृतः.

(756) ना. 47 प. आदिभागः.

(1001) ना. 100 प. शब्दाधिकारपर्यन्तः.

(1588) ग्र. 138 प. कारकान्तः.

(C1450) दे. 209 प. ,,

(C1946) आ. 117 प. सुबन्तान्तः.

(1678) ग्र. 73–234 प. शब्दाधिकारमारभ्य समासान्तः

(995) ना. 192 प. कारकमारभ्य समासाश्रयविधिपर्यन्तः.

(1574) ग्र. 108 प. ,,

(1593) ग्र. 90 प. व्याख्या अस्थिमालाख्या पायगुण्डेवैद्यनाथशास्त्रिकृता. (आदिमभागः)

(2782) आ. 23–243 प. ,, हयग्रीवाचार्यकृता चन्द्रिकाख्या. कारकान्ता.

(1277) दे. 26 + 48 प. ,, ज्योत्स्नाख्या उदयङ्करकृता.

(3245) ना. 36 प ,, ,, अव्ययान्ता.

(1052) आ. 263 प. ,, भैरवमिश्रीया स्त्रीप्रत्ययान्ता.

(1721) ग्र. 94 प. ,, विषम्याख्या राघवेन्द्राचार्यकृता. कारकान्ता.

(C1250) दे. 176 प. क्रोडम्.

शाकटायनव्याकरणसूत्रवृत्तिः-अमोघाख्या श्रुतकेवलिविरचिता.

(A28) आ. 249 प. 3याध्याय1मपादसमाप्तयन्ता.

(A380) क. 290 पु. 3याध्यायतस्समग्रा.

(A410) क. प.

(3824) क. 249 प.

शाब्दिकाभरणम् हरियोगिशैलवार्यकृतम्.

(B898) आ. 135 प. समग्रम्.

षट्पदानन्दविवरणम् रुक्मसूरिकृतम्.

(C1157) दे. 24 प.

समासचक्रम्.

(905) ना. 3 प.

(919) आ. 4 प.

(C1167) आ. 17 प. व्याख्या नृसिंहाविदुषा कृता असमग्रा.

समाससूत्रविचारः वासुदेवदीक्षितविरचितः

(778) आ. 148 प.

सारस्वतप्रक्रिया.

(3735) प्र. 61 प.

सिद्धान्तकौमुदी भट्टोजिदीक्षितकृता

(*C*406) ना. 189+99+66+60 प.

(C239) दे. 85 प. कारकभागान्ता.

(2304) प्र. 60 प. कारकभागः.

(C244) दे. 17 प. ,,

(C153) दे. 63–232 प. स्त्रीप्रत्ययमारभ्य पूर्वार्धम.

(750) ना. 87 प. उत्तरार्धम्.

(1276) आ. 52–101+42 प. ,,

(192) आ. 102–233 प. ,,

(538) प्र. 163–353 प. ,,

सिद्धान्तकौमुदीव्याख्या.

(150) आ. 219 प. तत्त्वबोधिनी ज्ञानेन्द्रसरस्वतकृता. पूर्वार्धम्.

(1626) ना. 57 प. ,, अजन्तस्त्रीलिङ्गान्ता.

(779) प्र. 6788 प. ,, कारकादितश्चातुरर्थिकान्ता.

(C 90) आ. 71 प ,, तिङन्तम्.

(1655) आ. 235-270 प. ,,

(1787) ना. 130 प. ,,

(1984) प्र. 99 प. ,, सन्धिप्रकरणम्.

(2116) आ 48 प. वीरराजयिा नीलकण्ठवाजपेयिकृता. उत्तरार्धे तनाद्यन्तम्.

(,,) आ. 105-174 प. ,, कृदन्तम् 12-24 पत्रलोपः.

(437) प्र. 277 प. ,, समासमारभ्य पूर्वार्धसमाप्तिः.

(3092) क. 171-324 प. ,, णिजन्तप्रकरणतः तिङन्तं समग्रम्.

(1626) ना. 43 प. सुमनोरमा तिरुमलाध्वरिकृता हलन्तपुल्लिङ्गान्ता.

(2533) आ 183 प. ,, द्वितियाकारकान्ता

(1366) ना. 147 प. ,, उत्तरार्धं सन्प्र-क्रियान्तम्.

(3252) प्र 266 प. विलासाख्या नृसिंहरचिता पूर्वार्धम्.

(3520) प्र 106 प. ,,

(A 219) आ. 276 प. सिद्धांतरत्नाकराख्या रामकृष्णभट्टरचिता

(A 552) आ. 46 पु. सुबोधिनी जयकृष्णकृता स्वरवैदिकभागः.

(4040) प्र. 79 प. लविता रामचन्द्ररचिता कृदन्तान्ता 30-55 पत्र-लोपः.

(4054) प्र. 101 प. बालमनोरमा उत्तरार्धम्.

सुशब्दप्रदीपः.

(1944) दे. 26 प.

XV प्राकृतव्याकरणम्.

त्रिविक्रमवृत्तिः त्रिविक्रमदेवरचिता.

(1175) प्र. 57 प.

(3685) प्र. 141 प.

(4041) प्र. 64 प.

(888) तु. 188-261 प. प्रथमाध्यायाद्वितियपादमारभ्य समग्रा.

प्राकृतप्रकाशः (मनोरमा) भामहकृतः.

(857) प्र. 33 प.

(1069) आ. 25 प.

(B 835) आ. 25 प.

प्राकृतप्रदीपिका चण्डीदेवशर्मा.

(B 903) वङ्गा 4 प.

प्राकृतमञ्जरी कात्यायनसूत्रवृत्तिः. वररुचिकृता.

(1012) ग्र. 25 प. 7 परिच्छेदाः.

(1842) आ. 47 प.

(1904) आ. 23+15 प. प्राकृतशब्दानां छाया च.

प्राकृतमणिदीपः अप्पयदीक्षितकृतः.

(3284) आ. 32 प.

प्राकृतसूत्रपाठः वाल्मीकिविरचितः.

(4285) ग्र. 14 प.

षड्भाषाचन्द्रिका वाल्मीकिसूत्रवृत्तिः. लक्ष्मीधरपण्डितकृता.

(333) आ. 131 प.

(881) ग्र. 116 प. तिङन्तप्रकरणपर्यन्ता.

XVI ज्योतिश्शास्त्रम्.

अङ्गग्रहफलम्.

(B575) क. 2 प.

अद्भुतसारः

(C1817) दे. 7 प.

अरिष्टनवनीतं नवनीतनर्तनकविकृतम्.

(1771) ना. 8 प.

(B574) क. 59-66 प.

(,,) क. 59 प. व्याख्या श्रीधरीया.

अष्टकवर्गः (काश्यपसंहिता) सिद्धसेनमुनिकृतः

(1044) आ. 78 प.

(1821) ना. 10 प.

(2831) आ. 41–59 प.

(3162) प्र. 123–157 प.

(3172) प्र. 30 प.

(B576) क. 57–76 प.

अष्टकवर्गप्रकरणम्.

(370) ना. 89-97 प.

(713) ना. 32 प.

अष्टकवर्गबिन्दुफलम्.

(B670) ना. 16 प.

अष्टकवर्गसारः.

(2688) क. 75–90 प.

अष्टादशकूटाः.

(2952) ना. 110–131 प.

अष्टैश्वर्यफलम्.

(3162) प्र 74–79 प.

अहोबलतीर्थीय वेङ्कटयज्वरचितम्.

(2559) आ. 9 प.

आनन्दादियोगाः.

(1802) आ. 273–275 प.

आयुर्दायाध्यायः.

(1264) आ. 25 प.

आर्यभटप्रकाशः सूर्यदेवरचितः.

(3458) प्र. 93 प.

आर्यभटसिद्धान्तः.

(C 859) क. 3 प.

(A 25) आ. 73 प. सूर्यदेवयज्वकृतव्याख्यासहितः, किंचिदूनः.

(B 573) क. 113 प. विरूपाक्षसूरिकृतान्ध्रटीका.

आर्याद्विशती वेंकटयज्वरचिता.

(2627) आ. 137–146 प. (तिथ्यानयनम्.)

उडुदशानिर्णयपद्धतिः रामशास्त्रिकृता.

(B 397) आ. 11 प.

उडुदशाप्रदीपिका.

(1813) आ. 9 प.

उत्पलपरिमळम् (बृहत्संहिताव्याख्यानम्) कुमारयोगिकृतम्.

(2591) प्र. 166 प. 47 अध्यायाः.

(404) आ. 149 प. मध्ये मध्ये 7 पत्राणि लुप्तानि.

(1095) प्र. 18 प. 5–8 आध्यायाः.

उपरागचिन्तामणिः.

(B 586) क. 13–20 प.

एकविंशतिमहादोषाः.

(316) प्र. 9 प.

करणप्रकाशः ब्रह्मदेवकृतः.

(1771) ना. 18 प.

(678) प्र. 80 प. व्याख्या संपत्कुमारकृता. 9 अध्यायाः.

(2940) ना. 56 प. ,, श्रीनिवासभट्टकृता. 8 ,,

करणरत्नम्.

(B 576) क. 156–168 प.

करणरूपाणि विश्वकर्मशास्त्रोक्तानि.

(C 628) आ. 13 प. हेमाद्रिदानखण्डे उदाहृतानि.

कलानिधिः.

(B 576) क. 177–179 प.

कल्यादियुगानयनम्.

(2559) आ. 62–63 प.

काकस्वरफलम्.

(B 575) क. 1 प.

कारकनिर्णयः.

(2831) आ. 60–61 प.

कालचक्रम् मार्ताडभैरवकृतम्.

(2831) आ. 71–75 प.

(3181) ग्र. 21+14 प.

(B 576) क. 179–182 प.

(B672) आ. 27 प.

(B 575) क. 21 प. दशाफलम्.

(370) ना. 88-89 प. ,,

(1802) आ. 291–332. ,, सान्ध्रटीकम्.

कालज्ञानम् विद्यारण्यकृतम्.

(A 47) आ. 152 प.

(2224) ना. 33 प.

कालानिर्णयः.

(2890) ना. 32 प.

कालप्रकाशिका नृसिंहसूरिकृता.

(824) ग्र. 114 प.

(1624) क. 77 प.

(3488) ग्र. 37 प. 36 अध्यायाः.

(4317) आ. 4–53 प. 4–26 ,,

(4096) ग्र. 91 प. 40 अध्यायाः.

(3900) ग्र. 100 प. 47 ,,

कालविधानपद्धतिः त्रिविक्रमाचार्यकृता.

(66) ना. 20 प. असं.

(222) अ. 49-57 प. अस.

(69) ना. 14 प 216 श्लोकाः.

(1818) ना. 13 प. 180 श्लोकाः.

(4387) आ. 184 प.

(465) ग्र. 2-194 प. श्रीधरीय व्याख्यायुता.

(2541) ना. 222 प.

(B 759) क. 215 प. ,, असमग्रा.

(742) ना. 14 प. वराहमिहिराचार्यकृता.

कालामृतव्याख्यानम् वेङ्कटयज्वविरचितम्.

(87) आ. 80 प.

(299) आ. 16-111 प.

(1063) आ. 53-100 प. 4-6 बिन्दवः.

(1340) आ. 80 प. 160 श्लोकाः.

(1538) क. 118 प.

(2172) आ. 80 प.

(2586) आ. 97 प.

(2427) ना. 22 प अस.

(A 476) क. 48 प. कर्णाटटीका.

कालामृतसारः

(B 681) आ. 10 प.

कुट्टाकारशिरोमणिः देवराजविरचितः

(B 596) ना. 10 प.

(B 597) क. 52 प. व्याख्या. अस.

कूटरत्नम्.

(738) ना. 18 प.

कृष्णीयव्याख्या चतुरसुन्दरी.

(3162) प्र: 9-73 प.

केरळचन्द्रिका.

(2172) आ. 12 प. 2 अध्यायौ:.

केरळीयं जातकम्.

(1772) ना. 91 प. 16 अध्यायाः.

(1802) आ. 332-362 प. संग्रहः.

(2688) क. 71-74 प. व्याख्यानम्.

कोटाचक्रम्.

(132) आ. 59-78 प.

(665) आ. 81-111 प.

(989) ना. 55-76 प.

(810) आ. 25 प. सान्ध्रटीकम्.

क्षणिकग्रहफलम्.

(3162) भ. 84-89 प.

खगप्रकाशः रामदैवज्ञकृतः.

(591) ना. 33 प. पदकेन टीकाया च युतः.

खेटतन्त्रगणितम्.

(2588) आ. 93-102 प.

गणितसंग्रहः.

(2588) आ. 56-59 प.

गणितसारसंग्रहः महावीराचार्यकृतः.

(A 58) क. 204 प.

(2324) क. 57 प. कर्णाटटकायुतः त्रैराशिकनामकतुरीयव्यवहारान्तः.

गीर्णादिवाक्यगणितम्.

(C 1014) क. 12 प.

गुरुनाडी.

(B 55-56) आ. 260 प. पूर्वोत्तरभागौ.

(B 356) क. 282 प.

गोचारफलम्.

(1442) आ. 29 प. यवनहोरोक्तम्.

(C 61) दे. 6 प.

गोचारफलादिसंग्रहः.

(66) ना. 21-43 प.

गोपालरत्नाकरः.

(3186) ग्र. 39 प.

गौरीजातकम्.

(C 1419) दे. 18 प.

गौरीपञ्चाङ्गादिक्कोडम.

(742) ना. 15-103+16 प.

ग्रहगणितम् सपदकम् सवाक्यं च.

(713) ना. 30 प.

ग्रहगणितभास्करः तम्मयार्यकृतः.

(B 588) क. 88 प. सकर्णाटटीकः.

ग्रहचन्द्रिका.

(1883) आ. 20 प.

ग्रहचेष्टाविधानम्.

(823) प्र. 90 प. 18 अध्यायाः

(1269) आ. 32 प. असमग्रम्.

ग्रहदृष्टिः.

(370) ना. 2 प.

ग्रहभावफलम्.

(989) ना. 77-81 प.

ग्रहलाघवं गणेशदैवज्ञकृतम्.

(2568) आ. 20-40 प.

(316) प्र. 14 प. 9 अध्यायाः.

(C 599) दे. 54 प. टीका मल्लारिकृता. उत्तरभागः अस.

(2263) आ. 166 प. ,, ,,

ग्रहसमयः.

(1188) आ. 51-71 प.

ग्रहसमुल्लासः नृसिंहदैवज्ञकृतः.

(1798) ना. 6 प.

ग्रहस्पुटपदकम्.

(C 855) दे. 90 प.

चतुर्विंशतिदशा.

(2688) क. 17–19 प.

चन्द्रगतिदिनफलम्.

(3162) प्र. 103–117 प.

चन्द्रनाडी.

(B 60) आ. 248 प. पूर्वभागः.

(B 61) आ. 246 प. उत्तरभागः.

चन्द्रावस्थाफलम् प्रश्नः.

(1188) आ. 87 प.

चन्द्रोन्मीलनम्.

(C 1816) दे. 28 प.

चैत्रादिमासफलम् वृष्टिविषये.

(370) ना. 12 प.

छाद्यच्छादकमीमांसा.

(1137) ना. 20 प.

जातककलानिधिः.

(1110) आ. 59 + 5 प.

(2084) आ. 164–208 प.

(3186) म्र. 40–51 प.

(3254) म्र. 65 प.

जातककलारत्नाकरः.

(3184) म्र. 69 प.

जातकचन्द्रिका वेङ्कटेश्वरकृता.

(316) म्र. 6 प.

(852) म. 5 प.

(B 166) आ. 21 प. सव्याख्या.

(2172) आ. 9. प.

((4187) ना. 88–98 प.

(2831) आ. 76–82 प.

जातकजीवनम्, रामचन्द्रसुधीविरचितः.

(B 175) आ. 18 प.

जातकदर्पणम्.

(2688) क. 20-25 प.

जातकपद्धतिः श्रीपत्याचार्यकृता.

(316) ग्र. 9 प. 6 अध्यायाः.

(2831) आ 83–93 प.

(B 773) आ. 20 प. शिवदासरचिता व्याख्या.

(B 631) ग्र. 179 पु. सूर्यदेवरचिता ,,

(2225) ना. 42 प. ,, ,,

(2301) आ. 133–202 प. नारायणकृता केशवीयपद्धतिव्याख्या जातककौस्तुभाख्या.

(B 774) आ. 72 प. वैद्यनाथीया केशवपद्धतिव्याख्या.

जातकपारिजातः वैद्यनाथशास्त्रिकृतः.

(316) ग्र. 9 प, अस.

(2267) ग्र. 168 प.

(B 576) क. 169-176 प. भावफलम्.

(4066) ग्र. 180 प. 17 अध्यायाः.

जातकयोगावळिः नृसिंहकृता.

(1813) आ. 12 प. असमग्रा.

(2053) आ. 142 प. शनिदशानिरूपणपर्यन्ता.

जातकरत्नाकरः.

(3020) ग्र. 58 प. 14 अध्यायाः.

जातकशिरोमणिः.

(B 576) क. 197–207 प. भावफलम्.

(B 694) ना. 12 प.

जातकशेखरादिसंग्रहः.

(1188) आ. 15 प.

जातकसंग्रहश्लोकाः.

(1044) आ. 8 प.

(1764) ना. 22 प. राजयोगायुर्योगादयः.

(1780) ना. 15 प.

जातकसारः.

(4065) ग्र. 6 प.

जातकसारावळिः कल्याणवर्मरचिता.

(1802) आ. 221-225 प. 2 अध्यायौ.

(2284) आ. 160 प.

(3022) ना. 141 प.

(3171) ग्र. 82 प.

जातकादेशमार्गः.

(3555) ग्र. 10 प. 6 अध्यायाः.

जातकाभरणम्.

(1110) आ. 57 प.

जातकालंकारः भट्टोजीदीक्षितीयः.

(3186) ग्र. 52-67 प.

जैमिनिसूत्रम्. (उपदेशसूत्रम्.)

(2688) क. 16 प.

(2621) क. 32 प. 8 अध्यायाः

(3738) आ. 30-34 प.

जैमिनिसूत्रव्याख्या.

(370) ना. 19 प. लक्ष्मणशास्त्रिकृता.

(426) क. 14 प. ,,

(2606) ग्र. 48 प. ,, 2 अध्यायौ.

(3182) ग्र. 34 प. ,,

(3745) आ. 37 प. ,,

(B 594) क. 46 प. कृष्णानन्दसरस्वतीकृता असमग्रा.

(B 595) क. 37 प. ,, ,,

(1799) ना. 17–41 प. ,,

(B 593) क. 44+18 प. भारद्वाजनृसिंहविरचिता.

(B 592) क. 46 प. आकुमळ्ळ नृसिंहविरचिता.

(B 144) आ. 5 + 48 प. ज्योतिःप्रदीपकाख्यताजकसंग्रहाख्य व्याख्या-
द्वयोपेतम्. 1 मोऽध्यायः.

(1799) ना. 48–78 प. वेङ्कटेश्वरसूरिकृता.

(1821) आ. 16 प. ,, प्रथमोऽध्यायः.

ज्योतिस्सारकौमुदी गौरीकान्तकृता.

(C 1812) वङ्ग. 241 प. समग्रा.

ज्यौतिषदर्पणम्.

(3024) आ. 171 प.

ज्यौतिषप्रकरणम्.

(B 737) क. 156 प.

ज्यौतिषफलरत्नमाला.

(3738) आ. 30 प.

ज्यौतिषरत्नमाला श्रीपतिविरचिता.

(2182) आ. 51 प. 20 प्रकरणानि.

ज्यौतिषरत्नाकरः.

(2544) ना. 3–105 प. युद्धयात्राविधिपर्यन्तः.

ज्यौतिषसंग्रहः.

(12) ना. 11-33+55-65+99-103+15-106+112-118 प.

(212) ना. 113-125+137-155 प. पादच्छायादिखिलसंग्रहः.

(C 62) दे. 20 प.

(B 70) आ. 10–17 प.
(975) आ. 11 प.
(1524) ग्र. 17 प.
(1839) ग्र. 25-214 प.
(B 613) दे. 25 प.
(B 614) क. 33 प.
(2726) आ. 120 प.
(3258) ग्र. 290 प.
(3771) ग्र. 341 प. द्राविडभाषायुतः.
(4244) आ. 31 प.
(4333) दे. 150 प.

ज्यौतिषसंहितार्णवः कदम्बेश्वरास्थानमहाप्रसादिकृतः.

(2294) ग्र. 183 प.
(2433) आ. 104 प. 1-13 तरङ्गाः.
(A 578) क. 130 प. 14 ,, गृहप्रवेशनिरूपणान्तः.
(4229) आ. 152 प. असमग्रः.

ज्यौतिषसारसंग्रहः.

(3738) आ. 7 प.

ज्ञानप्रकाशिका.

(2688) क. 129-131 प.

ज्ञानप्रदीपिका (प्रश्नः.)

(66) ना. 34 प.
(611) ग्र. 20+3 प.
(816) ग्र. 30 प.
(2084) आ. 161–170 प.

तन्त्रप्रकाशः श्रीनाथाचार्यकृतः

(2559) आ. 51-59 प.

(B 607) क. 4 प. 3-8 अधिकाराः.

तन्त्रलीलावती (कवीन्द्रकर्णाभरणम्) कामदेवकृता.

(B 582) क. 10 प.

ताजकतन्त्रं (प्रश्नः) पाल्गाटन्नयकुमारसिंहात्मजकृतम्.

(1335) आ. 52-139 प. सान्ध्रटीकम्.

ताजकनीलकण्ठीयं नीलकण्ठकृतम्.

(989) ना. 22 प.

(C 583) दे. 143 प. व्याख्या माधवरचिता (संज्ञावर्षतन्त्रे.)

ताजकभूषणं गणेशदैवज्ञकृतम्.

(1147) ना. 42 प.

तारावलादिक्रोडम

(222) आ. 34 प.

तिथिचक्रं (अभिनवम्) चतुरगणपतित्रिपुरारिकृतम्.

(2559) आ. 59-62 प.

(2649) आ. 45-49 प.

तिथिनिर्णयादीखिलाविषयाः

(222) आ. 34 प.

तिथिवारयोगकरणफलम्.

(1764) ना. 60-74 प.

त्रिंशद्योगावळिः नरसिंहदैवज्ञकृता.

(370) ना. 110-117 प.

(2589) ना. 15-29 प.

(1804) ना. 11-57 प.

त्रिविधचक्रम्.

(1802) ना. 276–285 प.

दशाफलं (वृद्धपराशरीयम्) पराशरमुनिकृतम्.

(66) ना. 4 प.

(222) आ. 35–48 प.

(370) ना. 83–88 प.

(,,) ना 58–82 प. 24 अध्यायाः

(528) ग्र. 3–84 प.

(852) ग्र. 59 प.

(2688) क. 37–60 प.

(1168) आ. 15–50 प. वेङ्कटेशनारायणकृतव्याख्यायुतम्.

(1613) ग्र. 48 प. ,,

(3020) ग्र. 59-120 प.

(3502) ग्र. 57 प.

(3738) आ. 73 प.

(4184) ना. 38 प.

(2688) क. 17-111 प. विद्यारण्यविरचितम्.

दशाविभागपदकम्.

(2561) ना. 101 प.

दशाविभागफलम्.

(2590) ना. 139-157 प.

दशाविभागादिक्रमः.

(299) ना. 10-15 प.

(370) ना. 35-37 प.

दिवाकरपद्धतिव्याख्या तिम्मरायकृता.

(2336) म. 33-76 प. (कर्णाटभाषा)

दिव्यचूडामणिः (प्रश्नः).

(1335) आ. 140-151 प.

देवकेरळम.

(B 62-63) आ. 258 प. पूर्वोत्तरभागौ.

(B 59) आ. 163 प. अंशनाडीफलं. केरळीयम्.

दैवज्ञचूडामणिः.

(2544) ना. 106-114 प. 11 अध्यायाः.

दैवज्ञदर्पणम. बुच्चन्नवाजपेयिकृतम्.

(B 807) आ. 107 पु.

दैवज्ञविलासः. यल्लयार्यकृतः.

(A 238) क. 167 प. (ताजकभागः तृतीयः खण्डः) अस.

(2196) आ. 232 प. कालकर्मखण्डौ.

(2640) ना. 35 प. कालखण्डे संवत्सरादिनिरूपणम्.

(3426) आ. 210 प. कालकर्मखण्डौ.

दैवज्ञशिरोमणिः काचादैवज्ञकृतः.

(222) आ. 58–92 प.

द्वादशभावफलं (ताजकालङ्कारस्थम)

(1802) आ. 27-30 प.

(713) ना. 15 प. मेषादिजातगुणाश्च.

(4239) ना. 18-38 प.

नक्षत्रचूडामणिः(नक्षत्ररत्नाकरः.)

(222) आ. 215-248 प.

(1345) ना. 50 प.
(312) ना. 23 प. कर्णाटभाषानुवादयुतः.

नक्षत्रदशाफलम्.

(2830) आ. 33-40 प.

नक्षत्रमालिकामहादशा.

(3162) ग्र. 90-102 प.

नक्षत्रशुभाशुभफलम्

(C 1444) ना. 17 प.

नरपतिविजयीयम् आदित्यदेवकृतम्.

(313) ना. 34 प. 7 अध्यायाः.

(2639) ना. 89-139 प. घुटिकाप्रयोगान्तम्.

(370) ना. 42 प. अशीतिचक्रप्रकरणं शर्वयार्यटीकायुतम्.

(2631) ना. 20-65 प. अभिषेकविधिपर्यन्तम्.

(1802) आ. 52-197 प. 6 अध्यायाः.

(2252) आ. 46-168 प.

नवग्रहचक्रम् मार्कण्डेयकृतम्.

(370) ना. 3 प.

नवग्रहचिन्तामणिः (प्रश्नशास्त्रम्)

(1923) क. 50 प.
(1883) आ. 6 प.

नवांशफलम्.

(1764) ना. 51-59 प.

नारदीयसंहिता.

(1535) ना. 200 प. सान्ध्रटीका.

(1799) ना. 51 प.
(B 574) क. 15 प. आन्ध्रभाषा. 3 अध्यायाः.

नित्यग्रहफलम्.

(2688) क. 61-67 प.

नित्यदशाफलम्.

(370) ना. 94-95 प.

(1764) ना. 41-48 प.

(2952) ना. 91-106 प.

पञ्चदशाफलम्

(B 576) क. 77–106 प.

पञ्चपक्षिप्रश्नः.

(B 160) क. 20 प.

(656) आ. 15 + 6 प. सकर्णाटटीकः.

(1725) क. 26 प. ,,

(713) ना. 15-44 प. सान्ध्रटीकः.

(1802) आ. 286-290 प. ,,

पञ्चाङ्गम् (मैसूरुसिद्धान्तम्.)

(C 802—812) दे, क. (1797-1902 तमवत्सरपर्यन्तम्.)

पञ्चाङ्गकरणम्.

(B 586) क. 12 प.

पञ्चाङ्गपीठिकाफललेखनप्रकारः.

(112) ना. 33-38+20-29 प.

पञ्चाङ्गशिरोमणिः वेल्लालतिम्मय्यकृतः.

(2559) आ. 184-187 प.

(2575) ना. 79 प. कर्णाटटीकायुतः.

पञ्चाङ्गसाधनम् (संवत्सरादिफलं.)

(1883) आ. 23-64 प.

(2559) आ. 167-184 प.

(2634) ना. 64 प.

पन्थाचक्रम्.

(132) आ. 59-78 प.

पराशरहोराव्याख्या (प्रकटार्थः) गोविन्दस्वामिविरचितः.

(3166) ग्र. 117 प.

पवनविजयः महेश्वरप्रोक्तः.

(B 604) क. 28 प.

पाकपरिपाकः सञ्जयाचार्यकृतः.

(2831) आ. 94–100 प.

पितामहसंहिता.

(1764) ना. 48 प.

प्रतिभागिपदकम्.

(B 576) क. 31–37 प.

(B 605) क. 23 प.

(2588) आ. 60-92 प.

प्रश्नज्ञानम्.

(B 316) क. 4 प.

प्रश्नप्रकरणं विघ्नराजकृतम्.

(B 655) दे. 29 प.

प्रश्नप्रभेदः.

(2831) आ. 29–60 प.

प्रश्नमार्गः.

(2926) मल. 103 प. 32 अध्यायाः.

प्रश्नशास्त्रं केशवीयम्.

(161) क. 18–34 प.

प्रश्नसंग्रहः.

(C 1818) दे. 6 प.

फलदीपिका मन्त्रेश्वरविरचिता.

(3181) ग्र. 35 प.

(3503) ग्र. 32 प.

बार्हस्पत्यनिमित्तं बृहस्पतिकृतम्.

(3505) ग्र. 24 प.

बालबोधः.

(B 584) दे. 48 प. ऋतुफलनिरूपणान्तः.

(B 678) ना. 15 प. ज्योतिर्गणितम्.

बीजगणितं भास्कराचार्यकृतम्.

(B 589) क. 47-66

(B 590) क. 16 प.

(B 591) क. 22 प.

(B 598) क. 44 प. सव्याख्यम्.

(A 300) क. 114 प. कृष्णसूरिविरचिता बीजावतंसाख्या व्याख्या.

(2334) आ. 65 प. ,,

बीजफलसंस्कारः.

2559) आ. 63-64 प.

बुधभूषणं कामदेवरचितम्.

(B 578) क. 24 प.

(2559) आ. 27-41 प.

बृहज्जातकं वराहमिहिरकृतम्.

(316) ग्र. 17 प. 10 अध्यायाः.

(370) ना. 55-57 प. राशिभेदाध्यायः.

(1798) ना. 69-78 प. 11 अध्यायाः.

(2559) आ. 118-153 प.

(2688) क. 132-146 प.

(2831) आ. 24 प.

(A 279) क. 198 प. सुबोधिनीनामिका टीका. 27 अध्यायाः.

(2688) क. 149-168 प. विवरणम्. महीधरकृतम्. 24 अध्यायाः.

(3450) मल. 125 प. ,, ,,

(4141) ग्र. 41-137 प. व्याख्या. दशाध्यायी.

बृहत्सुबोधगणितं रामदेवकृतम्.

(656) आ. 6 प.

ब्रह्मसिद्धान्तः (शाकल्यसंहिता)

(1699) ग्र. 50 प.

(1801) आ. 299-316 प. 3-4 अध्यायौ.

(1934) ना. 26-68 प. 5 अध्यायाः.

(2563) आ. 44 प. 6 अध्यायाः.

ब्रह्माद्यायुर्निर्णयः.

(1883) आ. 42-56 प.

भार्गवपञ्चाङ्गम्.

(B 659) क. 10 प.

भावकौमुदी.

(1095) ग्र. 13 प. वेङ्कटेशविरचिता.

(2289) ग्र. 48 प. वाधूलवेङ्कटाचार्यविरचिता.

(3184) ग्र. 46 प. ,,

भावप्रकाशः (भुवनप्रदीपाख्यः.)

(591) ना. 11 प.

भावफलाध्यायः.

(1804) ना. 76 प.

(370) ना. 20-30 प.

(C 622) दे. 11 प. वेलाचार्यप्रोक्तः.

भुवनकोशविस्तारिका प्राणिनामायुःप्रमाणं, शकनिरूपणं च.

(989) ना. 82-88 प.

भुवनप्रदीपादिसंग्रहः श्रीकृष्णराजः,

(A 478) क. 286 प.

भूगोळनिर्णयः वेदान्ताचार्यकृतः.

(626) ग्र. 4 प.

(B 69) आ. 10 प.

भूगोळसंग्रहः.

(3148) ग्र. 22 प.

(C 1848) दे. 17 प. वादिराजविरचितः.

भूगोळाध्यायः (दैवज्ञाभरणम्.)

(2188) आ. 11 प.

मणिदर्पणं (प्रश्नशास्त्रम्.)

(1335) आ. 3 प. असः

मल्लिकार्जुनीयगणितम्.

(2588) आ. 44 प.

माङ्गल्यद्वादशकम्.

(1764) ना. 50 तमपत्रम्.

मासचर्या.

(1764) ना. 49-50 प.

मुहूर्तचिन्तामणिः रामदैवज्ञरचितः.

(C 1806) दे. 109 प,

मुहूर्तदर्शनं (विद्यामाधवीयम्.) विद्यामाधवकृतम्.

(B 68) आ. 42 प.

(26) ना. 27 प. 8 अध्यायाः.

(116) आ. 31 प. 7 ,,

(212) ना. 53-98 प.

(713) ना. 16 प. अस.

(1821) ना. 5 प. 1-3 अध्यायाः.

(2897) ना. 39 प. [अध्यायाः.

(B 66) आ. 198 प. विद्यामाधवसूनु विष्णुशर्मविरचिता व्याख्या. 3

(B 67) आ. 234 प. ,, 4-7 अध्यायाः.

(B 106) आ. 186 प. ,, 8-9 ,,

(A 500) आ. प.

(B 109) आ. 177 प. ,, 10-12 अध्यायाः.

(B 110) आ. 77 प. ,, 13-14 अध्यायौ..

(B 619) क. 233 प. ,, 11-15 अध्यायाः.

(1771) ना. 63 प. कर्णाटटीकायुतम्. 1-3 ,,

(2330) क. 31-77 प. ,, 5-15 ,,

(2556) ना. 145 प. ,,

(2646) ना. 192 प. ,,

मुहूर्तमार्तण्डः मार्तण्डवल्लभकृतः.

(C 590) दे. 10-60 प. सटीक आद्यन्तलोपः.

(1766) ना. 89 प. सव्याख्यः.

मुहूर्तमुक्तावळिः भाषाटीकायुता.

(404) आ. 24 प. 21 अध्यायाः यात्राप्रकरणम्.

(,,) ,, 6-18 प. 9 ,, विवाहप्रकरणान्ता.

मेघमालामञ्जरी.

(B 620) ना. 20 प.

(C 1815) दे. 18 प.

यल्लंभट्टीयम्.

(1801) आ. 294-298 प (गुरुचन्द्रसमागमोदाहरणम्, क्रान्तिगतिः,
[गोळयन्त्रभ्रमणद्रव्योपयोगाविशेषः, इति विषयाः.)

यवनहोरा (यवनजातकम्) यवनाचार्यकृता.

(1403) आ. 79 प. अस.

(1802) आ. 31-42 प.

(2124) ग्र. 105 प. (चन्द्राभरणहोरा) 87 अध्यायाः.

योगार्णवः.

(975) आ. 4 प. अस.

योगावळी नृसिंहकृता.

(299) आ 9 प.

रजस्वलापञ्चदशी वेदान्तभट्टकृता.

(1150) ना. 23 प. श्रीरामभट्टकृतव्याख्यायुता.

(4389) ना. 6 प. ,,

रत्नदीपकम् गणपतिकृतम्.

(C 885) दे. 11 प.

रमुलुचिन्तामणिः प्रश्नशास्त्रम्.

(833) आ. 45 प.

(1933) ना. 16 प.

रविचन्द्रनाडीग्रन्थः भृगुप्रोक्तः.

(B 215) आ. 220 प.

रव्यादिपदकम्.

(2642) आ. 31 प.

(2643) आ. 23 प.

राजादियोगाः.

(2688) क. 26-32 प.

रामचन्द्रीयं यल्लयार्यकृतम्.

(2559) आ. 187-193 प.

रामप्रश्नः

(B 576) क. 190-192 प.

रोमशसिद्धान्तः.

(B 609) क. 32-58 प. 9 अध्यायाः.

लक्ष्मीनृसिंहीयगणितं पापातिम्मय्यकृतम्.

(2568) आ 11 प.

(2588) आ. 123-134 प.

लग्नजातकाध्यायः (व्याससंहितासारसंग्रहः.)

(3782) आ. 3 प.

लग्नजातकम् (लग्नवशेन निर्याणनिर्णयः.)

(1764) ना. 33-40 प.

(1804) आ. 11 प.

लघुजातकं वराहमिहिराचार्यकृतम्.

(1802) आ. 43-51 प.

(2831) आ. 25-32 प.

(1675) ग्र. 180 प. व्याख्यानं भट्टोत्पलकृतम्. प्रश्नविषयकश्लोकसमुच्चयश्च.

लघुभास्करीयम्.

(3898) ग्र. 7 प. 5 अध्यायाः.

लघुमानसं मञ्जुळाचार्यकृतम्.

(28) ना. 3 प.

(316) क. 5 प.

(B 581) क. 28 प.

(2559) आ. 88-94 प.

(B 580) क. 107 प. यल्लयार्यकृता टीका.

(B 581) क. 10 प. प्रशस्तधरकृता टीका 2 अधिकारौ.

(B 583) क. 30 प. ,, समग्रा.

लघुसुबोधः ग्रहगणितम्.

(12) ना. 36-41 प. गीर्णादिवाक्ययुतः.

लम्पाकः पद्मनाभकृतः.

(B 576) क. 4-20 प.

(2589) ना. 8-56 प. सव्याख्यः.

लीलावती भास्कराचार्यकृता.

(2568) आ. 31 प.

(2608) ग्र. 25 प. सव्याख्या भिन्नपरिकर्माष्टकपर्यन्ता.

(B 587) क. 95 प. अळसिङ्गार्यकृता कर्णाटटीका. (अस.)

(B 645) क. 46 प. ,,

वर्षचर्याजातकम्.

(2688) क. 91-96 प.

(2952) ना. 69-90 प.

(3162) ग्र. 80-83 प.

वर्षतन्त्रम्,

(B 610) क. 66-73 प.

वर्षफणी.

(132) आ. 59-78 प.

(2253) आ. 32 प. सान्ध्रटीकः.

(3744) आ. 46 प.

वर्षयोगाध्यायः.

(B 617) क. 20 प.

वसन्तराजशाकुनम्.

(2142) आ. 33-82 प. 8-18 वर्गाः

वाक्यकरणम् वररुचिकृतम्.

(28) ना. 3-26 प.
(2057) आ. 117-140 प.
(B 605) क. 10 प.
(B 610) क. 73-81 प.
(B 606) क. 28 प. सुन्दरराजसोमदेवरचिता टीका.

वाक्यकरणलघुदीपिका सोमदेवकृता.

(4099) ग्र. 59 प. समग्रा.

वाक्यपञ्चाङ्गकरणक्रमः.

(1726) आ. 105-139 प.

वाक्यपञ्चाङ्गपदकम्.

(3695) आ. 43 प.
(3702) आ. 11-61 प.

वार्षिकतन्त्रं विद्दणाचार्यकृतम्.

(352) ना. 3+23-40 प. पञ्चमाध्यायमारभ्य हरिहरभट्टकृत कर्णाट-[टीकायुतम्.
(19) ग्र. 93-149 प. 7 अध्यायाः सव्याख्यानम्.
(2559) आ. 41-50 प. (मूलम्.)

वासिष्ठसंहिता वासिष्ठमहर्षिकृता.

(256) ना. 106 प. जातकर्मादिनिर्णयः.

(678) ग्र. 60 प. गृहप्रवेशान्ता.

वासिष्ठसिद्धान्तः.

(B 609) क. 26-31 प.

(2559) आ. 95-100 प.

विष्णुकौशलचक्रम्.

. (1802) आ. 247-272 प.

वेङ्कटाद्रिनाथीयं नृसिंहसूनुकृतम्.

(2559) आ. 9-26 प.

शकुनमाला वादिराजीया.

(B 745) दे. 4 प.

शकुनावळिः.

(2722) ना. 3 प.

शिवकौशलविष्णुकौशलचक्रम्.

(212) ना. 57-97 प.

शिवलीलायोगावळिः (प्रश्नचक्रं बृहस्पतिप्रोक्तम्.)

(395) ना. 2 प.

शिष्यधीतन्त्रम् लल्लाचार्यकृतम्.

(B 607) क. 18 प.

(B 608) क. 93 प.

शीघ्रबोधः काशीनाथकृतः.

(B 585) दे. 42 प.

शुक्रनाडीग्रन्थः.

(B 57) आ. 130 प. पूर्वभागः.

(B 58) आ. 162 प. उत्तरभागः.

(2988) ग्र. 86-366 प. (अत्र 134-143 पत्रलोपः.)

शुण्ठीगणपद्शा.

(1821) ना. 16 प.

श्रीतत्त्वनिधिः. कृष्णराजसंगृहीतः.

(A 387) दे. 105 प.

श्रीनिवासप्रसन्नमालिका.

(C 872) आ. 8 प.

श्रीपतिपद्धतिः (जातकालंकारव्याख्या) सूर्यदेवसोमसुद्विरचिता

(4182) ना. 131 प.

श्लेषितफलशास्त्रम्.

(3236) ग्र. 144 प.

षट्पञ्चाशिका भट्टोत्पलकृता.

(852) ग्र. 22–43 प.

(1821) ना. 4 प. व्याख्या प्रथमोऽध्यायः.

संख्यारत्नकोशः श्रीकृष्णराजविरचितः.

(A 477) क. 317 प.

संज्ञानिघण्टुः.

(B 622) आ. 7 प.

संवत्सरादिजननफलम्.

(2084) आ. 101–106 प.

सन्तानदीपिका उमामहेश्वरः.

(B 64-65) आ. 180 प.

(852) आ. 11–17 प. अस.

(3495) आ. 18 प.

सप्तनाडीचक्रादिकम्.

(1802) आ. 198–220 प.

समरविजयोदयः वराहमिहिरसुतपृथुयशःकृत.

(1726) आ. 50 प. 27 अध्यायाः.

समरसारः रामसोमयाजिकृतः (प्रश्नशास्त्रम्)

(C 591) आ. 7 प.

(2952) ना. 4 प.

समाविवेकविवृतिः.

(C 1807) दे. 58 प.

सर्वतोभद्रचक्रं नरपतिविजयीयम्.

(132) आ. 59 प.

(212) ना. 57–97 प.

(810) आ. 25 प. सान्ध्रटीकम्.

(1723) आ. 23 प.

(1798) ना. 72–74 प.

(2084) ना. 107–140 प.

सर्वार्थचिन्तामणिः वेङ्कटेशकृतः.

(975) आ. 32 प.

(404) आ. 10 प. अस.

(1044) आ. 99 प.

(2186) आ. 175 प. 23 अध्यायाः.

(3989) आ. 58 प.

सामुद्रिकलक्षणम्.

(815) आ. 2–13 प.

(B 638) आ. 8 प.

(1345) ना. 17 प.

(3162) ग्र. 196–201 प.

(4097) प्र. 27 प.

सिद्धान्तशिरोमणिः भास्कराचार्यकृतः.

(1335) आ. 45 प. प्रथमः पादः (लीलावत्याख्यः)

(989) ना. 54 प. ,, ,,

(2057) आ. 95 प. गणितगोळाध्यायौ.

(2087) आ. 184 प. ,, वासना भाष्ययुतौ.

(C 854) दे. 120 + 40 प. ,, गोळाध्यायास्त्रिप्रश्नाधिकारतस्समग्रः

(C 856) दे. 29 प. गणिताध्यायः ग्रहयोगाधिकारान्तः.

(141) आ. 99 प. बीजगणिताख्यद्वितीयपादव्याख्या बीजावतंसाख्या. कृष्णदैवज्ञकृता.

(B 565–567) क. 385+329+373 प. विश्वरूपाचार्यरचिता. मरीच्याख्या. व्याख्या.

(A 26) क. 368 प. गोळपादश्चतुर्थः ,,

(3992) ना. 90–210 प. गोळाध्यायः वासनाभाष्ययुतः.

(1798) ना. 71 प. ,, ,,

(44) क. 59 प. महीधराचार्यव्याख्यायुतः.

(1605) प्र. 7 प. द्रामिडटीकायुतः. (परिकर्माष्टकम्)

सिद्धान्तसंग्रहः.

(1813) ना. 12 प.

सिद्धार्चिक्रम्.

(132) आ. 59–78 प.

सूर्यपक्षशरणम्.

(2057) आ. 95–117 प.

सूर्यासिद्धान्तः.

(903) ना. 8 प.

(1766) ग्र. 21 प.

(1798) क. 146–150 प. (2 अध्यायौ)

(1813) ना. 48 प.

(1883) आ. 21-41 प.

(1934) ना. 25 प.

(2188) आ. 17 प.

(2559) आ. 63-88 प.

(2590) ना. 89-138 प.

(4186) ना.87 प.

(4253) आ. 53 प.

(B 579) क. 45 प.

(B 643) ना. 116 प. व्याख्या मल्लिकार्जुनरचिता. 12 अध्यायाः.

(2211) ग्र. 124 प. ,, ,,

(2118) आ. 141 प. ,, कल्पवल्ली यल्लयार्यरचिता.

(2594) ग्र. 91 प. ,, ,,

(227) ना. 143 प. ,, ,, 18 श्लोकपर्यन्ता, मध्येमध्ये 30 पत्राणिलुप्तानि.

(3901) आ. 148 प. ,, ,,

(3240) ना. 184 प. ,, कामदोग्ध्री तम्मयार्यरचिता.

(3523) ग्र. 102-200 प. ,,

(1801) आ. 293 प. ,, ,,

(3524) ग्र. 145 प. ,, ,,

(1799) ना 42-47 प. ,, ,, स्पष्टाध्यायः.

(B 572) क. 109 प. ,, चोळविपश्चित्कृता. 12 अध्यायाः.

2565) ना. 52-139 प. ,, ,, 4-14 ,,

(2598) ग्र. 82 प. चोळविपश्चित्कृता 13 अध्यायाः

(2084) आ. 95 प. ,, यन्त्राध्यायसमाप्तयन्ता.

(2803) आ. 328 प. ,, सुबोधिनी रामकृष्णाराध्यकृता 13 अध्या.

(C 857) क. 29 प. ,, ,, मध्याधिकारे 58 श्लोकाः.

(16) ना. 91 प. ,, वासना. नरसिंहदैवज्ञकृता. सप्तमाधिकारे 11 श्लोकपर्यन्ता.

(80) ना. 44 प. कर्णाटटीकायुतः 13 अधिकाराः.

(2590) क. 88 प. ,, 1-6 ,,

सूर्यसिद्धान्तसंग्रहः शम्भुशर्मकृतः.

(325) ग्र. 14 प. 9 अधिकाराः.

सूर्यसिद्धान्तसारः मल्लययायजूककृतः.

(318) ना. 29 प. सकर्णाटटीकः सार्धचतुरधिकाराः.

सूर्यसिद्धान्तानयनप्रकारः.

(1810) ना. 146 प.

सोमसिद्धान्तः.

(B 609) क. 25 प.

(2559) आ. 100-117 प.

स्त्रीलक्षणाध्यायः (स्कान्दे)

(37) ना. 5 प.

स्वप्नाध्यायः.

(68) ना.-23 प. बृहस्पतिप्रोक्तः.

(C 481) दे. 6. प. महाभारते अनुशासनपर्वणि.

(1974) ना. 3 प. शौनकीयः.

(896) क. 22-26 प. सकर्णाटटीकः.

स्वरप्रश्नः (दशविधः.)

(713) ना. 44-51 प.

स्वरशास्त्रं भावफलम्.

(3186) म्र. 36 प.

(3790) आ. 50-80 प. (स्वरचिन्तामण्यादिः.

होरारत्नम्.

(656) आ. 2 प.

होरासारः.

(404) आ. 150-174 प. 32 अध्यायाः.

(370) ना. 38-55 + 98-109 प.

(2688) क. 111-127 प. 18-32 अध्यायाः.

XVII. वैद्यशास्त्रम्.

अकलङ्कसंहिता.

(A 586) क. 255 प.

अभिधानरत्नमाला (षड्रसनिघण्टुः.)

(2500) ना. 86 प.

अश्ववैद्यम् (शालिहोत्रीयं)शालिहोत्रऋषिकृतम्.

(220) आ. 151 प. मध्येमध्ये ग्रन्थलोपो दृश्यते.

(A 24) क. 247 प. अश्वनेत्रज्ञानविध्यन्तम्.

अष्टाङ्गसंग्रहः वाग्भटाचार्यकृतः.

(1089) क. 120 प.

अष्टाङ्गहृदयं वाग्भटाचार्यविरचितम्.

(1156) आ. 185 प. चिकित्सास्थानपर्यन्तम्.

(1301) आ. 112 प. निदानस्थानं सान्ध्रटीकम्.

(1362) आ. 56-112 प. ,, ,,

(842) ग्र. 16+45 प. अष्टाङ्गहृदयं वाग्भटाचार्यविरचितम्.

(B 180) क. 26 प. सूत्रस्थानं सकर्णाटटीकम्

(843) क. 93 प. सूत्रनिदानचिकित्सास्थानानि.

(864) आ. 217 प. ,, 46–69 पत्रलोपः

(844) आ. 168 प. सूत्रनिदानस्थाने.

(1843) आ. 260 प. सूत्रस्थानतःशारीरे तृतीयाध्यायसमाप्तयन्तम् आन्ध्रप्रतिपदयुतम्.

(B 51-52) आ. 230 प. व्याख्या आयुर्वेदरसायनाख्या हेमाद्रिविरचित निदानचिकित्सास्थाने उन्मादनिरूपणान्ता.

(1158) आ. 102 प. व्याख्या सर्वाङ्गसुन्दरी अरुणदत्तीया शारीरस्थानम्

(1099) ना. 40 प. ,, ,,

(3833) क. 342 प. ,, ,, मनोदयादित्यभट्टीया च.

आत्रेयसंहिता.

(1555) ग्र. 45 प.

आनन्दकन्दं भैरवप्रोक्तम्.

(2483) आ. 156+162-193 प. अमृतीकरणविश्रान्तौ 25 उल्लासाः क्रियाकरणविश्रान्तौ 9 उल्लासाश्च.

(B 933) क. 260 प. प्रथमभागः.

(,,) क. 261–515 प. द्वितियिभागः

आयुर्वेदः योगानन्दव्याख्यायुतः.

(A 449) क. 276 प.

(3912) आ. 160 प. 5 प्रश्नाः

आयुर्वेदसुधानिधिः (भेषजकल्पः)

(764) आ. 175–190 प. प्रथमोऽध्यायः.

आरोग्यचिन्तामणिः.

(3820) क. 175 प.

(3827) क. 78+16 प.

(442) क. 216 प.

औषधसंग्रहः अभिधानसरस्वतीकृतः.

(1046) म 17+35 प.

कपिञ्जलतन्त्रम्.

(B 803) आ 8 प.

कल्याणकारकं उग्रादित्याचार्यकृतम्.

(B 283) क. 279 प.

(A 273) दे. 158 प.

(3811) क. 137 प.

(3836) क. 26-40 प.

(2495) क. 99 प. चिन्तामण्याख्यकर्णाटटीकायुतम् 450 श्लोकाः.

कालज्ञानं भाषाटीकायुतम्.

(C 880) दे. 16 प.

काश्यपतन्त्रं लक्ष्मणकविकृतम्.

(1555) आ. 24 प.

काश्यपसंहिता.

(A 129) आ. 89 प. अस.

गन्धककल्पादि.

(854) म. 30 प.

गर्भिणीचिकित्सा.

(1085) आ. 16 प.

गुणपाठः.

(1701) म. 141 प. पर्यायपाठयुत.

(3834) क. 173 प.

चिकित्सार्णवः महेश्वरकृतः.

(1148) ना. 32 प.

चिकित्सासारसंग्रहः

(2780) आ. 70 प.

(3829) क. 65 प.

दिनचर्यापद्धतिः.

(854) ग्र. 15 प.

द्रव्यरत्नावळी.

(1159) आ. 71+96–100 प. आन्ध्रभाषाटिप्पणयुता.

द्रव्यसिद्धिः (गुणपाठः)

(3821) क. 77 प.

धन्वन्तरिनिघण्टुः.

(2480) ग्र. 78 प. आम्लादिवर्गपर्यन्त..

(A 484) क. 113 प.

नाडीतन्त्रं हारीतकृतं.

(1553) ग्र. 37–52 प

नाडीलक्षणम्.

(B 615) क. 11 प.

(B 804) आ. 16 प.

निदानम्.

(1553) ग्र. 53–88 प.

परिमळपारिजातः.

(1302) ना. 25 प. अस.

पर्यायमञ्जरी श्रीकण्ठनान्दिसवर्णरचिता.

(A 443) क. 119 प.

प्रयोगसारः (गर्भिणीबालचिकित्सा)
(1779) ना. 120–127 प.

बालग्रहचिकित्सा.
(853) ना. 107–115 प.

बालतन्त्रम्.
(15) ना. 47 प.

भृङ्गामलकादियोगसंग्रहः.
(156) आ. 54 पं.
(273) प्र. 3 प.
(919) आ. 13 प.

भेषजकल्पः (आयुर्वेदसुधानिधिः) गङ्गाधरकृतः.
(B 164) क. 60 प.
(1161) क. 10 प. व्याख्या.

भोजनकुतूहलं रघुनाथकृतम्.
(A 104) दे. 147 प.

भोजराजचारुचर्या भोजराजकृता.
(A 71) आ. 192 प.

योगचिन्तामणिः हर्षकीर्तिकृतः.
(C 877) दे. 138 प. प्रथमभागः.
(C 876) दे. 31–178 प. द्वितियभागः.

योगरत्नावळी नागार्जुनसिद्धविरचिता.
(C 1073) दे. 48 प. श्वेताम्बरविरचितविवृतियुता.

योगशतकं श्रीपण्डितकृतम्.
(B 163) क. 70 प.

रसकल्पः.
(1320) मल. 33 प.

रसकौमुदी ज्ञानचन्द्रकृता.

(C 242) दे. 12 प.

रसचिन्तामणिः.

(957) क. 165 प.

रसरत्नाकरः पार्वतीपुत्रनित्यनाथकृतः.

(A 118) दे 218 पु. वादखण्ड: 18 अध्यायाः.

(862) ना. 72 प. 29 उपदेशाः 48-57 पत्रलोपः.

रसशास्त्रसारसंग्रहः.

(813) ग्र. 98 प. असं.

रससारः गोविन्दाचार्यकृतः.

(B 53) आ. 64 प.

रससिद्धान्तशासनम्.

(1161) क. 26 प.

रसहृदयं गोविन्दभगवत्कृतम्.

(3005) ना. 38+21 प.

रसेन्द्रचिन्तामणिः.

(1161) क. 13 प.

राजनिघण्टुः (अभिधानचूडामणिः)

(3810) क. 144 प.

लोलम्बराजीयं (वैद्यजीवनम्).

(168) ग्र. 71 प. रुद्रभट्टीयव्याख्यायुतम्.

(B 217) आ. 77 प. कृष्णपण्डितीयव्याख्यायुतम्.

(3836) क. 26 प. ,,

वश्यादिप्रयोगाः.

(854) ग्र. 16 प.

(829) ग्र. 10+12 प.

(107) क. 111-125 प.

वसन्तकुसुमाकरादियोगाः.

(290) आ. 51-87+2 प.

वाग्भटमण्डनं नरहरिपण्डितकृतम्.

(A 101) आ. 100 प.

वृत्तिसंख्यानिदानं शङ्करकविकृतम्.

(157) ग्र. 32 प.

वैद्यकल्पभूषणम्.

(1085) आ. 43+13 प. सान्ध्रटीकम्.

वैद्यकल्पसमुच्चयः वेङ्कटेशकविकृतः.

(B 173) क. 114 प. वैद्यकल्पव्याख्या.

वैद्यचिकित्सामृतम्.

(3826) क. 211 प.

(A 462) क. 460 प. पूर्वभागः.

(A 463) क. 461-933 प. उत्तरभागः.

वैद्यचिन्तामणिः वल्लभेन्द्रविरचितः.

(168) ग्र. 32 प. 2 उल्लासौ सान्ध्रटीकौ.

(283) ना. 32 प. अस.

(853) आ. 106 प. ,,

(764) आ. 167 प. ,,

(1033) आ. 58+12 प. ,,

(2054) क. 216 प. कर्णाटटीकायुतः.

(3531) ग्र. 41 प.

वैद्यजीवनं लोलम्बराजीयम्.

(A 301) दे. 11 प.

(649) आ. 21 प.

(650) आ. 45 प. रुद्रभट्टरचितटीकायुतम् 4 उल्लासाः.

(C 1120) दे. 32 प. ,,

(3383) ग्र. 28 प. ,,

वैद्यनिघण्टुः (अकारादिः.)

(A 603) क. 16 प.

(729) ग्र. 82+108 प. कर्णाटभाषार्थयुतः.

(3831) क. 87 प. ,,

(1088) क. 54+70-120 प. सान्ध्रटीकः.

वैद्यनिघण्टुसारः चिक्कणपण्डितरचितः.

(3830) क. 116 प.

वैद्यवल्लभः लक्ष्मणपण्डितविरचितः.

(148) ग्र. 340 प.

(1283) क. 293 प.

(3832) क. 210 प.

वैद्यविनोदसारः महादेवभिषक्कृतः.

(168) ग्र. 29 प. अस.

वैद्यशास्त्रदीपिका.

(483) आ. 36 प.

वैद्यसंग्रहः (रक्षाबन्धनादिमूलिकासंग्रहः).

(575) आ. 68+9 प.

(755) ग्र. 205 प.

(821) ग्र. 232 प.

(851) आ. 50 प. यन्त्रादियोगाः.

(1831) क. 100 प.

(2492) ग्र. 202 प.

(3238) ग्र. 150 प.

(3486) ग्र. 176 प.

(3814) क. 163 प.

(3835) क. 19–119 प. नञ्जनाथभूपालविरचितः.

(3837) क. 178 प.

(753) आ. 152 प. सकर्णाटटीकः.

(820) ग्र. 41-214+94-184 प. ,,

(858) ग्र. 28–143 प. ,,

(868) क. 122 प. ,,

(2664) आ. 83 प. ,,

(3907) ग्र. 73 प. ,,

(1081) आ. 269 प. सान्ध्रटीकः.

(1082) आ. 200 प. ,,

(853) आ. 82 प. ,,

(1083) क. 122 प. ,,

(2296) आ. 146 प. ,,

(764) क.) 168-174 प. आन्ध्रभाषा.

(1032) आ. 40 प. ,,

वैद्यसारसंग्रहः.

(776) ग्र. 54+50 प. नञ्जनाथभूपालकृतः सकर्णाटटीकः 4 प्रकरणा

(1673) ग्र. 180 प. (मूलम्.)

(1553) ग्र. 48 प. जैनकृतः.

(2781) क. 4+234 प. नृसिंहसूरिकृता.

(1980) क. ना. 315 प. कर्णाटटीकायुतः.

(2588) आ. 30 प. निदानाधिकारः.

वैद्यहितोपदेशः श्रीकण्ठविरचितः.

(3828) क. 110 प.

वैद्यामृतम्.

(3825) क. 293 प.

शतश्लोकी अवधानसरस्वतीकृता.

(157) प्र. 33-76 प. सान्ध्रटीका.

(2714) क. 64 प. सकर्णाटटीका.

शिवतत्त्वरत्नाकरः केळदीबसवराजकृतः.

(A 46) आ. 345 प.

सारसिन्धुः (अश्ववैद्यशास्त्रम्) मल्लपण्डितकृतः.

(870) आ. 144 प. चिकित्सास्थाने 4 अध्यायाः.

सिद्धनागार्जुनीयं वैद्यम्.

(2651) प्र. 51 प.

सिद्धयोगरत्नावळिः.

(753) आ. 96 प.

सूपशास्त्रम्.

(3830) क. 38+40 प.

सौभाग्यशुण्ठ्यादिचूर्णविधिः.

(2714) क. 65-177 प.

हस्त्यायुर्वेदः पालकाप्यमुनिप्रणीतः.

(A 441) दे. 144 प.

(C 471) दे. 75 प. तृतीयस्थाने 30 अध्यायाः.

(177) आ. 271 प. सान्ध्रटीकः. (विशकलितानि पत्राणि.)

(A 440) क. 132 पु. कर्णाटभाषातात्पर्यसहितः 21 अध्यायाः.

XVIII न्यायशास्त्रम्.

अचलोपाध्यायटिप्पणी

(C 1712) दे. 30 प.

अनुगमपत्राणि गदाधरः.

(C 1617) दे. 64 प.

अन्वयव्यभिचारपरिष्कारः पट्टाभिरामीयः.

(3033) प्र. 11 प.

अप्रामाण्यानुगमः गदाधरः.

(C 1612) दे. 5 प.

अवयविकर्मणां विभागजनकत्ववादः.

(728) आ. 10 प.

आख्यातवादः. रघुनाथशिरोमणिविरचितः.

(29) ना. 8 प.

(3691) आ. 8 प.

(239) आ. 8–47 प. रघुदेवीयव्याख्यायुतः.

(155) आ. 38 प. ,,

(1739) प्र. 15 प. ,,

(3138) आ. 25 प. ,,

(3691) आ. 9 + 44 प. ,,

(4017) आ. 6+ 13 प. ,,

आत्मतत्वप्रबोधः राघवपञ्चाननकृतः.

(A 384) आ. 55 प.

आत्मतत्वविवेकव्याख्या.

(B 809) आ. 175 प. सन्मिश्रशङ्करकृता.

(1572) दे. 117 प. रघुनाथशिरोमणिकृता.

ईश्वरानित्यसुखवादः.

(728) आ. 10 प.

उपसर्गवादः.

(666) ना. 29-30 प.

उपाधिखण्डनमन्दारमञ्जरी.

(C 1915) दे. 60 प.

उपाधिवादः.

(4021) आ. 8 प.

एवकारवादः.

(666) ना. 31-32 प.

कणादन्यायभूषणम् वीरभद्रयज्वतनयविरचितम्.

(778) आ. 3 प. अस.

कणादसिद्धान्तचन्द्रिका (न्यायसिद्धान्तचन्द्रिका.)

(580) आ. 22 प.

(1058) आ. 28 प. 1-3 परिच्छेदाः.

(C 1786) दे. 48 प. असमग्रा.

(719) आ. 11-152 प. व्याख्या प्रसादाख्या गङ्गाधरकृता(नयोज्ज्वला).

(768) प्र. 111-253 प. ,,

(3287) आ. 143 प. ,,

(3886) प्र. 110 प. ,, असमग्रा.

काणादसंग्रहः.

(2234) आ. 22 प.

कारकवादः जयरामीयः.

(2101) आ. 28 प.

(2418) आ. 54 प.

किरणावली उदयनाचार्यकृता.

(C 347) दे. 67 प. द्रव्यभागः.

कृतिसाध्यताज्ञानकारणतावादः मथुरानाथीयः.

(C 93) दे. 14 प.

केवलान्वयिवादः.

(728) आ. 7 प.

क्त्वाप्रत्ययवादः.

(666) ना. 4 प.

गङ्गारामजटीयम्.

(2415) आ. 25 प. दिनकरीयक्रोडम्.

(2923) प्र. 55 प. ,,

(C 1630) दे. 18 प. ,,

चतुष्षष्टिवादाः

(A 204) प्र. 50 प.

चन्नुभट्टीयनिरुक्तिव्याख्या श्रीनिवासभट्टीया.

(1303) प्र. 121-138 प.

ज्ञानप्रत्यासत्तिवादः.

(1308) प्र. 44 प.

तत्त्वचिन्तामणिः गङ्गेशोपाध्यायकृतः.

(1228) प्र. 223 प. 1–3 परिच्छेदाः.

(1295) प्र. 55 प. अपूर्णः प्रत्यक्षपरिच्छेदः.

(1742) प्र. 65 प. शब्दे उत्तरभागः.

(1773) ना. 60 प शब्दखण्डस्समग्रः

(2067) ग्र. 41 प. प्रथमःखण्डः निर्विकल्पवादान्तः.

(3349) ना. 145-234 प. शब्दखण्डः.

(4310) आ. 296 प. प्रत्यक्षशब्दखण्डौ.

(4047) आ. 66 प.

(C 1764) दे. 142 प. समग्रः.

तत्त्वचिन्तामणिदर्पणं राजचूडामणिदीक्षितकृतम्.

(1772) ना. 37 प. शब्दखण्डः असमग्रः.

तत्त्वचिन्तामणिदीधितिः रघुनाथशिरोमणिभट्टाचार्यकृता.

(C 86) व. 85 + 78 प. संगत्यादिसामान्यलक्षणान्ता, पक्षताप्रभृतीश्वरानुमानान्ता च.

(C 305) दे. 12—27 28 प. व्याप्तिवादः.

(C 354) दे. 22 प.

(C 1595) दे. 27 प. हेत्वाभासः.

तत्त्वचिन्तामणिदीधितिव्याख्या गदाधरीया.

(C 81) दे. 362 प. अनुमाने पक्षपातादितः सत्प्रतिपक्षान्ता,

(C 841) आ. 29 प. अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः.

(2934) ग्र. 130 प. ,,

(C 1716) दे. 27-37 प. अवच्छेदकताविचारः.

(C 982) दे. 31 प. अवयववादः.

(187) ग्र. 81 प. ,,

(C 131) दे. 6 प. ,, अस.

(3146) ग्र. 104 प. ,, व्याख्या. कृष्णभट्टीया.

(3152) ग्र. 91 प. ,, क्रोडपत्रम्.

(C 1263) आ. 16 प. ,, शङ्करभट्टीयक्रोडम्.

(C 1585) आ. 15 प. ,, ,,

(C 1262) आ. 9 प. ,, काळीशङ्करीयम्.

(C 1179) आ. 22 प. अवयववादः चन्द्रनारायणीयम्.

(2417) आ. 52 प. ,, ,,

(C 1219) आ. 10 प.	अवयववादः	त्रयम्बकयिम्.
(C 1261) आ. 3 प.	,,	वङ्गालपत्रम्.
(C 1220) आ 7 प.	,,	विठ्ठलभट्टीयम्.
(C 683) आ. 14 प.	,,	,,
(2428) आ. 12 प.	,,	,,
(C 1221) आ. 21 प.	,,	क्रोडम्.
(C 1222) आ.4 प.	,,	,,
(C 1223) आ. 4 प.	,,	,,
(C1224) दे. 8 प.	,,	,,
(C 1264) आ. 6 प.	,,	,,
(C 1591) आ. 46 प.	,,	,,
(C 1611) दे. 6 प.	,,	,,
(C 1614) दे. 45 प.	,,	,,
(3731) म. 40 प.	,,	,,
(3728) म. 14 प.	,,	,,
(C 1602) दे. 19 प.	असाधारणग्रन्थः.	
(C 686) आ. 31 प.	उपाधिवादः.	
((2401) आ. 96 प.	चतुर्दशलक्षणी.	
(C 979) दे. 97 प.	,,	
(2910) म. 21 प.	,,	क्रोडपत्रम्,
(C 1208) आ. 35 प.	,,	,,
(C 1209) आ. 22 प.	,,	पट्टाभिरामीयम्.
(C 439) आ. 51 प.	,,	,,
(795) आ. 24 प.	,,	,,
(C 1210) आ; 19 प.	,,	जगन्नाथयिम्.

(C 1211) आ. 14 प. चतुर्दशलक्षणी क्रोडम्.
(C 1212) आ. 4 प. ,, ,,
(C 1213) प्र. 3 प. ,, ,,
(C 1258) आ. 31 प. ,, ,,
(C 1259) आ. 4 प. ,, ,,
(C 1596) दे. 16 प. ,, ,,
(2405) आ. 7+43-158 प. दशाविशेषग्रन्थाद्युत्तरवादाः.
(C 933) आ. 61 प. पक्षतावादः.
(C 981) दे. 51 प. ,,
(2429) आ. 6 प. ,, शङ्करभट्टीयं क्रोडम्.
(C 1214) आ. 19 प. ,, ,,
(C 1215) आ. 10 प. ,, ,,
(C 1216) आ. 8 प. ,; ,,
(C 1217) प्र. 11 प. ,, ,,
(C 1218 आ. 2 प. ,, ,,
(C 1260) आ. 6 प. ,, ,,
(C 1282) प्र. 16 प. ,, ,,
(C 1587) आ. 24 प. ,, ,,
(C 1594) दे. 18 प. ,, ,,
(C 1609) दे. 21 प. ,, ,,
(3066) प्र. 29 प. ,, ,,
(C 978) दे. 28 प पञ्चलक्षणी.
(C 758) आ 17 प. ,, व्याख्या. जगन्नाथीया.
(C 1321) आ. 25 प. ,, ,, ,,
(C 1322) आ. 32 प. ,, ,, ,,
(C 753) आ. 23 प. ,, ,, नृसिंहमूर्तीया.

(3060) आ. 11 9 प. पंचलक्षणी व्याख्या पट्टाभिरामीया.

(3086) प्र. 9 प. ,, ,, अश्वत्थनारायणीया.

(C 1204) आ. 9 प. ,, क्रोडम्.

(C 1205) दे. 10 प. ,, ,,

(C 1257) आ. 3 प. ,, ,,

(C 1590) दे. 18 प. ,, ,,

(C 1713) दे. 8 प. ,, टिप्पणी

(C 675) आ. 64 प. प्रामाण्यवादः.

(C 358) दे. 159 प. ,, सिद्धान्तग्रन्थोपक्रमपर्यन्तः.

(C 924) आ. 32 प. ,, व्याख्या कृष्णभट्टीया प्रथमा विप्रतिपत्ति

(C 1185) आ. 24 प. ,, क्रोडम्.

(C 1441) आ. 31–81 प. ,, ज्ञप्तिप्रामाण्यवादान्तः.

(C 83) व. 25 प. बाधग्रन्थः.

(C 1593) दे. 30 प. ,,

(C 1184) आ. 17 प. ,, टकिा कृष्णभट्टीया.

(C 1324) दे, 38 प. ,, ,,

(C 1182) प्र. 6 प. ,, शङ्करभट्टीयं क्रोडम्.

(2427) आ. 18 प. ,, ,,

(C 1248) आ. 11 प. ,, विजयराघवीयं क्रोडम्.

(C 1588) दे. 11 प. मुक्तिवादः.

(C 676) आ. 15 प. सत्प्रतिपक्षवादः.

(C 1181) प्र. 20 प. ,, टीका कृष्णभट्टीया.

(C 1320) आ. 25 प. ,, ,,

(2424) आ. 24 15 20 प. ,, ,, क्रोडम् शाङ्करम.

(C 1237) आ. 15 प. ,, ,,

(C 1238) आ. 17 प. सत्प्रतिपक्षवादः क्रोडम्
(C 1239) आ. 13 प. ,, ,,
(C 1240) आ. 19 प. ,, ,,
(C 1241) आ. 17 प. ,, रामशास्त्रीयं क्रोडम्.
(C 1242) दे. 16 प. ,,
(C 1245) आ. 24 प. ,, चन्द्रनारायणियम्.
(C 1246) दे. 23 प. ,,
(C 1247) आ. 12 प. ,, कस्तूरिरङ्गाचार्यकृतम्.
(3063) प्र. 34 प. ,, विजयराघवीयम्.
(3734) प्र. 28 प. ,, क्रोडम्.
(C 1599) दे. 26 प. ,, ,,
(,,) दे. 20 प. ,, ,,
(C 1607) दे. 6 प. ,, ,,
(C 1613) दे. 4 प. ,, ,,
(3734) प्र. 24 प. ,, शतकोटिः रामशास्त्रीया.
(1539) दे. 23 प. ,, ,,
(2420) आ. 44 प. ,, शतकोटिखण्डनं अनन्ताचार्यकृतं.
(C 1610) दे. 37 प. ,, ,, ,,
(3033) प्र. 25 प. ,, ,, गोपालतातार्यकृतम्.
(3145) प्र. 14 प. ,, शतकोटिमण्डनं विजयराघवीयम्.
(C 1243) प्र. 25 प. ,, ,, नृसिंहशास्त्रीयम्.
(3734) प्र. 28 प. ,, ,, अनन्ताचार्यकृतम्.
(C 1244) प्र. 45 प. ,, ,,
(C 1180) प्र. 17+10 प. सव्यभिचारक्रोडम् शङ्करभट्टीयम्.
(C 1235) आ. 32 प. ,,

(2419) आ. 58 प.	सव्यभिचारक्रोडम्.		
(C 1605) दे. 28 प.	,,		
(C 1606) दे. 6 प.	,,		
(C 1236) आ. 3 प.	साधारणग्रन्थक्रोडम्.		
(C 1601) दे. 8 प.	,,		
(C 1608) दे. 8 प.	,,		
(C 1615) दे. 24 प.	,,		
(3730) आ. 77 प.	,,	शाङ्करम्.	
(3729) ग्र. 24 प.	,,		
(324) ग्र. 36 प.	सामान्यनिरुक्तिः.	दशाविशेषग्रन्थश्च.	
(C 132) दे. 45 प.	,,	,,	
(983) दे. 31 प.	,,		
(C 1592) दे. 37 प.	,,		
(C 677) आ. 65 प.	,,	कृष्णभट्टीयव्याख्या.	
(1180) ग्र. 20+52 प.	,,	,,	
(C 1584) आ. 112 प.	,,	,,	
(592) आ. 37 प.	,,	क्रोडं शाङ्करम्.	
(1207) ग्र. 37 प	,,	,,	,,
(C 985) ग्र. 24 प.	,,	,,	,,
(2403) आ. 17 प.	,,	,,	,,
(2414 आ. 27 प.	,,	,,	,,
(2408) आ. 1+10+11+ 9+3+4 प.	,,	,,	,,
(3732) ग्र. 45 प.	,,	,,	,,
(C 714) आ. 55 प.	,,	,,	चन्द्रनारायणीयम्.

(C 697) दे. 16 प. सामान्यनिरुक्तिः विवेचनी बङ्गाळपत्रम्.

(C 984) ग्र. 39 प. ,, ,, ,,

(C 1178) ग्र. 6 प. ,, वादकल्पकः ,,

(C 1225) आ. 36 प. ,, क्रोडं श्रीकृष्णतातार्यकृतम्.

(C 1172) ग्र. 54 प. ,, ,, अनुगमभट्टाचार्यकृतम्.

(3142) ग्र. 34 प. ,, जङ्घामारुतम् वेङ्कटाचार्यकृतम्.

(3381) ग्र. 22 प. ,, ,,

(3729) ग्र. 32 9 प. ,, ,,

(C 1318) आ. 38 प. ,, ,,

(3139) ग्र. 67 प. ,, नक्षत्रमालिका कुरुचिरङ्गाचार्यकृता.

(C 1227) आ. 69 प. ,, ,, ,,

(3140) ग्र. 27 प. ,, पुरुषोत्तमशास्त्रीयम्

(3056) ग्र. 12 20 प. ,, त्र्यम्बकशास्त्रीयम्.

(C 1176) ग्र. 12 प. ,, रामशास्त्रीयम् प्रथमपत्रम्.

(2426) आ. 14 प. ,, एकमालापत्रम्.

(1226) ग्र. 74 प. ,, विजयराघवीयम्.

(C 1173) ग्र. 21 प. ,, असम्भवपत्रम्.

(C 1174) ग्र. 11 प. ,, एकविशिष्टाघटितपत्रम्.

(C 1175) ग्र. 22 प. ,, अनुगतपत्रम्.

(C 1177) ग्र. 14 प. ,, नञ्पत्रम्.

(C 1228) आ. 5. प. ,, कस्तूरिरङ्गाचार्यकृतम्.

(C 1233) आ. 11 प. ,, क्रोडम् सीतारामीयम्.

(3728) ग्र. 51 प. ,, ,, हनुमदीयम्.

(3053) ग्र. 87 प. ,, ,,

(3145) आ. 22 प. ,, ,,

(3165) प्र. 97 प. सामान्यनिरुक्तिः क्रोडम्.

(C 1229) प्र. 81 प. ,, ,,

(C 1230) आ. 90 प. ,, ,,

(C 1231) दे. 26 प. ,, ,,

(C 1232) आ. 22 प. ,, ,,

(C 1234) दे. 15 प. ,, ,,

(C 1265) दे. 6 प. ,, ,,

(C 1420) आ. 42 प. ,, ,,

(C 1451) आ. 77 प. ,, ,,

(C 1538) दे. 78 प. ,, ,,

(C 1586) आ. 34 प. ,, ,,

(C 1598) दे. 32 प. ,, ,,

(C 1616) दे. 204 प. ,, ,,

(C 980) दे. 41 प. सिद्धान्तलक्षणम्.

(3728) प्र. 14 प. ,, क्रोडम्.

(C 84) व. 258 प. संगतिमारभ्यावच्छेदकत्वनिरुक्त्यन्ता.

(C 83) व. 46+18+32+64 प. सामान्यलक्षण व्याप्तिग्रहोपाय-सामान्याभाव विशेषाभाव तर्क व्याप्त्यनुगमाः.

(C 304) दे. 57+63+54+51+158+94+101+30 प. संगत्यनुमितिपरामर्श लिङ्गकरणता पूर्वपक्षव्याप्ति केवलव्यतिरेकपूर्व-पक्षवादाः.

(C 368) दे. 76 प. सामान्याभावनिरूपणं अतएवचतुष्टयान्तम्.

(C 1329) आ. 48 प. संगत्यनुमितिः.

(C 1737) दे. 67 प. ,, अनुमानप्रामाण्यं च.

(C 1738) दे. 149 प. पञ्चलक्षणी, चतुर्दशलक्षणी च.

(C 1739) आ. 60 प. पञ्चलक्षणी, चतुर्दशलक्षणी च सिद्धान्तलक्षणं च

(C 1319) दे. 130–177 प. पूर्वपक्षव्याप्तिः.

(C 1740) दे 236–275 प. ,,

(C 1741) दे. 106–152 प. ,,

(C 1742) आ. 70–169 प. व्यधिकरणखण्डनं, पूर्वपक्षव्याप्तिः, सिद्धान्तलक्षणं, अवच्छेदकत्वनिरुक्तिश्च.

(C 1743) दे. 80 प. अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः सामान्याभावश्च.

(C 1744) दे. 62–178 प. ,, ,, विशेषव्याप्तिश्च.

(C 1745) आ. 114 प. अवच्छेदकत्वनिरुक्ति सामान्याभाव विशेषाभाव विशेषव्याप्ति व्याप्तिग्रहोपायाः.

(C 1746) दे. 18 प. व्याप्तिग्रहोपायः.

(C 1747) आ. 16 प. ,,

(C 1748) दे. 124 प. व्याप्त्यनुगमः सामान्यलक्षणं च.

(C 1749) दे. 46 प. ,, ,,

(C 1750) आ. 114–174 प. पक्षता.

(C 1751) आ. 40 प. ,,

(C 1752) दे. 73–I08 प. ,,

(1157) प्र. 151 + 210 + 15 + 26 प. पक्षता आसत्ति करणता तर्क अवच्छेदकानुगमक ज्ञानद्वय उपलब्धि भूरिसन्निकर्ष स्वप्रकाश विशिष्टवैशिष्ट्य सन्निकर्षवादाः.

(C 1733) दे. 175–306 प. परामर्शः, लिङ्गकरणतावादः, केवलान्वयी केवलव्यतिरेकी च.

(C 1754) दे. 135–181 प. केवलान्वयी, केवलव्यतिरेकी च.

(C 1755) दे. 73 प. अवयववादः.

(C 1756) आ. 51 प. ,,

(C 1757) दे. 198 प. सामान्यनिरुक्त्यादिबाधान्ता वादाः.

(C 1758) आ. 103 प. सामान्यनिरुक्त्यादिबाधान्ता वादाः

(C 1759) दे. 101–262प. प्रत्यक्षे ज्ञप्तौ सिद्धान्तमारभ्य अन्यथाख्यातिविचारान्तः.

(C 1760) दे. 39 प. उत्पत्तिप्रामाण्यवादः.

(C 1761) दे. 66 प. शब्दखण्डः आसत्तिवादान्तः.

तत्त्वचिन्तामणिदीधितिव्याख्या जगदीशीया.

(C 746) आ. 54 प. अनुमितिग्रन्थः.

(C 678) आ. 33 प. ,,

(C 682) आ. 34 प. अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः.

(C 85) व. 241 प. उपाधिमारभ्य ईश्वरानुमानान्ता.

(C 680) आ. 32 प. चतुर्दशलक्षणी.

(C 11) आ. 47 प. ,,

(C 67 आ. 22 प. ,, क्रोडम्.

(C 1206) आ. 8 प. ,, ,,

(C 1207) आ. 8 प. ,, ,,

(C 1603) दे. 12 प. पञ्चलक्षणीक्रोडम्.

(C 1203) आ. 9 प. ,,

(C 356) दे. 38 प व्यधिकरणग्रन्थः कृष्णभट्टीयमञ्जूषाख्यव्याख्यायुतः.

(C1600) दे. 17 प. सामान्यनिरुक्तिः कृष्णभट्टीयव्याख्यायुता

(C 456) दे. 18+10 प. ,, ,,

(C 682) आ 34 प. सिद्धान्तलक्षणम्.

(C 1206) आ. 56–90 प. ,, सटिप्पणिकम्.

(C 1323) आ. 15 प. ,, क्रोडम्.

तत्त्वचिन्तामणिदीधितिव्याख्या मथुरानाथीया.

(172) आ. 126 प. अनुमितिग्रन्थः, व्याप्तिवादश्च.

(1407) आ. 206 प. अनुमाने भूयोदर्शनविचारमारभ्य उपाधिग्रन्थोपक्रमपर्यन्ता.

(1561) दे. 281 प. अनुमाने आदितः सिद्धान्तलक्षणान्ता.

तत्त्वचिन्तामणिदीधितिव्याख्या भवानन्दीया.

(C 23) दे. 122+38+32+19 प. सहचारमारभ्य परामर्शान्ता, अवयवग्रन्थः प्रत्यक्षभागश्च.

(4254) ग्र. 86 प. प्रत्यक्षखण्डः.

(C 1821) दे. 149 प. अनुमानखण्डः

(448) ग्र. 136-230 प. व्याप्तिवादः.

(4015) आ. 49 प. ,,

(1325) ग्र. 140 प. संगतिमारभ्य सिद्धान्तलक्षणान्ता.

तत्त्वचिन्तामणिदीधितिव्याख्यान भवानन्दीयव्याख्या

(1384) आ. 20 प. महादेवकृता सर्वोपकारिणी संगत्यनुमितिग्रन्थः.

(1714) आ. 59 प. ,, पञ्चलक्षणी चतुर्दशलक्षणी च.

(159) आ. 102 प. ,, अनुमानखण्डः व्याप्त्यनुगमपर्यन्तः.

(C 24) दे. 96+116+531 प. महादेवकृता व्याप्तिवादः, विशेषाभावमारभ्य अनुमानं समग्रम्.

(C 295) दे. 50 प. ,, अनुमानमारभ्य सिद्धान्तव्याप्तिविचारान्तम्.

(3095) आ. 74 प. ,, अनुमाने सहचारग्रन्थतः सामान्यलक्षणाविचारान्ता.

(C 296) दे. 57 प. दिनकरभट्टाचार्यकृता अनुमानादितः परामर्शविचारपर्यन्ता.

(173) ग्र. 93 प. वज्रटङ्कविरचिता चक्रवर्तिलक्षणमारभ्य पूर्वपक्षीयव्याप्तिसमाप्त्यन्ता.

(1389) आ. 113 प. ,, अनुमानादितः सिंहव्याघ्रलक्षणपर्यन्ता

तत्त्वचिन्तामणिव्याख्या प्रकाशाख्या रुचिदत्तकृता

(3239) ना. 132+126 प. प्रत्यक्षानुमानखण्डौ.

(167) आ. 212 प. अनुमानशब्दखण्डौ.

(2216) आ. 123 प. अनुमानमसमग्रम्.

(3710) प्र. 214 प. शब्दखण्डः.

(204) प्र. 133–214+132 प. शब्दखण्डः.

(3349) प्र. 144 प. ,,

(458) प्र. 112 प. हेत्वाभासान्तः.

(463) प्र. 45–115 प. ,, असमग्रः.

(468) प्र. 100 प. प्रत्यक्षखण्डः.

(3755) आ. 82 प. ,,

(1300) प्र. 172 प. अनुमानखण्डः.

(139) आ. 131 प. जयदेवभट्टाचार्यकृतः अनुमानखण्डः.

तत्त्वचिन्तामणिप्रकाशव्याख्या.

(122) आ. 106–137 प. तर्कचूडामण्याख्या धर्मराजदीक्षितकृता हेत्वाभासादीश्वरवादान्ता.

(205) आ. 156 प. ,, अनुमानखण्ड: ईश्वरवादान्तः.

(361) आ. 22 प. ,, ईश्वर-सहजशक्ति-आधेयशक्ति-मोक्षवादाः.

(394) प्र. 109 प. ,, विधिवादादितः शब्दखण्डस्समग्रः

(4003) ना. 208 प. ,, शब्दखण्डः.

(C 1691) दे. 42 प. ,, ,, असमग्रः.

(437) प्र. 222 प. ,, अनुमानखण्डः.

(1738) प्र. 120 प. ,, ,,

(752) प्र. 163+137 प. ,, अनुमानशब्दखण्डौ.

(967) प्र. 100 प. तर्कचूडामण्याख्या उपाधिग्रन्थमारभ्य केवल-
व्यतिरेक्यन्ता.

(2941) प्र. 64 प. ,, अनुमानमसमग्रम्.

(4075) प्र. 93 प. ,, ,,

(205) आ. 157-346 प. न्यायशिखामण्याख्या रामकृष्णदीक्षितकृता
प्रत्यक्षखण्डे वायुप्रत्यक्षविचारान्ता.

(2217) आ. 28+87 प. ,, प्रत्यक्षखण्ड: असमग्र:.

(1882) प्र. 85 प. ,, उत्पत्तिप्रामाण्यम्.

(1532) आ. 200 प. न्यायपारिजाताख्या यल्लयार्यकृता शब्दखण्ड:.

(2987) आ. 78 प. ,, ,, वर्णनित्यतावादान्त:.

तत्त्वचिन्तामणिरहस्यं मथुरानाथीयम्.

(C 82) व. 381 प. अनुमितिग्रन्थमारभ्य बाधोपक्रमान्तम्.

(C 681) आ. 74 प. अनुमानमसमग्रम्.

(C 161) दे. 54 प. विधिवाद: 3-8 पत्रलोप:.

(C 325) दे. 43-236 प. उपाधिवादमारभ्य सत्प्रतिपक्षग्रन्थपर्यन्तम्.

(4022) आ. 95 प. अनुमानादित: उपाधिवादान्तम्.

(C 326) दे. 75 प. उपाधिमारभ्य साधारणपर्यन्तम्.

(C 328) दे. 48-99 प. शब्दखण्डे वेदप्रामाण्यवादमारभ्य लिङर्थ-
विचारान्तम्.

(C 352) दे. प. 123 शब्दखण्ड: असमग्र:.

(393) प्र. 21-202 प. व्याप्तिवादादित: मोक्षवादान्तम्.

(471) ना. 85-185 प. ,,

(572) प्र. 39-78 प. व्याप्तिवाद:.

(774) आ. 46 प. ,,

(926) प्र. 16 प. ईश्वरवाद:.

(1057) ग्र. 79 प. अन्यथाख्यातिवादमारभ्य संनिकर्षवादान्तम्.

(1329) ग्र. 146 प. उपाधिवादमारभ्य केवलान्वयिवादान्तम्.

(1671) आ. 122 प. प्रत्यक्षे प्रामाण्यवादमारभ्यान्यथाख्यातिवादान्तम्.

(4076) ग्र. 105 प. शब्दे योग्यतावादान्तम्.

तत्त्वचिन्तामण्यालोकः जयदेवीयः

(1832) ग्र. 65-153 प. प्रथमःखण्डः

(C 912) दे. 135 प. ,,

(A 579) आ. 350 प. पूर्वभागः.

(A 580) क. 220 प. उत्तरभागः.

(4048) आ. 72-115 प. प्रत्यक्षखण्डः.

(C 1566) दे. 73-100 प. 1-4 खण्डाः.

तत्त्वचिन्तामण्यालोकव्याख्या.

(1165) आ. 286 प. प्रकाशः जयदेवमिश्रविरचितः.

(850) ग्र. 127 प. ,, प्रत्यक्षखण्डः.

(2240) आ. 119 प. रहस्याख्या मथुरानाथीया शब्दः तात्पर्य-निरूपणान्तः.

(C 1143) आ. 199 प. ,, शब्दः विधिवादान्तः.

(438) ग्र. 224 प. ,, अपूर्ववादान्तः.

(440) ग्र. 209 प. दर्पणाख्या महेश्वरठाकूरकृता प्रत्यक्षखण्डः.

(C 911) दे. 157 प. ,, प्रत्यक्षखण्डे अन्यथाख्यातिवादान्ता.

(A 201) आ. 255 प. गदाधरभट्टाचार्यकृता शब्दखण्डः अपूर्ववादान्तः.

(C 1567) दे. 176 प. ,, प्रामाण्यवादः.

(C 1568) दे. 128 प. ,, शब्दस्तात्पर्यनिरूपणान्तः.

(C 1569) दे. 130 प. ,, शब्दः शब्दनित्यतावादान्तः.

(C 1570) दे. 77 प. ,, विधिवादः.

(C 1571) दे. 14 प. गदाधरभट्टाचार्यकृता अपूर्ववादः

(469) प्र. 101 प. गोपीनाथमिश्रीया शब्दखण्डः.

(1172) प्र. 185 प. पक्षधरमिश्रीया प्रामाण्यवादः.

(1562) प्र. 122 प. सिद्धाञ्जनम् अन्नंभट्टकृतम् संगतिमारभ्य व्याप्तिग्रहोपायोपक्रमान्तम्.

(2234) आ. 36 प. ,, प्रामाण्यवादे प्रथमा विप्रतिपत्तिः.

(1328) प्र. 160 प. स्फूर्त्याख्या अग्निहोत्रभट्टाचार्यकृता प्रामाण्यवादमारभ्य उत्पत्तिप्रामाण्यवादसमाप्त्यन्ता.

तर्ककौमुदी लौगाक्षिभास्करकृता.

(1856) प्र. 26 प.

तर्कदीपावळी (सिद्धान्तमुक्तावळीटीका)

(B 943) दे. 189 प. असमग्रा.

तर्कप्रकरणव्याख्या.

(C 1410) दे. 7-79 प.

तर्कभाषा केशवमिश्रीया.

(151) आ. 18 प.

(754) आ. 17 प.

(777) प्र. 12 प.

(1060) प्र. 48 प.

(1234) आ. 55 प.

(1524) प्र. 24 प.

(1940) ना. 35 प.

तर्कभाषाव्याख्या.

(1284) आ. 119 प. अखण्डानन्दयातिकृता.

(1851) प्र. 97 प. ,,

(117) आ. 32 प. गोपीनाथमिश्रीया उपमानान्ता.

(151) आ. 147–213 प. ,, प्रमाणपरिच्छेदः.

(708) ना. 88–99 + 90–207 प. ,,

(754) आ. 58 प. ,, ,,

(1092) आ. 30 प. ,,

(1713) प्र. 30–90 प. ,, अनाद्यन्ता.

(1284) क. 36 प. गोवर्धनसुधीविरचिता.

(794) प्र. 45 प. प्रकाशाख्या गौरीकान्तकृता गुणभागः.

(819) प्र. 152 प. ,, शब्दलक्षणपर्यन्ता.

(891) आ. 99 प. ,, हेत्वाभासान्ता.

(1289) आ. 105 प. ,, समग्रा.

(1727) आ. 55 प. ,, असमग्रा.

(1917) दे. 40 प. ,, प्रत्यक्षखण्डः.

(1699) दे. 4-80 प. ,, 2 परिच्छेदौ.

(C 1094) दे. 55 प. गौरीकान्तीयप्रकाशस्य व्याख्या गोपीनाथ–मिश्रीया असमग्रा.

(151) आ. 43-146 प. चेन्नुभट्टीया.

(263) ना. 77 प. ,, प्रमाणपरिच्छेदः.

(319) आ. 92-190 प. ,, प्रमेयपरिच्छेदः.

(580) आ. 59–106 प. ,, गुणभागे बुद्धिनिरूपणान्ता.

(754) आ. 18-51 प. ,, प्रमाणपरिच्छेदः.

(1292) आ. 38 प. ,, ,,

(1752) प्र. 72 प. ,,

(1777) ना. 156 प. ,,

(1826) ना. 117 प. ,, उपमानपरिच्छेदमारभ्य समग्रा.

(1974) ना. 16-65 प. चेन्नुभट्टीया असमग्रा.

(1619) म. 48 प. चेन्नुभट्टीयव्याख्याया व्याख्या तर्कसाराख्या वेंकटादि विरचिता संपूर्णप्राया.

(3765) म. 73 प. ,, ,,

(225) आ. 83 प. तत्त्वप्रबोधिनी गणेशदीक्षितकृता.

(1713) म. 59 प. ,, प्रमाणपरिच्छेदः

(4016) आ. 66 प. ,,

(B 265) क. 159 प. तत्त्वप्रबोधिन्याः व्याख्या अखण्डानन्दयतिकृता

(2821) आ. 109 प. ,, ,,

(245) आ. 31 + 73 प. ,, विश्वनाथभट्टाचार्यकृता न्याय-विलासाख्या द्वितीयभागे 19–26 पत्रलोपः

(783) आ. 111 प. ,, न्यायविलासाख्या.

(225) आ. 84–188 प. तत्त्वप्रबोधिन्या व्याख्या तर्कोपजीविन्याख्या अग्निहोत्रभट्टाचार्यकृता.

(C 1641) दे. 57 प. तर्कभाषाव्याख्या मुरारिभट्टीया असमग्रा.

(3561) म. 35 + 26 प. ,, रेपल्लि वेंकटकृता.

(3598) म 61 प. ,, वादकौस्तुभाख्या रामरचिता.

तर्कशास्त्रसंग्रहः.

(4214) म. 69 प.

तर्कसंग्रहः अन्नंभट्टविरचितः.

(9) आ. 23 प. पट्टाभिरामशास्त्रीयनिरुक्तियुतः.

(9) आ. 24–36 प. व्याख्या न्यायबोधिनी गोवर्धनसुधीकृता.

(1243) म. 29 प. ,, ,,

(1483) आ. 20 प. ,, ,,

(9) आ. 13 प. व्याख्या दीपिका अन्नंभट्टविरचिता

(705) आ. 6-20 प. ,, ,,

(1234) आ. 24 प. ,, ,,

(1483) आ. 15 प. ,, ,,

(C 715) दे. 22 प. वाक्यवृत्तिव्याख्यायुत:.

तर्कसंग्रहदीपिकाव्याख्या.

(A 135) आ. 189 प प्रकाशिका श्रीरायनरसिंहकृता.

(739) आ. 30 प. ,, प्रत्यक्षखण्ड:.

(963) आ.54 प. ,, शब्दखण्डमारभ्य समग्रा

(B 391-393) आ. 511 प. ,, समग्रा.

(2908) ग्र. 34 प. ,, असमग्रा.

(3141) ग्र. 27 प. रामरुद्रीया.

(C 1270) दे. 10 प. हनुमदीया शब्दखण्ड:.

(3683) ना. 44 प. ,,

(1073) आ 75 प. व्याख्या तर्करत्नमहोदधि:.

(705) आ. 21-40 प. ,, दक्षिणामूर्तीया.

तर्कसार: (चेन्नुभट्टीयस्य व्याख्या) वेंकटाद्रिसूरिकृत:.

(2838) ग्र. 40 प.

(3765) ग्र. 73 प.

तर्कामृतं जगदीशविरचितम्.

(C 279) दे. 16 प. अनुमानसमाप्त्यन्तम्.

(1382) आ. 35 प.

(1531) आ. 11 प.

(C 776) दे. 14 प.

(C 775) दे. 29 प तर्कामृततरङ्गिणी मुकुन्दभट्टीया.

(C 280) दे. 22 प. मुकुन्दभट्टीया उपमानसमाप्त्यन्ता

(1382) आ. 35 प. ,, असमप्रा.

(1531) आ. 11 प. ,, ,,

तर्कामृतचषकं गङ्गारामकृतम्

(A 161) दे. 91 प.

तर्कोज्जीविनी.

(4009) आ. 37-60 प.

तार्किकरक्षा वरदराजकृता.

(1124) ना. 103 प.

(1731) म. 39 प. प्रथमः परिच्छेदः.

(,,) म. 39-132 प. हरिहरदीक्षितकृतसारसंग्रहव्याख्या प्रथमःपरिच्छेदः.

दिनकरीयव्याख्या रामरुद्रीया.

(C 1449) आ. 136-172 प. शब्दखण्डः.

द्रव्यनाश्यनाशकभावविचारः.

(C 756) दे. 4 प.

द्वात्रिंशच्छ्लोकी सव्याख्या.

(3141) म. 21 प. अस.

धर्मितावच्छेदकप्रत्यासत्तिविचारः हरिरामतर्कवागीशभट्टाचार्यकृतः.

(46) ना. 24 प.

(2202) आ. 26 प.

(2586) आ. 22 प.

नञ्वादः.

(612) म. 12 प. रघुदेवीयटीकायुतः.

(1297) म. 23 प. ,,

(1297) ग्र 24–42 प. शुद्धसत्त्वार्यसुतटीकायुतः अस.

(1011) आ. 35 प. गदाधरीयटीकायुतः.

(1208) ग्र. 48 प. ,,

नवीनमतं हरिरामतर्कवागीशीयम्.

(728) आ. 4 प.

(2416) आ. 21 प.

नानासिद्धान्तदीपः (न्यायसिद्धान्तदीपः) शशधरकृतः.

(808) ग्र. 53 प. शक्तिविचारान्तः.

(809) ग्र. 43 प. सुवर्णतेजोवादान्तः.

नानासिद्धान्तदीपव्याख्या.

(808) ग्र. 71 प भिषग्राजविरचिता ज्ञानकर्मसमुच्चयवादान्ता.

(B256) क. 150 प. अखण्डानन्दसरस्वतीकृता शशधरचन्द्रिकाव्याख्या

निर्धारणषष्ठीवादः.

(666) ना. 4–15 प.

न्यायकुसुमाञ्जलिः उदयनाचार्यकृतः

(1860) आ. 77 प.

(,,) आ. 91 प. वर्धमानोपाध्यायकृतः प्रकाशः 3 स्तबकाः.

न्यायकौस्तुभः महादेवपण्डितकृतः.

(C 1150) दे. 160 प. शब्दखण्डः.

(C 1315) दे. 120. ,, अस.

(C 1762) दे. 45 प.

(C 1763) दे. 61 प. अवयवग्रन्थान्तः.

न्यायमञ्जरी जयन्तकृता.

(C 1374) दे. 291 प.

न्यायवार्तिकं (न्यायसूत्रभाष्यव्याख्यानम्) उद्द्योतकरकृतम्.

(B 140) दे. 85 प. आदिमं प्रमाणप्रकरणम्.

(C 1348) दे, 37 प.

न्यायवार्तिकतात्पर्यं (तात्पर्यपरिशुद्धिः) उदयनाचार्यकृतम्

(B 145) दे. 452 प. प्रथमोऽध्यायः.

(B 157) दे. 300 प. 2–5 अध्यायाः.

(C 1448) दे. 172 प.

(C 1576) दे. 394 प.

न्यायवार्तिकतात्पर्यटीका.

(B 72) आ. 255 प. वाचस्पतिमिश्रकृता प्रथमोऽध्यायः.

(B 73) आ. 220 प. ,, 2-4 अध्यायाः.

(C 1378) दे. 343 प. वर्धमानविरचितः प्रकाशः तृतीयाध्यायं विना [समग्रः.

न्यायसारः माधवदेवकृतः.

(C 274) दे. 111 प.

(3265) ना. 9 प.

न्यायसिद्धान्ततत्त्वं श्रीनिवासविरचितम्.

(3392) ग्र. 59 प.

(4094) ग्र. 38 प.

न्यायसिद्धान्तदीपः शशधरः.

(4246) ना. 24 प. असमग्रः.

(2825) आ. 122 प. व्याख्या अखण्डानन्दयतिकृता.

न्यायसिद्धान्तमञ्जरी जानकीनाथकृता.

(260) आ. 26 प.

(768) ग्र. 30 प.

(794) ग्र. 34 प.

(1221) ना. 10 प. प्रत्यक्षखण्डः.

(1257) ग्र. 43 प.

(1267) ग्र. 66 प.

(1677) ग्र. 36 प.

(3717) ग्र. 23 प.

न्यायसिद्धान्तमञ्जरीव्याख्या.

(768) ग्र. 31-107 प. कृष्णमिश्रीया.

(3340) ग्र. 78 प. ,,

(4366) ना. 66 प. दीपिका रामदीक्षितीया प्रथमःखण्डः.

(C 278) दे. 58 प. प्रकाशः लोगाक्षिभास्करकृतः उपमानसमाप्तयन्तः.

(54) ना. 82 प. प्रकाशिका शितिकण्ठीया शब्दखण्डः.

(1495) ग्र. 125 प. ,, ,, ,,

(392) आ. 87 प. ,, ,, शब्दखण्डोपक्रमपर्यन्ता.

(1677) ग्र. 100 प. ,, ,, ,,

(790) आ. 48-129+74 प. ,,

(C 265) दे. 246 प. ,, ,, मध्ये कानिचित्पत्राणि लुप्तानि.

(3076) आ. 80 प. आमोदः असमग्रः.

न्यायसूत्रनिबन्धः गम्भीरवंशजः.

(4071) ग्र. 93 प.

न्यायसूत्रभाष्यं वात्स्यायनविरचितम्.

(C 1375) दे. 67 प.

(C 1580) दे. 111 प.

न्यायसूत्रवार्तिकं उद्द्योतकरविरचितम्.

(C 1376) दे. 115 प. तृतीयाध्यायं विना समग्रम्.

(C 1581) दे. 213 प.

(C 1377) दे. 256 प. तात्पर्यटीका वाचस्पतिमिश्रविरचिता
द्वितियाध्यायं विना समग्रा.

(C 1582) दे. 312 प. ,, ,,

न्यायसूत्रवृत्तिः विश्वनाथीया.

(C 1141) दे. 73 प.

पदार्थखण्डनशिरोमणिः.

(C 1765) आ. 2-8 प. जयरामीयटीकायुतः.

पदार्थतत्त्वशिरोमणिः रघुनाथशिरोमणिकृतः.

(1199) आ. 44 प.

(C 167) दे. 8 प. रघुदेवभट्टीयटीकायुतः.

(719) आ. 3+20 प. ,,

(C 343) दे. 30 प. रामरुद्रीयटीका असम.

पदार्थदीपिका कौण्डभट्टीया.

(2625) ग्र. 13-30 प. अस.

(3337) ग्र. 47 प. व्याख्या न्यायप्रकाशः.

पदार्थमाला जयरामविरचिता.

(C 757) आ. 12 प.

(C 1574) दे. 158 प.

(C 1053) दे. 196 प. व्याख्या प्रकाशाख्या लोगाक्षिभास्करीया.

पदार्थसंग्रहटीका व्योमशिवाचार्यकृता.

(C 1575) दे. 257 प.

परामर्शवादः.

(1209) आ. 9 प. रघुदेवीयः.

(C 790) आ. 10 प. ,,

(1146) ग्र. 46 प. गदाधरीयः,

(C 685) आ. 39 प. गदाधरीयः.

(3691) आ. 46–60 प.

(C 1715) दे. 17–26 प.

(C 1589) दे. प.

(4021) आ. 15 प.

(4249) आ. 34–46 प.

प्रतियोगिज्ञानकारणतावादः रघुदेवीयः.

(4021) आ. 6 प.

प्रमाणमञ्जरी सर्वदेवसूरीया.

(C 763) दे. 16 प.

प्रागभाववादः रघुदेवीयः.

(C 1162) दे. 8 प.

(C 1290) दे. 12 प.

प्रामाण्यविचारः.

(794) प्र. 25 प.

बाधबुद्धिवादः.

(B 385) प्र. 41 प. अनन्ताचार्यकृतः.

(C 671) दे. 34 प. ,,

(C 1186) आ. 23 प. ,,

(C 1604) दे. 3–25 प. हरिरामकृतः.

(C 1714) दे. 3–35 प. ,,

भाषारत्नं कणादतर्कवागीशविरचितम्.

(3395) प्र. 46 प.

मणिसारः गोपीनाथविरचितः.

(C 329) दे. 65 प. प्रामाण्यवादे उत्पत्तिप्रामाण्यवादान्तः.

(1307) ना. 85 प. प्रामाण्यवादे प्रत्यक्षखण्डः.

(1287) आ. 71 प. अनुमानखण्डः.

(3707) प्र. 155–346 प. ,,

(C 1914) दे. 9 प. ,, अस.

(88) आ 53 प. ,, ,,

(61) आ. 35+25 प. प्रत्यक्षे शब्दे च आदिमो भागः.

(2067) प्र. 112 प. प्रथमः खण्डः.

(C 1912) दे. 62 प. शब्दखण्डः असमग्रः.

(C 1913) दे. 18 प. ,, ,,

राजपुरुषवादार्थः.

(C 1793) दे. 7 प.

(3069) प्र. 5 प.

(3732) प्र. 5 प.

रामरुद्रभट्टीयम् (दिनकरीयव्याख्यानम्) रामरुद्रः.

(C 1793) दे. 98 प. प्रथमः खण्डः.

लकारवादः शठकोपार्यकृतः.

(3046) प्र. 26 प.

लक्षणावादः.

(29) ना. 7 प.

लिङ्गकरणतावादः गदाधरीयः.

(187) प्र. 28 प.

लीलावतीप्रकाशः

(C 310) दे. 37 प. वर्धमानोपाध्यायकृतः 14–19 पत्रलोपः.

(C 308) दे. 8–131 प. शङ्करभगीरथविरचितः.

लीलावतीप्रकाशदीधितिविवेकः वागीशभट्टाचार्यकृतः.

(C 314) दे 81 प. 5–43 पत्रलोपः.

लीलावतीविलासः.

(3561) ग्र. 110 प. असमग्रः.

लौकिकन्यायरत्नाकरः रायकुलोत्तंसरघुनाथकृतः.

(A 91) आ. 128 प.

(252) आ. 59 प. (अपरोऽयं ग्रन्थः)

वादकौस्तुभः गोविन्दराजीयः.

(2095) आ. 118 प. शब्दस्वातन्त्र्यवादपर्यन्तः

(A 364) आ. 105 प. ,,

वादावळिः श्रीरामभट्टाचार्यकृता.

(157) ग्र. 73–107 प.

विधिवादः

(728) आ. 111–141 प.

विशिष्टपरामर्शहेतुवादः रघुदेवीयः.

(281) ग्र. 27–40 प.

विशिष्टवैशिष्ट्यबोधविचारः रघुदेवीयः.

(281) ग्र. 10–26 प.

(C 83) व. 19 प.

(C 777) दे. 19 प.

(C 1291) दे. 10 प.

विशिष्टाभावविचारः कुरुचिरङ्गाचार्यकृतः.

(C1191) आ. 7 प.

(C 1192) आ. 10 प. एतत्खण्डनम्.

(C 1193) आ. 40 प. खण्डनम्.

विषयतावादः.

(281) म. 10–26 प. रघुदेवीयः.

(1209) आ. 8 प. ,,

(666) ना. 19–28 प. ,, (लघुः गुरुश्च)

(1209) म. 16 प. गदाधरीयः (गुरुः)

(1209) म, 10 प. ,, (लघुः)

(C 754) आ. 28 प. ,,

(C 1251) आ. 12 प. ,,

वैशेषिकसूत्रवृत्तिः (उपस्कारः) शङ्करकृता.

(C 1140) दे. 318 प. (76–107 पत्रलोपः)

व्याप्तिवादः जगदीशभट्टाचार्यकृतः.

(C 1597) दे. 50 प.

व्युत्पत्तिवादः गदाधरभट्टाचार्यकृतः.

(46) ना. 48 प. द्वितीयान्त्यभागमारभ्य समग्रप्रायः.

(C 83) व. 83 प. किञ्चिदूनः.

(C 1790) दे. 6–110 प. असमग्रः.

(4250) म. 23 प. ,,

(C 1187) आ. 6 प. क्रोडम् पौषपदविचारः.

(C 1194) दे. 7 प. ,, राजपुरुषवादः.

(3069) म. 5 प. ,, ,,

(B 863) दे. 140 प. टिप्पणी देशिकाचार्यविरचिता.

शक्तिवादः गदाधरभट्टाचार्यकृतः.

(C 83) व. 24 प.

(C 684) आ. 28 प.

(2407) आ. 74 प.

(1006) ग्र. 28+28 प. व्याख्या कृष्णभट्टीया.

(C 1709) दे. 24 प. ,, ,,

(C 1726) दे. 55 प. ,, ,,

शब्दशक्तिप्रकाशिका जगदीशभट्टाचार्यकृता.

(C 357) दे. 113 प.

(1290) ग्र. 59 प. अपूर्णा.

शब्दार्थसारमञ्जरी भवानन्दीया.

(2840) ग्र. 26 प.

शिष्टलक्षणवादः.

(1519) ग्र. 8 प.

संशयानुमितिविचारः रत्नकोशकारकृतः.

(C 765) दे. 36 प.

सप्तपदार्थी शेषानन्तपण्डितविरचिता.

(3050) आ. 44 प.

समासवादः.

(163) आ. 12 प. जयरामीयाः.

(1061) आ. 47 प. रामभद्रभट्टीयः.

सादृश्यविचारः महादेवविरचितः.

(C 792) आ. 8 प.

सामग्रीविचारः. रघुदेवीयः.

(C 760) दे. 14 प.

(C 708) आ. 11 प.

सिद्धान्तचान्द्रिका गङ्गाधरसुधीकृता.

(580) आ. 10–21 प.

सिद्धान्तमुक्तावली विश्वनाथपञ्चाननकृता.

(580) आ. 23–58 प.

(1236) प्र. 8+128–192 प.

(1252) आ. 60 प.

(1394) प्र. 99 प.

(1603) प्र. 50 प.

(1711) प्र. 51 प.

(C256) दे. 50 प.

सिद्धन्तमुक्तावळीप्रकाशः (दिनकरीयम्) महादेवभट्टाचार्यकृतः

(777) प्र. 37 प.

(1258) आ. 62 प.

(1497) प्र. 29 प.

(1649) आ. 61 प.

(1962) आ. 142 प.

(C 1924) दे. 111 प.

(1200) आ. 24–80 प. दिनकरीयव्याख्या तरङ्गिण्याख्या रामरुद्रभ-
ट्टीया तेजोग्रन्थपर्यन्ता.

(1203) आ. 55 प. ,,

(965) आ. 21 प. दिनकरीयटिप्पणम्.

(1200) आ. 23 प. दिनकरीयखण्डनम् गङ्गारामजटीयम्.

सिद्धान्तमुक्तावळीप्रभा श्रीरायनरसिंहकृता.

(961) आ. 68 प. प्रथमः परिच्छेदः.

(B 197) क. 155 प. ,,

(937) प्र. 47 प. ,,

(B 203) क. 161 प. द्वितीयपरिच्छेदमारभ्य सन्निकर्षवादान्ता.

(962) आ. 32 प. अनुमानखण्डः.

(B 204) क. 178 प. उपमानपरिच्छेदमारभ्य शब्दपरिच्छेदे तात्पर्यविचारान्ता.

(865) आ. 73 प. गुणभागः विभागविचारान्तः.

सिद्धान्तमुक्तावळीमञ्जूषा पट्टाभिरामीया.

(3054) ग्र. 70+18 प. अस.

सिद्धान्तमुक्तावळीव्याख्या तर्कदीपावळ्याख्या प्रह्लादकृष्णाचार्यकृता.

(C 282) दे. 37 प. अभावनिरूपणान्ता.

(B 943) दे. 189 प. असमग्रा.

स्मृतिसंस्कारवादः.

(728) आ. 13 प.

XIX साङ्ख्यम्.

कापिलसूत्रव्याख्या.

(C 1152) दे. 6 प.

तत्त्वसमाससूत्रवृत्तिः.

(C 1830) दे. 5 प.

सांख्यतत्त्वकौमुदी वाचस्पतिमिश्रकृता

(1183) आ. 39 प.

(1550) आ. 48 प.

(3332) ग्र. 47 प.

(3513) ग्र. 33 प.

साङ्ख्यप्रवचनभाष्यं विज्ञानभिक्षुविरचितम्.

(C 1832) आ. 101 प.

साङ्ख्यप्रवचनसूत्रवृत्तिः श्रीधरकृता.

(1550) आ. 37 प.

साङ्ख्यप्रवचनसूत्रवृत्तिसारः महादेवविरचितः.

(C 1711) दे. 26 प. द्वितीये 24 तमसूत्रतस्समग्रः.

साङ्ख्यसप्ततिव्याख्या भारतमितीया.

(C 1151) दे. 25 प.

XX योगशास्त्रम्.

अमनस्कम्.

(C 256) दे. 6 प असमग्रम्.

(745) आ. 23–33 प.

खेचरीपटलः आदिनाथकृतः.

(C 170) दे. 13 प.

(B 225) क. 28 प.

गोरक्षप्रबोधः.

(B 820) क. 14 क.

गोरक्षशतकं गोरक्षकृतम्.

(C 819) दे. 9 प.

(3746) आ. 12 प.

(C 409) आ. 10+27 प. सव्याख्यानम्,

घटचक्रग्रन्थः.

(C 204) दे. 30 प.

चिन्तातिमिरभास्करः हंसानन्दयोगिविरचितः.

(C 817) दे. 9 प.

नाडीचक्रस्वरूपं (सुप्रभेद्योगपादे)

(2466) ग्र. 6 प.

पातञ्जलयोगसूत्रभाष्यं व्यासदेवकृतम्.

(1560) आ. 27 प.

(C 1831) दे. 50 प.

पातञ्जलयोगसूत्रभाष्यटीका वाचस्पातिमिश्रकृता.

(1560) आ. 19 प. प्रथमपादः.

(1550) आ. 20 प. द्वितीयःपादः.

(1537) आ. 118 प. तृतीयचतुर्थपादौ.

(C 690) ना. 81–106 प. ,,

(2736) आ. 124 प. समग्रा.

(C 1828) दे. 63 प.

पातञ्जलयोगसूत्रवृत्तिः.

(C 514) दे. 48 प. राजमार्तण्डः भोजदेवकृता.

(C 1440) दे. 37 प. ,, ,,

(3332) ग्र. 48–96 प. ,, ,,

(3615) ग्र. 43–75 प. ,, ,,

(1800) ग्र. 12 प. मणिप्रभा रमानन्दसरस्वतीकृता असः.

(C 712) आ. 32 प. ,, ,,

(1513) ग्र. 32 प. ,, ,,

(C 407) आ. 93 प. योगसिद्धान्तचन्द्रिका नारयणतीर्थीया.

(A 111) क. 136 प. ,, 1–2 पादौ.

(C 695) दे. 160 प. ,,

(A 112) दे. 259 पु. नागोजिभट्टीया.

(C 1801) आ. 49 प. 3 पादाः.

योगताराव‌ळी.

(2518) प्र. 3 प. शङ्कराचार्यविरचिता.

(B 378) दे. 82 प. रामस्वामिपण्डितकृता.

योगदीपिका.

(B 821) क. 3 प.

योगबीजम्.

(B 814) क. 3 + 12 प.

योगयाज्ञवल्क्यं याज्ञवल्क्यः

(A 604) क. 42 प. असमग्रम्.

(B 522) दे. 38 प.

(B 741) आ. 60 प.

योगसारः.

(2572) ना. 55–60 प.

योगसारसमुच्चयः (अकुलागमीयः)

(B 662) ना. 68 प. 8 पटलाः.

योगार्णवः

(B 676) ना. 3–28 प. असमग्रः.

राजयोगभाष्यं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 257) दे. 23 प.

(744) ना. 2 प.

(2347) प्र. 13 प.

(2518) प्र. 18 प.

(4106) प्र. 9 प.

(C 820) दे. 36 प.

राजयोगसारः (स्कान्दपुराणम्)

(1220) ना. 5 प.

(B 523) दे. 10 प.

(C 998) क. 11 प.

शिवयोगप्रदीपिका.

(4106) ग्र. 16 प. समग्रा.

शिवयोगप्रदीपिकासारः सदाशिवयोगिकृतः.

(C 821) दे. 6 प.

शिवस्वरोदयः.

(C 822) दे. 6 प.

षट्स्थलनिर्णयः- शिवसिद्धान्ततन्त्रगतः.

(C 823) दे. 18 प.

समाधिदीपिका पूर्णप्रकाशानन्दविरचिता.

(1223) ना. 18 प.

समाधिरत्नं अप्पयशिवाचार्यकृतम्.

(1310) ग्र. 33–71 प. सव्याख्यानम्.

समाधिलक्षणम्.

(B 278) म. 54–68 प.

समाधिसरणिः भागवतकृष्णशर्मविरचिता.

(B 628) क. 15 प.

सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः गोरक्षनाथकृता.

(B 271) म. 48 प.

(B 330) म. 28-64 पु.

(C 444) क. 22 प.

सिद्धान्तशेखरः विश्वनाथयोगिविरचितः.

(C 816) दे. 22 प.

हठप्रदीपिका सहजानन्दाविराचिता.

(B 767) क. 51-101 प.

हठयोगप्रदीपिका स्वात्मारामकृता.

(C 441) ग्र. 19 प.

(C 818) दे. 13 प.

(C 845) ना. 18 प.

(1320) म. 176 प.

हठसंकेतचन्द्रिका सुन्दरदेवकृता.

(B 220) क. 282 प.

XXI पूर्वमीमांसा

अङ्गत्वनिरुक्तिः.

(A 503) ग्र. 21 प.

(4062) ग्र. 59 प. अस.

अरुणाधिकरणभङ्गः.

(758) ग्र. 9 प.

अर्थसंग्रहः लोगाक्षिभास्कराविराचितः.

(C 842) आ. 14 प.

(4164) ग्र. 21 प.

उपक्रमपराक्रमः अप्पयदीक्षितविरचितः.

(123) आ. 29 प.

(432) ग्र. 185-229 प.

(1446) आ. 46 प.

(2873) आ. 43 प.

(3517) प्र. 70–127 प.

(A 502) प्र. 29 प.

(C 744) आ. 41 प.

(C 1154) दे. 66 प.

उपक्रमोपसंहारप्राबल्यविचारः.

(901) ना. 2 प.

उपसंहारविजयः विजयीन्द्रविरचितः.

(C 1404) दे. 7 प. असमग्रः.

(3057) ना. 61 प.

क्रत्वर्थसूत्रार्थः.

(921) आ. 4 प.

ग्रहैकत्वाधिकरणविचारः.

(345) आ. 10 प.

जैमिनिसूत्रभाष्यं शबरस्वामिविरचितम्.

(1755) प्र. 214 प. तृतीये 5 मपादपर्यन्तम्.

(3466) प्र. 156 प. 3 अध्यायाः.

(4058) ग्र. 30+92 प. निवीतान्तम् (3ये 4र्थ पादान्तम्)

जैमिनीयन्यायमाला माधवाचार्यविरचिता.

(C 1877) दे. 212 प. 2ये 3यः पादः.

जैमिनीयन्यायमालाविस्तरः माधवाचार्यकृतः.

(C 164) दे. 4 प. 1मे 2यः ,,

(482) ग्र. 212 प. 8 अध्यायाः.

(1534) आ. 247 प. 10मे 2य पादपर्यन्तः.

(1587) ग्र. 110 प. 1मे 2य पादमारभ्य 3ये 1म पादान्तः.

(1931) आ. 47 प. तृतीयाध्यायः.

(C 1834) दे. 99 प. 3 अध्यायाः.

जैमिनीयाधिकरणसंग्रहः.

(C 828) दे. 14 प.

तन्त्रचिन्तामणिः वेङ्कटेशयज्वविरचितः.

(282) आ. 147 प. षष्ठे 5म पादमारभ्य अष्टमाध्यायसमाप्तयन्तः.

(400) आ. 56 प. 3याध्याय 3यपाद समाप्तयन्तः.

तन्त्ररत्नं पार्थसारथिमिश्रकृतम्.

(A 197) ग्र. 197 पु. 4-5 अध्यायौ.

(1907) आ. 196 प. 4र्थाध्याये 3य पादतः षष्ठे षष्ठपादसमाप्तयन्तम्.

(A 273) आ.

तन्त्ररहस्यशिक्षा रामानुजाचार्यकृता.

(2177) ग्र. 150 प. 6 परिच्छेदाः.

तन्त्रलहरी रामानुजचक्रवर्तिकृता.

(A 571) क. 228 प. 1मे 2-3 पादौ.

(4340) ग्र. 253 प. ,,

तन्त्रवार्तिकं कुमारिलभट्टविरचितम्.

(1999) ग्र. 83 प. प्रथमे द्वितियपादतः 3यपादे पञ्चमाधिकरणान्तम्.

(3015) आ. 153 प. 1मे 2यपादतः 2ये 1म पादपर्यन्तम्.

(3272) ग्र. 100 प. ,, 2ये 3य पादान्तम्.

(4059) ग्र. 85 प. प्रथमाध्यायः.

(A 369) क. 252 प. टीका परितोषमिश्रविरचिता (तन्त्रटीकानिबन्धः) 1मे 2-3 ये 3यपाद समाप्तयन्ता.

तन्त्रविलासः लक्ष्मणाचार्यकृतः.

(3047) आ. 43 प. अस.

तन्त्रशिखामणिः राजचूडामणिदीक्षितकृतः:

(1564) ग्र. 40 प. 10मोऽध्यायः.

(2120) आ. 35 प. षष्ठाध्याये 5-8 पादाः.

(3331) ग्र. 73-123 प. दशमे 2-8 ,,

(3351) ग्र. 71-172 प: 11-12 अध्यायौ.

(3557) ग्र. 130 प. 9-11 अध्यायाः.

(3878) ग्र. 57 प. दशमे 1-2 पादौ.

(A 560) आ. 60 प. षष्ठे 4-8 पादाः.

तन्त्रसिद्धान्तदीपिका अप्पदीक्षितः.

(3575) ग्र. 14-177 प. 1मे 3यपादतः 3-ये 7मपादसमाप्तयन्ता.

दुरूहाशिक्षा अप्पयदीक्षितपौत्राप्पयदीक्षितकृता.

(A 152) आ. 275 पु.

(A 220) आ. 182 प.

(3968) ग्र. 99 प.

देवताविचारः अनन्तदेवः.

(1197) दे. 19 प.

धर्मसंचारः (मीमांसाप्रकरणम्) रघुनाथसूरिकृतः.

(622) ग्र. 72 प.

(A 492) आ. 90 प.

(C 1819) दे. 65 प.

नयविवेकः भवनाथमिश्रविरचितः.

(2871) आ. 45 प. प्रथमे 2-4 पादाः.

(2766) ग्र. 72 प. आदितः तृतीये सप्तमपादपर्यन्तः.

(A 589) आ. 59 प. प्रथमोध्यायः.

नयविवेकपञ्जिका शङ्करकृता.

(1008) ग्र. 120 प. 5मोऽध्यायः.

नयविवेकव्याख्या दीपिकाख्या वरदराजकृता.

(203) आ. 154 प. प्रथमोऽध्यायः.

(2766) ग्र. 56 प. „

(1710) ग्र. 59 प. प्रथमे प्रथमद्वितीयपादौ.

(A 590) क. 228 प. द्वितीयोऽध्यायः.

(2392) आ. 236 प. „

(2677) ना. 29-100 प. षष्ठोऽध्यायः.

(1008) ग्र. 120-244 प. षष्ठे 1-3 पादाः.

(759) ग्र. 348 प. द्वितीयाध्यायमारभ्य अष्टमे द्वितीयपादसमाप्तयन्ता (अत्र तृतीयोऽध्यायः, चतुर्थे 1–3 पादाश्च न सन्ति.)

नयविवेकालंकारः दामोदरसूरिकृतः.

(2677) ना. 26 प. चतुर्थे 3–5माध्यायसमाप्तिः.

न्यायरत्नमाला पार्थसारथिमिश्रविरचिता.

(C 53) दे. 75 प.

(215) आ. 91 प.

(1680) 155 प. अस.

न्यायरत्नमालाव्याख्या (नायकरत्नम्) रामानुजाचार्यकृता.

(B 74) आ. 166 प. द्वौ परिच्छेदौ.

(215) आ. 92-224 प.

(2931) ग्र. 149 प.

(3268) ग्र. 92 प. अस.

न्यायसुधा (तन्त्रवार्तिकटीका) भट्टसोमेश्वरकृता. (राणकम्)

(201) ग्र. 290 प. द्वितीयाध्याये 1-2 पादौ.

(1009) आ. 181 प. द्वितीयाध्यायद्वितीयपादसमाप्तयन्ता.

(2, 22-44, 85--100, 117-136 पत्रलोपः.)

(3530) ग्र. 150 प. 1माध्यायः.

(4060) ग्र. 85 प. 1मे 4र्थः पादः.

(4124) ग्र. 150 प. 1मे 2-3 पादौ.

न्यायाध्वदीपिका विजयीन्द्रविरचिता.

(A 541) दे. 67 प. समग्रा.

परिशिष्टदीपिका जातवेदोध्वर्युकृता. (यल्लभट्टीयशेषः)

(193) ग्र. 84-134 प. लक्षणावादपरिशिष्टटीका अस.

पिष्टपशुमीमांसा.

(C 431) दे. 32 प. नारायणकृता.

(C 897) ना. 190 प. पायगुण्डवैद्यनाथकृता. (गुर्वी)

(C 898) ना. 57 प. ,, (लघ्वी)

पूर्वमीमांसासिद्धान्तसंग्रहकारिका शङ्करभट्टीया.

(B 739) आ. 54 प.

प्रकरणपञ्चिका शालिकनाथविरचिता.

(2177) ग्र. 195-313 प.

(C 1583) दे. 86 प. अस.

प्रयोगपद्धतिः वेंकय्यनामा.

(4120) ग्र. 73 प. समग्रा.

भाट्टचिन्तामणिः गागाभट्टकृतः.

(1739) ग्र. 55 प. प्रथमे द्वितीयमारभ्य तृतीयस्य तृतीयोपक्रमपर्यन्तः.

भाट्टदीपिका खण्डदेवकृता.

(A 30) क. 151 प. 3ये चतुर्थसमाप्तयन्ता.

(A 31) क. 152–361 प. ततः षष्ठाध्यायसमाप्तयन्ता .

(A 32) क. 137 प. 7–9 अध्यायाः.

(A 33) क. 230 प. 10-12 ,,

(784) आ. 24 प. आदिभागः.

(785) आ. 70 प. तृतीये चतुर्थपादसमाप्तिः.

(1891) आ. 41 प. तृतीये 5-8 पादाः.

(1890) आ. 71 प. नवमोऽध्यायः.

(2118) आ. 40 प. ,,

(1891) आ. 33–86 प. दशमोऽध्यायः

(C 1479) दे. 245 प.

(C 1724) दे. 474 प. समग्रा. 1-3-5 अध्याया न सन्ति.

(3927) ग्र. 100 प. नवमोऽध्यायः.

(3879) ग्र. 89 प. संकर्षकाण्डः.

(A 343) दे. 52 प. ,,

भाट्टदीपिकाव्याख्या.

(A 73) दे. 146 प. प्रभावळ्याख्या शम्भुभट्टीया प्रथमोऽध्यायः.

(A 74) दे. 81 प. ,, द्वितीयः.

(A 75) दे. 253 प. ,, तृतीयः.

(A 76) दे. 59 प. ,, चतुर्थः.

(A 77) दे. 60 प. ,, पञ्चमः.

(A 78) दे. 50 प. ,, 7–8 अध्यायौ.

(A 79) दे. 38 प. ,, द्वादशोध्यायः.

(C 1149) दे. 112 प. ,, तृतीये 4-8 पादाः.

(C 1201) प्र. 101 प. चन्द्रिकाख्या भास्कररायकृता 1–2 ये 2 यपादान्ता.

(3104) प्र. 73–84 प. ,, ,, प्रथमाध्यायान्तिमभाग:

(C 1202) आ. 24 प. भाट्टचिन्तामणि: वांछेश्वरविरचिता तृतीये 1–3 पादा:.

(A 417) आ. 356 प. ,, प्रथमोऽध्याय:.

(A 422) आ. 199 प. द्वितीयोऽध्याय:

(A 465) आ. प. ,, तृतीयोऽध्याय:.

(A 466) आ. 228 प. ,, 5–6 अध्यायौ.

(A 467) आ. 75 प. 7–8 अध्यायौ.

भाट्टरहस्यं खण्डदेवकृतम्.

(126) आ. 53 प. आदिभाग:.

(300) ना. 57 प. ,,

(1337) आ. 28 प. ,,

(2950) आ. 106 प.

(C 1155) दे. 27–92 प. प्रथम: परिच्छेद:.

(C 1728) दे. 35 प. ,,

भाट्टसंग्रह: राघवेन्द्रयतिविरचित:.

(1318) ना. 230 प.

(B 186) आ. 150 प. 3 याध्यायमारभ्य षष्ठे द्वितीयपादान्त:, नवमाध्यायश्च.

(2180) आ. 221 प. 1–4 अध्याया:.

(2214) ना. 32–193 प. 5–8 अध्याया:.

(A 446) दे. 243 प. 7–12 अध्याया:.

(A 421) दे. 176 + 90 प. आदित: षष्ठाध्यायसमाप्त्यन्त:

भाट्टसारः कृष्णतातार्यविरचितः.

(C 1171) ग्र. 103 प. आदितः दशमे 1–2 पादौ.

(4318) ग्र. 21 प. अप्पाकृष्णार्यविराचितस्समग्रः.

मञ्जुमाला (शाबरभाष्यव्याख्या) शालिकनाथकृता.

(4069) मल. 147 प. पञ्चिका प्रथमःपादः.

मयूखावळिसंग्रहः सोमनाथविरचितः.

(3952) आ. 108 प. 1 मे 2, 2 ये 4 पादाः.

मीमांसाकुतूहलवृत्तिः वासुदेवदीक्षितकृता.

(3025) ग्र. 170 प. 4–5 अध्यायौ

मीमांसाकौस्तुभः (भाट्टकौस्तुभः) खण्डदेवकृतः.

(A 235) दे. 189 प. प्रथमे 2–3 पादौ, द्वितीये 1, 3, 4 पादाः.

(372) आ. 65 प. 1 मे 2 यःपादः, 2 ये 1–3–4 पादाश्च.

(1306) ना. 52 प. प्रथमोऽध्यायः.

(2119) आ. 67 प. प्रथमे 2–3 पादौ.

(2120) आ. 36– 101 प. ,, द्वितीयःपादः, 3 ये 3 यश्चासमग्रः

(1337) आ. 31 प. द्वितीये शब्दान्तरपादः.

(3411) आ. 100 प. प्रथमभागः.

(3412) आ. 200 प. द्वितियभागः.

(2332) ग्र. 83 प. प्रथमे चतुर्थः पादः.

(A 296) आ. 102 प. ,,

(2331) ग्र. 127 प. ,, प्रथमे 2 यपादे 3 अधिकरणानि 2 ये प्रथमश्चासमग्रः, 2 ये 2 यपादे इन्द्रियकामधिकरणपर्यन्तश्च.

(C 1147) दे. 404 प. प्रथमे 3–4 पादौ, 2 योऽध्यायः, 3 ये 2 यश्च पादः.

(3563) ग्र. 181 प. प्रथमे द्वितियपादतः 3 ये 2 यपादसमाप्त्यन्तः.

(C 1563) दे. 72 प. द्वितीये द्वितीय:पाद:.

(4126) ग्र. 11–49 प.

मीमांसान्यायप्रकाशः (आपदेवीयम्) आपदेवकृतः.

(121) आ. 40 प.

(C 713) आ. 21 प.

(C 1005) आ. 55 प.

(1870) आ. 50 प.

(C 1835) दे. 50 प.

(4078) ग्र. 30 प.

मीमांसान्यायबिन्दुः वैद्यनाथकृतः.

(C 72) आ. 96 प. सूत्रवृत्तिः.

मीमांसापरिभाषा कृष्णयज्वकृता.

(3304) आ. 27 प.

मीमांसापादुका वेदान्ताचार्यकृता.

(B 292) आ. 24 प.

(B 293) आ. 36 प. मीमांसापादुकाटीका कुमारवरदाचार्यकृता.

मीमांसाबालप्रकाशः शंकरभट्टरचितः.

(1368) दे. 151 प.

मीमांसामकरन्दः वेङ्कटाध्वरी.

(A 501) ग्र. 122 प. 8 मे 1–2 पादौ 9 मे 2–4 पादाः.

वाक्यार्थपद्धतिः.

(2177) ग्र. 151–160 प.

वाक्यार्थरत्नप्रकाशिका (सुवर्णमुद्रिका) अहोबलार्यरचिता.

(B 376) क. 84 प.

(B 377) आ. 43 प.

(2177) ग्र. 160–194 प.

वार्तिकाभरणम् (टुप्टीकाव्याख्या) वेङ्कटेशीया.

(3330) प्र. 6–143 प. सप्तमोऽध्यायः.

विधिदर्पणः कुल्लूरुनारायणशास्त्रिकृतः.

(127) आ. 87 प.

(432) प्र. 103–184 प.

(3522) आ. 41 प.

विधिरसायनं अप्पयदीक्षितकृतम्.

(C 320) दे. 10–76 प. अस.

(216) आ. 151–223 प. ,,

(432) प्र. 102 प.

(1446) आ. 72 प.

(2832) प्र. 123 प.

(2948) प्र. 174 प.

(C 1443) आ. 4 प. अस.

विधिरसायनखण्डनं शंकरभट्टकृतम्.

(85) आ. 56–84 प.

(C 1267) दे. 57 प.

शास्त्रतत्त्वं कमलाकरभट्टविरचितम्.

(A 383) आ. 103 प.

शास्त्रदीपिका पार्थसारथिमिश्रकृता.

(1327) प्र. 116 प. 6 अध्यायाः.

(1324) ग्र. 203 प. 7-12 ,,

(C 318) दे. 530 प. 1मे 1मपादं विना समग्रा.

(C 466) दे. 76+84+39+29 प.6-12 अध्यायाः.

(2911) ग्र. 209 प.

(3031) ग्र, 176 प. 6 अध्यायाः.

(C 1663) दे. 134 प. 1मे 1मःपादः.

(C 1664) दे. 128 प. तृतीयोऽध्यायः

(3982) ग्र. 87 प. 3 अध्यायाः.

शास्त्रदीपिकाव्याख्या.

(1331) ग्र. 80 प. कर्पूरवर्तिका राजचूडामणिदीक्षितकृता 3योऽध्यायः.

(1332) ग्र. 133 प. ,, 1–2अध्यायौ.

(1011) ना. 29 प. ,, 1मे 2यः पादः.

(1003) आ. 153 प. ,, 1माध्यायः.

(1173) आ. 123 प. ,, ,,

(1756) ग्र. 315 प. ,, तृतीये चतुर्थपादमारभ्य षष्ठाध्याय–समाप्त्यन्ता 15–18, 142–253 पत्रलोपः.

(2178) आ. 238 प. ,, 2ये 3यपादे प्रायदर्शनाधिकरणतः चतुर्थे प्रथमपादसमाप्त्यन्ता.

(3037) आ. 197 प. ,, 2 अध्यायौ.

(3049) आ. 78 प. ,, 2योऽध्यायः

(2213) आ. 156 प. 4र्थे 2यपादतः 7मे प्रथमपादसमाप्त्यन्ता.

(3267) ग्र. 25-171 प. ,, 4-5 अध्यायौ.

(3529) ग्र. 152 प. ,, 2योऽध्यायः

(A 566) आ. 225 प. ,, 1मे 2यपादतः 2 अध्यायौ.

(A 567) आ. 209 प ,, 4र्थे 2यतः 7मस्य 1मान्ता.

(200) आ. 323 प. मयूखमालिका सोमनाथदीक्षितकृता 1मे 2य–पादमारभ्य 3याध्यायसमाप्त्यन्ता.

(408) आ. 407 + 101 प. मयूखमालिक तृतीयस्य प्रथमपादसमाप्त्यन्ता
(199) आ. 13–320 प. ,, 4 र्थस्य 2 यपादमारभ्य
10 मसमाप्त्यन्ता
(257) आ. 69 प. ,, 11–12 अध्यायौ.
(1695) ग्र. 46–110 प. ,, 1 मोऽध्यायः.
(1717) ना. 186 प. ,, 1 मे 2–4 पादाः.
(1594) ग्र. 86 प. ,, 4 र्थोऽध्यायः.
(1330) ग्र. 160 प. ,, 2 ये त्रयः पादाः.
(C 324) दे. 45 प. ,, 1 मे 3 यःपादः.
(C 736) आ. 161 + 117 + 51 + 30 प. 1-5अध्या.
(2346) ग्र. 203 प. ,, तृतीये 1-5 पादाः
(2569) ग्र. 115 प. ,, 7-9 अध्यायाः
(2865) आ. 294 प. ,, 1-6 अध्यायाः
(2935) ग्र. 110 प. ,, 1 मे 2-2 ये प्रथम-
पादान्ता.
(2676) आ. 213 प. ,, 7-12 अध्यायाः.
(4098) आ. 166 प. ,, प्रथमोऽध्यायः.
(C 321) दे. 28 + 24 प. आलोकाख्या कमलाकरभट्टीया 1 मोऽध्यायः
(C 315) दे. 128 + 81 + 65 + 24 + 34 + 54 + 25 प.
3 अध्याया
(C 1294) दे. 54 प. ,, तृतीये 4–6 पादाः.
(C 875) दे. 669 प. व्याख्या शङ्करभट्टीया प्रकाशाख्या 3–4 अध्यायौ
(C 1295) दे. 69 प. ,, ,, 3 ये 4 र्थः पादः.
(C 330) दे. 30 प. टिप्पणी भीमाचार्यकृता 1 मे 2 यःपादः.
(C 1647) दे. 28 प. ,, ,, द्वितीयोऽध्यायः.

(C 316) दे. 29+11+8+38+49 प्रभा वैद्यनाथभट्टकृता षष्ठाध्यायमारभ्य 10 मध्यायसमाप्तयन्ता षष्ठस्यादौ 10 प. नवमस्यादौ 7 पत्राणि लुप्तानि.

सेश्वरमीमांसा वेदान्ताचार्यकृता

(470) ग्र. 71 प. असमग्रा.

(1748) ग्र. 151 प. 1 मे 3 यपादे 'आपिवा कर्तृसामान्यात्' इति सूत्रान्ता.

(2242) ग्र. 77 प. आदितः 1-3-2 सूत्रान्ता.

(4308) ग्र. 51+14 प. असमग्रा.

XXII अद्वैतम्.

अखण्डात्मप्रकाशः गोपालानन्दसरस्वतीकृतः.

(A 563) आ. 133 प.

(2198) आ. 239 प.

अज्ञानध्वान्तचण्डभास्करः अमरेश्वरशास्त्रिविरचितः.

(B 374) क. 68 प.

(C 871) आ. 97 प. 9 प्रकरणानि.

(3567) ग्र. 110 प.

अज्ञानबोधिनी (बालबोधिनी) शङ्कराचार्यकृता.

(B 231) दे. 9 प.

(B 313) क. 25 प.

अथर्वशिखादीपिका शङ्करानन्दीया.

(B 912) ग्र. 11 प.

(21) आ. 27-33 प.

(320) आ. 40-49 प.

अथर्वशिरोव्याख्या शङ्करानन्दीया.

(3882) ग्र. 22 प.

(B 910) ग्र. 27 प.

अद्वैतचिन्तामणिः सुन्दरेशविरचितः.

(3356) ग्र. 98 प.

अद्वैततारावाळिः शङ्कराचार्यविरचिता.

(1968) ना. 110-111 प.

अद्वैतदीपिका नृसिंहाश्रमिकृता.

(1210) ग्र. 64 प. 1 मः परिच्छेदः.

(2893) ना. 99 प.

(3408) आ. 133 प.

अद्वैतदीपिकाविवरणं नारायणाश्रमिकृतम्.

(171) आ. 96 प. 2 यः परिच्छेदः.

(387) आ. 187 प. 2, 3, 4 परिच्छेदाः.

(3404) आ. 144 प.

(3562) ग्र. 257 प.

(3957) आ. 129 प. प्रथमः परिच्छेदः.

अद्वैतभूषणं बोधेन्द्रसरस्वतीकृतम्.

(3342) ग्र. 186 प.

अद्वैतभूषणटीका आनन्ददीपिका वासुदेवेन्द्रसरस्वतीकृता.

(140) आ. 129 प.

अद्वैतमकरन्दः लक्ष्मीधरविरचितः.

(B 278) म. 33-51 प.

(2293) ग्र. 24 प. स्वयंप्रकाशविरचितरसाभिव्यञ्जिकाव्याख्यायुतः.

(2359) ग्र. 20 प. ,,

(C 1526) आ. 16 प. स्वयंप्रकाशविरचितरसाभिव्याञ्जिकाव्याख्यायुतः.

(999) ना. 48-73 प. ,,

अद्वैतमुकुरः श्रीरङ्गराजदीक्षितकृतः.

(3353) ग्र. 95 प. 1 मः परिच्छेदः.

अद्वैतरक्षणं मधुसूदनसरस्वतीकृतम्

(B 76) दे. 162 प.

अद्वैतरत्नप्रकाशः अमरेश्वरशास्त्रिविरचितः.

(B 528) क. 189-199 प.

अद्वैतरत्नाकरः नारायणानन्दविरचितः.

(2461) आ. 60 प. (ब्रह्मसूत्रव्याख्यानम्)

अद्वैतवेदान्तपरिभाषा धर्मराजाध्वरिकृता.

(C 422) ना. 36 प. अस.

(326) आ. 18-37 प.

(1002) ग्र. 61-77 प.

(2359) ग्र. 32 प.

(2808) आ. 25 प.

(328) आ. 49 प. व्याख्या रामकृष्णदीक्षितीया 1 मः परिच्छेदः.

(1930) आ. 86 प. ,,

(2808) आ. 83 प. ,,

(2228) आ. 86 प. पेत्तादीक्षितविरचितव्याख्या.

(2854) आ. 41 प. ,,

अद्वैतवेदान्तप्रकरणम्

(326) आ. 7 प.

अद्वैतसिद्धिः मधुसूदनसरस्वतीकृता.

(A 34) आ. 196 प. पूर्वभागः.

(A 35) आ. 197-395 प. उत्तरभागः.

(1889) आ. 159 प. 1 मः परिच्छेदः.

(B 883) ग्र. 560 प. 1 मपरिच्छेदे 1 मभागः.

(B 884) ग्र. 561-1070 प. ,, 2 यभागः.

(B 885) ग्र. 462 प. 2 यः परिच्छेदः.

(B 886) ग्र. 463-697 प. 3-4 परिच्छेदौ.

(C 1770) दे. 141 प. 2-4 परिच्छेदाः.

अद्वैतसिद्धिव्याख्या लघुचन्द्रिका ब्रह्मानन्दीया.

(84) ग्र. 66 प. मिथ्यात्वनिर्वचनान्ता.

(1984) ग्र. 53 प. अनिर्वचनीयवादः.

(2183) आ. 289 प. दृग्दृश्यसंबन्धभङ्गपर्यन्ता.

(C 1123) दे. 243 प. 2-4 परिच्छेदाः.

(C 1766) दे. 101-103 प. 1 मः परिच्छेदः.

(C 1767) दे. 176 प. 2 यः ,,

(C 1768) दे. 36 प. 3-4 परिच्छेदौ.

(C 1769) दे. 40 प. ,,

(4375) आ. 122 प. असमग्रा.

(C 1781) दे. 650 प. समग्रा.

(C 1355-57 दे. 198 + 300 + 29 + 122 प. गुरुचन्द्रिका समग्रा.

(2582) ना. 130 प. ब्रह्मानन्दीयव्याख्या विठ्ठलोपाध्यायरचिता प्रथम-
मिथ्यात्वनिरुक्त्यन्ता.

(C 1146) दे. 462 प. ,,

अद्वैतानुभूतिः शङ्कराचार्यकृता.

(B 347) आ. 5 प.

(4122) ग्र. 6 प.

अधिकरणरत्नमाला विद्यारण्यविरचिता.

(1972) ना. 139 प.

अनुभूतिप्रकाशः विद्यारण्यविरचितः.

(1814) आ. 47 प.

अपरोक्षानुभूतिः शङ्कराचार्यकृता.

(1125) ना. 18-29 प.

(4122) ग्र. 10 प.

(39) ना. 78-125 प. सकर्णाटटीका.

अवधूतगीताव्याख्या.

(A 105) आ. 67 प. पञ्चमप्रश्नप्रकरणान्ता

(1319) म. 162 प. परमानन्दतीर्थीयटीकायुता.

अविद्यापिशाचीभञ्जनं अमरेश्वरशास्त्रिविरचितम्.

(B 527) क. 123-188 प.

असङ्गात्मप्रकरणं शङ्करभारतीतीर्थकृतम्.

(B 151) आ. 6 प. सव्याख्यम्.

आत्मतत्त्वपरीक्षा भास्करदीक्षितविरचिता.

(3937) ग्र. 195-270 प. 4-6 प्रकरणानि.

आत्मतत्त्वविवेकसारः रामानन्दीयः.

(3225) ग्र. 165 प. असमग्रः.

आत्मपुराणं शङ्करानन्दकृतम्.

(1789) ना. 267-306 प. उपासनाभागः.

(B 357) आ. 158 प. ,,

आत्मबोधः शङ्कराचार्यकृतः.

(157) आ. 4 प.

(1125) ना. 5-10 प.

(C 425) दे. 29 प. विश्वेश्वरीयदीपिकाव्याख्यायुतः.
(C 426) ना. 35 प. ,,
(280) आ. 21 प. ,,
(925) आ. 3 प. ,, असमग्रः.
(955) ग्र. 15 प. ,,
(999) ना. 19 प. ,,
(1223) ना. 8 प. ,,
(1539) आ. 36 प. ,,
(2283) ग्र. 18–28 प. ,,
(C 1772) आ. 10 प. ,,

आत्मविद्याविलासः सदाशिवब्रह्मेन्द्रकृतः.

(C 579) दे. 4 प.
(2347) ग्र. 9 प.
(B 836) आ. 10 प.
(B 287) क. 38 प. सकर्णाटटीकः.

आत्मानात्मविवेकः शङ्कराचार्यकृतः.

(492) ना. 18–19 प.
(955) ग्र. 16–32 प.
(2283) ग्र. 43-45 प. विश्वेश्वरीयव्याख्या.

आत्मानुभवस्तुतिः बालब्रह्मानन्दकृता.

(A 86) दे. 562–565 प.

आनन्दलहरी अप्पयदीक्षितविरचिता.

(B 840) आ. 120 प.

आरुणिकोपनिषद्दीपिका शंकरानन्दीया.

(C 1536) आ. 7 प.

आर्यापञ्चाशीतिः.

(3709) ग्र. 5 प.

आर्यास्वात्मनिरूपणं शङ्कराचार्यकृतम्.

(B 231) दे. 19 प.

(C 580) आ. 8 प.

(B 233) क. 14–64 प. सच्चिदानन्दसरस्वतीविरचितटीकायुतम्.

(C 505) आ. 17 प. ,,

इष्टसिद्धिः विमुक्ताचार्यकृता.

(A 209) ग्र. 96 प. 8 अध्यायाः.

ईशावास्यभाष्यम्.

(C 1810) दे. 43 प. कृष्णानन्दविरचितम्.

(C 512) दे. 6 प. ,,

ईशाद्युपनिषद्भाष्यम्.

(A 553) आ. 24 प. उपनिषद्ब्रह्मेन्द्रविरचितं ईश-केन-कठभाष्यम्.

(3709) ग्र. 29 प. ईश-केनभाष्यटिप्पणी शिवानन्दयतिकृता.

(3249) आ. 151 + 17 + 40 प. ईशादिदशोपनिषद्भाष्यं शङ्कराचार्यविरचितं छान्दोग्यबृहदारण्ययोष्षष्ठाध्यायमात्रम्.

(3868) ग्र. 136 प. ईशादिछान्दोग्यषष्ठाध्यायपर्यन्तभाष्यम शङ्कराचार्यविरचितम.

(A 159) दे. 152 प. ईशाद्युपनिषदां व्याख्या उपनिषन्मङ्गळाभरणाख्या 6-16 कलाः.

(3476) आ. 256 प. शङ्कराचार्यकृतम् ईश-केन-कठ-प्रश्न–मुण्डक-माण्डूक्यैतरेय-छान्दोग्यषष्ठाध्याय-बृहदारण्यषष्ठाध्यायाः

(3446) ग्र. 184 + 29 प. शङ्कराचार्यकृतम ईशमाण्डूक्यैतरेयाणां भाष्यम्.

उत्तरगीताव्याख्या गौडपादीया.

(C 252) दे. 66 प.

(447) आ. 27 प.

(874) ना. 23 प.

(C 404) आ. 79-113 प.

(30) आ. 21-36 प.

(1321) म. 44 प.

(C 273) ना. 46 प. सकर्णाटटीका.

उपदेशशङ्कानिरासः.

(C 415) दे. 18 प.

उपदेशसहस्री शङ्कराचार्यकृता.

(A 155) दे. 130 प. रामतीर्थीयटीकायुता. (गद्यं पद्यं च)

(C 879) दे. 139 प. ,, (पद्यम्)

(A 176) क. 152 प. बोधनिधिव्याख्या ,,

(1614) म. 100 प. ,, ,,

(C 781) आ. 156 प. ,, ,,

(2967) म. 119 प. ,, ,,

(1796) ना. 561 + 8 प. आनन्दज्ञानयतीयव्याख्या. (गद्यं पद्यं च)

(B 336) क. 215 + 57 प. ,,

(1218) ना. 124 प. कर्णाटव्याख्यायुता. (पद्यम्)

एकादशोत्तरशतवाक्यानि शङ्कराचार्यकृतानि.

(B 564) क 21 प.

ऐतरेयभाष्यं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 1500) दे. 54 प.

(C 1509) दे. 39 प. टीका नारायणेन्द्रकृता.

ऐतरेयोपनिषद्दीपिका विद्यारण्यकृता.

(C 618) दे. 26 प.

(1632) ना. 87-108 प.

कठोपनिषद्भाष्यं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 592) दे. 48 प.

(3203) आ. 18-47 प.

(1278) ग्र. 22 प. टीका अच्युतकृष्णानन्दीया.

(C 1520) दे. 33 प. ,, गोपालेन्द्रविरचिता.

कायशोधः बालब्रह्मानन्दकृतः.

(A 86) दे. 553-561 प.

काशीमोक्षनिर्णयः सुरेश्वराचार्यविरचितः.

(C 749) आ.

केनोपनिषद्भाष्यं शङ्कराचार्यकृतम्.

(2705) आ. 40 प.

(C 512) दे. 7 प.

कैवल्योपनिषद्दीपिका शङ्करानन्दीया.

(320) आ. 40-49 प.

(B 625) आ. 12 प.

(C 1517) दे. 13 प.

(C 1527) दे. 6 प.

(C 1532) ग्र. 5 प.

कौलोपनिषद्भाष्यं भास्कररायकृतम्.

(B 690) आ. 9 प. समग्रम्.

(B 892) ग्र. 13 प. ,,

कौषीतक्युपनिषद्दीपिका शङ्करानन्दीया.

(3124) आ. 42–81 प.

खण्डनखण्डनखाद्यं श्रीहर्षकृतम्.

(C 14) दे. 156 प.

(1718) ना. 118 प. व्याख्या 1मः परिच्छेदः.

गर्भोपनिषद्दीपिका शङ्करानन्दीया.

(C 1518) दे. 21 प.

चतुर्मतसारसंग्रहः (नयमयूखमालिका) अप्पयदीक्षितकृतः.

(B 305) ग्र. 501 पु. 3ये 3यपादान्ता.

(1737) ग्र. 112-168 प. 3योध्यायः, 4र्थे पादद्वयंच.

(A 342) आ. 242 प.

(A 349) ग्र. 142 प. 2ये 3यपादान्ता.

(2900) ग्र. 266 प. जगद्व्यापारवर्जाधिकरणान्ता.

चित्सुखी (तत्त्वप्रदीपिका) चित्सुखः.

(3525) ग्र. 191 प.

चिदद्वैतकल्पवल्ली.

(B 153) आ. 33 पु.

छान्दोग्योपनिषद्भाष्यं शङ्कराचार्यविरचितम्.

(2463) ग्र. 4-53 प. 5 अध्यायाः.

(1142) दे. 14 प. 3 „

(C 832) ना. 20 + 22 + 26 + 20 प. 4 अध्यायाः.

(3964) ग्र. 163 प.

(C 533) दे. 14 प. नित्यानन्दाश्रमीयम् षष्ठोऽध्यायः.

छान्दोग्योपनिषद्भाष्यटीका.

(1000) ना. 76-116 प. आनन्दगिरीया 6 अध्यायाः.

(1971) ना. 246 प. आनन्दगिरीया

(3541) आ. 131–223 प. ,, 1-5 अध्यायाः.

(3610) प्र. 100 प. ,,

(2674) ना. 141 प. माधवीया वेदार्थप्रकाशिकाख्या 5-6 अध्यायौ.

(2481) ना. 62 प. नित्यानन्दविरचिता मिताक्षारा.

(3226) प्र. 140 प. ,, ,,

(3610) प्र. 59 प. नारायणसरस्वतीकृता 6-8 अध्यायाः.

जन्माद्यधिकरणविचारः

(3061) आ. 25 प.

जीवन्मुक्तिविवेकः विद्यारण्यविरचितः.

(C 745) दे. 97 प.

(C 1183) दे. 58 प.

जीवप्रबोधः शङ्कराचार्यविरचितः.

(1968) ना. 105–110 प.

जीवराजविजयः अमरेश्वरशास्त्रिकृतः.

(B 526) क. 85–121 प.

ज्ञानवासिष्ठसारसंग्रहः.

(447) आ. 60 प. 5 प्रकरणानि.

ज्ञानसर्वस्वसंग्रहप्रकरणं नृसिंहविरचितम्.

(B 544) क. 236 प.

ज्ञानामृतं शङ्काचार्यविराचितम्.

(1968) ना. 111–112 प.

तत्त्वकौस्तुभः भट्टोजिदीक्षितकृतः.

(390) आ. 80 प. (मध्वमतखण्डनम्)

(C 515) आ. 20 प. द्वितियाध्याय 2यपादान्तः.

(3004) ग्र. 107 प.

(C 1511) दे. 11 प. प्रथमः परिच्छेदः.

(4314) आ. 214 प.

तत्त्वदीपनं अखण्डानन्दविरचितम्.

(3050) आ. 37 प. 2यंवर्णकम्. (पञ्चपादिकाविवरणटीका)

तत्त्वनिरूपणम्.

(C 1254) दे. 2 प. त्र्यम्बकशास्त्रीयम्.

(3763) ग्र. 63 प. राघवानन्दसरस्वतीशिष्यकृतम्.

तत्त्वबोधः वासुदेवयोगीन्द्राशिष्यकृतः

(C 445) दे. 3 प.

(C 581) दे. 6 प.

(2100) आ. 7 प. शङ्कराचार्यविरचितः.

तत्त्वबोधप्रकरणं रामचन्द्रबुधविरचितम्.

(B 375) क. 115–123 प.

तत्त्वविवेकः नृसिंहाश्रमिविरचितः.

(388) आ. 113–157 प.

(2233) आ. 63 प.

(2883) आ. 182–212 प.

(3409) आ. 43 प.

तत्त्वविवेकदीपनं (अद्वैतरत्नकोशः) नृसिंहाश्रमिकृतम्.

(388) आ. 112 प. तत्त्वविवेकव्याख्या.

(2883) आ. 213–308 प. ,,

(2970) ग्र 45–151 प. ,,

(3410) आ. 44–172 प. ,,

(3309) आ 81–126 प. ,, 2यः परिच्छेदः.

(3708) ग्र. 114 प. ,, 3 परिच्छेदाः.

तत्त्वविवेकदीपन (अद्वैतरत्नकोश) व्याख्या.

(508) आ. 112 प. अद्वैतरत्नकोशपूरणी अग्निहोत्रभट्टीया.

(2241) आ. 93 प. ,, 1 मः परिच्छेदः.

(2108) ग्र. 109 प. ,, 2 यः परिच्छेदः.

(3407) आ. 171 प. ,,

(385) आ. 146 प. अद्वैतरत्नकोशपालिनी रामाध्वरिकृता 1-2 परिच्छेदौ

(2206) आ. 151 प. ,, 1 मः परिच्छेदः.

(2896) आ. 48 प. अद्वैतरत्नकोशभावप्रकाशिका काळहस्तीश्वरभट्टकृता 2 यः परिच्छेदः.

(3338) ग्र. 134 प. ,,

(2243) आ. 180 प. अद्वैतरत्नकोशदीपिका अखण्डानन्दसरस्वतीकृता 1 मः परिच्छेदः 2 यश्चासमग्रः.

(431) ग्र. 294 प. अद्वैतरत्नप्रकाशिका 1 मः परिच्छेदः.

तत्त्वविवेकोपन्यासः.

(3961) आ. 105 प. त्वंपदार्थनिरूपणान्तः.

तत्त्वानुसंधानं महादेवसरस्वतीविरचितम्.

(C 1510) दे. 3-27 प.

(C 1829) दे. 18 प.

(C 734) दे. 42+46+27 प. आनन्दसरस्वतीविरचितया अद्वैतचिन्ताकौस्तुभाख्यया व्याख्यया युतम्.

तत्त्वोपदेशः.

(1320) म. 14 प. षष्ठोऽध्यायः.

तप्तमुद्राविद्रावणं भास्करदीक्षितकृतम्.

(594) आ. 84 प.

(657) आ. 110-150 प.

तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यं शङ्कराचार्यकृतम्.

(358) आ. 34 प.

(C 665) दे. 60 प. 17–18, 21–48 पत्रलोपः.

(3289) आ. 31 प.

(3473) आ. 62 प.

तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यवार्तिकं सुरेश्वराचार्यकृतम्.

(1278) प्र. 30 प.

तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यटीका वनमालाख्या अच्युतकृष्णानन्दीया

(1278) प्र. 98 प.

(B 766) आ. 306 प.

(74) आ. 74 प.

(C 1508) दे. 21 प. टिप्पणी नारायणेन्द्रविरचिता.

त्रिपात्तत्त्वादिसप्तप्रकरणी उपनिषद्ब्रह्मेन्द्रकृता.

(A 533) प्र. 145 प. समग्रा.

त्रिपाद्विभूत्यादिप्रकरणं रामचन्द्रविरचितम्.

(4135) प्र. 31 प.

त्रिपुरातापनीभाष्यं रामानन्दरचितम्.

(B 570) क. 135 प.

त्रिपुरोपनिषद्भाष्यं भास्कररायकृतम्.

(B 691) आ. 26 प.

त्रिशतीभाष्यं शङ्कराचार्यकृतम्.

(B 132) आ. 132 प.

(B 312) क. 90 प. असं.

दाक्षिणामूर्तिस्तोत्रवार्तिकं मानसोल्लासः सुरेश्वराचार्यरचितः

(2314) आ. 63-76

दहरविद्याप्रकाशिका शिवेन्द्रसरस्वतीकृता.

(1216) आ. 26 प.

दृग्दृश्यविवेकः (वाक्यसुधा) शङ्कराचार्यकृतः.

(B 895) प्र. 8 प.

(A 206) आ. 19 प. ब्रह्मानन्दभारतीव्याख्यायुतः.

(1120) ना. 5-21 प. ,,

(1122) प्र. 18 प. ,,

(B 152) क. 56 प. ,,

(492) ना. 10 प. विश्वेश्वरपण्डितीयव्याख्यायुतः.

(955) प्र. 16-32 प. ,,

(1120) ना. 34-41 प. ,,

(1125) ना. 15-18 प. ,,

दृग्दृश्यसंबन्धानुपपत्तिप्रकाशः त्र्यम्बकशास्त्रीयः.

(C 1252) दे. 4 प.

द्वादशमहावाक्यविवरणं शङ्कराचार्यकृतम्.

(B 314) क. 38 प.

(1223) ना. 24 प. अस.

द्वासुपर्णश्रुत्यर्थविचारः बालब्रह्मानन्दकृतः.

(A 86) दे. 487-550 प.

(B 264) दे. 60 प.

(C 302) दे. 36 प.

(C 508) आ. 27 प.

नक्षत्रवादावळिः अप्पयदीक्षितकृता.

(169) आ. 175 प. मिथ्यात्ववादपर्यन्ता.

(1387) प्र. 177 प.

(3590) प्र. 75 प.

नयमयूखमालिका (चतुर्मतसारसंग्रहः) अप्पयदीक्षितः

(B 305) ग्र. 501 पु. 3 ये 3 यपादसमाप्तयन्ता.

(1737) ग्र. 112-168 प. 3 याध्यायः, चतुर्थे 2 पादौ.

(A 342) आ. 242 प.

(A 349) ग्र. 142 प. 2 ये 3 यपादसमाप्तयन्ता.

(2900) ग्र. 266 प. जगद्व्यापारवार्जाधिकरणान्ता.

नामामृतरसायनं बोधेन्द्रयतिविरचितम्.

(2113) आ. 47 प.

नारायणाद्युपनिषद्दीपिका शङ्करानन्दीया.

(1655) आ. 35 प. (नारायण-कैवल्य-ब्रह्म-गर्भ-ईश-महा- आरुणिको-पनिषदः.

निर्गुणब्रह्ममीमांसा (तत्त्वचन्द्रिका) उमामहेश्वरकृता.

(A 157) आ. 199 प.

(4107) आ. 194 प.

निर्गुणाराधनक्रमः.

(A 86) दे 551-552 प.

नृसिंहपूर्वतापन्युपनिषद्भाष्यम्.

(323) आ. 54 प.

न्यायमुक्तावळिः (चतुर्मतसारसंग्रहः) अप्पयदीक्षितकृता.

(A 183) आ. 54 प.

(3335) ग्र. 111 प.

न्यायरक्षामणिः अप्पयदीक्षितकृतः.

(202) आ. 308 प. प्रथमोऽध्यायः.

(382) आ. 111-238 प. 1 मे 3 यःपादः

(461) आ. 225-267 प. 1 मे 1-2 पादौ.

(2804) आ. 59-258 प. 1 मे. 2-4 पादाः.

(3608) ग्र. 85 प. 1 मे 1 मः पादः.

(3609) ग्र. 39 + 23 + 21 प. 1 मे 2-4 पादाः.

पञ्चपादिका पद्मपादाचार्यकृता.

(C 652) दे. 31 प. प्रथमवर्णकः.

(2201) आ. 46 प. चतुस्सूत्री.

(3951) आ. 18-107 प टीका नृसिंहाश्रमिकृता 1मं वर्णकम्.

(B 75) आ. 280 प. प्रकाशात्मकृतविवरणयुता चतुस्सूत्री.

(2197) आ. 235 प. ,, ,,

(3605) ग्र. 123 प.

पञ्चपादिकाविवरणतत्त्वदीपनम् अखण्डानन्दयतिकृतम्.

(219) आ. 198 प. जिज्ञासाधिकरणे 1मवर्णकम्.

(487) आ. 184 प. द्वितीयवर्णकमारभ्य समग्रम्.

(3050) आ. 37 प. 2यवर्णकम्.

(3604) ग्र. 100 प. असमग्रम्.

(3579) ग्र. 88 प. व्याख्या पदयोजिनी धर्मराजाध्वरिकृता 1मंवर्णकम्.

पञ्चपादिकाविवरणभावप्रकाशिका नृसिंहाश्रमीया.

(231) आ. 108 प. अस.

(A 547) आ. 104 प. ,,

पञ्चीकरणवार्तिकं सुरेश्वराचार्यकृतम्.

(B 314) क. 6 प.

(C 1137) दे. 5 प.

पञ्चीकरणविवरणभाष्यं आनन्दगिरीयम.

(C 300) आ. 11 प.

(984) ना. 190–196 प.

(3541) आ. 3 प.

परमपदनिर्णायकप्रकरणं अमृतानन्दविरचितम्.

(C 1497) दे. 13 प.

प्रकृत्यधिकरणविचारः त्र्यम्बकशास्त्रिकृतः.

(C 702) दे. 10 प.

प्रणवनिर्णयप्रकाशः कृष्णानन्दयतिकृतः.

(3336) म. 84 प.

प्रणवार्थसुधोदयः वीणयज्ञसुधीकृतः.

(338) म. 12–22 प.

प्रत्यक्तत्त्वप्रकाशिका वासुदेवेन्द्रयतिकृता.

(2) आ. 56 प. 4 अध्यायाः.

(3614) आ. 72 प.

प्रत्यक्तत्त्वप्रदीपिका चित्सुखमुनिकृता.

(C 1814) आ. 137 प. समग्रा.

प्रमाणतत्त्वं त्र्यम्बकशास्त्रीयम्.

(C 1153) दे. 15 प.

(C 1200) दे. 54 प.

प्रमाणमाला आनन्दबोधयतिकृता.

(1773) ना. 16 प.

प्रश्नोपनिषद्दीपिका शङ्करानन्दीया.

(21) आ. 48–67 प. 4 प्रश्नाः.

प्रश्नोपनिषद्भाष्यटीका नारायणेन्द्रसरस्वतीकृता.

(1000) ना. 21–75 प.

(C 1521) दे. 2

प्रारब्धध्वान्तसंहृतिः अच्युतशर्मकृता.

(B 223) क. 40 प.

प्रौढानुभवः अमरेश्वरशास्त्रिकृतः.

(B 528) क. 210-213 प.

बिम्बदृष्टिविचारः अमरेश्वरशास्त्रिकृतः.

(B 528) क. 213-216 प.

बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्यं शङ्कराचार्यविरचितम्.

(95) आ. 71 प. 3, 6 अध्यायौ.

(830) ग्र. 22-171 प.

(988) ना. 123 प.

(3533) आ. 58 प.

बृहदारण्योपनिषद्भाष्यटीका आनन्दगिरीया

(988) ना. 153-174 प. 3-5 अध्यायाः.

(2881) ना. 32-90 प. आनन्दज्ञानकृता.

(3041) आ. 181 प. ,,

बृहदारण्योपनिषद्भाष्यवार्तिकं सुरेश्वराचार्यकृतम्.

(566) ग्र. 5-83 प. 4 र्थोऽध्यायः 22-29 पत्रलोपः.

बृहदारण्योपनिषद्व्याख्या मिताक्षरा नित्यानन्दमिश्रीया.

(697) आ. 118 प.

बोधसारः नरहरिकृतः.

(C 1802) आ. 63 प. समग्रः.

बोधामृतम्.

(4170) आ 20 प. असमग्रम्.

ब्रह्मतत्त्वसुबोधिनी वेङ्कटस्वामिविरचिता.

(2769) आ. 15 प.

(C 1535) आ. 23+28 प.

ब्रह्मविदाशीर्वादपद्धतिः विद्यारण्यविरचिता.

(B 687) क. 17 प.

ब्रह्मविद्याभरणं अमृतानन्दीयम्.

(4061) ग्र. 90 प. चतुस्सूत्रीभाष्यटीका.

(2030) ग्र. 162 प. प्रथमाधिकरणम्.

(C 28) आ. 690 प. 2 याध्यायेन, 3 याध्याये 1 म 2 य पादाभ्यां च विना समग्रम्.

(994) ग्र. 261 प. आनन्दमयाधिकरणसमाप्तयन्तम्.

ब्रह्मसूत्रभाष्यम्.

(A 302) आ. 254 प. चिन्मयमुनिविरचितम्. 1 माध्यायः.

(A 311) आ. 240 प. ,, 2-4 अध्यायाः.

(C 405) ना. 109+94+90+37 प.शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 463) दे. 444 प. ,,

(1721) ना. 120 प. ,, 3-4 अध्यायौ.

(2226) आ. 86 प. ,, 1 मोऽध्यायः

(1840) ग्र. 116 प. ,, ,,

(2266) आ. 216 प. ,,

(2954) ना. 149 प. ,, 3 ये 2 यपादतस्समग्रम्.

(3477) आ. 240 प. ,,

(3535) आ. 163 प. ,,

(3976) आ. 231-359प. ,, 3-4 अध्यायौ.

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या रत्नप्रभाख्या रामानन्दीया.

(C 650) दे. 75 प. आकाशाधिकरणपर्यन्ता.

(C 653) दे. 92 प. 1 माध्याये 1-2 पादौ.

(C 659) दे. 83+59+18+102+77+24 प.

(880) आ. 88 प. 2 ये. 2 यपादमारभ्य समग्रा.

(990) आ. 77 प.1 मे 1 मः पादः.

(991) ग्र. 41-170 प. समन्वयाधिकरणतः 3 ये 2 यपादसमाप्तयन्ता.

(1729) आ. 172 प. 2 ये 2 यपादसमाप्तयन्ता.

(2000) ग्र. 126 प. 1 मोऽध्यायः

(2215) आ. 121 प. 1 मोऽध्यायः 2 ये 1-2 पादौ.

(C 1498) ग्र. 32 प. रत्नप्रभाया व्याख्या प्रकाशानन्दकृता चतुस्सूत्री.

(3599) ग्र. 59 प. ,, स्वयंप्रकाशशिष्यकृता. 1 माध्याय 1 मपादे 1-5 अधिकरणानि.

ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या (भामती) वाचस्पतिमिश्रकृता.

(152) आ. 292 प. 3 अध्यायाः.

(884) ना. 80+127 प. 1 माध्यायः भाष्ययुतः.

(1842) ग्र. 212 प. 2-3 अध्यायौ .

(3603) ग्र. 324-480 प. 3-4 अध्यायौ.

(B 879) ग्र. 619 प.1 मे 1 मः पादः.

(B 880) ग्र. 427 प. 1 मे 2-4 पादाः.

(B 881) ग्र. 511 प. 2 योऽध्यायः.

(B 882) ग्र. 554 प. 3 योऽध्यायः.

(505) ग्र. 165 प. भामतीव्याख्या ऋजुप्रकाशिकाख्या अखण्डानन्दसरस्वतीकृता (चतुस्सूत्री)

(A 341) आ. 213 प. ,, ,,

ब्रह्मसूत्रभाष्यटीका.

(2810) ग्र. 60 प. आनन्दज्ञानविरचिता 1 मे 1 मः पादः.

(2222) आ. 67 प. ,, 1 मे 1-2 पादौ.

(C 1161) दे. 42 प. त्र्यम्बकशास्त्रीया भाष्यभानुप्रभाख्या अस.

(3441) म. 214 प. चित्सुखमुनिविरचिता भाष्यभावप्रकाशिका.

ब्रह्मसूत्रभाष्यवार्तिकं नारायणसरस्वतीविरचितम्.

(A 367) आ. 195 प. 1मोऽध्यायः.

ब्रह्मसूत्रभाष्यार्थसंग्रहः.

(30) आ. 16 प.

ब्रह्मसूत्रविषयवाक्यविवरणं वासुदेवेन्द्रविरचितम्.

(C 1501) ग्र. 14प. 1मोऽध्यायः.

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः.

(27) ना. 56 प. सदाशिवब्रह्मेन्द्रसरस्वतीकृता.

(3858) ग्र. 86 प. ,,

(2811) ग्र. 75 प. कौण्डिन्यरचिता 1मे 1-3 पादाः.

(1499) ग्र. 32 प.

(B 183) दे. 293 प. रामेश्वरभारतीकृता.

(2245) आ. 74 प. ,,

(3845) ग्र. 90 प. ,,

ब्रह्मसूत्रसारसंग्रहः ज्ञानेन्द्रस्वामिविरचितः.

(3565) ग्र. 60 प. आदितस्तृतीये तृतीयपादान्तः.

ब्रह्मसूत्रार्थचिन्तामणिः वाञ्छेश्वरविरचितः.

(A 408) आ. 108 पु.

ब्रह्मस्तुतिव्याख्या श्रीधराचार्यकृता.

(1326) ग्र. 39-57 प. (श्रीभागवते)

ब्रह्मामृतवर्षिणी (ब्रह्मसूत्रव्याख्या) धर्मभट्टविरचिता.

(A 131) दे. 218 प.

(81) आ. 50 प. अपशूद्राधिकरणपर्यन्ता.

(1554) आ. 117 प.

(2179) आ. 253 प. आदितः तृतीये 3यपादसमाप्तयन्ता.

(4242) ना. 191 प. ,,

(C1771) आ. 162 प. समग्रा.

(2227) आ. 10-78 प. संक्षेपरूपेयं वृत्तिः.

भगवद्गीताभाष्यम्.

(25) आ. 41 प. शङ्कराचार्यकृतम् 12 अध्यायाः.

(C 258) दे. 62+16 प. ,, 13, 15 अध्यायौ.

(C 463) दे. 152 प. ,,

(129) आ. 23 प. ,, 4 अध्यायाः.

(984) ना. 189 प. ,,

(2534) ना. 138 प. ,,

(A 271) आ 142 प. (पैशाचम्) हनूमद्भाष्यम्.

(2479) ना. 53 प. ,, 1-8 अध्याया·

(1758) म. 109 प. ,,

भगवद्गीताभाष्यटिप्पणी.

(745) आ. 84 प. अनुभूतिस्वरूपकृता.

(3564) ग्र. 24 प.

भगवद्गीताभाष्यटीका आनन्दगिरीया.

(985) ना. 25-168 प. संग्रहरूपा.

(3541) आ. 130 प.

(3602) ग्र. 163 प.

(4139) आ. 142 प. समग्रा

(3845) ग्र. 116 प. 10 अध्यायाः.

भगवद्गीतार्थसंग्रहः.

(968) ग्र. 74 प.

भगवद्गीताव्याख्या.

(C 355) दे. 53 प. मधुसूदनसरस्वतीविरचिता तृतीयषट्कम्.

(C942) आ. 184 प. ,,

(4137) आ. 246 प. ,,

(C 544) 130 प. श्रीधरीया सुबोधिनी 6 अध्यायाः.

(C 607) दे. 64 प. ,, 4 अध्यायाः.

(C 1543) दे. 108 प. ,,

(1724) ना. 147 प. ,,

(C 693) दे. 79 प. ,, 16 अध्यायाः.

(154) आ. 162 प. रामचन्द्रसरस्वतीकृता पदयोजिनी.

(321) आ. 51 प. ,, 10 अध्यायाः.

(3173) ग्र. 150 प. ,,

(3217) ग्र. 133 प. ,,

(2039) आ. 85 प. ,, 10 अध्यायाः.

(3570) ग्र. 81 प. ,,

(2762) आ. 204 प. राघवानन्दीया तत्त्वचन्द्रिका.

(3716) ग्र. 67 प. ,, 5 अध्यायाः.

(4118) ग्र. 56 प. ,, समग्रा.

(A 490) ग्र. 298 पु. उपनिषद्ब्रह्मेन्द्रविरचिता समग्रा.

(4067) ग्र. 177 प. ब्रह्मतत्त्वप्रकाशिका. ,,

(746) ना. 141 प. सकर्णाटटीका.

भारतसारः अप्पयदीक्षितविरचितः.

(369) आ. 114–125 प.

भारतीयमननं (वेदान्तप्रकरणम्).

(B 275) म. 66 प.

भावनोपनिषद्भाष्यं भास्कररायविरचितम्.

(A 116) क. 30 पु.

(B 206) आ. 29 प.

(B 611) क. 25 प.

(B 689) क. 7 प.

(C 421) दे. 24 प.

भाष्यहृद्यं वेङ्कटेशशास्त्रीयम्.

(3375) प्र. 6+13 प. अस.

भेदधिक्कारः नृसिंहाश्रमिविरचितः.

(171) आ. 9 प.

(3885) प्र. 24 प.

(171) आ. 10-55 प. व्याख्या भेदधिक्कारसत्काराख्या नारायणाश्रमिकृता मूलयुता.

(634) आ. 72 प. ,, ,,

(1217) प्र. 98 प. ,, ,,

(C 1730) दे. 50 प. ,, ,,

(3885) प्र. 89 प. ,, ,,

(A 187) प्र. 114 पु. भेदधिक्कारटिप्पणम्.

भेदनिरासः अन्नंभट्टविरचितः.

(1835) ना. 16 प.

मध्वमतचपेटा रामकृष्णभट्टविरचिता.

(3313) आ. 22 प. सव्याख्या.

मध्वमतविध्वंसनं अप्पयदीक्षितकृतम्.

(3) ना. 51 प. सव्याख्यानम्.

(2246) आ. 61 प. ,,

(4134) प्र. 207 प. ,,

मध्वमुखमर्दनं अप्पयदीक्षितविरचितम्.

(3881) म्र. 126–176 प.

महावाक्यपठनक्रमः.

(C 696) दे. 3 प.

महावाक्यरत्नावळिः शङ्कराचार्यकृता.

(2100) आ. 54 प.

महावाक्यरत्नावळिकिरणावळिः उपनिषद्ब्रह्मेन्द्रविरचिता.

(A 418) म्र. 91 प.

(B 375) क. 6–114 प.

महावाक्यरत्नावळीप्रभा रामचन्द्रयोगिकृता.

(2269) म्र. 46 प.

(2872) ना. 26 प.

(4119) म्र. 79 प.

(A 424-425) म्र. 396 प. व्याख्या भासकलोचनाख्या उपनिषद्ब्रह्मेन्द्रकृता.

(A 551) आ. 467 पु. ,, ,,

महावाक्यविवरणं शङ्कराचार्यकृतम्.

(B 231) दे. 6 प.

(955) म्र. 61–63 प.

(,,) म्र. 33-60 प. विश्वेश्वरीया महावाक्यविवरणप्रकाशिका.

(C 766) दे. 36 प.

(1968) ना. 113–114 प.

माण्डूक्योपनिषद्दीपिका.

(C 620) दे. 4 प. शङ्करानन्दकृता.

(21) आ. 35-35 प. भारतीतीर्थकृता.

माण्डूक्योपनिषद्भाष्यं शङ्कराचार्यविरचितम्.

(2463) ग्र. 22 प.

मानदीपिका बालब्रह्मानन्दकृता वासुदेवभट्टीयटीकोपेता.

(C 301) दे. 52 प. प्रथमं प्रकरणम्.

(C 507) आ. 43 प. ,,

(A 85) दे. 236 प. 1-3 प्रकरणानि.

(A 86) दे. 237-451 प. 4-10 ,,

मानदीपिकास्मृतिसारसंग्रहः बालब्रह्मानन्दीयः.

(A 86) दे. 452-486 प.

मानसोल्लासः सुरेश्वराचार्यकृतः (दक्षिणामूर्तिस्तोत्रवार्तिकम्.

(720) ग्र. 75+11 प. रामतीर्थीयव्याख्यायुतम्.

मिथ्यत्वानिरुक्तिरहस्यं गोकुलनाथकृतम्.

(C 1255) दे. 7 प.

मुण्डकोपनिषद्दीपिका शङ्करानन्दीया.

(21) आ. 36–37 प.

मुण्डकोपनिषद्भाष्यं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C662) दे. 14 प.

(1000) ना. 20 प. टीका आनन्दगिरीया.

यज्ञशास्त्रार्थनिर्णयः वेंकटेश्वरविरचितः.

(338) ग्र. 11 प.

याज्ञिक्युपनिषद्भाष्यं विद्यारण्यविरचितम्.

(1) आ. 29 प.

रत्नत्रयपरीक्षा अप्पयदीक्षितकृता.

(284) आ. 35 प.

राजयोगभाष्यम् शङ्कराचार्यकृतः

(B 895) ग्र. 53 प. समग्रम्.

रामतापनीभष्यम्.

(395) ना. 37 प. आनन्दवनयतिविरचितम्.

(A 335) क. 37 प. ,, (पूर्वतापनी)

(1961) ना. 38 प. ,, ,,

(C 502) आ. 23 प. रामयतिकृतम्.

(2942) ना. 17 + 13 प. ,, समग्रम्.

लघुचान्द्रिका (अद्वैतसिद्धिटीका) ब्रह्मानन्दीया.

(C 1766) दे. 101-303 प. 1मःपरिच्छेदः.

(C 1767) दे. 176 प. 2यः ,,

(C 1768) दे. 36 प. 3-4 परिच्छेदौ.

(C 1769) दे. 40 प. ,,

(4375) आ. 122 प. असमग्रा.

(84) ग्र. 66 प. मिथ्यात्वनिर्वचनान्ता.

(1984) ग्र. 53 प. अनिर्वचनीयवादः.

(2183) आ. 289 प. दृग्दृश्यसम्बन्धभङ्गपर्यन्ता.

(C 1123) दे. 243 प. 2–4 परिच्छेदाः.

(C 1781) दे. 650 प. समग्रा.

(C 1355-57) दे. 198 + 300 + 29 + 122 प. गुरुचन्द्रिका समग्रा.

(2582) ना. 130 प. ब्रह्मानन्दीयव्याख्या विठ्ठलोपाध्यायरचिता प्रथममिथ्यात्वनिरुक्तयन्ता.

(C 1146) दे. 462 प. ,, ,,

लिङ्गभङ्गमुक्तिशतकं रामब्रह्मयतिकृतम.

(A 416) ग्र. 158 प. उपनिषद्ब्रह्मेन्द्रयोगिटीकायुतम्.

लौकिकन्यायरत्नाकरः रायकुलोत्तंसरघुनाथकृतः.

(A 91) आ. 128 प.

(252) आ. 59 प. (अपरोऽयं ग्रन्थः).

वाक्यवृत्तिः शङ्कराचार्यकृता.

(B 278) म. 33 प.

(955) म्र. 66-68 प.

(1125) ना. 10–14 प.

(1304) ना. 3 प.

(999) ना. 20-47 प. विश्वेश्वरविरचितप्रकाशिकाव्याख्यायुता.

(1220) ना. 22-33 प.

(2283) प्र. 28–43 प.

(2359) म्र. 34 प.

(C 1505) दे. 41 प.

वादावळीखण्डनम्.

(C 755) आ. 28 प.

वासनाप्रतीकारदशकं अमरेश्वरशास्त्रिविरचितम्.

(B 528) क. 213–216 प.

वासुदेवमननं वासुदेवयतिकृतम्.

(C 424) ना. 73 प.

(999) ना. 74-130 प.

विज्ञानतारावाळिः दक्षिणामूर्तिबुधकृता.

(B 375) क. 6 प.

विरोधवरूथिनी उमामहेश्वरकृता.

(B 841) आ. 48 प.

(2236) आ. 46 प.

विवरणप्रमेयसंग्रहः विद्यारण्यविरचितः.

(C 345) दे. 25 प. 1 मसूत्रे 2 यवर्णकसमाप्तयन्तः.

(C 1126) दे. 141 प. 3 वर्णकाः.

(3526) ग्र. 54+101 प.

(3721) ग्र. 173 प. 2 वर्णकौ.

विवेकसारः शङ्करानन्दसरस्वतीकृतः.

(696) ना. 64 प.

(B 364) क. 235 प.

(2662) आ. 127 प.

(4168) आ. 94 प.

विवेकसिन्धुः.

(C 466) दे. 142 प. गोपालकृतः.

(C 801) आ. 36 प. मुकुन्दमुनिकृतः.

विष्णुसहस्रनामभाष्यं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 436) दे. 83 प.

(118) आ. 158-218 प.

(332) आ. 54 प.

(988) ना. 123-152 प.

(1336) ना. 46 प.

(1632) ना. 86 प.

(1652) ना. 64 प.

(1948) आ. 93 प.

(1968) ना. 9-93 प.

(2666) क. 56 प.

(3781) ग्र. 69 प.

(A 148) क. 154 प. भाष्यव्याख्या तारकब्रह्मानन्दकृता.

विष्णुसहस्रनामविवृतिः गम्भीरभारतीविरचिता.

(C 538) आ. 56 प.

(526) आ. 27-56 प. 6-10 शतकानि.

(1632) ना. 108-130 प.

(1796) ना. 59 प.

(2889) ना. 141-183 प.

वृत्तिदीपिका कृष्णभट्टकृता.

(3170) ग्र. 24 प.

(3195) ग्र. 17 प.

वेदान्तकल्पतरुः (भामतीव्याख्या) अमलानन्दकृतः.

(165) आ. 224 प. 77-92 पत्रलोपः.

(3606) ग्र. 188 प.

(B 868) ग्र. 550 प. 1 मे 1 मः पादः.

(B 869) ग्र. 464 प. 1 मे 2-3-4 पादाः.

(B 870) ग्र. 592 प. 2 योऽध्यायः.

(B 871) ग्र. 679 प. 3 ये 1-3 पादाः.

(B 872) ग्र. 388 प. 3 ये 4 र्थः, 4 र्थश्चाध्यायः.

वेदान्तकल्पतरुव्याख्या (परिमळम्) अप्पय्यदीक्षितकृता.

(194) ना. 265 प. 2 याध्यायमारभ्य 4 र्थस्य 3 यपादसमाप्तयन्ता.

(3363) आ. 233 प. आदितस्तृतीये 2 यपादान्ता.

(4256) आ. 50 प. आदिभागः.

(B 873) ग्र. 240 प. अवतरणम्.

(B 874) ग्र. 753 प. 1 मे 1 मः पादः.

(B 875) ग्र. 746 प. 1 मे 2-4 पादाः.

(B 876) ग्र. 487 प. 2 योऽध्यायः.

(B 877) ग्र. 621 प. 3 ये 1-3 पादाः.

(B 878) ग्र. 622-1100 प. 3 ये 4 र्थःपादः 4 र्थश्चाध्यायः.

वेदान्तकल्पतरुव्याख्या (आभोगः) लक्ष्मीनृसिंहविरचिता.

(3607) ग्र. 261 प.

वेदान्तचन्द्रिका रामानन्दसरस्वतीविरचिता.

(B 815) आ. 47 प.

वेदान्तपञ्चदशी विद्यारण्यकृता.

(75) आ. 120 प. रामकृष्णकृतव्याख्यायुता.

(83) आ. 33 प. ,, (चित्रदीपः)

(C 470) आ. 100 प. ,, (अस)

(4188) ना. 240 प. ,,

वेदान्तपदार्थसंग्रहः राममिश्रविरचितः.

(C 861) आ. 5 प.

वेदान्तप्रकरणं स्वयंप्रकाशशिष्यकृतम्.

(C 778) दे. 8 प.

वेदान्तप्रकरणविंशिका अवधूतशिवयोगिकृता.

(1218) ना. 40 प. सकर्णाटटिका.

वेदान्तवादार्थः (खिलम्)

(119) आ. 7-136 प.

(908) ना. 111-118 प.

(913) आ. 21 प.

(915) आ. 5 प.

(945) आ. 17-108 प.

वेदान्तविषयः

(2536) आ. 188+28 प. (अस)

वेदान्तसंग्रहः शिवरामभट्टीयः.

(3541) आ. 2 प.

वेदान्तसंज्ञाप्रकरणं शङ्कराचार्यकृतम्.

(309) आ. 14 प.

(314) आ. 20 प.

(4121) ग्र. 20 प.

वेदान्तसारः सदानन्दकृतः.

(955) ग्र. 69-79 प.

(2283) ग्र. 45-55 प.

(4123) आ. 64 प. नृसिंहविरचितव्याख्यायुतः.

वेदान्तसारसंग्रहोपन्यासः रघुनाथाध्वरिकृतः.

(2219) आ. 201-411 प. 2 परिच्छेदौ 1 मे 200 पत्रलोपः.

वेदान्तसूत्रमुक्तावाळिः ब्रह्मानन्दविरचिता.

(B 255) क. 260 प. ब्रह्मसूत्रव्याख्या.

(1667) आ. 101 प.

वैदिकसिद्धान्तः सुखचिद्रूपभारतीकृतः.

(399) आ. 67 प.

वैयासिकन्यायमाला भारतीतीर्थकृता.

(990) आ. 84 प.

(2355) ग्र. 74 प.

वैयासिकसूत्रोपन्यासः रामेश्वरभारतीकृतः

(B 183) दे. 293 प. (ब्रह्मसूत्रवृत्तिः)

(2245) आ. 74 प.

(3845) ग्र. 90 प.

व्यासतात्पर्यनिर्णयः अण्णयविद्वत्कृतः.

(1829) आ. 44 प.

शारीरकमीमांसान्यायसंग्रहः प्रकाशात्मविरचितः.

(3558) प्र. 89-132 प.

शारीरकमीमांसान्यायनिर्णयसंग्रहः (आनन्दागिरीयसंग्रहः) नारायणविरचितः.

(3623) प्र. 27+96 प. 2 योऽध्यायः

शास्त्रदर्पणं अमलानन्दयातिकृतम्.

(348) आ. 114 प. (ब्रह्मसूत्रव्याख्या) 3 अध्यायाः.

(A 299) आ. 166 प.

(2522) प्र. 168 प.

(3324) प्र. 84 प. 1-2 अध्यायौ.

शास्त्रारम्भसमर्थनं त्र्यम्बकशास्त्रिकृतम्.

(C 759) आ. 117 प. क्रोडपत्रम्.

श्रुतिगीताव्याख्या शङ्करानन्दसरस्वतीकृता.

(4068) प्र. 65 प.

श्रुतितात्पर्यनिर्णयः शङ्करानन्दविरचितः.

(4169) आ. 95-115 प. असमग्रः.

श्रुतिमतप्रकाशः त्र्यम्बकशास्त्रीयः.

(3068) आ. 9 प.

श्रुतिमतानुमनोपपत्तिः त्र्यम्बकशास्त्रीया.

(C 1253) दे. 9 प.

श्रुतिमतोद्द्योतः त्र्यम्बकशास्त्रीयः

(C 752) आ. 8 प.

(C 1198) दे. 25 प.

श्रुतिमूलव्याख्या सीतारामकृता.

(C 815) दे. 57 प.

श्रुतिसारसंग्रहः तोटकाचार्यकृतः.

(A 268) दे. 34 प. सच्चिदानन्दयोगिकृतव्याख्यायुतः.

श्रुतिसूक्तिमाला हरदत्ताचार्यकृता.

(1961) ना. 8 प.

(A 292) ग्र. 191 पु. ईश्वरभट्टोपाध्यायकृतव्याख्यायुता.

(A 455) ग्र. 56 प. ,,

(2595) ग्र. 120 प. ,,

(3306) आ. 67 प. व्याख्या शिवलिङ्गभूपतिकृता.

श्रुतिस्मृतिसारसंग्रहः बालब्रह्मानन्दकृतः.

(B 322) क. 60 प.

(2513) ना. 60 प.

श्वेताश्वतरोपनिषद्भाष्यं शङ्कराचार्यविरचितम्.

(21) आ. 26 प. 4 अध्यायाः.

(3474) आ. 45 प.

श्वेताश्वतरोपनिषद्विवरणं विज्ञानात्मकृतम्.

(320) आ. 40 प.

(C 1496) दे. 50 प.

षोडशप्रकरणं परमहंसपरिव्राजकाचार्यशिष्यकृतम्.

(C 443) आ 86-113 प. षोडशं प्रकरणम्.

(2035) ना. 217 प. तत्त्वप्रकरणपर्यन्तम्.

संक्षेपशारीरकं सर्वज्ञमुनिकृतम्.

(C 488) दे. 45+26 प. 1-2 अध्यायौ.

(C 489) दे. 248 + 115 प. व्याख्या मधुसूदनसरस्वतीविरचिता
1-2 अध्यायौ.

(C 1720) म. 22 प. ,, (अस)

सदाचारप्रकरणं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 772) दे. 5 प.

सनत्सुजातीयभाष्यं शङ्कराचार्यकृतम्.

(25) आ. 18 + 3 प.

(C 636) आ. 34 प.

(1163) आ. 98 प.

(1567) आ. 69 प.

(2818) म्र. 48 प.

सन्ध्यापञ्चीकरणं शङ्कराचार्यकृतम्.

(C 1136) दे. 15 प.

सप्तप्रकरणी रामचन्द्रयोगिरचिता.

(2212) आ. 81 प. उपनिषद्ब्रह्मेन्द्रविरचितव्याख्योपेता.

सर्ववेदान्तसारसंग्रहः सच्चिदानन्दविरचितः.

(B 543) क. 16 प.

सर्ववेदान्तसिद्धान्तसारसंग्रहः शङ्कराचार्यविरचितः.

(B 278) म. 83-167 प.

सर्वोपनिषत्सारसञ्जीवनी ब्रह्मविद्या.

(B 624) आ. 88 प.

सिद्धान्तकल्पवल्ली.

(989) ना. 17 प. वेङ्कटेश्वरकृता.

(1830) म्र. 50 प. सदाशिवकृता (व्याख्या चासमग्राऽस्ति)

सिद्धान्ततत्त्वम्.

(C 1836) दे. 25 प. जगन्नाथविरचितम्

(3611) ग्र. 59 प. अनन्तदेवविरचितम्.

सिद्धान्तबिन्दुः मधुसूदनसरस्वतीकृतः.

(326) आ. 14 प.

(C 655) दे. 17 प. अस.

(B 112) आ. 251 प. टीका न्यायरत्नावळी ब्रह्मानन्दयि.

(B 867) ग्र. 945 प. „ „ समग्रा.

(C 1565) दे. 106 प „ „

सिद्धान्तरत्नमाला विश्वनाथविरचिता.

(C 791) आ. 11 प. 1 मेऽध्याये 1 मः पादः.

सिद्धान्तलेशसंग्रहः अप्पयदीक्षितकृतः.

(C 657) दे. 81 प.

(A 36) आ. 45 प.

(1002) ग्र. 59 प.

(1219) आ. 80 प.

(2099) ना. 77 प.

(2938) ग्र. 99 प.

(2001) ग्र. 140 प.

(B 77) आ. 188 प. अच्युतकृष्णानन्दीयव्याख्या (पूर्वभागः)

(B 121) आ. 270 प. „ (उत्तरभागः)

(C 651) आ. 5-51 प. „

(1002) ग्र. 4 प. यज्ञेश्वरेष्टिकृता व्याख्या (आदिमभागः)

सिद्धान्तवैजयन्ती त्र्यम्बकशास्त्रिकृता.

(654) ना. 24 प. मिथ्यात्वनिरुक्त्युपपत्तिः.

(2231) आ. 81 प.

(C 1199) दे. 15 प. अस.

सिद्धान्तसिद्धाञ्जनं कृष्णानन्दसरस्वतीकृतम्.

(A 358) आ. 45 प. अस.

(3440) म. 144 प.

(4055) म. 200 प.

(B 738) आ. 184 प. व्याख्यानम् पूर्वभागः.

(B 796) आ. 185-392 प. ,, उत्तरभागः.

(3577) म. 127 प. व्याख्या रत्नतूलिकाख्या भास्करदीक्षितकृता.

(3580) म. 154 प. ,, ,,

स्वात्मनिरूपणं शङ्कराचार्यकृतम्.

(1968) ना. 99-105 प.

स्वात्मप्रकाशः शङ्कराचार्यकृतः.

(1968) ना. 96-99 प.

स्वाराज्यसिद्धिव्याख्या (कैवल्यकल्पद्रुमः) गङ्गाधरसरस्वतीकृता.

(2737) आ. 126 प. पूर्वार्धम्.

---

(2) अनुभवाद्वैतम्.

अनुभूतिमीमांसा अप्पयशिवाचार्यकृता.

(B 331) आ. 71 पु. (सूत्रपाठः)

(B 333) म. 40 पु. ,,

अनुभूतिमीमांसाभाष्यं अप्पयशिवाचार्यकृतम्.

(B 847) म. 654 पु.

(A 168) म. 334 पु.

(B 235) ग्र. 184 प.

(B 237) ग्र. 173 पु. स्वकृतदीपिकाख्यव्याख्यायुतम्. (चतुस्सूत्री)

(B 238) ग्र. 180+220+100 पु. ,, ईक्षत्यधिकरणमारभ्य अङ्गुष्ठप्रतिमाधिकरणपर्यन्तम्.

(B 239) ग्र. 139-205+201+212 पु. अङ्गुष्ठाधिकरणमारभ्य समग्रम्.

अष्टोत्तरशतोपनिषद्भाष्यं अप्पयदीक्षिताचार्यकृतम्.

(B 408-514) आत्मबोधोपनिषन्मात्रं नास्ति.

(B 245) ग्र. 42 प. ईश-केन-कठ-प्रश्नोपनिषदः. (4)

(B 246) ग्र. 42+14 प. मुण्डक-माण्डूक्य-तैत्तिरीय-ऐतरेय-(छान्दोग्योपनिषदः (छान्दोग्ये षष्ठाध्यायमात्रम्) (5)

(C 447) ग्र. 34 प. बृहदारण्यकोपनिषत् षष्ठाध्यायः. (1)

(A 166) ग्र. 96 प. ब्रह्म-कैवल्य-जाबाल-श्वेताश्वतर-हंस-आरुणिक-गर्भ-नारायण-परमहंस-अमृतबिन्दु-अमृतनाद-अथर्वशिरः-अथर्वशिखा-मैत्रायणीय-कौषीतकी-बृहज्जाबाल-नृसिंहतापनी-कालाग्निरुद्र-मैत्रेयी-सुबाल-क्षुरिका-मन्त्रिकोपनिषदः. (22)

(A 167) ग्र. 57 प. सर्वसार-निरालम्ब-रहस्य-वज्रसूची-तेजोबिन्दु-दर्शन तारसार-महावाक्य-पञ्चब्रह्म-प्राणाग्निहोत्र-गोपालतापनी-कृष्ण-हयग्रीव-दत्तात्रेय गारुड-कलिसन्तारण-जाबालि-सौभाग्यलक्ष्मी-सरस्वतीरहस्य-बह्वृचोपानिषदः. (20)

(B 247) ग्र. 34+13+24+60+51+46 प. नाद-ध्यान-ब्रह्मविद्या योगतत्त्व-त्रिशिखिब्राह्मण-सीता-योगचूडामणि-मण्डलब्राह्मण-दक्षिणामूर्ति-निर्वाण-स्कन्द-शरभ-महानारायण-अद्व तारक-रामरहस्य-रामतापनी-वासुदेव-मुद्गल-शाण्डिल्य-पैङ्गल-भिक्षुक-महा-शारीरक-योगशिखा-तुरीयातीत सन्यास-परमहंसपरिव्राजक-अक्षमालिका-अव्यक्त-एकाक्षर-अन्नपूर्णा-सूर्य

अक्षिक–कुण्डिका–सावित्री-आत्म–पाशुपत–परब्रह्म–अवधूत– त्रिपुरातापनी देवी-त्रिपुरा-कठ–भावना–रुद्रहृदय-योगकुण्डली–भस्मजाबाल–रुद्राक्षजाबाल गणपति-याज्ञवल्क्य-शाट्यायनीयोपनिषदः. (51)

(1277) ग्र. 50-69+70-87 प. वराह -अध्यात्मोपनिषदौ (2)

(B 244) ग्र. 56 + 48 प. नारदपरिव्राजक–मुक्तिकोपनिषदौ (2) (आहत्य 107 उपनिषदः आत्मबोधोपनिषन्न दृश्यते).

(1321) म. प. 4 वज्रसूच्युपनिषत्.

(B 327-328) ग्र. 202+360 पु. ईशादिदशोपनिषदां द्राविडभाषा-व्याख्या(तैत्तिरीये ब्रह्मवल्लीमात्रम् छान्दोग्यबृहदारण्यकयोष्षष्ठाध्यायमात्रम्)

उपदेशतत्त्वम्. (द्राविडभाषा)

(A 237) म. 173-195 पु.

कान्तिमत्येकश्लोकी.

(B 241) ग्र. 7 पु.

कैवल्यसाधनम्.

(B 332) आ. 10 पु.

(B 333) ग्र. 11 प.

गुरुशिष्यसंवादः.

(A 169) म. 150 पु.

(C 448) ग्र. 52 प.

जीवचिन्तामणिः.

(B 334) ग्र. 62 प. संस्कृतद्राविडरूपः.

तत्त्वसंग्रहः.

(B 239) ग्र. 101-138 प.

(B 243) ग्र. 16 प.

द्राविडसूत्रम्.

(B 242) द्रा. 16 पु. द्राविडभाषा.

निष्ठानुभूतिः.

(B 329) म. 37 पु.

पञ्चदशाङ्गयोगप्रकरणम्.

(B 236) ग्र. 11 पु.

पञ्चदीपिका अप्पयशिवाचार्यकृता.

(3714) ग्र. 132 प.

पञ्चीकरणप्रक्रिया.

(B 330) म. 65-164 पु. केरळभाषा.

पराशरदीपिका.

(B 306) आ. 91 प. पराशरोपपुराणे अन्तिमस्याष्टादशाध्यायस्य-व्याख्यानम्.

भगवद्गीताभाष्यम्.

(B 240) ग्र. 172 प.

भगवद्गीतायाः केरळभाषाव्याख्या.

(A 237) म. 172 पु.

मन्त्रानुष्ठानक्रमः अप्पयशिवाचार्यकृतः.

(B 329) म. 77 पु.

मुक्तिकामधेनुः. ,,

(B 242) ग्र. 16 प. (द्राविडभाषा)

मुक्तिरत्नम्. ,,

(B 242) द्रा. 176 प. (द्राविडभाषा)

योगदर्पणम्. ,,

(B 242) ग्र. 36 पु. द्राविडभाषाटकियुतम्.

योगसारस्वतम् अप्पयशिवाचार्यकृतम्.

(C 449) ग्र. 24 प.

वेदान्तप्रकरणम्. ,,

(B 273) म. 44 प. (केरळभाषा)

वेदान्तयुद्धप्रकरणम्. ,,

(C 450) ग्र. 112 पु. 9 प्रकरणानि.

(C 452) म. 63 पु. 5–9 ,,

वेदान्तव्यवहारमाला. ,,

(C 451) ग्र. 268 प. 12 भागाः.

(C 453) म. 24 ,,

शिवप्रकाशपद्धतिः. ,,

(A 237) म. 13 प. (शिवप्रकाशकर्तृ)

शुकजनकसंवादः. ,,

(A 237) म. 30 पु.

श्रीभागवतैकादशस्कन्धटीका ,,

(B 236) ग्र. 109 पु.

षोडशमञ्जरी सव्याख्या ,,

(1310) ग्र. 75–155 प.

षोडशमालिका सव्याख्या ,,

(B 241) ग्र. 35 पु.

स्वानुभूतिः ,,

(B 270) म. 72 प.

हरिहरब्रह्मसामरस्यम् ,,

(B 241) ग्र. 144 पु.

XXIII (1) विशिष्टाद्वैतम् संस्कृतम्.

अग्निरहस्यप्रकाशिका रङ्गरामानुजमुनिकृता.
(B 789) आ. 52 प.

अथर्वशिखाभाष्यं रङ्गरामानुजमुनिकृतम्.
(B 791) आ. 22 प.

अधिकरणसारावळिः वेदान्ताचार्यकृता.
(649) आ. 39 प.
(876) ग्र. 85 प.
(1166) ग्र. 61 प.
(3653) ग्र. 65 प.
(449) ग्र. 231 प. व्याख्या अधिकरणचिन्तामण्याख्या वरदाचार्यकृता किंचिन्न्यूना.
(798) आ. 3-150 प. ,, तृतीयाध्याय 2यपादसमाप्तयन्ता.
(799) आ. 45 प. ,, तृतीयाध्याये 3यपादः.
(3030) ग्र. 216 प. ,, 3 अध्यायाः.
(3756) ग्र. 169 प. ,, प्रथमभागः.
(3757) ग्र. 166 प. ,, द्वितीयभागः.

अधिकरणार्थसंग्रहः महाचार्यकृतः.
(628) आ. 17–24 प.
(1469) आ. 18 प.
(1513) ग्र. 33 प. (अधिकरणसारावळीसदृशः)
(3653) ग्र. 21 प.

अधिकारसंग्रहः वेदान्ताचार्यकृतः.
(4279) ग्र. 16 प.

अध्यात्मचिन्ता वादिकेसारिरम्यजामातृकृता.

(C 435) दे. 29-38 प.

(A 181) आ. 27 प. व्याख्या नारायणमुनिकृता.

अन्तिमोपायनिष्ठा भट्टनाथकृता.

(3947) ग्र. 55 प.

अभयप्रदानसारः वेदान्ताचार्यकृतः (संस्कृतपरिवृत्तिः.)

(B 524) आ. 44 प.

(C 1156) दे. 44 प.

(3943) ग्र. 29 प.

अरुणाधिकरणमञ्जरी श्रीनिवासाचार्यकृता.

(1205) ग्र. 12 प.

अरुणाधिकरणसरणिविवरणी श्रीनिवासाचार्यकृता.

(2218) ग्र. 118 प.

अर्थपञ्चकं नारायणमुनिकृतम्.

(C 672) दे. 9 प.

अर्थपञ्चकविवेकः शठकोपाचार्यकृतः.

(C435) दे. 148-164 प.

अष्टश्लोकीव्याख्या.

(A330) आ. 201 प. कुन्नत्तूर् अय्यकृता (मणिप्रवाळः)

(C 671) दे. 10 प. नारायणकृता.

(3736) ग्र. 31 प. वेदान्तरामानुजाचार्यकृता.

(3667) ग्र. 49 प. राघवसूरिकृता.

(3676) ग्र. 48-65 प.

अष्टादशभेदविचारः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(401) ग्र. 1 प. (लघुः

(632) आ. 26-33 प. (गुरुः)

(3797) ग्र. 10 प. ,,

आकाशाधिकरणविचारः.

(903) ना. 4 प.

आगमप्रामाण्यं यामुनाचार्यविरचितम्.

(3673) ग्र. 44 पं.

आचार्यसंभावनाहृदयं पादुकासेवकस्वामिकृतम्.

(4128) ग्र. 31+19 प.

आत्मविजयः. (शिवकर्णामृतखण्डनम्)

(2516) ग्र. 147 प.

आनन्दतारतम्यखण्डनं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(401) ग्र. 15-14 प. (लघु)

(620) आ. 7 प. ,,

(640) आ. 28 प. (बृहत्)

(3079) ग्र. 14-19 प.

उपनिषद्भाष्यं रङ्गरामानुजमुनिविरचितम्.

(3464) ग्र. 142+8 प. (अत्र-कठ-केन-अथर्वशिखा-सुबाल-मह-मुण्डक-प्रश्नोपनिषदः.)

उभयकलातात्पर्यतत्त्वप्रकाशः चन्नुपाटिरामानुजाचार्यकृतः.

(B 174) क. 68 प.

कण्टकोद्धारः चम्पकेश्वरविरचितः.

(A 128) आ. 138 प. अस.

(3110) ग्र. 75 प. ,,

कूरेशविजयः श्रीवत्साङ्कमिश्रकृतः.

(3661) ग्र. 33 प.

कूरेशविजयः श्रीवत्साङ्कमिश्रकृतः.

(892) आ. 13 प. महापूर्णार्यटीकायुतः.

(1383) आ. 21 प. कूरनारायणमुनिकृतः.

कैशिकपुराणव्याख्या कृष्णपादीया.

(3935) ग्र. 18-23+20 प.

कौषातक्युपनिषद्भाष्यं रङ्गरामानुजमुनिकृतम्.

(B 799) आ. 131 प.

खण्डनचतुष्टयं कुमारवरदाचार्यकृतम्.

(B 382) आ. 30 प.

गद्यत्रयं रामानुजाचार्यरचितम्.

(847) ग्र. 17 प.

(1170) ग्र. 12 प. शरणागतिगद्यटीका सुदर्शनाचार्यकृता.

(1285) ग्र. 7 प. ,, ,,

गद्यत्रयव्याख्या कृष्णपादीया.

(3918) ना. 60 प.

गुरुरत्नावळिः वेदान्ताचार्यकृता.

(2831) ग्र. 6 प.

चक्रविद्याविलासः (सुदर्शनमीमांसाव्याख्या) रामकृतः.

(3671) ग्र. 38-120 प.

चण्डमारुतं (शतदूषणीव्याख्यानं) महाचार्यकृतम्.

(2058) आ. 107 प. 31 स्कन्धाः.

(2774) ग्र. 111 प. 41-66 स्कन्धाः.

चरमश्लोकटीका.

(626) ग्र. 5-10 प.

छान्दोग्योपनिषद्दीपिका वाधूलवरदाचार्यकृता.

(B 210) ग्र. 54 प. 4-6 अध्यायाः.

छान्दोग्योपनिषद्भाष्यं रङ्गरामानुजमुनिकृतम्.

(1418) आ. 106 प. 6 अध्यायाः.

(1735) ग्र. 75 प. 5 ,,

(2096) ग्र. 95 प. 7 ,,

(2884) ग्र. 71 प.

(3357) ग्र. 104 प. 6 अध्यायाः.

जिज्ञासादर्पणं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(286) ग्र. 38 प.

(555) आ. 47 प.

(628) आ. 16 प.

(C 1942) आ. 47 प.

जीवकर्तृताविचारः.

(B 549) आ. 20 प.

जीवाणुत्वसमर्थनं चम्पकेशविरचितम्.

(B 398) आ. 21 प.

ज्ञानरत्नप्रकाशिका श्रीनिवासाचार्यकृता.

(B 79) आ. 54 प.

(339) ग्र. 37 प. अस.

(964) आ. 48 प. ,,

(1205) ग्र. 39 प. ,,

(1464) आ. 49 प.

(3046) ग्र. 51 प.

(3073) ग्र. 110-154 प.

ज्ञानार्णवः.

(2906) ग्र. 65 प. 6 परिच्छेदाः.

णत्वदर्पणं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(616) आ. 9 प.

(3079) ग्र. 13 प.

णत्वसमर्थनं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(1880) ग्र. 22-29 प.

णत्वैकान्तशिरोमणिः वाधूलवरदाचार्यकृतः.

(653) आ. 101 प.

तत्त्वत्रयचुळकं वरदाचार्यकृतम्.

(C 687) आ. 23 प.

तत्त्वत्रयनिरूपणं कुमारवरदाचार्यकृतम्.

(C 51) दे. 17 प.

(616) आ. 10 प.

(626) ग्र. 68-72 प.

(1423) आ. 45-62 प.

तत्त्वत्रयप्रमाणसंग्रहः.

(1844) ग्र. 73 प.

तत्त्वदीपः सौम्यजामातृकृतः.

(C 925) दे. 78 प.

(B 849) आ. 74 पु. मूलमन्त्रप्रकरणं.

(3676) ग्र. 66-136 प.

(B 850) आ. 128 पु. व्याख्यायुतः.

तत्त्वनिरूपणं सुन्दरजामातृकृतम्.

(3678) ग्र. 103-144 प.

(4278) ग्र. 70-103 प.

तत्त्वनिर्णयः वरदराजकृतः.

(A 177) ग्र. 15 पु.

(3401) ग्र. 21 प.

(3443) ग्र. 32 प.

(3677) आ. 20 प.

तत्त्वनिष्कर्षः रङ्गरामानुजमुनिकृतः.

(3014) ग्र. 25 प.

तत्त्वनीतिमहार्णवः.

(A 391) आ. 6-20 प.

तत्त्वमार्ताण्डः (चन्द्रिकाखण्डनम्) श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(B 142) आ. 446+90 प. 1मे 1-2 पादौ.

(B 211) आ. 328 प. ,, 3-4 ,,

(B 227) आ. 300 प. 2योऽध्यायः (2यपादं विना)

(623) आ. 51 प. 1मे 2य 3यपादयोराद्यन्तभागः.

(628) आ. 30+6 प. चतुस्सूत्री.

(1807) ग्र. 132 प. ,,

तत्त्वमुक्ताकलापः वेदान्ताचार्यकृतः.

(616) आ. 58 प.

(1166) ग्र. 80-149 प.

(443) ग्र. 134 प. स्वकृतसर्वार्थसिद्धिव्याख्यायुतः आदितः ईश्वरसरे 18 श्लोकपर्यन्तः.

(1171) ग्र. 113+348 प. ,,

(3269) ग्र. 192 प. ,,

(3029) ग्र. 94+165 प. ,,

(C 1144) आ. 282 प. ,,

(3040) आ. 144 प. नरसिंहराजीया सर्वार्थसिद्धेर्व्याख्या आनन्दवल्लि-
का. (2सन्धौ)

(B 324) आ. प. ,,

तत्त्वमुक्तावळिः सुदर्शनाचार्यकृता.

(B 405) आ. 18 प.

तत्त्वसारः वरदाचार्यकृतः.

(3082) ग्र. 55-64 प.

(3011) ग्र. 106 प. व्याख्या सारास्वादिनी सुन्दराचार्यकृता.

तदुक्तार्थविलासः वेदान्ताचार्यकृतः.

(1186) ग्र. 180 प.

(4083) ग्र. 116 प.

तप्तचक्राङ्कनप्रमाणविवृत्तिः श्रीनिवासदेशिककृता.

(2411) आ. 36 प.

तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यम्.

(221) ग्र. 104 प. रङ्गरामानुजीयम् महानारायणे 11 अनुवाकान्तम्.

(2004) ग्र. 102 प. नारायणमुनिकृतम्.

(3852) ग्र. 41 प. ,, असमग्रम्.

त्रिमतसिद्धान्तसंग्रहः.

(3922) ग्र. 10 प.

त्रय्यन्तघण्टापथः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(2409) आ. 52-67 प.

दुरुपदेशाधिक्कारः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(4) ग्र. 22 प.

दुरूहशिक्षा परकालयतिकृता.

(B 797) आ. 106 प. असमग्रा.

दुर्वादिविजयकाहळी.

(3106) ग्र. 55 प. अस.

द्रविडोपनिषत्तात्पर्यरत्नावळिः वेदान्ताचार्यकृता.

(1166) ग्र. 61-79 प.

द्राविडोपनिषत्सारः वेदान्ताचार्यकृतः.

(1497) ग्र. 3 प.

नमकचमकप्रकरणं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(1214) ग्र. 7 प.

(1880) ग्र. 30-34 प.

नयद्युमणिः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(C1168) ग्र. 94 प.

नानार्थकल्पवल्ली वेङ्कटभट्टाचार्यकृता.

(B 828-829) ग्र. 782 प.

निक्षेपाचिन्तामणिः गोपालदेशिककृता.

(1751) ग्र. 76 प.

निक्षेपरक्षा वेदान्ताचार्यकृता.

(A 215) आ. 108-134 प.

(651) आ. 56 प.

(1285) ग्र. 59 प.

(2425) आ. 58 प.

(2498) ग्र. 69-116 प.

(3028) ग्र. 181-227 प.

(B 559) ग्र. 146 प. सिंहदेवविरचितव्याख्यायुता.

नित्यग्रन्थः रामानुजाचार्यकृतः.

(1074) आ. 9 प.

नीतिमाला.

(1592) ग्र. 75 प. 10 अधिकाराः.

न्यायकुलिशः.

(A355) आ. 75 प. आत्रेयरामानुजीयः 8 वादाः.

(3727) ग्र. 107 प. वादिहंसाम्बुवाहीयः 8 परिच्छेदाः.

न्यायपरिशुद्धिः वेदान्ताचार्यकृता.

(596) ग्र. 113 प.

(A 494) आ.

(C 840) आ. 94 प.

(1010) ग्र. 71 प. शब्दाध्यायमारभ्य समग्रा.

(1071) आ. 81 प. स्मृत्यध्याये प्रथमाह्निकसमाप्तयन्ता.

(2675) ग्र. 175 प. आदितः अनुमानाध्याये प्रमाणाभासाह्निकसमाप्तिः.

(A 495) आ. व्याख्या श्रीनिवासीया.

(3083) ग्र. 166 प. ,, ,, 3 अध्यायाः.

(3791) ग्र. 168 प. ,, ,,

(C 73) आ. 178 प. ,, ,,

न्यायरत्नावळी आदिवराहवेदान्ताचार्यकृता.

(620) आ. 33 प. अस.

(758) ग्र. 22 प. प्रथमः परिच्छेदः.

(1085) ग्र. 77 प. द्वौ परिच्छेदौ.

न्यायसिद्धाञ्जनं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(217) ग्र. 137 प.

(766) ग्र. 15-81 प. अस.

(3930) आ. 88 प.

(C 437) आ. 180 प. रङ्गरामानुजीयटीकायुतम्.

(C 438) आ. 100 प. रङ्गरामानुजयिटीकायुतम् 2परिच्छेदौ

(766) ग्र. 127 प. ,, असमग्रम्.

(3687) ग्र. 124+100 प. ,,

न्यासविद्याप्रकाशः श्रीनिवासपरकालयतिकृतः.

(2254) ग्र. 180 प. सव्याख्यः.

न्यासविद्याविजयः (श्रीवचनभूषणमीमांसाविशसनम्) श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(2097) ग्र. 212 प. 41 भङ्गाः.

(B 723) आ. 450 प.

परतत्त्वनिर्णयः श्रीनिवासीयः

(3167) ग्र. 88 प.

परमैकान्तिनित्यकर्मनिर्णयः.

(288) ग्र. 40 प.

पाञ्चरात्ररक्षा वेदान्ताचार्यकृता

(A 215) आ. 146-184 प.

(1686) ग्र. 104 प

(2498) ग्र. 68 प.

(3028) ग्र. 246-274 प.

पाराशर्यविजयः महाचार्यकृतः

(A 38) आ. 94 प. शास्त्रारम्भविचारः.

(B 307) आ. 294 प. 1मे 1मः पादः.

(B 316) आ. 295-531 प. 1मे 2-4 पादाः.

(2195) ग्र. 235 प. आदितः अपशूद्राधिकरणान्तः.

पुच्छब्रह्मवादः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(401) ग्र. 15-21 प

(646) आ. 10 प.

पुरुषकारमीमांसा नारायणीया.

(3270) प्र. 12 प.

पुरुषसूक्तव्याख्या.

(1) आ. 30-34 प. 1 मोऽनुवाकः.

(4) प्र. 36 प. देवराजकृता सर्वार्थसुन्दरी.

(B 165) आ. 88 प. रङ्गनाथपरकालस्वामिकृता.

(B 350) आ. 77 प. ,,

(C 1354) आ. 39 प. ,,

(3631) आ. 15 प.

प्रणवदर्पणं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(C 639) आ. 13 प. अस.

(C 928) आ. 45 प.

(621) आ. 41 प.

प्रतितन्त्रदर्पणं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(C 637) आ. 19 प.

(646) आ. 30 प.

(3064) आ. 18 प.

प्रतितन्त्रपरिष्क्रिया रङ्गरामानुजमुनीया.

(3014) प्र. 60 प.

(A 411) आ. 70 प.

प्रपत्तिप्रयोगः.

(2422) आ. 4-20 प.

प्रपत्त्युपायत्वविचारः.

(4) प्र. 23-31 प.

प्रपन्नपारिजातः वरदाचार्यकृतः.

(272) ग्र. 15 प.

(626) ग्र. 73-87 प. विहितस्थापनापद्धतिपर्यन्तः

(2091) आ. 16 प.

(3658) ग्र. 23 प.

प्रपन्नमोक्षगतिः.

(3918) ना. 61-66 प.

प्रमाणशरपञ्जरं श्रीरङ्गाचार्यकृतम्.

(3768) ग्र. 19 प.

प्रमाणसंग्रहः.

(268) ग्र. 166 प. रघुनाथार्यसंगृहीतः.

(614) आ. 27 प.

(617) आ. 32+22 प.

(683) ग्र. 53 प. वर्णक्रमेण संगृहीतः.

(1529) आ. 29-54 प. विषयानुक्रमयुतः.

(3795) ग्र. 10+93 प. भगवद्विषयः.

(3797) ग्र. 44 प.

(4350) आ. 87 प. 4 आश्वासाः.

प्रमेयमाला वरदाचार्यकृता.

(789) आ. 33 प.

(1423) आ. 41 प.

(1754) ग्र. 196-223 प.

(3143) ग्र. 19 प.

बिम्बतत्त्वप्रकाशिका देवराजविरचिता.

(2633) ग्र. 29 प. असमग्रा.

ब्रह्मपदशक्तिवादः.

(C 1165) ग्र. 28 प. अस.

(B 733) ग्र. 28 प. अण्णयार्यकृतः.

(3081) ग्र. 28 प. कृष्णतातार्यकृतः.

ब्रह्मपदार्थविचारः श्रीनिवासाचार्यविरचितः.

(3644) ग्र. 68-99 प.

ब्रह्मविद्याविलासः तिरुमलभट्टकृतः.

(C 705) आ. 36 प.

ब्रह्मशब्दार्थविचारः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(3431) ग्र. 133 प. असमग्रः.

(B 548) आ.

ब्रह्मसूत्रवार्तिकोद्ग्राहिणी अनन्तनारायणीया.

(3398) ग्र. 37 प. असमग्रा.

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः वेदान्तयतिराजमुनिकृता.

(A 275) दे. 33 प. आदितस्तृतीयो द्वितीयपादान्त।.

ब्रह्मसूत्रसहस्रनामभाष्यं सुदर्शनाचार्यकृतम्.

(B 189) आ. 35 प.

ब्रह्मसूत्रार्थचन्द्रिका शेषकेशवार्यः.

(3593) आ. 97 प.

(3653) ग्र. 54 प.

ब्रह्मसूत्रार्थसंग्रहः.

(2918) ग्र. 62 प. 2 ये 3 यपादान्ता.

ब्रह्मस्तुतिव्याख्या वेङ्कटकृष्णार्यकृता.

(1326) ग्र. 26-38 प. (श्रीभागवते)

भगवद्गीताभाष्यं रामानुजाचार्यविरचितम्.

(233) आ. 111 प.

(855) ग्र. 22-129 प.

(1007) ग्र. 32 प. 7 अध्यायाः.

(1077) आ. 76+70 प.

(1182) आ. 136 प.

(1187) ग्र. 175 प.

(1251) ग्र. 123 प.

(1508) आ. 114 प. 22-48 पत्रलोपः.

(1745) आ. 92 प.

(2022) आ. 148 प.

(2081) ग्र. 203 प.

(4277) ग्र. 121 प.

(2068) ग्र. 109 प. व्याख्या तात्पर्यचन्द्रिका वेदान्ताचार्यकृता 3 यं षट्कम्

(2958) ग्र. 250 प. ,, ,, समग्रा.

(2996) ग्र. 37-234 प. ,, ,, 8 अध्यायाः.

भगवद्गीतार्थसंग्रहः यामुनार्यकृतः.

(3180) ग्र. 153 प.

(C 688) दे. 185 प.

(C 670) दे. 149 प.

भगवद्गीतार्थसंग्रहरक्षा वेदान्ताचार्यकृता.

(A 215) आ. 135-145 प.

(C 75) आ. 35 प.

(1170) ग्र. 42-65 प.

(3028) ग्र. 228-245 प.

(3430) ग्र. 40-64 प.

भगवद्गीताव्याख्या.

(722) ग्र. 48 प. नारयणमुनिकृता.

(A 262) आ. 426 प. यन्नाचानुकृता.

(1590) ग्र. 130 प. गीतार्थसंग्रहाख्या यामुनाचार्यकृता.

भेददर्पणं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(621) आ. 52 प.

भेदधिक्कारन्यक्कारः.

(A 162) ग्र. 36 प.

मध्वाध्वभङ्गः.

(3327) ग्र. 53-131 प.

मन्त्रार्थकारिका वादिकेसरीया.

(A 394) आ. 8 प.

मन्त्रोपनिषद्भाष्यं रङ्गरामानुजमुनिविरचितम्.

(B 790) आ. 17 प.

मुमुक्षुदर्पणं ब्रह्मदेशवाङ्गिपुरार्यकृतम्.

(511) ग्र. 67 प

मोक्षवादः श्रीनिवासाचार्यविरचितः.

(3672) ग्र. 9 प.

यतीन्द्रप्रवणप्रभावः.

(3946) ग्र. 60 प.

यतीन्द्रमतदीपिका श्रीनिवासाचार्यकृता.

(C 97) दे. 22 प.

(1260) आ. 20 प.

(1271) ग्र. 19 प.

(1486) आ. 39 प.

रहस्यत्रयसारः वेदान्ताचार्यकृतः

(4342) प्र. 210 प. समग्रः.

(4343) प्र. 187 प. ,,

रहस्यत्रयसारटीका.

(2259) आ. सारचन्द्रिका अपर्याप्तामृतदासकृता सिद्धोपायशोधनाधिकारतः समग्रा.

(3887) प्र. 278 प. ,, ,,

(2208) प्र. 64 प. कुसुमाञ्जल्याख्या श्रीशैलार्यकृता 1-4 अधिकाराः.

(2300) प्र. 143 प. सारप्रकाशिकाख्या भारद्वाजश्रीनिवासार्यकृता मूलमन्त्राधिकारतस्समग्रा.

(B 380) आ. 316 प. सुधाख्या श्रीशैलार्यकृता षष्ठपरदेवतापारमार्थ्याधिकारतः एकादशपरिकराधिकारान्ता.

(B 756) आ. 172 प. ,, सिद्धोपायशोधनाधिकारः

(B 764) आ. 103 प. ,, साध्योपायशोधनाधिकारः

(B 520) आ. 249 प. ,, मूलमन्त्रद्वयाधिकारौ.

(B 535-536) ,, चरमश्लोकाधिकारतस्समग्रा.

(3423-3425) प्र.175+157+94+139 प. 1-5 अधिकाराः सिद्धोपायसाध्योपायमूलमन्त्रद्वयाधिकाराः.

(2794) आ. 178 प. साराविवरण्याख्या श्रीनिवासाचार्यकृता. 17 अधि.

(2795) आ. 182 प. ,, 18-26 ,,

(2796) आ. 284 प. ,, 27-32 ,,

(B 777) आ. प. तात्पर्यकौमुदी रङ्गरामानुजमुनिकृता.

(3422) प्र. 174 प. ,, ,, 11 अधिकाराः.

रहस्यत्रयसारकारिकादर्पणं आत्रेयवरदार्यकृतम्.

(619) आ. 62 प.

(626) प्र. 11-18 प.

रहस्यत्रयसारगाथाव्याख्या श्रीनिवासाचार्यकृता.

(3926) ग्र. 61 प.

रहस्यत्रयसारदीपः नारायणविरचितः.

(3861) ग्र. 53 प.

रहस्यत्रयसारप्रमाणसंग्रहः.

(3190) ग्र. 58 प.

रहस्यत्रयसारार्थसंग्रहः.

(C 991) दे. 72 प. रङ्गाचार्यकृतः.

(3113) ग्र. 26 प. कुमारवरदार्यकृतः.

(3645) ग्र. 26 प. ,,

रहस्यत्रयसारावळिः.

(3067) आ. 26 प.

रहस्यमञ्जरी प्रणतार्तिहरीया.

(A 399) 10 प.

रहस्यरक्षा वेदान्ताचार्यकृता.

(A 215) आ. 32-39 प. चतुःश्लोक्यधिकारः.

(1068) आ. 5 प. ,,

(23) ग्र. 76 प. स्तोत्राधिकारः.

(A 215) आ. 40-86 प. ,,

(1698) ग्र. 302-354 प. ,, (अस)

(A 215) आ. 31 प. गद्याधिकारः.

(1002) ग्र. 59 प. ,,

(1074) आ. 49 प. ,,

(1271) ग्र. 43-92 प. ,,

(3028) ग्र. 135 प.

रामानुजसिद्धान्तपदवी रङ्गनाथाचार्यकृता.

(624) आ. 96 प.

(802) आ. 111 प. 7 पर्वाणि.

(2002) ग्र. 134 प.

रामानुजसिद्धान्तविजयः.

(B 161) दे. 270 प. 2 याध्याये 1-3 पादाः.

(2566) ग्र. 177 प. आदितः आनन्दमयाधिकरणान्तः.

रामानुजसिद्धान्तसंग्रहः.

(3130) आ. 46 प.

रामानुजसिद्धान्तसारः.

(A 173) आ. 119 प.

(1888) आ. 16 प.

रामानुजसिद्धान्तसारसंग्रहः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(3419) ग्र. 117 प. (अस)

(3648) ग्र. 56 प. ,,

लक्ष्मीपुरुषकारः.

(A 412) क. 24 प.

लक्ष्म्युपायत्वदीपः वेङ्कटार्यकृतः.

(B 563) आ. 61 प.

लघुशतदूषणी श्रीनिवासाचार्यकृता.

(C 747) आ. 16 प.

(C 1189) दे. 14 प.

वादित्रयखण्डनं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(2406) आ. 5 प.

विजयार्थपत्रं हरिप्रपन्नरचितम्.

(A 391) आ. 5 प.

विजयीन्द्रपराजयः परकालस्वामिकृतः.

(A 84) आ. 146 प.

विरोधपरिहारः कुमारवरदाचार्यः.

(1285) ग्र. 51 प.

विरोधवरूथिनीप्रमाथिनी श्रीनिवासदीक्षितीया.

(2790) आ. 69 प. 1मः परिच्छेदः.

(3876) ग्र. 127 प.

विवादार्थसंग्रहः रङ्गनाथविरचितः.

(B 80) आ. 17 प.

(4343) ग्र. 188–194 प.

विशिष्टोपायतास्तुतिव्याख्या श्रीनिवासाचार्यकृता.

(1873) ग्र. 28 प.

विषयवाक्यदीपिका रङ्गरामानुजमुनिकृता.

(628) आ. 62 प.

(887) ग्र. 89 प. प्रथमोऽध्यायः.

(1132) ग्र. 131 प.

(1189) आ. 151 प.

(4251) ग्र. 7-97 प.

(C 1579) दे. 157 प.

विष्णुसहस्रनामभाष्यं पराशरभट्टारककृतम्.

(484) आ. 164 प.

(527) ग्र. 72 प. अस.

(3853) ग्र. 42-154 प.

(4332) ग्र. 78 प.

वेदान्तकारिकावळिः श्रीनिवासाचार्यकृता.

(1260) आ. 4 प.

वेदान्तकौस्तुभः.

(429) ग्र. 302 प. परवस्तुवेदान्ताचार्यकृतः.

(762) ग्र. 334 प. ,,

(C 1722) ग्र. 139 प. ,,

(B 358) आ. 256 प. श्रीशैलराघवार्यकृतः पूर्वभागः.

(B 359) आ. 258 प. ,, (257-524) उत्तरभागः.

(3436) आ. 17-255 प. ,, 90-184 पत्रलोपः अनादिरनन्तश्च.

वेदान्ततत्त्वसारः रामानुजाचार्यकृतः.

(C 52) दे. 23 प.

(B 406) आ. 20 प.

वेदान्तदीपः रामानुजाचार्यकृतः.

(C 25) दे. 149 प.

(175) ग्र. 103 प.

(878) ग्र. 48 प. अस.

(1075) आ. 59 प. अस.

(1190) आ. 115 प.

(1256) ग्र. 97 प.

(4330) आ. 151 प.

(C 1777) दे. 108 प.

वेदान्तन्यायमालिका श्रीनिवासाचार्यकृता.

(628) आ. 2 प.

वेदान्तवादावळिः अनन्ताचार्यकृता.

(B 388) ग्र. 33 प. आकाशाधिकरणवादः.

(3074) ग्र. 155-175 प. ज्ञानयाथार्थ्यवादः.

(3039) ग्र. 93 तमं पत्रम्. तत्क्रतुन्यायवादः.

(3074) ग्र. 176-184 प. प्रतिज्ञावादः.

(3039) ग्र. 39 तमं पत्रम्. ,,

(,,) ग्र. 39 तमं पत्रम्. निर्विशेषप्रमाणव्युदासः.

(B 386) ग्र. 18 प. ,,

(C 1195) आ. 20 प. विधिसुधाकरः.

(B 384) ग्र. 42 प. ,,

(3075) ग्र. 23 प. ,,

(3039) ग्र. 93 तमं पत्रम्. मोक्षकारणतावादः.

(B 387) ग्र. 15 प. शरीरवादः.

(3074) ग्र. 184-194 प. ,,

(B 383) ग्र. 71 प. शास्त्रारम्भसमर्थनवादः.

(3039) ग्र. 93 तमं पत्रम्. ,,

(B 389) ग्र. 25 प. समासवादः.

(3039) ग्र. 93 तमं पत्रम्. सामानाधिकरण्यवादः (गुरुः लघुश्च)

वेदान्तविजयः महाचार्यकृतः.

(451) ग्र. 232 प. गुरूपसत्ति–ब्रह्मविद्या–सद्विद्याविजयाः.

(598) आ. 43 प. सद्विद्याविजयः.

(649) आ. 40-95 प. ,,

(1409) आ. 48 प. ,,

(A 37) आ. 100 प. अद्वैतविद्याविजयस्तुरीयः.

(398) ना. 68 प. ,, प्रपञ्चमिथ्यात्वभङ्गान्तः.

(A 353) क. विजयोल्लासः पञ्चमः.

(3594) ग्र. 111 प. ,,

वदान्तविजयमङ्गळदीपिका सुदर्शनाचार्यकृता.

(2771) ग्र. 147 प. 4 विजयाः.

(3956) आ. 100 प. (सद्विद्याविजयः)

वेदान्तसारः रामानुजाचार्यकृतः.

(3270) ग्र. 34 प.

(4282) ग्र. 67 प.

(4283) ग्र. 137–185 प.

(2788) आ. 204 प. व्याख्या किडाम्बि अहोबलाचार्यकृता.

वेदान्तसारतत्त्वं रामानुजाचार्यकृतम्.

(C 887) दे. 30 प.

वेदार्थसंग्रहः. रमानुजाचार्यकृतः.

(677) ग्र. 59 प. अस.

(878) ग्र. 46 प.

(1462) आ. 52 प.

(1754) ग्र. 68 प.

(2409) आ. 51 प.

(3271) ग्र. 25 प.

(3645) ग्र. 50 प.

(C 1776) दे. 56 प.

(1754) आ. 69-195 प. व्याख्या तात्पर्यदीपिकाख्या सुदर्शनाचार्यकृता.

(3595) ग्र. 107 प. ,,

(3284) ग्र. 85 प. ,,

वैष्णवसारसंग्रहः.

(274) आ. 22 प.

व्यावहारिकत्वखण्डनम्.

(788) आ. 17 प.

(3046) ग्र. 18 प. अण्णयाचार्यकृतम्

(2409) आ. 68-84 प. श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

शतकोटिः (शैववैष्णववादः)

(470) ग्र. 30 प. (92 कक्ष्याः)

शतदूषणी वेदान्ताचार्यकृता.

(1438) आ. 181 प. (55 भङ्गाः)

(380) आ. 147 प. (25 भङ्गाः)

(A 192) आ. 250 प.

(1434) आ. 196 प.

(1753) ग्र. 236 प. (63 भङ्गाः)

(1806) आ. 128 प. (15- 66 ,,)

(A 192) आ. 284 (66 ,,)

(C 839) आ. 127 प. ,,

(C 1148) आ. 110 प. ,,

(3098) ग्र. 115 प. ,,

(2050) ग्र. 252 प. ,,

(1841) आ. 246 प. (63 ,,)

(1837) ग्र. 113 प. (30 ,,)

शतदूषणीव्याख्या.

(A 90) आ. 50 प. चण्डमारुताख्या महाचार्यकृता 15 स्कन्धाः

(A 107) आ. 60 प. ,, 3 ,,

(934) ग्र. 73 प. ,, 7 ,,

(B 149) आ. 432 प. ,, 4-33 ,,

(B 150) आ. 410 प.	चण्डमारुताख्या	14-51	स्कन्धाः
(B 176) आ. 108 प.	,,	52-64	,,
(1439) आ. 432 प.	,,	60	,,
(761) ग्र. 161 + 78 प.	,,	34-64	,,
(2058) आ. 107 प.	,,	31	,,
(2774) ग्र. 111 प.	,,	41-66	,,
(740) ग्र. 89 प.	नरसिंहराजीया.	16	,,
(1707) आ. 259 प.	,,	55	,,
(2032) आ. 173 प.	,,	33	,,

शरणागतिगद्यव्याख्या सुदर्शनाचार्यकृता.
(3430) ग्र. 65-73 प.
(B 928) आ. 61-73 प.

शरणागतिरत्नमालिका वाधूलभावनाचार्यतनयशिष्यकृता.
(1447) आ. 103 प.

शारीरकन्यायकलापः सेननाथकृतः.
(B 560) ग्र. 16 प.

शारीरकमीमांसाविवृत्तिः विजयीन्द्रभिक्षुकृता.
(B 171) दे. 122 प. द्वितीयाध्यायमारभ्य समग्रा.

शारीरकशास्त्रसंगतिसारः रघुनाथार्यकृतः.
(B 363) ग्र. प.

शारीरकैककण्ठ्यं कौश्चिवरवरमुनिकृतम्.
(1990) ग्र. 33 प.

शैववैष्णवविचारः.
(627) ग्र. 146 प.
(716) ना. 65 प.
(1868) आ. 54 प.

श्रीतत्त्वचिन्तामणिः कन्दाडै वरदाचार्यकृतः.

(31) ग्र. 62 प.

श्रीतत्त्वसिद्धाञ्जनं वेदान्तरामानुजमुनिविरचितम्.

(2573) ग्र. 125 प.

(3753) ग्र. 177 प.

श्रीभाष्यं रामानुजाचार्यविरचितम्.

(C 434) आ. 140 प. 1मोऽध्यायः.

(531) ग्र. 76 प. द्वितीयाध्यायमारभ्य चतुर्थाध्यायस्य द्वितयिपाद-समाप्त्यन्तम्.

(883) ग्र. 16-275 प.

(1167) आ. 181 प.

(1357) आ. 170 प. 1मोऽध्यायः.

(1401) आ. 238 प. प्रथमद्वितीयाध्यायौ.

(1420) आ. 87 प. प्रथमाधिकरणम्.

(1490) ग्र. 230 प.

(1517) ग्र. 144 प.

(1692) आ. 194 प.

(1732) ग्र. 183 प.

(1905) ग्र. 179 प.

(2274) ग्र. 270 प.

(2992) आ. 192 प.

(4275) ग्र. 278 प.

(4331) ग्र. 118 प.

श्रीभाष्यव्याख्या तत्त्वटीका वेदान्ताचार्यकृता.

(2048) ग्र. 178 प. प्रथमाधिकरणे सद्विद्याविचारान्ता.

(179) ग्र. 165 प. महासिद्धान्तोपक्रमान्ता.

(1051) आ. 75 प. „

श्रीभाष्यव्याख्या नयप्रकाशिका मेघनादारिसूरिकृता.

(B 130) आ. 304 प. 1मे प्रथमद्वितीयपादौ.

(B 146) आ. 282 प 1मे तृतीयमारभ्य द्वितीये 2यपादान्ता.

(1850) ग्र. 124 प. आदितस्समन्वयाधिकरणोपक्रमपर्यन्ता.

श्रीभाष्यव्याख्या मितप्रकाशिका परकालयतिकृता.

(641) आ. 112 प. प्रथमाधिकरणम्.

(642) आ. 304 प. द्वितीयाधिकरणमारभ्य 1माध्यायसमाप्त्यन्ता.

(C 1573) आ. 96 प. 1मः पादः.

(2278) आ. 274 प. 1मोऽध्यायः.

(3077) आ. 187 प. 1मे 1मः पादः.

(1834) आ. 115 प. 2–4 अध्यायाः

(1833) आ. 180 प. आदितः ईक्षत्यधिकरणपर्यन्ता, तृतीये 1मपादश्च.

श्रीभाष्यव्याख्या ब्रह्मविद्याकौमुदी श्रीनिवासाचार्यकृता.

(B 547) आ. 173 प. चतुस्सूत्री.

(B 521) आ. 114 प. ईक्षत्यधिकरणतः ज्योतिराधिकरणान्ता.

(3420-3421) ग्र. 142 + 11, + 72 प. प्रथमे प्रथमः पादः.

श्रीभाष्यव्याख्या मूलभावप्रकाशिका रङ्गरामानुजमुनिकृता

(3048) आ. 82 प. 1मे प्रथमः पादः

श्रीभाष्यव्याख्या श्रुतदीपिका सुदर्शनाचार्यकृता.

(A 164) ग्र. 76 प.

श्रीभाष्यव्याख्या चम्पकेशीया.

(2960-2961) ग्र, आ. 85 + 125 प. आदितः महापूर्वपक्षसमाप्त्यन्ता.

(A 381) आ. 93 + 138 प. „ „

श्रीभाष्यव्याख्या गुरुभावप्रकाशिका शुद्धसत्त्वं लक्ष्मणाचार्यकृता.

(2957) ग्र. 97 प. 1 माधिकरणे पूर्वभागः.

(B 798) ग्र. 80 प. ,, ,,

(2959) ग्र. 109 प. ,, उत्तरभागः.

(A 346) क. 75 प. 1 माधिकरणम्.

श्रीभाष्यव्याख्या श्रुतप्रकाशिका सुदर्शनाचार्यकृता.

(435) ग्र. 218 प. 1 मोऽध्यायः.

(1391) ग्र. 69 प. जिज्ञासाधिकरणम्.

(1395) आ. 147 प. ,,

(1449) आ. 83 प. ,,

(460) ना 168-223 प आरम्भणाधिकरणमारभ्य समग्रा.

(882) ग्र 263 प. चतुस्सूत्रं विना प्रथमोऽध्यायः.

(433) ग्र. 310 प.2-4 अध्यायाः.

(3084) आ. 128-251 प. 1 माधिकरणे उत्तरभागः.

(3260) ग्र. 320 प. 1 मे 2 याधिकरणतः 1 मः पादः.

(3261) ग्र. 173 प. 2 योऽध्यायः.

(3432) आ. 289 प. चतुस्सूत्री.

(4276) ग्र. 240 प. ,,

(C 1773-1775) आ. 656 प. समग्रा.

(B 257) आ. 425 प. श्रुतप्रकाशिकायाः व्याख्या भावप्रकाशिका रङ्गरामानुजकृता आदितः आनन्दमयाधिकरणान्ता.

(B 226) आ. 368 प. ,, ,, आनन्दमयाधिकरणमारभ्य 1 मोऽध्यायः

(B 143) आ. 328 प. ,, ,, 2-4 अध्यायाः

(751) ग्र. 192 प. व्याख्या भावप्रकाशिका आनन्दमयाधिकरणमारभ्य 1 मे त्रयः पादाः.

(2003) ग्र. 129-255 प. ,, ,, 1 माधिकरणे पुराणघट्टमारभ्य 1 मे 1 मपादसमाप्तयन्ता.

(3071) ग्र. 231-456 प. ,, ,, जिज्ञासाधिकरणोत्तरभागतः 1 मे 1 मः पादः.

(3072) ग्र. 209 प. ,, ,, आनन्दमयाधिकरणतः 1 मे 1 मः पादः.

(4127) ग्र. 9-95+38-170 प. ,, ,, 2 याध्यायतः तृतीये 1 मपादान्ता.

(A 338) आ. प. श्रुतप्रकाशिकाव्याख्या तत्त्वप्रकाशिका चम्पकेशीया

(3112) ग्र. 58 प. ,, ,,

(3111) ग्र. 85 प. ,, 1 माधिकरणमसमग्रम्

श्रीभाष्यव्याख्या.

(1179) प. 34+20 प. लघुसिद्धान्तपर्यन्ता टीका.

श्रीभाष्यप्रमाणाकरसंग्रहः.

(A 249) आ. 59 प.

श्रीभाष्यसारः वेङ्कटनाथार्यकृतः.

(1211) ग्र. 20+8 प.

श्रीभाष्यसारार्थसंग्रहः श्रीवत्साङ्कश्रीनिवासाचार्यकृतः.

(780) आ. 19-27 प.

श्रीभाष्यसिद्धान्तसारः श्रीरङ्गाचार्यकृतः.

(189) प. 89 प. आनन्दमयाधिकरणतः 3 याध्याये. 2 यपादे सामान्याधिकरणान्तः.

श्रीभाष्योपन्यासः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(3644) ग्र. 67 प.

श्रीवैष्णवशब्दार्थः वरदार्यविरचितः.

(4043) आ. 11 प.

श्रीवैष्णवसमयाचारनिष्कर्षः.

(3919) ना. 23 प.

श्रीशब्दार्थविवरणसंग्रहः श्रीशैलाचार्यकृतः.

(309) आ. 6 प.

श्रीसूक्तप्रभावः.

(3645) ग्र. 17 प.

श्रुतिगीताव्याख्या.

(1326) ग्र. 6 प. शुकपक्षीया.

(,,) ग्र. 25 प. वेङ्कटकृष्णार्यकृता.

श्रुतितात्पर्यनिर्णयः (शिवकर्णामृतनिरासः)

(3042) ग्र. 96 प.

श्वेताश्वतरोपनिषद्दीपिका नारायणमुनिकृता.

(B 210) आ. 55-80 प. 3 अध्यायाः.

श्वेताश्वतरोपनिषद्भाष्यं रङ्गरामानुजमुनिकृतम्.

(B 788) आ. 136 प. असमग्रम्.

षष्ठीदर्पणं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(401) आ. 9 प.

(628) आ. 25-29 प.

(646) आ. 11 प.

(3079) ग्र. 37-47 प.

सच्चरित्ररक्षा वेदान्ताचार्यकृता.

(A 215) आ. 87-107 प.

(77) ग्र. 113 प.

(1686) ग्र. 75 प.

(1096) ग्र. 61 प. 2 अधिक रौ.

(3028) ग्र. 136-167 प.

(3210) ग्र. 117 प.

सत्तात्रयखण्डनम्.

(3645) ग्र. 27 प.

सम्प्रदायचन्द्रिका.

(C 926) दे. 20 प. वादिकेसरिकृता.

(B 530) आ. 52 प. वेङ्कटनाथतातविरचिता.

सम्प्रदायसुदर्शनं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(B 705) आ. 146 प. 7 स्फूर्तयः.

सर्वार्थसिद्धिः (तत्त्वमुक्ताकलापव्याख्या) वेदान्ताचार्यकृता.

(3269) ग्र. 192) प.

(C 1144) आ. 28 प.

(3029) ग्र. 94+165 प.

(3040) आ. 144 प. व्याख्या आनन्दवल्लिकाख्या नृसिंहदेवविरचिता (1-2 सरौ)

सामानाधिकरण्यवादः.

(1464) आ. 26 प.

सारसंग्रहः रम्यजामातृकृतः.

(1870) आ. 41 प.

सारार्थचतुष्टयं वात्स्यवरदाचार्यकृतम्.

(272) ग्र. 15-17 प.

सिद्धान्तचन्द्रिका आदिवराहवेदान्ताचार्यकृता.

(B 381) आ: 190 प.

(2903) ग्र. 72 प. 1-2 परिच्छेदौ

सिद्धान्तचिन्तामणिः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(5) ग्र. 51 प.

(353) ग्र. 40 प.

(652) आ. 36 प.

(1075) आ. 20 प.

(1815) आ. 5-46 प.

(3347) ग्र. 43 प.

(3690) आ. 37 प.

(3944) ग्र. 57 प.

सिद्धान्ततत्त्वसिद्धिः.

(C 934) आ. 17 प.

सिद्धान्तन्यायचन्द्रिका देवराजकृता.

(B 778) आ 142 प. असमग्रा.

सिद्धान्तरत्नावळिः वेङ्कटाचार्यकृता.

(398) आ. 24 प. सुबालोपनिषद्विचारान्ता.

(627) ग्र. 96 प.

(3264) ग्र. 129 प. 1 मः परिच्छेदः.

(C 1932) आ. 50 + 132 प.

सिद्धान्तसंग्रहः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(1198) ग्र. 26 प.

सिद्धान्तसारः श्रीशैलार्यकृतः.

(2905) ग्र. 21 प.

सिद्धान्तसिद्धाञ्जनं अनन्ताचार्यकृतम्.

(B 902) आ. 41 प.

सिद्धित्रयं यामुनाचार्यविरचितम्.

(2778) ग्र. 72 प. आत्मेश्वरसिद्धी.

सुदर्शनधारणनिर्णयः श्रीनिवासब्रह्मतन्त्रपरकालस्वामिकृतः.

(617) आ. 25 प.

स्तोत्ररत्नव्याख्या वेदान्ताचार्यकृता.

(C 927) आ. 45 प.

(3028) ग्र. 135 प.

स्वरूपदर्पणम्.

(1844) आ. 19 प. तत्त्वत्रयनिरूपणम्.

हरिगुणमणिदर्पणं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(C 638) आ. 25 प.

(331) ग्र. 30 प.

(401) ग्र. 22-25 प. अस.

(648) आ. 48 प.

(1872) आ. 36 प.

(3079) ग्र. 36 प.

हरिगुणनिश्रेणिका श्रीनिवासाचार्यकृता.

(1876) आ. 13 प. (शिथिला)

हरिगुणमौक्तिकमालिका श्रीनिवासाचार्यकृता.

(B 294) आ. 17 प. (विष्णुसहस्रनामविवृतिरूपा)

(2) विशिष्टाद्वैतं द्राविडम्.

अडयवळं जानरुं अत्ताञ्जीयरुकृतम्

(3945) ग्र. 250 प. 1 मं शतकम्.

अधिकारसंग्रहव्याख्या.

(2325) आ. 44 प. परकालयतिकृता.

(2915) ग्र. 60 प श्रीनिवासाचार्यकृता.

(3733) ग्र. 8 प. ,,

(3748) ग्र. 34 प. ,,

अध्यात्माचिन्ताव्याख्या सुन्दरजामातृकृता.

(3670) ग्र. 54 प.

(3676) ग्र. 40 प.

अर्चिरादिमार्गवैभवः.

(C 930) दे. 7 प.

अष्टादशरहस्यानि लोकाचार्यरचितानि.

(532) द्रा. 92+4 प. पराङ्कशस्तोत्रम् च.

(579) द्रा. 75 प.

(889) ग्र. 74 प.

आचार्यहृदयव्याख्या.

(1548) ग्र. 259 प

(2993) आ. 87–188 प. वरवरमुनिकृता.

(A 327) ग्र. 164 प. आर्यीकृता.

आर्तिप्रबन्धव्याख्या.

(3662) ग्र. 55 प.

ईड्प्रथमद्शकम्.

(1334) क. 261-535 प. 2 यसंपुटम्.

उत्कृष्टजन्मप्रभावः.

(3669) ग्र. 11 प.

उपदेशरत्नमाला.

(529) द्रा. 11 प.

(530) द्रा. 7+12 प

(2373) ग्र. 108 प. व्याख्या लोकाचार्यकृता.

ओडेयवरवार्तामाला.

(A 352) आ. 172 प.

कण्णिण्नुशिरत्ताम्बुव्याख्या.

(2297) आ. 155-192 प. परकालयतिकृता.

(2379) ग्र. 95 प. कृष्णपादरचिता.

कैवल्यनिर्णयः नैनाराच्चां पिळ्ळैकृतः.

(B 824) आ. 34 प.

गुरुपरम्पराप्रभावः पिन्पळकियमणवाळरचितः.

(2185) क. 271+13 प. (आरायिरप्पडि.)

(1595) द्रा. 335 प. ,,

चतुःश्लोकीव्याख्या कृष्णपादीया.

(3676) ग्र. 42-47 प.

चरमोपायतात्पर्यम्.

(3670) ग्र. 43 प.

चरमोपायनिर्णयः.

(3665) ग्र. 48 प.

ज्ञानसारः सव्याख्यः.

(1994) ग्र. 15-20 प.

(1988) आ. 53 प.

ज्ञानसारप्रमेयसारः

(3659) ग्र. 70 प.

तत्त्वत्रयव्याख्या रम्यजामातृकृता.

(2111) आ. 102 प.

तत्त्वदीपप्रकाशः वादिकेसरिरम्यजामातृकृतः.

(2386) ग्र. 7-190 प.

(2109) ग्र. 81 प.

तिरुक्करीन्दाण्डकम् कृष्णपादीयम्.

(3929) ग्र. 25 प. सव्याख्यानम्.

तिरुनेडुंदाण्डकं कृष्णपादीयम्.

(3929) ग्र. 95 प.

तिरुप्पल्लाण्डु व्याख्यानम् परकालयतिकृतम्.

(2297) आ. 155-192 प

तिरुप्पावै व्याख्यानं परकालयतिकृतम्.

(2076) ग्र. 133 प.

तिरुप्पावैसंग्रहः.

(1513) ग्र. 4 प. (संस्कृतस्रग्धरावृत्तैः विपरिणतिः.)

तिरुमोळिप्रतिपदकम्.

(1668) द्रा. 150 प. 1-7 शतकानि.

तिरुमोळिव्याख्या कृष्णपादीया.

(3928) ग्र. 333 प

तिरुवाशरियव्याख्या कृष्णपादीया.

(3935) ग्र. 17 प.

तिरुवृत्तस्वापदेशः.

(3666) ग्र. 69 प.

त्रिंशत्प्रश्नोत्तरं अण्णावय्यङ्गार्यकृतम्.

(2399) ग्र. 59 प.

दिव्यप्रबन्धः (तिरुवायिमोऴि) शठकोपमुनिकृतः.

(1411) आ. 138 प.

(1506) ग्र. 236 प.

(1683) द्रा. 100 प.

(2019) द्रा. 100 प.

दिव्यप्रबन्धव्याख्या.

(577) द्रा. 160+17 प. कृष्णपादीया.

(578) द्रा. 138 प. ,,

(3038) ग्र. 106 प. कुरुकेशविरचिता व्याख्या.

(2271) ग्र. 370 प. रङ्गरामानुजमुनिविरचितम् द्रविडोपनिषद्भाष्यम्.

(2928) ग्र. 247 प. ,, 1-5 शतकानि.

(1819) ग्र. 202 प. परकालमुनिविरचिताद्रमिडश्रुतितत्त्वार्थप्रकाशिका ,, 1-6 शतकानि. (18000 पडि)

(2065) ग्र. 136+67 प. ,, 1-3 शतकानि.

(2078) ग्र. 224 प. ,, ,,

(2093) ग्र. 27+51+99 प. ,, 4-5 शतके.

(2094) ग्र 155 प. ,, नवमस्य षष्ठदशकतस्संपूर्णा.

(3793) आ. 319 प. ,, 6 शतकानि.

(1951) आ. 289 प. वडकुतिरुवीधिपिळ्ळैकृतं ईडु (36000) पडि 1-2 शतके.

(3153) ग्र. 393 प. रत्नाजिदीक्षितीया व्याख्या.

दिव्यप्रबन्धानुसंधानम्.

(3662) ग्र. 80-104 प.

देशिकप्रबन्धः वेदान्ताचार्यकृतः.

(1494) द्रा. 18+61 प.

(1706) द्रा. 81 प.

द्वात्रिंशद्रहस्यानि वेदान्ताचार्यकृतानि.

(1527) ग्र. 362 प. (रहस्यत्रयसारं विना)

(1733) द्रा. 74-267 पं.

नित्यानुसन्धानम्.

(1521) क. 52 प.

(B 930) आ. 51 प. व्याख्या.

पञ्चरहस्यं लोकाचर्यकृतम्

(533) द्रा. 58 प.

परमतभङ्गः वेदान्ताचार्यः

(1035) ग्र. 8-140 प.

(2033) ग्र. 202 प.

(1750) ग्र. 101 प. वकुळाभरणरामानुजाचार्यव्याख्या गाथानां.

परमपदसोपानं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1259) द्रा. 24 प.

(1857) ग्र. 52 प.

पूर्ववृत्तनिरूपणम्.

(3659) ग्र. 12 प.

प्रमेयसारः सव्याख्यः.

(1994) ग्र. 20-29 प.

(1988) आ. 53 प.

भगवद्गीताव्याख्या.

(2913) ग्र. 126 प.

भगवद्विषयं कुरुकेश्वरविरचितम्.

(1676) द्रा. 354 प.

मधुरकविगाथाव्याख्या नंजीयरुकृता.

(3935) ग्र. 57 प.

मुमुक्षुप्पडिव्याख्या वरवरमुनिकृता.

(2375) ग्र. 161 प.

यतिराजवैभवम्.

(1356) आ. 226 प.

यतीन्द्रप्रवणप्रभावः पिळ्ळै लोकजीयरुकृतः.

(1989) ग्र. 62 प.

(2374) ग्र. 119 प.

रहस्यत्रयसारः वेदान्ताचार्यविरचितः.

(980) आ. 125 प.

(1007) ग्र. 93 प.

(1185) ग्र. 278 प.

(1455) आ. 106 प.

(1501) ग्र. 108-263 प. उत्तरभागः.

(1505) ग्र. 170 प.

(1599) द्रा. 27 प.

(1691) आ. 257 प.

रहस्यत्रयसारव्याख्या.

(1743) ग्र. 157 प. भारद्वाज श्रीनिवासाचार्यकृता सारप्रकाशिका परिपूर्णानुभवाधिकारान्ता.

(1358) ग्र. 37-210 प. ,, ,, 4 अधिकाराः

(B 135) आ. 156 प. कृष्णाचार्यकृता. दीपिका.

(701) ग्र. 15 प.

रहस्यत्रयसाराधिकारार्थसारसंग्रहः वेदान्ताचार्यकृतः.

(C 65) दे. 38 प.

(1068) आ. 23-47 प. व्याख्या श्रीनिवासाचार्यकृता.

(1514) ग्र. 55 प. ,, ,,

(2915) ग्र 60 प. ,, ,,

(1522) ग्र. 43+34+27 प. व्याख्या वेंकटकृष्णाचार्यकृता.

(2325) आ. 44 प. ,, परकालयतिकृता.

(1170) ग्र. 66-151 ,, वकुळाभरणवीरराघवार्यकृता.

(1572) ग्र. 128 प. ,,

रहस्यमञ्जरी प्रणतार्तिहरार्यकृता.

(3648) ग्र. 23 प.

रामानुजनूत्तन्दादिव्याख्या पिळ्ळैलोकजीयरुकृता.

(2376) ग्र. 97 प.

रामानुजरहस्यम्.

(A 398) आ. 11 प.

वार्तामाला पूर्वाचार्यकृता.

(3669) ग्र. 35 प

वाळियतिरुनामम्.

(1994) ग्र. 15 प.

विरोधपरिहारः तिरुवायिमोळियाच्चान्कृतः.

(B 750) क. 79 प.

विशिष्टाद्वैतभावप्रकाशिका.

(1996) आ. 50 प. (आन्ध्रभाषा)

वेदान्तदेशिकवैभवः.

(2777) ग्र. 65 प.

शरणागतिगाधाव्याख्या वकुळाभरणवीरराघवार्यकृता.

(1592) ग्र. 30 प.

शारीरकैककण्ठ्यं वरवरयोगिरामानुजकृतम्.

(1313) आ. 66 प.

शेषित्वनिरूपणम्.

(3660) ग्र. 21 प.

श्रीवचनभूषणव्याख्या वरवरमुनिकृता.

(1547) ग्र. 384 प.

(2396) ग्र. 141 प.

(2993) आ. 86 प.

(3796) आ. 178 प.

सकलप्रमाणतात्पर्यम्.

(3667) ग्र. 10 प.

सम्प्रदायचन्द्रिका.

(3674) ग्र. 35 प.

सात्त्विकब्रह्मविद्याविलासः.

(724) ग्र. 135 प. 25 परिच्छेदाः.

(1708) ग्र. 88 प.

सारार्थः श्रीनिवासविरचितः.

(3797) ग्र. 45–50 प.

हस्तिगिरिमाहात्म्यं वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1244) ग्र. 28 प.

XXIV. द्वैतम्.

अंशावतारादिनिर्णयः.

(C 973) दे. 7 प.

अखण्डार्थत्वखण्डनं वेंकटेशनृसिंहकृतम्.

(C 969) दे. 67 प.

अणुतारतम्यस्तुतिव्याख्या श्रीनिवासाचार्यकृता.

(3246) ना. 41 प.

(C 1851) दे. 26 प.

(C 68) दे. 32 प.

अणुभाष्यटीका.

(1107) ना. 9 प. जयतीर्थविरचिता.

(2980) ना. 16-75 प. अनन्तभट्टीया.

(B 310) दे. 142 प. छलारिनृसिंहकृता

(C339) दे. 92 प. राघवेंद्रतीर्थविरचिता 3 ये 4र्थ पादान्ता.

(C 1278) दे. 17 प. शेषाचार्यकृता प्रथमोऽध्यायः.

(C 1338) दे. 12 प.

अद्वैतकालानलः नारायणाचार्यकृतः.

(A 40) दे. 188 प.

(C 1406) दे. 61 प. प्रथमज्वाला.

(C 1658) दे. 260 प.

(3244) ना. 105 प.

अधिकरणार्थसंग्रहः पद्मनाभाचार्यकृतः.

(4373) ना. 110 प.

अनुव्याख्यानं आनन्दतीर्थीयम्.

(1086) ना. 96 प. 1-3 अध्यायाः

(1097) ना. 35 प.

(C 1634) दे. 63 प.

(C 1557) दे. 60 प. न्यायसूत्रनिबन्धप्रदीपः रघूत्तमकृतः.

(B 286) दे. 135 प. अनुव्याख्यानटीका (हरितत्त्वप्रकाशिका)

अभिनवगदा सत्यनाथयतिकृता.

(C 8) दे. 137 प. षष्ठयुद्धसमाप्तयन्ता.

(C 866) दे. 8–162 प. युद्धद्वयम्.

अभिनवचन्द्रिका सत्यनाथयतिकृता.

(C 32) दे. 205 + 104 + 10-44 प. प्रथमाध्याये 3-4 पादाभ्यां 3याध्यायेन च विना समग्रा.

(1928) आ. 179 प. 2-4 अध्यायाः 78-108 पत्रलोपः.

(3120) ना. 83–202 प. प्रथमाध्याये उत्तरभागः.

अभिनवताण्डवः सत्यनाथयतिकृतः.

(C 31) दे. 16 + 16-112 प. शब्दे शब्दाध्याहारसमर्थनांतः, अनुमाने व्याप्तयादितः प्रतिज्ञालक्षणान्तश्च.

(C 48) दे. 35–96 प. वर्णानित्यत्वविचारमारभ्य लाक्षणिकाननुभावकत्वविचारान्तः.

(C 874) दे 440 प.

ईशाद्युपनिषत्खण्डार्थः राघवेन्द्रतीर्थकृतः.

(B 83-84) दे. 138 प. ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्ड-माण्डूक्याः.

ईशाद्युपनिषद्भाष्यं आनन्दतीर्थविरचितम्

(3362) ना. 48 प. चतस्र उपनिषदः, तैत्तिरीयोपनिषच्च.

ईशावास्यभाष्यटीका.

(3362) ना. 49-60 प. जयतीर्थीया.

(C 1025) ना. 12 प. ,,

(C 386) दे. 2-20 प. ,,

(C 1013) दे. 11 प. टिप्पणी श्रीनिवासतीर्थीया.

(A 371) दे. 62 प. ,, रघुनाथयतिकृता.

(C 1345) दे. 17 प. ,, ,,

(C 54) दे. 10 प. ,, नृसिंहार्यकृता.

(C 64) दे. 6 प. ,, सत्यप्रज्ञयतीया.

(523) ना. 4 प. ,,

ईशावास्य-षट्प्रश्नवाक्यार्थः

(446) ना. 7 प.

उपन्यासरत्नमाला वादिराजविरचिता.

(C 1859) दे. 8 प.

उपसंहारविजयः विजयीन्द्रविरचितः.

(4221) आ. 22 प. समग्रः.

(A 569) क. 56 प. ,,

उपाधिखण्डनम्.

(97) ना. 78-84 प. अनन्तभट्टीयम्.

(C 333) दे. 47 प श्रीनिवासतीर्थीयम्.

उपाधिखण्डनटीका जयतीर्थविरचिता.

(2378) ना. 77-80 प.

(C 1107) दे. 50 प. टिप्पणी श्रीनिवासतीर्थीया.

(C 1121) दे. 34 प. ,, ,,

(2974) ना. 73-75 प. ,, पद्मनाभतीर्थीया.

ऋगर्थचूडामणिः.

(315) ना. 68 प. 14 वर्गाः

ऋगर्थमञ्जरी राघवेन्द्रयतिकृता.

(C 698) दे. 45 प. 1 मोऽध्यायः.

(C 1342) दे. 34 प.

(2436) ना. 64 प.

ऋगर्थोद्धारः.

(C 92) दे. 63 प.

ऋग्भाष्यं आनन्दतीर्थकृतम्.

(C 1047) दे. 65 प.

ऋग्भाष्यटीका.

(C 18) दे. 175 प. जयतीर्थीया.

(C 1304) दे. 161 प. ,,

(518) ना. 199 प. ,, सभाष्या.

(4206) ना. 176 प. ,,

(B 81) दे. 286 प. टीकाविवृत्तिः श्रीनिवासतीर्थीया 1 मोऽध्यायः.

(B 82) दे. 273 प. ,, ,, 2 योऽध्यायः.

(B 105) दे. 219 प. ,, 3 योऽध्यायः.

(C 91) दे. 154 प. टिप्पणी भावरत्नकोशाख्या मुद्वेंङ्कटकृष्णीया.

(C 22) दे. 233 प. ,, छलारिनरसिंहाचार्यकृता 2 अध्यायौ.

(C 1083) दे. 58 प. ,, ,, 3 योऽध्यायः.

(C 1305) दे. 212 प. ,, ,,

(B 122) दे. 394 प. ,, रामचन्द्रतीर्थीया 1 मोऽध्यायः.

(B 127) दे. 278 प. ,, ,, 2 योऽध्यायः.

(C 1784) दे. 104 प. ,, ,, ,,

(C 825) दे. 105 प. टिप्पणी केशवाचार्यकृता 1 मे 26 वर्गाः.

(2981) ना. 131 प. ,, लक्ष्मीनारायणरचिता.

(C 1903) दे. 112 प. ,, सत्यनाथयतिकृता.

एकादशीविचारः.

(C 1886) दे. 9 प.

ऐतरयोपनिषत्खण्डार्थः नरसिंहयतिकृतः.

(C 1653) दे. 42. प.

(91) ना. 57-92 प. खण्डार्थप्रकाशः श्रीनिवासतीर्थीयः.

ऐतरयोपनिषद्भाष्यं ताम्रपर्णीश्रीनिवासीयम्.

(4023) ना. 46 प. 1 मभागः.

(4026) ना. 53 प. 2 यभागः.

(C 40) दे. 82 प. टीका जयतीर्थीया.

(A 226) दे. 180 प. ,, भगवन्तराजीया.

(259) ना. 153 प. ,, विश्वेश्वरतीर्थीया. (अस)

(C1048) दे. 109 प. ,, ,,

(3361) ना. 63-200 प. ,, ,,

(C 1662) दे. 85 प. ,, ,,

(C 1626) आ. 55 प. ,, नारायणविरचिता.

ओंकारवादार्थः.

(C 1289) ना. 11 प.

कठोपनिषद्भाष्यं आनन्दतीर्थविरचितम्.

(C 1040) दे. 12 प.

(C 364) दे. 100 प. टीका वेदेशीया.

(91) ना. 93-136 प. ,, ,,

कण्टकोद्धारः विजयीन्द्रकृतः.

(C 1408) दे. 11 प. असमग्रः.

कथालक्षणटीका.

(2974) ना. 102-103 प. पद्मनाभतीर्थीया.

(C 1472) दे. 21 प. केशवभट्टारककृता.

(C 1632) दे. 3 प. जयतीर्थकृता.

कर्मनिर्णयटीका जयतीर्थीया.

(C 35) दे. 53 प.

(C294) दे 29 प.

(276) ना. 55-97 प.

(1728) ना. 50 प.

(C 298) दे. 61 प. टीकाप्रकाशिका सत्यनाथयतिकृता.

(C 1564) दे. 165 प. छलारीया.

कल्पलता वादिराजकृता.

(C 725) दे. 49 प.

(C 1857) दे. 41 प.

कृष्णामृतमहार्णवः आनन्दतीर्थकृतः.

(C 392) दे. 11 प.

(C 1050) दे. 12 प.

कोनाद्युपनिषद्भाष्यटीका व्यासतीर्थीया.

(3362) ना. 79-138 प. (केन–कठ–मुण्ड–माण्डूक्य–तैत्तिरीयाः.)

केनोपनिषत्खण्डार्थः राघवेन्द्रतीर्थकृतः.

(3362) ना. 139-165 प.

केनोपनिषद्भाष्यटीका व्यासतीर्थीया.

(C 1017) दे. 3 प.

(C 1034) दे. 30 प.

(C 1016) दे. 12 प. वेदेशीया टिप्पणी.

गुरुमन्त्रः.

(C 1078) दे. 6 प.

चक्रमीमांसा वादिराजकृता.

(C 723) दे. 5 प.

छान्दोग्योपनिषत्खण्डार्थः राघवेन्द्रतीर्थकृतः.

(B 89-90) दे. 292 प.

(C 47) दे. 86 प.

(C 385) दे. 69 प. 4 अध्यायाः.

छान्दोग्योपनिषद्भाष्यटीका.

(B 228) दे. 356 प वेदेशीया 3 अध्यायाः.

(B 298) दे. 429 प. ,, 4-8 ,,

(C 1675) दे. 140 प. ,,

(B 284-285) दे. 230 + 202 प. व्यासतीर्थीया.

(183) ना. 162 प. ,,

(C 1337) दे. 107 प. ,,

(4370) ना. 132 प. ,,

(91) ना. 137-147 प. (65 खण्डाः) अस.

तत्त्वचन्द्रिका तिम्मापुररघुनाथाचार्यविरचिता.

(4130) ना. 12 + 70 प. पूर्वभागः.

(4131) ना. 115-306 प. उत्तरभागः.

तत्त्वप्रकाशिका जयतीर्थीया.

(C 27) दे. 140 + 108+119 + 43 प.

(C 1466) दे. 128-262 प. 2 ये 3 यतस्समग्रा

(100) ना. 118-153 प. टीका जयतीर्थीया.

(258) ना. 5 प. ,, ,,

(C 389) दे. 13 प. ,, ,,

(A 328) दे. 328 प. ,, शर्कराश्रीनिवासतर्थीया तत्त्वमञ्जरी.

(C 1412) दे. 100 प. ,, 1 मे 1-2 पादौ.

(C 1788) दे. 33-148 प. ,, ,, 1 मोऽध्यायः.

(C 309) दे. 169 + 57 + 65 + 23 प. ,,

(C 1936) दे. 186 प. ,, ,,

(C 1642) दे. 30 प. ,, मन्दारमञ्जरी उपाधिखण्डनटीका व्यासयतिकृता.

(C 1783) दे. 190 प. ,, भावरत्नकोशः 1मे 1मःपादः

(C1925) दे. 109-216 प. ,, भावदीपः राघवेन्द्रतर्थिकृतः

(C 91-92) दे. 256 प. ,, ,, 1मे 1-2पा.

(C 1935) दे. 115+34 प. ,, ,,

(C 1626) दे. 224 प. ,, ,, 3 अध्या.

(4005) ना. 9135 प. ,, ,, ,,

(C 1927) दे. 53 प. ,, ,, 4 ,,

(3586) ना. 201–250 + 186 प. ,, भावबोधः रघूत्तमयतिकृता

(4369) ना. 138 + 17 प. ,, ,, 3-4 अध्यायौ.

(C 1842) दे. 125 प. व्याख्या गुर्वर्थदीपिका वादिराजकृता.

(3914) ना. 72 प. ,, नारायणकृता 4 र्थोऽध्यायः.

तत्त्वप्रकाशिकाप्रमेयमुक्तावळिः विठलसुतश्रीनिवसरचिता.

(2400) ना. 154 प.

तत्त्वमञ्जरी रघुनाथयतिकृता.

(C 303) दे. 70 प.

तत्त्वमाला श्रीनिवासाचार्यकृता.

(4001) ना. 4 प.

तत्त्वमुक्तावळी गौडपूर्णानन्दयतिकृतः.

(C 50) दे. 7 प. (मायावादशतदूषणी)

तत्त्वविवेकः आनन्दतीर्थकृता.

(C 440) आ. 4 प.

तत्त्वविवेकटीका.

(C 56) दे. 11 प. मन्दारमञ्जर्याख्या जयतीर्थीया.

(100) ना. 118-153 प. ,,

(1224) ना. 18 प. ,,

(2378) ना. 132-139 प. ,,

(98) ना. 71-73 प. अनन्तभट्टीया.

(C 57) दे 19 प. श्रीनिवासतीर्थविरचिता टिप्पणी.

(B 531) दे. 60 प. ,,

(C 1015) दे. 21 प.

तत्त्वसंख्यानं आनन्दतीर्थकृतम्.

(C 440) आ. 5 प.

(98) ना. 1 प.

(100) ना. 118-153 प. टीका जयतीर्थीया.

(2378) ना. 106-131 प. ,, ,,

(98) ना. 17 प. ,, श्रीनिवासतीर्थीया.

(,,) ना. 68-71 प. ,, अनन्तभट्टीया.

(C 58) दे. 14 प. ,, वेङ्कटाद्रिसूरीया.

(3273) ना. 15 प. ,, ,,

(3274) ना. 32 प. ,, सत्यप्रज्ञयतीया.

(C 1470) दे. 2-18 प. टीका सत्यप्रज्ञतीर्थीया
(279) ना. 49 प. ,, मौद्गलनरसिंहाचार्यकृता.
(C 701) दे. 37 प. ,, तिम्मणाचार्यकृता.
(C 1274) दे. 56 प. ,, छलारीया.
(C 780) आ. 31 प. ,, तात्पर्यपञ्चिका श्रीमदुपाध्यायकृता. अन्तिमो भागः.
(A 401) दे. 34 प. ,, गुरुराजीया.
(4334) दे. 27-42 प. ,,

तत्त्वसारसंग्रहः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(C 1058) दे. 45 प. समग्रः.
(4204) ना. 40 प. ,,

तत्त्वोद्द्योतटीका.

(C 390) दे. 7 प. जयतीर्थीया.
(92) ना. 63-117 प. ,,
(1100) ना. 68-112 प. ,,
(1122) दे. 85 प. ,,
(2372) ना. 33 प. ,,
(2378) ना. 140-153 प. ,,
(C 7) दे. 57 प. यदुपतीया.
(261) ना. 100 प.
(C 6) दे 54 प. वेदेशभिक्षुकृता.
(C 363) दे. 41 प. ,,
(2432) ना. 100 प. ,,
(2979) ना. 47 प. ,,
(C 1659) दे. 108 प. ,,

(2974) ना. 76-81 प. पद्मनाभतीर्थीया.

(B 362) दे. 88 प. श्रीनिवासतीर्थीया.

(B 851) दे. 60 प. नारोपण्डितीया.

(2372) ना. 34-52 प. राघवेंन्द्रतीर्थीया.

(A 388) दे. 66 प. (गुरुराजीया) केशवभट्टारककृता.

(C 1636) दे. 140 प. ,, ,,

(3216) ना. 78 प. ,, ,,

(C 1888) दे. 4-93 प. विजयीन्द्रविरचिता.

(4334) दे. 60 प.

तन्त्रदीपिका ब्रह्मसूत्रवृत्तिः राघवेंद्रतीर्थरचिता.

(1728) ना. 221 प.

(2404) ना. 175-250 प.

(B 208) दे. 234 प.

(C 322) दे. 8 प. प्रथमे 1मः पादः.

(C 307) दे. 78 प. तृतीये 3य पादसमाप्तयन्ता.

(C 867) दे. 152 प.

तन्त्रसारः नित्यदेवतार्चनविधिः आनन्दतीर्थकृतः.

(C 43) दे. 23 प.

(82) ना. 53 प. व्याख्या छलारिनरसिंहाचार्यकृता 1म भागः.

(410) ना. 75 प. ,, ,, 2य भागः.

(1107) ना. 122 प. ,, छलारि शेषाचार्यकृता.

(C 1304) दे. 68+72 प. ,, छलारीया 3-4 अध्यायौ.

(C 1562) दे. 108 प. ,, ,, 1मे 3यपादतस्समग्रा.

(C 1652) दे. 84 प. ,, ,,

(C 1684) दे. 23+49 प. ,, ,,

(3281) ना. 31-137 प. व्याख्या छलारीया

(B 533) दे. 353 प. ,, रघुनाथयतिकृता.

(C 1008) दे. 51 प. ,, श्रीनिवासार्यकृता.

तन्त्रसारमन्त्रोद्धारः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(C 868) दे. 46 प.

तन्त्रसारोक्तपूजाविधिः पद्यमाला जयतीर्थीयः.

(C 1038) दे. 11 प.

तर्ककुतूहलं विश्वेश्वरविरचितम्.

(A 336) आ. 157 प. प्रथमः परिच्छेदः.

तर्कताण्डवः व्यासतीर्थविरचितः.

(C 13) दे. 14 प. अनुगतानित्यप्रमागुणभङ्गान्तः.

(,,) ,, 26 प. वेदनित्यत्वविचारमारभ्य प्रथमपरिच्छेदसमाप्तिः.

(,,) ,, 48 प. व्याप्तिनिरूपणमारभ्य 3य परिच्छेदसमाप्तिः.

(,,) ,, 2-17 प. आकाङ्क्षाविचारतस्सुवर्णतेजोवादान्तः.

(,,) दे. 35 प. वेदापौरुषेत्वविचारतोऽपूर्वविचारान्तः.

(,,) ,, 256 प. आदितः हेत्वाभासनियमभङ्गान्तः.

(C 937) दे. 195 प.

(C 1938) दे. 69 प. प्रत्यक्षपरिच्छेदः.

(C 1939) दे. 82 प. अनुमानपरिच्छेदः.

(C 1688) दे. 71-283 प. 2-4 परिच्छेदौ.

(C 1689) दे. 214-283 प. 3यः परिच्छेदः.

तर्कताण्डवटिप्पणी.

(C 306) दे. 107 प. न्यायदीपाख्या राघवेंद्रतीर्थकृता 1मः परिच्छेदः.

(C 383) दे. 228 प. ,, 2यः ,,

(386) ना. 270 प. ,, मण्याद्युक्तपदशक्तिभङ्गान्तः.

(C 946) दे. 69 प. ,,

(2973) ना. 189 प. न्यायदीपाख्या असमग्रा.

(C 1919) दे. 56 प. ,, प्रत्यक्षखण्डः.

(C 1690) दे. 358-438 प. ,, 3यः परिच्छेदः.

(C 1879) दे. 18 प. ,, शब्दपरिच्छेदप्रारम्भः.

(4356) ना. 57 प. ,, शब्दपरिच्छेदः अस.

(A 286) दे. 82 प. विजयीन्द्रतीर्थीया.

(C 971) दे. 32 प. ,,

तलवकारखण्डार्थप्रकाशिका नृसिंहभिक्षुकृता.

(C 1785) दे. 14 प.

तलवकारटिप्पणी वेदेशभिक्षुविरचिता.

(C 55) दे. 13 प.

तलवकारभाष्यटीका व्यासतीर्थविरचिता.

(B 532) दे. 10 प.

तात्पर्यचन्द्रिका व्यासतीर्थविरचिता (भाष्यटीकायास्तत्त्वप्रकाशिकाया व्याख्या)

(A 41) दे. 164 प. प्रथमाध्याये 1-2 पादौ.

(A 42) दे. 215 प. प्रथमाध्याये 3यपादमारभ्य 2याध्यायसमाप्त्यन्ता.

(C 381) दे. 72 प. 1माध्याये 2यःपादः.

(793) आ. 116 प.

(628) आ. 3+6 प.

(1184) ग्र. 273 प.

(C 935 दे. 380 प.

(C 1001) दे. 310+115 प.

(C 995) दे. 311 प.

(3257) ना. 152 प. प्रथमे 3यपादतः 2ये 3यपादान्ता.

(4213) ना. 95 प. प्रथमोऽध्यायः.

तात्पर्यचन्द्रिकाटिप्पणी.

(C 12) दे. 94 + 160 + 75 + 81 प. प्रकाशाख्या राघवेंद्रतीर्थरचिता प्रथमाध्याये प्रथमपादेन विना समग्रा.

(C 90) दे. 653 प. ,,

(C 936) दे. 594 प. ,,

(C 956) दे. 288-632 प. ,, 1मे 2यपादतस्समग्रः.

(C 955) दे. 45 प. ,, जिज्ञासाधिकरणम्.

(C 1638) दे. 224 . प ,, 1मे 3य 4र्थपादौ.

(3135) आ. 233 प. नरहरिसूरीया प्रथमे प्रथमःपादः.

(C 970) दे. 14 प. कुचोद्यकुठाराख्या.

(C 1002) दे. 148 प. पाण्डुरङ्गीकेशवभट्टीया प्रथमाधिकरणम्.

(A 368) दे. 84 प. 1मोऽध्यायः.

(C 962) दे. 16 प. मौद्गल्कृष्णीया.

(C 960) दे. 44 प. सत्यप्रियबिन्दुकृता प्रथमे 1-2 पादौ.

(A 269) दे. 172 प. गुरुराजीया केशवभट्टारककृता 1मोऽध्यायः.

(A 372) दे. 52 प. ,, ,, ,,

(4391) ना. 125 प. ,, ,,

(C 1639) दे. 80 प. व्यासतीर्थीया द्वितीयोऽध्यायः.

तारतम्यनिर्णयः.

(4001) ना. 21 प. तारतम्यविचारः.

(C 974) दे. 8 प. ,, निर्णयः.

(4210) ना. 38 प. तारतम्यप्रकाशः.

तारतम्यश्लोकमुक्तामाला वेंकटेशविरचिता.

(C 729) दे. 37 प.

तारस्वरूपप्रकाशः श्रीनाथकृतः.

(C 961) दे. 22 प.

तैत्तिरीयाद्युपनिषत्खण्डार्थः राघवेंद्रतीर्थकृतः.

(517) ना. 89-146 प. तैत्तिरयि-कठ-मुण्डक–केनोपनिषदः.

(C 1095) दे. 45 प. तैत्तिरीयोपनिषदः केवलम्.

(B 40-42) दे. 173 प. तैत्तिरीयैतरेयोपनिषदः खण्डार्थप्रकाशः नरसिंहयतिकृतः

तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यटीका.

(C 42) दे. 34 प. व्यासतीर्थीया.

(C 1114) दे. 28 प. ,,

(A 261) दे. 172 प. श्रीनिवासतीर्थीया.

देवपूजापद्धतिः वरदेन्द्रयोगीया.

(C 1075) दे. 9 प.

द्रोहिमुखमुद्रणम्.

(C 1059) दे. 13 प.

द्वित्वविचारः अप्पयाचार्यविरचितः.

(1120) ना. 5 प.

ध्यानपद्धतिः.

(4035) ना. 28 प.

नवरत्नमालिका पिन्ननरहरिकृता.

(C 230) दे. 63 प. 59–60 पत्रलोपः.

नारायणपदार्थविचारः.

(4025) ना. 13 प.

नित्यसंसारिलिङ्गभङ्गप्रकरणम् सत्यधर्मयतिविरचितम्.

(C 1692) दे. 14 प.

नित्यसंसारिविचारः सत्यधरकृतः.

(C 1850) दे. 14 प.

निर्णयकण्टकोद्धारः.

(C 1900) दे. 7 प.

नैवेद्यसमर्पणप्रकरणं वादिराजकृतम्.

(1648) ग्र. 1 प. कर्णाटकभाषा.

न्यायकल्पलता जयतीर्थीया.

(92) ना. 27-63 प.

(1039) दे. 31 प.

(2378) ना. 32-76 प.

(C 1092) दे 59 प.

(C 1631) दे. 34 प.

न्यायकल्पलताटीका.

(C 1908) दे. 84 प. प्रबोधिनी.

(3108) ना. 51 प न्यायमञ्जरी चन्नकेशवाचार्यरचिता.

(300) ना. 195-252 प. ,, ,,

(522) ना. 150 प. ,, ,,

न्यायमुक्तावळिः राघवेंद्रतीर्थकृता.

(C 313) दे. 46 प. आदितः द्वितीये तृतीयपादसमाप्त्यन्ता.

(C 957) दे. 87 प.

(C 1044) दे. 71 प.

(2371) ना. 93 प.

न्यायमौक्तिकमाला विजयीन्द्रकृता.

(A 44) दे. 30 प. ब्रह्मशब्दार्थनिरुक्त्यन्ता.

न्यायरत्नावळिः वादिराजविरचिता.

(C 721) दे. 52 प.

(C 1874) दे. 25 प.

न्यायविवरणम् (न्यायमाला) आनन्दतीर्थकृतम्.

(41) ना. 30-32 प.

(C 1102) दे. 16 प.

(C 1549) आ. 84 प.

(41) ना. 29 प. टीका न्यायविवरणपञ्चिका जयतीर्थीया.

(730) दे. 101-238 प. ,, ,, ,,

(1728) ना. 31 प. ,, ,, ,,

(533) ना. 198 प. ,, विठलसुतानन्दतीर्थीया.

(4207) ना. 81 प. ,, मुद्गलानन्दतीर्थीया.

(A 545) दे. 165 प. ,, आनन्दतीर्थीया.

(C 1937) दे. 103 प. ,, रघूत्तमीया.

(C 943) दे. 128 प. ,, जयतीर्थीया, रघूत्तमीया च, अत्र प्रथमे 1-2 यपादयोः जयतीर्थीया, ततः रघूत्तमीया.

न्यायसिद्धान्तभञ्जनं आनन्दजयार्यविरचितम्.

(C 1416) दे. 8 प.

(C 1657) दे. 9 प.

न्यायसुधा जयतीर्थविरचिता.

(C 3) दे. 751 प.

(A 43) दे. 94 प. आदिभागः.

(793) आ. 138 प. प्रथमे 3यपादमारभ्य 2ये 2यपादसमाप्त्यन्ता.

(953) ना. 169 प. 1माध्यायः आदौ 64 पत्रलोपः.

(C 1117) दे. 457 ,,

(C 1109-11) दे. 346+113+95 प. 1मे 1-3 अध्यायाः.

(C 1061) दे. 566+111+32 प. 4र्थे 3यपादसमाप्तयन्ता.

(C 1467) दे. 63-171 प. प्रथमे प्रथमःपादः.

(4102) ना. 134 प. समग्रा.

(C 1930) दे. 550 प. समग्रा.

(4132) ना. 188 प. द्वितीयोऽध्यायः.

न्यायसुधाटिप्पणी.

(C 2) दे. 394 प. यदुपतीया.

(C 958) दे. 213+407+771 प. यदुपतीया 1मोऽध्यायः.

(C 1308) दे. 238 प. ,, प्रथमे प्रथमः पादः.

(C 1062) दे. 167+411+494 प. ,, आदितः 2ये द्वितीयपाद-समाप्तयन्ता.

(C 89) दे. 343+73-135+40 प. श्रीनिवासतीर्थीया 2ये प्रथम-4र्थपादाभ्यां विना समग्रा.

(B 86) दे. 94 प. ,, जन्माधिकरणम्.

(4028) ना. 105 प. ,, प्रथमे प्रथमः पादः.

(C 689) दे. 458 प. ,, समग्रा.

(A 213) दे. 247 प. विठ्ठलसुतानन्दतीर्थीया जिज्ञासाधिकरणम्

(A 214) दे. 238 प. ,, जन्माधिकरणमारभ्य प्रथमोऽध्यायस्समग्रः.

(956) ना. 92+189 प. ,, 2ये 1-3पादाः.

(C 96) दे. 518 प. केशवभट्टीया शेषवाक्यार्थचन्द्रिका द्वितीये प्रथमःपादः.

(C 338) दे. 445 प. ,, 2ये 2यः पादः.

(1106) ना. 216 प. रामचन्द्रतीर्थीया असमग्रा.

(2382) ना. 223 प. ,, प्रथमेऽध्यायः.

(3334) ग्र. 167 प. ,, ,,

(1110) ना. 200 प. ,, तृतीयोऽध्यायः.

(952) ना. 316 प. कुण्डलगिरिसूरीया आनन्दमयाधिकरणान्ता
51-52+310-349 पत्रलोपः.

(2192) ना. 212 प. कुण्डलगिरिसूरीया. आनन्दमयाधिकरणान्ता.

(348) दे. 321-372 प. विद्याधीशकृता. (वाक्यार्थचन्द्रिका) शास्त्रयो-
न्यादीक्षत्यन्ता.

(A 489) दे. 409 प. ,, ,,

(C 938) दे. 66 प. ,, टिप्पणीयुता असमग्रा.

(C 699) दे. 88 प. तिम्मणार्यकृता जिज्ञासाधिकरणम्.

(A 255) दे. 233 प. वादिराजीया (गुर्वर्थदीपिका) 2 याध्याये 2 य-
पादतस्समग्रा.

(C 1694) दे. 67-290 प. ,, ,, 1 मे 3 य पादतः
3 ये 4 र्थपादसमाप्त्यन्ता.

(2434) ना. 240 प. राघवेन्द्रयतिकृता (परिमलाख्या) 1 मोऽध्यायः.

(C 1306) दे. 227 प. ,, ,, 2 योऽध्यायः

(C 1556) दे. 64 प. 1 माधिकरणम्.

न्यायसुधोपन्यासः (वाग्वज्रः) श्रीपादराजविरचितः.

(C 1560) दे. 154 प.

न्यायसूत्रनिबन्धप्रदीपः रघूत्तमयतिकृतः.

(C 1557) दे. 60 प.

न्यायाध्वदीपिका विजयीन्द्रकृता.

(3043) ग्र. 66 प.

न्यायामृतं व्यासतीर्थकृतम्.

(C 26) दे. 34+41-104+17+11 प.

(C 959) दे. 101 प. 1 मः परिच्छेदः.

(C 44) दे. 37 प. 2 यः परिच्छेदः.

(2207) ना. 150 प.

(2933) आ. 121+37 प. 3 परिच्छेदाः.

(3588) प्र. 167 प.

(4004) ना. 161 प अखण्डार्थताभङ्गान्तम्.

(C 317) दे. 45 प. व्याख्या न्यायामृततरङ्गिणी रामाचार्यकृता 2 यः परिच्छेदः.

(2431) ना. 148 प. ,, ,, आदितः विश्वमिथ्यात्वानुमानभङ्गान्ता.

(C 1637) दे. 86 प. ,, ,, 1 मः खण्डः.

(C 1661) दे. 131 प. ,, ,,

(2247) ना. 177 प. ,, ,, सौरभाख्याव्याख्यायुता.

(A 320) क. 366 प. ,, ,,

(2194) ना. 188 प. ,, आमोदाख्या विजयीन्द्रविरचिता शिथिला.

(A 319) दे. 219 प. ,, ,, असमग्रा.

(C 138) दे. 39 प. ,, श्रीनिवासतीर्थीया अस.

(C 965) दे. 100 प. ,, ,,

(950) ना. 226 प. ,, कुण्डलगिरिसूरीया (रसकूलंकषाख्या) 1 मः परिच्छेदः

(3087) ना. 208 प. ,, ,, असमग्रा.

(C 940) दे. 40 प. ,, कण्टकोद्धाराख्या विजयीन्द्रकृता.

(C 1555) दे. 68 प. ,, ,, (14-30) पत्रलोपः.

(2989) ना. 90 प. ,, यादवेन्द्रीया असमग्रा.

(A 559) दे. 372 प. ,, माधुरी मन्नारुकृष्णाचार्यकृता.

न्यायामृतसारः वडयप्पतनूजगुरुराजाचार्यकृतः.

(C 34) दे. 52 प. असतस्साधकत्वाभावे बाधकोद्धारान्तः

पञ्चसंस्कारसंग्रहः वेङ्कटकृष्णीयः

(C 1272) दे. 106 प.

पञ्चसंस्कारसन्माला रङ्गयतिकृता.

(2550) ना. 12-102 प.

पदार्थसंग्रहः.

(C 717) दे. 20 प. पद्मनाभसूरिविरचितः.

(C 718) दे. 324 प. ,, अनन्तसूरीयव्याख्यायुतः.

(C 1885) दे. 41 प. रामचन्द्रसूरिविरचितः.

पद्यमाला (तन्त्रसारोक्तदीपपूजाक्रमः) जयतीर्थीया.

(A 1038) दे. 11 प.

(C 635) दे. 35 प.

(C 1676) दे. 21 प.

परतत्त्वप्रकाशिका विजयीन्द्रकृता.

(C 939) दे. 49 प. असमग्रा.

पाषण्डमतखण्डनं वादिराजकृतम्.

(C 722) दे. 8 प.

(C 1679) दे. 5 प.

(C 1871) दे. 4 प.

पुरुषसूक्तव्याख्या.

(1107) ना. 14 प. राघवेन्द्रतीर्थीया.

(2978) ना. 18 प. ,,

(99) ना. 31-36 प. (अद्य)

प्रपञ्चमिथ्यात्वानुमानखण्डनटीका.

(C 331) दे. 16 प. जयतीर्थीया.

(100) ना. 118-153 प. ,,

(97) ना. 78-84 प. अनन्तभट्टीया.

(C 87) दे. 21 प. केशवभट्टीया.

(C 332) दे. 56 प. श्रीनिवासतीर्थीया.

(4334) दे. 26 प.

प्रमाणपद्धतिः जयतीर्थीया.

(C 362) दे. 42 प.

(C 472) दे. 46 प.

(C 633) दे. 22 प.

(C 1547) आ. 57 प.

(92) ना. 27 प.

प्रमाणपद्धतिटीका.

(106) ना. 15 प. अनन्तभट्टीया.

(B 251) दे. 160 प. वेदेशभिक्षुकृता.

(C 1660) दे. 72 प. ,,

(C 1693) दे. 69 प. ,,

(C 1887) दे. 41-75 प. ,, अनुमानखण्डः.

(4030) ना. 39 प. ,,

(C 344) दे. 55 प. विजयीन्द्रकृता.

(C 1474) दे. 39 प. ,,

(2377) ना. 223 प. विठ्ठलभट्टीया.

(4034) आ. 94 प. ,,

(C 1477) दे. 44 प. सत्यनाथयतिविरचिता.

(C 1407) दे. 25 प. नृसिंहतीर्थीया 1 मः परिच्छेदः.

(C 1894) दे. 53 प. राघवेन्द्रतीर्थीया.

(C 1884) दे. 4 प. नारायणभट्टीया. (अस)

(4367) ना. 73 प. जनार्दनभट्टीया.

(C 1411) दे. 114 प. भावदीपाख्या 1 मः परिच्छेदः.

(C 1883) दे. 19 प. पदार्थचन्द्रिका ,,

प्रमाणलक्षणटीका.

(92) ना. 27-63 प. (न्यायकल्पलता) जयतीर्थीया.

(1039) दे. 31 प. ,,

(2378) ना. 32-76 प. ,,

(C 1092) दे. 59 प. ,,

(C 1631) दे. 34 प. ,,

(106) ना. 22-43 प. सन्न्यायदीपिका अनन्तभट्टीया.

(C 1893) दे. 23 प. ,, ,,

(C 1651) दे. 53 प. केशवतीर्थीया.

(C 1280) दे. 13-37 प.

(A 362) दे. 68 प. पाण्डुरङ्गीया.

(2974) ना. 69-70 प. पद्मनाभतीर्थीया.

(C 1458) दे. 68 प. चन्नकेशवीया.

प्रमाणलक्षणटीकाविवरणम्.

(C 1475) दे. 48 प.

प्रमाणसंग्रहः पुरातनाचार्यसंगृहीतः.

(106) ना. 16-21 प.

(C 1476) दे. 54 प.

प्रमेयनिर्णयः रघुनाथार्यरचितः.

(C 1292) दे. 10 प.

प्रमेयमाला श्रीनिवासीया.

(C 1302) दे. 37 प.

(C 1852) दे. 63 प.

(3126) ना. 158-182 प. व्याख्या वेंकटभट्टीया.

प्रमेयमुक्तामञ्जरी.

(C 1860) दे. 28 प. भाषा

प्रश्नोपनिषद्भाष्यटीका जयतीर्थीया.

(C 1307) दे. 25 प.

(3362) ना. 61-78 प.

(C 869) दे. 24 प. टिप्पणं ताम्रपर्णीश्रीनिवासीयम्.

C 60) दे. 4 प. ,, श्रीनिवासतीर्थीयम्.

प्राणाग्निहोत्रक्रमः.

(B 744) दे. 12 प.

बृन्दावनाख्यानं वादिराजीयम्.

(3090) ना. 89 प. 5 अध्यायाः.

(A 288) दे. 29 प.

(C 977) दे. 137 प.

(C 1700) दे. 19 प.

(C 1869) दे. 129 प.

बृन्दावनाख्यानप्रामाण्यदर्पणं सेतुमाधवार्यकृतम्.

(B 833) दे. 11 प.

(C 1677) दे. 13 प.

बृन्दावनाख्यानप्रामाण्यप्रबोधनं रघुवरविरचितम्.

(C 727) दे. 32 प.

(C 1865) दे. 27 प.

बृन्दावनाख्यानप्रामाण्यशङ्कानिरासः.

(C 1872) दे. 23 प.

बृहतीसहस्रम्.

(3648) ना. 35 प.

(A 464) दे. 257 प. व्याख्या रघुनाथीया.

बृहदारण्यकखण्डार्थः राघवेन्द्रतीर्थकृतः.

(B 87-88) दे. 333 प.

बृहदारण्यकभाष्यं आनन्दतीर्थीयम्.

(1108) ना. 122 प.

(C 1307) दे. 130 प.

(C 291) दे. 114 प. टीका, रघूत्तमीया.

(181-182) ना. 320 प. ,, ,,

(A 97) दे. 199 प. ,, ,, 1-2 अध्यायौ.

(98) दे. 215 प. ,, ,, 3-5 अध्यायाः.

(99) दे. 224 प. ,, ,, 6-8 ,,

(C 948) दे. 96 प. ,, व्यासतीर्थीया.

(B 516) दे. 352 प. ,, ,,

(4359) ना. 112 प. ,, श्रीनिवासतीर्थीया 7 अध्या.

बृहदारण्यकभावबोधः रघूत्तमयतिकृतः.

(2430) ना. 188 प.

(C 1654) दे. 333 प.

ब्रह्मसूत्रदीपिका जगन्नाथयतिकृता.

(2193) ना. 98 प.

ब्रह्मसूत्रपदार्थप्रकाशिका हरिरायाचार्यकृता.

(948) ना. 134 प. मोऽध्यायः.

ब्रह्मसूत्रभाष्यं आनन्दतीर्थीयम्.

(C 382) दे. 110 प.

(446) ना. 83 प.

(840) ना. 44 प.

(C 1108) दे. 105 प.

ब्रह्मसूत्रभाष्यटीका.

(C 27) दे. 140+108+119+43 प. तत्त्वप्रकाशिका जयतीर्थीया

(C 1116) दे. 66-160 प. ,, 2-4 अध्या.

(B 91-92) दे. 256 प. तत्त्वप्रकाशिकाख्याव्याख्या भावदीपाख्या राघवेन्द्रतीर्थविरचिता 1मे 1-2 पादौ.

(C 16) दे. 82+202 प, ,, ,, 1 मे 3 यपादमारभ्यसमग्रा

(949) ना. 222 प. ,, ,,

(C 323) दे. 104 प. तत्त्वप्रकाशिकाभावबोधः रघूत्तमयतिकृत: 1 मोऽध्याय: 36-43 पत्रलोपः.

(959) ना. 111 प. ,,

(C 309) दे. 169+57+65+23 प. तत्त्वप्रकाशिकाव्याख्या शर्कराश्रीनिवासतीर्थीया तत्त्वमञ्जरी.

(A 225) दे. 280 प. भाष्यटीका तत्त्वप्रदीपाख्या त्रिविक्रमपण्डिताचार्यकृता.

(1105) ना. 127 प. ,, ,,

(2968) ना. 34 प. ,, ,, संक्षिप्ता

(A 189) दे. 352 प. भाष्यदीपिका जगन्नाथयतिकृता 1 मोऽध्यायः.

(A 195) दे. 160 प. ,, 2 योऽध्याय:.

(A 191) दे. 269 प. ,, 3 योऽध्याय:.

(A 202) दे. 122 प. ,, 4 र्थोऽध्याय:

(2400) ना. 154 प. भाष्यटिप्पणी प्रमेयमुक्तावळी विठ्ठलसुत-श्रीनिवासीया.

(C 1057) दे. 102 प. ,, वादिराजीया गुर्वर्थदीपिका.

(A 328, 350) दे. 387+155 प. ,, ताम्रपर्णीश्रीनिवासीया.

(A 354) दे. 196 प. ,, सुमतीन्द्रतीर्थीया.

ब्रह्मसूत्रभाष्यार्थसंग्रहः.

(C 80) दे. 119 + 43 + 57 + 93 + 48 प. 1 मे 1 मः पादः 3 याध्यायश्च.

ब्रह्मसूत्रार्थः.

(C 1858) दे. 64 प.

भगवद्गीतातात्पर्यं आनन्दतीर्थकृतम्.

(C 394) दे. 45 प.

(C 9) दे. 57 प. टीका न्यायदीपिका जयतीर्थीया.

(C 88) दे. 155 प. ,, ,,

(C 1928) दे. 81 प. ,, ,,

(A 227) दे. 345 प. तात्पर्यदीपिकाव्याख्या न्यायदीपकिरणावळी विठ्ठलसुतश्रीनिवासाचार्यकृता (ताम्रपर्णीया)

(2348) ना. 138 प. ,, ,, 1–8 अध्या.

(A 293) दे. 287 प. ,,

(2969) ना. 35-58 प. पद्मनाभतीर्थीया तात्पर्यटिप्पणी.

(2391) ना. 55 प. सत्यप्रज्ञभिक्षुविरचितः न्यायदीपभावप्रकाशः.

भगवद्गीताभष्यं अनन्दतीर्थीयम्.

(A 39) दे. 57 प.

(1099) दे. 66 प.

(C 1275) दे. 72 प.

(C 1085) दे. 55+106 प. टीका प्रमेयदीपिका जयतीर्थीया.

(C 1644) दे. 135 प. ,, ,,

(3587) ना. 172 प. ,, ,,

(C 340) दे. 75 प. टिप्पणी राघवेंद्रतीर्थीया.

(1116) ना. 61 प. ,, भावबोधः रघूत्तमयतिकृतः.

(1055) दे. 49+41 प. ,, ,,

(C 963) दे. 70 प. उम्मर्जीया प्रमेयदीपिकाव्याख्या भावप्रकाशिाख्या.

(C 941) दे. 91-188 प. ,, ,, 3-18 अध्यायाः

(C 1648) दे. 107 प. प्रमेयदीपिकाटीका श्रीनिवासतीर्थीया.

(C 1668) दे. 246 प. ,, ,,

(1056) दे. 111 प. ,, नृसिंहमूर्तिविरचिता.

(A 285) दे. 198 प. ,, ,,

(A 252) दे. 354 प. भावरत्नकोशः सुमतीन्द्रकृतः 4–9 अध्यायाः.

(A 253) दे. 355 प. ,, ,, 10-18 ,,

(A 3088) ना. 159 प. ,, ,, समग्रः.

(A 289) दे. 229 प. भावप्रकाशः. उम्मर्जीकृष्णकृतः.

(C 870) दे. 236 प. ,, ,,

(A 228) दे. 90 प. गीताभाष्यप्रमेयदीपकिरणावळी विठ्ठलसुत श्रीनिवासाचार्यकृता (ताम्रपर्णीया)

(1116) ना. 25 प. ,, 1–2 अध्यायौ

(A 229) दे. 444 प. गीताभाष्यप्रमेयदीपविवरणं (भावरत्नकोशः) 1–3 अध्यायाः.

(4205) ना. 86 प. गीताभाष्यदीपिका (द्वितीयभागः)

भगवद्गीताभाष्यविरोधपरिहारः.

(C 39) दे. 16 प.

भगवद्गीताविवरणं विद्याधिराजीयम्.

(2982) ना. 49 प.

(C 1343) दे. 127 प.

भगवद्गीताविवृत्तिः राघवेन्द्रतीर्थीया.

(B 93) दे. 186 प. 1-8 अध्यायाः.

(B 94) दे. 164 प. 9-18 ,,

(2806) ना. 154 प.

(C 1298) दे. 252 प.

भगवद्गीताव्याख्या नरसिंहाचार्यकृता.

(C 1899) दे. 234 प.

भगवद्गीतासारसंग्रहः आ. हृ. नरहरिकृतः.

(C 20) दे. 111 प.

भागवतटिप्पणी.

(C 1910) दे. 82 प. सत्याभिनवयतिकृता 1-2 स्कन्धौ.

(C 1916) दे. 45 प. छलारीया दशमस्कन्धे आदितः 5 अध्यायाः.

भागवततात्पर्यं आनन्दतीर्थीयम्.

(C 1791) दे. 74 + 54 प. समग्रम्.

(4216) ना. 141 प. ,,

भागवततात्पर्यटीका.

(A 305) दे. 156 छलारीया दशमस्कन्धः.

(C 1447) दे. 50 प. नवमस्कन्धः.

(C 1687) दे. 282 प. श्रीनिवासतीर्थीया 11शः स्कन्धः.

(C 1344) दे. 131 प. ,, ,,

(4031) ना. 46 प. एकादशे 13 अध्यायाः.

(4357) ना. 117 प. श्रीनिवासतीर्थीया एकादशे 19 अध्या.

(4201) ना. 27 प. वेदगर्भनारायणार्यरचिता 1मः स्कन्धः.

(4198) ना. 117 प. ,, 5स्कन्धाः.

भागवततात्पर्यनिर्णयः अनन्दतीर्थीयः.

(1086) ना. 84-170 प.

(B 194) दे. 388 प. टीका यदुपतिविरचिता 1मः स्कन्धः.

(C 1330) दे. 102 प. ,, ,,

(B 200) दे. 369 प. ,, 2यः ,,

(C 1331) दे. 82 प. ,, ,,

(C 1332) दे. 154 प ,, 3यः ,,

(B 212) दे. 538 प. ,, 3ये पूर्वभागः.

(B 221) दे. 455 प. ,, उत्तरभागः.

(B 195) दे. 406 प. ,, 4र्थस्कन्धः.

(C 1333) दे. 130 प. ,, ,,

(C 1334) दे. 90 प. ,, 5म ,,

(B 205) दे. 450 प. 5मस्कन्धः.

(C 1330-1334) दे. 102+82+154+130+90 प. ,, 5म ,,

(C 1464) दे. 73–177 प. ,, 3ये 11–29 अध्यायाः.

भागवतव्याख्या विजयध्वजीया.

(C 1929) दे. 64 प. षष्ठस्कन्धः.

भागवताष्टकम्.

(B 78) क. 60 प.

भेदरत्नमाला गोविंदाचार्यकृता.

(C 1656) दे. 29 प.

भेदोज्जीवनं व्यासयतिकृतम्.

(C 283) दे. 11 प.

(B 136) दे. 103 प. टिप्पणी शर्कराश्रीनिवासाचार्यकृता.

(B 542) दे. 124 प. ,, ,,

(C 1683) दे. 36 प. ,, ,,

(C 94) दे. 66 प. ,, व्याघ्रपुरी श्रीनाथीया.

(C 380) दे. 49 प. ,, ,,

(C 944) दे. 82 प. ,, ,,

(C 1281) दे. 19 प. मुद्गलानन्दतीर्थीया.

(C 1469) दे. 45 प. ,, ,,

(C 1288) ना. 29 प. ,, कुम्भारिवासुदेवीया (भेदचन्द्रिका)

(C 1310) दे. 47 प. ,,

(C 700) दे. 54 प. ,, तिम्मणाचार्यकृता.

(C 1940) दे. 72 प. ,, काशिका.

(4371) ना. 150 प. ,, भेदन्चितारत्नम्.

मध्वतन्त्रमुखभूषणम् विजयीन्द्रकृतम्.

(C 824) दे. 32 प. प्रथमाधिकरणम्.

(C 954) दे. 31 प. ,,

मध्वमन्त्रार्थमञ्जरी नारायणाचार्यकृता.

(C 365) दे. 137 प.

मध्वसिद्धान्तसंग्रहः नरसिंहाचार्यकृतः.

(B 85) आ. 115 प.

मध्वावतारप्रशंसा वायुपुराणम्.

(C 1682) दे. 6 प.

मन्त्रजपाविधिः.

(C 1076) दे. 14 प.

मन्त्रार्थः वेङ्कटेशविरचितः.

(C 1873) दे. 48 प.

महाभारततात्पर्यनिर्णयः आनन्दतीर्थविरचितः.

(840) ना. 19+53 प. 4-17 अध्यायाः.

(2187) आ. 236-492 प. एकविंशाध्यायमारभ्य समग्रः.

(3435) आ. 161 प. 17 अध्यायाः.

(3908) नाँ. 226 प.

(B 390) दे. 500 प. व्याख्या प्रमेयमणिमाला श्रीनिवासरचिता 32 अध्यायाः.

(3213) ना. 43 प. ,, वरदराजीया 3 अध्यायाः.

(C 1286) दे. 46 प. ,, ,, ,,

(C 1905) दे. 63 प. ,, ,, ,,

(3916) ना. 209 प. ,, ,, 11-14 ,,

(4368) ना. 32-162 प. ,, ,, 12-21 ,,

(3214) ना. 118 प. ,, ,, 24-32 ,,

(2998) ना. 37-127 प. ,, ,, 19-32 ,,

(C 1554) दे. 571 प. ,, ,,

(C 1459) दे. 24 प. ,, ,, 1मोऽध्यायः.

(C 1457) दे. 107 प. ,, ,, 3, 10-11 अध्या.

(C 1456) दे. 25 प. ,, ,, 11 शोऽध्यायः.

(C 1669) दे. 57-589 प. ,, ,,

(C 1867) दे. 176 प. ,, वादिराजीया समग्रा.

(C 1704) दे. 84 प. ,, ,, 3 अध्यायाः.

(C 999) दे. 51+103 प. ,, ,,

(C 1455) दे. 84 प. ,, ,,

(C 3134) आ. 460 प. ,, जनार्दनभट्टीया.

(C 1353) दे. 540 प. ,, ,, (4, 5, 10, 11, 13 एते-अध्याया न सन्ति.)

(C 1649) दे. 248 प. व्याख्या जनार्दनभट्टीया.

(C 1417) दे. 153 + 22 + 26 + 403 प. ,, कृष्णाचार्यकृता.

(4364) ना. 92 प. ,, लक्ष्मीनृसिंहाचार्यकृता 12शोऽध्यायः.

(3089) ना. 84 प. टीकासंग्रहः जमखण्डिनृसिंहाचार्यकृतः 1मोऽध्यायः.

माण्डूक्यखण्डार्थः राघवेन्द्रतीर्थकृतः.

(91) ना. 47–56 प.

(C 1640) दे. 13 प.

माण्डूक्योपनिषद्भाष्यटीका.

(C 1310) दे. 22 प. व्यासतीर्थीया.

(B 518) दे. 33 प. ,,

(B 365) दे. 202 प. कृष्णाचार्यविरचिता (उम्मर्जीया)

मायावादखण्डनटीका.

(C 299) दे. 11 प. जयतीर्थीया.

(C 391) दे. 9 प. ,,

(100) ना. 118-153 प. ,,

(2378) ना. 102-106 प. ,,

(C 1633) दे. 10 प. श्रीनिवासतीर्थीया.

(C 312) दे. 16 प. टिप्पणी मन्दारमञ्जरी व्यासतीर्थकृता.

(C 1685) दे. 24 प. ,, ,,

(C 1718) दे. 23 प. ,, ,,

(C 59) दे. 6 प. ,, केशवमिश्रीया.

(C 388) दे. 11 प. ,, श्रीनिवासतीर्थीया.

(97) ना. 18-30 प. ,, ,,

(98) ना. 71-73 प. ,, अनन्तभट्टीया.

(2974) ना. 71-73 प. ,, पद्मनाभतीर्थीया.

मिथ्यात्वानुमानखण्डनटीका.

(2378) ना. 90-102 प. जयतीर्थीया.

(C 1004) दे. 23 प. टिप्पणी गुरुराजीया.

(2974) ना. 75-76 प. ,, पद्मनाभतीर्थीया.

(C 1719) दे. 8-122 प. ,, मन्दारमञ्जरी.

मुक्तिमुक्तावळी चरखेड श्रीनिवासाचार्यकृता.

(C 945) दे. 21 प.

मुण्डकोपानिषदर्थप्रकाशः नृसिंहार्यविरचितः.

(C 1901) दे. 13 प.

मुण्डकोपनिषद्भाष्यटीका.

(C 351) दे. 10 व्यासतीर्थीया.

(C 1558) दे. 14 प. नारायणार्यविरचिता.

(C 1003) दे. 119 प. टिप्पणी उम्मर्जी कृष्णाचार्यकृत

(C 1035) दे. 122 प. ,, ,,

(1881) दे 62 प. ,, ,,

मुण्डकोपानिषद्व्याख्या नृसिंहभिक्षुकृता.

(C 1559) दे. 18 प.

मोक्षसिद्धिः कृष्णगिरिकृता.

(C 243) आ. 17 प.

यमकभारतव्याख्या.

(C 1866) दे. 35 प. यदुपत्याचार्यविरचिता.

(C 1880) दे. 13 प. ,,

(C 1934) दे. 15 प. तम्मणभट्टीया.

(4358) ना. 67 प.

याज्ञिक्युपनिषद्भाष्यं धीरेन्द्रकृतम्.

(C 827) दे.102 प.

(91) ना. 38-46 प. भाष्यटीका श्रीनिवासतीर्थीया (अस)

युक्तिमल्लिका वादिराजविरचिता.

(C 387) दे. 21 प.

(C 716) दे. 280 प.

वाक्यार्थरत्नमाला न्यायसुधाटिप्पण्याः वाक्यार्थचन्द्रिकायाः व्याख्या.

(C 398) दे. 66 प. असमग्रा.

वाग्वज्रः (न्यायसुधोपन्यासः) श्रीपादराजकृतः.

(C 1560) दे. 154 प. समग्रः.

वादरत्नावळी विष्णुदासाचार्यकृता.

(C 1473) दे. 41 प.

(3098) आ. 27 प.

वादावळी (वादामाला) जयतीर्थकृता.

(C 46) दे. 31 प.

(C 1635) दे. 34 प.

(C 19) दे. 111 प. टीका भावदीपाख्या राघवेन्द्रतीर्थीया.

(4032) ना. 36 प. ,, ,,

(4033) ना. 68 प. ,, ,,

(C 297) दे. 90 प. ,, श्रीनिवासतीर्थीया.

(C 1540) दे. 84 प. ,, ,,

वायुस्तुतिव्याख्या.

(4211) ना. 35 प. समग्रा.

विरोधोद्धारः ताम्रपर्णीश्रीनिवासीयः.

(C 1313) दे. 46 प.

विवरणव्रणं वादिराजकृतम्.

(C 1845) दे. 70 प. समग्रम्.

विष्णुतत्त्वनिर्णयः आनन्दतीर्थीयः

(C 1098) दे. 132 प.

(C 29) दे. 116 प. टीका जयतीर्थीया.

(C 139) दे. 157 प. ,, ,, असमग्रा.

(C 423) ना. 5-48 प. ,, ,, ,,

(178) ना. 133 प. ,, ,,

(954) ना. 226 प. ,, ,,

(C 1045) दे. 172 प. ,, ,,

(C 293) दे. 93 प. टीकाटिप्पणी केशवस्वामीया.

(C 1046) दे. 405 प. टिप्पणी श्रीनिवासीया.

(2435) ना. 134 प. ,, ,,

(2393) ना. 156 प. ,, ,,

(A 382) दे. 257 प. ,, तत्त्वज्ञस्वामीया.

(2974) ना. 82-102 प. ,, पद्मनाभतीर्थीया.

(C 1036) दे. 93 प. ,, भावबोधाख्या रघूत्तमीया.

(C 1906) दे. 38 प. ,, ,,

(3091) ना. 32 प. टीकोपन्यासः.

विष्णुतत्त्वनिर्णयवाक्यार्थः.

(C 1340) दे. 10 प.

विष्णुतत्त्वप्रकाशः वनमालामिश्रीयः

(C 350) दे. 39 प. षड्विंशतितमगायत्र्यर्थविचारान्तः.

विष्णुतीर्थीयाह्निकं विष्णुतीर्थः.

(C 38) दे. 30 प.

विष्णुसहस्रनामव्याख्या.

(B 215) दे. 92 प. सत्यसंधयतिकृता.

(4024) ना. 65 प. सत्यसंधयतिकृता.

(C 137) दे. 57 प. विद्याराजतीर्थीया.

(C 1849) दे. 55 प. वादिराजीया (निरुक्तिः)

(C 1843) दे. 60 प. आनन्दतीर्थशिष्यकृता.

(4355) ना. 83 प. (शतार्थाख्या)

विष्णुस्तुतिव्याख्या वरदराजीया.

(C 1882) दे. 19 प.

वेदान्तशास्त्रसारः.

(C 972) दे. 8 प.

वेदान्तसिद्धान्तमुक्तावळी वनमालामिश्रीया.

(A 447) दे. 384 प. समग्रप्राया.

शरदागमः.

(B 185) दे. 51 प. आनन्दमयाधिकरणमारभ्यप्राणाधिकरणपर्यन्तः.

शाण्डिल्यतत्त्वटीका सत्यानन्दसुतनृसिंहार्यकृता.

(C 49) दे. 36 प. 5 अध्यायाः.

(C 1673) दे. 17 प.

शेषचन्द्रिका रघुनाथयतिकृता.

(951) आ. 76 + 85 प. 4 र्थाध्याये 1-2 पादौ.

(1927) आ. 340 प. 3 याध्याये 3-4 पादौ.

(3682) ना. 40-138 प. 3 ये 2 यः पादः.

(A 498) दे. 322 प. 3 ये 3-4 पादौ.

शेषवाक्यार्थचन्द्रिका (सुधाटिका) केशवाचार्यकृता.

(C 93) दे. 518 प. 2 ये 1 मः पादः.

(C 338) दे. 445 प. ,, 2 यः पादः.

(C 1876) दे. 42 प.

(C 1878) दे. 268 प.

(A 546) दे. 296 प.

श्रुतिगीताव्याख्या व्यासाचार्यकृता.

(C 1909) दे. 37 प.

श्रुतितत्त्वप्रकाशिका वादिराजविरचिता.

(C 724) दे. 28 प.

(C 1870) दे. 35 प.

श्रुतिसिद्धान्ततत्त्वरत्नप्रकाशः रामाचार्यकृतः.

(C 947) दे. 128 प.

श्रुतिसिद्धान्तप्रकाशः वनमालामिश्रीयः.

(C 346) दे. 94 प. 2 य परिच्छेदे अविद्याश्रयत्वभङ्गान्तः.

श्रुत्यर्थरत्नमाला.

(C 1414) दे. 130 प. 3 ये 3 यपादान्ता.

षट्प्रश्नटिप्पणं श्रीनिवासतीर्थीयम्.

(C 60) दे. 4 प असमग्रम्.

सत्तत्त्वरत्नमाला विठ्ठलसुतानन्दतीर्थविरचिता.

(A 87) दे: 18 प. अस.

(C 41) दे. 28 प.

(C 284) दे. 10 प. सामान्यमोक्षयोग्यप्रकरणम्.

(C 829) दे. 17 प.

(C 975) क. 34 प.

(C 1409) दे. 38 प.

(4313) ना. 158 प.

(C 1941) दे. 56 प.

(C 826) दे. 213 प. व्याख्या.

(C 976) क. 274 प. व्याख्या.

(3983) ना. 104 प. ,,

(4313) ना. 20 प. ,,

सदाचारस्मृतिव्याख्या कृष्णाचार्यकृता.

(3362) ना. 34-38 प.

(3915) ना. 99 प.

(C 1655) दे. 48 प.

सद्विद्याविलासः.

(C 1920) दे. 14 प. समग्रः.

(C 1921) दे. 10 प. ,,

सनत्सुजातीयव्याख्या वेदगर्भनारायणकृता.

(4199) ना. 76 प.

सन्न्यायरत्नावळिः (हरितत्त्वप्रकाशिका) अनुव्याख्यानटीका.

(B 286) दे. 135 प. असमग्रा.

साम्यश्रुत्यर्थविचारः अप्पणाचार्यकृतः.

(4038) ना. 19-33 प.

सारासारविवेकः विजयीन्द्रभिक्षुकृतः.

(A 88) आ. 26 प.

सिद्धान्तपरीक्षा.

(3109) ना. 63 प. असमग्रा.

सिद्धान्तरहस्यं अडव्याचार्यविरचितम्.

(4027) ना. 81 प.

हरिभक्तिकल्पलता वादिराजीया.

(C 726) दे. 25 प.

(C 1855) दे. 20 प.

XXV शैवम्.

कर्मपाकप्रदीपिका रेवणाराध्यविरचिता.

(4167) क. 134-137 प. समग्रा.

काळहस्तीशविलासः.

(A 2887) दे. 68 प.

जीवन्मुक्तिः सेन्द्रनाथकृता.

(B 819) क. 9 प.

तत्त्वनिर्णयः वृत्तिकारविरचितः.

(269) ना. 104-107 प.

(269) ना. 23-27 प. व्याख्या अघोरशिवाचार्यकृता.

तत्त्वप्रकाशः भोजदेवकृतः.

(269) ना. 103-104 प.

(269) ना. 12 प. व्याख्या अघोरशिवाचार्यकृता.

तत्त्वसंग्रहव्याख्या अघोरशिवाचार्यकृता.

(269) ना. 12-23 प.

तत्त्वोपदेशः.

(B 767) क. 108-140 प.

तात्पर्यसंग्रहः (स्तुतिमुक्तामाला)

(267) ना. 7-15 प.

(267) ना. 133-178 प. व्याख्या तात्पर्यप्रकाशिका शिवलिङ्गभूपतिरचिता.

त्रिमूर्तिनिदानावधारणं सुखचिद्रूपभारतीकृतम्

(186) ना. 66-75 प.

नागानन्दसूत्रवृत्तिः.

(B 370) क. 14 प. मनस्तत्त्वविचारणान्ता.

न्यायशतकं रामेश्वरमखिकृतम्.

(B 772) क. 24 प.

परमोक्षनिरासकारिकाविवृत्तिः भट्टरामकण्ठकृता.

(269) ना. 59-71 प.

प्रयोगसारः.

(B 776) क. 26 प.

प्रारब्धदीपिका रेवणाराध्यकृता.

(4167) क. 137-139 प. समग्रा.

ब्रह्मसूत्रभाष्यं श्रीकण्ठविरचितम्

(C 292) दे. 4-115 प. 3 ये 1 मपादसमाप्त्यन्तम्.

(265) आ. 167 प.

(A 222) क. 230 प. व्याख्या शिवार्कमणिदीपिका अप्पयदीक्षितकृता 1 मे 1-2 पादौ.

(A 223) क. 150 प. ,, ,, 1 मे 3-4 पादा

(A 224) क. 259 प. ,, ,, 2-4 अध्यायाः.

(600) प्र. 306 प. ,, ,, 1 मे 3 यपादे प्रमिताधिकरणपर्यन्ता.

(1014) ना. 245 + 48 प. ,, समग्रा.

(4281) प्र. 115-180 प. ,, जन्मशास्त्राधिकरणे.

(A 254) दे. 136 प. ,, चतुस्सूत्री.

भोगकारिका.

(269) ना. 104-107 प. वृत्तिकारविरचिता.

(269) ना. 27-41 प. अघोरशिवाचार्यकृता.

मुक्तिसोपानं सेन्द्रनाथीयम्.

(B 819) क. 9 प.

मोक्षकारिका भट्टरामकण्ठविरचिता.

(269) ना. 47-58 प.

(269) ना. 108-115 प.

रत्नत्रयोद्द्योतः अघोरशिवाचार्यकृता.

(269) ना. 71-103 प.

रौरवसूत्रसंग्रहः.

(B 776) क. 26-47 प.

वेदसारशिवसहस्रनामव्याख्या शिवेन्द्रविरचिता.

(A 454) दे. 88 प.

वैदिकाचारनिर्णयः रामेन्द्रयोगिविरचितः.

(C 17) आ. 53-73 प. 3 परिच्छेदाः.

(2849) आ. 36 प.

शतरत्नसंग्रहः पर्वतेश्वरविरचितः (वेदान्तशतश्लोकी-सूत्रशतकम्.)

(337) ना. 42-90 प.

शिवकर्णामृतं अप्पयदीक्षितकृतम्.

(C 337) दे. 31 प.

(369) आ. 126-138 प.

(717) ना. 25 प.

(2846) ग्र. 30 प.

(3354) दे. 27 प.

(3967) आ. 34 प.

शिवकर्णामृतसिद्धान्तसंक्षेपः अप्पयदीक्षितकृतः.

(C 511) आ. 16 प.

शिवगीताभाष्यं शङ्करानन्दभारतीकृतम्.

(C 487) आ. 79 प.

शिवगीताव्याख्या परशिवेन्द्रसरस्वतीविरचिता.

(A 295) ग्र. 354 प.

(3402) ग्र. 231 प.

(A 450) दे. 82 प.

(A 451) ग्र. 166 प.

(A 538) क. 260 प. पूर्वपक्षः.

(C 1495) दे. 77 प. वेङ्कटेशविरचिता.

शिवज्ञानकारिका.

(269) ना. 108-115 प.

शिवतत्त्वदर्पणं ब्रह्मविद्याध्वरिविरचितम्.

(A 496) क. 357 प.

शिवतत्त्वविवेकः अप्पयदीक्षितविरचितः.

(271) आ. 109 प. गायत्र्यर्थनिर्वचनान्तः.

(488) ना. 7-92 प.

(620) आ. 7 प. पूर्वपक्षः.

(718) ना. 123 प.

(733) ग्र. 150 प.

(4090) ग्र. 107 प.

शिवनामकल्पलतालवालसुधापूरः वेङ्कटाचलीयः.

(C 1327) दे. 113 प.

शिवपारम्यविचारः.

(7) आ. 4 प.

(B 266) क. 9-16 प.

(904) ना. 20 प.

शिवमताधिक्यतारावाळिः रेवणाराध्यः.

(4167) क. 140–149 प. समग्रा.

शिवसहस्रनामभाष्यम्.

(998) आ. 78 प. अलंकारदीक्षितकृतम्.

(1584) क. 290 प. वेमापण्डितपुत्रसोमापण्डितकृतम् 640 नामानि. 142–152 + 245–246 + 289 पत्रलोपः.

शिवसूत्रवार्तिकं.

(B 371) आ. 113 प. सप्ताह्निकानि.

शिवाद्वैतनिर्णयः अप्पयदीक्षितकृतः.

(43) आ. 61 प.

(249) आ. 60 प.

(3343) आ. 96–151 प.

(C 1170) दे. 55 पं.

शिवाद्वैतमञ्जरी स्वप्रभानन्दनाथीया.

(B 751) क. 75 प.

शिवाधिक्यप्रदीपिका रेवणाराध्यविरचिता.

(4167) क. 118–134 प.

शिवाधिक्यप्रामाण्यसमर्थनं नागदेवसूरिकृतम्.

(2543) ना. 109 प.

शिवाधिक्यशिखामणिः रेवणाराध्यः.

(4166) क. 117 प.

शिवानन्दवैभवः जनकोम्मनाथविरचितः.

(3310) ग्र. 41 प. प्रथमं प्रकरणम्.

शिवार्कमणिदीपिका (श्रीकण्ठभाष्यव्याख्या) अप्पयदीक्षितकृता.

(A 222) क. 230 प. प्रथमे 1–2 पादौ.

(A 223) क. 150 प. 1 मे 3-4 पादौ.

(A 224) क. 259 प. 2-4 अध्यायाः

(A 254) दे. 136 प. चतुस्सूत्री.

(600) ग्र. 306 प. प्रथमे तृतीयपादे प्रमिताधिकरणान्ता.

(1014) ना. 245+4 प. समग्रा.

(4281) ग्र. 115-180 प. जन्मशास्त्राधिकरणे.

शिवाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रभाष्यं नीलकण्ठदीक्षितकृतम्.

(C 525) आ. 87 प.

(B 343) क. 157 प.

शैवाभाषा शिवाग्रयोगीया.

(3315) ग्र. 130-213 प.

श्रुतिसूक्तिमाला (तत्त्वप्रकाशिका) शिवलिङ्गभूपतिकृता.

(4089) ग्र. 54 प.

साधनत्रयकारिका.

(269) ना. 108-115 प.

साम्बशिवाधिक्यं रेवणाराध्यरचितम्.

(4167) क. 150-160 प.

सिद्धान्तदीपिका सर्वात्मशम्भुकृता.

(269) ना. 41-47 प.

सिद्धान्तपरिभाषा सूर्यभट्टारकविरचिता.

(B 98) आ. 28 प.

(3086) आ. 214-238 प.

सिद्धान्तशिखामणिः शिवयोगिविरचितः.

(A 474) क. 38 प. असमग्रः.

स्वायम्भुवसूत्रसंग्रहः.

(B 776) क. 47-90 प.

XXVI. वीरशैवम्.

अनादिवीरशैवसंग्रहः सिद्धरेवणार्यकृतः.

(A 332) क. 731 प. कर्णाटटीकायुतः.

एकोत्तरशतस्थली गिरिनाथसंगृहीता.

(185) क 235 प. सकर्णाटटीका.

बसवराजीयं पाल्कुरिकेसोमाराध्यकृतम्.

(A 356) क. 36 प.

लिङ्गधारणदीपिका.

(B 944) क. 31 प. समग्रा.

वीरमाहेश्वराचारसंग्रहः नीलकण्ठनागनाथार्यकृतः.

(A 654) क. 3 प.

वीरशैवधर्मशिरोमणिः षडक्षरीदेवविरचितः.

(A 321) क. 156 प.

वीरशैवसंजीविनी (पञ्चश्लोकीव्याख्या) बसवभूपकृता.

(B 703) क. 210 प.

वीरशैवाचारकौस्तुभः मौनप्पविद्वत्कृतः.

(A 221) क. 242 प.

(B 736) क. 145 प. असमग्रः.

(C 703) क. 114 प. 19 प्रकरणानि.

वीरशैवाचारसंग्रहः.

(A 577) क. 85 प. क्रियाकाण्डः समग्रः.

वीरशैवानन्दचन्द्रिका मरितोंटदार्यकृता.

(A 190) क. 165 प.

(A 423) क. प. वादकाण्डः.

वृषभेन्द्रविजयः शङ्कराराध्यविरचितः.

(2523) क. 100 प.

वेदान्तसारवीरशैवचिन्तामणिः वीरशैवसारोद्धारः.

(A 267) क. 110 प. उत्तरखण्डस्समग्रः.

शिवतत्त्वरत्नाकरः केळदीबसवभूपसंगृहीतः.

(A 46) क. 345 प.

(2557) ना. 279 प. आदितः षष्ठे कल्लोले दशमतरङ्गसमाप्त्यन्तः 14-79, 223-230 पत्रलोपः.

शिवप्रसङ्गरत्नाकरः गीताशास्त्रसारः.

(A 39?) क. 298 प.

शिवयोगप्रदीपिका बसवाराध्यविरचिता.

(A 363) क. 140 प. सकर्णाटटीका.

शिवाधिक्यचिन्तामणिः रेणुकाचार्यकृतः.

(2789) आ 69 प.

शिवाधिक्यचिन्तामणिः रेणुकाचार्यरचितः.

(A 294) क. 160 प. वीरणाराध्यरचितकर्णाटटीकायुतः.

शिवाधिक्यसुधार्णवः.

(2932) आ. 37 प. 6 उपदेशाः.

शैवरत्नाकरः ज्योतिर्नाथकृतः.

(A 402) क. 144 प.

श्रुतिसारभाष्यम्.

(B 830) आ. 48 प.

संगमेश्वरविलासभाष्यं संगमेश्वरकृतम्.

(A 375) क. 539 पु.

सिद्धान्तशिखामणिः (वीरशैवधर्मनिर्णयः).

(269) ना. 288-315 प. 20 परिच्छेदाः.

(A 317) क. 138 प. पूर्वभागः.

सिद्धान्तशिरोमणिः रेणुकाचार्यरचितः.

(A 403) क. 140 प. सकर्णाटटीकः उत्तरभागः.

XXVII वल्लभग्रन्थः.

तत्त्वदीपप्रकाशावरणभङ्गः पीताम्बरविरचितः.

(B 808) क. 192 प.

ब्रह्मसूत्रभाष्यं वल्लभाचार्यविरचितम्.

(C 1824) दे. 95 प.

XXVIII वैदिकं दर्शनान्तरम्.

ईश्वरप्रत्यभिज्ञान्वयदीपिका महेश्वरनाथानन्दकृता.

(B 167) आ. 133 प. उत्पलदेवविरचितेश्वरप्रत्यभिज्ञाव्याख्या.

ईश्वरप्रत्यभिज्ञाव्याख्या क्षेमराजकृता.

(B 126) आ. 81-97 प.

प्रत्यभिज्ञानसूत्रविमर्शिनी अभिनवगुप्ताचार्यविरचिता.

(B 818) क. 107 प. असमग्रा.

ब्रह्ममीमांसासंप्रदायभाष्यं वेङ्कटाध्वरिकृतम्.

(255) ग्र. 142 प. द्वितीयाध्याये तृतीयपादे 20 सूत्रपर्यन्तम्.

ब्रह्मसूत्रभाष्यं भास्कराचार्यविरचितम्.

(A 29) आ. 167 प.

(C 1825) दे. 99 प.

भक्तिमीमांसाभाष्यं स्वप्नेश्वरविरचितम्.

(2620) ग्र. 34 प.

(C 1623) दे. 79 प. 11 पत्रलोपः.

भगवद्गीताटीका ज्ञानेश्वरीया.

(C 1840) दे. 426 प.

विरूपाक्षपञ्चाशिका शास्त्रतात्पर्यान्वयदीपिका.

(B 169) आ. 32 प.

(B 895) ग्र. 82 प. व्याख्या महामहेश्वराचार्य विद्याचक्रवर्तिकृता समग्रा.

शाक्तसूत्रं अगस्त्यकृतम्.

(2100) आ. 7 प.

शाण्डिल्यभक्तिसूत्रवृत्तिः स्वप्नेश्वरविरचिता.

(2620) ग्र. 34 प.

(C 1623) दे. 79 प.

शिवाद्वैतसिद्धान्तस्वरूपप्रकाशिकाख्यसूत्रविवरणम्.

(B 168) आ. 57 प. हेद्दसे हरिहरशर्मकृतम्.

श्रीपरात्रिंशिकाविवरणम् महामहेश्वरनाथानन्दकृतम्.

(B 170) आ. 20 प.

संविदानन्दवैभवः हंसानन्दमुनिकृतः.

(B 126) आ. 97-104 प.

सर्वदर्शनसंग्रहः माधवाचार्यकृतः.

(A 210) आ. 77 प.

(C 1826) आ. 98 प.

सर्वदर्शनसिद्धान्तसंग्रहः शङ्कराचार्यविरचितः.

(3664) ग्र. 29 प.

(B 158) क. 48 प. (द्वादश सिद्धान्ताः.)

XXIX जैनम्.

अकलङ्कचरितम्.

(A 595) क. 20 प.

अकलङ्कसंहिता.

(1926) क. 179 प.

अकलङ्काष्टकं अकलङ्कविरचितम्.

(A 595) क. 42 प.

अग्रभेदः.

(A 596) क. 36 प. असमग्रः.

अर्हत्प्रतिष्ठाविधिः.

(3909) क. 45+70 प.

अहिंसाधर्मविचारः.

(B 187) क. 13-20 प.

आचारसंग्रहः (षोडशक्रिया) ब्रह्मसूरिविरचितः.

(B 179) क. 57 प. (प्रतिष्ठातिलके)

(421) क. 44 प.

आत्मसिद्धिः (प्रमेयकमलमार्ताण्डे)

(B 396) आ. 8 प.

आत्मानुसारः.

(A 597) क. 4 प.

आशाधरसहस्रनामस्तुतिः.

(3815) क. 81 प. सव्याख्या.

आशाधरानुस्मृतग्रन्थसंदर्भः क्रियाकलापः.

(1117) क. 55 प.

आशीर्वादसंग्रहः.

(3818) क. 52-60 प.

उत्तरपुराणं गुणभद्राचार्यविरचितम्

(A 591) क. 470 प. (1 म संपुटम्) 1-63 पर्वाणि.

(A 592) क. 471-991 प. (2 य संपुटम्) 64-72 पर्वाणि.

(A 593) क. 922-1261 प. (3 य संपुटम्) 73-76 ,,

उत्तरादिचैत्यालयवर्णनम्.

(A 597) क. 5 प.

उपासकाचारः.

(3818) क. 61-69 प.

कर्मप्रकृतिः अभयचन्द्रविरचिता.

(A 485) क. 16 प.

क्रियाकलापः (नित्यकर्मसंग्रहः)

(893) क. 103 प. (संस्कृतप्राकृतरूपः)

(1117) क. 55 प.

क्रियाचूलिका.

(A 485) क. 17-18 प.

गणधरस्तोत्रम्.

(A 485) क. 19-21 प.

गायत्रीव्याख्यानम्.

(1025) क. 4-6 प.

(A 597) क. 9 प.

गुरुर्बिम्ववत्तळे.

(A 597) क. 2 प.

गोमठसारः.

(A 470) क. 420 पु.

गोसाविन्नी.

(B 187) क. 13-20 प.

चतुर्विंशतितीर्थङ्कराराधना.

(B 728) क. 86 प.

जिनपूजावर्णनम्.

(A 597) क. 5 प.

जिनशतकव्याख्या नृसिंहभट्टीया.

(1018) क. 54 प. 6-21 पत्रलोपः.

जिनसंहितासारः नन्दिभट्टारककृतः.

(3819) क. 95 प.

जिनसहस्रनामस्तोत्रम्.

(1935) क. 169-180 प.

जिनसेनसंहिता (अर्हत्प्रतिष्ठासारसंग्रहः).

(1028) क. 31 प. 8 पर्वाणि.

जैनगोत्रनिर्णयः.

(896) क.20-30 प.

जैनेन्द्रप्रक्रियावतारः (व्याकरणम्) गुणनन्दिविरचितः.

(A 600) क. 422 प. (1 म संपुटम्) पूर्वभागः.

(A 601) क. 423-848 प. (2 य संपुटम्) उत्तरभागः.

तत्त्वार्थसूत्रवृत्तिः भास्करनन्दिविरचिता.

(A 544) क. 158 प. समग्रा.

(3911) आ. 111 प.

तत्त्वार्थाधिगमसूत्रम्.

(1935) क. 145-168 प.

(3818) क. 36-51 प.

तत्त्वार्थाधिगमसूत्रादिप्रकरणावळिः.

(3822) क. 358+6 प. 75 पत्रलोपः.

त्रिभङ्गीसंग्रहः.

(1025) क. 4 प.

त्रिलोकसारव्याख्या माधवचन्द्रत्रैविद्यदेवकृता.

(131) ग्र. 149 प. (करुणानुयोगनामकपरमागमसंग्रहः)

त्रैवर्णिकाचारः (प्रतिष्ठातिलकम्) नेमिचन्द्रविरचितः.

(A 406) आ. 160 पु.

(A 419) क. 78 प.

(A 134) क. 200 प. 18 परिच्छेदाः.

(A 596) क. 33 प.

(1113) 191 प.

दशभक्तिः (जैनस्तोत्राणि)

(1118) क, 98 प. सकर्णाटटीका.

द्रव्यसंग्रहः नेमिचन्द्रराचितः.

(1016) क. 6+39 प. (प्राकृतभाषा) संस्कृतकर्णाटव्याख्यायुतः.

(3123) क. 60 प. सकर्णाटटीकः.

(3823) क. 202 प. ,,

(A 485) क. 51 प. सटीकः असमग्रः.

द्विजवदनचपेटा.

(B 187) क. 13+13 प.

धर्मपरीक्षातात्पर्यम्.

(3122) ग्र. 155 प.

धर्मोपदेशामृतं पद्मनन्दिकृतम्.

(A 438) क. 38 प.

नेमिचन्द्रसंहिता (प्रतिष्ठातिलकम्-अर्हत्प्रतिष्ठासारसंग्रहः)

(A 134) क. 200 प. 18 परिच्छेदाः.

(1113) क. 191 प.

(1925) क. 162 प.

न्यायकुमुदचन्द्रोदयः.

(A 49) क. 150 प. पूर्वभागः.

(A 93) क. 20 प. उत्तरभागः.

न्यायपद्धतिः.

(A 597) क. 18 प. समग्रा.

पञ्चकल्याणस्तोत्रम्.

(A 486) क. 24 प. सव्याख्यम्.

पञ्चपरमेष्ठिमन्त्रव्याख्यानम्.

(A 597) क. 7 प.

पञ्चास्तिकायप्राभृतम्.

(A 497) क. 413 पु.

पद्मपुराणं रविषेणार्यविरचितम्.

(3910) आ. 107 प.

परसमयग्रन्थाः.

(A 597) क. 42 प.

पुण्यास्रवः रामचन्द्रमुमुक्षुः.

(1112) क. 117 प.

पुराणसंग्रहपद्धतिः.

(A 597) क. 20 प.

पुरुषार्थसिध्युपायः (जिनप्रवचनरहस्यकोशः) अमृतचन्द्रकृतः.

(1025) क. 14 प.

(3818) क. 20 प.

प्रतिष्ठासंग्रहः वसुनन्दिसैद्धान्तिकविरचितः.

(A 392) आ. 20 प.

प्रमाणलक्षणं अकलङ्ककृतम्.

(960) क. 17 प. असमग्रम्.

प्रमेयकण्ठिका शान्तिवर्णिकृता.

(B 99) क. 26 प.

प्रमेयकमलमार्ताण्डः प्रभाचन्द्रविरचितः.

(A 48) आ. 224 (प्रमेयकण्ठिकाटिका)

प्रमेयरत्नालङ्कारः अभिनवचारुकीर्तिपण्डिताचार्यकृतः.

(B 100) क. 27-82 प. (परीक्षामुखसूत्रव्याख्या) प्रमाणस्वरूपपरिच्छेदः 1 मः.

प्रवचनपरीक्षा.

(3996) क. 32 प.

प्रवचनसारोद्धारः सिद्धसेनकृतः.

(C 882) दे. 424 प.

प्रश्नोत्तररत्नमाला अमोघवर्षकृता.

(A 595) क. 16 प.

प्रश्नोत्तरोपासकाचारः सकलकीर्तिकृतः.

(B 730) दे. 28-110 प. 8-20 अध्यायाः.

प्रायश्चित्तं सकर्णाटटीकं विद्यानन्दविरचितम्.

(A 596) क. 120 प.

बृहद्धरिवंशपुराणं जिनसेनाचार्यकृतम्.

(A 534) क. 666 पु.

ब्रह्मसूरिसंहिता.

(1925) क. 163-191 प.

भद्रबाहुचरितं रत्ननन्दिकृतम्.

(A 489) क. 45 पु. कर्णाटभाषातात्पर्ययुतम्.

मन्त्रस्थानम्.

(B 179) क. 57-109 प. कर्णाटटिप्पणयुतम्.

महापुराणं गुणभद्राचार्यकृतम्.

(A 444) क. 400 प. उत्तरभाग: 48-68 पर्वाणि.

(A 445) क. 401-844 प. ,, 69-76 ,,

महारामायणं (पद्मचरित्रम्) रविषेणाचार्यरचितम्.

(A 535) क. 220 प.

(A 594) क. 212 प. असमग्रम्.

महाविद्योद्धारः श्रीकल्पकौस्तुभः.

(B 729) आ. 19 प.

यःपुण्यइतिश्लोकव्याख्या.

(A 597) क. 6 प.

रत्नकरण्डकः (उपासकाचारग्रन्थः) समन्तभद्रविरचितः.

(B 104) क. 21 प.

(1016) क. 52-62 प.

(1025) क. 30-44 प.

(3818) क. 20 प.

(804) क. 77 प. सव्याख्यानः.

(A 485) क. 22-62 प. व्याख्या प्रभाचन्द्रकृता 1 मः परिच्छेदः

(B 214) क 210 प. कर्णाटटीकायुतः

राजवार्तिकालंकारः उमास्वातिकृततत्त्वार्थसूत्रव्याख्या.

(130) ग्र. 174 + 158 प.

(A 536) क. 278 प.

(A 543) क. 602) प. समग्रः.

लोकविभागः (भूगोळम्) सिंहसूरिकृतः.

(A 448) क. 99 प.

(A 598) क. 198 प. समग्रः.

वर्धमानजिनस्तुतिः (सव्याख्या) हेमचन्द्रविरचिता.

(890) क. 15 प. अन्ययोगव्यवच्छेदाभिधाद्वितीयद्वात्रिंशिकायां पञ्च श्लोकाः

विंशतिप्ररूपिणी पद्मप्रभत्रैविद्यचक्रवर्तिकृता.

(1025) क. 104 प. (प्राकृतभाषा) कर्णाटटीकायुता.

विवाहादिप्रयोगविधिः.

(3812, क. 131 प.

व्रतस्वरूपपद्धतिः प्रभावचन्द्रविरचिता.

(A 597) क. 30 प.

शान्तनाथचरितं भावचन्द्रकृतम्.

(C 878) दे. 107 प.

शान्तितीर्थकरः.

(1117) क. 37-52 प.

शास्त्रसारसमुच्चयः.

(1025) क. 5 प. 4 अध्यायाः.

शास्त्रसूत्रव्याख्या कर्णाटभाषा.

(A 469) क. 671 प.

श्रीमुखम्.

(A 597) क. 6 प.

श्रुतावतारः श्रीनन्दिकृतः.

(A 438) क. 45 पु.

(3818) क. 26 प.

संक्षेपरामायणम्.

(3813) क. 132-170 प.

संध्याविधिः.

(3818) क. 16 प.

सद्बोधचन्द्रोदयः पद्मनन्दिविरचितः.

(A 438) क. 10 पु.

सप्तपरमस्थानम्.

(A 597) क. 10 प.

सप्तपञ्चाशदास्रविकः नेमिचन्द्रकृतः.

(B 188) क. 136 प. (प्राकृतभाषा) कर्णाटटीकायुतः.

सप्तभङ्गीतरङ्गिणी.

(C 1164) आ. 26 प.

समयसारः अमितचन्द्रसूरिकृतः.

(1027) क 82 प. संस्कृतप्राकृतरूपः.

(B 296) क. 150 प. व्याख्या अमितचन्द्रसूरिकृता (कुन्दकुन्दाचार्यकृत-समयसारस्य व्याख्या).

समवसरणस्तुतिः विद्याधिपगणिकृता.

(896) क. 15-21 प.

सम्यक्त्वकौमुदी.

(513) क. 81 प.

सहस्रनामाराधना.

(B 728) क. 87-154 प.

सिद्धस्तोत्रं आशाधरसूरिविरचितम्.

(A 486) क. 30 प. सटीकम् असमग्रम्

स्तोत्रसंग्रहः.

(3816) क. 105 प.

(3817) क. 161 प.

(3988) क. 106 प.

स्वरूपसंबोधनं भट्टाकलङ्कदेवविरचितम्.

(A 595) क. 23 प.

(1029) ग्र. 18–23 प. केशवाचार्यकृतव्याख्यायुतम्.

स्वोपज्ञधर्मामृते सागारधर्मः.

(1029) क. 65 प. कर्णाटप्रतिपदयुतः.

XXX. इतरसामयिकग्रन्थाः.

अभिलषितार्थचिन्तामणिः (मानसोल्लासशास्त्रं) सोमेश्वरभूपतिकृतः

(A 200) दे. 110 प. (सर्वशास्त्रसंग्रहः)

तप्तमुद्रानिषेधविचारः.

(3303) आ. 43 प.

दुर्जनचपेटिका काशीनाथकृता.

(C 735) आ. 3 प. देवीभागवतस्यैव भागवतत्वव्यवस्थापिनी असमग्रा.

नवकोटिः (नारायणशब्दार्थः) रामशास्त्रिविरचिता.

(C 1729) ग्र. 7 प.

नवकोटिभेदिनी नरसिंहविपश्चित्कृता.

(B 845) आ. 54 प.

नारायणपददर्पणं नरसिंहविपश्चित्कृतम्.

(B 837) आ. 26 पु.

भगवन्नामकौमुदी नृसिंहसुतलक्ष्मीधरकृता.

(A 145) दे. 25 प.

(3612) ग्र. 51 प.

भगवन्नामसूर्योदयः बोधेन्द्रविरचितः.

(4113) आ. 16 प.

भगवन्नामामृतरसायनम् बोधेन्द्रविरचितम्.

(4113) आ. 37 प.

भगवन्नामामृतरसोदयः बोधेन्द्रविरचितः.

(3613) ग्र. 171 प.

(4112) आ. 157 प.

भस्मवादावाळिः.

(3354) ग्र. 28-738 प.

मतभेदचन्द्रिका रङ्गनाथशास्त्रिविरचिता.

(2877) ना. 54 प.

मूलस्तम्भशास्त्रं (स्वर्णकारपुराणम्.)

(1153) आ. 59 प.

(4093) क. 74 प.

(A 599) क. 260 प. सान्ध्रटीकं असमग्रम् विश्वकर्मपूर्वप्रयोगश्चात्र संकीर्णः.

वाधूलवंशपरम्परा.

(B 511) आ. 60 प.

विश्वकर्मपूर्वप्रयोगः.

(B 344) आ. 39 प.

वैदिकविजयध्वजः.

(B 725) क. 67 प.

वैदिकाचारनिर्णयः रामेन्द्रयोगिविरचितः.

(2849) आ. 36 प.

वैश्यवंशसुधाकरः कोलाचलमल्लिनाथकृतः.

(1894) आ. 24 प. (आन्ध्रभाषारूपः.)

शास्त्रविरुद्धाचारखण्डनं कृष्णमाचार्यकृतम्.

(2921) ग्र. 11+10 प.

सहस्रार्षिगोत्राध्यायः.

(1895) आ. 79-91 प. (वैश्यानां गोत्रादिनामानि)

सिद्धान्तसारसमुच्चयः.

(186) ना. 42-65 प. (पशुपाशादिपदार्थनिर्णयः.)

(2850) ना. 194 प.

XXXI. मन्त्रशास्त्रम्.

अक्षरार्थसंग्रहः.

(B 275) म. 101-124 प.

अगस्त्यसंहिता (श्रीराममन्त्रविषयः.)

(395) ना. 36 प. 32 अध्यायाः.

अण्डाण्डपिण्डाण्डचक्रैश्वयम.

(B 664) क.62–63 प.

अनुत्तरम्.

(B 637) ना. 7 प.

अन्तर्मातृकाबहिर्मातृकादिमन्त्राः.

(738) आ. 10 प.

अमृतकलानिधिः.

(905) ना. 104 तमं पत्रम्.

अष्टाक्षरीसंहिता नारदीया.

(B 172) क. 30 प.

आकाशभैरवकल्पः महाशैवतन्त्रम्.

(B 646) क. 39 + 51 प.

(2592) ग्र 160 प. शरभसाळ्वपक्षिराजकल्पः

आपदुद्धारकमन्त्रः.

(C 696) आ. 2 प.

आम्नायपारायणाविधिः.

(C 1011) क. 29 प.

आम्नायव्याख्या.

(C 1530) ग्र. 17–32 प.

आम्नायसारः.

(3723) ग्र. 59–63 प.

आम्नायस्तोत्रम्.

(B 634) ना. 29 प.

(B 639) ना. 47 प.

आम्नायस्तोत्रादि:.

(4197) ना. 47-131 प.

आसनलक्षणम्.

(50) ना. 77-83 प.

आसुरीकल्पः.

(342) आ. 28 प.

(922) आ. 4 प.

इन्द्राक्षीप्रत्यङ्गिरादिमन्त्राः.

(800) आ. 13 प.

उच्छिष्टगणपतिकल्पः.

(3400) प्र. 48 प.

उद्धारकोशः दक्षिणामूर्तीयः.

(3250) आ. 19 प.

उपदेशसर्वस्वसंग्रहः नारायणकृतः.

(3005) म. 22+37 प.

एकाक्षरगणपतिकल्पः भट्टलक्ष्मणकृतः.

(C 1384) दे. 21 प.

एकादशरुद्रस्नानम्.

(90) ना. 265-323 प.

ओड्डीशशास्त्रम्.

(2514) म. 35 प.

कक्षपुटयन्त्रं (शारदातिलकम्)

(1152) आ. 4 प.

कक्षपुटशास्त्रम् भवनाथपतिः.

(3895) म. 37 प.

कादिमतं नित्याषोडशिकातन्त्रम्.

(176) क. 39 प. 26 पटलाः 14-30 पत्रलोपः.

(176) क. 5-65 प. यन्त्रसिद्ध्यागमः.

(1838) दे. 20 प. 36 पटलाः.

(3521) ग्र. 113 प. 21 पटलाः.

(3950) आ. 101 प.

(176) क. 88 प. व्याख्या मनोरमा प्रपञ्चसारसिंहराजप्रकाशाभिध-सुभगानन्दनाथीया.

कामकला भास्कररायकृता.

(B 271) म. 49–62 प.

कामकलाविलासः पुण्यानन्दकृतः.

(2175) आ. 15 प.

(B 301) क. 120 प व्याख्या चिद्वल्ली नटनानन्दनाथीया.

(1311) ग्र. 104 प. ,, ,,

(2888) ना. 47 प. ,, ,,

(C 1534) ग्र. 8 प. ,, ,,

(B 896) ग्र. 113 प. ,, ,,

(B 897) ग्र. 113 प. ,, ,, समग्रा.

कार्तवीर्यकल्पः.

(C 384) दे. 6 प.

(C 549) आ. 21 प. डामरतन्त्रम्.

(C 572) आ. 10+13+3 प.

(709) ना. 35-67 प.

(C 468) दे 15 प. रुद्रयामळम्.

कार्तवीर्यार्जुनदीपविधिः.

(B 653) क. 22 प.

किरातपरमेश्वरमन्त्रः.

(1759) म. 5 प.

कुमारतन्त्रम्.

(3388) अ. 48 प.

(3619) ग्र. 44 प.

कुलार्णवः (महारहस्यम्)

(B 289) क. 136 प. 12 उल्लासाः.

(379) ना. 136 प. 16 ,,

(1664) क. 177-216 प. 10 ,,

(3511) ग्र. 21 प. 5-7 ,,

(3970) आ. 85-130 प. 14 ,,

कोष्ठलक्षणम्.

(2149) ग्र. 8 प.

कौलगीता विष्णुयामळे.

(3902) ग्र. 18 प.

कौलमतम् यन्त्रसिद्धयागमः.

(176) क. 5–65 प.

कौलविवाहविधिः कुलार्णवोक्तः.

(2517) ग्र. 6 प.

कौलश्राद्धविधिः.

(2517) ग्र. 1 प.

कौलोपनिषद्भाष्यं भास्कररायकृतम्.

(B 690) आ. 9 प. समग्रम्.

(B 892) ग्र. 13 प. ,,

क्रमदीपिका.

(3136) ग्र. 31–49 प.

(3136) ग्र. 50-75 प. व्याख्या भावदीपिका नित्यप्रज्ञपुरुषोत्तमरचिता.

क्रममालिका.

(3136) ग्र. 76–114 प.

क्षुद्रमन्त्राः.

(2365) ग्र. 17 + 21 द्राविडभाषारूपाः.

खड्गरावणादिमन्त्राः.

(B 679) दे. 22-60 प.

खेचरीपटलः आदिनाथकृतः.

(B 225) क. 28 प. अस.

(C 170) दे. 13 प.

गणपतिकल्पः (नित्योत्सवाभिनवः) उमानन्दनाथविरचितः.

(C 798) दे. 21 प.

(C 696 दे. 3 प.

(795) दे. 48 प. रुद्रयामळोक्तः.

(2210) आ. 154 प. ,,

(3489) ग्र. 160 प.

गणपतिमन्त्रः.

(C 1435) दे. 13 प.

गणपतिमालामन्त्रः.

(B 279) म. 4-10 प.

गण्डभेरुण्डमन्त्रः.

(C 860) क. 8 प.

गरुडपञ्चाक्षरीकल्पः (काश्यपसंहिता)

(1309) आ. 37 प. अस.

गरुडमन्त्रः.

(B 545) क. 14-17 प.

गायत्रीकल्पः (वसिष्ठसंहिता)

(B 348) आ. 95 प.

(C 797) आ. 42 प.

(B 352) क. 40 प.

(2927) प्र. 6 प.

गायत्रीचक्रम् (पार्वतीपरमेश्वरसंवादः)

(C 617) दे. 6 प.

गायत्रीमालामन्त्रः.

(55) ना. 4 प.

गायत्रीयन्त्रविधिः (वसिष्ठसंहिता)

(395) ना. 3. प.

(C 696) दे. 3 प.

गायत्रीसंहिता (वैश्वामित्रे-वासिष्ठे)

(20) ना. 344-371 प.

गायत्रीहोमविधिः.

(B 276) म. 58 प.

गुरुत्रयादिसप्ततिमन्त्राः.

(707) क. 47 + 29 प.

गोपालतापनीयदीपिका विश्वेश्वरानन्दीया.

(3136) प्र. 17 प.

गोपालमन्त्रः सनत्कुमारसंहिता.

(C 696) आ. 4 प.

(3136) म. 115-123 प. स्तोत्रादिकं च.

चण्डिकापद्धतिः.

(B 669) ना. 15 प.

चण्डीपूजाविधिः.

(B 666) ना. 13 प.

चण्डीविधानं वाराहीतन्त्रम्.

(B 658) ना. 143 प.

(B 710) आ. 88 प.

चन्द्रज्ञानार्णवसंग्रहः.

(3902) म. 41 प. 7 पटलाः.

चन्द्रमन्त्रः.

(86) म. 70-73 प.

चिदम्बरप्रयोगसम्मेळनम्.

(A 114) क. 10 पु.

चिदम्बरमहाचक्रनिर्णयः.

(A 114) क. 4 पु.

चिद्गगनचन्द्रिका काळिदासकृता.

(3723) म. 121-145 प.

(B 368) क. 46 प. 272 श्लोकाः.

जातवेदसकल्पः.

(B 623) आ. 5 प.

जालन्धरतन्त्रम्.

(C 739) आ. 16 प. 9-19 पटलाः.

ज्ञानप्रदीपिका श्रीराममन्त्रशास्त्रम्.

(1152) आ. 18 प. 80-98 पटलाः.

ज्ञानार्णवः (नित्यातन्त्रम्.)

(1664) क. 71-110 प.

(3954) आ. 115 प. 25 पटलाः.

(B 267) क. 186 प.

ज्ञानार्णवसारः.

(1823) ना. 19 प. 80-95 पटलाः.

ज्ञानोदयसारसंग्रहः महेन्द्रमुनिकृतः.

(911) आ. 67-79 प.

डामरकल्पः (निर्वाणनित्यातन्त्रसारः)

(712) आ. 70 प. 14 अध्यायाः.

(1901) ग्र. 39 प. 13 ,,

(1902) आ. 31-93 प.

तत्त्वस्वरूपप्रकाशः श्रीनाथविरचितः.

(C 95) दे. 44 प.

ताराभक्तितरङ्गिणी विमलानन्दनाथीया.

(C 237) आ. 95 प.

(B 706) आ. 10 प. असमग्रा.

त्रिकूटरहस्यं (रुद्रयामळम्)

(C 191) दे. 38 प. 16 पटलाः.

(B 630) क. 46 प.

(B 632) क. 22 प. 16 पटलाः.

त्रिपुरसुन्दरीमालामन्त्रः.

(C 571) आ. 6 प.

त्रिपुरसुन्दरीहृदयं (रुद्रयामळम्.)
(C 1621) आ. 12 प.

त्रिपुरापूजाविधिः.
(4197) ना. 33-46 प.

त्रिपुरासारसमुच्चयः भट्टनाथकृतः.
(B 126) आ. 40 प.

त्रिपुरासिद्धान्तप्रकरणं अमृतानन्दविरचितम्.
(4197) ना. 32 प.

त्रिपुरोपनिषद्भाष्यं भास्कररायकृतम्.
(B 337) आ. 53 प.
(B 892) ग्र. 48 प.

त्रिशतीभाष्यं शङ्कराचार्यकृतम्.
(2593) ग्र. 47 प.

त्रैलोक्यमोहनकवचम्.
(B 648) क. 6 प.

त्र्यम्बककल्पः वासिष्ठः.
(3159) ग्र. 19 प.

त्वरितरुद्रविधानं (रुद्रयामळम्)
(C 249) ना. 11 प

दक्षिणामूर्तिकल्पः.
(264) आ. 146 प.
(1135) ना. 2-10 प.
(1653) आ. 19 प. वामदेवसंहितायाम.
(B 616) क. 19-40 प.

दक्षिणामूर्तिपञ्जरम्.
(1320) म. 3 प.

दक्षिणामूर्तिपद्धतिः काशिनाथसंगृहीता.

(709) ना. 34 प.

दक्षिणामूर्तिमन्त्रसंग्रहः.

(114) ना. 24-52 प. (नारदीय-षड्विंशतिकाण्ड-ब्रह्माण्डपुराण-दिगम्बर-रनटनतन्त्र-शिवतत्त्वोपनिषत्-शिवपुराणादिभ्यः संगृहीत.)

(C 564) आ. 28 प. ,,

(C 1622) आ 11 प.

दक्षिणामूर्तिमाला शिवतत्त्वोपनिषत्.

(C 250) ना. 4 प

दाक्षिणामूर्तियन्त्रम्.

(916) आ. 2 प.

दक्षिणामूर्तिसंहिता.

(C 275) दे. 80 प.

(B 571) क. 107 प.

(3954) आ. 116-196 प. 35 पटलाः.

दत्तात्रेयकल्पः.

(2028) आ. 24 प.

(C 813) ना. 59 प. 2-4 पत्रलोपः असमग्रः.

दत्तात्रेयतन्त्रम्.

(C 569) आ. 27 प.

दत्तात्रेयमन्त्रः.

(B 934) दे. 122 पु.

दत्तात्रेयसंहिता.

(B 154) दे. 30 प.

दिव्यमङ्गळध्यानम्.

(B 281) म. 16-38 प.

दीक्षापद्धतिः.

(C 195) दे. 12 + 2 प. सिद्धारियन्त्र-प्राणप्रतिष्ठाविधिश्च.

दीक्षाविधिः. परमानन्दतन्त्रगतः

(2270) ग्र. 22 प.

(B 610) दे. 15 प.

दुर्गामन्त्रः.

(B 686) ना. 18+5 प

दुर्गाविश्वचालिनी विधानम्.

(B 577) ना. 20-88 प.

दूतीयागविधिः.

(B 339) आ. 17-29 प.

देवताध्यानसंग्रहः.

(C 1086) दे. 53 प.

देवीनित्यार्चनाविधिः.

(706) क. 109 प. मध्ये 13 पत्रलोपः.

देवीपूजाविधिः.

(707) क. 17 प.

(2350) ग्र. 63-174 प.

(2368) ग्र. 38 प.

(2592) ग्र. 161-170 प.

देवीमन्त्रसंग्रहः.

(2153) ना. 26 प.

देवीमहामन्त्र-चण्डीहृदय-संध्याविधि-शक्तिशुद्धमालादिः.

(1020) आ. 27 प.

देवीसूक्तं रुद्रयामळप्रोक्तम्.

(C 1133) दे. 13 प.

दैवशाबरमन्त्राः.

(C 548) आ. 40 प.

द्वात्रिंशद्गोपालः शूलिन्यादिमन्त्रश्च.

(912) आ. 6 प.

धरणीपञ्चदशी.

(86) ग्र. 70-73 प.

नवग्रहकल्पः.

(C 585) आ. 82 प.

(3504) ग्र. 39 प.

नवग्रहचक्रप्रकरणम्.

(55) ना. 13 प.

(C 600) आ. 13 प.

नवग्रहदिक्पालप्रयोगः.

(658) आ. 32-50 प.

नवावरणपूजाविधिः.

(B 280) म. 114 प.

नारायणीयं मन्त्ररहस्यम्.

(1908) ग्र. 25-101 प.

(2085) ग्र. 111 प.

नित्योत्सवनिबन्धः उमानन्दनाथविरचितः.

(2520) ग्र. 3-36 प. सप्तमोल्लासः.

निधिप्रदीपिका (सिद्धशाबरतन्त्रसारः) श्रीकण्ठशम्भुविरचिता.

(B 139) आ. 35 प.

(B 802) क. 10 प.

निर्वाणदीक्षा आचार्याभिषेकाविधिश्च.

(917) आ. 35+6 प.

नृसिंहकल्पः.

(C 577) दे. 9 प. (अथर्वणरहस्यम्)

(B 647) क. 62 प. (ज्ञानार्णवः)

नृसिंहयन्त्रविचारः.

(401) ग्र. 26-30 प.

न्यासप्रकरणम्.

(B 682) ना. 11 प.

पञ्चतत्त्वप्रकाशः.

(C 1437) दे. 13 प.

पञ्चदशीपूर्वोत्तराङ्गम्.

(B 216) आ. 22 पु.

पञ्चमयागविधिः.

(B 339) आ. 18 प.

पञ्चमुखहनुमत्कल्पः.

(709) ना. 20 प.

पञ्चमुखहनुमन्मन्त्रसंग्रहः.

(B 248) क. 12 प.

(1024) आ. 18-28 प. उच्छिष्टगणपतिमन्त्रश्च.

पञ्चाक्षरीकल्पः (विमलागमः.)

(C 598) आ. 5 प.

पञ्चाक्षरीमहात्म्यादयः.

(86) ग्र. 70-73 प.

परमार्थसारविवृत्तिः योगराजशिष्यकृता.

(C 1531) दे. 60 प.

परशुरामसूत्रम्.

(B 254) क. 142 प.

(1664) क. 49 प.

परापद्धतिः बालरामीया.

(3394) ग्र. 39 प.

पराषोडशाक्षरीमन्त्रः.

(90) ना. 265-323 प.

पाशुपतास्त्रम्.

(3972) आ. 167+75 प.

पुरश्चर्यापद्धतिः.

(C 779) दे. 20 प.

पुरुषसूक्तयन्त्रम्.

(2347) ग्र. 1 प.

पूजापद्धतिः भास्कररायविरचिता.

(B 894) ग्र. 94 प.

पूर्वषोढान्यास-चक्रन्यास-मन्त्रार्थसंकोच-अर्चनरहस्यादीनि.

(C 168) दे. 14 प.

प्रणवकल्पः (स्कान्दे)

(3715) ग्र. 10 प.

प्रणवोपनिषत्कल्पः (ओंकारयोगः) अथर्वशिखा.

(B 159) क. 10 प.

प्रातिक्रिकास्तोत्रम्.

(B 641) क. 4 प.

प्रत्यङ्गिराकल्पः शूलपाणिसंगृहीतः.

(709) ना. 12 प.

(2357) ग्र. 25

(2363) ग्र. 63 प.

(3897) ग्र. 22 प.

(A 587) क. 104 प.

(A 588) क. 83 प.

(B 684) ना. 24 + 8 प.

(C 696) आ. 4 प.

प्रत्यङ्गिरादिमन्त्रसंग्रहः.

(3591) ग्र. 131 प.

प्रत्यङ्गिरायन्त्रराजादियोगाः श्रीकण्ठसंकलिताः.

(56) आ. 11 प.

प्रत्यङ्गिराविंशत्यक्षरी.

(56) आ. 1 प.

प्रत्याङ्गिरासूक्तम्.

(55) ना. 4 प.

प्रत्याङ्गिरासूक्तप्रयोगः.

(56) आ. 35 प.

प्रत्यङ्गिरावाहनाविधिः.

(B 273) म. 86-97 प.

प्रपञ्चसारः.

(176) क. 23 प. 11-34 पटलाः.

(771) ना. 3 + 65-234 प.

(792) ग्र. 224 प.

(A 400) क. 143 प.

(A 377) क. 262 प टीका संबन्धदीपिका उत्तमबोधीया.

प्रपञ्चसारदीपनम्.

(A 548) आ. 138 प. 28 पटलाः.

प्रपञ्चसारबोधदीपः प्रत्यबोधकृतः.

(4087) आ. 109 प.

प्रपञ्चसारसंग्रहः गीर्वाणेन्द्रविरचितः.

(2342) ग्र. 185 प. 1-11 पटलाः.

(3275) ग्र. 191 प.

(3316) ग्र. 100 प. 11-26 पटलाः.

प्रस्तारसहस्राक्षरी.

(C 203) दे. 6 प.

बगळाब्रह्मास्त्रम्.

(2590) ना. 16 प.

बालापद्धतिः पूर्णानन्दरचिता.

(2665) आ. 12 प.

बालामन्त्रः.

(2028) आ. 16-38 प.

बिन्दुसूत्रं भैरवानन्दरचितम्.

(2626) ग्र. 2 प. 2 अध्यायौ.

भगवद्गीतादिमन्त्राः.

(2190) आ. 32+32 प.

भस्मस्नानविधिः.

(C 616) आ. 7 प.

भावनोपनिषत्प्रयोगविधिः भास्कररायकृतः.

(B 271) म. 329-345 प.

(B 892) प्र. 17 प.

(C 1525) आ. 6 प.

भावनोपनिषद्भाष्यम् भास्कररायप्रणीतम्.

(B 892) प्र. 27 प.

भिमरूपी (महाराष्ट्रभाषा)

(C 205) दे. 3 प.

भुवनेश्वरीकल्पः.

(B 616) क. 18 प. असमग्रः.

(3399) प्र. 80 प.

भुवनेश्वरीमन्त्रः.

(55) ना. 2 प.

भेताळेश्वरमन्त्रः आभिचारिकप्रयोगः मलयाळतन्तुप्रयोगश्च.

(1022) आ. 17 प.

मण्डपलक्षणम्.

(C 570) आ. 9 प.

मनुचिद्बोधचन्द्रिका विश्वरूपधराचार्यविरचिता.

(3949) आ. 332 प. मध्येमध्ये 64 पत्रलोपः.

मन्त्रचिन्तामणिः आदिनाथीयः.

(B 801) ना. 8 प. 2 पटलौ.

मन्त्रदेवताप्रकाशिका.

(395) ना. 1 प.

(1862) प्र. 79 प. 30 पटलाः.

(A 570) क. 128 प. असमग्रा.

मन्त्रमहोदधिः महीधरकृतः.

(3250) आ. 20-72 प.

(C 774) दे. 10 प. द्वितीयस्तरङ्गः.

मन्त्ररहस्यं नारायणमुनिकृतम्.

(176) क. 8+7 प. 25 अध्यायाः.

मन्त्रराशिः (सिद्धान्तसारः)

(C 192) दे. 18 प.

मन्त्रोद्धारशतकम्.

(1899) म. 25+46-51 प. केशवादिमन्त्राश्च.

मन्युसूक्तकल्पः.

(C 627) दे. 24 प.

महादिग्बन्धक्रमः.

(902) ना. 2 प.

महान्यासः बोधायनीयः.

(C 187) दे. 15 प.

(1640) आ. 29 प.

महायागविधिः आनन्दतन्त्रगतः.

(2517) म. 6-10 प.

महार्थमञ्जरी परिमळःगोरक्षापरनामधेयमहेश्वरानन्दकृतः.

(B 887) प्र. 595 प.

महालक्ष्मीरत्नकोशः परमेश्वरविरचितः.

(3017) म. 130 प. 1-38 अध्यायाः.

महाविद्यासंग्रहः (षड्विद्यागमः)

(C 567) आ. 19 प.

महाविद्यास्तोत्रमन्त्रः.

(1019) आ. 20 प.

महासुदर्शनहोमविधिः.

(B 273) म. 107-117 प.

मातृकाचक्रं स्वतन्त्रानन्दकृतम्.

(1312) ग्र. 193 प. शिवानन्दकृतविवेकाख्यव्याख्यायुतम्.

(3723) ग्र. 72-100 प. व्याख्या.

मातृकाचक्रविवेकः.

(3723) ग्र. 64-71 प.

मातृकाचक्रविवेकविवृत्तिः शिवानन्दमुनिविरचिता.

(B 890) ग्र. 276 प. पूर्वभागः.

(B 891) ग्र. 277-516 प. उत्तरभागः.

मातृकास्तोत्रम् आकाशभैरवकल्पः.

(B 642) क. 3 प.

मृत्युञ्जयमन्त्रः.

(921) आ. 2 प.

यक्षिणीविधानम्.

(2469) ग्र. 20 प.

यन्त्रचिन्तामणिः (वश्याधिकारः)

(4097) ग्र. 28-33 प.

यन्त्रभूषणं रामचन्द्रविरचितम्.

(A 113) क. 20 पु. सव्याख्यम् (श्रीचक्रलेखनक्रमः) असं.

यन्त्रोद्धारलक्षणादिः.

(50) ना. 49-52 प.

योगिनीस्वरूपम्.

(C 629) क. 7 प.

योगिनीहृदयं वामकेश्वरतन्त्रोक्तम्.

(B 369) क. 24 प.

(B 568) क. 25 प.

(B 568) क. 265 प. अमृतानन्दरचिताटीका दीपिकाख्या.

(C 233) आ. 39–106 प. ,, ,,

(C 1732) दे. 115 प. ,, ,,

रक्तेश्वरीप्रलयाग्निशलभगरुडमन्त्राः.

(2270) ग्र. 11 प.

(B 668) ना. 8 प.

रसरत्नाकरः (मन्त्रखण्डः)

(1886) ग्र. 46 प. 1–20 उपदेशाः,

राजराजेश्वरीध्यानम्.

(2734) ग्र. 93-96 प.

(3160) ग्र. 40 प. पूजाविधिश्च.

राजश्यामलाकल्पः (महालक्ष्मीरत्नकोशे)

(1664) क. 134–135 प.

रामकवचम्.

(B 673) दे. 6 प.

रामतत्त्वनिर्णयः.

(50) ना. 42–47 प.

रामतापन्युपनिषद्व्याख्या.

(2942) ग्र. 17 + 13 प. रामयतिकृता.

(A 335) क. 37 प. आनन्दवनयतिकृता.

रामतारकानिरूपणम्.

(50) ना. 52–54 प.

राममन्त्रकल्पः.

(B 775) आ. 24 प.

राममन्त्रसंग्रहः.

(50) ना. 100 प.

(895) आ. 52-86 प. सन्ध्या-कवच- सहस्राक्षरी-प्रयोगपूजादयः.

राममालामन्त्रस्तोत्रं कौशिककृतम्.

(1716) ना. 12-13 प.

रामार्चनचन्द्रिका आनन्दवनयतिविरचिता.

(395) ना. 37-73 प. 3 पटलाः.

(1661) ना. 34-66 प. ,,

(2176) आ. 24 प. ,,

(C 140) आ. 130 प. 81-86 पत्रलोपः.

(C 560) आ. 16 प.

लक्ष्मीनारायणहृदयम्.

(B 667) ना. 28 प.

लक्ष्मीनारायणहृदयादिकल्पः.

(1433) आ. 39 प.

लक्ष्मीनृसिंहजपविधिः.

(C 227) दे. 10 प.

ललितात्रिशतीव्याख्या शङ्कराचार्यकृता.

(A 251) आ. 51 प.

(B 132) आ. 102 प.

(B 312) क. 90 प. असमग्रा.

ललितापञ्चशती.

(C 1138) क. 10 प.

ललितामाला.

(C 480) दे. 17 प.

ललितासहस्रनामभाष्यम्.

(A 108-110) क. भास्कररायकृतम्.

(1898) आ. 42 प. ,,

(2066) आ. 178 प. ,,

(B 272) म. 358 प. भट्टनारायणकृतम्.

(B 300) क. 161 प. ,, पूर्वार्धम्.

(2593) ग्र. 74 प. ,,

(2468) आ. 89 प. विद्यारण्यविरचितम्.

वरिवस्यारहस्यं भास्कररायकृतम्.

(B 271) म. 250-255 प.

(B 372) आ. 14 प.

(B 277) म. 126 प. स्वीयभाष्ययुतम्.

(B 302) आ. 115 प. ,,

(B 345) आ. 113 प. ,,

(B 893) ग्र. 106 प. ,,

वशीकरणमन्त्रः.

(B 674) दे. 4 प.

वश्यादियोगाः.

(C 189) दे. 26 प. सान्ध्रटीकाः.

(1759) म. 10+5 स्त्रीवश्यं सर्वजनवश्यम्.

वायुस्तुतिपुरश्चरणपद्धतिः.

(C 1139) दे. 10 प.

विज्ञानभैरवः सव्याख्यः.

(B 126) आ. 104-112 + 40-80 प.

विद्यानुवादः भट्टाकलङ्कः.

(A 537) क. 300 पु.

विनायककल्पः.

(B 288) क. 136 प.

(B 273) म. 65-68 प.

(C 606) दे. 22 प. (कुमारसंहिता.)

(1664) क. 136-176 प.

विरूपाक्षपञ्चाशिका शास्त्रतात्पर्यान्वयदीपिका.

(B 169) आ. 32 प.

(B 895) ग्र. 82 प. व्याख्या महामहेश्वराचार्यविद्याचक्रवर्तिविरचिता

वीरभद्रादिकवचम्.

(1938) ना. 21 प. (वीरभद्र-हनुमत्-राम-हनुमान्मालामन्त्राश्च)

शक्तिपञ्चाक्षर्यादिमन्त्राः.

(1021) आ. 28 प (पञ्चदशी-त्रिदशी-भुवनेश्वरी-सौभाग्यसुन्दरीकवच-पापपुरुषदहन-शूलिनीप्राणयन्त्रादयश्च.)

शनैश्चरकल्पः.

(C 384) दे. 3 प.

शबराञ्जनेयमन्त्रादयः.

(342) आ. 28 प. (हनुमद्भुजङ्ग-सहस्रनाम अथर्वणभद्रकाळी-प्रत्यङ्गिरा-कल्पादयः.)

शरभकल्पः (आकाशभैरवकल्पान्तर्गतः.)

(350) आ. 137 प. 28 अध्यायाः.

(2317) ग्र. 33 प.

(4252) ग्र. 99 प.

(2592) ग्र. 160 प.

(B 651) दे. 15 प.

शारदाकल्पः.

(2701) ना. 5 प.

शारदातिलकसंग्रहः.

(1091) ना. 13 प. 7 पटलाः

शिवसूत्रव्याख्याप्रदीपिका वरदराजविरचिता.

(3723) प्र. 43-59 प.

शूलिनीकल्पः.

(B 577) ना.20 प.

श्यामाप्रकरणम्.

(C 1433) दे. 6 प.

श्रीचक्रलक्षणम्.

(342) आ. 1 प.

(707) क. 24-28 प.

(905) ना. 34 तमं पत्रम्.

श्रीचक्रार्चनापद्धतिः.

(B 661) ना. 8 प.

(B 663) क. 20 प.

(B 675) ना. 29 प.

(C 796) आ. 46 प.

श्रीतत्वनिधिः कृष्णराजकृतः.

(C 490) क. 122 प.

श्रीविद्याभुवनालंकारसंजीविनीभाष्यं शङ्कराचार्यकृतम्.

(B 126) आ. 113-205 प.

श्रीविद्यामन्त्रभाष्यं अगस्त्यमुनिकृतम्.

(A 115) क. 11 पु.

(B 340) आ. 8 प.

(B 603) ना. 18 प.

(B 698) आ. 6 प.

(2063) आ. 10 प.

श्रीविद्यामन्त्रविधिः.

(2063) आ. 59 प.

(B 652) दे. 15 प.

श्रीविद्यारत्नसूत्रप्रदीपिका शङ्करारण्यकृता.

(B 128) आ. 20 प.

(C 1529) ग्र. 16 प.

श्रीविद्यार्चनापद्धतिः मातृकानन्दनाथकृता.

(658) आ. 32-50+23 प.

श्रीविद्याविलासः नागानन्दनाथविरचितः.

(3298) आ. 31 प. चतुर्थोल्लासः.

(B 724) क 171 प. 1-5 विलासाः.

श्रीशैलदक्षिणाद्वारस्थलकल्पः.

(C 266) आ. 48 प.

श्रीसूक्तकल्पः.

(2349) ग्र 17-19 प.

(B 768) क. 9 प.

(B 697) आ. 10 प.

श्वेतार्कगणपतिकल्पः डामरतन्त्रम्.

(1152) आ. 3 प:

षट्कर्मनिर्णयः (कुलार्णवीयः)

(C 1434) दे. 4 प.

षडध्वन्यासः.

(102) आ. 240-263 प.

(901) ना. 162-164 प.

सन्तानगोपालकल्पः.

(C 575) आ. 8+5+3+4 प.

सन्तानगोपालमन्त्रः.

(C 461) दे. 139-143 प.

(3972) आ. 157-167 प.

सन्तानभुवनेश्वरीमन्त्रः.

(C 461) दे. 144-145 प.

सरस्वतकिल्पः.

(2511) ना: 18 प.

सरस्वतीमन्त्रसंग्रहः.

(1759) म. 12 प.

सर्वशान्तिस्तवः विश्वचालनतन्त्रम्.

(2595) म. 4 प.

साङ्ख्यायनतन्त्रं (षड्विद्यागमः)

(C 234) आ: 50 प. 33 पटलाः.

(1896) आ 58 प.

सावित्रीपञ्जरात्रिभागयोगः.

(56) आ. 8 प. (वसिष्ठसंहितायां षष्ठोऽध्यायः)

सिद्धशाबरतरङ्गिणीतन्त्रम्.

(1716) ना. 60-71 प.

सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः गोरक्षनाथकृता.

(B 895) ग्र. 84 प.

सिद्धारिविषयः.

(C 578) आ. 11 प.

सिद्धिप्रदीपिका (आम्नायविधिः)

(B 268) क. 42 प.

(1664) क. 111-121 प.

सुदर्शनकल्पः अगस्त्यकृतः

(3232) ग्र. 66 प.

सुदर्शनकल्पसारसमुच्चयः दुर्वासःकृतः.

(327) ग्र. 30 प.

(786) आ. 25 प.

(2114) आ. 33 प.

(1908) ग्र. 24 प.

सुब्रह्मण्यकल्पः.

(4116) ग्र. 19 प.

सुब्रह्मण्यमन्त्रः.

(2347) ग्र. 1 प.

सुभगोदयपद्धतिः.

(B 232) क. 30 प.

सुरेन्द्रसंहिता (पञ्चास्त्रागमे श्यामलाकल्पः.)

(1664) क. 50-70 प.

(2028) आ. 27 प. 22 पटलाः.

(B 258) क. 86 प.

सूर्यपूजादिमन्त्रसंग्रहः.

(2706) ना. 45 प.

सेतुबन्धः भास्कररायकृतः.

(A 265) आ. 177. प. नित्याशोडशिकातन्त्रव्याख्या 5 पटलाः.
(A 266) आ. 198 प. ,, 6-8 ,,
(A 340) आ. 48 प. ,, 6 ,,
(B 888) ग्र. 181 प. ,, षष्ठः ,,
(B 889) ग्र. 284 प. ,, सप्तमः ,,

सौभाग्यकवचं वामकेश्वरतन्त्रम्.

(B 640) क. 5 प.

सौभाग्यचिन्तामणिः महेश्वरः.

(2521) ग्र. 143 प. (अयं ग्रन्थः 52 पटलात्मकः) 29 पटलाः.

सौभाग्यतन्त्रं अमृतानन्दनाथकृतम्.

(B 317) क. 260 प.

सौभाग्यरत्नाकरः श्रीविद्यानन्दनाथकृतः

(B 635) ना. 16 प.
(B 569) क. 17-46 प.
(3553) ग्र. 209 प.

सौभाग्यसुधोदयः अमृतानन्दनाथकृतः.

(B 367) आ. 14 प. 6 प्रपञ्चाः.

सौभाग्यहृदयं (ब्रह्मयामळम्)

(918) आ. 37 प.

स्तम्भनोच्चाटनादिमन्त्रसंग्रहः.

(55) ना. 46 प.

स्वच्छन्दपद्धतिः मधुसूदनसाच्चिदानन्दकृता.

(C 783) आ. 50 प.

हनुमत्कवचम्.

(B 671) आ. 8 प.

हनुमन्मन्त्रसंग्रहः.

(C 573) आ. 13 + 5 प.

XXXII. आगमः.

(1) पाञ्चरात्रम्.

अग्निमुखादिप्रयोगः.

(3543) ग्र. 50-71 प.

अर्चनातिलकं नृसिंहवाजिपेयिविरचितम्.

(A 528) ग्र. 9 प.

अर्चनानवनीतं केशवनृसिंहविरचितम्.

(3857) ग्र. 18-32 प.

अष्टाक्षरब्रह्मविद्या नारदप्रोक्ता.

(B 926) आ. 16 प.

अहिर्बुध्न्यसंहिता.

(A 290) क. 205 प.

ईश्वरतन्त्रव्याख्या अळसिङ्गभट्टकृता.

(B 534) आ. 128 प.

ईश्वरसंहिता.

(3681) ग्र. 368 प.

उत्सवादिप्रयोगसंग्रहः,

(244) आ. 121-192 प. कपिञ्जलसंहितानुसारी.

(1359) ग्र. 139-183 + 6 प.

(1669) आ. 160 प.

उद्वासनप्रबन्धः.

(1352) ग्र. 29 प.

ऋषिरात्रं ब्रह्मसंहिता.

(A 290) क. 205 प.

कपिञ्जलसंहिता.

(244) आ. 119 प. 32–51 पत्रलोपः.

कल्याणोत्सवकल्पः.

(244) आ. 193–197 प. (पाद्मे)

क्रियाकैरवचन्द्रिका नृसिंहयज्वकृता,

(1282) ग्र. 26–80 प.

पराशरसंहिता.

(B 191) आ. 142 प.

पवित्रारोपणाद्युत्सवप्रयोगः.

(1349) आ. 33–120 प.

पाञ्चरात्रनिबन्धः.

(1397) आ. 205 प. (प्रायश्चित्त-प्रतिष्ठा-पूजा-ब्रह्मोत्सवादिविषय-समलंकृतः.)

पाद्मसंहिता.

(1853) ग्र. 33+33 प.

(2550) आ. 13 प. (प्रतिष्ठाविधिः.)

(3461) ग्र. 478 प.

(4196) ग्र. 157 प.

पारमेश्वरसंहिता.

(2369) ग्र. 205 प. (प्रतिष्ठापद्धतिः.)

पूजापद्धतिः (पाञ्चरात्रे).

(242) ग्र. 59+41 प. (पुण्याह–अङ्कुरार्पण-कल्याणोत्सव–महोत्सव-प्रयोगाः.)

157) ग्र. 8 प.

(3737) ग्र. 14 प.

पौष्करागमः.

(3846) ग्र. 140–199 प. ज्ञानपादः.

(3480) ग्र. 237 प.

प्रकाशसंहिता.

(C 1415) दे. 58 प.

(C 1853–1854) दे. 43 + 50 प. समग्रा.

(C 1705) दे. 20 प. असमग्रा.

(4202) ना. 47 प. प्रथमभागः.

प्रतिष्ठापद्धतिः.

(B 794) आ. 82 प.

प्रतिष्ठाविधिः (गृहार्चा.)

(3642, आ. 35+15 प.

प्रायश्चित्तसंग्रहः.

(3481) ग्र. 196 प.

ब्रह्मोत्सवादिप्रयोगः.

(1993) ग्र. 30 प.

(2151) क. 16-169 प.

भगवदाराधनसंग्रहः (पाञ्चरात्रे.)

(928) ग्र. 64 प. अग्निमुख-उपरिष्टात्तन्त्र-महोत्सव अवभृथ-पुण्ययाग-आशीर्वाद-गरुडदण्डक-महासंकल्प-कल्याणोत्सव-भक्तप्रतिष्ठा-निर्वचनसंग्रहादयः.)

भेरीताडनादिविधः.

(3807) आ. 31 + 8 प.

लक्ष्मीतन्त्रम्.

(3688) ग्र. 89 प.

वनभोजनविधिः (भरद्वाजसंहिता.)

(1782) ना. 2 प. पञ्चत्रिंशोऽध्यायः.

विमानस्थापनादिविधिः.

(3933) ग्र. 61-90 प.

विष्णुप्रतिष्ठाविधिः नृसिंहवाजपेयिविरचितः.

(B 937) ग्र. 47 प.

विष्णुरहस्यम्.

(4203) आ. 117 प. समग्रम्.

संप्रोक्षणविधिः.

(1497) ग्र. 4 प.

(3653) ग्र. 12 प. शौनकीयः.

सात्वतसंहिताव्याख्या अळसिङ्गभट्टकृता.

(3058) ग्र. 32-63 प. 8-25 अध्यायाः.

(2) वैखानसागमः.

कौतुकलक्षणरथलक्षणम्.

(B 899) आ. 10 प. समग्रम्.

वैखानससंहिता भृगुप्रोक्ता.

(210) ग्र. 180 प.

(1087) ग्र. 10-139 प. क्रियाधिकारः 34 अध्यायाः 65-66 पत्रलोपः.

वैखानससूत्रम् मरीचिप्रोक्तम्.

(1921) ग्र. 163 प. 45 पटलाः.

(610) ग्र. 236 प. वासाधिकारः.

वैखानसागमः मरीचिप्रोक्तः.

(1359) ग्र. 138 प. (विमानार्चनकल्पः) 70 पटलाः.

(A 540) ग्र. 241 प. 96 पटलाः.

संकल्पगद्यादयः.

(1359) ग्र 6 प.

संधानसेवा.

(2515) ग्र. 33 प. सकर्णाटटीकायुता.

सर्वप्रतिष्ठाविधिदर्पणम् नृसिंहयज्वकृतम्.

(1087) ग्र. 140–200 प.

(1359) ग्र. 3-50 प.

(3) शैवागमः.

अंशुमत्तन्त्रम्.

(3725) ग्र. 37-73 प.

अर्चनाविधिसंग्रहः.

(4142) ग्र. 140 प.

(4143) ग्र. 178 प.

(4144) ग्र. 85 प. (कुमारतन्त्रे)

(4147) ग्र. 60 प.

(4149) ग्र. 270 प.

(4153) ग्र. 333 प.

(4154) ग्र. 122 प. (सूक्ष्मागमानुसारी.)

अष्टत्रिंशत्कला.

(90) ना. 265–323 प.

आगमार्थसंग्रहः.

(258) ना. 78 प.

आर्द्रोत्सवाद्युत्सवपटलः.

(174) आ. 11–18 प. (कारणागमे.)

आवरणपूजादिः.

(420) ना. 83-90 प.

आशीर्वाक्यम् (ब्रह्मघोषः.)

(89) आ. 32 प.

उत्सवविधिः.

(174) आ. 10 प.

(346) आ. 160–168 प.

कारणागमः (प्रतिष्ठातन्त्रम्.)

(226) ग्र. 108 प. कल्याणोत्सवपटलादयः.

(248) ग्र. 24 + 55 प. नित्यपूजाविध्यादयः.

(4146) ग्र. 107 + 117 प. क्रियापादः.

कारणागमानुसारिपूजापद्धतिः.

(307) ना. 110 प. (महास्नपन-मनोन्मनीपूजा-नित्यार्चन-संप्रोक्षण-दुर्गा-गणपति-क्षेत्रपाल-अभयंकर-वास्तुपुरुष-भैरव-भीमरुद्रपूजाविधयः).

कौलोत्तरागमः (सार्धत्रिशतिका.)

(B 783) क. 90-117 प. 27 पटलाः.

(3720) ग्र. 128 प. (खण्डितः कोशः.)

किरणतन्त्रम्.

(B 812) क. 31 प. ज्ञानपादः.

कुमारतन्त्रम्.

(3388) ग्र. 48 प.

(3619) ग्र. 44 प.

कृत्तिकादीपनिर्णयः

(414) आ. 34 प.

क्रियाक्रमज्योतिः (नित्याक्रियाक्रम) अघोरशिवाचार्यकृतम्.

(174) आ. 9 प. अस.

(289) म. 47 प. विशेषदीक्षाविध्यन्तम्.

(302) म. 26-56 प. (अस.)

(207) आ. 105 प.

(420) ना. 82 प. चम्पकन्यासान्तम्.

(4148) म. 52 प.

(4151) म. 22 प.

क्रियाक्रमसारावळिः सायणाचार्यकृता.

(170) ना. 150 प.

जीर्णोद्धारदशकम् सव्याख्यम्.

(2596) म. 97 प.

तीर्थकालनिर्णयः.

(90) ना. 265-323 प.

(414) आ. 34 प.

दशग्रन्थी वीरणाचार्यकृता कर्णाटटीकायुता.

(269) ना. 64 प.

नित्यार्चनापद्धतिः.

(90) ना. 265-323 प.

(275) ना. 13+11 प. (कुम्भार्चनादिः.)

(312) ना. 3-29 प. वर्धनीपूजा च.

(335) ना. 18-21+66-84 प.

(188) म, ना. 86 प. उत्सवप्रयोगश्च.

(414) ना. 35-165 प. द्विप्रकारा.

नित्याषोडशिकातन्त्रम् (कादिमतम्.)

(3521) ग्र. 113 प. 21 पटलाः.

(C 1838) दे. 20 प. 36 पटलाः.

(3950) आ. 101 प.

(176) क. 88 प. व्याख्या मनोरमा प्रपञ्चसारसिंहराजप्रकाशाभिधसुभगानन्दनाथीया.

परागमः (परातन्त्रम्.)

(B 785) क. 151-189 प.

(B 811) क. 10 प. ज्ञानपादः.

पूर्णदीक्षाक्रमः परमानन्दतन्त्रीयः.

(C 235) आ. 16 प.

पौष्करागमः.

(111) ना. 72-89 प. 7 पटलाः . ज्ञानपादः.

(B 813) क. 54 प. ज्ञानपादः.

(3846) ग्र. 140-199 प. ,,

(3480) ग्र. 237 प.

प्रतिष्ठाकल्पः.

(214) आ. 110 प.

भेरीताडनादिविधिः.

(3807) आ. 31+8 प.

मतङ्गपारमेश्वरतन्त्रम् (विद्यापादः.)

(45) ना. 131-178 प.

महालिङ्गार्चनक्रमः (शिवरहस्यम्.)

(C 1620) आ. 4 प.

मृगेन्द्रोत्तरागमः

(B 784) क. 121–149 प.

मृगेन्द्रोत्तरागमदीपिका.

(128) ना. 41 प. अघोरशिवाचार्यकृता.

(3377) प्र. 69 प. भट्टनारायणकण्ठकृता.

(3724) प्र. 110 प. „

योगजादिव्यागमः (ज्ञानसारः ज्ञानामृतम्.)

(103) ना. 38 प. (तत्त्व-गुरु-दीक्षादिनिर्णयः.)

रथोत्सवादिविधिः.

(2571) क. 11 प.

रेणुकास्थापनविधिः.

(108) प्र. 74–84 प.

लिङ्गप्रतिष्ठाविधिः.

(3802) प्र. 20–60 प.

लिङ्गोत्पत्तिपूजाविधिः.

(170) ना. 151–161 प.

वातुलागमः.

(36) प्र. 35 प.

(174) आ. 30 प. शिवोत्सवपटलः (महामुखतन्त्रे.)

(4151) प्र. 20+12 प. सव्याख्यानः.

(A 52) आ. 100 प. सव्याख्यानः 10 पटलाः.

शिवज्ञानसिद्धिः.

(3726) प्र. 62 प.

शिवतत्त्वसारचन्द्रिका.

(1143) ना. 80 प.

शिवदीक्षादिविचारः.

(3618) ग्र. 36 प.

शिवपूजाविधिः.

(3806) आ. 41 प.

शिवमाहात्म्यसंग्रहः,

(186) ना. 42 प. वीरमाहेश्वरादितन्त्रसंग्रहः.

शिवयागविधिः (मण्टपार्चनादिः.)

(102) आ. 240–263 प.

शिवलिङ्गप्रतिष्ठाविधिः सायणाचार्यकृतः.

(1789) ना. 307–362 प.

(3802) ग्र. 20–60 प.

शिवसूत्रवार्तिकं वरदराजकृतम्.

(B 147) आ. 24 प.

शिवार्चनचन्द्रिका सुन्दराचार्यशिष्य श्रीनिवासकृता.

(A 151) दे. 299 प. 21 प्रकाशाः.

(A 165) दे. 300-638 प. उत्तरभागः.

(C 526) आ. 13 प. प्रथमःप्रकाशः.

(2629) ग्र. 98 प. वेलूरधीशचिन्नबोम्मविभुकारिता.

(3571) ग्र. 50-205 प. 34 प्रकाशाः 81–135 पत्रलोपः.

शिवार्चनदीपिका (शिवरहस्यम)

(C 197) दे. 122 प.

शिवोत्सवपद्धतिः.

(3617) ग्र. 38 प.

शिवोत्सवविधिः.

(3805) आ. 17 प.

शैवकालविवेकः गणपतिभट्टविरचितः.

(3705) ग्र. 68 प.

शैवज्ञानरत्नावळिः.

(3801) ना. 22-250 प.

शैवागमनिबन्धः (उत्सवपद्धतिः.)

(3199) ग्र. 107-146 प.

(4115) आ. 20-80 प.

(C 1027) ना. 43 प.

(3314) आ. 72 प.

शैवागमसंग्रहः.

(4045) ग्र. 224 प.

संप्रोक्षणविधिः.

(738) ना. 12 प. शौनकीयः.

(3653) ग्र. 12 प. ,,

(403) ना. 21 प. (कारणागमे प्रतिष्ठातन्त्रे क्रियापादे.)

सांख्यायनतन्त्रम् (षड्विद्यागमः)

(B 43) क. 82 प.

(C 234) आ. 50 प. 33 पटलाः.

(1896) आ 58 प.

सिद्धान्तशेखरः विश्वनाथदीक्षितकृतः.

(243) आ. 25-152 प. नित्यनैमित्तिककाम्यकाण्डाः.

(2571) ना. 140 प.

सिद्धान्तसारसमुच्चयः.

(186) ना. 42-65 प. (पशुपाशादिपदार्थनिर्णय .)

सिद्धान्तसारावळिः त्रिलोचनशिवाचार्यकृता.

(A 45) क. 224 प.

(422) आ. 77-239 प. 94-116 पत्रलोपः.

(1104) ग्र. 5 प. योगपादः सव्याख्यः.

सुप्रभेदागमः.

(3620) ग्र. 155 प.

सूक्ष्मतन्त्रम् (क्रियापादः)

(209) ग्र. 169 प.

सोमसिद्धान्ते क्रियापञ्चार्थः.

(1084) आ. 115 प.

XXXIII निघण्टुः

अगस्त्यव्याकरणनिघण्टुः अगस्त्यकृतः.

(A 246) आ. 16-22 पु.

अनेकार्थध्वनिमञ्जरी (शब्दरत्नप्रदीपः).

(1997) ग्र. 12 प.

(2237) आ. 81-84 प.

(A 259) आ. 27-59 पु.

अनेकार्थमञ्जरी.

(A 291) दे. 5 प.

अनेकार्थरसमञ्जरी.

(C 1103) दे. 15 प. असमग्रा.

अव्ययसंग्रहः मल्लभट्टविरचितः.

(A 247) दे. 27-29 प.

ऐन्द्रनिघण्टुः वररुचिकृतः.

(A 258) आ. 43-45 पु.

कविजनशेवधिः आदिनाथकविकृतः.

(A 259) आ. 55-57 पु.

कविदर्पणम्.

(A 240) दे. 31 प.

कविदीपिका (विक्रमनिघण्टुः) विक्रमादित्यविरचितः.

(A 121) आ. 2 प.

कविसञ्जीविनीनिघण्टुः.

(A 121) आ. 2-3 प.

(A 259) आ. 25-27 पु.

केशवनिघण्टुः केशवविरचितः.

(A 426) क. 220 प.

क्रियानिघण्टुः वीरपाण्ड्यकृतः.

(1805) आ. 22-31 प.

गणमञ्जरी भल्लटविरचिता.

(A 247) दे. 16-17 प.

गीर्वाणभाषाभूषणं त्रिविक्रमाचार्यविरचितम्.

(A 247) दे. 29-30 प.

जैमिनिनिघण्टुः जैमिनिकृतः.

(A 246) आ. 11-14 पु.

त्रिकाण्डशेषः पुरुषोत्तमविरचितः.

(A 243) दे. 23 प.

त्रिरूपकोशः चणुबिल्याणकाविकृतः.

(A 258) आ. 119-123 प.

दशदीपिकानिघण्टुः वेदान्ताचार्यविरचितः.

(A 246) आ. 4 पु.

देश्यनिर्देशनिघण्टुः राजचन्द्रविरचितः.

(A 246) आ. 4-6 पु.

द्विरूपकोशः.

(A 244) दे. 5 प. धनञ्जयकृतः.

(2141) प्र. 16 प. ,,

(3549) आ. 22 प. ,,

(109) प्र. 7 प. ,,

(A 258) आ. 91-102 प. श्रीहर्षकृतः.

(3680) क. 17 प. ,,

(4384) आ. 10 प. ,,

(924) आ. 106-112 प.

(C 562) आ. 6 प.

धनञ्जयनिघण्टुः (प्रमाणमाला) धनञ्जयकृतः.

(A 244) दे. 5 प.

(109) प्र. 7 प.

(3987) क. 70-82 प.

धर्मराजनिघण्टुः.

(A 259) आ. 42-47 पु.

नञ्जुण्डनिघण्टुः नञ्जुण्डविरचितः.

(3779) आ. 11-35 प.

नानार्थरत्नकोशः केशवीयः.

(3576) ग्र. 230 प.

नानार्थरत्नमाला.

(351) आ. 50 प. इरुगपदण्डनाथकृता.

(C 1795) दे. 120 प. ,, समग्रा.

(2141) ग्र. 84 प. भास्करविरचिता.

(1847) ग्र. 60 ,,

नानार्थशब्दानुशासनं हेमचन्द्रकृतम्.

(A 258) आ. 62–91 पु.

नामकल्पद्रुमकोशः केशवदैवज्ञकृतः.

(A 146) दे. 92 प.

नाममालिका भोजराजकृता.

(A 258) आ 24 पु.

नामलिङ्गानुशासनं (अमरकोशः) अमरसिंहकृतम्.

(273) क. 14 प.

(2017) ग्र. 69 प.

(2337) ग्र. 44 प.

(4226) ना. 76 प.

(586) आ. 64 प. लिङ्गभट्टकृता व्याख्या अमरकोशपदविवृतिः 1 मः काण्डः

(1697) आ. 163 प. ,, ,,

(1770) ना 92 प. ,, 2-3 काण्डौ.

(2237) आ. 81 प. ,, तृतीयः काण्डः.

(224) क. 15-178 प. ,, श्लोकरूपा, द्वितीयकाण्डमारभ्य संकीर्णवर्गपर्यन्तं आन्ध्रभाषारूपा.

(241) आ. 6-274 प. अमरटीकासर्वस्वं वन्दिघटसर्वानन्दाविरचितम्

(1625) ना. 101 प. ,, आदितः वैश्यवर्गपर्यन्तम्

(2225) आ. 94-210 प. टीकासर्वस्वम् वनौषधिवर्गतः 2यकाण्डस्समग्रः

(2308) ग्र. 89 प. ,, प्रथमकाण्डः.

(4386) ना. 12+42+199 प. ,,

(354) आ. 43 प. अमरसुधा. भानुदीक्षितकृता 1 मः काण्डः.

(1981) ग्र. 350 प. ,, द्वितीयकाण्डः क्षात्रियवर्गान्तः.

(C 1629) आ. 136 प. ,, आदितः ब्रह्मवर्गान्तः.

(2036) आ. 11-116 प. अमरसुधासारः गोपालरायकृतः 1 म. काण्डः.

(3997) क. 129 प. ,, ,,

(366) ना. 204 + 39-106 प. नाचराजकृता टीका 1-2 काण्डौ.

(3936) ना. 160 प. ,,

(1852) ग्र. 25 प. जातवेददीक्षितकृतसुबोधिनीटीका 1 मः काण्डः.

(3942) ग्र 11 प. भट्टोजिदीक्षितशिष्यकृता व्याख्या 1 मः वर्गः.

(1323) ग्र. 200 प. टीकारत्नं सुदर्शनाचार्यकृतम् 1-2 काण्डयोः आन्ध्र-
भाषामयी टीका.

(C 528) आ. 168 प. आन्ध्रभाषाटीका.

(4233) आ. 103 प. ,, ब्रह्मवर्गान्ता.

(4382) आ. 110 प. ,,

(224) क. 14 प. कर्णाटभाषाटीका.

(1769) ग्र. 123 प. ,,

(3762) क. 209 प. ,,

निघण्टुसारः.

(2622) आ. 38 प.

(3220) आ. 34 प.

पदमञ्जरी भल्लटकृता.

(A 247) दे. 12-15 प.

प्रयुक्तपदमञ्जरी ईश्वरकृष्णकाळिदासकृता.

(A 121) आ. 11 प.

(A 258) आ. 25-42 पु.

प्रसिद्धपदमञ्जरी मुरारिमिश्रकृता.

(A 259) आ. 50-53 पु.

बालप्रबोधिका.

(A 247) दे. 18-26 प.

भार्गवनिघण्टुः.

(A 259) आ. 65-67 पु.

भुवनप्रदीपिका सार्वभौममिश्रकृता.

(A 259) आ. 53-55 पु.

मयूरनिघण्टुः बाह्लिकेयमिश्रकृतः.

(A 258) आ. 102-119 पु.

माहाकोशसुधाकरः कृष्णराजकृतः.

(C 543) क. 10+20 प. ब्रह्म-शिव-वनोल्लासाः.

(C 497) क. 44 प. द्वितीयचन्द्रिकायां भूमि-पुर-शैल-सर्वौषधि-मृगेन्द्रोल्लासाः.

(C 692) क. 18 प. प्रथमः काण्डः.

रसशब्दसरणिः.

(A 259) आ. 48-50 पु.

राजकोशः रघुनाथपण्डितकृतः.

(A 242, दे. 14 प. (संस्कृतयवनभाषानिघण्टुः)

लिङ्गनिर्णयनिघण्टुः यादवसार्वभौमकृतः.

(A 246) आ. 6-10 पु.

वरदराजनिघण्टुः.

(A 259) आ. 62-65 पु.

वर्णदीपिका आत्मारामगोविन्दकृता.

(A 247) दे. 26-27 प.

विक्रमनिघण्टुः विक्रमादित्यविरचितः.

(A 121) आ. 2 प.

(A 246) आ. 22–24 प.

विदग्धचूडामणिः विठलाह्वयविरचितः.

(1997) ग्र. 62 प.

विश्वप्रकाशनिघण्टुः कविराजपरमेश्वरविरचितः.

(3218) ग्र. 71 प.

(3860) ग्र. 71 प.

वैभाषिककोशः कृष्णकविकृतः.

(676) क. 251 प.

शब्दचन्द्रिका बाणकविकृता.

(A 247) दे. 9–12 प.

शब्दचिन्तामणिः व्यासविट्ठलार्यकृतः.

(A 259) आ. 57–59 पु.

शब्दप्रदीपिका.

(A 259) आ. 27–59 पु.

शब्दरत्नसमन्वयः शाहराजकृतः.

(A 239) दे. 67 प.

शब्दरत्नाकरः वामनभट्टबाणकृतः.

(656) आ. 49 प.

(3322) ग्र. 120 प.

शब्दसारनिघण्टुः वेङ्कटेश्वरकृतः.

(A 247) दे. 27 तमं पत्रम्.

(989) ना. 5 प.

शब्दार्थसंग्रहः शंकररायसंकलितः.

(A) 315) क. प्रथमभागः.

(A 303) क. 268 पु. द्वितीयभागः.

(B 822-823) आ. 500+200 प.

शाब्दिकविद्वत्प्रमोदकरः (कविसंजीवनामृतम्) वेङ्कटेश्वरकविः.

(A 241) आ. 50 पु.

श्लेषार्थपदसंग्रहः श्रीहर्षकृतः.

(A 258) आ. 45-62 पु.

षडर्थनिर्णयः कविराक्षसकृतः.

(A 247) दे. 7-9 प.

षण्मुखवृत्तिनिघण्टुः-षण्मुखकृतः.

(A 246) आ. 15-16 पु.

सकलग्रन्थप्रदीपिका सनत्कुमारकृता.

(A 259) आ. 59-62 पु.

संयमिनाममालिका-शंकरभारतीकृता.

(A 259) आ. 47-48 पु.

हनुमन्निघण्टुः हनुमत्कृतः.

(A 247) दे. 7 प.

हेमचन्द्रकोशः हेमचन्द्रविरचितः.

(A 231) दे. 58 प. (नानार्थकाण्डः.)

अनुबन्धः.

वेदः.

ऋक्संहिताभाष्यं मुद्गलविरचितम्.

(4650) ना. 230 प. प्रथमाष्टकम्.

ब्राह्मणम्.

ऐतरेयब्राह्मणम्.

(4546) ना. 100 प.

मन्त्रसंग्रहः, भाष्यं च.

निरूढपशुबन्धमन्त्रभाष्यं गोपालभट्टकृतम्.

(4400) क. 114-146 प.

मन्त्रप्रश्न (एकाग्निकाण्ड) भाष्यम्.

(4520) ना. 72 प.

यजुस्संध्याभाष्यं-लौहित्यनीलकण्ठकृतम्.

(4707) आ. 13 प.

(4733) आ. 51 प.

(B 968) दे. 161 प.

सामतन्त्रभाष्यम्.

(A 648) क. 319 प.

वेदाङ्गम् (1) शिक्षा.

अनुस्तोत्रसूत्रं सामशाखीयम्.

(C 2032) ना. 9 प.

(B 964) क. 18 प.

अवर्ण्यादि.

(4453) ना. 52–65 प.

आरण्यकशिक्षा.

(4453) ना. 28–35 प.

आरण्यकशिक्षा व्याख्या.

(4744) आ. 190-213 प

आवर्णिभाष्यम् महाधिपतिकृतम्.

(4626) आ. 104-126 प.

उच्चोदर्कीव्याख्यानम्.

(4772) आ. 115 प.

ऊहदीपव्याख्या नागपार्यकृता.

(4768) ना. 240 प. समग्रा.

ऋगनुक्रमणिका.

(C 1977) दे. 28 प.

(4637) ना. 98 प. सकर्णाटटीका.

ऋक्प्रातिशाख्यं पार्षदवृत्तियुतम्.

(4723) तु. 150 प.

(4725) ना. 109 प.

कल्पानुपदसूत्रं सामशाखीयम्.

(C 2031) ना. 20 प.

(B 963) क. 46 प.

क्रियास्वरलक्षणं सूरिभट्टकृतम्.

(4667) आ. 9 प. सव्याख्यम्.

जटामणिः.

(4468) ना. 3 प. सप्तलक्षणी च.

धकारसूत्रं अनिङ्ग्यं च.

(4453) ना 36-45 प

नपरतपरव्याख्यानम्.

(4453) ना. 25-34 प.

नारदशिक्षा.

(A 642) क. 13 प.

पाणिनीयशिक्षा.

(4453) आ. 23-34 प.

प्रतिहारसूत्राणि.

(A 658) क. 23 प.

प्रत्ययाख्याष्टमलक्षणव्याख्या नृसिंहभट्टकृता.

(4507) ना. 13 प.

फुल्लसूत्रव्याख्या (दीपमाला) नागनाथकृता.

(4735) ना. 128 प.

यजुस्संहिताकाण्डप्रश्न पदाक्षरादिनिर्णयः.

(4586) ग्र. 66 प. अस.

यजुस्सर्वानुक्रमणी.

(4626) आ. 59-79 प.

वर्णक्रमलक्षणम्.

(4468) ना. 16-68 प.

विलङ्ग्यं सव्याख्यम्.

(4453) आ. 24 प.

विलङ्ग्य-समानसन्धि-नपर-तपरव्याख्यानानि.

(4638) आ. 32 प.

व्यासशिक्षाव्याख्यानम्.

(4453) ना. 26 प.

समानसंधिव्याख्यानं (पदर्पणम्)

(4626) आ. 58 प.

सर्वसंमताशिक्षा.

(4453) ना. 46-51 प.

सर्वसंमतशिक्षाविवरणं आलमूरि यल्लभट्टकृतम्.

(4521) आ. 27 प.

सर्वानुक्रमणीवृत्तिः षड्गुरुशिष्यकृता.

(4513) ना. 25-74 प.

सामसूत्रम्.

(B 966) क. 43 प.

सामाद्यष्टशलक्षणी रङ्गनाथकृता.

(A 642) क. 14-132 प.

स्वरचिन्तामणिः

(C 1976) क 4 प.

स्वरमञ्जरी.

(4454) आ 30 प. सव्याख्या.

स्वरमञ्जरीव्याख्या (परिमळा) गिरिनाथसूरिकृता.

(A 622) क. 383 प.

स्वरसंग्रहः

(4723) तु 17 प.

श्रौतसूत्रम्.

आपस्तम्बश्रौतसूत्रम्.

(4451) ना. 76 प.

(4452) ना. 90 प.

(C 2059) दे. 99 प. वृत्तिः कृष्णभट्टीया (दर्शपूर्णमासप्रकरणम्)

आश्वलायन श्रौतसूत्रव्याख्या सिद्धान्तिकृता.

(A 664) क. 112+381 प.

उपदेशसूत्रम्.

(4639) ना. 25 प. सकर्णाटटीकम्.

उपलेखासूत्रम्.

(4635) ना. 9 प. सकर्णाटटिकम्.

परशुरामकल्पसूत्रम्.

(C 1978) दे. 20 प.

वराहमैत्रायणीयसूत्रम्.

(A 661) क. (212+198 प.

श्रौतप्रयोगः.

आग्रयणमञ्जूषा.

(B 970) क. 35 प. अरणिलक्षणं च.

कपर्दिकारिका.

(4505) ना. 38-50 प.

(4478) ना. 53-59 प.

क्रतुरत्नमाला महादेवः.

(A 665) दे. 25 पु.

काठकाग्निक्रमपद्धतिः वासुदेवयायजूकक्रतः.

(C 2017) आ. 31 प. (अस.)

कुण्डार्कः शंकरभट्टविरचितः.

(C 1961) दे. 13 प.

दर्शपूर्णमासप्रयोगः.

(4506) आ. 40 प.

नक्षत्रेष्टिप्रयोगः.

(4632) आ. 26+13 प. हौत्रं च.

(A 658) क. 74+8 प. नक्षत्रसत्रं च.

प्रयोगपारिजातः नरसिंहसूरिकृतः.

(4615) ना. 260 प. (वाजपेयप्रकरणान्तः) १ मपत्रलोपः.

याज्ञिकप्रस्ताराः.

(C 2057) प.

वाधूलहौत्रप्रयोगः महादेवः.

(A 666) दे. 8 प.

श्येनचित्प्रयोगः (बोधायनीयः.)

(C 2016) आ. 14 प.

श्रौतप्रयोगदीपिका.

(4711) आ. 65 प. हौत्रप्रयोगादिः.

सर्वतोमुखादिप्रयोगः.

(4539) आ. 101 प.

सर्वपृष्ठाप्तोर्यामहौत्रप्रयोगः.

(C 2040) दे. 34 प.

सर्वपृष्ठेष्टिप्रयोगः.

(C 2060) दे. 11 प.

हौत्रपद्धतिः.

(C 2045) दे. 14 प.

गृह्यसूत्रम्.

आश्वलायनगृह्यसूत्रवृत्तिः हरदत्ताचार्यकृता.

(4671) ग्र. 60 प. (अनाविलाख्या) २ अध्यायौ.

(4544) आ. 48 प. गार्ग्यनारायणरचिता.

खादिरगृह्यसूत्रम्.

(4455) ना. 22 प.

बोधायनगृह्यपरिभाषा.

(4559) ना. 82 प.

बोधायनगृह्यपरिशिष्टम्.

(4556) ना. 110 प.

वाराहगृह्यसूत्रम्.

(A 670) क. 47 प.

गृह्यप्रयोगः.

(1) आश्वलायनीयः.

गृह्यकारिकाः.

(4549) ना. 71 प.

गृह्यप्रयोगपद्धतिः सिंगय्यकोविदकृता.

(4774) ना. 16 प.

गृह्याग्निसागरः भट्टनारायणकृतः.

(B 977) क. 287 प.

पूर्तप्रयोगः (आपस्तम्बीयः.)

(A 668) दे. 62 प.

पूर्वप्रयोगः.

(4551) आ. 13-50 प.

(4558) ना. 172 प.

(4720) ना. 36 प.

प्रयोगचन्द्रिका महादेवः

(A 667) दे. 17 प.

प्रयोगदीपिका.

(4102) ना. 48 प.

(4540) आ. 27-94 प.

माधवभट्टीयम्.

(4395) ना. 87 प.

(4401) ना. 20 प.

(4478) ना. 81 प.

राजरत्नाकरः (क्षत्रियपूर्वप्रयोगः.)

(B 978) आ. 23 प.

(2) आपस्तम्बीयः.

अन्त्येष्टिपद्धतिः.

(4504) क. 92-98 प. हंसानन्दकृतः.

(4778) ना. 138 प. (द्रामिडीयः.)

गृह्याण्डपिळ्ळैप्रयोगः.

(4478) ना. 33 प.

याजुषपूर्वप्रयोगः.

(4489) ना. 32-77 प.

(4514) ना. 63 प. (कृष्णभट्टीयः.)

सुदर्शनकारिका.

(4402) ना. 49-79 प.

(4505) ना. 51-100 प.

(3) बोधायनीयः.

पूर्वप्रयोगः (सामगानाम्.)

(4721) तु. 82 प. तत्रतत्र पत्रलोपः.

प्रयोगसारः (कारिकारूपः.)

4625) ना. 224 प. (काण्डषट्कम्.)

विष्णुभट्टीयापरप्रयोगः.

(4777) ना. 48 प.

पितृमेधसूत्रम्.

पितृमेधसूत्रं बोधायनीयम्.

(4528) ना. 87-116 प.

धर्मसूत्रम्.

आपस्तम्बधर्मसूत्रम्.

(4494) आ. 32 प.

(4520) ना. 99-132 प.

गौतमाक्रियासूत्रम्.

(4528) ना. 166-172 प.

बोधायनधर्मसूत्रम्.

(4528) ना. 137-161 प.

स्मृतिः.

बृहत्पराशरस्मृतिः.

(C 1972) दे. 121 प.

भरद्वाजादिस्मृतयः.

(4487) ना. 85 प.

मनुस्मृतिव्याख्या.

(4629) ना. 137 प. नन्दपण्डितीयः. 9 अध्यायाः.

(4634) ना. 81 प. कुल्लूकभट्टीया. 6 ,,

स्मृतिसङ्ग्रहः (२६ स्मृतयः.)

(A 669) आं. 550 प.

निबन्धः.

अनपत्यत्वहरादिशान्तयः.

(4523) ना. 8-65+104-155 प.

अभिनवषडशीतिः.

(4700) क. 143 प. सुब्रह्मण्यकृतव्याख्यायुता.

आब्दिकनिर्णयः श्रीवत्सरामविरचितः.

(4677) ग्र. 51-70 प.

आशौचनिर्णयः विरूपाक्षयज्वकृतः.

(4677) ग्र. 43 प.

आशौचशतकव्याख्या.

(4587) ग्र. 38 प. (संग्रहरूपा)

आशौचषडशीतिः.

(4540) आ. 19-26 प.

आश्वलायनब्रह्मत्वमञ्जरी.

(B 972) क. 53 प.

आहारनियमः वेदान्ताचार्यकृतः.

(C 2070) आ. 5 प.

आह्निककाण्डः शिवरामदीक्षितविरचितः.

(4587) ग्र. 158 प.

आह्निकमणिः.

(A 647) क. 153 प.

आह्निकविधिः.

(4578) ग्र. 94 प.

एकादशीनिर्णयः.

(C 2008) क. 4 प.

कर्मविपाकसारः-दिनकरभट्टकृतः.

(A 641) क. 134 प.

कर्मसिद्धान्तः पुरुषोत्तमभट्टाचार्यविरचितः.

(A 643) क. 310 प.

कात्यायनसंध्यादिः.

(4623) क. 11 प.

कृत्यरत्नावळी रामचन्द्रकृता.

(4407) ना. 54 प.

(C 1994) दे. 51 प.

ग्रहभुक्तिदीपिका.

(4763) आ. 9 प. उपरागे भोजनविचारः.

ग्राह्याग्राह्यदत्तकविचारः.

(C 2061) दे. 4 प.

जयन्तीनिर्णयादिः.

(4776) ग्र. 110 प.

तत्वमुक्तावळीव्याख्या नन्दपण्डितः.

(A 676) क. 343 प.

तर्पणविधिः.

(4519) ना. 9 प. (स्मृतिसारोक्तः.)

दानकाण्डः.

(A 650) क. 59 प.

दायशतकव्याख्यानं रङ्गनाथशास्त्रिकृतम्.

(4459) ना. 15 प.

देवताप्रतिष्ठाविधिः (बोधायनीयः.)
(4624) ना. 67 प.

दौहित्रकर्तृत्वविचारः.
(4677) ग्र. 44–50 प.

धर्मप्रदीपिका सुब्रह्मण्यपण्डितकृता.
(4682) आ. 59 प.

नागप्रतिष्ठाविधिः.
(4640) आ. 26 प. (शौनकीयः.)

निर्णयसिन्धुसंग्रहः.
(4555) ना. 128 प.

पट्टाभिषेकाविधिः.
(4647) ना. 5 प.

पार्थिवगणपतिपूजा.
(C 1980) दे. 8 प.

पितृमेधसारसंग्रहः नारायणसुधीकृतः.
(4708) आ. 98 प.

पुत्रस्वीकारनिर्णयः.
(B 971) क. 63 प.

पुरुषार्थसुधानिधिः सायणाचार्यरचितः.
(4608) ग्र. 142 प.

प्रयोगपारिजातः नृसिंहसूरिकृतः.
(4393) ना. 187 प. (तिथ्यादिकाण्डः.)

प्रायश्चित्तनिरूपणम्.
(4589) आ. 69-86 प.

प्रायश्चित्तमुक्तावाळिः वैद्यनाथविरचिता.
(C 1993) दे. 129 प.

प्रायश्चित्तसंग्रहः.
(4702) ना. 19 प.

प्रायश्चित्तसुबोधिनी रङ्गनाथाचार्यः.
(A 651) दे. 365 प.

यतिसंस्कारविधिः.
(4523) ना. 173-175 प.

यल्लाजीयं यल्लाजकृतम्.
(4399) ना. 151 प. (आश्वलायनीयम्.)
(4544) आ. 49-136 प. ,,

वनप्रतिष्ठाविधिः.
(4710) आ. 33 प.

वर्षकृत्यसंग्रहः कळले नृसिंहसोमयाजिकृतः.
(4406) आ. 277 प.

-वापीकूपतटाकादिशान्तिः (शाकलप्रोक्ता.)
(4540) आ. 8 प.

विवादभङ्गार्णवः जगन्नाथभट्टाचार्यकृतः.
(A 644) दे. 99 प. असः

विश्वप्रकाशपद्धतौ पूर्वभागः.
(A 672) क. 418 प.
(A 675) क. 266 प.

वैदिकाचारमर्म.
(4616) ना. 22 प.

व्यासपूजाविधिः (विष्णुधर्मोत्तरम्.)
(C 1958) दे. 11 प.

शान्तिसंग्रहः.
(4720) ना. 83 प.

शिवरामदीक्षितीयं शिवरामदीक्षितः.

(4743) आ. 163 प. (आह्निककाण्डः.)

श्राद्धकाण्डः वैद्यनाथकृतः.

(4677) ग्र. 71–239 प. समग्रः.

(4670) ग्र. 135 प. (संग्रहरूपः.)

(4805) ग्र. 24 प. ,,

श्राद्धनिर्णयदीपिका तिरुमलदीक्षितकृता.

(4668) आ. 10–21 प.

श्राद्धप्रकरणं (बोधायनीयम्.)

(4624) ना. 16–45 प.

संन्यासपद्धतिः रुद्रदेवकृता.

(C 1953) दे. 47 प.

संस्कारकाण्डः कृष्णभट्टकृतः.

(4521) ना. 109 प.

संस्कारनिर्णयः (चन्द्रचूडीयः.)

(4520) ना. 73–98 प.

सदाचारस्मृतिटिप्पणी.

(C 1988) दे. 19 प. मुद्गलवेदव्यासकृता.

(C 2052) दे. 44 प. श्रीनिवासाचार्यकृता. (आह्निककौस्तुभाख्या.)

(C 1968) दे. 166 प. रामाचार्यकृता.

समुद्रस्नानविधिः (भविष्यपुराणे)

(C 1956) दे. 5 प.

सर्वप्रायश्चित्तम्.

(4624) ना. 9 प. (बोधायनीयम्.)

सर्वशान्तिखण्डः.

(4528) ना. 162–166 प.

स्मृतिचन्द्रिका.

(4540) आ. 19 प. देवणभट्टकृता (आशौचकाण्डः)

(4811) ना. 98 प. विद्याधीशकृता (तिथिनिर्णयकाण्डः.)

स्मृतिदर्पणम्.

(4512) ना. 33 प.

स्मृतिदर्पणमणिपेटिका केशवकृता.

(4674) प्र. 41 प. (अस.)

स्मृतिधर्मसारसमुच्चयः वैकुण्ठनाथीयः.

(4396) ग्रं. 311 प.

स्मृतिभास्करः नीलकण्ठविरचितः.

(4408) आ. 158 प.

स्मृतिरत्नकोशः दत्तात्रेयपण्डितप्रणीतः,

(4813) आ. 155 प.

स्मृतिसंग्रहः.

(4703) आ. 278 प.

(4748) आ. 164 प.

(4773) ना. 81 प. आह्निकादिसंन्यासान्तः.

स्मृतिसारदर्पणम्.

(4535) आ. 77 प.

व्रतग्रन्थः.

कार्तिकमासनक्तपूजा.

(4693) आ. 7 प.

निमिषाम्बाव्रतं-ब्रह्माण्डपुराणे.

(4681) आ. 9 प.

पञ्चायतनपूजापद्धतिः.

(C 2007) दे. 9 प.

विष्णुपञ्चकव्रतकल्पः.

(C 2006) क. 9 प.

व्रतादयः.

(A 637) क 100 प.

व्रतार्कसारः.

(4487) ना. 25 प.

इतिहासः.

अध्यात्मरामायणं वाल्मीकिविरचितम्.

(C 1983) दे. 213 प. सटीकम्.

(4515) ना. 204 प. ,,

श्रीमद्रामायणव्याख्यानम्.

(4404) ना. 214 प. कडाम्बि अहोबलाचार्यकृतम्.

(4471) ना. 196+15 प. ईश्वरदीक्षितीयम्. (बालकाण्डः.)

(4593) प्र. 41 प. ,,

(4756) आ. 108 प. ,,

(4633) ना. 63 प. मधुरान्तकवाल्मीकियम्. समग्रम्.

(4797) आ. 102 प. प्रबलमुकुन्दसूरिकृतम्. (बालकाण्डः.)

पुराणम्.

उमासंहिता स्कान्दम्.

(4503) ना. 54 प.

(4592) प्र. 172 प.

काशीखण्डव्याख्या रामानन्दकृता.

(4591) ना. 238–285 प. 90-100 अध्यायाः.

जैमिनीयाश्वमेधपर्व.

(4577) प्र. 146 प.

धर्मखण्डः.

(4684) आ. 162 प.

नारदीयपुराणं व्यासः:

(4663) ना. 75 प. 40 अध्यायाः.

पुराणसारः-सायणाचार्यरचितः.

(4562) ना. 177 प.

(4657) प्र. 154 प.

ब्रह्मोत्तरखण्डः.

(4491) ना. 17 प.

भैरवपुराणम्.

(4605) प्र. 127 प. (तुङ्गभद्राखण्डश्च.)

विष्णुपुराणम्.

(C 2023) दे. 438 प. समग्रम्.

शङ्करसंहिता.

(4728) आ. 309 प.

शिवकथार्णवः गिरिमल्लिकार्जुनकृतः.

(4562) ना. 79 प.

शिवधर्मोत्तरम्.

(4734) प्र. 115-178 प.

श्रीभागवतव्याख्यानम्.

(4584) प्र. 162 प. सुदर्शनाचार्यकृतं. (शुकपक्षीयम्)

(4745) ग्र. 264 प. वेंकटकृष्णीयम्. (तात्पर्यचन्द्रिका)

(4823) ना. 82 प. विट्ठलाचार्यकृतम्.

(C 2082) दे. 86 प. सत्याभिनवतीर्थकृतम्. (दुर्घटार्थभावदीपिका)

(4649) ना. 173 प. सकर्णाटटीक: (दशमस्कन्ध:)

सप्तशतीविवरणं कृष्णराजकृतम्.

(C 2019) आ. 61 प. (कर्णाटभाषानुवादात्मकम्)

सूतसंहिता व्यास:.

(4569) आ. 189 प.

स्कान्दपुराणम् व्यास:.

(4568) आ. 192 प. (शिवभक्तिमाहात्म्यम्)

हरिवंशव्याख्या कौण्डपाचार्यकृता.

(4581) आ. 152 प. (धरणीसमाख्या)

गीता.

लघुगीता.

(C 1990) दे. 5 प. (अष्टादशश्लोकी)

श्रुतिगीता.

(C 1973) ना. 36 प. श्रीधरीयव्याख्यायुता.

माहात्म्यम्.

अर्कपुष्करिणीमाहात्म्यम्.

(C 2002) आ. 58 प.

ककुद्गिरिमाहात्म्यम्.

(4537) ना. 78 प.

करवीरक्षेत्रमाहात्म्यम्.

(C 2028) दे. 23 प. 9 अध्याया:.

करिगिरिमाहात्म्यम्.

(C 2054) दे. 47 प.

कलशक्षेत्रमाहात्म्यम्.

(4470) ना. 72-89 प.

कावेरीमाहात्म्यम्.

(4495) ना. 104+105-349 प. (अग्निपुराणम्)

(4687) आ. 139 प. 80 अध्यायाः.

कुमारक्षेत्रमाहात्म्यम्.

(4700) क. 19 प.

कोहळगालवक्षेत्रमहिमा.

(B 957) क. 24 प.

गोकर्णमाहात्म्यम्.

(B 960) दे. ?5 प.

चुञ्चुसेतुमाहात्म्यम्.

(C 2011) क 34 प.

तीर्थक्षेत्रमाहात्म्यम्. (उत्तरसह्याद्रिखण्डे)

(C 1979) दे. 11 प.

तुरजामाहात्म्यम्.

(B 954) क. 305 पु.

द्वारकाचक्रलक्षणम्.

(4695) क. 2 प.

पञ्चनदमाहात्म्यं (ब्रह्माण्डपुराणम्)

(4680) आ. 14 प.

पञ्चवटीमाहात्म्यम्.

(C 1984) दे. 46 प.

पिनाकिनीमाहात्म्यम्.
(4548) ना. 29 प.

मृकण्डुक्षेत्रमाहिमा (ब्रह्माण्डपुराणम्.)
(4643) ना. 18 प.

रामायणतत्त्वदर्पणम् रामब्रह्मानन्दसरस्वतीकृतम्.
(4770) आ. 169 प.

रामायणमाहात्म्यं ब्रह्माण्डपुराणत्.
(4784) आ. 17 प.

रामायणरहस्यं विद्यारण्ययतिविरचितम्.
(4807) मा. 4 प.

रुद्राक्षमाहात्म्यम्.
(4562) ना. 86-89 प.

विष्णुमाहात्म्यं (सकलपुराणसंग्रहः)
(4588) प्र. 20 प. (शिवमाहात्म्यं च)

वेङ्कटगिरिमाहात्म्यं (नारदपुराणम्.)
(4718) प्र. 195 प.

वेङ्कटेशमाहात्म्यम्.
(4548) ना. 192 प. (अनेकपुराणान्तर्गतम्.)

वैष्णवोत्तमत्वप्रशंसा (नारायणसंहिता.)
(4589) प्र. 4 प.

शतकोटिरामायणसारसंग्रहः (कपिलपुराणम्.)
(4807) ना. 8 प.

शिवरात्रिमाहात्म्यं (स्कान्दम्.)
(4676) म. 42 प.

सालग्रामलक्षणमहिमादि.
(4695) क. 22 प.

(4720) ना. 148 159 प.

(4621) ना. 19 प. रङ्गनाथसंगृहीतम्.

सुब्रह्मण्यमहिमा.

(C 2000) आ. 42 प.

आर्षस्तोत्रम्.

अरिनिग्रहकरकार्तवीर्यार्जुनस्तोत्रम्.

(C 2012) आ. 8 प.

गायत्रीपञ्जरस्तोत्रम्. (विश्वामित्रसंहिता)

(C 1957) दे. 10 प.

गायत्रीवर्णस्तोत्रम्.

(C 1955) दे. 3 प.

गायत्र्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्.

(C 1954) दे. 5 प.

दशश्लोकी-आश्वलायनकृता.

(4358) आ. 7 प. (देवार्षिच्छन्दोविशिष्टा)

ललिताष्टोत्तरम्.

(4403) ना. 5-29 प. (त्रिशती च)

ललितास्तवरत्नम्. (आर्याद्विशती) दुर्वासाः.

(4700) क. 12 प.

काव्यम् (1) स्तोत्रम्.

अतिमानुषस्तवः श्रीवत्साङ्कमिश्रकृतः.

(4707) आ. 27 प.

अपराधस्तोत्रं रामब्रह्मानन्दसरस्वतीकृतम्.

(4770) आ. 3 प.

अम्बास्तोत्रम्.

(C 1998) आ. 2 प. 14 श्लोकाः.

आत्मलिङ्गार्चनाविधिः शङ्कराचार्यः.

(B 951) क. 19 प.

आर्यैकशती.

(C 2005) आ. 9 प.

गङ्गाशतकं चिन्तामणिविरचितम्.

(C 1964) दे. 39 प. सव्याख्यम्.

गणेशदण्डकम्.

(C 2018) आ. 3 प.

त्रिपुरास्तोत्रम्. धर्माचार्यकृतम्.

(4752) आ. 77-129 प. नित्यानन्दविरचितलघुदीपिकासहितम्.

दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम्.

(C 2021) क. 19 प. सकर्णाटटीकम्.

दिव्यमङ्गळध्यानादिः

(4447) ना. 57 प.

द्वादशस्तोत्रटीका गङ्गामिश्रकृता.

(C 1960) दे. 4 प.

पञ्चरत्नस्तबकः गोविन्दसूरिकृतः.

(4612) ना. 14 प.

भगवन्नामामृतरसोदयः.

(A 649) दे. 400 पु.

रामशतकम्.

(4419) क. 37 प.

विष्णुसौन्दर्यस्तुतिः परमहंसकृता.

(4715) आ. 5 प.

शान्तिस्तोत्रम्.

(B 952) क. 10 प.

शिवानन्दलहरीव्याख्या.

(4620) ना. 50 प.

(4701) आ. 27 प. सुब्रह्मण्यसुधीकृता.

श्लेषमाला भट्टिर्वेङ्कटेशप्रणीता.

(C 1965) दे. 15 प (गङ्गास्तवः)

सुन्दरबाहुस्तोत्रं श्रीवत्साङ्कमिश्रकृतम्.

(4707) आ. 7 प. (सव्याख्यम्)

सुब्रह्मण्यस्तोत्राणि.

(4446) ना. 17 प.

(2) पद्यकाव्यम्.

अभिनवकादम्बरी अहोबलनरसिंहकृता.

(4685) आ. 82 प.

अमरुकव्याख्या मुञ्जराजकृता.

(4417) क. 73 प. (शृङ्गारदीपिका)

कृष्णराजवंशावळी.

(C 1999) आ. 8 प.

कृष्णाभ्युदयकाव्यं रामचन्द्राध्वरिकृतम्.

(4658) ग्र. 38 प. (10 सर्गाः)

गीतगोविन्दम्.

(4628) क. 206 प. सकर्णाटटीकम्.

जगन्नाथविजयकाव्यं वेङ्कामात्यकृतम.

(C 2020) क. 74 प. (पाणिनिसूत्रोदाहरणरूपम्)

तोदरमल्लकाव्यम्.

(4819) आ. 18 प. 4-5 पत्रलोप: (अस)

नलायनकाव्यं माणिक्यचन्द्रसूरिः.

(A 639) क. 502 प.

नलोदयकाव्यम्.

(4611) ना. 64 प. (सान्ध्रटीकम्)

नव्योद्यानविलासः रङ्गनाथविरचितः.

(4799) ग्र. 12 प.

नैषधव्याख्यानं मल्लनाथकृतम्.

(4502) क. 79 प.

पादुकासहस्रव्याख्या.

(4595) ग्र. 96 प. निर्यातनापद्धत्यन्ता.

(4596) ग्र. 212 प. नरसिंहाचार्यकृता. (अस)

प्रह्लादविजयः कठनाथाचार्यकृतः.

(A 620) क. 265 प.

बुद्धचरित्रं अश्वघोषाचार्यः,

(A 673) क. 69 प.

बालभारतव्याख्या मनोहरा.

(4476) ग्र. 178 प.

महिषशतकं वाञ्छानाथकविः.

(4567) आ. 12 प.

यमकभारतम्.

(C 1967) दे. 37 प. सकर्णाटटीकम्.

रघुवंशव्याख्या. (अर्थालापनिका) समयसुन्दरगणिकृता.

(C 1951) दे. 260 प.

रसभूषणकाव्यव्याख्या.

(4507) ना. 36 प.

राजशेखरचरितं नवीनकाळिदासकृतम्.

(4607) ना. 43 प.

रामोदाहरणगीतिकाव्यं नारायणस्वामिकृतम्.

(4697) आ. 5 प.

शिशुपालवधव्याख्या.

(C 1952) ना. 752 प. वल्लभदेवकृता (बृहद्वल्लभा) संदेहविषौषधिः

(4719) तुळु. 37-192 प. विद्यामाधवकृता (चतुर्थसर्गादारभ्यान्तम्)

शुकसप्ततिकथा (पद्यात्मिका)

(4498) क. 259 प.

संग्रहरामायणं नारायणपण्डिताचार्यकृतम्.

(4821) ना. 135 प. विश्वपतितीर्थीयव्याख्यायुतम् (अस)

(C 2026) दे. 38 प. श्रीनिवासीयव्याख्ययुतम् (अस)

(3) गद्यकाव्यम्.

वासवदत्ता सुबन्धुकृता.

(4530) ना. 73 प. तिम्मयसुधीविरचितव्याख्योपेता.

(4713) आ. 24-52 प. (सव्याख्या)

चम्पूः.

अभिनवभारतचम्पूः भट्टवेङ्कटेशकृता.

(4565) आ. 100 प. (11 स्तबकाः)

(C 1970) दे. 14 प. (अस)

कृष्णचारित्रचम्पूः कृष्णभूपकृता.

(4656) ग्र. 23-95 प.

नञ्जराजयशस्समुल्लासचम्पूः नीलकण्ठकृतिनिर्मिता.

(4660) ग्र. 14 प.

बालभारतचम्पूः चन्द्रशेखरकृता.

(4575) ग्र. 47 प. षष्ठस्तबकपर्यन्ता.

मीनाक्षीपरिणयचम्पूः आदिनारायणसूरिकृता.

(4420) आ. 21 प.

(4781) आ. 26 प.

वीरभद्रचरित्रचम्पूः एकाम्रयज्वकृता.

(4714) आ. 10 प. समग्रा.

शङ्करचम्पूः लक्ष्मीपतिकविकृता.

(4415) ना. 92 प.

(4739) आ. 22 प.

नाटकम्.

अभिज्ञानशाकुन्तलनाटकं काळिदासकृतम्.

(4529) ना. 47 प.

उत्तररामचरितव्याख्या.

(4762) आ. 10 प. (लघीयसी) समग्रा.

कंसान्तकनाटकं हरियज्वकृतम्.

(C 1987) दे. 42 प.

कर्पूरमञ्जरीव्याख्या कृष्णसूनुकृता.

(4760) आ. 16 प.

कैतवकलाचान्द्रभाणः नारायणकृतः.

(4779) आ. 27 प.

जनकजानन्दनाटकं नृसिंहकृतम्.

(4630) ना. 38 प. 1 माङ्के काश्चिद्भागः.

जीवन्मुक्तिकल्याणनाटकं नल्लाध्वरिकृतम्.

(C 1974) ना. 51 प.

नळविलासनाटकंअ होबलनरसिंहकृतम्.

(4689) आ. 66 प.

विद्यापरिणयनाटकव्याख्या.

(4475) ग्र. 95 प.

शारदातिलकभाणः शङ्करकविकृतः.

(4421) ना. 20 प.

(4606) ना. 22 प.

शृङ्गारविलासितभाणः नारायणकविकृतः.

(4764) आ. 37 प.

सङ्कल्पसूर्योदयव्याख्या.

(4573) आ. 101 प. अहोबलार्यकृता (अस)

(4574) ग्र, आ. 148 प. श्रीनिवासाचार्यकृता (प्रभावळी) समग्रा.

(4597) ग्र. 99 प. ,, भाष्यनारायणकृताचान्या (प्रथमोऽङ्कः)

(4598) ग्र. 76 प. ,, (द्वितीयोऽङ्कः)

(4599) ग्र. 114 प. ,, 3-6 अङ्काः.

(4600) ग्र. 95 प. ,, 7-10 ,,

सुभाषितम्.

अन्यापदेशशतकं शिवशङ्करकविकृतम्.

(4416) ना. 9 प.

पण्डितराजशतकम्.

(4693) आ. 11 प. (अन्यापदेशः)

प्रसङ्गरत्नावळी.

(4679) आ. 30 प.

प्रास्ताविकश्लोकाः.

(4522) ना. 18-85 प.

भर्तृहरिसुभाषितव्याख्या.

(4418) ना. 62 प.

विपश्चिन्मुखमुकुरम्.

(C 1997) दे. 12 प.

सभ्याभरणम्.

(4655) ना. 62 प. गोविन्दज्योतिर्विरकृतव्याख्योपेतम् (9 उल्लासाः.)

सुभाषितसंग्रहः.

(4666) ना. 31-46 प.

(4693) आ. 8 प.

सुभाषितसुरद्रुमः बसवभूपः.

(A 582) क. 60 प.

कथादिः.

तारकब्रह्मकथा.

(C 2013) आ. 26 प.

प्रमथचारित्रं ब्रह्मविद्याध्वरिकृतम्.

(4742) आ. 127 प. अस.

संस्कृतमञ्जरी अनन्तार्यकृता.

(C 1959) दे. 5 प. उक्तिप्रत्युक्तिरूपा.

छन्दश्शास्त्रम्.

लक्षणदीपिका गौरणकृता.

(4613) ना. 83–94 प. समग्रा.

वृत्तमणिमालिका वाजसनेयिश्रीनिवासकृता.

(4765) आ. 8 प.

वृत्तरत्नाकरव्याख्या भास्करकृता.

(C 2038) आ. 27 प. (सेतुसमाख्या).

वृत्तरत्नावळिः वेङ्कटेशविरचिता.

(4761) आ. 4 प.

अलङ्कारशास्त्रम्.

अभिनवशृङ्गाररसमञ्जरी बुक्कपट्टन वेङ्कटाचार्यकृता.

(4788) आ. 28–48 प. (समग्रा).

अलंकारमणिदर्पणम् वेंकयसुधीः.

(A 624) दे. 80 प.

कविकल्पलता.

(4757) ना. 35 प.

काव्यदर्पणम् चूडामणिदीक्षितकृतम्.

(4699) ग्र. 54 प. (5 उल्लासाः).

कृष्णालंकारदर्पणं लक्ष्मीपतिराचितम्.

(4566) आ. 27 प.

विदग्धमुखमण्डनं धर्मदासरचितम्.

(C 1966) दे. 49 प.

साहित्यसरणिः श्रीनिवासकृता.

(4750) आ. 17 प.

शिल्पशास्त्रम्.

रत्नपरीक्षा.

(C 1971) ना. 40–43 प.

वास्तुलक्षणम्.

(4780) आ. 8 प.

वास्तुशास्त्रम् (प्रतिष्ठातन्त्रान्तर्गतम).

(4695) क. 17 प.

मयमतं गन्नमाचारिकृतम्.

(A 617) आ. 121 प.

सनत्कुमारवास्तु.

(4695) आ. 37 प.

(4709) आ. 34 प.

सालग्रामपरीक्षा.

(C 1971) ना. 43–48 प.

अर्थशास्त्रम्.

अर्थशास्त्रं चाणिक्यः (कौटिल्यः).

(A 662) दे. 496 प.

(A 671) तमिळु 430 प.

(A 627) दे. 226 प. टीका नयचन्द्रिका माधवमिश्रीया.

कामशास्त्रम्.

अनङ्गरङ्गः कल्याणमल्लविरचितः.

(C 1989) दे. 34 प.

भरतशास्त्रम्.

अभिनयभरतशास्त्रम्.

(4758) आ. 45 प. समग्रम्.

नाट्यशास्त्रम्.

(4472) ना. 15 प.

भरतचन्द्रिका नन्दिकेश्वरप्रोक्ता.

(A 618) क. 66 प.

सन्देशहस्तादिलक्षणभागः.

(4798) आ. 59 प.

सङ्गीतगङ्गाधरः नञ्जराजविरचितः.

(4422) आ. 90 प.

सङ्गीतस्वरलक्षणम्.

(4464) ना. 44 प.

हस्ताध्यायः.

(4754) आ. 19 प.

व्याकरणम्.

अङ्गाधिकारसूत्रस्थभाष्यकारिकाव्याख्या धर्मभट्टः.

(4785) आ. 51-83 प. समग्रा.

धातुप्रत्ययपञ्जिका तलदेवसुधीः.

(4585) ग्र. 116 प. 12, 115 पत्रलोपः, कृदन्तपरिच्छेदान्ता.

परिभाषाभास्करः भास्करः.

(4488) ना. 49 प.

परिभाषार्थसंग्रहः पायगुण्डवैद्यनाथशास्त्री.

(4724) तुलु. 58 प.

परिभाषाविषयप्रकाशनं धर्मभट्टः.

(4785) आ. 50 प.

परिभाषेन्दुशेखरव्याख्या त्रिशिखा लक्ष्मीनरसिंहपण्डितः.

(A 678) आ. 286 प.

महाभाष्यप्रदीपोद्द्योतः नागेशभट्टः.

(C 2030) ग्र. 871 प.

रूपावतारव्याख्या प्रक्रियाकल्पवल्लरी नृसिंहकृता.

(4730) ना. 95 प. पूर्वार्धे विभक्तयर्थनिरूपणान्ता.

(4740) ना. 55 प. उत्तरार्धे भ्वादिरसमग्रः.

लिङ्गानुशासनं पाणिनिः.

(4519) ना. 23 प.

शब्दकल्पतरुः रामकृष्णकृतः.

(4736) ना. 45+20 प. सर्वनामान्तः. वाक्यार्थविचारः.

शब्दकौस्तुभव्याख्या. भावदीपः.

(B 974) क. 100 प.

शब्दमालिका भाषामञ्जरी लिङ्गनिर्णयश्च.

(4766) आ. 55 प.

शब्देन्दुशेखरव्याख्या अस्थिमालाख्या पायगुण्डवैद्यनाथकृता.

(C 2074) दे. 170 प. षष्ठीकारकान्ता.

सिद्धान्तकौमुदीव्याख्या (मनोरमा) तिरुमलद्वादशाहाध्वरिकृता.

(4486) ना. 163 प.

(4411) ना. 111 प.

ज्यौतिषम्.

आर्यभटासिद्धान्तव्याख्यानम्.

(4437) ना. 15-90 पत्र.

उडुदशाप्रदीपिका.
(4441) आ. 12-20 पत्र.

उत्पलपरिमळं बृहत्संहिताव्याख्या.
(4712) म. 38 प.

उपदेशसूत्रं सकर्णाटटीकम्.
(4542) आ. 32 प.

उमामहेश्वरसंवादः.
(B 962) क. 70 प. आधानयोगान्तः.

एकविंशतिमहादोषाः.
(4481) ना. 9 प.

करणप्रकाशिका पञ्चाध्यायी च.
(4480) ना. 149 प.
(4672) ग्र. 209-227 प. सकर्णाटटीका

करणरत्नम्.
(4477) ना. 46-54 प.

कालनिर्णयदीपिकाविवरणम्.
(A 677) क. 247 प.

कालवञ्चनादिः.
(C 1971) ना. 48-52 प.

कालामृतव्याख्यानं बापिराजः.
(4409) आ. 203 प.

कालामृतसारः लिङ्गणाध्वरी.
(4435) आ. 16 प.

कुट्टाकारशिरोमणिः श्रीवत्सो देवराजः
(4398) ना. 35 प.
(B 975) आ. 4 प.

गणितज्ञभूषणम्.

(4771) ना. 10-14 प.

गणितसारः.

(4771) ना. 66-74 प.

गीर्णादिवाक्यानि.

(4485) ना. 33 प.

ग्रहगणिततन्त्रप्रकाशः श्रीनाथकृतः.

(4471) ना. 9 प.

ग्रहदर्पणम्.

(4508) ना. 61 प.

ग्रहभाष्यम्.

(4542) आ. 34 प.

ग्रहलाघवव्याख्यानं मल्लारिविश्वनाथौ.

(4432) ना. 143 प.

चन्द्रताराबलादिसंग्रहः.

(4442) आ. 30 प.

चन्द्राभरणहोरा.

(4511) ना. 72-108 प.

चित्रिण्यादिलक्षणम्.

(4519) ना. 16 प.

जातककृष्णीयम्.

(4453) आ. 96 प.

जातकयोगावळिः नरसिंहकृता.

(4751) ना. 88 प.

जातकोदयः.

(4669) ग्र. 18 प.

ज्योतिश्शास्त्रसंग्रहः

(4550) ना. 75 प.

ज्योतिस्सिद्धान्तः.

(4553) आ. 109 प.

ज्यौतिषसारसङ्ग्रहः.

(4482) ना. 31 प.

ज्यौतिषसारावळिः कुमारसूरिकृता सान्ध्रटीका

(4704) आ. 96 प.

ज्यौतिषाभरणम्.

(4705) आ. 154 प.

ज्ञानस्वरोदयः.

(B 949) क. 56 प.

(A 634) क. 47 प. टीका.

तन्त्रगणितं लक्ष्मीनृसिंहः.

(4440) आ. 8 प.

तिथिचक्रं मल्लिकार्जुनः.

(4771) ना. 15-16 प.

तिथ्यावळी पदकसहिता.

(4434) ना. 19 प.

त्रिवर्गत्रिफलादिनिघण्टुः.

(4466) ना. 98-123 प.

दत्तात्रेयपञ्चपक्षिशकुनावळिः.

(C 2015) आ. 3 प.

दोषभङ्गाध्यायः.
(4481) ना. 25–26 प.
नरपतिविजयव्याख्यानम्.
(4561) ना. 71 प.
पञ्चपक्षिशकुनम्.
(4470) ना. 22 प.
पञ्चाङ्गगणितम्.
(4410) ना. 123 प.
(4618) ना. 80 प.
पञ्चाङ्गघण्टापथः पेद्दणार्यः.
(4771) ना. 3 प.
पञ्चाङ्गफलम्.
(4665) ग्र. 17 प.
पञ्चाध्यायीव्याख्यानं सुन्दरराजः.
(4438) ना. 59–103 प.
बीजगणितम्.
(4436) ना. 90–118 प.
बीजावतंसः कृष्णदैवज्ञः.
(4431) ना. 83 प.
बृहज्जातकव्याख्यानं नीलोत्पलीयम्.
(4806) ना. 33–60 प. 5–7 अध्यायाः.
(4806) ना. 56 प. 8–16 अध्यायाः.
(4810) ना. 120 प. होराविवरणम्.
बृहज्ज्यौतिषार्णवं, कदम्बेश्वरप्रसादः.
(4430) ना. 145 प.

बृहत्सामुद्रिकम्.

(C 1971) ना. 40 प.

बृहद्राशिकूटं दशाफलं च.

(4485) ना. 24 प.

बृहद्राशिकूटसर्वतोभद्रादिसङ्ग्रहः.

(4443) आ. 54–125 प.

बृहत्सुबोधः कामदेवः.

(4481) ना. 18–24 प.

ब्रह्मसिद्धान्तम्,

(4439) ना. 37 प.

यन्त्रचिन्तामणिः चक्रधरः.

(4440) ना. 17 प.

यवनोल्लासादिः.

(4448) ना. 115 प.

यात्राप्रकरणादिः.

(4450) ना. 45 प.

(B 967) क. 16 प.

योगार्णवः वेङ्कटेशः.

(4673) म. 131–164 प.

लग्नजातकयोगावळिः श्रीवत्सनारसिंहः.

(4441) आं. 12 प.

लघुगणितं अरिष्टनवनीतं च.

(4398) ना. 36 प.

लघुराशिकूटः सुबोधगणितं च.

(4484) ना. 19–46 प.

लघुलम्पाकः (मूलम्).

(4438) ना. 54–58 प.

लम्पाकविवृत्तिः.

(C 2001) आं. 15 प.

वर्षाधिपादिनवनायकपञ्चाङ्गम्.

(4444) क. 49 प.

वाक्यकरणपञ्चाध्यायी.

(4477) ना. 55–59 प.

वार्षिकतन्त्रं (सकर्णाटटीकं) विद्दणाचार्यः.

(4618) ना. 100 प.

वास्तुप्रकरणम्.

(4450) ना. 16 प.

विद्यामाधवीयं (मूलम्).

(4477) ना. 45 प.

विद्यामाधवीयं सव्याख्यानं, विद्यामाधव.

(4426) ना. 180–349 प.

(4427) ना. 350–483 प.

(4775) ना. 179 प. पूर्वभागः.

(4428) ना. 68 प. सकर्णाटटीकम्.

वृद्धगर्गसंहिता वृद्धगर्गः.

(4665) ग्र. 32–65 प.

शाकल्यसंहिता.

(A 657) क. 144 प.

शिरोमणिवासनाभाष्यं भास्कराचार्यः.

(4429) ना. 138 प.

श्रीधरपद्धतिः सव्याख्या.

(4812) ना. 53 प.

षट्पञ्चाशिकाव्याख्या भट्टोत्पलः.

(4665) प्र. 19–31 प. मिश्रिकाध्यायान्ता

सङ्ग्रहजातकम्.

(4518) ना. 58 प.

संवत्सरोत्सवकालनिर्णयः श्रीविठ्ठलेशप्रणीतः.

(A 652) दे. 42 प.

सामुद्रिकालक्षणम्.

(4441) आ. 20-24 प.

सिद्धान्तशिरोमणिः भास्कराचार्यः.

(4436) ना. 60 प.

सुबोधगणितम् रामदेवः.

(4782) आ. 13 प.

सूर्यचन्द्रमण्डलविचारः.

(B 946) क 26 प.

सोमसिद्धान्तमूलम्.

(4435) आ. 6 प.

होराकृष्णीयशास्त्रम्.

(B 961) क. 113 प.

वैद्यशास्त्रम्.

अश्वलक्षणक्रियादिः.

(C 1971) ना. 52–95 प.

अश्वलक्षणशास्त्रं सकर्णाटटीकम्.

(4809) क. 48 प.

आयुर्वेदः मूलमात्रम्.

(A 646) क. 70 प.

(A 660) दे. 56 प.

(B 956) आ. 26 प.

कर्णिकादिनिर्णयः.

(4552) आ. 79 प.

कल्याणकारकम्.

(4466) ना. 71-78 प.

गजशास्त्रम्.

(4692) आ. 136-181 प.

गुणरत्नाकरः.

(4466) ना. 124-176 प.

चतुर्दशरोगनिदाननिरूपणम्.

(4538) आ. 12 प.

चिकित्साप्रकरणं सकर्णाटटीकम्.

(4786) म. क. 254 प.

चिकित्सास्थानम्.

(4472) ना. 54 प.

चूर्णादिविधानम्.

(4732) ना. 106 प. तत्रतत्र सान्ध्रटीकम्.

नाडीनिदानम्.

(4490) ना. 52 प.

निदानस्थानम्.

(4491) क. 30 प.

नेत्ररोगनिदानं सान्ध्रटीकम्.

(4755) आ. 17 प.

भृग्वादिचूर्णविधानम्.

(4706) आ. 124 प.

महाबिल्वादिलेह्यविधानम्.

(4560) आ. 100 प.

योगशतकं पूर्णसेनाविरचितव्याख्यायुतम्.

(4759) आ. 17 प.

रसगन्धकपाषाणभस्मादि.

(4510) ना. 33 प.

रसलक्षणशास्त्रम्. (पार्वतीश्वरसंवादः)

(4717) क. 40 प.

रसरत्नाकरः, रससारः.

(4462) ना. 33 प.

लवङ्गचूर्णविधानम्.

(4547) आ. 72 प.

विषवैद्यम्.

(4479) ना. 23 प.

वैद्यग्रन्थः सकर्णाटटीकः.

(4630) ना. 64-130 प.

(4627) क. 95 प. अप्रमेयकृतः.

(4583) क. 152 प.

वैद्यभूषणादिः.

(4545) आ. 58 प.

वैद्यशतश्लोकी.

(4466) ना. 94-97 प.

वैद्यशास्त्रम्.

(4397) तमिळु. 154 प.

वैद्यशास्त्रदीपिका श्रीनिवासाचार्यकृता.

(4622) आ. 61 प.

वैद्यसारसङ्ग्रहः साम्ध्रटीकः.

(4691) आ. 37 प.

वैद्यामृतम्. (सिद्धप्रयोगः)

(4716) क. 132 प.

सुश्रुतसंहिता सुश्रुतः.

(4602) आ. 254 प. शारीर सूत्र चिकित्सास्थानानि.

(4729) ना. 103 उत्तरतन्त्रम्.

सौभाग्यशङ्करादि.

(4474) प्र. 328 प.

न्यायशास्त्रम्.

अनुगमपत्राणि. (चतुर्दशलक्षण्याः)

(4727) ग्र. 32 प.

अवयवग्रन्थः (दीधितिव्याख्या) शशधरकृता.

(4688) आ. 60 प.

उद्देशादिलक्षणविचारः.

(4698) ना. 98-121 प.

कणादनयभूषणं वीरभद्रयज्वतनयः.

(4551) आ. 17-62 प.

काणादसङ्ग्रहविवरणं वीरनञ्जभूपालः.

(4690) ना. 85 प.

कारकवादः जयरामीयः.

(4820) ग्र. 33 प.

तत्त्वचिन्तामणिदीधितिव्याख्यानं वज्रटङ्कः.

(4690) आ. 18 प. गुणभागः.

(4801) ग्र. 177 प. अनुमितिलक्षणटीका शिष्टलक्षणपरिष्कारश्च.

तत्त्वचिन्तामणिदीधितिप्रकाशव्याख्यानं जातवेदोध्वरी.

(4316) ग्र. ना. 135 प. प्रत्यक्षखण्डः.

तर्कचन्द्रिका कृष्णभट्टः.

(4532) ना. 112 प.

तर्कप्रकाशः (सिद्धान्तमञ्जरीटीका) दीक्षितश्रीकण्ठः.

(C 1992) दे. ना. 109+27-46-129 प.

तर्कभाषाव्याख्या चन्नुभट्टः.

(4423) ना. 71 प.

(4543) आ. 177 प.

(4741) आ. 137 प. न्यायविलासः, विश्वनाथभट्टाचार्यकृता शब्दपरिच्छेदं विना.

(C 1963) दे. 38 प. मुरारिमिश्रकृता.

(4579) आ. 16-49 प. अखण्डानन्दयतिकृता प्रत्यक्षपरिच्छेदः.

(4633) ना. 56 प. चन्नुभट्टीयस्य व्याख्या वेङ्कटाद्रिनाथीया.

तर्कामृतं जगदीशभट्टाचार्यः.

(4501) क. 35-48 प.

तर्कामृतव्याख्या (तरङ्गिणी) मुकुन्दभट्टः.

(4501) क. 48-79 प.

तार्किकरक्षाव्याख्या हरिहरसुधीः.

(4749) आ. 123 प.

न्यायकुसुमाञ्जलिः (सटीकः) वरदराजः.

(4467) ना. 144 प.

न्यायशिखामणिः प्रकाशव्याख्या रामकृष्णाध्वरी.

(4570) ग्र. 100 प. प्रामाण्यवादः, अन्यथाख्यातिवादश्च.

पदार्थखण्डनव्याख्या रघुदेवन्यायालङ्कारभट्टाचार्यः.

(C 2065) दे. 43 प. 25-36 पत्राणि न सन्ति.

पदार्थतत्त्वं तार्किकभट्टाचार्यशिरोमणिः.

(4557) आ. 84 प.

मणिसारः गोपीनाथः.

(4500) ग्र. 159 प.

मणिसारखण्डनं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(4678) ग्र. 88 प. प्रत्यक्षखण्डः.

मणिसारव्याख्या रघुनाथयज्वा.

(4767) आ. 105 प. अन्यथाख्यातिवादान्ता.

मथुरानाथीयं मथुरानाथकृतम्.

(4572) ग्र. 108 प. अनुमानखण्ड..

(4686) आ. 95 प. शिरोमणिव्याख्या. गुणभागः.

वादसमुच्चयः.

(4696) आ. 35 प. मनोवैभवादितः ईश्वरवादान्तः 12 पादाः.

सामान्यनिरुक्तिक्रोडपत्रम्.

(4694) आ. 11 प..

योगशास्त्रम्.

अमनस्कम्.

(4463) ना. 33-45 प.

गोरक्षशतकं गोरक्षकृतम्.

(B 952) क. 21 प.

योगदीपिका भावागणेशभट्टः.

(4664) ग्र. 16 प.

योगरत्नचिन्तामणिः.

(4462) ना. 10 प.

योगसूत्रभाष्यं व्यासकृतम्.

(C 2004) आ. 57 प.

योगसूत्रभाष्यटीका वाचस्पतिमिश्रः.

(C 1981) ना. 114 प.

योगसूत्रवृत्तिः नारायणतीर्थः.

(4469) ना. 6-134 प.

समाधिप्रकरणं विवरणयतिः.

(4694) आ. 4 प.

पूर्वमीमांसा.

अर्थसंग्रहः लौगाक्षिभास्करः.

(C 2003) आ. 5 प.

कारिकाः (जैमिनिसूत्रविषयाः)

(4612) ना. 13 प.

तन्त्रदर्पणं अण्णाशास्त्री.

(4790) आ. 43 प. 2 याध्यायस्य 1 मः पादः.

तन्त्ररत्नं पार्थसारथिमिश्रः.
(4652) ग्र. 345 प. 6-12 अध्यायान्तम्.

तन्त्रशिखामणिः राजचूडामणिदीक्षितः.
(4412) ना. 133 प.

न्यायप्रकाशः विजयीन्द्राभिक्षुकृतः.
(C 2073) दे. 19 प

पिष्टपशुमीमांसा पायगुण्डवैद्यनाथशास्त्री.
(C 1962) ना. 438 प

शास्त्रदीपिकाव्याख्या (मयूखावाळिः)
(4815) ना 154 प. 1 मे 2-4 पादाः.

अद्वैतवेदान्तम्.

अखण्डात्मप्रकाशः गोपालानन्दसरस्वती.
(4631) आ. 243 प.

अद्वैतचिन्तामणिः सुन्दरेशः.
(A 653) आ. 224 प.

अद्वैतदीपिका. नृसिंहाश्रमी.
(4645) आ. 109 प. 3 यः परिच्छेदाः, तुरीयश्चासमग्रः.

अद्वैतदीपिकाविवरणं नारायणाश्रमी.
(4653) ग्र. 247 प.

अद्वैतरहस्यम्.
(4731) ना. 47 प. चत्वारः परिच्छेदाः.

अद्वैतवेदान्तप्रकरणम्.
(4664) ग्र. 12 प.

अध्यात्मविद्योपन्यासः शङ्कराचार्यः.
(4516) ना. 10 प.

अधिष्ठानविवेकादिप्रकरणम् आदिशेषशास्त्री.

(4659) ग्र. 95-152 प. असमग्रम्.

अनुभवामृतम् बालकृष्णयोगी.

(4619) ना. 120 प.

अष्टावक्रीयम्.

(C 2010) आ. 45-74 प.

असङ्गात्मप्रकरणं सव्याख्यम् शङ्करभारती.

(4519) ना. 15 प.

उत्तरगीताव्याख्या (सकर्णाटटीका) गौडपादाचार्यः.

(4609) ग्र. ना. 48 प.

उपदेशपञ्चकं आदिशेषशास्त्री.

(4659) ग्र. 1 पत्र.

उपाधिमण्डनम्.

(C 2075) आ. 14 प.

ऐतरेयोपनिषद्दीपिका शङ्करानन्दः.

(4614) आ. 51 प. असमग्रा.

गीतासारः.

(4609) ना. 5 प.

चतुःश्लोकीव्याख्या शङ्करानन्दसरस्वती.

(C 2034) आ. 24 प.

ज्ञानसर्वस्वसङ्ग्रहः नृसिंहः.

(C 2033) आ. 64 प. असमग्रः.

तत्वविवेकदीपनं नृसिंहाश्रमी.

(4564) आ. 212 प. २ परिच्छेदौ.

तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यं शङ्कराचार्यः.

(4492) आ. 58 प.

दक्षिणामूर्तिस्तोत्रव्याख्या अनुबोधिनी पुरुषोत्तमानन्दमुनिः.

(4610) आ. 10 प.

दृग्दृश्यविवेकप्रकरणं विद्यारण्यकृतविवरणयुतं शङ्कराचार्यः.

(4687) आ. 27 प.

नृसिंहपूर्वतापनीव्याख्या शङ्करानन्दः.

(4614) आ. 66-91 प.

पञ्चरत्नव्याख्या किरणावळी बालकृष्णानन्दसरस्वती.

(4737) आ. 16 प.

प्रणवार्थसुधोदयः.

(4683) आ. 17 प. असमग्रः.

बृहदारण्यकव्याख्या स्वयंप्रकाशयतिः.

(4563) आ. 120-165 प. 7-8 अध्यायौ.

बृहदारण्योपनिषद्दीपिका शङ्करानन्दः.

(4614) आ. 94-239 प. तृतीयाध्यायादारभ्य समग्रा.

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः.

(4636) ना. 40 प. द्वितीये तृतीयपादान्ता.

(B 947) दे. 382 प. (आमोदः.)

भेदधिक्कारन्यक्कारहुङ्कारः वेङ्कटनाथभट्टः.

(4789) आ. 103 प. २ परिच्छेदौ.

मध्वमतध्वान्तदिवाकरः.

(A 655) आ. 256 प.

मध्वमतासाङ्गत्यप्रदर्शनम्.

(B 958) क. 52 प.

महावाक्यरत्नावळी.

(4483) ना. 19 प.

महावाक्याखण्डार्थवादः.

(4642) आ. 20-54 प.

मानसोल्लासटीका रामतीर्थः.

(4644) ना. 110 प.

लघुचन्द्रिका अद्वैतसिद्धिव्याख्या ब्रह्मानन्दकृता.

(4534) ना. 69 प.

वाक्यवृत्तिः अत्मबोधश्च शङ्कराचार्यः.

(4516) ना. 5 प.

वादरत्नावळी रामशास्त्री.

(4613) ना. 30-82 प.

विवरणोपन्यासः.

(4413) ना. 141 प.

विवेकचूडामणिः शङ्कराचार्यः.

(C 2000) आ. 45 प.

विवेकसारः आदिशेषशास्त्री.

(4659) ग्र. 30-94 प.

विशिष्टाद्वैतभञ्जनी.

(4616) ना. 47 प. असमग्रं.

वेदान्तकल्पतरुः अमलानन्दः.

(4499) ना. 310-369 प.

(4499) ग्र. 198-309 प.

वेदान्तपरिभाषा धर्मराजाध्वरी.

(4465) ना. 88 प.

(4460) ग्र. 146 प. अनुमानपरिच्छेदः.

वेदान्तपरिभाषाव्याख्या पेत्तादीक्षितकृता.

(4662) ग्र. 93 प.

वेदान्तसिद्धान्तसारसङ्ग्रहः नारायणाश्रमी.

(4654) ना. 38 प.

शास्त्रारम्भसमर्थनम् त्र्यम्बकशास्त्री.

(C 2076) आ. 12 प.

शास्त्रैकत्वसमर्थनं वेदान्तदासः.

(4753) ग्र. 25 प.

श्रुतिमतप्रकाशिका त्र्यम्बकशास्त्री.

(4646) आ. 4 प.

सङ्क्षेपशारीरकव्याख्या विश्ववेदकृता.

(4617) ना. 124 प. 1 माध्यायः.

सङ्क्षेपशारीरकं सर्वज्ञमुनिः.

(4617) ना. 86 प.

सिद्धान्तसिद्धाञ्जनव्याख्या रत्नतूलिका भास्करदीक्षितः.

(4791) आ. 150 प. पूर्वभागः.

(4791) आ. 190 प. उत्तरभागः.

विशिष्टाद्वैतवेदान्तम्.

अद्वैतिमतनिरासः.

(C 1995) आ. 13 प. असमग्रः.

अष्टश्लोकीव्याख्या (मणिप्रवाळाख्या) कुन्नतूरु अय्यकृता.

(4594) ग्र. 179 प.

उचितोपायनिश्चयः.

(4818) आ. 36 प.

गरुडोपनिषद्दीपिका नारायणकृता.

(C 2069) आ. 3 प.

तत्वमुक्ताकलापः वेदान्ताचार्यः.

(4576) ग्र. 114 प.

तप्तमुद्रासच्चरित्ररक्षापरिष्क्रिया श्रीनिवासाचार्यः.

(4405, आ. 26 प.

ब्रह्मतर्कस्तवखण्डनम्.

(4794) ग्र. 176 प. असमग्रम्.

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः वेदान्तयतिराजः.

(4787) ग्र. 31-60 प.

भगवत्पारम्यप्रमाणनिरूपणम्.

(4707) आ. 78 प.

भगवद्गीताचरमश्लोकव्याख्या सुदर्शनाचार्यः.

(B 976) क. 80 प.

भगवन्नामचिन्तामणिः वेङ्कटनाथसूरिः.

(4792) ग्र. 106 प.

रामानुजसिद्धान्तसारः वात्स्यवरदार्यः.

(4817) आ. 34 प. असमग्रः.

विरोधपरिहारः कुमारवरदार्यः.

(4802) आ. 42 प.

विष्णुपरत्वप्रतिपादनम्.

(4603) आ. 16 प.

शारीरकसङ्ग्रहः.

(4787) ग्र. 30 प.

श्रीभाष्यव्याख्या श्रुतदीपिका सुदर्शनसूरिः.

(A 679) आ. 485 प.

श्रीभाष्यव्याख्या सुबोधिनी.

(A 654) आ. 296 प.

(A 680) आ. 123 प.

सम्प्रदायपरिशुद्ध्यादिः वेदान्ताचार्यः.

(C 2071) आ. 20 प.

सम्प्रदायसुधाझरी.

(4796) ग्र. 100 प. असमग्रा.

सात्वतामृतसारः योगानन्दभट्टतनयः.

(4795) ग्र. 30 प.

सारतात्पर्यनिर्णयः रङ्गरामानुजमुनिः. (रहस्यत्रयसारव्याख्या)

(4601) ग्र. 144 प. सङ्ग्रहरूपा.

सारसङ्ग्रहः.

(C 2022) आ. 39 प.

सिद्धान्तपरिभाषा (सव्याख्या) वाधूलश्रीनिवासाचार्यः.

(4726) ग्र. 25+14 प. 2 अध्यायौ.

सर्वार्थसिद्धिव्याख्या आनन्ददायिनी नरसिंहदेवः.

(4800) ग्र. 76–167 प.

(4793) ग्र. 209 प. 3–5 सराः.

द्वैतवेदान्तम्.

अखण्डार्थत्वलक्षणखण्डनम् वेङ्कटेशनृसिंहाचार्यः.
(C 2063) दे. 8 प.

अणुतारतम्यस्तोत्रव्याख्यानम् प्रह्लादकृष्णाचार्यः.
(C 2035) दे. 70 प.

ऋगर्थोद्धारः श्रीनिवासाचार्यः.
(C 2053) दे. 60 प. द्वितीयोध्यायः.

ऐतरेयोपनिषद्भाष्यविवरणम् जयतीर्थः.
(C 2056) दे. 142 प.

कृष्णामृतमहार्णवव्याख्यानम् कृष्णाचार्यः.
(C 2083) दे. 77 प.

गीताभाष्यविरोधः.
(B 959) दे. 27 प.

चक्रमीमांसा विजयीन्द्रभिक्षुः.
(4746) ना. 90 प.

तत्वसङ्ख्यानटीका-(तात्पर्यपञ्चिका.)
(B 973) क. 34 प.

तत्वसङ्ख्यानव्याख्या-(विकासः) यदुपत्याचार्यः.
(C 2081) दे. 20 प.

तत्वसुधानिधिः आनन्दतीर्थाचार्यः.
(C 1986) दे. ना. 25 प. अपरोक्षज्ञानतरङ्गः.

तारतम्यम्.
(C 2037) दे. 20 प.

तारतम्यविचारः.
(C 2038) दे 23 प.

तारतम्यसङ्ग्रहदीपिका मध्वाचार्यः.

(C 2039) दे. 58 प.

दुरुक्तिदूरीकरणम्.

(C 2046) दे. 12 प.

नयचन्द्रिका अनुव्याख्यानटीका त्रिविक्रमाचार्यः.

(C 2066) दे. 95 प.

नारायणशब्दनिरुक्तिः.

(C 2072) दे. 8 प.

निर्णयव्याख्यानादिः श्रीनिवासतीर्थः.

(4457) ना. 61 प.

न्यायसुधाटिप्पणी यदुपत्याचार्यः.

(C 2057) दे. 260 प.

पदार्थसंग्रहः पद्मनाभाचार्यः.

(4509) ना. 39 प.

प्रमाणपद्धतिटिप्पणी गोविन्दकृष्णाचार्यः.

(C 2029) दे. 23 प. स्मृतिलक्षणान्ता.

प्रमाणपद्धतिटीका वेदेशः.

(C 2025) दे, 53 प.

प्रमाणसङ्ग्रहः.

(C 2043) दे. 58 प.

(4822) ना. 250 प. लक्ष्मीनारायणयतीन्द्रकृतः.

(C 1996) ग्र. 45 प. मुक्तप्राप्यनित्यलोकादिसद्भावविषयः.

प्रमेयदीपिकाटिप्पणी वासुदेवाचार्यः

(4425) ना. 55 प.

प्रमेयमाला श्रीनिवासाचार्यः.
(C 1969) दे. 84 प.

ब्रह्मसूत्रपदार्थप्रकाशिका हरिदासाचार्यः:
(4394) ना. 177 प.

भगवद्गीताविवरणं विद्याधिराजः.
(C 2058) दे. 134 प.

भगवद्गीताव्याख्या राघवेन्द्रयतिः
(C 1991) दे. 428 प.

भागवततात्पर्यटीका श्रीनिवासतीर्थः.
(C 2055) दे. 35 प. सप्तमस्कन्धः.

भावाभावप्रकरणम्.
(C 2048) दे. 5 प.

भेदतरङ्गिणी रङ्गनाथः.
(C 2049) दे. 51 प.

मन्दारमञ्जरी व्यासतीर्थः.
(4456) आ. 38 प.

मध्वमतसारः- वडयप्पतनूजगुरुराजाचार्यः.
(C 2041) दे. 11 प.

मध्वसिद्धान्तसारोद्धारः विजयीन्द्रभिक्षुः.
(B 969) दे. 253 प.

मन्त्रार्थमणिमाला बालपण्डितः.
(A 638) क. 103 प.

माध्वतत्वप्रकाशिका-आत्मानन्दमुनिः.
(4807) ना. 8 प.

महाभारततात्पर्यनिर्णयटीका -रामचन्द्राचार्यः.
(C 1985) दे. ना. 57 प.
(4814) ना. 75 प. वेदाङ्गतीर्थकृता. चतुर्थाध्यायप्रभृति समग्रा.

वाक्यार्थचन्द्रिका विद्याधीशः.

(C 2024) दे. 126 प.

विजयमाला-सत्यनाथयतिः.

(C 2042) दे. 14 प.

विरोधध्वान्तचन्द्रिका रामाचार्यः.

(C 2061) दे. 33 प. विष्णोर्जन्मादिकारणत्वसमर्थनान्ता.

(C 2044) दे. 22 प.

(4824) ना. 42 प. प्रथमपरिच्छेदः.

(4824) ना. 43-79 प. द्वितीयपरिच्छेदः.

विशेषसमर्थनं व्यासयतिः.

(C 2047) दे. 3 प.

विष्णुस्तुतिटीका त्रिमल्लकोनेर्याचार्यः.

(C 2036) दे. 34 प.

शाण्डिल्यतत्वव्याख्यानम्.

(C 2027) दे. 70 प.

शेषचन्द्रिका रघुनाथयतिः.

(C 2051) दे. 73+61 प.

(C 2050) दे. 36+48 प. चतुर्थाध्याये 3-4 पादौ.

शेषवाक्यार्थचन्द्रिका.

(A 546) दे. 35+30 प.

सदाचारस्मृतिव्याख्या नृसिंहाचार्यः.

(C 2062) दे. 37 प.

सूत्रार्थमञ्जरी-अप्पण्णाचार्यः.

(A 656) क. 81 प.

शैवम्.

ब्रह्मसूत्रभाष्यं श्रीकण्ठाचार्यः.

(4493) क. 217 प.

शिवयोगचिन्तारत्नसंङ्ग्रहः.

(4463) ना. 11-33 प.

सिद्धान्तसङ्क्षेपः (शिवकर्णामृतस्य) अप्पयदीक्षितः.

(4414) ना. 25 प.

अनिर्दिष्टम्.

अप्पयदीक्षितचरितं शिवानन्दः.

(A 674) क 26 प.

अभिलषितार्थचिन्तामणिः- सोमभूपकृतः.

(A 626) क. 283 प.

(B 948) दे. 290 प.

कोङ्कणदेशस्थब्राह्मणानां वाङ्मूलं (कर्णाटभाषात्मकम्.)

(C 1975) दे. 5 प.

जैनग्रन्थः

जिनधर्मसारः विमलवारिदेवकृतः.

(A 636) क. 266 प.

मन्त्रशास्त्रम्.

अगस्त्यसंहिता.

(4654) ग्र. 50 प.

अन्नपूर्णामहाविद्यादिमन्त्राः.

(C 1982) ना. 80 प.

आपदुद्धारकवटुकभैरवस्तोत्रम्.
(B 952) क. 11 प.

आम्नायपूजाविधानम्.
(4464) ना 11 प.

उड्डीशतन्त्रं डामरसंहिता.
(4462) ना. 85 प.

कच्छपुटश्वेतार्कगणपतिकल्पः.
(4446) ना. 12 प.

कात्यायिनीतन्त्रम्.
(4722) तुळु. 16 प.

कार्तिकेयदीपस्तम्भविध्यादिः.
(4554) ना. 57 प.

कुलार्णवरहस्यं-स्कान्दान्तर्गतम्.
(4504) क. 91 प.

क्षेत्रभैरवकल्पादयः.
(4526) ना. 83 प.

खड्गरावणविषविद्यादिः.
(4473) ग्र. 37 प.

गायत्रीभाष्यं (ब्रह्मास्त्रादि)-विद्यारण्यकृतम्.
(4651) ना. 51 प.

चण्डीपाठः.
(C 2080) दे. 26 प.

चतुष्षष्टियोगिनीपूजामन्त्रादयः.
(4524) ना. 20-83 प.

तान्त्रिकसन्ध्यादि.
(4449) ना. 113 प.

त्रिपुरसुन्दरीमानसपूजाकल्पादिः.—

(4525) ना. 230 प.

दत्तात्रेययन्त्रविधानम्.

(2014) आ. 9 प.

दत्तात्रेयसंहिताव्याख्या.

(4769) आ. 37 प.

नवदुर्गाकल्पः.

(4590) ना. 24 प.

पञ्चोपाख्यानम्.

(B 953) क. 30 प.

पार्थिवपूजाविधिः. (सारोद्धारोक्तः)

(4587) ग्र. 7 प.

पाशपदार्थनिरूपणम्.

(C 2077) आ. 25 प.

प्रत्यङ्गिराकल्पः.

(4527) ना. 95 प.

(4446) ना. 16 प.

बगळाब्रह्मास्त्रविधानम्.

(4358) आ. 58 प.

बालात्रिपुरपटलम्.

(B 952) क. 5 प.

बालात्रिपुरसुन्दरीपूजाविध्यादिः.

(4533) ना. 24 प.

भगवन्नामरसोदयः.

(A 639) दे. 200 प.

भीमसंहिता (प्रतिष्ठातन्त्रान्तर्गता)

(4675) ग्र. 41–67 प. पटलद्वयम्.

भैरवपद्मावतीज्वालिनीकल्पः मल्लिषेणः.

(4458) क. 76 प.

मन्त्रदेवताप्रकाशिका.

(4661) ग्र. 175 प. 2 पटलौ.

मन्त्रशास्त्रसङ्ग्रहः.

(4580) आ. 126 प.

मन्त्रसम्प्रदायरहस्यं गौडपादीयम्.

(4808) आ. 32 प.

महाकालपटलम्.

(B 952) क. 5 प.

महालक्ष्मीकल्परत्नकोशः.

(4424) आ. 181 प.

महाविद्या.

(4527) ना. 53–99 प.

मातृकाचक्रविवेकः मातृकानन्दः.

(4445) ना. 10 प.

वटुकभैरवकवचम्.

(B 950) क. 36 प.

विहगेन्द्रसंहिता.

(A 659) क. 136 प.

शक्तिसिद्धान्तः.

(4809) ना. 8 प.

श्रीचक्रपूजा.

(C 2078) दे. 38 प.

श्रीस्वरूपविमर्शिनी चिदानन्दः.

(4445) ना. 17 प.

सप्तशतीरहस्यम्.

(4641) आ. 47 प.

समयाचारतन्त्रम्.

(C 2079) दे. 23 प. 9-12 पत्रलोपः.

साङ्ख्यायनतन्त्रम्.

(4527) ना. 52 प.

सुदर्शनशूलिनीबगळाकल्पादिसङ्ग्रहः.

(4461) क. ना. 247 प.

सौभाग्यविद्याक्रमः.

(4517) ना. 109-168 प.

हनुमत्कवचादिः.

(B 955) दे. 30 प.

आगमः.

तत्वप्रकाशिका (श्रुतिसूक्तिमाला) शिवालिङ्गभूपः.

(4604) ना. 36 प.

नित्योत्सवनिबन्धः उमानन्दनाथः.

(4445) ना. 109 प.

पवित्रारोपणाद्युत्सवप्रयोगः (पाञ्चरात्रम्)

(4804) ग्र. 94 प.

पाञ्चरात्रनिबन्धः (क्रियाकाण्डः)

(4803) ग्र. 78 प.

महाशैवतन्त्रम्.

(4536) आ. 51 प.

योगेजागमः (परमरहस्यम्)
(4747) आ. 332 प.

निघण्टुः.

अमरकोशपदविवृत्तिः लिङ्गभट्टः.
(4582) प्र. 87 प.

अमरव्याख्यानं सर्वानन्दः.
(4496) ना. 155 प.

अमरसुधासारः गोपालरायकृतः.
(4571) प्र. 49 प.

एकाक्षरनिघण्टुः.
(4648) क. 4 प.

एकाक्षरालिङ्गानुशासनम्.
(B 965) दे. 18 प.

नानार्थरत्नमाला भास्करकृता.
(4783) आ. 35 प.

सूचीपत्रम्.

श्रवणबेळगोळस्थ चारुकीर्तिस्वामि मठीयलिखितपुस्तक सूचिनी.
(A 663)

English Maunscripts.

Bower Maunscripts.		Part	I	English.	(A 628)
,,	,,	,,	II	,,	(A 629)
,,	,,	,,	III	,,	(A 630)
,,	,,	,,	III-VII	,,	(A 631)
,,	,,	,,	I–III	,,	(A 632)
,,	,,	,,	,,	,,	(A 633)

(Revised Edition) General Sanskrit Index.